# र्केश'वर्रुन'से'न्य्रिन'र्से'सून'सेवे'नस्न्

3='3'a'X\"\=\"9a'\-3aa|

Accession No.....Shantarakshita Library
Tibetan Institute, Sarnath

#### 世界では意というですが多とでで、当ていまたいのです!

हमायाया १८% मार्द्राचेरा

\*

· 현숙· ㅈㄷ· 휫드·혈드·제· 훵· 8·미제· 8· 8· 미니마드· 현숙· 외제· 독리· 홍ㄷ· 독리· গূব· 미드· ( 및 · 휠제·) 국제· 디윌 미제:

보스.ỗ드로.성로.환.스디도.성스디적.디포.텔적.스디도!

**희둑·**ㅈ드:퓼드·띹드자, 휠' 쪼여져' 조죽' 우미' Iロ드' 츠득' 워미' 두리' ᅔᆽ드' 두리' পূ즉, 'P드' (피' 휠미') 주제' **디끄레** 

1988 전환,혈, 3 디노,신디소,네영,신仁,된,디퀄리석

1988 전환 홍 3 리자 두리자 형도적 두다 전 리 5리

ইন'শ্নৰ' 1---2,000

শৃষ্টশৃষ্ট বৃষ্ট বৃষ্ট বিশ্ব বিশ্র বিশ্ব বিশ্র

द्रेय देव व 3.20

⟨ĕҳҡҵҵҵҡҡ҇ӯӷҡҡҳҵӷӼ҇ҡҵӡҁ⟩ ҡҁ҄ҳ҄ҡѧҕҸҵӷӷӯӀ पड अल' महि'नुसारी 'नुसारी' अट' मन् है 'ल' हिन् चेर' में है है है है है जा हिन् चेर में है है है है है है है है लाम्भवानाः क्रमार्मुदाक्षेतानु ग्वामान्यान्यान्यान्यानु नेयावानु वारान्यान्यः मिर्वेशायति वटा सङ्ग्रसाया विमायिव विदा केंसार मुदार दी ता सुदा सदा सेवा महामुन्द्रिं स्वार्ष्यं प्रविष्यं प्रति । स्वार्षे प्रविष्यं प्रविष्यं प्रविष्यं विषयं । ष्यतः अ. कुर. कुष्यः इत्याप्ते . वैदाना खेता त्राचा ना ना हा ख्राची व । मन्नाने हेर व ना नहें ने पह र दिन पर व र हैं है रहे रहे रहे ना दिन र ना तमार व र र 《न् बूब क्यारनेट ॥ 《बिल रामयामेश्यापर के प्राप्त ॥ क्यापर रीन वेर ॱ८्बरॱमॅं » णुबॱबव्विर'र्त्वेटरळेबरम्मः तम्बद्धाः क्षेत्रः तम्बद्धाः विदेश**महेर** बहूर् बैंबरड्र, दूबर्ताला बुर क्ष्यार वेंद्रात हेंबरता हुवर वा कुछर वाया होरे ढ़ज़ॣक़ज़ॣॎख़ऻॿॣॿ॓ॱॿऀॱ८ॻज़क़ॖऀॱॎढ़ॖॻॱॿॖॸॱॹॕॿ॓ॱॻॢॱॴॱॿॖॿॱऒॿॱऺॻॴढ़ॱॿऀज़ॱॺॺॿ॓॓ <u>मुं.《चर्चारःच</u>रेशसःक्ष्यःप्र<del>व</del>ेटःकुबे.श्रांशितशानधःसप्रःक्षटे.पर्ह्ने**न**》 पर्कत् वस्त्रः यान्त्रः दिनारः ध्वाक्षात् चुर्के प्रतिराम् वनायन्तरः बेट.परे. ९४४.७ वेट. थियाता. तर्हार्येष हें वे हार्यटा वे तर्हा रिक्टा विकास क्र्यात्वीट्र रेवा.लट.खनकर्टिट.टच.रचट.ईश.क्षेप.कु.**९ईच.**लट.क्र्यू. ८चु८> ५अ४८६७३५८८८८७४३४८५५५०८७५५८५५४५७३ <न्मा अदे मित्र प्रत्य देव केव पार अहँ र् अव पार्टे पूणु खे र्पाट मी <वित्र हरवन्तर प्रकृत की क्रिया हिमा के प्रकृत की किया के क्रिया के क्रिया के क्रिया के क्रिया के क्रिया के क्रिया के

<u>ૹૄઙૢ੶૽ૹ૾ૺૣૡ૽ૺઽઌૹ૾ૹ૽૱ૢઌૣ૱ઌૢ૱ઌ૽ૢ૽ૺ૾ૺૺૺૹૣૹ૱ઌૡ૽૽ૺૺ</u>ૡ૱ઌ૱૱ૢૡૢ૱<u>ઌ</u>૱ शुःचण्व क्रिंगणु हि स्वतः ( मुच स्वतः नियः मुक्तः स्ट कार्यः हिस्सार्यः ठ्यानी, तर्वेष ८६४ त्रेष तथानी, ९८६४ मिट मियानपर असे मान्यान के <del>य़ॱॸॻॱक़ॖॖॺॱ</del>ॻॖऀॱ**ॣॴॸॕॱ**য়ॣॸॖॱक़ॕॺॱढ़ॻॗॖॣॸॱॸऀॻॱॿ॓ॸॱक़ॗॱऄॐॢॻढ़ॺॱॸऀॱढ़ॗॸॱज़ॕ॔॔॔ॸॱॱ **รู**'ผสจ**ามีสาน**ลิาซัสาลยูะ ระบาติดารถสาริเรตาจำนัก รู้ เล่า नियान्य हैना छेन्। भन्। अटा राया १८ तमा है साम इस मारी के सार मुद्दा न्तः संकृतान् पुनः भीतानु स्वापः विष्यः विष्यः विष्यः स्वीतः स्वीतः स्वीतः - **ਫ਼ੑੑੑਜ਼ੵ੶ਜ਼ੵਜ਼੶**ਲ਼ਜ਼੶ਜ਼ੵ੶ਫ਼ਜ਼੶ਫ਼ਜ਼ੑੑਫ਼ਜ਼ਸ਼ਜ਼ਲ਼੶ਜ਼ੑਲ਼੶ਜ਼ੵਜ਼ਜ਼੶ਜ਼ਜ਼੶ **- वैन-भव-प--पव-पवे-**पवे-प्रिन-कॅब-न--प्र-प्र-प्रवाद-पे-वि--प्र-प्रवाद-प्र-प्रवाद-प्र-प्रवाद-प्र-प्रवाद-प्र-प्रवाद-प्रवाद-प्र-प्रवाद-प्र-प्रवाद-प्र-प्रवाद-प्र-प्रवाद-प्र-प्रवाद-प्र-प्रवाद-प्य-प्रवाद-प्र-प्रवाद-प् **८६म:ब्रैट:जैन्येकुंब:बे**टा:८**६ग**:अविद:ॲन्देंच्रंगःवैब:णुट:ऑक्वाःथ:बेटा त्हन्युं न्यान्तर्त्रायते स्यानु वात्ति वात्त्र्वा व्यात्त्रा मते संकुत्र देवा विवा वा ता रेवा विवा मारा स्ता तर्मा मते संकुत्र स्तर है हैं मते सं कु बारा अर्थे दा के दा पु पा के पा कि वा पा पा कु र है दा अदा **बद्दरा प्रस्याहराने केंद्र देवा तहना पुरा है स्मान रहे हैं से हैं तम प्रस् ॱबॅन्बः२नःनद्वः**८८:ह्वे**ुॐ**न्बःथःद्वेपः८६**न**ःग्वे८ःयद्देःके८ः५ःदे८। ८८: देन्द्र-के म् कुर्यायाक प्रविषा दित्रा स्रिटे हिंदा हे मानी में दाव या चुर ্লন:ঀৢ৽বে:না কু'অকব'নিমাঝাদব'শুব'নীমাকমাইব'হে শ্লেব'না ৰিশা দু'ন ই नित्मु अकद् भट स्नाम देते च्रा के प्रमान कर के प्रम के प्रमान कर के प्रमान कर के प्रमान के प्रमान के प्रमान कर के प्रमान क

Bिट. क्र्याचे हेश्या है। विटानी क्रयार विटास प्राप्त होता है वा है वि ল্বান্সরহি শ্রেন্মানেই ব'ট্টি শ্রের 'ট্রমার্মানু ক্রমান প্রব'মান্টান্সমান্ত্র মান্ত্র देशकु 'यळव' दे 'स्रायक देशे में द 'ग्री 'सिं कु व' दे 'में द 'से श पुर ' गुर है। वेदाबदाष्ट्रवादुगार्ह्हनार्हेदाविष्याध्यायमा वेदाणुपञ्चाद्ववाळा वित्र हे लि में के प्रति के प्रति के ति है के प्रति के प केन्'नु'कें अ'र्ह्मन् कुं पुँपाय'रेय'केय'केर'होता'सेन्'पा'ने'भेवा नियर'व'रूर' रे.पूर्.की.पूर्वे अ.दूत्र.वील.तपुर.सी.द्रयापहरे वे पेर.पपुर.सूल.लटा ४८.रण. ৡ৾<sup>৽য়৽</sup>য়ৼ৾৾৽ৼৼৼৼয়৽য়৽য়৽য়৽য়৽ৼঀ৾৽ঢ়ঽ৽য়৾৽ঢ়ঽ৾ঀ৽ঢ়৾৽৽ড়৽ पते या विष्या के स्वाप्त के स्वाप हॅ¹हेॱण्काप**ी**देॱलटाश्चेन्'रु'मुनार्घन'ळाचुब'सबाह्बालह्ब'ल्बन्। नेबा ब.स्ट. २. श्री ल. भे. र्था ४ हु ब. हु ट. पहुर श्री ल. ट्रे. यू व. व्यट. त्याव व्यह ट. त. व. विद्रा ट्रे.बय.रुअ.पक्षेत्रहेट.अ.८८.। य.श्री ट्रेग.पियय.पश्याश्चीप मु देयारहेवाचेन्याते अलान्यव रहवार मवाया हे प्रते न्या हुना निता है । **୶ସ**୵ୣୖୣୣଞ୍ଜ'ଐୢ୵ଌ୕୵୳ୣୠ୕୕୵୕ଡ଼୕୵୕୳ୄୠ୕୶୕୵୕୷ୠ୶୕୷ୠ୕୶୵ୠ୕୵୷ୠ୕୷ୠ୕୶ୢୠ୕୶୕୷ **ড়**৾৾৽৽য়ৢয়৽৻৴৾ঀড়৽৻ঀ৾৾৽৻ঢ়ৼয়৽য়৻ড়৾ঀড়ঀ৾ঀড়ঀ৸৽ঢ়৽য়৾ৼ৽৻য়৻ৼ৴ঀ

**ม**ีลิาสูารุยูะล<sub>ิ</sub>มูลานาลฅจาธิจาทูา(ชังาดยูรารุนๆานลาเย็จานสร<sub>ิ</sub> बु'पण्द'र्केश'ग्रै'है'बदे'《ग्पाप'बद्यर'नेथ'ग्रै'बे'र्ये८» परद'र्घ'रहस'न्यय' **४५१.के प्रत्ये १८६४.स्रे १.५४.के. १८६४.मिट. मेथ.**तथरे अता.स्राप्त के द **य़ॱॸॻॱक़ॖॖॖॖॺॱ**ॻॖऀॱ**ॣॺॸॕॱॾॗ**ॸॖॱक़ॕॺॱढ़ॻॖॖऀॸॱॸ॒॓॓ॻॱॿॖॆॸॾॎऀॱॺॾऀॢ ॻढ़ॺॱॸ॓ऀॱढ़ॗॸॱॺॕ॔ॸॱ**ॱॱ** รู พลส จา ผู้สานกิ ชัสาดยู นารนา สูงหารนลาริ เรๆ เจ้านัก รู ๆ ๆ ๆ ส่วนัก **मिन'मिठेम'छेद'**म'सेवा अटारस'रित्य'हेस'म् अस'मेरे केस'रिपुटा **५८. ष्यः कु तः ५. ५८. भेदः ५ अ८. सं. ७ व. १** ४५. मा ५८. मा ५८. मा ५८. मा **ढ़ऀज़ॱज़ऀॹ**ॐॺॱढ़ॻॗॖॖॖॖॖॖॖॗॖॸॱॻॾॱॺॺॱय़ढ़॓ॱॸॗॺॱॾ॒ॱॻॱॸॖॸॱ। ॸॖ॓ॱढ़ॗऀॸॱॸॖॗॎॸॺॱ **ऀऄज़ॱऄढ़ॱय़ॸॱॱॻॿॸॱॱॻ**ढ़ऀॱॿॖॸॖॱळॕॺॱज़ॸॱॸ॔ॸॱॹॸॱॲॸॖॱॹॗ॓ॺॱढ़ॱॸऀॱॸऀॱॸॱॿॖ**ॱॱॱॱॱॱ ८६म:ब्रैट:जैन्येकुब:बेटा:८६ग**:बावद:संट्र्ड्रग:वीब:गुट:सं:ब्रुव:श:बेटा: **८६न ने ने ने मिल्या प्रताय कर विश्व क** महे सं कु व देव मा देव मा ना ल में ना ल त्व माहे से मु व लहर है र व म है है मदे सं कु बाया अर्थे दा के वा पुरा के पा कि वा प्रापक के दान के प्रापक के प्रापक के प्रापक के प्रापक के प्रापक **द्यहे म**िन्द्र विष्ट्र विष्ट्र कन् प्तस्तु अर्दे हें द्र गुट दे कन् प्राप्त से नाव है नाव है गा **२द'यम'न**ः '**यद**'य' बिम्'नु 'पक्षे'प' दे 'कुँर'य'गुद' पुद' क्षप्त 'के'पर' पक्षे'प' **ॱॠ॔नसॱ२ैन'नदस**ॱ८८:श्चैॱॐनसप्त'ढ़ीयॱ८९**न**'म्बै८'म्परै'के८'८ु'रे८। ४८' **रेग्दर्भे भंग्वुग्यायाका**यब्ना दत्रा सम्देश्हराञ्जनामी मेराव्या ৾**৽ঢ়৾৾৻৾য়৽ৼ৾৽ঀ**য়৻য়৾৾৾৾ঢ়ৼ৾য়৾৽ঀ৾৾ঀ৸৽ঢ়ৢ৾য়ৼড়৾য়ৼয়৻য়ৼয়৸ৼয়ৼয়৸৽য়ৼয়য়৽ঢ়৽ঢ়৽ঢ়ড়ঢ় ৽**৸৸৾ঀৢ৽ঀ**৸৾ঀ৾৾৾ঀ৾য়ড়ঀ৾৾৽ঀ৾য়৽য়৸ঀ৾৽য়ৢঀ৽ঢ়ৢ৾য়৽৾য়য়৽ৼঀ৽য়ৼ৽ড়ঀ৽৸৽ঀৢ৾ঀৢৢঢ়৽ঢ়৾৾ৼ नित्र मुं अठद 'सट स्मानस देते 'स्न गु ही 'हें नस है स संते में मुन

मुन्न के नाम के

विर.कृषाचे हेथाता द्वी विटाची क्ष्यार वैटालास्टा स्था द्विता पृष्यादा লুন'য়য়ঽ'ড়ৢ৾৸য়'৻ৼৼঀ'ঀৢ৾৾৾৽ড়ৢ৾ঀ'ঀৢ৾য়'৸৾য়ৢয়ৢ৸ঢ়য়ৢঢ়'য়ঢ়'য়ঢ়৾ঢ়য় देशे क्रु 'यळव' वे 'स्रेम्य 'देशे 'मॅंद' ग्रे' 'शिं 'क्रुय' वे 'मॅंद' खेल' सुर 'ग्रुर' है। व्यन्त्रवाहितार् प्रिवार् हेन् विष्या स्त्राचा व्यन् ग्री वास्या वुद्धिः चुत्रा दुरव्या द्वारा में कुत्र हेवर दे प्यत्या है। दे त्या पहेवर वया केन पुरकें भारीन भी पर्याप्त के संक्षेत्र के संक्षेत्र के सम्मिता विकास के सम्मित्र के सम्मित्र के सम्मित्र के स दे प्रति की प्राचित होता तथ भी प्रति के प्रति हो हो दे पार में या प्रता १ हेट र तथ स् ৡ৾<sup>৽</sup>য়৽৾ৼ৽৻ৼয়৽৾য়য়৾য়৽ৼঀৢ৽ঢ়ড়ৢ৽ৠ৾৽ঢ়ৼৢয়৽৸৽৽ঢ়ৼঢ়ৢঢ়৽ৄৼ৽ यदे त्राक्षे प्रदेशका क्षेष्टा 1288 विराणकाया क्षेष्ट्रीय विवास स्टा हुता <u>६्रड्र.पोभ्र.तत्री</u>धःलटाञ्चर्रे.से.से.से.स.स्य.लह्य.पोथरा टेथ. す、元人、子類の、男、大利、のます、身人、口名、類の、子、其中、お子、口川の、口質し、口、の、 चुत्। देख्यःदेशःचद्वदःहुत्यःस्टः। यःश्चा न्वोरत्वायःचरुयःसुःश्चेष त्रुॱ<sup>द्रवा</sup>ल्हेन्'चेन्'पदि'अल'ने'पव'द्रव'ल्युन'य'हे'चिते'न्र'ह्या'पन्ट'हे'' • **बद्यराञ्च**राञ्चरतेष्ठाः कुरान्युवार्तराञ्चर्यराके रहिताकुरान्युवाः मुकाः स्वार 

५ मुन अवत तर् के व मुद्दान दि । न सुव न मिन्न के व के व न मिन्न के व अट.रलारिधिटयाञ्चेत्याह्र,ह्राड्राथावयात्त्र,ह्रायायात्त्रीयात्त्र,ह्रायायात्त्रीयात्त्र,ह्रायायात्त्रीयात्त्र, भूमकादेरामाताम्त्रकाराम्बराहेरानी प्रमुपारता के**र्या** थेव। प्रायकुर्परिष्मुव्यादेशस्तुर्प्यव्यासरायार्थः ुरह्नवाव्या स्रिन्द्रम्भायत्षुव्यत्रित्र्वेद्र्याः हेर्पद्रव्येत्रायर्म् १८ र तथार विद्याया के वाय सम्मानका देवा या नाव सम्मानका विद्या समा मुर्देश धरा मुयासवराषटान्तुः र्व्यायाया राज्यायेता देपविताया सुपारास्टेता १८ र स्थायप्रवाद वास्यास्य व स्थायः । यह र प्रवाद व व व स्थायः । यह र प्रवाद व व व व व व व व व व व व व व व व व मुलासळद्रत्व्यस्यायात्रेद्रामयायात्रुद्धेन्य्यास्यवरान्तुः र्क्ष्नयाया दस्यास्या ळॅबॱबेट्-पहेब्यणुँ 'सेद्र' एवर' न्र-चेब्र' सुंदर केट्। दे पावेद 'कुल' पा पहेब्य' पकु'न्र'कुक'कु'र्स'म्रुक'यर'तिहुटस'य'केद'यत। पण्ट'म्न्सस'**च्यर**' अत्य-द्रमे खिन्य-परि गुपा व्यव विषापा दे स्मित्य देर अटा उवा वटा केता म्रि.री.क्ष्रातीवायाच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्या

म् राच्यायाक् व्यवद्रान्द्रिक्षः नियः म् स्वर्थः क्ष्यायाक्ष्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्

ष्ट्र-ळॅस्यम्बुस्यादे न्यान्य स्वाद्धः द्वाप्य स्वाद्धः विकार्धः विकार्यः विकार्य

विर.क्ष्याच वृत्ताची क्ष्याप्टी क्ष्याप्टी क्ष्याप्टी क्ष्याप्टी क्ष्याप्टी न्ता हुन्द्रम्याः अस्ति प्राह्मित्रम्या के स्वाप्तरं में प्राने प्राहे प्राह्मित्रम्य के स्वाप्तरं में प्राहे प्राहे स्वाप्तरं में प्राहे प्राहे स्वाप्तरं में प्राहे प्राहे स्वाप्तरं स्वापत्रं स्वाप्तरं स्वापत्रं स् म्टार्ने न्त्रत्राहेरा श्रीरावास्त्रायार्नेराम्त्राहेराहेराख्यायार्नेराक्षेत्राहेरा भ्रम्म विषय विषय विषय कि स्वर्थ के स्वर्य के वित्रम्मा कृष्य दिवा वी प्यतिहे **वित्र क्षेत्र कुर कुर वित्र समामाना वित्र प्राप्त** क्रवायात्वर, श्रेयाया क्षेत्राच्या स्ट्राच्या **द्वराची व्याची व्** टेखासर है रेसाला ने ना सिंदा है। क्रिया समुद्रा ति देश सहना मुद्रा ति है हुर.४/वृट्र.सूट्रता.,कृथ.४विट्रम्मे.**स्.ये.४०२.४८.८८.म.४८.**२८.वेट्र.४८.१ ४८ पाट्द.श्रुवा पामाबुर८र्द्री मामावस्त्रामा पापायाके हो पापावस्या माधेवाही तदीवे से ता से दास माधेवा ते नास पर सुदाया ने नास पर बुका जेनकातर श्रुपयायायायायर सहरा श्राश्रे हे शुर्वा प्राप्ति द्वासा त्रष्टिल,त. सूर्या चिंदर, पीयाका क्षात्र अस्ता कुरात्र कुरात्र सूर्या अस्तर स्वा ग्रेक מישלקיקיאוְשִיִינִיאָישׁאיַפֿלן" פֿאיקבין שביאָבֶּקייָפָריַקַי"ָּקָאי विष्युट खुन वेयय न्यरे द्वापर स्थाप स्थित हो स्थाप न्दंनेयापुरा द्वापाद्माराण्ये द्वापादान्य विवासात्रा विवासात्रा भामके प्रति खुन्या है क्रा मर्त्र है 'ब्रेन्'में 'बेयामरे त्व्राय विमान्यामा

प्रता त्रिमानेदायम् प्रता प्रता हिन्दा स्त्रा हिन्दा हिन्दा स्त्रा हिन्दा हिन्दा हिन्दा स्त्रा हिन्दा हिन्

प्राप्त प्राप

 अ-५२ जिट शिव - ५८ - ५२ के विष्य - ५० - १० के विष्य - ५० - १० के विष्य - १० विष्य - १०

5्रदर-हन्य प्रचित्र व साह्याया ( ) ८६८, वटा र तिर्मा विष्युमा प्रवासन वर्गेर वर्ग য়৽ৢঀ৾৾ঀ৾৾ঀ৽৽৺ঀ৾৽য়৾য়৾৾৽য়ৼৢ৽ৠ৾ঀ৽ড়ৼ৽য়**ৢয়৽য়৽ঀ৽ৼ৾৽**ঢ়য়৽ ( ) १६ १ वटः पहुना व वा भेना छटः ५ गुवासु पर्मे ५ मा ५८:१४ मो किन् वे रावहित मानवा की रिवान विश्व का मानवा पर्हे न विशास वृद्दःरेन्यः १ राष्ट्रायः विद्रायक्याः वयः ५३५ म्बिरः पर्मेर् स्पर् मुबुद:केन्।कर्:यान्यन्य पुष्प्रवन्य न्यार प्रति देन्य सार न्या ा ा विद्या ट.क्र.रट.चीस.च्र.प्रव.ट्रेगर.चह.रचेश.संस.च्र.ट्रेंगस. वर्गेर्'र्थर्'या म् इट्यर्थर्थ्यः कूर्रत्रे चेब्र्रिन् विष्ट्रा हिम्स्य कर्यम् तुं वे के वो के निष्य 🔆 ८६ दिर पर्में प्रें पा प्रवास कर हे प्राप्त कर हे प्राप्त कर हे प्राप्त कर स क्षयाणुयाश्चरायाच्याराष्ट्रियान्यविष्यहर्म्कुतिः कर्नुष्येवा यान्येतिः वरः पहुंबर भिन् कट प्रदेशियर भिन् वेर नेव पु अट प्रवाद वा प्रति विवाद वा वा प्रति वा वा प्रति वा वा प्रति वा वा प्र न्त्रश्चनः श्चेत्रः पहें त्राप्ताय **श्चेत्रः गु**तः न् न्युः कर्षेत्रः नेत्रः केत्रः क्षारः स्वात्रः स्वातः स्वातः र्ना हमा स्र्रे देश पर्ट प्रमेशन स्राप्त के ने स्राप्त के ने स्राप्त के स्र TIT REAL

8व.मेखाअनुवर्टाप्ट्रावेशवानुवा

### 《폴��'라영주'화'주의'왕주'전영씨 ���'라'전요'전'왕구'지주주'다영씨

ळ्यार बुदार**ी "ग**रेर क्षेत्र खुलार्ये खार्रा राजळ गागी खुलानी क्षारासा चिश्वा,,दुवा,पूट्तिवश्वा,लूट्याल,चेच्यानापु,लूबा,चेला.क्ट्याना केंद्राशा हेची. विष्ट्रात्त्रवर्षीःक्षाञ्चलर्**ष्ट्रान**मकासक्ष्रास्ति। ॅंड्र'म्म'म्हम'युल'चुं'चुं'म्म'९हॅंर'र्शरेर'र्मेव'वेर्यम्। प्रा'३८'र्हेव' मुंख्ट दिरे दुराव राष्ट्र के नाया सट दें बिला सहला मान्द स्वार मुंदे पुने सुनार वसः हं 'स्योद' स्वायः ग्री'न्या प्रमान में ति हिंद् 'स्याप्रमान स्वाया प्रमान र्रेषु विद र्व मावाव वया पहिरामा अदार् श्रुव रहत्य। या अदार हें व रहेव रहेव ५८। मुं र्श्चित्र य ६व दिवा दिवा में देश केट वी अय मान ठव मा ৾ৼৢ৾ঀ৽৺৻৸৽ড়৽ৠ৸৵৻য়৾৾৻য়৻য়ৼ৻৾৾৴৸ড়ৢ৾ঀ৽**ঀ৵**৽ড়৸৵৻৴ৼ৽ড়ড়ঀ৾৽ৡ৾৾৴৽ঢ়ৢ৾৽৸য়ঀ৽৽৽৽ याकु किर सहर। सु हैन ने ले में शु हा में द स न स सु हु वा या स द द हन सहर मसः मुनः महे हिन्य राजळ दः दुः सामुद्धाः हिरह्म सः स्वितासः विवादः प्रवितासः लाञ्चराव्यावातरहिन्चेरान्ता वयायातरन्तातानावियात्रा मु

क्र.क्षेत्राच्याञ्चयान्दातकन्त्रीतामहन्केता हुरत्युतामवताममा पङ्ग पंर मान्याम् न्याम् न्याम् न्याम् न्याम् न्याम् न्याम् न्याम चॅन्'ग्री'न्न' मुह्म' नुबुब्र' **प्रदे कु' खें' ग्री**' प्रदेश्या ही 'स्र' 1192 न्नुह्म **ग्रह्म** इम्'ङ्'रे'न्गु'ल'**र्रं'स**र्वर'मरि'स्थासक्ष्यासक्ष्याक्षेत्र'र्यं'न्नायक्षाम्नरी'म्प्रा ঘ'ন্রভ্রা ক্রন্র'শ্রে'ন্র'**ন্**র'ন্ত্র'ন্ত্র'ন্র' রুম' রুম' রুম' রুম'র্না রুম'র্না रदारपरातु 'चुराते हेदारेदायञ्चेया वृत्रायरा ठदा अदातु 'चुँदा वेका**यान्**या शुं रत्र 'गुं 'र्ने त्यर्हे नयः र्हे व्यान्वेर माह के दरमृणुः शुं रहेर र महयः **न**्दर हत्या प्रेर'कुै'रिन्यान कु'केद'र्सय युन्याय हेयानर अहता स्वाक्तिया रतः वृदः वस्त्रायरः दर्षे दशः दशः बुशः यशः विहा केदः मुशः "हिदः प्रयः स्रशः णुट्ट कृत पार्ड द के तुवा हेत ति पार प्रमान के के "पार के के महिल्या व का का पार पार पार के कि के पार के कि के **क्रुयार्टा न्या वर्षा प्रियाण्या वर्षा व व सः ळ ५ ' खुप' 🕏 ५ ' ख़ त्य 'चैं १ मुने २ ' ब्रें द ' ळे द ' यॅ**र' ॲंट सं 'सु ' मुन्न सं ' यदि ' निर्मा 

พิศล ชิลาน สูราระ ที่ คุดราพะ ที่ ดัง ขากล สูญ เราะ คิด กัน ขาร กัง ลากาล สูง เราะ คิด กัน ขาร กัง ลากาล กัง เกาะ คิด กัน ขาร กัง เกาะ คิด กัน ขาร กัง เกาะ คิด กัน ขาร กัง เกาะ คิด กับ คิด

३८-४८-१३ अरह्म चेट्य प्रति स्वर्थ के देश स्वर्थ के स्वर्य के स्वर्थ के स्वर्य के स्वर्थ के स्वर्य के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर

३व.मील.अविवे र ता.पूर्टा वायल.बीया त्रीया

# नगान' कव

<b>報</b>	1	).
<b>¤ส.ที่</b> ชี.ที่ พ.	2	)
स्य उद्द्रा द्वा त्र देव वि	2	)
<b>व</b> रःमश्रेश्राप्तः स्वाप्त्रम् मृणुः श्रुवः यः तहिना हेवः तुः कुँवः द्वार्यः तहा		
ईंट्रच इट्रक नवार्ष्ण। चन्नियाच नवार्षा क्रा हेंट्र नीर		
त्युत्र हुवा अह <b>र</b> या यहु माहिकाल स्वायाय है से रा(	2	)
वट्रम्थस्म विश्वास्त्रेव्रम् सुक्ष मुद्रस्त्रुला	33	)
बट.माश्रुश्वास्थित.त.१४व.ह्याःह्याःपट्ट.तम्वीट.टी.मुञ्जाःक्षां(		
<b>द</b> र'म्बेब'पढ़ि'य'म्बर'स्मब'र्दे हे खेम्'प'त्रेम्'हेब'रु'रूर'		
ଞ୍ଜା(	87	)
<b>दट म्रोबेस छ म</b> ्राकेस मुल खुर ह्व सेट्रीय स्ट्रिय विव म्रोबेग स्टर		
१८.पञ्चेषातविष्यापष्ट्रायप्त्राथक्ष्यान्यक्षेत्राचे स्वाति विष्यात्रायप्ति विष्या		
ब'पठ5'न्वेष'यां कु'म्र'चे 'स्पर' हे 'देरे 'कुल'र पर्यापसूद'या •••••(1	19	)_
वृदःम्बेबर्द्रः कुल्रास्ति स्वयापुदः हुल्।(1	.19	)7
व्रतः प्रत्रेत्रः प्रत्रेत्रः स्त्रं पृत्रः व्रत्रः स्त्रं सुन्धः ······ (1	33	)

· 작'ㅁʊ독'미평과'다'苗독'ற';취디작'디퀄리''미 ······(140)
व्हःम्बेष्यः प्रः व्यः व्यः प्रः व्यः प्रः व्यः व्यः व्यः व्यः व्यः व्यः व्यः व्य
व्दः न्वेयान्वेयान्वेयाम् विद्यान्येत् ग्रीप्रवेतु र्देन्या न्यान्वेति ही रा
ब्दःन्बेषःन्धुंबःसःवेद्रदुःकुषःव्युद्दः <b>र्</b> ख्यः <b>नेःन्</b> षुतःविःव <b>दवःयः</b>
리'취디적'다음'취지 ····································
র্চ'ন্থ্র'ন্ত্র্'ন্'ন্'ন্'ন্'ন্ত্র্'ন্ত্র্'ন্ত্র্'ন্ত্র্'ন্ত্র'স্ক্র্ন্
ব্দ'ল্থিঝ'শূ'ন' প্'শ্লি'ব্দ'। ৪'শ্লি দ্ব'শ্লি'থ'য়লয়'ন্থে'শ্লি'। •••• (162)
व्दः न्येयः तुन्यः वि रदे प्रेष्ट्रे
वृद्यः प्रति ।
वटः नविवायमुन्यार्भेटायद्वास्त्रवास्त्रुग्यन्ववार्यास्त्रवावार्थे नवार्युः
新工! ······(166)
ब्दः न्येशः नृगुः सः स्ट्रः भेन्। युदः द्धं तः नृदः विस्तरः तुन्यः नृहेन्। सदेः
新工 ············(171)
ब्दःम्बेषायरु पायवायाववर विषय दुव प्दान् कु प्यवत में दाहे । विष्
प <b>ब्रिंग শ্ৰাৰ শু শু শু শা</b> (197)
वटःन्बेयायतु नहिनाः यायदव मा वि श्रूटः हे प्यदव प्राय्याव श्रुपाः
দৃষ্ট্রপান্তী,প্রহ্ ই.মার্চ্, শুক্র শিক্ষা(272)
্বন ক্ষিকনেই অ্ট্রকনেনী শত্রু ক্ষিত্র জুব শ্লুব শূল্য
•

<b>दः मन्नेसः पडुः मन्नुसः पः र्ह्मिपः ५ स्व</b> रः पङ्कः प्रसृदः मन् सः सेन् द सः श्रेवः
<b>ૡૢ</b> ભ' <b>ក្'ऄ॒य़ॺ'य़</b> ढ़ऀॱऄॣॕ <b>२ </b> (359)
द्रःम्बेष'पदु'पद्वे'प'हुँद'हेद'पर'मुँ'ई','पदे' कूँर।(397)
द्राम्बेखायर् वृष्यासु वृष्यर् द्राय्याप्त्राप्त्राप्त्राप्त्या
다ु 리리 '다리 '축지 :(411)
वटःम्बेयःपदुःदुम्दःपदवःर्षःयदःवःविण्यः १हेटः विवःमुः सहरः
다유'취지(414)
वटः निवेयः पहुर्पप्तुवः यः पर्ववः यः विः स्वः यः ठवः क्रिः वहिः यदिः
취지 ······(416)
वृत्तः <b>न</b> शेसः पर्के 'पक्कुत्' सः प्र-्यः सः (२, <sup>र</sup> ्वेसः पर्व्यः प्रकेसः पश्चेत्रः स्तरेः
취지 ······ (428)
वृद्र'न्येत्र'यहु'न्सु'य'यहुव्'यदे'त्रे'र्म्'यह्वद्र्र'यदे द्रेंद्र्य्या
वहः न्येयाकृष्तुः स्याखान्ते स्याद्वर् पुरम् वित्रम् वित्रम्
वंदःवाशेखार्धे, वी.क. वाङ्चा, ताक्ता, ताक्ता, वीच न्या वाचा वाचा वाचा वाचा वाचा वाचा वाचा वा
ৰ্জ্পা(482)
महम् प्रस्ते मृत्यप्र प्रस्त विर्।(498)
<del>-14-</del>

तहनाहेदारहेदायामहत्रसं से दानाहितानी । हिंदा संस्या कुल'ञ्चर'ळें नवाणु 'वळें न ।श्चुं न'य' रेद' छेद' नशुवाल' नुवाय वाराहिता। %ृष्ट्रि'ग्रैब'<mark>%प</mark>र्वेष'श्रेद'श्रे'वेष'य्यह्य'यह्य'यह्या । युप्याहेस'रस्में'स' व्याद्वराची,कुधरानन् । तक्षेत्रात्यावरात्राच्यावस्यावस्यात्रा ॻॖॱॻॸॱॺॻॺॱॻॱढ़ॺॺॱॻॱय़ॖ**ॻ**ॱढ़ढ़ॴऒ॔ॎऻॎॗॕॺॱॸॖॺॱॾॗॕॺॱय़॒य़ॱॺॻढ़ॱढ़ॸॱ न्नानाना । नुबर्द्दाहेबार चुन् क्रिया सुद्दा हुन वा स्वासा हॅन्यायाचित्रव्नायाहे केत्रमाधिया । दित्यह्र कुलामा केसा नम्य ष्ठमारकता ।क्र्यामुन्यत्यसः भ्रुवः सन्यास्य स्राह्मा स्राह्मा स्राह्मा स्राह्मा स्राह्मा स्राह्मा स्राह्मा स्र हैर.के.कु.बच.लटब.च। ।श्वित्याधभाषम्,तायकु.भुर.रविद्यापायम् बह्र-प्रदे। । ब्रु-प्रबुद्ध-प्रवामातः देवः ४वः मुः विषयः सः तर्ना । तिह्र-५८: मु '८५ व' १८ व' प्रदे 'प्रदे 'हें के के किया । १८८ में बिद 'या सुव 'या देवक' श्चैव'न्ट'र्मेश'सर्न'परि। ।सन्य'र्मुब'पुट'रहुप'शेस्य'न्यर'प्रस्यय'ठन्' गुैब। ।बेबबरठदर्श्वेगवरबर्द्रकालरपष्टिरप्रिंटसर्ल। ।घरशयररबेरदिद **कै**ट'क'ल'बर'बे'९हेव। । भैद'र् 'बे'ब्रुद'९मॅं'प'बट'मॅं'८ट'। । नुस'क्र्रेगस'

प्रेट. क्री. त्रा. ्ट्रा. विषय्य प्रमान क्रि. त्रा. विषयः विषयः क्री. विषयः व

भ्रैत्रात्म् प्रत्यात्म प्रत्यात

भै'यहर्'यहम्'हेर्'वययायापत्रदेर्'के'म'र्ने'हेर्'यायर्यामुखःःः

विमी विष्यातालम्या दे प्यटा हे हिरायम् तरहे वा क्रेम्या साल र टा हे व मति बिटा विस्तर तरी कर् से पुन्या हे के द में साम्राम्य सह र व स रट.प्र.वेट.क्य.अष्ट्रच.रे.अअय.पश्चेरा टर.रे.पक्ष्य.एवीय.की.हेपय.रट भुन्याणीयान्तरम् प्रतान्यना पृष्ये नाया यञ्चला याच्या ये नायुयानु गाया ळॅन्यःमयन्यामा मुस्याकेन् ठेयामादै मुस्याग्री गन्य यान्वदाहुना ठुया प्रचार प्रमान्त्र व्यापार्थे। (स्राप्ता श्री प्रमान प्रम प्रमान प्रम प्रमान प्र बेर् म्डेग् रृ क्रिंप है। बर्रे हे कुर् यस। पन्नयाय चर्म बेर् देश र पुर हैर्। बिस्य इबःपरः रायेषः प्रेनः पा । हे 'हे र' छ 'भे 'मु 'बर्क्ष' पार्वे वा । प्रेने 'क्रेबः इवकः ग्रे 'प्रार प्रापः ह्निया । बुयःस्। स्राप्तप्रम्थानयायया प्रथा प्रथानामान्याय्ये प्रविनायया अर्थेरायय न्नाम्य केन् मुद्देन म्ह्री न निवास मान्य का मान्य मान्य का निवास मान्य ंबटब.चेबा □□□८वेंट.ऱ्.बर.दु.७वेच.न.ला विके.लु.चर.ल.टु.रच.७वेंटा । ढ़ऀॺॱॸ॔ग़ॕॿॱॺॾ॔ॻॱॾॖऀॿॱॺॺॱॻॺॸॱॸॕ**ॎॻऻऄज़ॱॻॶॱ**ॻक़ॖ**ॱ**ऄॕॣॸॱॱॿॖॆॱढ़य़ॖॺ**ॱॸ**ॎऻ यालाचु पार्ता विराद्याया । मुताया विराया विषया सुर्वे विषया । **५६। । इ.स. १५८१ व्याप्त स्थाप स्थाप मार्च स्थाप मार्च स्थाप स्था** म्राच्रा । त्रियाया द्विषा मृत्याया त्र्या प्रदेश प्रदेश प्रदेश । विष्ठ मृत्याया स्वर ८िवर पर्तर विकार मा । इसार मुद्दार दे देवा स्थाप । प्रमान । प्रमान । ढ़ॖॳॱॻॣॖॖॖॸ॔ऄॎॹॱਜ਼ॸॱऄॗॳॣऻॱऻढ़ऄऀ॔॔ॸॱज़ॗढ़ऻक़ॗॣॶॴॶॴॶॴॣॸॱ**ऄ॔॔॔** ठुर'नेब'धर'पु, ।ढ़्रेब'बटब'कुब'धल'ध्'के'लब'**प**शुटब'**ध**ब। **दस्यः ५८: भ्रेप्तः कुं व्याप्तः प्रमास्य स्थानः स्थानः भ्रेप्तः भ्रेप्तः भ्रेप्तः भ्रेप्तः भ्रेप्तः** 

चॅते प हुत्र पा भा बुग्ता द्या यह का कुषा ग्री के हिटा हे तहेद प्रवास में का कि एवं प द्रै'ब'बेद'य'वैद'र्'द्र्रम्र'य'याव्युन्यादया पर्द्र्ष्ट्रेन्'र्हे पर्द्र्रायह्रयादय **१ विश्वास्त्र प्रमेण विश्वास्त्र मेण विश्वास्त्र मेण विश्वास्त्र मेण विश्वास्त्र मेण विश्वास्त्र मेण विश्वास्** שביקבים ליפאמי סקיקמי שני ליבמי אַן יליבמי אַן ילבמי אַניייי ५८. विष्यात्राचेषारमाजीबानन्तर्द्वात्रेषाचेषा NA'यद्वे.तर्म्य्य त्राचर विकारी। प्रची. श्वी. चुन'पर हैं मापविषाती दें हे मापवाद गर्या स्टार स्वार स चतः बिटः विस्ता वे 'र्बेटः वास्त्र सी 'र्बेटः केव 'र्घः प्रहेवा हेवः मी प्रस्त से सहेटः .... ठेवाचु है। देश कु हिंदा कर देश है राया पा है। से देश में देश हैं र ८८.पर्यात्रप्रिःह्राक्रीविष्याधारह्याचे प्राप्ति । विष्या ब्रुलायहे सुनु पुनु या में नाय नाय नाय के करा कर के में के कर कर के के कर कर के के कर कर के के के कर कर के के N'हीट'पढ़ी' रे'रप'र्ट'पठरापदी

स्याप्तुं स्वाप्तुं स्वाप्त्यं स्वाप्तुं स्वा

X1 तल्यायाना शुरु र साम्बेशया गु न्त्रहे र वं दे दे ने निम्मर प्रकृति वसारहिवासमानुनार्ष्वम्यामानारवार्ग्राम्यार्षे नेद्रवसानुष्वार्षा पर्डे अ: स्व 'तन्त्र' ने पहित 'मिलेन वाया न्याय है अया अस्य प्राप्त है मिला """ **इत्रत्राणु विक्रित्रात्रयन् वर्षा श्रुद् रस्यान् वेन्यर्**ष्य प्राप्त स्वर्धरा र त.व.प्यथानुवाक्षान्ताः है। देशसुरान्म्रान्यरान्यवानुवाक्षाना चनार देव के पर देव स्थाप न्युव है। धरे भर निवस मार्व वर्ष स्थापन हेन के पार्ता पुरक्ष के समान्य तर मुस्त समान मान के पार्ता क्के चार्यायाया द्वायायायात रहेदाके पार्टी देश में दारी में मार्था क्षाया में यर-वि.पप्ट.क्रेरा ई.८.८८.1 व्रेट.प्ट.1 यक्षेत्र.क्ष्माल.क्ष्माथ.य.म्बन त्यन्यासुव रस्यान्त्रेन्यः व रन्यास्य कुषा सूरायाः अवतः **पस** लः इचित्रः विष्यः में त्रात्त्रं चित्रः विश्वाः चित्रः त्रात्रं चित्रः विश्वाः विश समिते अञ्चल मुचा पते सेसस उदास शुका पते देव पुगमर द्वापकत पुका ना वयःन्दाराष्ट्रेश्ट्राप्ट्रेषादेराङ्ग्यादेरत्थेवायसःश्वे**याद्द्रा** 

अवर्ताः स्वरंता स्वरं

स्तानी क्षानी ने क्षानी निष्ट प्राप्ती हैं त्या स्वाप्ती निष्ट्र हैं त्या स्वाप्ती स्वाप्ती

त्रियाहेद कुंग्विस व्यव प्राम्बद अर प्राम्प पर्दा प्रमेष वस्ता कर् तरहत्वा दे व देव कारे काया केर दे हैं। परेनायाम् पुराव्यामा विकारीयाम् विकारीयाम् वित्र'यायार्शन्त्र'याम्बुट्र निहा हेट्र म्प्रेम् निहार्या दिर हे वाप्य वित्र दि। क्वैं म् द्वायात्रात्रात्रे प्रमान्ता विष्या हिता के मा केरे रेंद्र गुरुष म्बल पर मेंद्र मा देंग विद्यानिम्बर मार्देर मुग्न हे न्या सर हाः चटः महिन् केता केता प्राप्त प्राप्त विष्य मिले विषय । गुवा कुराय विषय । **घॅ'बेल'चु'**चरे'स्टराकु**व'**गुै'बेट'श्रे**ल**'शे'रह्र्य'घ'बेल'मु'घ'र् पर्में ५ ता सर में में दे दे दे ता स्थान निर्देश स्थान में दे ते से स्थे है ५ ते तो स्थान में दे ॻॖऀॱ[ॻয়য়ॱॻॖऀॱॸॖॻॸॱॸॖ॔ॱॻॖॺॱॸॖऀ। देॱढ़ॗॱॻॖढ़ऀॱढ़ॗॕॸॱॻॺॖॖॺॱॻॕॺॺॱॻॖऀॺॱऄॱॿॖॻॱ **इ**टा क्रमानम्बन्धेमान्नम् वितासिः वटः तु। क्र्नासिः ब्रेटा विस्तानस्यान् देनाः

য়য়য়৽ঽঀ৽ঀৢ৽ড়ৣৢৢৢৢঢ়ৢ৻ঢ়৽ঽয়৽ঀয়৽ঢ়য়৽য়য়৽য়য়৽য়য়৽য়য়৽ भाष्ट्राचिक्यादेर्यमाष्ट्रमा द्वाराचिराचरातकराचार्टा व्याप्टिराम् स्ट्रीटाची बूद'नर'तकर'न'दी मुले'[ित्र'] क्रेट'मॅ'से'हॅम'नेस'नकुद'मदे'बैद' प्रमुट'महे'म्र्ट्स'यस्याहित्यादे'यह द्रामहे'हिन् कुर् विन'ल्र में। हिन बुन'य' मुन कुन के सब मिरे मुनावा बिन में उस <u> बुन्-रन्-तन्तर्भ</u> अभयः वर्-र्-र्वयः बुन्-तु-कुन्-कुन्-तन्न ह्या मु अर्ठे म में द्वारा तकर या दे दी। तह मा हे द की नवस कु वह है वह REN'TUR'BN'JE'DJE'DR'JEN'RN'RTN'A'RTN'BN'ST'AE'T' र्द्रणाभेवःसूनायाः १ अवसः ५ नारः न। । १६६ नः ५८ : कन्यासः स्था मॅ्रां ब्रिटा विषयतान्तरानुष्याणुटा क्रेन्या था विष्येषाञ्चरा परि ब्रिटा [प्रमाणिता | बिसाम्सुट्यार्था देवि मिट्यार्थेट्यायायि सुरेखेटा पश्चा र्था

चईंबरह्दरत्याह्यायर द्वर्यात्या व्याप्तराहेर ग्राह्म केद्रायहें विषया विषया है । विषया व

हा देश मासुरे प्यानाचे व पुरक्ष मास्य वर्ष करा हिना हेवाची प्यवस्य वह वर मालेकामु है। यह या मुका मुंदा वया के वया उदा मुंदि वयह राहे। स्या मरायहेबाम्याची, र्यात्रह्मायाया है। यह हा या विद्वारा या विद्वारा यह वारा प्रस्ते भू इस्या में या दे वा दे या दे य सदसः मुक् मुंद्र द सः से समा उदा भी में दा सह दार्मे। सदा हुदा सहस्रादा अ ह्रवाची चेरानिता है। विश्व विश्व चार्ये राजान विश्व चार्या चारा विषय विश्व चारा विषय चारा विषय चारा विषय चारा मीरिह्मा हेवा में प्राचित देव दे है। विवयं क्षा प्राचित के विवयं क्षा प्राचित के विवयं क्षा प्राचित के विवयं क मराञ्चलाव वाक्षेत्रका ववाणु दिवाबहरार्दे। क्वामराञ्चलात्रहराणु खुना **अ**श्रमात्वा की अर्थित है कि स्टाय के संख्या स्था के स्थाप के स्थ **इस**'ढ्दे हु'ल्डॅ'चय'श्यारणस'य'देस्प्रि'टु'प'ऍन्'ने'कुर'द्दि'पवेन्'णु'नुस **१** च्या कुळे नुसास महेन तास माना सहिना हेन मुंगान सहाम स्थान स्था मुन श्चेष्ठान्यः संदाकृतः विषयः स्वात्यः स्वातः स्व मथ्या मुका क्षेत्र । स्ति । माञ्जाबादा विष्याच्या विषयाच्या विषयाच्याच्या विषयाच्या विषयाच्या विषयाच्या विषयाच्या विषयाच्या विषयाच्याच कॅन् में। देशम्ब क्व प्यव स्व प्यव स्व प्यतः तहेना हेन के निस्स प्यवस के स **क्रि**मामार्केन्यायकाविनाचिन्दिनचि देनास्य देवासाके देवे हे हे स्थान वार्के स्थान **ब**ॱहॅदामशुक्षामक्षान्धेकाके हिमार्षदायायकादेशेद्वान्याद्वाहरूदान्शुकान्चीः **इ**ट के ब मि है प्र हे प्र हे प्र हे प्र हे प्र हे प्र हे प्र है प्र है प्र है प्र हे **ॻॹॱॺऻढ़ॖऀॺॱफ़ॸॱ**ऀॿॺॱॻॎढ़ऀॱॸॗॿॖ**ॺॱॸ॓ॱॗॕड़ॕॸॱॺ**ॿॖॺॱॿॖऀॱॸॕॗॕॸॱॱॾ॓**ढ़ॱ**ॾॕॱॕॗॕॎऄॱॿॾॆॸॱॗॖॗ **८६ न'** हेद'कु । नसस पूर्ण खुटा धरे खिट । नसस ८६ रे भेद' दें।

मुन्ना श्रुप्तरापते दिप्त प्रकार के क्षेत्र के के क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के के क्षेत्र के क्षे

नेते हे त्राच त्राच है त्याच त्याच है त्याच है

चर्रेन्यः पर्नः। वरःष्ट्रं वर्न्यः पराप्तः। व्रावृताः वृत्रः कृतः वर्षः प्रायाः ५८। बुनःवुरःव प्यवरामः विषानुग्नः स्ता िर्गाशीयान विषयः ह्रा कृंदानराम केंदान केंद्रान केंद्र केंद्रान केंद्र हेवॱঅঅॱৢীঅ'**ত্রশ্রা** ব্দ'ন্তুদ্'গ্রী'ঐঅঅ'ত্র'অঅ'ন্নআ'গ্রীঅ'ত্নস্থ'দি षरारवेशाहरार्ज्यादे हुँदाहे यन् सान्यार्यासम् रवन्यायान्ति र सर्के **न'नारु**वाधुन्यस्याकुत्यतिहेनानेन पुन्यत्य सुन्यस्य प्रम्थायान्तः। **ๆ8ูล**าวิลาลัลาฏิลาลอูธานร**าทุลูธ**ลานล| บลูลานานสะาบัลิาลร้า पञ्चल'याचारा**र्याल' अटश कुंश** र्हेट'त्वुट'य'तर्दे'ह्वाह्य यरे रेष्ण <u>ନ୍'ୟମ୍ୟ' କ୍ରିୟ' ଅଟି' ଅଟି' ଅଲ୍ଲାଧ' ଅ' କ୍ରିୟ' ଅଧିକ' ଅଧିକ' ଅଧିକାର</u> [[א.דב.]] אבא. שלא. של. הלשו. המא. המבי בל א. אבא. של. הל. ל. ל. לא. אבא. של. הל. ל. त्वुदारी देवे देवारु त्रहेवाहेव कुंगियसारदी सदि सर्वायर प्राय विसाध पर'चुर'दवातयनवाय'या'बुप'कुर'यदवाचुवा'वे'वेवातचुट'पदवार्वेर' ठेश'चे.तर.कीर.वेथ.थरथाकीथ.तर.भट्र.की.बीब.७व.त्.पथा.चेशंटथ.श्री देवैॱढ़ॕ**ॺऻॱऄऀ.**ॻॳॣज़ऱन**ऄऀ॔ॻऻॐॱॷढ़ॹॷॹॱ**ॷढ़ॸऀॣढ़ऻ॔ ऻ॔ॗड़ऺढ़ढ़ॣॺऻऄ॔ॱॸ॔ऄऀ माञ्चरमान्दर। मन्त्रसम्बद्धरम्भान्तरम् यम्यानुयायेन्यते पञ्चलायायनुनान् । देते रेपापु प्रयो सूरा बाह्रातालाबाक्यां के बाह्यां विषयां व नश्लेषामासुर्यामनुरा**यत्यानुरायीयात्री**ष्टिम् हिन्। देवे दिवानु स्वश्लामार्ख्या 5q'=भॅq':य'@ेब'चु'न'य'अ**दब'कुब**'=कुq':वि'=@'र्ट्हें='वच्'क्ट्रं'यर'अर्ट्रें हे<mark>''</mark>

अट.पथा लर.७वुजाजा द्रीत्मर.प्यार्क्षेर.पध् मेण.प्राप्टे व्यवारवीटा है। बर्ष्यानायायात्वे बद्धार्यात्वे व्याप्तात्वे व्याप्तात्वे व्याप्तात्वे व्याप्तात्वे व्याप्तात्वे व्याप्ता लाकेंग्संचकुंग्यंबरंग्वर्। क्रिन्यंब्यंस्यंद्रंग्यंबेंब्यंवर्वंतर्वार्मातः माह्मस्याता तर्ताचेरा के हिंदा माला सामिता के सम्मान माहिता है। स्टा चे विष्यार् द्वाराय्ये प्रति प्रति प्रति प्रति स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्वा भु·ढ्र-'दृदे<del>'</del>चुे'न्न'र्कुंन्'न्युअ:चुे'र्क्रन'केद'र्य'के'वहेन्'दहेन्'हेद'चुे'विवयः' वृणु-युप-मते-द्विम् म्यम् स्वर्थान् इत्राहिष्य द्विम् स्वर्थान् हित्राम् देशा वस्रीयामा हित्र स्याचित्रा, द्वारा विष्याता हुन् विषय मुं क्षेत्र तिराम वा विष्या प्राप्त हिन **दाःबेशःकेर¥श्रम्भायः विश्वास्त्रां ट्रां**धह्मान्तेरःक्ष्टेरः मना विषान्त्र कटा द हिट दुवान हेन हिए एवं एवं पर विष्य पर गुःबिट्यवयागुट्याचित्रम् मुत्रामुदेरसेसस्य उदायटा ८५। मधुर्षेत्राभवामितार प्राप्ति । अर्थितायाची यर्थामिया हेरा खेया अर्थामिया यापवराम्यावस्यापान्नेदार्वे। देग्लरान्येदायराष्ट्रस्यानुसाययार्घाने प्रथा क्ष्टार्म्बरग्नुग्तुर्दरावचटानियान्नायान्नुर्उाडान्त्रायाङ्गेवायदेः इस्यायरायम् क्षरान्यवाचीरावितावान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्य नैया देग्यान्त्वयायान्दाहेयासुग्दस्त्रदायानुस्यिन्। देवाहिंदाया ष्ट्रेन'यर'त्युर'र्र'मञ्चरत्रम् **नेर'म्बे**'यहेन्'र्ह्वं मंत्र'गुँड्न'र्नु'ध्रेन वसा स्मार्टः भूरामा विश्वामा स्मार्थान्त्रा क्रिया विराह्मा विराहमा विराह्मा विराह्मा विराह्मा विराह्मा विराहमा विराहमा विराहमा व

ऄॳॺॱढ़ऀॱॻऄॗऀॖॸॱॸॖ॓ॱॻॖॖॸॱढ़ॖॻॱऄॺॺॱॸॣॻढ़ऀॱॻॾॣॻॱॻॱॺॱढ़ढ़ॱॸॖढ़ॱॸॖॱॻॗॱॻॸॱॱॱॱॱॱ ८४५। विर्क्षिया हैन प्रमास्य देश देश के स्थापन रेम्बागी'तु'८सावै रेपपटासे नेसागीस। हिंदाणुटापटा द्वापटा हिंत्रा मिते सम्या कुषा देवायर खूटा सहिए केव में परि है दि तमें पा वेसका उव कु । **देव-८-अ**-मुब्ब-१विर-प-१८ मान्य-१ मुन्द-१ वित्-सुन्त-न्या वृष्ण्युमामराञ्चलावमा सञ्ची विदेशवामास्त्रम्यास्त्रिकार **क्षुप्रदेशका**र्य सम्बद्धान्य विश्व विश्व क्षित्र क्षेत्र क बह्र-प्रमानिकार्ति वह नियान्ति त्रिष्ठा त्रमान्य मुक्षा प्रमानिकारा हिना प्रमान देनायाग्री रहा अञादासान्याच्याची नावयायायाच्याची यासी रामी रामी रामी या महास्वातिक क्षातिक विष्यति विष्यति । विष्यति विष्यति । पवटानैबाझाबाचुात्वाचीचुटारु छैवाते। तदीनिर हेबानबाराते। सु **अं**ग्यर्चो.चीस्र.विट.क्य.गी.पश्चाने.रे.ज्ञाच्याचीर.वी विट.क्या.ज्ञाच न्महे पञ्चतायाला दव प्रवाप्त प्रवाप्त पञ्चता पञ्चता पञ्चता विषया विषया วูลาทุสูลาฮิาผูลาธิสาลาสูาลาสูาลาสูาลาฮิลาทุสาลานา ริกาลาฮิาสา दशः वे 'वे 'ष्यदः वे ते वे व 'णुंव। वे व 'णुंदः वदवः कुंवा द्वायदः ख्वदः वह तु रदिः **३**८। अवसारवायासुसामहीर्देवादुःस्विरामास्टिमानमा मुसेरायुमा न्तः। द्वाःश्वाद्यः वृत्यः श्वाः स्वाः मान्यम्भूल्रमाम्बद्धार्मारद्देरशामुब्बस्याम्बद्धाः बेद्धान्यस्य मानुद्रास्य मानु मर'दुर्ह्णा सु'म्सूद'हिर'म्सुद्र'प्रदर्भ नेद्र'म्सेद्र'हिर'म्स मा पश्चेल, ता पवटा मृष्टी ला यह या चुन हुंदा मुव पत्रवा द्वा खेट.

केद्र'मिंदे चुलामिंद्र। देरलयाण्यार द्रामी प्राचा महाया मुखा **कृष्टः नी व्याद्य वृण्यु पुष्टा**या द्विषा अळ व प्रुप्त प्रस्थाया २० दे प्रे 질리'취'지다' ्रु'चुद्र'नदे क'लुन्ब'बु'ईव'हे। न्बव'र्द्रव'द्रेव'लब'ग्रै'ढ्रा'वे। बेन्'म' केद्रयं कुर् स्यायमा युग्य हे केद्रयं तहे मा हेद्र सहिदा । १९ हैप् हेद् गुदालाम्बिम्बाद्यादी ।क्रियाग्रीम्बालयायाम्बरामा । श्रुलानुदे रहा वस्रात्राचार्ता । बुवायास्यातहामार्गातहास्ययायार्गा । प्रविदेशमावस्या מישקיםים ום לי בולני לבי בולתים לבין ובאית קבי न्मालः मञ्जूनः यान्यः। । चुटः ख्यः क्रुटः यान्यः मनेवाकः यान्यः। । यानुनः से ष्ट्रबयःरेटः. र्ह्रचयःप:पटः। विटः ख्वाः क्षयः कुः विदरः स्वः वर्षेर। विष् त्रात्रायर म्निन्याय द्वाया । वित्यासु अर्पा विता द्वाया । विता याहे शेर् नाव सायर हिंदा । बिसाया हे द्वस्य वे त्यन्य सा **सुद्र रस महिनास** र्पट.तेंचे, वृथ.क्थ.पर.श्रिष.त.कथ.हे। तेव.हूट.४ व्रूर.प्य.श्रैर.पप्र. भाषाम् । पहुं व प्याप्ते । । पहुं व प्याप्ते व प्याप्ते व प्याप्ते व प्याप्ते व प्याप्ते व प्याप्ते व प्राप्ते व प्याप्ते व प्राप्ते व प्राप्त हुनु, प्रेच । वृत्राचित्राच्या यत्या चैतार्, देवया ग्रीटा देवारा हैया. वर्।

त्रिंद्र'बुट'देव'पुर'पर'णुर'पा'लेखा पहुंद'र्ख्यंपपुद्दारत्वां व्यापेद्रेरे'द्दः वया हूट इ.पिष्ठ प्राप्तरा चया हूट वया मिट पप्त का मिया पुःइवःयर:प्नायिः व्राप्तावे स्वर्वः क्वार्यायः त्रितायः प्रेत्रः प्राप्ति विष् ठव'र्ट:रट'**सटस'कुस'**इसस'स'पङ्गेव'पण्र'पुरा परुत्रपद्धवाद्यात्त्रपुत्रवाद्धवादित्र देश विवायद्वया देश्यवेदातुः वियामयास्यापुरादेगा विया विष्या विषयायायायायायायायायायायायायायाया स्रकुः द्वाप्ताम् । विष्याप्ताम् । विष्याप्ताम् । विष्याप्ताम् । विष्या য়৽য়ৢ৾ঀ৾য়৽**ড়৾৴৾য়ড়৾য়৽ঀয়৾৸য়য়৽য়য়৽৽৴**৽ৠ৾৽ড়ৼ৽য়ৢয়৽ঀয়৾৸য়ৼয়৾৽ ङ्गार्क्षणयाण्चैयामकुष्यादे स्वाचेष्य केषाची स्वाचित्र प्राचेत्र स्वाचित्र स अक्टरां निया अध्यामीया हुव क्षयं अवश्यायाया । या से साम अवस्याया वियाचियावयात्वाचारु वटावयात्रीटा वियाचिया प्राचीता पुःग्ॅब्र्'ब्र्'क्यायर'**्ग'य**दे'ह्यंश्चर्पुट'हे। व्यत्याकुराद्विर'य'दहेग वृत्। परानुरस्तायञ्चवायाची देवायञ्चवायायने नववायर में न देवा श्चर्षायायात्रमा देवे हेटाला कुलासुराचा चित्रहे। स्टस्कुस्मास्टर ब्रुम वृत्रा देवे हेट ला कुल सु द्वार में बे मा सुरा है। बरवा कुवा देंद बुद्याचुद्रा देहे हेटाला कुला सुख्याल विद्यासूद्रायद्या कुला है। सर **बे'बर्ट**, वैटा। ट्रेड, हेट, ला किल, वे. ट्रेड, वे. वीच, वैट. है। व्यटक, वीक, विक्रा वियामानुदारमा देश हिटाला कुलास देनाय सुप्त प्राम्य प्राम प

सम्सामुकामुस्ताम् वृत्रा देव्याकेटाने त्यास्त्राम् स्वाम्याम् इस्याम्याच मुंदे हेटा सामान्य दुटा संसामानुटा मुला सुर्हे मुंद्रा सहार स्मर्था चुटाक्ने यह या कुरा की वा कुटा का मानि वा मानि वा मानि वा मानि वा सामि वा मानि मव्यापर में मारेया श्रवायय द्वापर न्मापाय न्यापे वाहर व्यापाय मॅंदः नै'मिडेद 'मॅ'इसर्य गुर्ख ह्या रेस्टर उद मुै'ईद ला देद दसर गुरू ळॅम वितासमा समार्थन विष्ट्रीत स्वासी स्व हूँ ८. कुषा श्रीकात्रा विदित् श्रूषात्रा श्रीकार १ विषयः १ वि विषयः १ वि याबेर्'यसाहिर्'क्वला बलला क्रांकर्'कुंग्न हुव्'या हला केला यहान में यहुव्'या" न्द्रायर मृत्र हेरारी क्राप्त मृत्र ह्रा त्राय महत्र हा वह द्रार्थ प्रताय महत्र बॅर'णट' हेर। न्यायायाञ्चन् पविषयान् ग्यान् विषयान ह्या हे रहे सामा ৳ৢৢ৽৾য়য়৽য়য়য়৽ৢঢ়ঢ়৽ড়৽ঢ়৽য়ঢ়য়য়ড়ৢয়৽ৠঢ়৽ঢ়ৢ৽ঢ়য়ঢ়৽ঢ়ঢ়৽ঢ়ড়ঢ়৽ঢ়ঢ়ৢঢ়৽ঢ় यरः श्चेंबायसम्बद्धाः न्यायाम्बद्धाः यद्भाषाः सुना वर्षे हे है न **षेद'र्दे। ने**'लेटाचक्रेदामर्हे। चर्डदाक्रांबह्याबार्रिने, बेन्'महासटान्। के मृंग्गकर कुं मद् संत्य मह्त्र हे क्षेत्र मा है। हिंदु क्षेत्र मुं मुंतर मुंतर **न्रे**व्यायात्रात्व्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र न्रियाना स्ट्रेन्य स्पर ह्वाँदा स्वाप्त हो। क्रम्या न्युना सुद्र उदा लिट्रपद्मद्गाणवार्द्र। ट्रेस्रायायाच्यार्ट्म्यात्रायवार् विनाया है हिरान्युत्याया दे देरे।

पार्टिन चुँदा है। ना सेस्या (या या कुस खुरा खुरा) मार विस है नाया द स समस्य चुर्यायय। अळव् प्यतः स्वत्यः चुर्यः विस्पातः देवा देवा च्यायायाः स्वा कुषादे 'वायुषाहें थे हिं हु 'रुवाया केदाया देवा दु प्वता केवन प्वतीत । सम्यामुकानिकार्यस्य सम्बन्धाः वैष्यसम्बन्धाः विष्यसम्बन्धाः स्वाप्यसम्बन्धाः सम्बन्धाः वि.वैत.तपु.र्थ.से.वुटावलकात्रेप्रकृष्षक्र. वु.पक्र्याचे वि.वंदा. पक्र्याचा विवादी वारा मुलानु छुन्। पालहे सु देनाल। यह या मुलानि से रायुवा के या मुलानि साम कुरायर रियुर री द्वाळें वार्षि दे यत्व विष्वत्व यार रियुरा स्नाका ८मेर्रा बेयासिटाच हेब हे स्वत्य क्षेत्र स्वा व्यत्य व्यत्य विष्टा विष्टा विष्टा [म्बाने विदु है कि दे केट विदाय विदा देबर] ब्रब्ध बेरे 'ब्रिट्ड 'ब्रिंद' के 'ब्र्य 'ब्रुंब 'ब्रिंद्युच 'यरि 'त्ब 'ख्रा विद 'विवय 'सूर' वर घण्ठायातर, दर्दा कुलामाणी, जुनामहे, श्रुप्तराला यहका कुनाहर्, खुहका बुबानु'यर'बदब'कुब'यर'त्युर'र्स्। बुबानुदायद्वेब'हे'बदबाकुब'र्स। दे' ८८४.४४.८४.१४.४५. □□□ वेदश हेवे.४८७१। शटश.केश.५८. बुदयाला समाने है हितु स्नरामहै रिंदा हैया चु गयम सेम्रया सम्नेता प्राप्त है <u>दे.ज.बटका क्रिकापूर जीवाजियाती चेत्राच्च देशके हिंदी क्रिकाण</u> विष्युपायते रुषास्य विष्युषा स्वर्भन्य स्वर्भन्य स्वर्भन्य स्वर्भन्य स्वर्भन्य स्वर्भन्य स्वर्भन्य स्वर्भन्य स मुब'बर'बे'बह्द' ठेब'घु'वर'बदब'मुब'घर'रखुर' रॅ'बेब'खुट'पङ्ग्व'हैं। सम्सामुकासमास्राम्हितामा मुकानेदाष्ट्रिताम्बितानुर्धेवामुकाम्हितानुर वेबक्षामञ्जीत्रित्रित्रामञ्जूष्यामञ्जी स्वामेदेशित्राष्ट्रित्रात्रीम् स्वामेद्र्यान्त्री 

प्रस्ता स्वा क्षित्रा क्षित्र क्षित्र

यम्यानुयान्यात्रात्रात्र्वात्वात्रात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्रात्र्यात्रा न्न ने हैं हिंदु र हारा के द रहे कर हु र न र है अप हा कि अप ही रहे द र है रहे हैं के स् ॅर्इटर रे**णर्गे**रवेशरासर रेदर्या केरण्येरर द्वराद्वर सेरत्युरायर प्रतः भेरः इरः तुः यह या कुया है। के 'सं' है 'विरो तुया रेत' खुर या प्रयाचे रे 'विरा कृष्यहर्ष्ट्रेट्राच्राबेयाच्रामराङ्ग्रेयायहर्म्याया रदः पर्वेद ' सेन्' सूद्य ' भेष । । । जुल देवाय स्वरं हे ' से ' सु ' खु कॅ<sup>\*</sup>5दे केट हुट र् अटॅव यर हॅग्व यर स्वाप स्वाप के के के हो। विश्व प्राप्त स्वाप या दै। सर से सह दाय से है हि हु सूर सह रेंद्र हे सामु पर हु सारा द्वा ӑ**॔**Ѫҡӈ҇҇ѵѦ҅ҀѵӾ҈ҀҡӾ҃ҀҁӾ҈҃ҁҡҡҀ҈ҳҡҵҳ। ҳҁҡ҅҅҅҅ヿӷҁҡҳҁҳҧҁҵҁ҇ӄҁӷ यामान्यायम् त्र्रापासेवयाउवाचीर्द्वायह्नायम् वरावेरवह्नारेया लिट, पश्ची

न्ष्याः स्वार्थः कुष्यः त्रिम् प्याः त्रिष्यः प्रतः विष्यः प्रतः विष्यः प्रतः विष्यः प्रतः विष्यः प्रतः विष्यः प्रतः विष्यः प्रतः विषयः प्रतः विष्यः प्रतः विषयः विषयः प्रतः विषयः विषयः

देग्वेदगम्भगन्याम्यस्युग्क्षुग्वेदग्वाम्यस्य स्थान्त्रम्थाः स्थान्त्रम्थान्त्रम्थाः स्थान्त्रम्थाः स्थान्त्रम्थान्त्रम्थाः स्थान्त्रम्थाः स्थान्त्रम्यान्त्रम्थाः स्थान्त्रम्थाः स्थान्त्रम्थाः स्थान्त्रम्थाः स्थान्यान्त्रम्थाः स्थान्त्रम्थाः स्थान्त्रम्थाः स्थान्त्रम्थाः स्थान्यान्त्रम्थाः स्थान्त्रम्थाः स्थान्त्रम्थाः स्थान्त्रम्थाः स्थान्यान्त्रम्थाः स्थान्त्रम्थाः स्थान्त्रम्यान्त्रम्थाः स्थान्त्रम्थाः स्थान्त्रम्थाः स्थान्त्रम्थाः स्थान्त्रम्थाः स्थान्त्रम्थाः स्

मट नाडुना है नाव या हा।

ने प्रवित् ग्रामेनाका प्रति सुद्ध का क्रुग्य प्रति का के प्रति का क्रिया के प्रविद्ध का क्रिया का क्रया का क्रिया का क्रया का क्रिया का क्रिया का क्रिया का क्रिया का क्रिया का क्रिया का का क्रया का क्रिया का क्रिया का क्रिया का क्रिया का क्रया का का क्रया का क्रया का का क्रया का क्रया का क्रया का का क्रया का का क्रया का का का का क्रय का क्रया का का का का का क्रया का क्रया का का का का का क्रया क

न्द्रमृहे सुद्र ने दे स्थापित के स ं याम्बरायातहेदायादेवामुग्मराणुर। श्रीरामदेगतर्गमुलायाकेदा**या** ਝੈਸਕ ਹੈ। खुन् देव पुना पुना कुला में देव अर्दा अर्दा वा ८६्व.चेब.चे.क्.कक्ष्ट्रप्तिष्वेब.चे.च.वुब.चे ट्रा देवे'ब्रब्गकु'बर्ळेवे' श्रृदःसं'बेब्य:मु:प:मु:दा। देखान्य:मुख्य:ब्राव्य:देव्य:बेब्य:मुवेयावः य:देवः क्षेत्रभेदः या खेत्र पुराय पुराय वित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र בויתן שַּתיבוֹ־\$ֹדִאִישַׁ־אַינּקִיקּ־אַ־אִישַּאַיּגַּקִיקִבּחיִי קַ־אַקִיעִּדִי पद्दवा कुल'र्घ'रे'ल'<u>श्रूत्र'र्</u>ष्ट्र'प्पर्'प'रे'ल। स्रत्र'णे'प्रु'र्घ'केन्'के'त्रहुक्र' मालेशानुग्नाता ह्युवारसाम्बेनसासुग्रह्यानन्नसाने। वृतानदेग्नास्वा मुै'बैट'रैब'केब'ण्ब'बब'प्यमग्य सु'गुर'प्रि'र्ब'सु। यह या मुयार्देर् इर ग्रेब व या एवन्याया चारी र माया महेना या के वा स्वा ग्रीता. चुःम्हेत्रायासुःहुत्रायास्युःहेत्रार्ष्ठ्रायाः नुःम्हन्यत्राहे। वैतःतेः [न्नरः] बर्बरक्ष्यान्तु वहुव पार्दर्भव १५व वे रापु पार्ट्ड म्बरायदे कुल र्यर सुर य**स्त्र** कुल'तु'र्ळेन्य'ग्रु'न्वर'र्य'ल। तहम'न्यल'न्द्रि'कुर'ग्रुर'यर' मबिव मिविन या माव र तु मिविन या सुराप माविन या सुराप मुला सु प्राप्त में माविन या सिवा मिविन या सिवा मिविन या सिवा मिविन सिवा मिवा मिविन सिवा मिवा मिविन सिवा मिवा मिविन सिवा मिवा मिविन सिवा मिवा मिविन सिवा मिवा मिविन सिवा मिवा मिविन सिवा मिवा मिविन सिवा मिवा मिविन सिवा मिविन चर्भुत्रयराचर्त्वाकाःहे। भराक्षुवाकाःबेद्दान्त्रवाकार्यःक्ष्राचाःव। सहयः यर द्वार पर विदायमा सुरमद्या कुरा में रहिन्य रायर सिदा पहेंदा हरास्तरहिंदार् दान्यसा ही कितास्तरा मिन्द्रा मिन र्नुराधुनार्नुर्ना चे माधुनान्वे न विराधिनान्त्रे न सम्यामुं या श्रेम्प्रिया हेद्रा महिद्रा के स्था त्रा महिद्रा है। मुला ने के के के हिरा महिद्रा है।

**⋣ॖ**ॱॺॣॖॖॖॖॖय़ॱॴख़<mark>ॴॱॴ</mark>ॷॺॱॶढ़ॱय़ॿॢढ़ऻॎड़ॴॱऄॗॸॱॺॣॖय़ऄॱॗय़ऄॱॏ॒य़ॖॺॱॿ॓ॱ[ॎॾॣॕड़ॱ]] **फॅर्**ग्यालाव्यावेरे विदु स्नर्या सुँदा दी। ब्रिंग्रिने यहेर् पुरायरे नुषा के में प्यकु द्वि परि दुष्यु। यह व कुषार विरामा रहे ना दुरित प**द्रवा** स्वाचे महु अर्थे 'दु चे विकेष 'दु च विकेष 'द **लट्राच्ह्रवा** मुक्रा चे हिंदु 'गुव' के का खुट्राच' वे। व्यापर व्य≅र् 'केट' हे प्रमृव' 5'-- न्नायाने। के' विष्ठुनायान्। देन् युन्यासुरातनान्ति मुमाने में निष्या मे निष्या में न १ वर्षा देवा देवा मह्म मान्या मान्या मान्या है पर्या प्राप्त वर्षा राष्ट्र ठव 'चै' अर्मेव 'सहर 'र्रे। के 'से 'पचुर 'वि'य' त्य पुरुष पर 'तर पह वा प्रथाने कु'बर्द्ध है त' दे। केट हे केद मेर प्रमान निवार है। के मेर पकु पा सूण खुन पर लिट, चर्रेची ट्रेट्र न से निवस पर में खेंचा ने हुए ने भा मुना रेंचा दे.वयानविटाञ्चरातावायातातीयान्। तरारी श्रीवापवाचे वार्षे। विटाक्यारी लिट. हूं ब.तार. चिर. ठुचा. ठुचा चिरा ह्या। चिराभक्ष्य के क्षा क्षा भीव. ये. टीपा तपुर व्राप्त का ॻॖऀॺॱढ़ॆ। ॺॱॖॖॱऄॣॕढ़ॱॺॺॱॻॸॖॻ। ॻक़ॗॱॻॖऀढ़ॱख़ॖॱख़ॗॸॖॱढ़ढ़ॱॸ॒ॸॱ। ॻक़ॗॱॻॗऀढ़ॱ षार्मा अवस्ति में के अप में का के अप में का के सम्मान कर में के अप मान कर में के अप मान कर में के अप मान कर में ह् '२द्युत'ठव'चुै'अळॅ**न'ॲ**९'२**न**ाग'चै'ए'५'ञ्जूव'तअ'न5न। श्चिर् श्चिर् स्वास्य स्वाय विया चाराय स्वया सुर श्चिर हिर हिर हैर ॱअ:दे'प'गे'पुःग्वरपदुव'अर'र्ज्ञव'सम'प्रपः। द्वामेव'प्पट'र्य'स्वरेस**र्जुद** गुँषागुद र्पार पॅर र्झेंद तवा पहुंच। क्षेट पा वे त्युर रहिष्य पे दे र गुक्ष 

ष्पट्रक्र्र्भ्यत्याः कुष्यप्पर्याः केर्यया स्ट्रिंग् केर्िचे विष्या स्वर् है। ह्या अपनि पारि पारि सामित विषय मित्र पारि पारि सामित स्वाप प्राप्त है स मिरि सर्रे 'यस। सेमस उद सर्द पुर मुर मिरि के। सिंद प्रद मुद से कर देस म् । । १८४ मार्थः अरसः मुक्षः गुकासिरः पर्वेषः तार्थः विश्वा विश्वः अर्थेरः अर्थेषः मह अर् तथा वर्षा कुषार पर्याप दुवास मुहेना मिका सुराप हुन । वर्षेद्रायाची वार्षा विवार में वार्षेद्राय स्वार्षेद्राय द्राप्त स्वार्षेद्राय स्वार्षेद्राय स्वार्षेद्राय स्व बर्दे तथा हार्व के द गरि ति ति त हो मार्च त हो। वर्षेव में पार्च न के न महिना नी न । थुटा पहुंद । है। बेदार्स। केदा दे । बेदार्स क्या दे । बेदार्स क्या दे । बेदार्स क्या दे । पदी रमत्रपरात्म्रप्तिः हिरादेशहर्षायस्य सेसस्य सेस्राम् केर्रिष्टा प्रमृत् अभयामा मुद्दे प्रति वितानु । वेववर्त्वर वेदः नेदे स्वानस्वावर्ता विवायन्तार्तात्वर मान्त्रेवर्तिः पद्मद्रायाद्रा विष्याचित्रेत्रायाच्यापुर्वित्रावद्भद्राया वित्रकृतास्यस्य न्यतःतहत्रान्यतान्ता देख्यान्वेत्रासुन्यस्वायान्तान्ता न्यता हे'लुर'मह्व'म'बी पुर'क्य'शेशस'न्मर'मेर'मेर्नम्नरा ष्ट्र'मर' ॅ्राच्याम् १००० व्याप्तात्त्राच्या व्याप्तात्त्राच्या व्याप्तात्त्राच्या व्याप्तात्त्राच्या व्याप्तात्त्राच्या श्रेयस्द्रात्रः म्याराद्री क्र्या हिता व्याप्तरायह में वारा व्याप्तराय वितर पार्विपाव वा क्या तिर्वे रावर्षे वा बुका पुरस्ता तार मिवा सुदा पक्षे वा परि तमन्त्रायष्ट्रवायायम्। क्रवाधिरा**र्चना**णुटातर्दराद्वेटाद्वारत्वेदारता हु'प्र₹वा ।श्रे'स्वा'लर'पद्मव'ळेव'पर'रेवा'पर'वा ।बेवाय'र्रार्न्,र्नु। म्नेवायाक्षरमानाम् हिनायानान्तान्तिवानातिनामहेवानाही ह्यानी  २मः दे। रटः में सेश्रयः शः [ पर्डदः ] चेरः प्याः ह्रायः स्वरः प्राः प्राः विकार्षाः विकार्यः विकार्यः विकार्यः विकार्षाः विकार्यः विका

त्रहे**न**'हेब'ग्रीम्बस्यादिहे'न्यट'न्'ग्रीस' वृद्धा हुट'मी'न्ग्रीस' वें'९६अ'तु'न्नै८'९तुअ'स्वा'क्रॅ्र'ॲ८्'य'लया दे'क्रय्र'य्ययार्थरा हेटार्रम् वाक्षेत्रची पर्वे साम्यान्य वार्षेत्र स्वापर हेटा स्ट्राह्न **ॻॖऀॱक़ॗ**ॣय़ॱॼॕढ़॓ॱॺॖॖॖॖॖॖॖॖज़ॴॱढ़ॺॱढ़॔॔॔॔ॱॾ॓ॸॱढ़य़ॖक़ॱय़॒ॴॄॱॣॎऄॕॣ॔॔॔ॸॱॗऻॻॹॖ॓ॱॻॱॺॺऻॱढ़॔॔॔॔ॱॿ॓ॸॱ रे'रेर'ष्ट्य'पुषे'त्रेट'न्युय'व'र्हे'म्'न्व'ऍन्'य'ष्य। ने'ल'सुट वी' **ॻ॓ॱय़ज़ॱॸॏक़ॱज़**ৡऀॺ**ॱ**ॹॖॱढ़ॸॕॸॱॸ॓ऻ ॿ॓ज़ॱॻढ़ॱढ़ॸॕॸॱख़ज़क़ॱॻॖ॓ॱॶॿॱॺॕक़ॱढ़क़क़ॱ **८्८८.** कुष्रम्भूतः ग्रीप्यानी त्राय्ये स्तरात्रा कुष्रम्भूत्र स्तरात्रा कुष्रम्भूत्र स्वर्था स्वर्भास्य स्वर्था **कु.तभः रे.जूर्**नपुर, है.त.पा.पूर्टाश्चर, पूर्तापुर, है.हे.दे.ये.पुषुठ, है.शूरपुषुठ, स्त वर्ष्यं वर्षे हे खरायते अर्केर् हेवायदे दी। विषय पर्शेषि अर्केर् हेवायुवा <u> पाचित्रान्द्रेव रवता प्रमुखान्य अपूर्ण प्रमुख्या प्रमुख्या स्थान्य विद्यास्य विद्यास्य विद्यास्य विद्यास्य व</u> **ल्ट्रांचर्। येग**ान.कुब.स्ट्रांप्ट्रांप्ट्रांत्रेग्यांग्यां ह्राड्रांड्रांतापाटयावया बर्केट्र हेद्र पढ़िग्व वारा रहेट्र है। देर्पा गुरा पक्ष ताय हे के ता विवास पदिरे'पर'व'अर्र'कुर'रवेर'मंरे'ळ**र्'ठअ'रे'**ळॅन्। हे'परे'झुं'गु'वस'

बरबःकुरुःयहेर्या निष्टःकेषःमध्यःकुरःवृत्यःव्यक्षःस्यः हेर्ययःचिरःकृषःमुःभिरःकुर्या नेर्यःक्षेरःनेहरेहेःनुःयन्यःकुर्यःस्यः बरुयःकुरुःयहरुवा निष्टःकेषःमध्यःचिर्यःहरुद्धःमुद्यःस्यःकुर्यःस्यः

**रे'व्या**कुलायेरे'विषाकुः कॅर्।सुरायेरे'रे'शास्त्रव्यागेर्'यरे केंगाण **कुै'लिंदर'सॅ'पञ्चर-१। दे**'ब्बर्चेरा**हि**ररडेवर्**टा पट्रबर**वरशर्श्ववरापर देशम् देव कु क्रिया कु प्रिम् स्यावस्त्र में। देव कर्दे वास्य द्वार प्रार्म गुदःहुःकुःरयःववदःशःर्यम्यःयदेःमहुशःवुदेःवःवःवःशुवःहेःद्विद्वःयःयः ः **षट्यासुरश्चराद्याययारहिराद्याँ ह्यासी हिर्दे हे विदेश है ।** ধ্বন্ধ'গ্ৰীৰ'ষট্টৰ'ৰ্ব। ১ বিম'ন্ত্ৰ'ন'ক্ষৰ'গ্ৰী'ষঠ্ম'বিচ'ক্ত্ৰ' ই**ষ্ধ্** ८त्तरः श्रीव र स्थान वे गवा ८ सम्म द्वीना हिंदा ग्री वा सम्म व वा महें वा स्वार व वा स्वार व वृणुष्युनायास्यान्यात्रात्रात्रात्राचराम्बलायाः नेत्रवासुष्तिन्दाके। देवका ॻऀॱढ़ऻॱॱढ़ॸऀॱढ़क़ॱॶॸॱॺॗऀज़ॺॱढ़ॱऄॱॺॾ॓ॸॱढ़ॾऀज़ॱॸॖॆढ़ॱॻॖऀॱॺॎॺॺॻॖॱॻॱॲॸॱॸॕऻ भे'रिन्तरम्माण्यसम्मान्त्रम्भः स्ट्रेयसम्सुर्यसम्बन्धः सम्मानसम्मानसम्मानसम्मानसम्मानसम्मानसम्मानसम्मानसम्मानस ५ महि १ मिर कु वळेहे १ हुल ब्रेन कु न महिर द स महि महा है। हि १ तुस सु एलचायः पः श्रुवः र यः योत्राचायः ५ पटः ख्रुवाः वोः छवः ५वः पणारः द्वेषः सा चिटः छ्वः **ऄ॓**য়য়ॱॸॖय़ढ़ॱॸॆऀढ़ऀॱय़ॱॿॗॗढ़ऀॱय़ॖॱॻऺऻॱॺ॒ॺॺॱ<mark>ॸ</mark>ॸॱॺॱॺॸॺॱक़ॗॖॺॱॸॸॱय़ॗॸॱख़ॖय़ॱऄ<mark>य़য়</mark>ॱ देवसान्द्रित्रक्षेत्रस्य द्वाराश्चेताया क्षायर सेशायसाम्हर्माया ह्रव्याप्तर्याच्या विष्या श्रेष्या र्यारा श्रुवा र या मात्रे माया प्राप्त स्वापा रे हिंगा पर'तर्देर<sup>व</sup>, टे.र.केर.चेट.व.चबेचश.बेश.चश्रात्वश पश्चात्रत्व गुै'ब्य'क्य। ऍ.२मे.पंस्चेयातायायायायाच्यामुेयामुै,बुटाम्थयाचयानुयासे

विपाला श्विरस्यानीचेनयानेते नाश्वितानु नायान्य नाया विद्रा हुरमुकाकर्ष्रस्यस्थानुकानी देखुरानुस्यानुस्यानुकान्यन [[ठॅ८, बुर.]]बुट, जातकेब, कुबा कुबाताल, श्रुचंशकरू, कुं बाबारू चा। (त्यूट, पाः]]वसः नसुत्यः र्याः वर्षे । सुत्रः प्रतः है । हे रः युन्यः हे राम्बेन्यः प्रते । स्रो [कुषर]]सातास्मायादाख्राद्रा देख्यातुरी देखुरादेशक्यादेश्वादासारस्या ष्टुन्बर्न्बर्मिटायार्देन्यावादार्सन्द्री स्वापनाद्राप्तियान्या **८६मा** हेन मुग्नसम्मदानुहासुरामा मुग्ना हो स्वाप्त स्व स्वाप्त स्वाप् म्बेनसाग्रीसास्यामुकार्वेटाराम्वेतासुन्यस्या बह्दायर प्राप्त दुला चा देशे कुर रेग है। राग त्युला बूट मी पहुना (Nalaba, he. 네.건리.용당,러노,너무.네.라는,돗쇠.착.작스,丈트 요.얇스.축,哭니깐. गुःभर्रापयागुम्। **शुद्रास्यान्**वेनयान्तिमः प्रमानवान्तिया मदे से समा ठव वसमा ठन भा सहन मा पठु महिया गुरा मा है र तुला दे र नेरः क्रॅब क्रिनेंब स**र्ग्यर प्रस्टर** या निर्दे क्रुन रेश है। रायदे प्रस् 면데'마드'리'전데'마드'리'혖'본제'리'립저'전드'즉| 월드'로'본('''' 중리' ['디도'] **क़ॖ**य़ॱॸॱक़॓ढ़ॱॸॕढ़ऀॱॺ**ॸॕॱख़ॹ**ॱॻॖॸॱढ़ॾऀज़ॱॸॖ॓ढ़ॱॻॖऀॱॺॎॺॹॱज़ॸॱग़ॄढ़ऀॱय़ॖॖॸॱॵॱॻॖ॓ॱॺॱॱॱॱ क्रिन्यग्रम्परित्रहेनाहेन चैग्नस्याचे प्राप्तान प्राप्तान स्वरास्य प्राप्तान पायाम् वास्यार्या हेर् केता वित्या देवे खात्या दिवा वित्या हेर् के खाता हेर् के स्वाप्त के स्वया हेर् के स्वया [ममसंरे रे दे व तहमातु होट रे रे दे दे मिट्व रे रे व कुल प स्याप्त्रास्य म्या स्याप्ति विकास्य स्याप्ति स्याप्ति विकासिक स्याप्ति स्याप्ति स्याप्ति स्याप्ति स्याप्ति स्य क्रूट.पथ्व.स्रेञ.च्.र्र.र्। क्रि.श्र.िपचरः]]गूट.ह्.र्र.र्। पर्पाश्चराचरःवि पढुंद'र्अन्रेर्रेर बुल'दव'वेसवाठद'चु र्देद'सह्दायर प्रवृत्वरहे। देवे द्वा

षरः अर्दे 'है'दे'द्वा'तृ'पह्न'पराग्वर्र। देवे कुद्र'रेख दे। श्वःम् क्वेर क्वेर महमास्याप्ताप्ताप्ताद स्वेषाद वास्त्रार्थे

भे'सहेर्'हिष्'कुं'विस्रायःहिहेर्'द्वह'रु'युत्र'त्। सहस्राकुत्र' इस्यामराञ्चरा सहराणी प्रुणसामारी ने रस्युरी वरावामा वर्षा ने वर्षामावसा दे.ब.घन.२.वट.क्च.सुबस.८च८.श्चै४.४४.चचुन४.ट्रा चैल.वे.चैल.वे.ट **छुन**' चुक वक कर्त पुरा तुन या ला हिंद पुरा पुत के बुत प्रा ति हो। खुन'ख़ॗॸॱॸॖॱॿॖेॸॱॸॕ। ॸ॓ॱढ़ॺॱॿॗढ़ॱॸॺॱॴ॒<sup>ॿ</sup>ॴॺॱॻॖऀॺॱ**ज़**ॺॕॴॸ॓ऀ। ॻढ़ॕॺॱख़ढ़ॱ ८८४.८.२८ वि८.कु.८सूटअ.त.वी ल्राचाखें क्षां स्वाया हो वि.च. कवाकी रोमसः स्वापार्क्या की त्राप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्त <u> हव रत्या गुर्या पाता रहे यो श्री समय रहे दे समय है पाता हिया हिया हिया है समय रहे पाता है पाता है या समय है य</u> यर'शें'वुब'हे। अ'र्हेटब'य'व्'पुट'ॡय'शेबब'द्मर'हिंद'ह्र'पुब'श्चेव'यर' ট্রি-নেম্লুম্রেশ রকানশ্রেশ্বান্দ্রেশেন্দ্রে শ্রুব্মেশ্রীলকা **ঀ৾৽য়৽য়ঀ৾৽ঢ়ৢ৽**ড়ৢ৻য়৽ঢ়ৢঀ৾৽৻ড়৻৽ঀয়৽য়৾৽য়ৢৼ৽ঢ়ৼ৽ড়ৢৼ৽ঢ়ৢ৾৽ यदेग्याउदारु धेव'है। 디끼오'>>이'디 रेणबरणुरपुर्वित्रायरवरकुरमुरमुलरायबस्यस्युः सेखरायदेर য়য়য়৽ঽঀ৾৽য়য়য়৽ঀ৾৾। पठिणःणु८৽য়৽৻ঀয়৽য়ৼ৽ঢ়ৢ৾৽য়৻৽য়ৄ৾৽ঢ়৽ঢ়৽য়ৢয়ঢ়য়৽য়৽ঢ়৽ৼ ब्रट.वथालर.भु.र्चेबातरारज्ञाच्या वि.च.२४.कु.४हमी,धेर.की.प्रा <u>२अलामाञ्चलकार्</u>कु चार्चा प्रतातिकार्य विद्यास्त्र विद्यास्त विद्यास्त्र विद्यास्त्र विद्यास्त्र विद्यास्त विद्यास विद्यास्त विद्यास विद्यास्त विद्यास विद्यास विद्यास विद्यास विद

देव्याञ्चव रस्याम् वेम्याये सहितारहेवा केषाम्याया स्वाप्ताया र पर्डम् स्वाप्त्राप्तृणु खुपायहै ल्या व मार्हि । बेरायणु । पार्टा। য়ৢ৾ঀয়৽ঢ়য়ৢৼ৽ড়ৢ৾য়৽ঢ়ৢ৾। য়ৼ৽৻ড়৸৽ড়ৢ৽য়ৼ৽৻য়ৢঢ়৽য়৾। ৸ৢয়৽৻ঀ৸৽৽য়য়৽৾ঢ়৽ৼ৽ हैर.जब्ब.बेंब.पंचा चबर.केंज.पा वेबब.च.ज.बेंब.चुव वेबब.पंच. 쥙지"디 इट.सूर.बु.बूवायः तर.पर्वश्चितवीत्वे त्वीत्रवे तथायापरे छ पाछ हैया भेदाममा प्रदेशनारार्देयामा इयसाबुगनरार्देयामा पेदेरपुरायानमार्चा े बेबासुट प्रमुद्द हैं। अर्दे श्रेष्ठु प्टदायबार दिवामा के वासी से प्टरासु सर्थात्व तर्म सु । तम् । तम [मःमःठवः मुःदिवः ताय ब्नावः सरः बुवायवा हः त्वायि हैं नुवाया या में विष् [वित्राण्चेत्रः श्चेत्रः तथा श्वेता तथा श्वेता चित्रः श्वेता स्वयः वित्रः श्वेता स्वयः वित्रः स्वयः स्वयः स्वयः निब्दार् रामुरामकानिक्षाना गुराम्हर्मात्रमानाकाकारम् इसराब्याया हिन्दराया हा क्रिया हिन्दराया सहित वस्तरणुट्राष्ट्रिर्र्र्स्रायाहेव्रवस्मार्थेमाः सत्तरष्टिर्र्र्स्राखुः हव्रायस्तर्याव्रा हुन्याचेरास्त्राच्याच्यान्त्राच्या द्या द्यान्यान्या प्रमारह्यामा ह्वाम ् वै**'र्श'र्श'य**र'- यामुक्षा **्नव्र**'यानव'र्य'र्ट श्चेन'र्मव'याकेया हुनासे'  स्राप्तवाया प्रति १३व र्षेत्राप्ता मुद्दा स्रेम् राप्ता स्रम् केत्रा प्रति । नुषुद्र'रम'ह्रवयाम्बु'मरावयुद्र'मयाद्वे'क्रियान्द्रें प्रदेश ह्याक्रियाक्षेटा हे प्यन् अन्त्रान्य दे अर्दे त्यस् । अर्दे दस्य प्यते प्रसुर दे रहे दे रहे स्वर की स ळॅबःग्रुंग्यग्रायहुःयःदेरेःबॅष्यम्यराददेग्न्न्द्रायद्यामीबःबॅबायरेःदुवायियाः ब्रायार्थस्य निवाहीत्रश्चात्राचरान्यम् स्वाहित्र विवाहित्र विवाहित्य विवाहित्र विवाहित्य विवाहित्र विवाहित्र विवाहित्र विवाहित्र विवाहित्र विवाहित्र विवाहित्र विवाहित्य विवाहित्य विवाहित्य विवाहित्य विवाहित्य विवाहित **चः। पर्वः अक्षत्रः श्रुं रः ग्रीः क्षेत्रार्दः।** अवतः नुः पर्वः स्वः तर्वः ग्रीकाः वश्चिरः वा मायाबह्दायराम्ब्रॅन्'र्ना देशनुग्तमहेर्नुळेनाखनायात्रा<u>ब</u>्न्रदेनुखेना **ढेसःन**शुस्याद्या मङ्गदामधे महेनासे नाहेनासे नाहेना सुन्ता नाहेना स्वाप्त महिना स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स र्स्व १८४ व र्स्य ५८८ विद्य क्षेत्र क् **ॻॖऀॺॱॴ**ढ़ॕढ़ॱय़ॱॸ॒ॸॱ। य़ॾॣढ़ॱय़ॱख़ॖढ़ॱॸ॓ऀॸॱॸॖॖॱॴढ़ॺॱय़ॸॱॻॖॱय़ढ़॓ॱऄॗॹॱॸॖॱॸढ़॓ॱ मु र दि । प्रति स्वा विवा देवापार दुवा है। दे हि दूर प्रति हवा देवा दुवा प्रता पर्दे माध्य तर्या गुर्वा विषा तहुं माया मही पारि विषा गुर्वे में विषा हिंदा हेरा र्जे.पा.पा.सूचे चेक्चा.केप्र.रचट.सू.चक्चे.क्वेय.पा.सूचे चेक्च.केप्र.च**स्.सू.सू.** नियाम् त्राम्या प्रत्या प्रत्या प्रत्या प्रत्याम्या प्रत्याम्याम् विनशं हुतं नु रहें वारा है। व्यत्यायादा दे। यन वा वीका यहें शास्त्रा रहें ॻॖऀॱळॅॺॱक़ॣऀढ़ऀॱहेवॱॻढ़ॊॸॺॱॶॱॻऻॺ॔य़ॱॻढ़ऀॱऄ॔ढ़ॱॻॖऀॱॻॸॻॏॖॸॱॻ**ॸॱढ़ॖॱॿॸ**। **बुँ**न'हॅन'परे'सुरे'हेब'पलेटब'परे'पॅब'कु'पन्न'पॅ'पकुन'पर'लु'बेर। **युरे**' ५०८ में प्रमुख में ब पर मा मिया पर्या मिया पर मा मिया प मबेटसरमहिरम्बरणुरम्पन्नुद्रयरःबुर्वर। मङ्ग्याचेर्नुग्रह्मा

प्राम्भामासः विद्वास्ति स्पर्धः प्राप्तः प्राप्तः प्राप्तः प्राप्तः विद्वासः स्पर्धः स्पर्धः

दे क्या देवा हैवा हेवा दे त्वा पावे हिंदा सुराम् स्थाप विश्व स्थापना पारि है। *षु*ॱळेबॱय़॔ॱऴ्टब्रत्यत्य्द्रश्चरत्यत्याग्चैःष्ट्रवर्गेः भेषुर्दे हेब्रविद्यापदि कुराया *द्वेरे '*रेव' सं' के 'कु 'वेल' जुव' स' ८८। विशेर ला संवित्र स्वास स्वीत स्वास स्वीत स्वास स्वीत स्वास स्वीत स्व म**ल** प्रतृत्यत्यस्य सुन्य प्रत्या क्ष्याणु सुरे हेव त्य सुन्य से स्पर्य प्रत्य प्रत्य स्व परिःधुर। ५६७० वात्वातार्मणादिः ५ मार्थरः ५ मुणाया के कटानीः क्टर वे हैं क्ट या पह रहें या निर क्टर मा अक्टर वे राम से हैं पह है सर्कर हेद 'हेद' हेद' हेद 'हेद स्वर्ध मान्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य **च**व या यह ८ रहे रहे या हव रहे न या की खिला व या दे । कि प्राप्त की की या ता विकास की वितास की विकास पदिन्यायरे हेव १८८। छु कु द कु एखार पायर हे रह गारि दियान स्वर्ष त्वीयवादी. बाह्य पा होया विषया प्रतापका है कि क्षा स्था स्था स्था होता है । इट. पसुरा केंट्र प्र. २४ . प्रेसट. व य. य. ज. अ. इ. मे. तर. पर. व द. ज. पे बे वे याया **५८० अ.५ में पड़ि अकूर हेर बुका मनिकाश्चा** क्रका की स्थान के का की की की ८**८'-पर'पहेंब'पर्य** हेंट'प्वेंद्रियांचाहेरर्य्यायार्थे देखां व्राक्षर्याद्र

स्मिरः रेम्।]

समिरः रेम्।

समिरः रेम्।

समिरः रेम्।

समिरः रेम्।

समिरः रेम्।

समिरः रेम्।

समिरः रेम।

समिरः सम

ष्पटःम्बर्ग्ञ्चायवदारहेदारःज्रात्मायर्वे अ'स्दा तर्वाणे क्रिंक् क्रिं **ह्**तयः महिः मुद्रेः हेव पदि व्यासुः प्रायास्यापाः वै। कुः देवे भेवः में के स्वारा क्रिकः प'त्र' द्वेर'रेद'र्यं के बेदु श्चुन्यं हे ख'र्यर केद'र्यः मृठेन द्वेरे प**ार्चर** ঀ৽ঀ৽৸য়৾৾৽য়৾৾ঀৼ৾ঀৼয়৽য়৾৾। ৾৾৽৸৽ঢ়৽৸৽ঢ়৽৸৽ঢ়য়**৽ঢ়য়৽** लियं य. श्रु. श्रु. ता. या. व्या क्षेत्र हिया वा मारी मु नवह वा स्वार वा का स्वार मारी मु नवह वा स्वार मारी मु ৼৢৼ৾৾৽য়ৼ৾৾৾ৼ৾৽য়ৼয়ৼয়য়ৢঀ৾৽ড়ৼ৾ঀ৾৽ড়ৼ৾ঀৼড়ৼ৾ঀৼ৸ঢ়৽য়৽**৸৴ৼ৸** □चु५ॱइॱघबर्मार्स्परामा सुग्बर्मनाब्यद्यानरामुम**ामा छनाब**धस च**लना** नी 'छुना' कु 'ठद' केद' में 'चले हिस' है। वर्डे स' ध्द' २८८ स' ग्री स' रच' नाद स' व्हिं ५ ग्रीका पाले निकास है न १ दिन का स्वाप्त का साम है न १ हु ग प**ब्**वन्यःसुरम्या देयःमुस्टस्यः वयःसरःसुवः ५८८सः वया **कुःन्**रः**ष्ट्रः য়ৢ৾**ঀয়৾৽ঀৢ৾৽ঀৢ৾৽য়ৣ৽য়ৼৣৼৢ৽৻ঽ৾৽৻ঽ৾৽৻ঀ৾৾৽৻ঀ৾য়৽য়৽৸য়৽য়ৢ৽ঀৢ৽ঢ়৻য়৾ঀ৽ড়৾৻৽৽৻ **でよ、3ロ、4 か、成し ぬる、変と、子、う、うまな、は、い、が、「いか」」の、な、む、おして、、** য়ৣঀ৾য়৾৻ঢ়৻৸৶৷ ঀ৾৾৾৻য়৸৻য়ৼ৾৾৾৻ঢ়৻য়ঀয়৾৻ঢ়৻য়য়য়য়৻ঢ়য়৻ঢ়য়৻ঢ়য়৻য়ৢ৾৽ঢ়৻ **१'निहे'हिंद्'बेर'**दर्भ द्विहे'न्ड्नाईन्'हेंर'ग्रीके'स'देव'मेंके'कु'नेश'स्द्राम दे'न्१ेब'६**द**'लब्दा'सब'दब'ल्दब'ग्रे'चर'तु'खद'लन्।पकुद'द्दर'स्दे' **ভ**'ননম'ট। শ্লু'[লুম'নমিল'ন'বিম'ন্ত্ৰ'ঘল'ঘমম'ত,'নন্ন'নম'ট্ট'ম'ন্ন' न'र्रः है'यरि'र्दिर'बेर'र्रा देव'र्य'के'खब'र्'हैश'चुै'र्दिर'बेर'**न्हेश**  ह्हिंबा म्या द्या स्वित् विषय प्रया प्रय

त्रवस्त्रहेत्राचार्यायमु मुद्दास्त्रक्ष्य क्षेत्रहेत्र स्वा स्वर्ण स्वर

प**ब्**न्यार्थे। देग्यायन् पृत्ये भृग्नस्य। पर्वे यास्य तर्याणे स्थिते वर् हेद'चुै'|वसस'सद्दस'द्वाह'यर'धुेद'यत। देहे'हूँद'य'सदस'कुस'द्वाह' पदैः द्यायः त्या विष्यः मुदः कृषः सेस्र स्परः द्यारः द्यारः प्रतिः मुदः मुक्रः बुरः या ८६७ में महेर्रहिन् हेर् की विस्तार करार्येट प्रमा ८६ वर्ष में महेर् ८६ न हेदॱॻॖऀॱऻॎॼॺॱॻॾॕॖॖॖॖॺॱॿ॔ढ़ॱढ़ॸ॔ॺॱय़ॣॻॖॱॺॖॖॻॱॻढ़॓ॱढ़ॏॸॱय़ॻॹज़ॱढ़ॱढ़ॺॱॺऴॺॱॱॱॱॱॱ म्ब्रिंगायया प्रमाराङ्गलाचा ब्रैटाम्बर्यारे रेहे र स्पास्य र परे र प्रविमा ममा बैट देश दुल भे बर पा सर दे। देश देश देन द में हिंद मह स कुरा है। भु 'भ' कर् 'भे 'सर तर पर पर पर देव 'पर पे देव 'में व 'पर पे व पर पे व म्बन्द्रां वा विदायी के वामिरा वदा देवा विदाय के कि वामिरा विदाय व चेत्रपारम् स्वाप्त किया नामरारम् प्राप्त प्र प्राप्त प्रापत प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प तर. मुना क्रां प्राप्त हरा प्राप्त हैं वा पर है वा पर हैं वा पर है वा पा पर है वा पर है वा पा पर है वा पर है वा पा पर है वा पर है **됩**่น.다.g之.u.칍४.다४.회여.ப.ப.현८.회८.고회. (本 다. 교美점. <u> हिंद्राच्या के या व्याप्त व्याप</u> पार्टा मुदाक्ष्या सेससार्यादे सार्च्या प्रसाणुटा। देग्व विदानिनेन सारी हुर त्युला चेला मुका मर्दे व पर की वुका की विका प्रमार कुला है। दे हिरा वा पर्डे म स्व त्र त्या भी मुद्दे द्वा यर दी। प्रीव सकें ना पर्डे म्या प्राया महार प्र प्रथा ग्रीया भी विषय प्रया अर्दा प्रथा ग्रीटा प्रणाह में अर्

चर् अ'स्व'त्रव'क्षेय'भूव' पतिः चु'त'चेत्'तरः त्युर'र्स। व्युट्य'स्|
चर्'ठेय' पुरु'त्व' व्यक्ष्य'भूव' पतिः चु'त्य'चेत्' पर्'त्युर्या

दे•अःवेषःपषःपर्देअःविषःविषःतिषाण्चैषाद्वेषाद्वेष्वेषःष्वषःपुःवद्वात्वेषायायायाः हुव'म्बिम्बर्ध'र्द्दा व्यावादेवाहुवादा रगुटार्थि'यहुरम्हिवार्थवाह ८बःबरःक्षुरे।वटःव्वावयायरःदेन्।यबःकुलःव्वेरेव्याय्यःबरःक्षुरे।यटः**व**नः मीरम्बेसर्वरापेर [वेसर]विस्तर्स्य प्रमाहित्सर्भा प्रमाहित्सर्भित्याचेस लाश्वमालाम्द्रास्त्रं द्रान्द्रस्य मात्रम् हेना हुद्राप्य। क्रिंदे क्रें पुर्दि a8बार्झ चेरामकारी लाळरामुकार्झ। रगुरार्खामकुरामके करावे लुकामेरी कलामु वि दि व अधा अ वर हो। प्यादा में के प्राप्त कर वि वर्ष मार्थ मार्थ कर वि वर्ष मार्थ मार्थ कर वि वर्ष मार्थ कर वि वर्ष मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ कर वि वर्ष मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ ह्व.यर्थ.हेर.रट्यक्षेत्र.च्य.चय.तीचय.ब.धीची.ताच.ह्व.क्र्यू.क्र्यू.व्या कर पार्विनापविस्याते। वीप्नान्ययापर्ययास्यास्यात्रा देर-१९व-१वस-८८-विट क्वा-अञ्चर-८मर-५मन-१५ ग्रेन-म-८८। द्वे-८८। बे'र्रा द्वायाधेव'र्रा दे'वायास्वायार्राहरा द्वायाधेव'हे'वकुर য়য়য়৾৽ড়৾৾৾৻ড়৾৻ঢ়৾৻ড়৾৽ঢ়৾৽৸৽ড়য়৾ঀয়৽ঢ়৽৻ৼঢ়৽৻ क्षॅ<sup>ॱ</sup>व सर्हिं चेर पण्चेस है। ृष्ठ्यास पढ्ढे रहिष् हेव गुरिव गुरिव समास समस उत् णुर यत्यः मुयः गुः बेतः यययः उत्। स्त्यः मुयः दः मुतः कृतः भ्री.मोश्रभः प्राप्तयः चश्रभः भूरः च. चैशः व श्रः द्वेश ५८. ग्रीसः विच. यर मुना सु न्युट प्रुन्य ग्री य प्राट्ट तसुर। यहँ य स्व र ८ ८ य है ५ 'ग्री य रवार्नु माव कायर पुका क्या श्वराहित होर हिं दिना वर्षे अ विवास कार्य . अव मिसुअ : क्रॅं र 'प' प्रुक्ष व क 'प् सुक्षे 'मार्डु मा पृ 'बु प' पर 'यु र 'र्जे।

**ने'व**ष'यॐस'स्व'९५४'ग्रैष'८विंर'क्षय'स'यण्ठ'ञ्चस'य। नु'९५ै'

न्नान्व वान्याय बुनवाय सि वर्षे वरत् वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे तु पत्तु मुलामा सदा हैना धुरारेंदामा शे रेंदामा मुलाहित से समार्ग बार्षयायाहै। बेराकी मुंबार बंदा महेंदा महिरा है। वह बर वेता रे बॅर वेता हेता प्राप्त वेता प्राप्त विवास केद्र'सॅरि'कॅंश'व्रवसं'ठ**्'९**प**्पायेत्'मर**'९पुट'क्ट्रेपम्ड्द्र'सरे'व्र'व्र'ल'णि''' च.१व.चु.तीतप्र.भे.**पो**ध्य.८८। श्चिर.४४.पोच्चेयव.गुथापर्यंतर्यं र्हा बेबामानरञ्जलाना नर्मिनामाने पुरासामान विवास स्थापित स्था स्थापित त्रात्रकात्राचे वर्षः देवे प्रेषु प्रमुद्धान्य वर्षः प्रमुद्धान्य वरमुद्धान्य वर्षः प्रमुद्धान्य वर्षः प्रमुद्धान्य वर्षः प्रमुद्धान्य वर्षः प्रमुद्धान्य वर्षः प्रमुद्धान्य वर्षः प्रमुद्धान्य वरम्यान्य वरम्य वरम्य वरम्यस्य वरम्यस् ५८.चर्चेब.वयासि.व्यथा.व.स्.च.व्रथा.च.५८.। ४५५.विश्वयामधु.व्यदान्य. নমূৰ ৰশান্ত্ৰ নুশ্নেই কৰ্ম ৰ নিমাজ্ঞা অস্ত্ৰ নিমাজ্য ८८४.७.७८८.पर्बट्य.श्रा ट्रे.वं य.ज्र.हे.चे.व्यादामितात्रं मैं.मूटारेथाई.ड्रे. **ग**5बर्-ु मुद्दाकुपरकुरिया से दिला है जा रामसाम से रावसास के दाया सह दिला है जा रामसाम से साम से दिला से स्वार **নুষ্ণ**মঠন্'নপ্ৰা

स्वार्थः स्वर्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स

**बुदेः तुः संग्याः** मेद्रायाः केदेः क्रून् यहे सार्यः र्यम्बाद् सार्वे मेन्नायाः मिन्यायाः देवुः " [(भेद')]२५ म् वस्य सु सं रे दस्य स्यारिया हि द सु भेवा से हें में रे इससायनु साव साके चेता है साह्यसाया सु साव स्वाप्त स्वाप्त से दिन हमा द्धाकेषाय्ये । वार्षायाय्ये वार्षायाय्ये । वार्षायाय्ये । वार्षायाय्ये । मान्मान्दर्वा नेपान्य विकास मान्य विकास के निर्माय के न **9े**५'स'केद'बेर'र्स ४'द'टे५'सु'बर्द्र'ने'पर्दे'ब्लासु'प'केदा हिं५'ग्रैक्ष'बु' बद्दान्वन्यन्तर्त्व १६ द्वारायन्यन्तर्त्वाः वर्षेत्राः माक्ष्याचुनार्विया वर्षेत्रयात्स्यया नृत्त्रवार्वेत्रयेत्रयेत्र **ब्रुंबःग्रुः**रिने १९५६ त्या बर्के दाया चेदी विष्या प्रविषया क्षेत्र १९ हेष् स्यरः

८५म ह्यालियश्चर्यात्रस्याच्याच्याच्याच्यात्रस्याच्यात्रस्याच्यात्रस्याच्यात्रस्याच्यात्रस्याच्यात्रस्याच्यात्रस्

मुन्यायान्य मुन्या व्याप्त स्वर्णा स्

त्या मुद्दा मुद

क्षान्तुः कुष्णः लूट् त्या खेट या श्री दे त्या द्वा या खेषा या प्राप्त विष्णः या प्राप्त विष्णः या विष्णः विष्णः या विष्णः विषणः विष्णः विष्ण

मुःशःतर्द्र हो यः श्रेटः पुः च् न्याः श्रा च व्याः विष्यः विष्यः विष्यः विषयः विषयः

सन्दर्श्वरायते देन देन प्रति स्वाप्त देन हैं देन स्वाप्त देन स्वा

<u> </u>देशे'तुस्र'तृष्ध्य'न्युस्र'त्रस्य संक्षेट्रप्य'द्वेशे'कु'सक्षे'य'देत्र'यें'के'ये**त**्रु'''' बॅदः चरे रे दे दे दे दे ता स्ट की या क् द में व से व से हिंद गीवा [किया] के १९ तप्तर मार्थ स्थानिया है स्था है स्था हिर स्था हिर स्था है स स्प्रवाच व व प्राप्त व व प्रतामित हित्यावताती। स्व व व व प्रतामित के स्व वित प्रतामित के ढ़ऀज़ॱॻॖॣॖॖॖॖॖॖॖॣॖॸॱॻॺऻॎॱॐ॔॔ॱय़ॱॺॗॖॖ**ज़**ॱॻॕॱढ़ॺॺॱॺॱय़॓। ढ़ॸॖऀॱढ़ऀॱॸ॔ॸॱॸ॓ॱॺ**ॱज़ढ़ॕ॔ॸ॔ॱय़ॱ** चुेन्'य'सेक्'यस्मा<sup>स</sup>न्'र्ने। बेर'क्स'यहैटस'सा नेर'नेन्'न्यॅब'कुे'पसस' पाला पालप्तावादा हिंदाणुवा[[क्षेत्राक्षा]कृष्वते द्वा केवा केवा केवा विवा <u>इर्. त.५.५५% व.५५४ वेश. कूप. व्या कूप. त्या क्षयाता पर्</u>या व्याप्त क्षया व्याप्त क्षया व्याप्त क्ष्रा व्याप्त क्ष्र चेत्'रेष्'वुस'सस'स्ववादया देर'देरे'रेष्'र्वेद'र्मेष'मेवाने वया अन्देग्यम्याने निष्य अन्देन अक्तरा विषया निष्या विषया Ҁ॓ॱग़ॖॖॱॳॖॖ**ज़**ॱऄॺॱय़ॺॱҀेॺॱঽढ़ॱय़ॕॱ**क़॓ॱऄ**ॾॣ**ॱढ़ऀॱ**ผॱढ़ॕ॔**ॸ**ॱॸ॒ॸॱय़ढ़ॺॱय़ॱॶढ़ऀॱऄॕॗॱय़ॱढ़ड़ मॱॿॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॺॱॿॕॖऻज़ॺॱॸ॒ॱॡॖॺॱय़ॱॿॖॖॎ<mark>ॱॴॸॱय़ॱॿऀॴॱॸॆॸ</mark>ॱॸॗॕॺॱॺॱॻॖॺॱय़ॱॴॾॕॱय़ढ़ॱॺॗॆ**ॸॱ** इवासवानु खुलाया नेदान्यवानेवानु हिन्दु स्वान्यवान्य । पते भु ने पार्वे न साम ते खु न तम सम्बाध स्वाध पार्वे न पार्य । **ने प** म्प्यायस्थसः सस्पर्दार्थः छे दे बहुत्र सु प्राप्तः हे कमार्था दे हिरादसार्थदः <u> चर्चा ह्या तालाला हेलाणुरायका हे धूरायङ्गाया[धूरा] वृकासा</u> 

इंग्डेग् विमा प्रमास्या समाज्ञा विमानिया ८१५,व्याळे १,य्याचे दाया विष्यास्याय देवालया क्षाचे विष्यास्या हु-दे-दे-प्वेद-**ग्**वेग्याय: त्रद्रत्याक्षे त्रद्राप्तस्याय केते हिरादा त्रह्या सुते श्चिमः व 'ने पालीव' माने मान स्पर्ध ख्राय अर्घमः मान स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्व RER'44'8'B'F'TI F'AF'B+'4A'BA'A'B'B'H'5E' HE'TH'A' ण्काके पार्यपार्व प्रमार्व वा का की खूट प्रमार गुराही देर मव केंबर प्रमुख हैकायका वकाञ्चकामा छात्रीग्वर्षकात्वारत्कान्ग्राम्याव्याकार् म्हेरास्व पार्टा मुं कर् सह महि भेव हु प्यट र ह हे से न्या वा णुर्ष्ष्राचरान्तुव जीवान्द्रवाक्षे । वत्वाकुवालाहिन्द्रवान् ळ्ट्रात्रा चेड्नाक्राहराहराक्षेत्रवात्रा द्वाञ्चात्रा इट.क्ष्य.पीर.पित्रेज.पा.रटा. श्चिब.अष्यश्व.व.बहूराश्चे.पी.वाटःबालशःश्चे. क्षेर्रन्यायान्दा ह्युन्यसम्बन्धाया वर्षुन्यस्या न्येश्वस्यास्यस्यस्य यःत्रेत्रतः कृरं चुँ रहेत् त्रह**्र**िया होते त्रिया केत्। मृद्ध रहेत् ह्वयत्राया सँग्रा मायम्यामुयाम्र्याप्त्राप्त्राप्त्राप्तम् विताम्यायाम् विताम्या ቒ፞፞፞፞ኯቜ፞ኯቜ፞ኯቜቜኯፙቜኯፙቜኯቜኯቜኯቜዀቜቜኯፙኯፙቜ**፞** चकु = क' स'रे। ५ ५ ६ दे नाई न' हे र'श' चकु = क' हि' न| अ व ' नश' अ ई' नेवानी प्रमानदानमञ्ज्ञानामहेन्यहेन्द्रिं भ्राप्तान्ता वर्षेतामा वर्षे

व्राथमञ्चेष् त्याम् स्वाप्त स

न्याचे सुव मासुका मुसा हेव पवित्या परि मास कर्मा सुवा कु मार **ॻॖऀॱज़ढ़ॺॱज़**ख़ॖॺॱढ़ॱय़ॿॖज़ॺॱढ़ॺॱऄॺॺॱढ़ढ़ॱॻॖऀॱॸॕढ़ॱॸॖॱॻऄ॔ॸॱढ़ॺॺॱज़ॺॕज़ॱॱॱॱॱ महिःबुदःरुपबुन्यःस। हैःसुःहःस्यिहःसुःकर्व। सुवादुःहःन्सुवादः **इ'इस्स्'रि'र्ने न सर्दर**्ने। प्रमुट'स्'र्मकुर्'म'र्नट'म्डु'म्डिस'स्टि'सु'र्कर्' देश **कु**षः मृत्यस्य कुषः कुष्यक्षर न्वस्य स्ट्रा स्र स्टर्ग स्वर्मः मृत न्र'नु'बह्ना न्नुट'सं'चड्र'न्रेबर्मर्थियमु'ख्र'म्कुव'न्। ने'वबर्धेव' म्। ट्रे.वयापाकुःलालुयानुःसासामकु। ट्रे.वयाग्ययानन्यावया ग्रुदेः कुल'र्म'निहर'न्ड्राची'बळ्टर'न्द्र्यार्मेन्ट्रांचकु'बहर्'र्मे। दे'द्र्यायान्हे' व'मुल'र्भ'ने'अव'क्रि'यळॅ८'गवय'मे'ले'न'क्'हे'न'पुग्व'प्यापुग्व'र्स्'हेरि'ह्यूल' याम्कृताः शुकाः यहँ वास्तायः कार्याः कुष्ताः सुतायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्व देर'सूर'कुल'कुल'मुब्र'यरम्बुल'ववा तुरमेट<mark>'सु</mark> केले'म5ुर'कुब'तुर्वेकवा लामुन्द्रिकात्रम्यवादीना विष्यान्त्रम्हराह्याव्याप्त्रम्या <del>ହି</del>୍ମଶଂମ୍ବିଲ୍ୟ ସ୍ଥ୍ୟ ପ୍ରୟମ୍ପଶ୍ର ପ୍ରଥମ ଅଧିକ୍ଷ୍ୟ ପ୍ରଥମ ଅଧିକ୍ଷ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ लराश्चराद्वराया प्रमुवाया बुवाकावा अर्देशाङ्चरद्वरायके रेवाया के हेवा द्भः क्षे. खेला दे. पर्वे तथा क्रेट्र मी. खेला टे. मैंदे. ट्टा पर प्रेशः भू। स्राफ्ता प्राम्येरः ्**अ'न**'क्रर'त्भें'र्देव'वर्दर'र्दे।

प्रदेश,रेपाज, क्रीय, प्रदेश, प्रदेश,

महि हेद नामा तामी। बेस बुस मस। महस्य स्व तर्य मी जारे ना यदयःकुषःग्रीःहेदःलः[[चकुरः]]रेःहेरःलयःमुदःमदेःहेदःहुण ८५'मदे**ः** हेवः मृष्ठे अप्टेप्पकुर्ण्येयप्रमृष्या अळेषा या प्रस्तु वस्या प्रस्ता प्रस्तु प्रस्तु स्त्रा स्त्रेया स्त्रेया बियामगराञ्चराहा निस्मान्यास्य स्वामान्य में हेवा महियास्य स्वामान्य स्वामान्य स्वामान्य स्वामान्य स्वामान्य स्व <u>๎</u>ระามังรนา รู ายูะานลิง รู ลงสูง รนู ลู ลง ลง ซังนสูง รนู พัง รนาคเ ยูคง **चुःरदःनीक्षः**कर्ळेद्रःहेद्राक्ककःद्रम् मीर्नुदःदुःरत्रारताःमीकाम्बद्धाःमासुकारुःहाः न्युबरमदि'झ' इसम्'णेम'हेर'हे। अर्केंद्र'हेव 'चुम्'य'द्र'झ'यद्र है सम्माणे न्द्रन्'स्त्रिं केरे'स्रिं प्रते पुराये पुराये केरे प्रते **बर्ळे ५** 'हे द' दे ब मा मा मा में ५ 'हें। के दे दे पुर क्वा के बन दिया है 'हु का के द मसामुदाकुवाको समाद्रापित सर्हे दार्थिदाया सर्दि । सर्हे वासामा स्वा कुषाव्याद्याञ्चर्टाः धुनारयेवा नेनाव्या विषान्त्रात्वा वर्षेवा सेन्। स्वा **ण**वट'म'रे'ल'अर्केर'हेब'युस'रे'अर्केर'रें। णुबब'स्पर'र्से'र्युंग्रास्यस्य त्रितः तु 'खुन्य अं स्थायन् । या ह्यु या या ते 'खुन्य अव 'माव्याव अपने 'या अके ५ 'हे व 'र प**बे**८सर्हेरसर्हेरप्रचेत्र्री कुलर्मरम्बन्धराहर केटरमेरेपहर्द्वस्रहेर णुरा ५५ सुप्रम्थिता स्वर्था व साम्या स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्या स **৺ৼৣ৸৽৻৸ৼ৴৽য়ৢৼ৽৸য়৽ঀৄ৽ঢ়ৢ৽ৼয়য়৽৸৽ৼয়য়৽য়ৢৼ৽ঢ়ঢ়ৼ৽৾ৠ**৽৽৽য়য়য়৽ঽৼ৽ঢ়ৢ৾য়৽ [न•नार्हेट'मरे'रुब'स्। वृणु'गुर'केव'ल'सुट'मरे'र्देव'रु'ह्युल'मरे'सुना'सेव' শ্বদাৰ ব্ৰাষ্ট্ৰ ব্ৰাষ্ট্ৰ ব্ৰাষ্ট্ৰ প্ৰায় প্ৰয়েশ্বৰ ব্ৰাষ্ট্ৰ প্ৰায় প্ৰয়েশ্বৰ বৰ্ষ কৰা নাম কৰিব বিৰুদ্ধি पचेर'ग्रे'मळॅर'हेब'मुट'म'बे। मुट'ळ्य'बेबब'द्यत'र्गत'स्या प्राप्त प्रवास  श्रम्बारायमुन्तिका देखुनायम्भियावसामिस्यो र्सून्तु द्रात्रायस्र देश-प्रेर-इंर-कुॅंवें रहेवर-व्राप्त मात्रे कुल-र्वश विवा वाश्याप्य **७वा** पक्कु'क्केव'रट'र्'कुस'द्रस'पश्चटस'पर्य'क्केव'द्रस'स्रेत्र'हेद'व्य'द्रस' म्ब्रुण्यःश्। यत्यःकुषःद्यःशेटःर्स्त्यःकुरेःक्यःद्याव्यायःयाः॥ हिटः र्मदःन्'र्नदःर्'प्यवटःम्'र्टः। पवटःक्विटःलःख्नावःयःक्विटःसुनाःस्यविषा हरकर्ट झब्रट्यं सर्वा स्थान स् प्रमाध्याप्त्रात्त्रायाः च्याप्तात्त्रात्याः चुलाम्बेरकेष्याम्तेत्वेरक्षयाम्तेत्रा पर्वेष्ठ, विकासिता प्राप्त विकासिता स्थापिक स्थापिक स्थापिक स्थापिक स्थापिक स्थापिक स्थापिक स्थापिक स्थापिक स् चुकाने'कळ्ट्राताचीराट्री १वा**र्यका**णी'केराट्राक्ष**नरात्राख्या**ख्याकालाख्टायाचेरा पर्ट्यावयायुगावाप्यस्यापादै। ध्रेयाक्ष्यापाद्यस्याप्यस्यस्या सहर दी सकर प्राप्त में के देश से स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप मर्भ महिंग्सर हेन मिन हैं। हेसस सके पार्य के स्ट प्रमेश मुंद हिंग दी। वितानह त्यात्र वितान **ढेबवःबढेः**मःपदिःसंकिष्मःसःदेश्यःबर्हेदःदेग्पुवःद्या देनःपद्येयःदे भूदे विश्वयापदी पा गर्दा संस्था गुरा व वा प्राया वेदे देवावा में हो र्दा राज्य वा स्थापत पमा भुगार्टः का पक्षरं रुपमिषा व मा प्रेवा है। प्रवस्य रूटा स्टार्था संरु མཚད་པ་མང་བོ་རྒྱུས་བར་བྱུས་ས། **བམ་རྡེ་བོ་**៧ ※གམར་རྐུ་བུམ་ 

स्थान्त्र भी भी महात्र मिना ही स्थान हो स्था हो स्थान हो

मक्षेत्रायनम् मुन्द्रप्रयायः भेनाप्यमुरायययस्याय। स्वाक्रायन र्देरःषाः सळवः ठवः पञ्चरः कुः स्रेरः पया। स्वान्ते पञ्चरः वियापर्वे सम्बर**ः दन्यः** लाबुकामा पर्नाताम्निकार्माखारु । स्वा क्षेत्रावर्धराम्। प्रितारम् बदःम्राम्बीरःविदःपाला प्रणार्विलामःदेष्ट्रहःविराष्यम्बाम्बस्क बाक्रेट्राचना करमञ्जूरामालनानानानु बुनामना हानाहिर्रास्टा क्रीनालनान्तर् ् हरि भु पात्र पार्श्वेष र या पात्र पार्थ प्राप्त प्रवास । तह वार्षा धुना'द'र्हे'हे'य'र्ञन्यायाचुटाकुताक्षेत्रकार्वात'इवकार्वा १६ विष्यार्गा पर्रम्भायापुरम्भ सन्दुः पश्चरः पश्चरः वना द्वा द्वा द्वा विष्यः विष्यः विष्यः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः व परुवयःपवा पर्वात्वार्त्याणुः मुतेराम् चेरपहेर् गुवासी परावा बुवार्या ट्रे.ब्ब्र.पङ्क्ष.र्जंबर,४८व्य.चेप.ह्ब.ब्रे.पबैचब.धे। ४४.४८ेज.ज.ष्ट्र. <u>च</u>र. पन्दाव्याचेत्राचेत्राच्याप्यात्याः विष्ट्राहेत्रहित्राहेत्। वर्षसः पंबियांबार व थारे तामिटियांबा सिवा मिवा व्यव्याप्टा पार्यया मित्रा प्राप्ति स्था न्रात्यवास्यार्थेन्यान्ता र्यास्यास्यात्र्वास्यान्त्व्वा सर्वेत्रायिः मुे'म्नन'प्यथामुंबर्भ, विपास रटा प्यथा हे मुक्ति अपवारी प्रभीर ही हेरा बद्यहर ढ़ॎऻॕॻॱॻॖऀॱक़ॗॖॖॖॖॣॣय़ॱज़ॖॱॸॖॱख़ॱढ़ॱढ़ॎऻॕॸॱॸ॔॔ॸॱॻड़ॹॱय़ॺॱॸॕॴॱॹॱढ़ॺढ़ॱॻऻॸॖॗॻऻॺॱॱॱॱ ক্রীলে অছ্ব, নে, ৴ব, অল, নু, ১৮ লে, অছু, ১৯ নি এ, না, এল, নু, এ, বিপ্রা विमाप्तः अक्रियाप्तमापु अति या मुकार्या मुकार्यसा सुगाविमानाया हे<sup>,</sup>[[बैब-रृ:]]८८.त.भुैब-बब-भूब-त्युब-वुब-सब-[[८८-स:]]६**न**-स्अीब-हे।

मिन सेन बिट कर कर स्वर मुक्ष पर्ड स्वर ति त्य मुक्ष मित्र म

यम्या चुत्रापर्दे वास्त्रारुवा स्वार्थे वास्त्रा हिना कर्के ना हेना गर् दावाम्बन्धामित्।वटायरावटायाच्छेन्यायाम्बन्धामुहास्री देशे द्वार्षा **क़ॖऀॱऄॖॱऒऄ॒ॱॐढ़ॕॎॱॐज़**ढ़ज़ॱय़ॎफ़ॸॱॎढ़ॎॾॴॶॱऄॗॸॱय़ढ़ऀॱढ़ॕ॔ॸॱॺॖॺख़ॱढ़ॸॱॿॖऀॿॱ देते देव 'तु 'बै 'कॅनाय' अव 'या प्रेचिय 'वै 'म्बिय 'प्रकामिट 'तु 'कॅर्नु। मि**ट 'सै** परेनायाया हरावेदान्याया पराध्यार्वेरायदेवाया में सुकारेका 5.ल्.र.प.बुचा मैंट.च.पा ट्रे.हे.केप.क्टअ.त.प.चंट.वं अ.क्टअ.इअ.में. **झुन्द्रमा**शीपम्ह्रित्रमारी हेवामह्तर्ते। णुवान्नारावसार्वदान्दानु म**हे न्या**या दे हा पर रहें दाव कारह का सु ही टार् खेट का नहिन सेंटा है। दट **मॅ॰म्**ट-ष्ट्रिर-बेर-श्चु-रु-षुव-य-लुब-चेहे-ळल-टु-श्चु-रु-हु-स्व-चहे-टुक्र-खु। **ऄॖ॔ॸऻॺॱॻढ़ॏॸॱॸॕऻॺ**ॱॗॎ॔य़ॱॗॊॻॸॖॖॿॱॻॸॖॿॱॻॿॺ**ऻॻ**ऄॱॸॖॺॱख़ॖऻॎ ऄॸॱॻॿॆॿॱ**ख़ॿ ॻऀॱॺ**ळॅ॔**ॸॱहेन**ॱॸॖॖॱॻॖॴॺ। नेॱॺ॒ॺॱॸ॓ॱॿॖॸॱॺॾ॔ॸॱय़ॱॸ॓ॱॸ॓ढ़ॎॱज़ॗॹॱॸ॓ॱॺॱळॅ**ॸॱ हेद'रे' चुँदा** ५८' मॅं' ल' 🔆 पर्ने 'प्रेन प्रेन 'हेद' हेद' हेद' हेद' हेद' हेद' हेद' हैं चुदः**ढ**मःकेषःम्दिःसर्केदःहेषःवै। सःमाःक्रःचुदःख्वःहेषःतुःचुरःवेसःचुःमकेः

अर्कें ५ देव प्रिं। ) वृष्ण्यात्वारः श्रें ५ व्या ५ यो अर्प्ययसंदर्भ देश देश परे अर्केन हेन र्षेन्। प्राथम न्या प्रायम केषा क्षा अरका [[मीर] अर्केन हेन स.र.१.४५.७.४५.४५.४५.५५.६५.वे.त्रा पस्त'यहे मके दाहिता विश्व महत्र प्राप्त स्मर खुर हे न्या समाम सिंद के प्राप्त सिं हेद'वेब'पुर्द। १'य'न्ययाधु'यब'ययब'यदे'बर्केन्देद'दे। ज्रान्धिर म्बर्भात्र्व त्रुष्व दुर् र म्बुयर विवास कर्ति ग्री स्वर्ष द्राप्त म्बर्भा तुषायान्ययाम्बरार्देन् ४व प्रवीपत्तुव प्रविवास्तुव स्वाया वी क्रियास्ति । मृत्यास्ति । मृत्यासि । मृ चुलस शेलस लकें द हिव 'बेस मानास सा माद्व भ्राकेते त्रिन् मुन् मुन् मान्य प्राप्त अकेंद्र हेन लेग मुन्। पनुराय हेद'वेंब'मुटें। मुल अठद'हर'पेंटब'शु'गुनब'मदे अठेंद'हेद'ममुद'गुंब' त्र्नां पाद्मस्य गी पर्सित् वस्य प्रार्थिना परि हेव सहत दे।

श्रेष्ठ श्रेष्ट स्ट्रिक्ट्र स्वाप्त प्रति द्वा स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स

न्दःर्द्रःचेरःचिश्रेषा कु'साँदेःचिष्यःष्ट्रं रःचितेःकेटः मॅं रद्रात्र्यं पर्दाः खुबरहुरङ 'न्सुबरद'बेर्' न्या-मुबर-८-'यहुर्दे। न्द्विरप्या-प्या-सायारह्याद्वा विवर्त्रपत्वा वेराञ्चावामवेराञ्चेवादी विवा वामा इत्व क्वा पर्वेवा हमा परि:है। सारहे**वावास्ट्रिंग्यरें प्रायरें प्रायर कुन्या** | पिरके वानुरानुसारें से। कुरसे**वा** बःहर्नः चेरःक्रेटःम्। कुण्युलः बार्चेरः सुहैः ॄहर्नः न्यु। विश्वेषः खुलः व'मळॅर'हेव'झें'म'मापरे'झव'इंदें। मळॅर'हेव'रे'क्ममावी दुमानसुमानी सन्तर्मु सर्तर्। मुदरक्वा सेसस् प्रतरम् सम्बर्ध सर्तरा रटःस्टराः कुरार्टः। इटः ब्रॅटः केवः धं स्वरं सर् वेशः धास्तरा स्वस्रः रुर्'म्बर्या ध्र'र्ट्य यु'र्ट्य गर्वेर्'ध्रेब्'र्ट्य देख्य मृष्ठेराचेर् हेरामृहरासर। युग्याचुग्यळवावयायळराहेराहेरारराचुरातु मबुग्रान्त्रा ८म्। ८म्। ४मा चुट्टामी'अर्केट्राहेबा वयायानरे'ट्णैय'वा स'ययाह्यांची'ह्राहेरेखें'पाया खार्नार प्राप्ता है है है 'हे दे है कि कि कि के कि कि कि महैं कर् मुहेन र्वेटका ग्रीम राञ्चराया मुना देखा से स्वापत ८मॅ् अः इत्रयः ग्रीयः म्नॅरः पः प्रेतः पर्वापायव्याचा द्वायायरा में द्वायायरा में द्वायायरा में द्वायाय व्यापाय विवास व्यापाय विवास वि कुंदालमा र्रेडोषाप्टावसामितिर्विद्या ।द्रार्थासुरायराम्यर्वा मार्रुमा सिवाकेना समयार्थी र्ह्युनास्त्रा विकामस्त्रमा स्वाया गुैरहेद्रासासर्हितायायता द्याप्ता क्षाप्ता क्षाप्ता स्वापालिया ସଞ୍ଜ୍'ୟ'<sup>ଲ୍</sup>ମ୍'ଖ୍ରଁ'ପ୍ୟ'ଖୁଦା ।**ଽ**ଅ'ଞ୍କ୍ଟ'ଅ**ଟ୍-**'ମ୍ବି'ସ୍ଟିସ୍ସଦଶ୍ୟୟା ।୯୯.

मकेंद्र हेव पु ग्यम गा दे र गा दिस्य युवा चया दिर सेंद्र से ही दि है है खुल'चेु'तुर'वित्'लट'म्'ृपक्षेम्बा वर्षेत्'हेब'पदे'चेत्'मविव'बुर्दे। ८<sup>८व</sup>' ॻॖॖॖॖॖॖॖय़ॱय़ॱॣॺ॔॔॔ढ़ॺॱॾॗॖॕॗ॔॔॔ॖॸऄ**ॎढ़॓ॺॱॻॹ॒॔ढ़ॺॱॸ॓**। ऴॐ॔॔॔॔ॱॸॖॆऀॺॱॸॖॆऀॱढ़ॺॺॱॸॗ॔ॗॸॱ विंट. कुबे. स्टुं. बेबे ब. बबेंट. बे. वर्षे बेबे ब. बेंचे व. वर्ष व. वर्ष व. वर्ष व. वर्ष व. वर्ष व. वर्ष व. व ८**न**८ प्रथाना देटा देटा मुक्त है . च. र . थु. ह्या खार्या श्रीपा हिंदा देशया पा अक्राना ५८. विष. मुन्दूर स्थानिक स्था मः पकुर्यान् वायादे के स्था प्राप्त स्वाया स्वाय र्ना प्रकृष्ट्र प्राया विष्ठु प्रसृद्ध प्रमाण्या विष्ठु प्रमाण्या विष मुडमा बूटार्ट्रा नगरमित बूटायाल क्रिया चुटिकामा सुटामी प्राट पुना न्ता न्यल'स्व कु'स्र कु'न्यल'हिंदर् दुर्दे हो ल'स्र देव स'स्र निट प्रस्य गुन हेर पर हेव भिव दें। अर्के पहेंच गु पविषय हाय हा मॅंट 'तु 'पङ्गव' पा इसराधिव'र्वे। पर्यत् 'वसराधि' बिट 'रदी 'पपट 'त्र पर्या पर्वे⊏रूपां रेग'र्ट'रूरहेरूपर्रायस्थाताईशातरार्**रग**'प्रस्पन्धुपर्याप विव वै।

. ८८ म णु म र कुष ५८ मा विषय है न व ता से न व ता न व व ता व व व ता है न व व बिषाक्नी, ट्यीषार पूर्य र जा अपने टा पूर्व मिं स्वाट स्वर मा विषा वे या वे पार्थ स्वर में स्वर में स्वर में स् मामबुनाया मामबुन **१.७१** चे प्रतामक त्राप्त का स्वाप्त का स **बेर-भ**र-र्| रेहे-रुच-खु-लव-कुल म-बन्न-वर-जन्न-रिन-ए-विकु-प्तर-माबा देते स्वतर दासकें दाहेब स्पर दे। दे ब या मुदा ख्वा सेसरा द्वार दे **लम्बं १९ मः ने १८ मा** मीबा ममुलादबा ५ मल प्रुमालका मिल्ला है हो माइका **ॿॖऀॱॿॕॖॱढ़ॖ**ॻॱॸॖॱॿॖॖॖॖॖॖॖॸॱॼॴॺॱॿॖॆॸॖॱढ़ॴॹऻॎॾढ़ॸऻॕॎॸॗॱॷऀॱॸॕॱॸॺॱॻॶॺॱॸॖऀॱॸॗॸॱय़ लास्य म्याम्याम्यामञ्जूरामदेशयात्राम्यकेत्राहेत्राविमाम्याम्या हे भ ले या पार के पार हे व के पार ले मा भिता है र त र हे र पार के पार के स्वर न्यक्षाची 'न्ना विष्यान्नरामित्राच्या खेनातु 'सु'न्। ख्रासु'न्युकामा **र्वतः**दी देग्याक्षेर्वस्यादः स्ट्रायदः सक्षेत्रः यरः स्ट्रेतः दी।

म्राह्म व रहे हे निरंदे हैं निरंद महेर्द्रिन् हर्षे मान्त्रिन् कर्षाया चुराक्ता नेराप्र सुनामहेर् म्दर्वस्यात्त्वरातुर्देत्रयार्सत्। देवे हेदावाबर्वेत् हेवाखदारु व **बेम'**षॅ५'स'६े'भेब'हु'ॐबुब'ॐॠें। देर'ई'हे'म्५ब'मुंडेर' ृक्षसः सु'यब्रासरा चुेता देषसः ॐप्यसु'याः ॐष्यता चुेत्रती देष सार्थः बुन्।न्रस्थावस्यः है।स्नित्यं मुःस्यः दुन्यः छः मः न्रैर्द्ध्वरे त्यास्यकेत् हैनः । षे**न**'मबुन्ध'म'देर। हॅ'घुन्न'न्ध्य'महे'ङ्कॅर्'कुर'मञ्चुर'ङ्गे। चुनाव व्याची त्रिम्य स्थान व्याची व्य मुश्रुप्यायाया हुप्यचेत् कुप्यम्याम् हम् र्वस् हुत्य हुर्वस् देवस् लर.प्रच.र्डी लर.पश्चर.पथा ७ प्रथ.चट. २ भ.ची.पूट. ४ थ.चीट. ही हैट. 青有·元·元·成万·新丁!

निष्याद्वा ख्रिया ख्रा चुना स्वा चु

**रा अन्यार प्राप्त कि विराधिताय के प्राप्त कि अन्य कि अक्षात कि अ ब्**रिंदरम<sup>्</sup> ब्रिन**्स्**रे । पर्डबर्ध्वरस्**रानुबर्धस्य क्रि**रस्टरम्ब्रेवर् मक्रमसंक्ता न्याम्बर्धस्यासराम्बर्धानम्बर्धान्यः स्तर्भा नेरास्त्राप्त ठदःप्रेवामबुप्यार्थे। हरःहर्नेराचेग्रान्देखा पर्वे वस्वादियारी भी. १८८. अट. १ अ. त. विमा पर द्विताय वि तामेर ता तावुट बार व ताविता है। देव ब्रेट**ॱइ**.प्ट्र-इन्.प्रकृट्र-तपुराचे स्ट्रेश्य क्षेत्र-प्रमुख्य क्षेत्र-प्रमुख्य क्षेत्र-र्ने। रे'व्यापुटाकुराणुँ भैटापुटारु कुँदारे ख्यायुवारु प**रव**्रकार्श्वरायः पर्रात्रवापते केटाटे तहेदाल क्षेत्रवापर बुग्वाकी पर्रा केर ॻॱॖॖ॒॔॔॔ख़ॗॖॸॱख़॒**ज़ॱ**ॺॖॖक़ॱॹॖॱ**ॹॱज़**ৡ**॔ज़ॻॗ**॔॔ढ़ॱढ़ॵॱक़ऄॱढ़ॸॱॸय़ॱढ़ॖॱख़य़ॱॗय़ॱॱॱॱ वा 🛚 हु र्झ पुरुष मारे देवा विष्य व का हिन क्य का निवास कारहेवा 🛚 इन का गुन विराक्ष्यात्रेयसार्माराज्ञायुवारहेताया विराद्ध्यसादारी सृषुप्युवार है। कुँगान्दर्गुः झे केदार्गाण्या पश्चान्याका है द्वारी में देव वर्ग **५८ वर्षा १** १८ वर्षा १५ वर्षा मुद्राद्वा धुनावार्द्राहेरायुवायाळेवार्यहेरामाहावहेवाके मेुद्रायायायुनावा है। पर्तर्रा सुर्दा मुद्दा है वर्षा है कर के बर्दा है इस्याकेट्याभेन इस्यादेन हेनाकेन कुँगाकेन स्थापकार्यान्याक्र

साचित्रः श्रीत्रः स्वरं स्वरं

 חדיאةקילן

**चुक्रामा के जिल्ला के अपने काम कुराम कुरा जिल्ला का स्वार्य का कि अपने का कि कि** भुंडबःर्वेद्रायान्वेनाः द्वाप्तुनाक्ष्यानुनाक्ष्यानुनाक्षयान्तुन्ता देखा पन्व'स्न'मञ्जापारा स्ट्रिट'नञ्जारीटरा [यावरा] रेटलायर'व्यापारीकारा पठन्यापिः नुषानी पुराद्वी प्रवादिता दिन्यापा विष्यापा विष्यापा विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया सक्रम्भव सक्रित् हेव से के पाय हु खु है भा की पर सिंदा दिन स **पतुर्** स्वाप्ति विष्याया विष्यापतुर् पतुः स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति म्बेन्यान्ते। पुराकुनागुंभिरात्रेग्यानहेवावयात्रयात्रायर्थाम्यानुसायस्य इट्.यीट.यट्य.बीया वाष्ट्रयाताचेटा ट्रेंबेट.वीट.वालट.४ट्रे.ल.वहेब. ব্র'ঝেন্র'ট্র'ন্র| यस्यार्डिं त्राहेव के स्वार् प्रमित्राव या हेव हें **गर्वेग'पॅर्। दे**दे'कुद'व'पर्वेग'**ध्व'**त्र्रक'ग्रैक'र्ग'परि'क्रुव'र्र्रक्तुं बार्नायि क्रिया स्पानकु के के रामित प्राप्त कर्म के रामित स्पान स्थान मण्मामान्यान् हेन्। ने दाष्ट्राम् प्रतिर्द्धाः मिक्र मान्य नि ना गुमा स्ति। यावायकेंद्राहेवाबेमार्थित्।

ने'न स'हें' हें 'निन्न' छैं' तुन' छें नस' सु' छैं न माना नेन 'नु 'चार' न 'छुर'

हुं त्युं ते कुल सं या पृत्य पाय प्राप्त प्र

 ริงารุสานาวัฐราริเ
 รังสานารัฐราริเ
 รังสานารัฐราริเ
 รังสานารัฐราริเ
 รังสานารัฐราริเ
 รังสานารัฐรายาข้าสสสสส พิการัฐกาลางเลือง เกาสังเ
 รังสานารัฐกาลางเลือง เกาสังเลือง เกาสังเลิง เกาสังเล็ก เกาสังเล้า เกาสังเล็ก เกาสังเล็ก เกาสังเล็ก เกาสังเล็ก เกาสังเล็ก เกาสังเล็ก เกาสัง

देन्द्रः द्रम्यः द्रुर्थेदः द्रादः द्रमुदः संग्वेडः मृष्ठेशः यदेः सुर्वदः यबुणयः । यते'तुबासु'पङ्गव'य'त्र'पत्र। महामाथम्'य्य'केव'र्य'पहु'पदी। हुट' *६*'८नु'ङु'मॅं'पबे'फॅरा रने'श्वॅंट'यह'ने'५'ख'पकु। रने'ॡल'यह'ने'५' बहिः गुःसुःसुःस्यमुः प्वतुषाय। देहिः दुयःसुः प्यत्रः सुपः गुः पङ्गवः पः दरः पय। खु'बेन्याययात्रात्ना'र्न्ना'व्याद्याप्तात्राच्या'केदार्घ'र्ट्याया ञ्चेतायापत्तुर्' ८८.अधूब.त्र.प्विट.क्वि.कि.विट पशुनी.वं था.रेश्वयात्र.वियाश्वा टु.वं या.हट. ऀषेण्राव्। खुलर्न्युसरसुरह्मलर्ट्युर्म्याः वृ**ण्**रमीसरद्वेर्मरं रूर्न् चेररस्त्र स्तुरह्मर न्द्रमूर्वे त्रम्यात्रुप्तस्य प्रस्वात्रम्य विषा स्राप्ति विषा प्रमान्ति । ट.चैल.त्र.चेड्च.ब्रंच.तर.४ट्ट.वेअ.तथा विट.चर.ब्रेचया विस् बेर'मया दे'पर'र्धेनयासुरधेदारावा मान्नमाहिते**'स्**मादासाहितासाहितासाहितासाहितासाहितासाहितासाहितासाहितासाहितासाहित मबिंबाद्वाताबहूटा हिंदाकुर्याबादमिताबुबाद्वाया हरायामा क्या म्पु द्रा भूषा चारा व्या हे.ज. हे.जू हे.जू हे या व्या हे.वे व. ए छ.

בישׁקיヨֹדן בישׁמישָׁק־יַשָּׁיםֶנּ׳ מּבִיקָּפִאיםָמיִנַּמִי בּישׁמּישָׂק־יַשַּיבּנּג׳ אַנּיקָרָאיַן אַינּאָי वयाम्ताविरादेरहेरादुरह्मार्द्रम्यादेर्म् विराधिराद्यान्त्रम्य त्याक्षानुवार्यदेशम्यारु पादुवाक्षामु रु ख्रुवायारेकाञ्चवान् वृ प्रवादिकार् <u>ः २, वैदः तथा के भूष्ट्र वृत्र वृत्र वृत्र के मुक्षे १ हु ५, ५वै पथा मान्य विष्</u> वर्षे अ व अ व यत् रहे। व द अ व र र हे हैं व य य य उ द र र या अ द द व य य है । कुल चॅदे'श्चरात्रीद'र्पुटायसम्बुल'चॅ'उटायाह्रेयायर'पबुन्यायायर्घटायय। बा ब्रिट.भ.भृ.च.[हुर][ब्रु**.वा.स्रव.**चेय.**चया** ट्रेय.कॅर.केप.स्.धीय.चयट. ८५्न ब८८.८४.प्री.तर्थेत.त्र्या २.मेश.त्रु.त्रु.त्र्या <del>४</del>ਜ਼ਜ਼੶ਜ਼ऀਜ਼੶ਜ਼ੑਜ਼੶ਲ਼ੑਖ਼੶ਜ਼੶ৠਜ਼੶ਖ਼<mark>ਜ਼</mark>੶ਜ਼ਗ਼ ८੶ঢ়ৄ৾ੑੑੑੑੑਜ਼ਜ਼ਜ਼ਜ਼ਜ਼ਜ਼ਜ਼ <u> चेर देश</u> हेर देश कुल ये अहर पाल पर्य देश या के विश्व का प्राप्त प्राप्त स्था न्ननः पञ्चनः में नेते अळवः ष्यनः में प्यायः ता **बे**या पुर्वे। नेते पर्वे वः स्थान्यः य़ॱॿऀॻॱॸॏॱॾऀॱय़ॎॺॱॸॖॱॸ॔ॻ॓ॱॺॕ॔॔॔॔ॱॿऀ**ॸॱॸऻढ़ॺॱॸऻऴ**ॸॱॿ॓ॸॱय़ॺॱॸऀॱॿॖॗय़ॱय़ॕढ़ऀॱॺॗढ़ॱॸॖ चक्षात्रया मवयाम्यरार् छ्वायाभेम कुषापु मठरामहे पहराधेदा **ग**शुत्या देवे'तृयासुर्वो'र्सेट्सुट्यरमवे'र्सेद्राह्यर्पयास्दरमा यार्चेनःसहेर्द्रवारस्त्रेंद्रामा वासुम्मानः वि**ना**संदासका देहेर्**यु**न्वार्द्रमेंद्रवा ला ८६ थ.वेषु. मूट. देखाता कुर पूषु क्षार्य प्राप्त निर्धार मुकेता लार्चरः सृपं तथार्वेया के प्रमानिक की कार्या के स्वाप्त के स्वाप्त कार्या कार्य वि.प्टु.किंट्रिल.प्रवाचातात्वराची किं.वे.वेचवायालाज्य न 59.2.4.2.5.64.4.621 £.ga.628.4.2.2.2.44.624.54.64. लक्ष मुक्ष मार्थ प्रमुत्। वेषा मार्कद्रमा महम महमा महमा

है। है पु व व पार हैं पारे मादिया में व मा किया किया में किया मा किया में में किया म देःलट.र.७.५८.५४.च.५४.४५.चे.पञ्चल.च्.पट्टूच.पञ्चल.च्.पट्टूच.पञ्चल.च्.पट्टूच.पञ्चल.च्.पट्टूच.पञ्चल.च्.पट्टूच.पञ्चल.च्.पट्टूच. उदः वालाकुस दस्। सुनि क्वा के नि कि **এই এ. এর।** कुलार्चालाबुबायबाकनवानुगन्युद्यार्थ। ॐदेराकुलार्घाता बुकामका बुद्धान्यस्यकामबुद्दार्दा अद्मार्श्वरदेवानामा बक्ट्रायासुला कुलायंदेरख्यासुरक्षेषुग्याद्या। नार्यनायनाम्यास्य ञ्चरायमः द्वापराद्वापायह्याया देवमः भ्वेष्वायावाराय्यात्वायायायाया ส์| วิรานฮ์สาส์าลีานสลาสราบูรารี| ละราชูณาน้าผา<u>ส</u>สาลวานสา नैवर्र्र्नेचेकारी पर्वं वर्षेद्राधिकार्यहार्मे कार्मे कराचेकार्मे देरास्वकार्मेका मु'बिना'यरब'म'द्रा वर्ष्यप्यार्यात्राविषायहन्त्रावा दे केरा भुक्षिण्णुरः श्चरः वरदिर दया पुरुष्य प्रदेश वर्षः पुरुष्य स्व प्रमानी सु हिन्द से दे मार्थ । विकास है। देर पहुंच से हिर प्रस्त है। कुलार्चाता बुनामा विवादनार्वेटानीनासुरिनान्तासे त्रात्रेलामादेशस्यानादे त्रात्रा र्स्याञ्चर र्रा मुख्या मुला नुर्रे अळव र्रा ए स्व विर हा हुँ हुँ राला स्वायामा लाक्रेन्याया सेन्रान्ता साम्या भेटा ह्वा या निवास मान्या मान

ने'न स' श्चॅन' (यस' प्रकृष' प्रते' सर' मान स' पहें नास' प्रस' ना हॅ ट' है न' कै स'''

प्रतः प्रतः प्रते ना' में। ने' त्रमा' श्चेस' प्रश्चे ह्र स' गुट' स' श्चुव' प्रर' प्रते ना' में।

प्रतः श्चर' पहें ना स' हे' कु स' ए र र प्रता' प्रस' [[कु स' प्रा' ]] कु स' पर' कु र' हें। ने र'

पार्दे न' है हे 'न' रे । के र' ना हॅ न' है हे न' स' ए र र प्रता' प्रस' [[कु स' प्रा' ]] कु स' पर' कु न' ए हें। ने र'

पार्दे न' है हे 'न' रे । के स' है है न' स' ए र प्रता' प्रस' है न' है 'प्रते ना' है स' है न' है 'प्रते ना' है स' है न' है 'प्रते हैं।

ने स्वा है न' ग्वे हैं न' पर ना' है 'प्रेस 'श्वेट' ने 'प्रते 'श्वेट' न है से स्वा है न' है से स' है न स'

**Ҁेॱढ़**ॺॱॾॕॱ**ॸॕॱय़ॗॻॖॱॸॻॖॸॱॺॕॱॻड़ॱॸऻ**ৡऀॺॱॻढ़ऀॱक़ॗॖॱळॸॱॸ॓॓ॱॸ॓ॸॱॻॿॖॻऻॺॱख़ॖॱ **वु**दः**द्दर्ग नेरलरवर्ड्ड झंखदर्नु खन्यालखा** नेर्**ड्**वन्यरवर्डन्यान्यस्य **५ने^ब्रॅंट्रअ**रेरेरॲंट्रमंदेर्नुबर्खा पर्डुबर्**ब्र**मवेन्रकुयःचर्टर्ट्राफेरबर निर्देश्वरावराम्बुरामसम्बन्धारमातात्र्वातात्र्वात्राहराम्या ব্ৰ'দের্মানান্রজ্বামার্মানর্মান্ত্রা শ্রান্ত্রিন্নের্বার্মানার্ম্বীন্নার্ডা इमाधिवादिकामवा ह्यावादी साथावीदमान्त्रे स्वाहिकामविष्य दे व बरके दे से बेर पर दें । व बेर वार भारति । व बेर बर के बर **विश्वाया** क्षेत्राका प्रतिताय क्षेत्राचा कर के हे मिर प्रताय क्षेत्राचा कर के हे मिर प्रताय क्षेत्राचा कर के हे मिर प्रताय क्षेत्राचा कर के है मिर प्रताय के का कि का क **बबः** ने पुःर्मा नीबाति हिराने। ने प्वाराब्य प्यापेतरा है प्याप्त के प्राप्त के प रा ने'लक्षराम्बुरामला नामलामामेन'में'बेलाखाम्बन्देन'में। तिमरा इत्रयः गुरुष्य अर्थः दे रावर्षे रवर रावन्यकार वात्रा व्यवः सुदे गुरुष्य देवर मून्या नेराम् इमाराम्याप्य विस्वास्य विद्यास्य विद्य नुषाने 'वळ' दे 'पन्नवसार्थ।

देते पुरुष व कुल में पे पा पा पा ला खा कर के द व व प् में व सके मा ला कर्के द मास्रा ८४ श्री ८ त्या ही द मा है ८ कि द में मुक्य मान्ना स्वामित स्वाम भूट. क्ष्माताल, वि. तट, त्वे वाहा विषात्र, तुंबार वीटा पूर तवे वाहा भी कन्देर्म्यकेन्द्रम् चेन्देन्द्रम् देव्यक्ति केन्द्रम् विक्रिकेन्द्रम् हिंग्वे 'हिंदे हैं रेंपाय सुरहेन्य हैं प्रायक्त हैं। क्षाप्ता वस्त्रा वस्त्र वयय. १८ - त्यूं त्या कुल में इस पाल प्रमान प्रमान हुन पा १ अव है। कु व्यानी मुला मॅराटाला मुंदिर व्यापात मुला स्वापात स्वा लन्। विष्युन विष्युन्य विषयायर विषयाया विष्युन विषया विषय के'ल' घ्रवसंस्थितसं प्रसंदेर ले क्रिं में निसंदर्भे निसंदर्भ सम्बा वित्रि की प्रसन्दिर के.प.चे.ठूचे.परेट.तर.बे.वे.पपुर एत्रुवे.लुचे.परेट.पथा की.वचा.ची.केल. निट्र सुर्भेर् या मुहेना मीस सुर्द्र स्वर महिरम्बर । ५५०। **रैदॱमॅंॱ**ळेते'सुअप्यात्य'र्सन्यायात्र्यं न्युवनानी:द्यात्रुक्ते केद्रायात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्य

प्रहत्या हे.श्चा.पश्चरात्राचेययात्रात्त्राचेद्रः खेथात्रः पत्त्रेयः रटः भ्रेथानेटः । चुल'र्च' क्र्**क'**यालकादेखां कुंदा पुकाद का खुर हेन् का प्रेदा यहायर प्रवास है। है निद्रायद्भावा यहाना व्याप्ता व ৾ঀয়৽৸য়৽৸ড়ৢ৾ঀ৽৸৽ৄয়ৼ৾৽ৠৢ৽য়ৼ৽৻ড়ৢ৾৾ঀ৽৸৽ৠ৽৽য়৾৽য়ৢঀঢ়য়৽৸ৢ৾৾ৠয়৽ঀয়৽৸৽য়য়য়৽৽৽৽ . तव के व मा तर्दे प्रत्य के स्व के स्व व का के स्व का के सम्ब ण्डेन्। व कु व न कु ल प्र के के कि ल के ता कि कि ल के न कि ल के कि ल के न कि ल के कि ल के न कि ल के कि ल के न . कु.चे.चर.केज.स्.क्र्य.श्रुंट. तर्बंद. तपु. तट्च ह्द. तथवंदा तश्र्रा देशस. ट्या मधु.रमाथा क्रेंच्या स्वायाक्रीर.अर्थ्र.ल.चवट.च.क्र्य.क्वेंट्रहिंदया वार्यया पवटः अर्थ्न पार्ने प्रत्यायायाः कुषान्य स्वायन् । स बहरान्न्न्यह्न। वर्ष्न् व्यवस्तुन्द्रिरह् रहमन्यरम् ने केन्यर श्रीयायर भ्राप्तव्ययः पट्टे ब्रिट क्रियार द्विर र र विषय पर प्रत्या पर प्रत्या विषय। **ॻऻ**ॿ॔ॺॱॸ॔ॸॱख़ऀॴॱॻॖऀॺॱॵॴॿ॔ॺॱॿॴॱॺॾॴॱॺॱॻॖऀॸॱॻॖॸॱऻॎॴॺॱॸ॔ॸॱॷॕॿॱॴॺॱ ८<u>च</u>ेलाचयाच्य्यात्राचित्राताचेत्। यदाख्याच्रेष्ययाक्रेष्ययाक्रे ८ष्ट्रत्या पस्त्रवस्यः [न्स्नायतेः] [सिक्ट्रान्वसःहेदःमीसः] स्ट्रस्यः बेदा पदमादै यह सम्बन्धा ब्राया गुर्याय पठमाय मुद्रमा सुरा दुर्मे वा र्षेता **कुै**'त**र्श**न्द्रस्य प्रस्पायस्य प्रस्ति । वस्य प्रस्ति । वस्य प्रस्ति । वस्य प्रस्ति । वस्य प्रस्ति । **ब्रुंदर्देरः** चुैकर्षेदकः सरक्ताः चुराणुदा। वर्षेद्रायः तस्युव्यासदेः हेदाः **वैना**द्वे**नाः** मस्या वित्रिंगी स्वर्धन्या वित्रामी स्वर्धन्य स्वर्धन्य मुक्तर्वा निर्मेशित्र पविष्ट परकार्ते म्वरायमा ब्रा विकाश्चित्राविका मुतायका के प्रमुपायमा

बेद'दबारदी'श्रद'रु'हैदबाश्चा कुल'र्घाहेद'याबु'बेद'म्बलपादी यदम् मैं। अर्केंद्र'म्ब बरबद्या कुबर क्रार हुन रही। वहेमा हेवर रहे 'वर रहे 'द्राय क्रिय माञेन। अर्केन्यान्याम्बन्युग्युग्यायायायायकेयागुमा मामाबेनाम्म দাৡঝাদার্মার্মার্কার্কাৡনাঞ্জিলো অন্যাল্কাৡনাঞ্জান্নার্ নাব্র भैदःबदर**ःम्अल**ग्यदे। भुग्म् इग्बन्धःबद्याः कुषःकुरःदिरःबश्रवःयः रही **ग्**दः बेदा दे धेरादरादर अवायवादि वळ्दायवा वरवाकुवा हेदारु देवा वा नन्नानी सर्केन्यन् साम्नेन्यान् न्यान्यान्य मन्त्रीका निन्ती साम्राज्य स ५मॅ र् ब होल पर बहर। वेब हो त्वा व व स्तु वि हिरे हेट रु पबुन व स्तु व्यक्षात्री व्यक्षातालार्विषाचयास्त्रीयार्र्राच्यावयान्त्रीयाच्या दया ८८.मू.२.कै.४४४.२४.५८चंत्रत्यातीयरथाकीयारधीयातपुर्धेप्रवाहरा RB로,튉드称,다.명로,다회 근,떠는,耶,로네,흰너,됬,김,김,다.꽃살,왕엄성,였는, ८४६८८ पाल्य प्राप्त प्राप्त का क्षेत्र के स्थान का क्षेत्र का क्षेत्र का का का कि का का का कि का का का का का क <u>५ नुष्याम् १ न्या प्रतास्य प</u> श्चरः अर्द्रवायायहेव अर्दे श्चे प्रहेवाया मुहेन प्रतृषाया प्रहेवाया महिम विमाय केर् यं नामहिम दे मुस्सार विराद्य पर करा है हिस्सा कवा . ॻॖऀॱॾॖॆॸॱज़ॺॱॾॗॖज़ॱॸ॒ॸॺॱॸॖ॓ऻॎ क़ॗॱज़ॴॱक़ॖॺॱॻॕढ़ॱॶॺॱॸॖॱॴॺ॓ॴॺॱॺॕऻॎऻॿढ़ज़**ॸ**ॸॱ ≝ॱमॅॱवृणु'ॶॱवे'ठ'ग्रांया **ग**्रव'वि'**र**'ह'ॐ'ठव'ठ'हे' रे'व'प्बुग्ब'र्या 

मह्द्र अर्थ। देर कु द्वा महि प्युत्य दु र सि हु प्यक्त प्युत्य कु प्यक्त प्युत्य प्र कि प्युत्य कि प्रयुत्य कि प

स्वान्त्र में स्वान्त्र में स्वान्त्र में स्वान्त्र में स्वान्त्र स्वान्त्य

च्या प्राच्या विष्ण्या विष्ण

प्रमासंग्यते प्रमासंग्री स्वर्ग्य स्वर्ग स्वर्ग्य स्वर्ग स्वर्य स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर्य स्वर्ग स्वर्ग

२**म्भारकुः सुरदे '२ण' पर्डे अ**'स' पर्द् द 'विर'पठ अ'स' सुर हेन्य' गुँ कें न्या गुँ अ'र्ज्द **ब्रिरःविदःवन् ठवः ५ '५ व्रेन्' यसःयह** सन्तरस्य सम्बर्धः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः देते'तुबाखु'तृ'रेते'सु'षद'त्वा'प्ठॅब'पकुत'वि'तृद'यठब'य'सॅ्ट'हिर'ष'''' न्नुहे चन्न् के के न्नु प्रके न्नु पर्दे अपास्य विकु प्यतः मूनः विरामन् के उदानु गर **ख़ॴॕऻॱऻऀढ़ॱ८ॻऺढ़ॱज़ॣॺॱॻॾॗऺॺॱ**ॹॱॿॕॗॹॱऄऀ॔ॱॸॷऀॸॴढ़ॴक़ॢऀॴढ़ऀॱॸढ़ॗॱॸ <u>८ चुर्यासु खु म्ह्र त्यस त्र स्व स देशे सु र म्ह्री संसु यह द व स क म्ह्रीम मुल</u> **ॻॖऀॱऄॱउॱ**ॻॖऀ**ॱढ़**ॺॺॱผ**ॱॴढ़**ॸॱढ़ॺॱक़ॾॕॸ॔ॱढ़ॆढ़ॱॻङऀॴॺॱॺॕ।<u>ख़ॺॱॿॗ</u>ॱॴढ़ढ़ॱढ़ॾऀढ़ॱ मिहेश्यधुनानीयाम्बदाद्वात्र्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रा **८६**'८६'वी ८६'विश्व'र्द्धेन्याचर्डहे' यहवाक्चेयायान्त्रा म्भेगस्याः इस्राणुस्याः कुरस्य ५ मे १८५६ द्वा द्वार्याः गुरुष्याः विष्याः विषयः **बर्न**्से'न्नो'नहे'ङ'न'ॲन्बर्खु'हहेब्'न'नबुन्पहे'नुब'खु'१९व्'र्वेब'हिन्''' **बु**८ॱळेवॱय़ॕॱॺॸॺॱक़ॗॺॱॻॖऀॱ**ज़**ॸॖढ़ॱ**ऄॖॸ**ॱय़ॱॻॿज़ॱढ़ॺॱढ़ॕॸॱॺॗड़ॱढ़ऀॱॸॱॸ॒ॸॱॺॶॺॱ **ॲ॰वेंब॰न्व्यःम्ब॰ढ्वः**वि**सस**र्दरःम्बृषःबुन्वर्दरःप्रात्रःबुन्यः **८८४**:तर्भुंत्रस्थानव्यास्यान्दर्भाषाः द्वार्यान्दर्भाषाः विष्ट्रस्य **॔ॻॖऀॳॱॻ**ढ़ऀॱख़ॖ॔ॴॱॿॖॎॺॺॱॺळॕॴॱढ़ॺॱॻॖॱढ़ॗ॓ॱॴढ़ॺॱॻॸॖढ़ॱॹॖॴॱॻ॔ढ़ऀॱय़ॖॱॸॕॱ॔॔ॸॎॱॱॱॱ

८५'नर'रम'तृ'वृहा**द्यारेम्'सं'सं'संदा**। क्रम्यायर'हुन्'म। सहद यरः ह्युंद्र'यः इसवाणुः वर्षे**नाः २देः सुः हो।** ५नेः श्वॅटः कें ५८ः स्वायाणुदा नेवा मॅंड दे व त्या पर ते दे ता कराया द हा हु द का यह स्थित हुन ता नाव का या ह्मा नेयाना इसमा ग्री संस्मा त्रमा या हिन् सुट होन में प्रान्ता वैवारताके पार्टा कें त्राके के ता देवका की विक्रिया विवास में रादे हैं हैं। सुर ह्र'व्ह्यान्द्रवाष्ठ्र'वा इवसाग्निष्ठा वा विवय या । विवय या वा विवय या मुै'सु'केब'र्या'न्रा, द्वेहे'हेब्ब'न्रांस्व,ता.क्षेत्रज्ञा,वे, बक्ट्**ब**,एसचेबाता,ज्ञ. रमामान्यान्या। अयान्यं सामान्यसानु । अर्थान्यसान्यसानु । स्वर्णान्यान्यसान्यस्य तर्तानारह्वानाम्बद्धाः विषयित्रात्ताम् विषयित्रात्ता क्रुयाञ्चानाः क्षेत्रवाणु विष्ठावा विष्ठा त्वा विष्ठा त्वा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा वि इसराग्री अर्के न रत्यन्य या सुरन् ठव रतहेव र ८ र । अता क र ८ ८ र सूव पर्ने पर अर्ळेन्'रियन्याया क्रे'राक्त्रं हं'पर्ये**न**्र्युं असामेन्'न्ना वियापन्नान्नाया क्रेन याद्वस्याग्ची'सर्हेन'तयन्यायाद<mark>न्यायात्वराम्</mark>त्वराम्प्रात्वराम् पार्वस्या गुरम् विवादाया सेन्या स्वादा सेन्य स्वादा हैया ८९वं । परा मुख्य वर्षे । अव र्षे या इस्या ग्री वया वर्षे वर्षे वर्षे । म्बर् प्यदान्य केर केर प्रकृत प्रताप्त प्रताप्त प्रताप्त प्रताप्त प्रताप्त प्रतापत प्र **ॿ.**ॻ॔॔॔॔ॴॎॣॹ॔ॻऺॴॸॕऻॕऀ॔॔॔ॾॺॴॴॹॗऀॴऄॿ॓ग़ॣॎ॔ॴक़ॖऀ॓ऻज़॔ग़ॻॿऀ॓॔॓॔॔॔॓॓क़ऀॴज़ड़ॗग़ग़ गुव द्वात क्षात कुर्या स्था है। स्वात कुर स्था स्था कुरा स्था कि ॻॖऀॱढ़ॱॻॿढ़ॱॸॖॸॱॾॗॖऀ*ॴॕ*ॺऀॱक़ॗऀॺॱक़ढ़ढ़ॱॺऀ॔**ॺॱॴ**ॺॖॖॺॱढ़क़॔॔ॸॱॻख़ढ़ॱक़ॕ॔ॸ॔ॱॶढ़ॱॺॕॖ**ॺॱॱ੶੶੶** इयस'गुं'हेद'र्'गुेद'गुंस'गह्ममरहे'यद्गां।

स्रा वार्मियानमार्थियान्याने विषयानिवास्त्रा वास्त्राम्यान्यः न्दः नश्चान्यः नृत्वः वाहवः वाहव इवाप्ते के विश्वास्ति विकार क्षा के कार्या के कार्या के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के क मावी मह्मामिर रामाही मावान विष्मी व्यवसंख्या हामा हिन न्दरायहर्वामा व्याधिकानगुरायादेग्ययात्रावर्धनाद्वे। देग्याञ्चान्दर त्रहेद'त्र'हे'यर'त्विर। ग्रान्थ'वार्दित्'श्चर'रेवापदेद'र्दे। दे'लकाचेक यस'वंर्र'यमुत्रप्तपृत्यहेरे। न्वेरिन्दर्**र्यर्दिन्युन्ये। स**र्वेद्र्ये क्ष्यास्त्र स्था स्थान्य स्वर्भात्य स्वर्यात्य स्वरत्य स्वर्यात्य स्वयः स्वरत्य स्वयः स्वरत्य स्वरत्य स्वयः स्वरत्य स्वयः स्वरत्य स् नदः। ॲन्यरःश्चःपिरःश्चेष्यःपन्त्। नरःन्दःन्नःन्दःन्वरः निद्याः त्रहेन'हेन'त्रम्यर'ञ्चाम'त्रा हुन्यायर'ञ्चामके'हेर[[त्रा]हा यता क्रेबरमा कुल पुराक्षाम्बन्धा तहना सेन्रमाबन्धा महुन सन्राप्त केवर मवसायहवाया सार्श्वेषसारीप्रात्याया मवसाराष्ट्राक्षेर्ध्वस्यसावी गुव क्रीकानगुराम द्वारा ॐ प्रुवा ॐरे प्रपाद्वार क्री ष्ट्रप्र द्वारा स्वार प्राप्त हुँब'र्श्चा'८<u>६</u>ब'वे,चे,पथा ६.८८.४भात.पशू.तबी८.८ू। खुबाताबश्चा **ठ८.ल्ट.** श्रुप्त, झ्राचिव्यारहृष्ट्रवानुवाये स्टाच्या स.वप्ट.स्या.व कुरास्तरार्टा हिर्मुरणार्टा वर्णायाया विनवर्षेट्वरव्यनवायार्स्वरे विवता देग्लट हेंग्यह मुक्त सुन्त इस्यामर पद्म पादी त्यन साम १६ द्रित लाबर्ष् हे तार्टा के सम (श्वाम) महिला [की ] मुनावहर तहे वा दे म्रेन्यायम् विवासी हेरायाय राम्यु निया देराया है स्वासी हैराया स्वासी स् `**बेय.पत्रा हे.**देशक.श.हचे.त.त्रुया ।त्या.ट्र.ॐसेंट्र.ॐकेंट्र.ज्या

चैटा । ब्रि.क्ष्यायवे.वे.चेलराये प्रहेच । पर्ट.वे.यटयाक्याचेवाया प्रवी | निष्मुतः श्रुवः स्वायः अधुवः स्वायः । विष्यः भेषायः मानः श्रुवः विष्यः विष्यः विष्यः ।मार्वेद'या कुला प्रके केमा शेदा बेरा । असार कार में प्रकार केदार रा । मृत्र वायक्त प्राप्त विष्णे वा क्षेत्र विष्णे वा ।※यथाकेषाची है।

रिवास केषाची है।

रिवास केषाची है।

रिवास केष्ट्र स्थाप केष्ट्र स्था 「石缸q'工」 ※四A'Bq'T'※「「下※ P'※5'型N 4~ T) 「キーゴートー बुप'कु'रे'पॅरे'वे। प्रकारेरे' से। तहेलाहेद'र्द्या हुरे'हे। हुण'हुरे' वस्तरं वर् रेष्ट्र श्रुरं भूति वर्षे ५८। ६८.बिर.बुर.क्र.वियाबीर.क्षा अट.से.बुर.क्या ठवाची है रिया इसायर छे हे हु यह से। नवसायहवाय राज्य ना रु'गुरा मुल'प्रेन'कल'प्रक्ष'णु'हे'न्द्र। तहेम'बेन'रेण्य'प्रक्ष'प्र हैं र्दा महिना वार्मावर केद में दि विवास निवास महिना मुंगा यर ब्रीमवर रेमवर ग्रेस्टर । ब्रीटर प्रदेश मार्नेटर । मान वर कर मार्गेटर हिरी दे.पब.क्रेय.त.पब्र.पक्र.पूर्व प्रवाय.त.४४.४४.४४४५५५५५५५५५५५५५ न्ना (श्रुप्प) निकृत्र स्ता नुपा अद्यतः तहेद । तन्दे निकृतः तस्य पर्वे प्रमु ५ । गुेश्रासम्बद्धाः प्रदेश

८मार'स्व'र्'क्रुं'म'पलेबा कॅब'ग्रै'क्रुय'कम'बस्र'र्। तहब'र्माय'वे'न्र' ष्ठॅग्राणुद्र हु ग्वचट मॅरि बिट द्र सः चया सॅरि म्हें द 'बु 'यरि खु 'केद रश' मुँद ग्या खेद**र** तह्रवायात्याचुवायात्रवाचा द्वापावार्षे हेर्वे त्वराधुवायायह्रायरा प्वाराम वयामत्नान्याः अत्याष्ट्रवाष्ट्रवाः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विषय स्रवार प्राप्त प्रति स्वर्थ प्राप्ति स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ ने'नबैब'मु'न्न'मुख्न'न्न'धुन्य'न्न'कर्कन'हेब' नन'मुन'नु'र्धुव्य' स्। ट्रे. इस्थर, ग्री, र्ट्र्य, ट्रे. ट्यं प्राथा प्राथर, प्राया स्था विष्या त्राय है । मेममान्यार म्माने विद्यापा । विष्या विषया प्राप्त माने विद्यापा । कुलार्मा नमा नमा नेपान निपान <u>र्</u>रिष्ट्रॉहे'सुबा<u>न्न</u>रका**व्या**र्देहे'म्बुन्याचीयायेखयाच्याचीर्देव'यहर्पायटा चथ्रथ.७४४.थू। चथ्रुल.चवट.जि.चक्नै.८८.चक्रू.कुर.चवेट.धुरु.लेंज.र. चलुन्यायर'चन्द्रा

च्यात्रक्षर् त्रात्म त्रुवात् क्ष्यात् क्षयात् क्ष्यात् क्षयात् क्ष्यात् क्ष्यात् क्ष्यात् क्ष्यात् क्ष्यात् क्ष्यात् क्षयात् क्ष्यात् क्ष्यात् क्ष्यात् क्ष्यात् क्ष्यात् क्ष्यात् क्षयात् क्ष्यात् क्ष्यात् क्ष्यात् क्षयात् क्ष

च**ठ अः मार्वे र**मॉव रमः प्रतः बाहु मां ः वार्षियः इतर क्षेरमहु स्वरमार्वे क्षेरप्नीव रपेराण **क्रेर**-एचुः प्रते सृष्ट्रस्य सुप्तासुप्तय स्था । अक्षे प्रेप्तु प्रते प्रते प्रते स्थापन स्थापन **ॸॱॸॱढ़ॺॱख़ॺॱॻॖऀॱॺॸॖॸॱॺऀॱॹॆॱॺ॔ॱॺऻऀॖॺॱॻॖऀॱॸॴॎ॒॓ॺॱॺऻऄ॔ॺॱॺऻ**ढ़॔॔ॸॱॸॕॱॴॱॺॕ**ॱऄॗ** भिष्णुशः ब्रूदः चरः चुवः व्रां देवकः चुदः कुवः बेबवः दवतः व्रवुः केवः व्रेवः चुवः [[མངམ་རྒྱུམ་]]ﮔོང་སྡུ་མཚང་རྡེན་བྱང་ད་བཤུགམ་ེ་ཡུལ་ད་བྱང་བར་་ चुर'महेरळे। युप'महेरभु'न्वज्ञाय'चेर'मर'य'न्वे'चेव'चेय'मह्मस्या ឨ៝៶ਜ਼៶ឨ៝៓៓៝៵៶៹៝៷៶ਜ਼ৡ៓៝៹៶ਜ਼៶ឨ៝៹៶ਜ਼៶ឨ៝៝ਜ਼៶ਜ਼ৼ៶៴ឨ៝៓៹៶ਜ਼**ৼ៶ឣ៝៹៶ឨ៝៷៶ਜ਼≌ਜ਼៷៸៷**៲ वस्यावितः क्रेट्रास्याणुटा नार्या । तिना विटा तहिना स्वाता स्वाता हिन् हेन् हेन् हेन्। ॻॖऀॖॖॖॖॖॖॖॖॖॻॱढ़ॺऻॎॱॺॱॻऻॿॖ॓ॱॺॐ॔॔ॖॱॻऻढ़ॺॱॺॖॖॱय़ॻॗऀ**ॱ**ॻऄॗ**ॺॱॻॾ***ॻॺ***॰ॐ। य़ॗढ़ॱ** ৲ঝ'ব|ৰিল্ঝ'টুঝ'শু⊂'| ব্ভিল্'এেন্'|বেন'ইব্'অই**ঝ'জ্ঝ'ন'অহ্৴'ব্ঝ**| ঀৼয়৾য়ৢঢ়৾৽য়য়য়৽ড়ঀ৾৽ঢ়ঀৢঢ়৾৽ঢ়ৼ৾ঀৢ৾য়৾৽ঢ়য়ঢ়য়ৼয়৾৻৾ঢ়য়য়৽ঢ়য়ৼঢ়ৢঢ়৽৻ <u>चै्द'मै्स'नह</u>्न पराश्री स्टेर्स्नुट'र्सस'गुट'म्ड्म'लम्'।पट'से'नेस'रे'देस' <u>चुःपःपढ़ेदशःवसःवेदःक्रैसःपञ्चयसःस्।</u> स्व**पः**र्टःस्रह्नदःयःचुःपरःप्रेदः कुषाःपञ्चतथार्थ। विटःकुपःश्रेषशःर्वारःञ्चवःपरुःकुषःत्वशःत्वरःतादुःवाःषवाः पञ्चनसःस्। गुन्दःतुः पञ्चरः संसागुदः नाह्यनाः सन्।वटः द्वोः स्तुनः क्वें सः वे सानुः प पञ्चममान्यात्रमाञ्च्यात्रमुदायराष्ट्रीकाष्ट्रीमानक्षममञ्जा देग्वहिकापुरमान मुख्रान्तः मुद्राक्ष्या वेससान्यारा राष्ट्रमात्रा १९४ व १ व्याप्ता स्टर्स विद्याप्ता स्टर् <u>५च</u>ॱ⊐ईबःसःइबबःॷऀबःषेःखुलः५ुःम्छुन्।लन्।यनः५८ःक्रु५ःबबःढलः५८ः**ः** 

दे'दब'स्टब'कुब'सूणु'बुव'य'सु"रद'लब'९**दब'**दब'देव'सॅ'व**कु'**र्सट''' **'** वयाकुष्वण्यो कुलायं का सदा बेसा चुराया लासु क्रूटा पुराय हैया वीसा सामा कराया विष्ण्यद्राय्त्रं त्याद्वयाद्वयाद्वयाद्वयात्याः] तुःविषाः त्वद्वयः द्वर्तिः के क्वाणीः । । **ॿॖॴॱय़ॕॱॿॖॱ**८वॱऄ८ॱॺळॅ८ॱहॆवॱ॔ॺॕॱॺॱॺॱॴॱॹॖवॱक़ॱॴॱॺळॅ८ॱय़ॱ८य़ॖॴ॔ॖॱॲ॔॔॔॔॔ॱॱ पादादिरासुका प्रविता प्रविता प्रविता प्रविता स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वा षयःगुःरेटःयःकुत्यःयं वेतःयरःयुदःयहृदः है। देरःकुतःयं कृतःय्वा ਰੁ'वन'ਰੁਕ'ਨ' । नेर'ब्र'न'न्र'कुल'स्वे हैं। कुल'सॅर्रे'सु'ब'भेद'र्दे। बेबाङ्क्षबायमा र्रे'द'ट'न्ट'स्नेबासरे'बादेर য়ৢ৾ঀ৾৽ৗৼ৽ঀয়৽য়ৄ৾৾ঀ৽ঢ়ৢ৽য়৽ঢ়ৼ৾৾ঀ৽ৼৗ৾ঀ सदसम्बन्धस्य स्वर्गाण्याचेत्रचेत्रच्यास्य वर्षेत्रम्त्रस्य स्वर्षः **४८.त.**चेराकेषातिस्यात्रे प्राचितिस्य १४.विदेशाच्या १४.व.च चुकायते न्यमा विक्रानिक निर्मा न्या विकास सॅग्चरु'न्नु'याथाथाथाषुषायन्नाक्षेत्रथाषुषायत्तुन्। नेकासंग्यरु न्नुकाशे ড়ৢঀ৾ঀ৾ৢৢঀৢ৽ঢ়৾৾৽য়ৼ৾৾ঀৼ৾৾ঀ৺য়৽৸৽ঀৢ৾৾৾য়৽ঢ়ৢ৽ঢ়ৢ৽ঢ়৾ঢ়৽ঢ়য়৽ <u>५२० चुं बुलायाके वर्षे। देशे सेटाला वे खुला दुः द्वायवे के बाचुः हे ५२. </u> ロエ, â 설, 刻 देश-दुन्न-सु-चुन्नन-परि-ह्युन-पा-दी-र्र-र्ड-द्र-पु-पा-पुन्। **रेक्षे बेरारे** प्रायास्त्रे सुवाक्षा के सुवाक्षा के कि के सुवाम र **१**८-४. १८-१८-१८ ४.त. १८-४. १८-४. १८-४. १८-४. १८-४. १८-४. १८-४. १८-४. १८-४. १८-४. १८-४. १८-४. १८-४. १८-४. १८-४.

५८.भवेद.ता ब्रैंट.क्ष.त्वेद.की.वे.मी.२८.भवेद.तर.लूटी की.८४.५५ ঀৢৢ৾৽ঢ়ঽ৻ঽ৾৽য়৻৽ড়ৼ৾৽ঢ়৻৵৻৸৻ঀ৾ৼ৻৸৻ঀ৾য়৻ঢ়৾ঀ৾৴৻ঢ়৻ঢ়৻ড়৻ৼয়৻য়য়৻ঀয়৻য়৸৻৸৻৸য়৾৻৻ **ॻॱॺय़ॕ**॔॔ॱॻॱॴॱक़ॻऻॺॱय़ॱऄॗॖॺॱय़ॱॳॺॱॻॖॗ॔॔॔ॱॱॺॖ॓ॱॸॖ॓ॱज़ॺॱॺॱॺॖड़ऀॱय़ॖढ़ऀॱॶॖॴॱ॔ॖॱॕ॔ॸ **५**८। वुःगुः५८। अन्यः५८। सुत्रः४। क्रिंत्रःअन्यःप्रदे **५८। ५८म**'इससाळे पुटामराचे दारे खेसामन्द्री देरमा दे स्ट्रें 5ु'अ'त्रा ह्यार्ड'सुरायम्ब्रायास्यायम्दार्द। सेहु'स्रेव्'ह्यास्याय व्यापर प्रति । विष्या के दार्थ प्रति । विषय के दार्थ प्रति । विषय के व र्दे। लेल.ट्रे.वे.वे.वे.चे.चे.चे.व.व.ल्रे.द्रे। चड्डेव.चह.क्रेयवाचाचाचाचा 디얼다'전'중국'휣국'위의'형디지'국제 현의'위의'다훯국'존디지'묏국'국' पर्से समान्दरा इतार वें रामे रिया हिया है ना साई ना ता है या हे दा माद्मस्य मुद्दा ख्रमा स्रेसस्य द्वारी दिने पर्वे पर्वे के दिने प्रेस स्रोति है । न्य वार्षेत्र में वे प्रधान

न्सुटकार्स। न्दर रेककुर्मभासन्द प्रतृत हु हु स्वादारी पर्ना हना नेस द्रा चन्ना मुक्षा महीमायना विस्तर व्यवसर उन् क्रिंटर दें। न्यीयर विस्त मीर ब्रीटर व्य मर्नः तर्वाची र्वत्यस्य विष्या विष्या विषयः विषय दे। पर्ना मैकार्का केना मैकाहेका नाई रा पहुन परि खुराका पण्डित केरा <u> বিশাদশাল্লন্মার্। সন্ধার্ত্তা শ্রীদান্ধর দার্ভানার ঐান্নারী রাজ্য রাজ্য স্থানার</u> मालान्ने त्रुवा हे ना है सा हिता है सा है व मालान्य सा हिता है ना है सा है सा है का मिलान है का सा हिता है सा **มลิ ๆ ดิ รา ๆ 5 รา บา จารา ทาง รา พารัฐ สามลิ วล ฮัรา รู ว ฮู จา ซู สามลิ ว ส** है मिट्टा १व र्षे अक्तर में मान सम्महन पहु दुना व के सि पर्व पक्ष व सरहे स वि'अद'र्कें ५' ग्री'अर'९वेल'५ संस्व प्रदेश महेद'यहै माहि महेर महिन महि प्रदेश प्रदेश प्रदेश महेव् में हैं नक या यहें दारि कर्र पका तर्क कि यम् वा खल ने मैक्षे'मूँ हर्। कुल'मूँ रेना तपुर अक्रूर निवस्तर ने प्राप्त के साम हे वर हे साम नव्यासरार्ष्ण्या दिया विया द्वायारा स्वायाराया हेन्द्रम यहत्रा हुस पर्ड अ:र्षेब.४८४४.र्सेके.रबेक.ता.की.टबे.अअ.४८८४.पधु.रेबा.सी विरे.तर.१४४. **ण्वसः यहवः प्रवार्गे सम्। दुः द्वार्मे के सम्मार्** के सम्मान्तः हैं। द्वीर स्टार्मे स मर्डे भारा हैं ट. देट . लेवे. चे हुची. टे. वि. कुट . लेल. वे. चीव था थी वि या प्रदेश हैं

र-विरद्र-त्याप्तरं वर्षाः वर्षेद्र-त्दर्गतरवर्गन्र-विर्ध्यात्यग्राहीद्र-वर्गव्याही **णव्यापह्याक्षात्रे** स्त्राप्त्यापत्त्याप N'न्न'चर्रे अ'म'त्ना'र्हेट'न्ट'मरुब'चुट'नी'सु'के'कृद'व'पाद ब'र्बा पहुंब्राचबर पॅरकेवर्या वे रेन्या पर्टें ब्राया रेन्या केंद्रा प्रतासक्ता बर कर ब्रीटा व गारा मावसार्थ। मावसायहवावमार्थार्दे हे वे प्रमायहें सायार्हे ताप्तरायहें ताप्तरायहें मार्रेना क्षेट्र प्रत्य वर्ष कुर्मे प्राप्त सुर्व है हो प्रत्य निव्य कि निव्य प्रत्य है । निव्य प्रत्य है दे प <u>भू</u>टःपर्वब्रायाबनाबाबानाब्रायाच्यापर्वे ब्रायापनुन् र्वेटान्टरप्रवाहरा देखना ग्री दर्'ल्व'स्'बे'णुव' रे'स'म्बब्सं। **म्ब**ब्स्पह्रं स्थाप्त्रं स्थापह्रं म्युबःह्नेदः न्दः पठरा युबःहु र म्युबः धुदे माव याव याव या या व या पहना श्चान्वर तहेव न्यापर्वे अपार्वे ८ न्याप्य वा प्राप्त वा प्राप्त वा प्राप्त वा प्राप्त वा प्राप्त वा प्राप्त वा म्बर्गानह्वं व्सानह्वं याते व्याप्ति व्याप्ति स्थापाति क्षापाति क्षाप्ताति व्याप्ति व्यापति व्याप्ति व्यापति व्य · ह्यालट्यापाचेयाञ्चा विषयाचे द्वालवालवा एवी हा बेरा की या प्रतिस्था । पहुंब्र'ह्ना श्रीता सेवा बंदा के स्वाप्त के प्रति के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स न्दः पठरा सुनारविषा रे भागविषा र्या विषा पविषा पहिन र स्वावा या सम्बद्धा न्न'पर्कें अ'प'वि' से र'न्र प्रत्याप्त का प्रत्याप्त का वि का का प्रत्याप्त का विकार पहरामह्मान्याम् । पहराम् । पहराम् । पहराम् । पहराम् । पहराम् । पहराम । पहराम । पहराम । पहराम । पहराम । पहराम । भेजा है कु त्या देवा है। भेजा है ता विद्या पा निव का विद्या के का मान्दु दुन् में दे द्वा दे के नेयाय बेदा दुन मान महिला है पश्च-व्यवः ग्रीवः क्रिंगवः मानः ग्रीनः मावेशः श्रीवः मावेशः स्त्रीः स्तरीः स्त्रीः

वळ्ड्याची प्रमाय वयाया हिया या प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्रमाय प्

सन्तर्यत्य विश्वस्त्र स्वर्णा स्वर्णा

पर्यट्रवस्थान्यम् विट्रप्रहृद्रप्रते विषया हिमा के सामित्र में मा सुर संस्था न विवर वया नहिंद्राह्मान्याञ्चरमार्था निन्धिन्नमार्गुनुदानाह्मार्थाणान्यहर द्धेतै'न्पनःसंप्तकु'वैद'वैय'वैय'नै**पा'ठेयाप्तृन ना विवा**य'क्यासूपापाद्वया **ॻॖऀॱॸऻ**ऄॖॸॱक़ॖॖॖॖॖॡॱय़ॕॱक़ढ़ॆॺॱॻऀॖॺॱऄॖॸऻॱऄॺॱॸऻॸॖॸॱॸॕॎॿॎॖढ़ॱय़ॕॱक़ढ़ॆॺॱॻऀज़ढ़ॏॺॱ **童山如光光**にははないいかにはない 勇力が発にはなかけれずにいうしている。 ल्याचर्र्डलान्नेन्न्ने निर्म्माने अवार्ष्ठकार्न्न से स्वर्णाण्या कर्षेत्राचार्या के वार्णे वार्ण **र्द्र। ५न्न-१**-विन्-क्रम-शेययः न्यार-द्रयायः ह्य-इसयः न्टः। ट्रे-हे-क्रियः यहः **२.व.**िता. ी४ हूब. [ता.] ज.व.ब.स.५. श्रेज. हब. क्षा.४ व्रेट. ता.क्षा.कृष. बट... मैं'न्ब'ठव क्ष्यराय'नगर'नर्भय'हे। न्यर'में'न्न क्यर र्मुर या अ'र्बर्न्ट मानतारम् भीवायारम् रामान्या रामान्या मान्या मान्या स्थान विष्यं मित्रा विष्यं प्रता त्रामा विषयं ग्रांद्रा प्रमुद्राम्याद्रा मुँद्राम्याद्रा ग्रायताम्याद्रा ग्रायतास्य ५८। न्ह्या राष्ट्रा के प्राप्त के **ल्याः**चर्**याः**दरा श्रेशंताश्चारा प्रविष्णराष्ट्रीः श्वरः सरास्यास्या **पदः**कर्षः पङ्गिषः हे रमण्रिष्यङ्गिषा पङ्गवः याञ्चरः पङ्गरः प्रहिरः परः प्रहिरः प्राप्तिः प्रहिरः प्राप्तिः प्रहिरः <u>रमट, तूर, जेशट, पट्टा, तूर, राष्ट्री, विराव के कि स्वर्थ, विराव के कि स</u> यै'लन'रु'र्दे'हे'येवा यहेव'न्हेंर'र्टा न्वट्र'न्हेंर'र्टा त्युद्र' **न**हें र हेर पर प्याप्त हारमा पण्याप्त स्थारी है प्रमास उत्र प्राप्त स्थार <mark>लयःभै</mark>रत्तरमरःसर्द्रः वृषःमर्ठे अःस्वृरत्यःग्रुःमगृतःमञ्जूति। मञ्जलःसः

यद्यः कुषाणी पद्वापित पुरापः वृत्वापाय विद्यापाय पित्र वि **षवाया नेतिवानमञ्ज्याने श्रीयानी मिलाय वार्या विवया है स्वार्य में निवाय विवया है स्वार्य कार्य कार्य** पासुरामा**द्वाराधेवा** तह्वार्मायाङ कुरायवा वरवामुवामादेवा केव मुंबा । तमरामहे मून वे नगरा मुमार वा । इर ही गारहेव मा भूमाहे <u>ञ्चा । ५ ने भूट द्वारा दे कि देवेर में । विया गुल्ट या धाया । </u> मुयागुःम्द्रारहेवायरारहेवायादे। मुदाख्याःशेवयाद्यराद्वयाधेवा है। हेन्यरे प्रस्थान इसम्पर-देन्य पर विनय क्षेत्र पर्मे प्रस्ति हैन सरायहेव. तपु. विरावना विराधर २०वा केथा हिवाली अटथा केथा है। तस्य याम्बर्भामते खुला दे। वर्षे प्रमाद स्पर्माय प्रमात सहसाम हो तह साम हो स שָמִישָּי**ִקּגִין פִישֿיַקּיו** פּי**שֿיקרין פּי**אָּגיקבין שּיַשַּקיקבין בּמִיבִּין **אַי** बे'8न'र्टा ॡ ७'नुर'र्टा म'बे'यन'र्टा हिव'र्द'र्हा कु'द्ना मॅं के ख्राप्ता [ स्वा ] इं राप्ता विशेषाम विश्वास विश्वास विष्या विषय हिरां रें हेंकें रें प्रवास निष्या उपासि पुला निष्या रिन्यवराणी सुला न्दा उबायानिःख्यान्दा पुरार्ध्वन्यान्सुःख्यान्दा ह्या चरमते भीरा न्या मुकाका के दे इव इवय भाषा प्रेर हिट ५ ८ ।

खट्रम् क्रियाद्मस्ययातकर्रहेवान्नेयान्नेयानरायानुट्रक्ताः र्युन्यासा मुन्याः इसका गुर्वा यसूव या वहेव या पिवा है। न्या केंबा सहेव या सहेन या स <del>१</del>४ - १८८ - १८८ - १९८ - १९८ - १९८ - १९८ - १९८ - १९८ - १९८ - १९८ - १९८ - १९८ - १९८ - १९८ - १९८ - १९८ - १९८ - १९८ -नेप्रह्म केरान्य मुन्यम मुन्यम केरान्य केरा विवास किराय मिर महि धुर र्रा पुरारेट दिवा द या विषय उद मी से समार द द समार है या में प्राप्त कर में समार है या में स ८५०ग्मातानुसाहे उत्राविषान्। पर्वेत्राप्त्रान्तिमानास्त्रासु **बेर**्र्यान्यामुया यायाम्बयायते चुटाक्वायेससार्मातः इवसादे विटा **ष्टिन्न विकार् । अर्थे । इं वे प्राचानिया । इंदे । दें । दें** । टुं'र्चं'पर्वेभ'प्टं'पर्केभ'र्वे र्बेर्'प्यंथर्'र्गवेश ट्रेस्यथर्प्प मैं'न्मे'९5्व र्वे। ने'भे'व्य प्रेर कुल अळव स्य खा छ । छ । छ । .**४५.तेब.६व.**६.८व.पर्थातार्ज्ञाताक्षात्रकारक्ष्ये व्याप्तका श्री पद्मद क्रियाल दे न्या प्रवासी

**बेट.मे.**एट्**म.चह.मदब.स्**च.चेंर.मा ४८चय.द.मेंबर.मेंबर.रेतर.म<sup>ट्</sup>ष. **द्वनामी मन्द्रशास्त्रामा ह्यालाचिमार्यार श्रुटा मुर्द्रशास स्टर्मा स्थाना स्थाना मार्या स्थाना स्याना स्थाना स्य** देश्र-मराह्यालाळाखारहानमाखनाउवानुग्याराह्य माञ्चाता हर सकर में दे रहे स्वरं त्रा स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं से त्रा स्वरं के त्रुर प्रकृत स्वरं से के त्रुर प्रकृत स्वरं ्रतिः नावनायायकृतः रहा स्रहात। यहार्षेता रेकारा नासुकारहा स्वाता है अप्तान्त्रक्रणान्त्रवान्यवान्त्रवान्त्यवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्य मःसरःमः द्वार्केन्यः कुंगा हिंदानिरान्यः वेरायात्रायात्रा केर्हेनासूर क्रुचेयः ८ मूर्यः सः स्वाप्तः स्वापः स्वयः स्वाप्तः श्रुवः स्वीवः स्व र्ट्-एह्अ.मुे.द्वेंप.वे. (वंबा) अर.ते.वील्या वेटाच.मेटारूटा में प्रवंता हेव. **अ.मु.**प्टु.प्ट्यील.मीथ.रेप्ट्राचा अष्टर.स्म.म.क्षर.पटु.पट.त्य.स्ट्र. क्षे क्र में दे के त्या के दे त्या के ला क्षेत्र मार्म क्षेत्र मार्म के त्या के ला क्षेत्र मार्म के ला ला के ला के ला के म्नायानान्दान्यामा स्वतानामा स्वतानामा स्वतानामा स्वतानामा स्वतानामा स्वतानामा स्वतानामा स्वतानामा स्वतानामा स न्वता वृतायाकेवायासुग्दवायवात्वत्वाववाताकेष्ठानु अपन्तुन् स्वायते पुत्रा देन। घरे.घर.चेत्रेचब.घ.क्षका.क्षे.घेचेब.हब.घभ्रेषा.वथा **च**श्चर घष्ट्रचरचे. मॅर्ने हे तकर हैन। रे का भाषर सह द सुका नु में द हो। लेवर निवासी रेन्स.ठवः स्पार्टे हे खेनाया नेस्ट्रास्। क्रेटे रेना तहवा नामसः स्वासक्ता क्चिंदा त्यु कुलारहें नार्या नार्वे दा क्चे दास्त्र स्थानिता से वार्या हा स्थान भ्राम्यास्तान्त्रात्रार्थात्रार्धे द्वाति द् **बे-८--ब्रे-ब-क्रव-प-म5्ल-छ-ड्रेन**-हेव-न**-इना**ल-मन्द-प-इन्नर-कु-कु--इवस्पन्न वर्ते।

देशह्रातात्रवार्मात्राच्यायायात्वाच्याचुन्देश्वयापन्यान्या

**भे** गोर पार्मेर परे पुरे के प्रतास के सिला है। से साम के से प्रतास के स्वास के स्वास के स्वास के स **इंबरम**हे कुर खेरबाया । मारे पर दे पर वा बर के कि विकास । विष्टे प्रमान व। पिह्नुत्र परि है दर्भ द्वापा विष् । सु व व मा बुबा पु मा व व पर दि । १०६ व য়ৢঢ়৻ঀৼ৻ঀৣ৾৽য়ৣ৾ঀঀয়৻য়ৢয়য়য়য়৻ঀৣ৾ঀ৸৸ঀ৸৻৻ঀৢয়৽ঢ়ৢ৽ঢ়ঽ৽ৼ৽ঢ়৻৸৻৸৸ঀৢঀঀয়ৼৄৼ **୶ୖଌ୕ୣ୶୷**ୄ୰ୢୖୠୣ୶ୠ୷ୢ୕ୠ୶୲ ୲୕ୢୠ୕୶ୖୄ୕୕ଽ୕ୡ୕୶୳ୠ୕୵୷୷୲ ୲୴୴୕୶ୄ୕ୣଽ୕ୢ୕ଽ୶୵ द्वैदःच-वेदा ।श्रेरथसःचन्नियःच्य-द्वस्यः ।वृद्दःख्यःसर्वेनाःवृःचुनः <del>তুম'ন</del>ৰা |দি'ম'দ্**শ**'দু'লুৰ'নম'লুৰা |জ্ব'ল্ডুচ্ৰ'ন'দ্দ' **अर्.ह.प**ट्ञयःट**प.**८ट्म.तटु.कैल.ट्र.पथा कै.प.श्यःत.कैटु.क्रय.ग्री। ८व्रि.प्र. रच.रे. तभूर.विश्व वेश । हि.हे.वेब. तप्र. थे. पश्च विवे. प्र. **९म'र**'८चुट'पर'९चुर। । दियामुस्टयायया देशे 'ईंद'चेश'चेद' **कुनः पञ्च पनः व सः पाव सः** सिमारा से ससा। समा रहेव रहे पारपाद सः पाटः च पा **बुन्दर्भः हैवः एटः तुः पकुरः धः दे।** धुन्दः हें रहेकः देन् या रहें द्वराया द्वर्मा **๔.๗๙๔๙.๒๔.๒๔.ธื.๗๙๔.ธีนผ**ญใง๒๔ะ.๒ฺ.๓๒ฺฃ.๓๒ฺ **क्रम। ब.६५.की.लज.स.स्.४.अ.१.७**४.वी.चर.स्री.पर्विटय.च। क्रिज. **本氏・食れ・日・ロ・オーカ・オート・ロー・カー・ あっ**てこって可・スライ・ル・お・違う・ **परै**'८५'मार्चेप'म**े। अ'ना'ङ्ग'क'पबु**नस'मर्दे'५ुस'सु। **इ.स.स**.प.ट्य.पट्रेपर.**प.वेपय.पट्टेप्टइ**द.प.इ.यय.चुय.पर.प्रेट्रप्यया นาดเลียงสู่ยามผู้ดานไ ผิดงฐาง รู้นาดเลียงสุดงฐาง **ଐ୕୕୷**୲ପଞ୍ଜୀ,ଦି,ପିଟ.ଛିପ.ଘ଼ି,ଖଟ.ସିଟ.ଦି.ଅହୁଧ,ଗ.ଖ.ଘ.ଘ.ୟୁପ.ଌୢୣୣୣ୷. . . **बुस**'मस्। देग्हेरपुस'मसम्हा<sub>र</sub> सम्मणीस'सुरामहेदादी। षासुपरहेप

मन्द्रन्द्रितः विना देवाव्यायानराययः श्रुप्तः है। देरास्त्रा मंद्रा हे मबुन्यायते पुषास्य व्यवसायवापु वळवा ह्रया मुद्दा स्टाहे। क्षे स्वया वै : अँदः ल प्रमा कनायः ग्रे : क्षे : लमा वनः गुदः ल प्रमा च दुदः ग्रीयः पङ्गदः परि : क्षे : लमा देनकाकुँ नुकाला ननामा [यादे ] देवे के कांद्र खुनाव में हे चुंद हे लुखा र्दि : बेर रह्म करें। तहिना हेद 'ग्री ग्रम प्रमण उद प्र वे न करें के खू र दिंग न्युटःहर्वे के त्रयुन् हें टाष्ट्रेरायते **ञ्चराञ्च न**्नितान्व व्यवस्य स्त् श्रेग्यान्यः यरः चेलः क्रीकरणाई व। व्रुणकाणाव का **हैं रहे** रिंद्रा ेलयर या क्षेणा कुटा वका मुलर्यास्यो कुष्तर्यस्य कुष्तर्भा कुष्तर्भात्रात्रा विष्युत्रस्य वास्यविषा 5्रवेस'वयाचूट'श्रेर'घसस'ठर'हें**र3्र**८क्षुंग्न'वेषा'श्रेस'र्स। प्रेसपा∐स' वै गृति प्यविष प्याप्त स्थाप ॿढ़ढ़ॾॖऀढ़ॱ॔ऀॱॷॸॱॻ॑ॣॖॖॴॸॿॣॣॿ**ॳॱॻऻॶॸॱक़ऀढ़ऻॣॸॱॸॣड़**ॻॷक़ॣड़ढ़ॿॖऻॣॗढ़ग़ॶॗ वस्त्रामात्रायाः ह्या निवर में अर्थना कर में प्रतिप्रा कर में प्रतिप्रा हिंग स्त्री प्रतिप्रा हिंग स्त्री प्रतिप्रा हिंग स्त्री प्रतिप्रा हिंग स्त्री प्रतिप्रति प्रति प्रतिप्रति प्रतिप्रति प्रतिप्रति प्रतिप्रति प्रतिप्रति प्रति प्रतिप्रति प्रति प्रतिप्रति प्रति प्रतिप्रति प्रति प्रतिप्रति प्रति प्रतिप्रति प्रतिप्रति प्रति प्रतिप्रति प्रतिप्रति प्रतिप्रति प्रति प्रति प्रतिप्रति प्रति प्रत मिट्ट म देव त्या मूं दिट के अस या वे माना देव में के देव से क्षेत्र में के विवर वै.४ब्रेचया नु<sup>द्वि</sup>क्रिक्रम्पुर,पूर्य,ब्र.या.पानिस्त्य,बेर,ब्रेट,चेयणा बुरप्रविष इबर्स् कुर्से क्र्याया ग्री कर टियो स्वर्धा वर्षा स पाः[(तार्वेर]तिहेनारहेनामिरेख्टामाश्रममाउद्गिनेश्वीर। देवर्याकेरतमर য়ৢ৾৾৽ড়৾৾৾৽য়ৢ৾ঀ৾৽য়ৢ৾৽৾৽য়৾৽য়য়য়৽ঽ৾৾ঢ়৽ঢ়৾৽ঀ৾ঢ়৽য়৽৻ঀয়৽য়ৼ৽য়য়য়৽ঢ়৾৾৻ ८मूं पा वस्य ७८. में हि दिल ५६ हैर छेद प्रति चि दि रहे हैं में नाया लेग हिलाही

मा [लादे ] ह्येव में मिनेयाव मा है स्मर्त मिना विस्तालमा देव में के दू के मिना ҈ӈ҄ѵӐ<sub>Ҁॱ</sub>ॾ҇ҳॱҷҳॱҥ**ॱҀ**҇ぺ҇Ҁӈ҈ӎӡҭҳ҇ҕҭӖѵ҇ӓѵ<sub>Ѯ҈</sub>ӎ҄ҵ҉Ҳ҇ҁҵӎҵ҈ӄ*ॱ*ѦѵӐҁҁҁҝѵ मरुषास्य कुर्ने प्रवासकार क्षा निर्मात के स्वास कि स्वास प्रमासारी हिं**ड** खुब समा बब पु प्रीमामा सराम्रास्तर माना सुरामा सुरामा सुरामा सुरामा सुरामा सुरामा सुरामा सुरामा हरि'विट हेटर् त्रीवयायमधार्च हैरे कराववयाय विव हेयाय। युवाया या मारहिब्रमान्ता हु के सम्मेर्या होन्या नामाने मिन्ना में स्वराहिन **इ**ट्रिंपर्ञ्चरायाम्ह्र्यास्य पालाद्वे क्रुब्यात्र्र्वा पालाद्वे क्रूंच पालादे स्टा यायादे रेग्न्या यायादे स्या धनाट्ट स्रेराम छेटा है बर्ळर्'याचेरायापटाक्रेसास्या चर्तराया [यात्रा]वमामावरे हीताचे प्राचेरा चर-जिद्र-पर्वेद-पर्व । दिवाय-पर्वेर-निव-पर्व-कृष-प्याप्य वर्वा । पर्सर्वस्याकेष्ट्रम्थित् । प्रतर्म्याकेष्ट्रम्यमूष्यापिषेष्। <u> न'ले.र् अ.एट्रेन.अस्व.र्य.वीया</u> ।७५ूम्न.पध्या<u>यू</u>र्ट.यट्र.वीट.पध्रुम्। हर्षे के रहिता है व स्था है व स्था है व स्था है से स्था **ंश्वल,**र्जेंदे,जानश्चेंब,तर,वेंट्रा ΧĮ.

द्वाप्तर्था व्यवस्थायम् स्वर्षः न्याप्तर्थाः स्वर्षः विष्यः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वरं स्व

ष्टुै'अ'भेद'धर'ळे'वदी'हेद'य'र्वेच'यर'र्वेष'ठेष ठेव'पाश्चर्यादवादवा' प्रवटार्चारत्युपादेश्वरपरात्र्वारया रात्रिते हेर्सरात्रेटा मासुट्याही कुलाक्ष्यात्राच्या व्याप्त व्यापत कुव अहे यापा द्वाया पृत्वाया वयाप्य पा हि याप या दे राय प्राप्त या दे राय राय दे राय राय दे राय चॅरे हे र र मुँद मा न दा कु में द में के र र मुनाम है न र म न न न म म व्ययः दर् कुंबा कुंदा विषा अक्ट्राया सुराया विषा देवा के रमसः स्वाविष्याम् । विष्यात्स्य विषयाति । मां अर्के नारि नामि निमाने दिया । असिमा मिरे खेना महि खेन हिना विकासि ५ तथः क्री 'सुर '५ तथः ५ तथः ५ तथः ५ तर् **भू**यः यदे 'प्यकः प्यकः स्यापः स्यापः स्यापः स्यापः स्यापः स्यापः स्यापः बुव दिन्स वर्गा न्यान प्रति प्रति है प्रति है प्रति । वर्गा वर्गा वर्गा है प्रति । र्ने मिट्र प्रति में प्रत पालाम्, हे. श्रेचे थ पत्र देशकातार पत्र देशकातार प्राप्त के का प्रकार के का प्राप्त के का प्राप्त के का प्राप्त त्वु न्वेत्रन्यः त्रात्रेयः हे। के अन्दर् कु ख्ला ह्न्यूयः न्य हुरः द श्चित्यः प्र त्रिं क्रमातार्द्व केव र्या दिना स्रायर रेम है। यदना ने का विना सन् इयायदाष्ट्रमा है। हिदाकता सुटाद मार्चेट रटा मायायर स्दर्गा ने करणा हता सुर्भद्रच्या है। द्वित्र गुव्रद्धार्भद्राचर्थाः न्या नुस्राम्या मिन्याप्ति। देरम्बेयाप्रेवं केर्राबेयाप्यवं मया संक्रिया केर्य

<u>दे, वंबा, दंबी ताब की जाता है, वंच लें प्राप्त की अपक</u>्ष **ऄॱनेॱ**क्ञराम्बेन्याम्या वेयाक्त्रायाळाऄ् ग्नयायां स्वाक्त्रामुख्या युग्राणु हेद म्बेट्स पर ब्राचीय मब्स मारा अकॅट् हेद ही मामबेट्स यानुष्याके। मुख्याने हेदायान्यया देशिषुनाहेकाम्यान्या देव <u>৸য়ৢ৾ঢ়য়৾৾৾ঢ়য়৾৽ঢ়য়৾৽য়য়য়৸৸ৢয়৾৽ড়য়৾৽য়৾৾য়৸য়৽ড়ঢ়ঢ়ৢয়৸ৡ৽ঢ়ড়য়৻ঀয়৽</u> दे, त्यात्म पर, क्रीय, विद्राद्म अया हे व . हुना, माश्चर या वया हू व . हुना, हिना, ह <u>ह्रवःतःगुवः८न्तरःम्बर्श्यःकुशःमृतः</u>हरामयः५ ग्वर्यः क्रुंश्वरःशःम्बेगवःसरे हे। दे'ब'र्कॅट'यहै'रेन्ब'घ'**न्**यां अप्यान्य मिश्रेकार्सेद्रायहै' सुक्ष। से स्थापारस्व वाणी ロニ·ロビ·현어·근·리석·卢·용·ロ·메 저도석·필석·딜석·디·네·립석·디 축정석·드, बबा मुैरसर्बिरानाराख्यानार्ता निविन्यामुबरसङ्गित्याही। मूनिया न्रेयास्तरम्परे हेटारु तहेन्या है। यहें वरस्वरत्य के हितान वेत् सूर्या ब.इ.स.मा पत्रचाबातारिंदुते.से.से.से.से.से.सं.मापा वि.चबाकी.पर्वेषायरीय.स **छे८.तर.**र्चेल.७ब्रू**र.त.**चुर.४ थ.वी.ल.बेल.बेल.चचित.तथा ् ट्रे.ल.चक्र्थ. **६४.७२४.०४५०.०४४५०.०। ७८.००.५४५**०.५८५.चे ४.०४४७ पत्रा चे चे अप्तुत्राचिते च्यात्राच्यात्राचिते प्यते प्यते मुन्ता चति मुन्ता पत्राचिते मुन्ता पत्राचिते मुन्ता पदिन्यापरे प्रयासम्बर्धाः देश स्वर्षाः व सार्वे स्वर्थाः व सार्वे स्वर्थाः व सार्वे स्वर्थाः व सार्वे सार्व

त्रस्यापुरिःश्चित्ताराद्यतायि जुलाय्य स्थित्व विष्याय स्थापुर्वे स्यापुर्वे स्थापुर्वे स्यापुर्वे स्थापुर्वे स्थापुर्वे

क्षा हिंट्र, मुंबर, हुंचर, श्रुवर, श्रुवर, श्रुवर, श्रुवर, हुंचर, हुंच

दे.बंबा-इ.खेबा-ब.बंबा-व्यायाः वात्रायाः प्रकृतः विष्यः वीषाः त्राः ने.षाः स्वयः **पर्के** .प्रची .क्रांतालया चिषा प्रकृति विषावया ८८ .पी.वीटा चीया स्रीटी पर हुवी चित्राच्चात्रक्ष्याच्यात्रक्षयार्भ्यवात्रा कुषान्त्रीयात्रक्षयान्यातायभ्यात्र स्। ट्राकुलामु के र्स्याण्य मुकानेहे दुरातु स्ट्रां मु स्टर् ला ह्युन्तुलानुष्ट्रिक्ष्यावयाणुहार्ष्याः वेत कुलान्निन्धेः वृतास्वार्यः त्त्रेम्'अप्वर्'अहे'सुरम्अर्'बेहे'म्अर्'नु'अ'ध्वर्'य'न्ट्रा। स्ट्रिक्'स्ट्र प्तृश'पत्र'त्राट'र्घ'के'पवट'र्न्**रा**रिज्ञा'द्रश शु'प्द'वेद्'ष्ट्रित'र्देश'णुप्र'हैश ผาฟักาดิ์ ๆ สูการังสิงกลกาหังเครื่าพกาติราปิจาชักาลิก ลังารังสิง म'विम्'द'रे। मुअ'बेरा'बळद'अ'वेषा कुल'र्खेन'सु**रा'र्ख्य'र्य**म'रे**रा'य'केन'** गुँब। बुरद्द बेदाया वुदर्द प्रदायद बेदाया द्वा देरा कुला सुरह्द पारमे मास्यापदासरे पुष्यु पद्वासे प्राण्ये सामुदा क्षेत्राया प्रदान मास्यास्य स्वतः मह्रमाम्याम् कृतामा सुराहर मेर् सेर् कुला सेर् तिहेर मर लेया द्या है। देर तर.४२ वं.४४.केष.ते.७८.त.वेशूर्ततर.४२ वं.तमा चेश.३४.ि८.केष.अ४ इस्यास्त्राहेकातवरायरात्त्वाता वसाम्बरहेकाववरायान्द्रियाः वीता म्हित्सिक्ष्यः क्ष्रियः विश्व श्रेष्यः स्वा स्वा क्ष्रियः विष्ठ व

म्निलास्त्रं त्रस्त्रास्याच्या द्वास्त्रः त्वास्त्रः त्वस्त्रः त्वस्त्रः त्वास्त्रः त्वस्त्रः त्वस्त्रः त्वस्त्रः त्वस्त्रः त्वस्त्रः त्वस्त्रः त्वस्त्रः त्वस्तः त्वस्त्रः त्वस्तः त्वस्त्रः त्वस्त्रः त्वस्त्रः त्वस्त्रः त्वस्तः त्वस्तः त्वस्तः त्वस्त्रः त्वस्त्रः त्वस्तः त्वस्त्रः त्वस्तः त्वस्त्रः त्वस्तः त्वस

प्रस्तायान्तातार्थिन्यत्वाच्यान्न्यायाय्यस्ययाञ्चित्रः विन्यान्त्रः स्वायान्तातार्थिन्यत्वाच्यान्त्रः स्वायान्त्रः स्वायान्त्रः स्वायान्त्रः स्वायान्त्रः स्वायान्त्रः स्वयायान्त्रः स्वयायान्तः स्वयान्तः स्वयायान्तः स्वयायान्तः स्वयायान्तः स्वयायान्तः स्वयायान्यान्तः स्वयायान्तः स्वयायान्तः स्वयायान्तः स्वयायान्तः स्वयायान्यः स्वयायान्तः स्वयायान्यः स्वयायान्तः स्वयायान्यः स्वयायान्यः स्वयायान्तः स्वयायान्यः स्वयायान्यः स्वयायान्यः स्वययान्यः स्वयायान्यः स्वयायान्यः स्वययान

यर अर्देट व वा हुंद् पेंच पुंचा में पा दिन ने उवा की में वा कावा वा विन पा मिनामा के तह का ता के का हुया माना सारी करें। मार्च के के के मान्य माना ही मुब्द्रायात्र्द्राम् व्याप्त्राच्या व्याप्ता देखा विस्तरम् इतः परि म्ने त्रस्य पर्मे स्व द व स्तर् देश हिस प्रमा दे दे व स् व भीव गृ ष्यद दिन देश देश देश हित व व कुल में खु दव के दिल सुल ला देग्याम्यायक्षवायाक्षेत्रायक्षेत्रायक्ष्याच्याक्ष्याच्यात्राया ङ्ग्रेस्य व सम्मूर्त खिन्न स्क्रेप्त इत्य देश क्षेत्र गुट नुल र्यं व दे दे र प्रभेष पाप विषय दे र प्रमान दे हैं र प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प ॻॖऀॱ॔॔॔॔ॸॱख़ॖऀ॔ॻऻॺॱढ़ॺॱळॅ**॔ॱॻॱॺ॒ॱॱॻ॔ॺॱ**ॸऀढ़**ॱॻॕॱक़ॆॱॿॣॱळ**ऀ॔॔॔॔ॺॺॱऄढ़ॱॸॖ**ॱॷॆढ़**ॱॻॱ**ॿऀॻॱॱॱ** ष्यः अ'श्रायः पुरते प्रति देवा देवा तिया तिया हिं स्ति हो स्ति विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः प्रमात्र प्रमा विश्व ५ने'र्चुँ८'वेन'५८'स५'यम। देस'दे'याचु'ठे'या ६'वेस'ईसामसान्हसा पर्हेर्दी पर्नाथादै अक्षु बेर्दि। बेस्यमा र्देष्ट्रिस्टर्म **घुटार्सेट् डेस'यम। छिट्राया**ल्डेद्रायाल्। लेसायम। तर्दीदान्द्रसायह्रद <u>चन्त्रायःचुःपःपञ्जात्रःमञ्देशःखुःपरःचुर्त। वेशःङ्क्षरःदशःन्दशःपह्तः</u> लाबुरायरान्वरावरा रमानु मुराहे। निमे हिलामु हैं वारा विनादि न पर्अं र क्रुंबर्याया न हराहें। देखा बुदा द्वां विषय कुता दा जार्य गारि विषय हराहु ग्या पहन्यायाः पहुं व 'याक्षं अपने व । विष्यापन्याये क्षेत्र प्रदेव 'याक्षं विष्यापन्या' **ग**ने्र'य'देश'पत्तुर'वृक्ष'प्यक्षा देश'र'ठे'य'ग्क्र्र'पुक्ष'पक्षा **कुल'र्घस'न्दि'सर'पर्भस**'राभेद'रास ८५ैर'सु'पुर'न्द्र्यहें 'बेर।

दे स्थाय द्वार हो। दाय द्वार प्वार प्राप्त दाया। क्रें साथ १३ वर्ष स्वार है ८के'पर'८चुर'पना **दग'**पर्व'र्कस'चैस'नेग'चेर'पना दे'दस'दग'रे' **षदः भुदः रहः। प्राच्छान्यः वर्षः व** १८४ मेर सम्बद्धाः विष्युत्यायेषायात्राः कुलार्यदे सुर्वा प्रवास न्त्रामः विषाः में में मानविष्या विषयः षट.पर.वैट.तथ.तेषु.वी.सू.४८२.त.कैंद.घथथ.२८.ग्रीयःशहयःतर.वैयःः दे अर्घरा देर पर्द के मेरे प्याप्त द स भ नुव रे रे र पा कु द रे रे पाण्य मन्नान्यन्य स्वायः व द्वार्ष्ट्रायः स्वायः मान्नान्य स्वयः भेव पु गार्मा स्वयः व यः चःकन्यायाः क्रे**ानदेः न्वस्युः गुरः** सम्प्रदा वर्षे सुरः से न्वरः देवः दुलः पत्राचा पत्राची: शत्राणु दारे दे दे पुरे व क्षेत्र व के विषय के विषय है व लेख'न्दा **क्षे:मठद'मद्दे:ल्ज्**य'क्ष्यं कुष्य'ने'लिक्ट परःश्चें पः द्वार्यः श्चे सन्। अवसः त्रापः समः द्वारायः प्रापः द्वा दे १६८ टे.र्ज.पर्भ.पष्ट्र.धंचेंबाने.सूच.तर.क्रैर.धे। ट्रे.४थ.थट.४टथ.तर.पेर्यट. बर्नेबर्बन्यम् वर्षेबरमरः चुरायान्ता वितान्बर्यः वर्षा निने हला ॻॖऀ**ॴ**ॱढ़ॕॖॖॖ॔ॸॱ**ॾ**ॱढ़ॖॸॱढ़ॸॕॸॖॱय़ॱॻढ़ॏढ़ॱढ़ॕ॔। ॻॖॹॱॻख़ॱॸ॓ॱॿॸॹॱऻॸॱख़ॗॗॸॱॸॖॖॱढ़ॿॖॖढ़॓ॱ हुट'सर'मुैस'पण्ट'वस'पठुष्'हे। देश्य'से'पुस'वस'हेद'वष्'पठिष'दस' न्यर पुर्देश्वर कर केन्यर प्रमुद्धि है दिन् वा विशय विकास मिन्य प्रमुख्य के प् न्ने त'या दे दे वितासित स्वामित स्वामि

Accession No. 038406: 101
Shantarakshita Library
Tibetan Institute

म्बद्दियाधिदार्दे। बेषायान्दर मन्मादी मन्त्रे ख्याम्बरम् पु बिमा भेदा ५८। मुलेन्यान्यः । कुलाविश्वास्त्रेतायायाविन्याह देबर्डरायानाक्ष्त्र हेबरमबर्गायदायात्वर्तरामुद्धरायास्त्र विष्याम्य । पण्ठ'पर्झ्य'बेर। स्यायेयापादारी पर्देट'यार्व्दाबेर। दे **३**हे' धुैर पुरुष सर्वा ट प्रका हिंदा हैर सिंदा पासू प्रति धुैर बेर में। देख *ढ़ॱ*ॻॖढ़ॱज़ॹ॔ॸॱॶज़ॺॱॺॱॺ॓ॺॱॹ॔ॎॿ॓ॺॱॾ॓ॸॱॸॕऻ॒ॎॸ॓ॸॱक़ॗऀॺॱ वया पहुंदरमाष्ट्रिर सेयाणुरास केनामार्ने हे प्येदरनस्य मसा हार्णः चर्डेब्रायार्चेतायवानुष्कान्दादकेते हुनायह्याद्यस्याते। दिष्यराजनायतुर নষ্ট্রক'নক'র্ন'ন্, ভ্রিক'র্ন ক্রিন'ই নির্ধানক। ক্রিল'ন্, ভ্রিক'রী ক্রে रह्याद्या ८५ द्वारा समयास्य १८५ द्वारा स्वाराम लिन्यावा मुलाम्बाञ्चरा द्रावान्यान्यान्यान्यान्या न्यन्'रु'बेन्'यायवन्यायानेते क्षाञ्चेव चन्'बे वेवायर त्युरायवा नेते **हैन**'ब्रेच'हिं5'ग्रैस'ब्रुट'र्5'न्स्थ'बेस'न्छटस'यस। परन'नासर'उ'र्ने' कुलामा विषया के प्रमानिका विषया विषया है । अगिव र्पे 'नाव स' पहन र नान स' पा कुल' अर्व द ' पु 'पा है ' हूँ र 'नासु अ' ल' अग्स 'प। ''' **बैना नर धुँनक मुगना ने गुद रनार द माउ मबुनक मका 🎋 रे ल बु मर र** <u>देते' भुल'क्'देते'म्द्र'द्र'द्र'देद'यञ्चेल'ल'यबेदब'यते'बळॅ</u>द्'हेक्'बेम्'गुट''''

5. 岛. 城之. 美1

**ॼऀऀॴॱय़॒ॱॖऺॖॗॖॖॖढ़ॱॿॖॗॗॖॗॣढ़ॱढ़ॗॱॴ**ऺऺऺऺ॔ढ़ॿॖऀ**ॱॳ**ॸॱक़ॣॖऀ॔॔ॿॹॱॿऺॹॱ॓॔ॻॴ॓ॣख़ढ़ॱक़ परु र अ कु 'सा कु 'सं पार सू है 'हम् अ द 'से द दे। देर कु ल 'सं 'हे <mark>'है न</mark> 'स' यम्बार्यस्थाः विष्या विष्यात्राच्याः विष्यात्राच्याः विष्यात्राच्याः विष्यात्राच्याः विष्यात्राच्याः विष्यात्रा न्न- कुल'म् । कुल'म् । त्राहेन । यास्ययाम् कार्याका कार्याका कुलाम् । हेरलान्वया यहवाष्ट्रिता श्री श्रीवास्त्र स्वरायन्य । यहवाष्ट्रिता स्वरायन्य । विष्ट्रा स्वरायन्य । विष्ट्रा स्वरायन्य । वि मरःमव्हःह्या वहनामव्वायह्रवःष्ठितःश्चैःहुहःहुःहरःनीःबुःमःमञ्जरायमा माव भागमृत भी प्राणा माव भागम् । माव लान्द्रियार्स्टायर प्रेंद्र वा यप्नार्स्य प्रेर कुला संदे हुन हर बळे हॅ 'ब्रेब' मः चुट' प्रवा देर 'मृद्या पहुंद' हिंद 'दा प्रवास के के हिंद 'दा प्रवास के के हिंद 'दा प्रवास के न्तः। कुलः चॅलः व्याः विष्णः श्रेणः यः अदः यः अदः यात्रा देः हे द्वरः য়ঀঀঀয়৽৻ঀয়৽য়য়। য়ৢ৽৽৽য়৾৽ঢ়ৢ৾৾ঢ়৽৽ঢ়ৢ৾য়৽৾ৼৄঀ৽য়৽য়ৼ৽য়৾৽ঢ়ৢয়৽ঢ়৽ঢ়য়ৼ৽য়য়৽ <u> न्बुलानराक्चे हो। ने लाक्षेत्रायानिहराक्चे वयान्यन्य में याहिता</u> णनेणकः परि देट प्रमेश रुवः मु 'णु ट 'गेक 'प्रमुव र परि 'अर्क र हेव 'ग्र का मे पॱढ़ऀ**न**'पदेंदिग्गुंर्<mark>ट्रन्ग'सःश्वर्यःश्वर</mark>्दर्न्यःसर्व्याः व्याप्तरः त्युरः रूर निश्चर्याः विषयाः कुर्रात्र्याः कुर्याः स्वाराः स्वाराः स्वाराः लकार्थ्यत्र व्याप्तात्मिचेट्र द्वापूर्यत्राता चेलाच्चा व्यामुखान्याच्चे व्याप्तात्मिक्षान्यात्मिक्षान्यात्मिक्ष न्नलामान्या वर्षे हेरे कुलामान्य रहे मार्के वर्षे वरते वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे पकुर'पुैव्'ठ्वपत्र'णु'त्रर'शे'८८'पठवा र्वेष'८८'पठवा व्यापकु'वा न्ने'र्ह्यूट्र्यूट्र्यूट्रे'ब्रियाचु'प्यश् न्यावार'न्ट्रक्ष्याचार'प्यं बेना'श बर्केन् हेन केन में 'बेन् 'चु मानमा कुलम्मं खु 'मन सेन् मानमान हेन् 'मन

दे'वय'म्द्र'य'म्'इदे'वे'के'म'म्बे'बुव'द्रस्य'हे। दे'लर'वे'क्र'

पतिः विश्वाचित्रं विद्याचित्रं विद्याचित्रं

ने प्रश्च के का में भारत क्ष्य का का क्ष्य का क

 तुन्यम्हिस्यायाम्बस्यकेष्यम्बुन्र्रुङ्क्रार्स्यम्बेस्यये अर्केन्यः हेष्रेर्देन्यसेल्यक्र्यम्बुन्यवेन्यस्य

वुपान्त्रुव्याप्ताः त्रह्वाः सुद्देश्चीतः पुष्याः स्वावः विषयः गुक्राः व्यवः मुन्यः स्वावः विषयः गुक्राः विषयः प्रवः मुन्यः स्वावः स्वावः

त्रवाहित्या स्वाहित्या स्वाहित्य

मित्रा ८२ अत्ते देशः स्मित्र स्थान्त स्थान स्थान

बुचःचित्वां साथाम् व व के व स्यानि च दि स्व के स्यानि च के स्यानि

दुपःष्टाया। तहसानुःश्चीदःष्ठवयः उदः [[नुः] यदयः कुयः ग्रीः निहुदः देवः प्राय्येतः प्रायः प्राय्येतः प्रायः प्रायः

टे.वंब.टेंब.वेंब.बटब.चेंब.बें.टवं.पब.एटब.वंबा जू.लं.पची.जूवं.त. व। श्रामान्यवासुनामुंवावसार्देग्हेग्नानवानुष्टुष्टुष्ट्रस्याम्याठवासामान्याहेग ๚ฺ**พักฺน**าฦังผสฺกฺรั่ไ ฦัล๊งผู้รัญบูกเลูกาฏ๊งคิกเญฐการับอัล๊งๆรักฺนา ८ तृदः नेत्रः देनातः द्वा ६ हे रे प्राच्य देशकर के पाः श्रूरके विकास दि। या <u> बिनायहर्ना रेज्याञ्चलायानकुर्र्रा</u> २ विन्यास्य प्रति स्वर्षे स्वर ୶ୢୣଌ୕ୄ୵୷ୢୖୡ୵ୣ୴୰୲୵୵୷ୢୖ୵ୣୣୣୣଽ୶୶ୣଽ୶୵ଽୣଽ୲୷ଶୢ୶ୄ୕ୠ୵ଢ଼ୄ୷ୖୄ୵ୢୢୣ୴୷ୠ୶୵ଊୄ୵୲ देर-श्रुच-र्घव-श्रु-श्रुच-ग्रुब-र्स्नर-घ-सह्द-घना ण-प-प्रेद्ध-द-द-युन्य-द्य-ञ्चितायानविषयानान्। वियावयामरा श्विटानरान्द्रवयानया ञ्चितायहा बिलावस्य दासायेवायरारितरार्विषात्ता स्रमसारुवानीर्मवार्गरम् क्रीयाम्बर्धात्यावयान्तराम् देशे हेटार्च द्वारा देखेया है। विद्वार क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विद्वार क्षेत्र सहर्द्। देवमार्श्वप्त्यंवायुष्या क्षेत्रप्त्रा केषाः वसर्मित्यावयार्वस्यामितः भैराष्ट्रायहुन्सः वसः यनेवः यते रत्नाः तरिः स्नरः ळेनाःअः१बयःवःभेटः८९ः५**मः** धुरः५ःश्चेःपरः ४ गाः६नः देवः नशुटयः यय।

विदःदे दन् कुष्य हे दाक्ष प्राप्त व्याप्त विदेश वह वाय्य वाया विकास मा मन्यात्रा हेर्हरन्त्र मेर स्ट्रिश्यक्ष्यस्त्री स्वाया देवे वटावा चिर-दुःचस्रदःदसःचबुणमःह। देशःसुःकदःदेशसर्वःमधुसःयरःसदःयदिः कर्ष्या प्रमास्याम् विषयाम्याम् विषया য়য়য়৽ঽয়৽ঀৢ৽ৼ৾ঀ৽য়ৼ৾৾ঀ৽য়ৼ৾ঀ৽য়৾ঀ৽ৼ৾৾ঀ म्दायां क्षिण चुदायां भेवा हे त्रास्या देवा कुषा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र का बर्चे द : सॅ 'फ़ 'रे 'चु 'पा क्षे 'धुँ पास कु 'बर्के दे 'द ज्ञस द स 'चुँ द 'यदे 'भु 'ह्य 'पार 'पा खेना'बल'मुट'रु'नाबेनकाम'रटा। अळॅर'हेर'वट'स्टे'दर'द'ॲर'य'खेना' मबुगकार्का देखाने महामा प्रति स्थान के मा बेचा के मा के का का कि का मा बाद के मा के का का का का का का का का का लट्र हुव र र व न वेन व ने कि कि ने क पञ्च र प्रते पार्व कर्क प्रते व प्रताम प्रते व प्रताम प्रते व प ह्रवात्रवारी मुंदिन्य विषायानिकारी देशहर्षेन्य हेर् वा कुलायाकेवायाविकासुरायकेतासुलायकेत्रावा देशाद्याप्यका सम्बद्धरायम्बद्धाः विष्ट्राः विष्टुः विष्टुः विष्याम्बद्धाः विष्टुः विष्टुः विष्टुः विष्टुः विष्टुः विष्टुः वि षदा वर्केन्द्रेवः त्वापिते 'ह्नावार्षेन्द्रा' विमानवुन्या के कंत्रत्रेव दुन् 5 一 五 五 五 五

प्ताया है, है, दे, पांतु, है, बैंच, अक्ष्यं, वे अक्ष्टे, हेंचे, पंत्याया, प्याया, प्राय्याया, या, प्राय्याया, प्राय्याय, प्राय्य, प्राय्याय, प्राय्य, प्राय, प्राय्य, प्य

त्र्वाष्ट्रीत्रं रहवामा कुर्दे त्या सुनामा हैना अत्रहा देखा एक का न्यतः वात्राया विमानी वा वाह्ना च्या व्याप्ता विदेश वुनार्ष्वे नवार देवा है। नार वा की रहेना वह वा स्वाप्त वा के वा स्वाप्त वा स्वाप्त वा स्वाप्त वा स्वाप्त वा स्व बह्दश्रुवायेषु प्रतायेषु द्वायायेष्यायेष्यायेष्यायेष्यायेष्यायेष्यायेष्यायेष्यायेष्यायेष्यायेष्यायेष्यायेष्या स्<sup>र</sup> भाषात्राप्तात्रात्रात्वे वार्चा पाउँ वारा कि प्रमेष्टि । स्वाप्ता के प्रमान देते'न्द्रमामाभाषायात्रामुवार्ह्रेटानी'ल्ल'प्वतुम्बाह्री न्यात्मामामा **उत्राक्षा** देश बुर क्षे प्रस्त देश प्रति है ते प्रस्ति है । देर रहे ने पर्वायम् वृत्तः वृत्तं वृत् **ल्टा** वेता ह्रिया का की र्हे हे र दे प्रतास के वा की ती है ते हिंदी की का की की किया है किया है की किया है किया है की किया है किय Nक्षामनकरमहेर[मिखेरकर]मदर्हेरशरहें करियाल रहे करिया सिरा}देरहर द्वार करिया ह्रवातर्वात्रे में क्रिक्र विदाय विष्यान्य विषय मेरा नुष्य क्रिक्र विषय न्गर हैं हैते इर्देन बेर त्ये न्युन नुप्त वित्र प्रत्य में वित्र व स्वारत्याणे जनयाहेयाणे स्वार्ट्रियन्यत्यहे सेटावान्याका है। वै'र्म्**ञ'**बे'बर्के**ग'**वै'यम्'बर्गमुर्यायाथे**व'ण**म'बेम। वृता'मुम'अळवसाग्रु' वदावयात्रमान्यान्यान्यात्राच्यात्राच्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्य यान्वेनान्नेयासहर्याभेदानुहानेम। देरहार्वेग्वरार्थेन्या तर्वात्र द्वापते वटादा पर्वाप्य त्रापति । व्यापति । त्रापति । विष्यापति । ख्ट'र्वेष'र्वंग'य'व्य'वृद्द'रु'पद्गेव'य'वेग'पवुग्वरहे। देर'र्द्राक्षेप्यदाञ्चव'

इ.ज.ब्र्चेच्य.त.वीचाम्। ट्रांजाश्ची विकाविकामधु.क्यावटातायाव्यायाताविक. 🛢 य. पथ. बट. ज्ञान. ८८. । 🍦 हे. वि. पट. ए वि. र. ही व. घन थ. सुब. रु के पा देगा प्रवास है। देशे पर मुनाब में राधवाद में वाब है पा वारे में पानी दया देन्दरम्भव स्वरंपन्न विवादाय पुरापुराय विवादाय प्राप्त स्वरंप विवादाय स्वरंप स्वरंप स्वरंप स्वरंप स्वरंप स्वरंप मधु रिपानुवान्त्राप्ता स्वाप्तान्तान्त्राच्यात्राप्तान्त्र्यास्वान्ता मह्यापारिदेशमाना है। बलाहिं हुँ नवा सुरायहवा व वा पविद्या मुंगीवापारा कुबा ब का भेरा के पारे पा स्वा रेटे के स्वार् पित्र रे का पुर्भिता के पारे के र्मुखा ट.रट.नि.हुर.नहे.नथ.११ मे.वरायेथा अट.येटथ.तर.हे.निट. र्दः पठवायात चुरा २५ ना है। देग्या बया र चुरा ५ र बेवा चानवार्या **न** पुःर' देवायि वार्षे 'तिर्वर' स्पान्य वार्षे 'तिर्वर वार्षे 'तिर्वर वार्षे 'तिर्वर वार्षे 'तिर्वर वार्षे 'ति चबुनायाहे। देवे द्वापटानाव हिं त्यात देवा व्याप्य दारी दे ही व व व व व नय. धर. हे. ८ हे पंथाना अट. त्रामट. स्टा विषया र हु. वट. व व्हेर. ८ में नहर **सम्मान्यसम्मार्थवः वः सर्केनः हेवः न्यात्सः सुः २ हेवः नासुम्यः मार्वे सः ग्रीः वरः वा बुद्र-स्याम्बु**वायार्टा अटावेदिः सुदेग्तुर्द्रायायबेट्यायाळ्ट्राट्री देर **५न**'[[चैद']]ह्यसंके'म'लेद'स्र्रां सु'दे'न्विसंस्रंत्रत्वुट'मसंदे' वना रे अर्घेट पा अट अदी अअरे हैं निया वी पर्वे अर्थ देवा रे **ॏॖॹॱ**ॻॸॖॖॸॱॾॖऀॺऻॱॸॕॱढ़ढ़ॱॸॻढ़ॱॎॗॕॹॕॸॱॗ]ॻढ़॓ॱॺॱढ़ऻ ऄऀॻॺॱॻढ़॓ॱऄ॔ॱॻॱड़॓ॱ **ढ़ेसः** महिः हेर्। पट्रस्या प्रियामा ब्रियामा ब्रियामी विष्या मिर्या मिर्या मिर्या मिर्या मिर्या मिर्या मिर्या मिर्या 

## वसा पर्राथम्भवायायते स्थार्चर्या से यापतुन्य सं

 [[मञ्जनः]]मञ्जनःमाञ्जनार्वान्दि। देवे वृर्भेव दाव माञ्चेव महे सके सके द हेदालज्वानामा भराष्ट्रीमहासुन्दान्तानामा स्वाप्तानामा स्व ष्ण-वृत्त्वाचा विचान्त्रवाञ्चीः वृद्धाः विचान्त्रवान्तः विचान्त्रवान्तः माञ्चात्वाना राज्यावाना विवाह्म विवाह विवास विवा ৡ৾৾য়৸ৢৢ৾৾৽৻৸ৼ৾৾৽ড়ৢ৾৽য়ৼ৽৸য়৽ৠৢ৽ঢ়ৠ৸**৽ঢ়৽ঢ়ৼয়৽ড়ঢ়৽৻৸ঢ়য়৽ৠ৽ৼৼ৽৸৽ড়ঢ়য়৽৽৽৽** पदनाः प्रश्नात्र विश्व हिन्याः प्रमुद्ध प्रत्य विश्व प्रत्य विश्व प्रत्य विश्व प्रत्य विश्व प्रत्य विश्व प्रत्य ब्वायाहियाचुवाने। देवाकुर्दायायाम्यदेवान्वान्यायाः दयहारुष्हि ऍॱऍ॔॔॔॔ॱसंदेॱऄॗ॓॔॔ॱदॱदेंटॱळ॔॔॔ॱ॔ऄॏ॔ॱय़क़ॗऀ॔॔॑ढ़ॺॱय़ॱॺऻॖॹॖॺॱऍ॔॔॔ॱय़ॱ**ऄॖऀऀऀऀज़**ॱय़**ॶऀज़**ॴ दे दब दे है दे ने नियम दे दे ने कार्य नियम के नियम कि नियम के नियम कि नियम कि नियम कि नियम कि न्वदः ज्राष्ट्रायान्वेना प्वतासामादेशे दुरावाक्ष्मा अपि मेरी व.क्षित्त्र.क्ष्यत्तत्वा वेट.क्ष्य.क्ष्य.प्राप्ताप्तिर.वश्वय.स्य.सं.र्यात्व मुलादकारुमामके नावा कर्कें दाहेदारे देवा **में प्रतारक मामल्या मलदा** षदः वर कुं नवा कुं मूरि व कुं का में वा वर्ष दिन महे चाहे चाहे वा के मा मही। प्राया हरात्वराष्ट्रिया है नाम हिन्दार विषय है नाम हिन्दार विषय है । यह निष्य हिन्दार विषय है । यह निष्य हिन्दार विषय पब्नायार्थे। देव-त्याध्येयाञ्चन्यारी प्राप्त देवाचितायारी न्युवार्वार्षित्रम्थे द्वार्षित्रम्थः वा द्वारामुग्द्वन्य द्वार्षित्रम्थायः विवा 하다자 '조리' [[리가] 시자' 원 '젊' 점' 왕 '다리 '덩미'리' 흙'정도' 두디의'라' 첫 '제'의'…… म्भिदाहे म्भिन्द्रम् वन्या वन्या के दे हिन्दान बुन्वा या के व्याम् वन्या वन्या **ॱइं'व**ॱदॅव'ब्यब'ब्य'[य्वेय'][धुय्'य्वेष्य'य'य्वेय'य**्वेय'य्व्या** र्ने'द्र'हे'

परि द्विष्ठ्व नवाव श्रुव र स्वान वेनवा निव निव नव्य पा है नवाव पा हि निव र र र र र विनापबुन्या ई रु र वेबायर यान्येन यान्युन या प्रमुद्दा यह हथा के राम विनामबुन्या देशस्त्राक्षाच्याक्राच्याक्षाच्याक्याच्याक्षाच्याक्राच्याक्राच्याक्याच्याक्याच्याक्याच्याक्याच्याक्याच्याक्याच्याक्याच्याक्याच्याक मबुनका जटार्हे रेसायाया पूरणाया चैवा क्षति । विते विवास विवास विते वि विनाप्ता ह्याङ्गायाचीवाज्ञप्यार्वाम्येनाप्तार्चे सामार्थेना न्यायाञ्चापति सेटामा विवाहित हामा उव विमाणाटा प्रमाना ने वसा बुना विमाना स्विषायाचा विषयाचा विषयाच्या विषयाच्या विषयाच्या विषयाच्या विषयाच्या विषयाच्या विषयाच्या विषयाच्या विषयाच्या व रामार्अन्दर्भः भिवासिना विष्णा विवासिना विष्णा विष् याचेत्राभिवानुग्यदादा। हिर्मात्रुग्याहेरकेवर्माधाने दुनायान्हरिन्र विनायाचीत्रक्षत्रकातान्ववेषायद्वनाया वृताचितायव्यव्यव्यवेषा म्बिन्यः विद्वत्यः केप्पः विद्यान् विनामबुन्या देवसः द्वाराष्ट्रे दिः ग्रा ब्यःमञ्जःधनाः ५वा मः विनाः मञ्जनाः । देशे र मञ्जानः मञ्जानः स्रीः स्रेटः ब्रह्मप्त्राकुरेरत्व्याक्रवार्क्ष्रायरेर्ष्यायाक्ष्मार्ष्या देशे स्वावाद्या रयान्वेनयानी अकूरे हेब है। तराप्तिया चिर है पय में सूर है पय रहे नराह्याचा नैटासूरबी नेटासुरब्दानाडुर्यासुराह्यासुर्याचना मार्वनाः धुनाः नवि रमः र्मुं रहिनाका सुः उत्तरमः विनाः नवुनाका रेने रिप्तः हे रमः क् ठाण्त्रचेश्वर्ष्ट्रविष्ट्रण्याद्भारत्। देर्द्रक्ष्याद्भारत्या

म्द्रं वक्तामान्या दे दिरा है पाव विवय ति त्वाव देरा पुका के कि विवय म बिलाम्बिमाधुनाद्वनायार्द्रहोतातु वुन्न न्यात्वेलायाकीलास्यायाद्वा गर खेनाप्ता देवे हे समस्य स्हित्यार मुस्यामहितामहितामहितामहितामा जारामा ङ'व'ॡ'कश्चरोर'डस<sup>र्</sup>दा'प**बुग्**वा देप्टरहेप्पतेप्वराह्यां[वा]]@'तिरहेर ढ़ऀॺॱॻढ़ऀॱॾॕॖॻॱॸ॔ॻॕॺॱय़ॖऀॱॾॗ<u>ॕ</u>ॻॱॻॖऀॱॺॖॖज़ॺॱॸॺॱॸॖॱॺॾ॔ॸॱॻॱॾॕॱक़ॗऀॱॺॖॎॱज़ॸॱॻॱ**ज़**ऄऀज़ॱॱ प्रवृत्वराष्ट्री हिन् कुल में इक या लाका केट मा ही टरपा लाक न या पर हो। रन.२.वेट.न.च्यूरश्चात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्राची स्वात्रात्राची साम् **ॸॱरेॱॴक़ॗ**ॻॺ**ॱॺॖॱ**ॺॕॸॱॻॴ ॾॕॱॺॕॱॺॱरो ॿॖॎ॓ॸॱॻॸॆॱॿॖऀॸॱज़ॖॱॸॹ॓ॱॾॺॱ **मॅट.प.लुचा.२.वॅर.४४। क्ष्म.पश.**घर.४४.८त.२.२.२.वे.चे.८.१ टु.चे.चर.४८. **व्रिण्यायणार्यः प्राप्तायणा** कुलास्य क्षायालया हे हे जारवाकी निट्नी क्रिके नियम् भे स्वी प्रति के कि निवास प्रति है। विवास स्वी प्रति के स्वी प्रति के स्वी प्रति के स्वी प लाक्टाम्'ह्रीटायरे'रच'चुटावेन्'र्म्याचेराव्या कुलाय्याप्याव्यापया रवानु पुरावायम् । इत्राम्या हिर्मानु । देशसा नुवाया सुरम् । **१८.स.व.**स्ट.बुर.त.**षा ट्रे.४.वी**चेथ.त.षा भ्र.चेश्ट.तप्ट.स्.वीख. वसा निगर्धिर नेश सं छे प्यय छे वसा कुल र्घ र अठर कु स है रन हु विट.प.पश्चर.त.ज.ए.ब्रेर.त.क्रेश.हा ईच.तनवाथ.श्रे.८क्र.वश्व.ल्ट्य. **८म.वे. था** ह.डू.मेथ.दे.ते.से.सं.पुडंड.नेट.ह्य.थी **ब्राक्षर्भर**्चर ठव ची र्न् म्नु चैव क्राय्य ठव की लह्या या ठवा न हेना प्रत्या **रेन्द्रिक्ट व्यव्यव व्यव्यव द नार्वे ट** क्वेब की कुल में रह शेव वेंबर माधुन व मी नुना निक्षां अपना त्रेना सु उत्ता सु भेदा हु के पानिका

पब्नायाः भ्राप्तायाः विष्याः विषयः विषय

ने व सः प्रः देश कुं । कुं न सः रेहे रेहा क्षा के से केहे । यन मार सन्त कुंटा म्राज्यावा नैर्वे वरि राम्याय प्रायास्व स्वर्भव में मेट सरी महित्स मा ख्रेट मेरे हेट द प्व नवा ध्रम मा हिन प्र हेन प्र हेन हैं हिन का श्च चुया मा भेरा है के बिटार हे नवाया निष्ठ बला नर है पहें व कर मबुनाना देते वर्ते वर्षे नन कुर्ति वर्षे हिंदा के वर्षे देव हिंदा के वर्षे देव हिंदा के वर्षे देव हिंदा के वर्षे त.वर.क्रंट.रच.रे.वेंट.वध्.य.व। रष.त.रट.वरे.वे.ष.स्वयावावश्चीर.वया **पॅर्।** रे ब ब हें हे निर्व की पर छुं नवा वा पहिंद कु का म्रुव रहा सहाया मान्यकें दाहेन प्रदूरिया राया उन १ प्रका पहिला बुरान परि साना ଞ୍ଜିପ'ମ୍ୟ୍ୟ'ଖ୍ୟିପ'ନ୍ଦିୟ'ଞ୍ଜିଅ'ଅଟ୍ଟ'ୟ୍ୟୁମ୍ ନିହ୍ୟୁପ'ନ୍ଦ୍ରୟ'ଶିକ୍ୟ'ଅଟ୍ୟ'ୟ मुन्युवर्ष्याविराष्ट्रभावत्रवर्षः द्वे द्वे रहे न्व्यव्यव्यव्य व्याप्त्रवर्षः । प्रवर्षायाव्यव्य मृत्यार्भ्यात्राच्यात्रा ह्वायर्थ्यात्वार्भ्यात्राच्यात्रा महे दुब खु। मनु मुद्द दि दि दे दे दे दि दे दे दे दे दे दे दे है के दि दे है के व। बर्ळे**८ हेव प्टेंब न**८ र अप्यान हेना पबुन्या दे ५८ हे पाव हें व पर्देश'स्व'रिन्य'ने अंग'तर हो प्राप्त हेया के स्प्राप्त हैया स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स

प्यतः त्र्वा प्रयतः तु न विष्यतः तु न विष्यतः विषयः व

र्<u>दे चि ज्ञान के जि</u>र्दे देवां वा स्थाय है प्राप्त के ज्ञान के ज्ञान के कि **ढ़ेशःमःस्तिरो ने**रःश्चेषःन्यवःसुम्बुषःन्दः। ईणवःसेन्रप्तुणवःसन्। दें'व'**अ**र्नेव'मॅ'प्रैव'ञ्चनश'रु**व'**ळे'च'ष्वेष'णुद'म्बुष्यः। देहे'मद्ष्यामाळे' באים לישׁידבי פּישָביים אַמאישַבי לִּדִישְּן אימבי פּמאוֹ לְגּ है'र्यन्यार्हे'र्डेन्यात्। श्चिम्रान्यदायात्राम्यात्राम्यात्राम्यात्राम्यात्राम्यात्राम्यात्राम्यात्राम्यात्रा वयः पश्चर क्षेत्रका व्याप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त क्षेत्र प्राप्त विषयः वयः प्राप्त व ने। नेप्तायबेदबायकेखानेप्येष्ट्रायाकेषायकेष्यवस्थित्वा दे'धै'ग'र'भैु'र्ह्नं'व'रम'र्रु'युद्दाम'विव'वेर। देशे'धै'व'र्श्चम'र्मव'ये'नेब' **ৰ**নমাশু ষাট্ৰাট্ৰমান্ত্ৰনমাৰ্যান্ত্ৰন্যান্তি।ক্ৰোজান্তান্তি।ক্ৰিট্ৰাটা मुहेन् गुर् कें निर्देश हैं पर देश हैं पर बर्दः र्मु :श्रे : त्राप्ता द्वाप्त द्वापत द्वाप षट'वर'सर'मेु र'र्ने। रे'व स'र्हे' मुँग्याचार्यायार्यस्य। हॅव'पर्वेस'स्व त्र्वात्त्रात्त्रां केराक्षे पापविषापि प्रत्या कें प्रवास्त्रा विष्या विषया विषय **८र्देश्रन्थ. २ अ.ता. बुची. पबे बी**शी

**हैं है 'न**िव'कु 'नर 'धुनिय' छ 'वें 'ने रहें वरि 'रम् बर्य 'हे स'र' छ 'ना 'बे या

मति मळें द्राहे ब्राह्म मार्चा मत्र स्वा द्राहे व्राहे व्र बेर्पा बेम्प्व म्या रेपे हीर मद मर केर्पे मकुर द्या केर्पे हेद केर्पे पकुर'र्सर'यान्य परि'र्हे ब्राम्ब'ब'र्स'म्हेना भेता देते' सुग मते ब्रावर मर्के अ'स्व' तर्य कुं नुं न्तर् स्था मर्ग मित्र म नेहें ঈ্বশন্ম কৰি কেইনা শ্ৰুন দ্ভৰ নত বৃদ্ধ হিল শ্ৰীকা নন্ধুকানা কৈবি বি बुदाःस्थानीःश्लरावादास्यराज्ञान्यद्वनायद्वनायर्भराद्वा देवेरराज्यरावास्वा ८६ॅबर्खुबर्खुर<sup>भ</sup>न्भून्र्न्। नेर्न्रं रुग्मते न्यना मीवा पठना व वा निष्ट्रं स पन्न र्षेत्र में। देखार्श्व अप वे पि त्र का पन्न के का विकार के का विकार के न पदेन्स-मते करूरे हेद्रां[तयमारु ग]तर्स्यापर्ड रक्षाचारेते होरायमा तरा विभाग्नेयार्प्रन्ते। पञ्चाष्ठिनामारायमायायात्वामानामान्त्रीयायाया न्हें स'पब्नस स्थालाम् गयाह्रह्राप्तवानु प्वाप्ताम् न्यापा पदिन्यापरे पुराष्ट्री पद्राष्ट्री देप्तवार्षे के वार्षे प्रकार में ८**२ॱऄ**॔॔ॱॏॖॖॖॖॖॺॱॺ८ॺॱक़ॗॺॱॻॖऀॱऄॗॱॴॿॖॴॺॱ८८ॱॻ**य़ॖढ़**ॱय़ॱॗॎक़ॗॺॱय़ॸॱॗॗ॓ॿढ़॔॔ॱय़ढ़॓ॱ गुन्म कुन दी

म्बद्रायद्या मुख्या यहँ अः ध्वात् द्या गुँ मुँ म्बुद्रा श्रु म्वर गुँ हैद्रावः स्वायः हैं म्वद्राय मुख्या मुख्या

पश्चर्यायायाय्वेयाय्वा स्ट्रिंग्ड्रिंग्ड्रिंग्ड्रिंग्ड्रिंग्यायाय्वे स्वयं मुद्द्रिंग्व्याय्वे स्वयं मुद्द्रिंग्व्याय्वे स्वयं मुद्द्रिंग्व्याय्वे स्वयं मुद्द्रिंग्व्याय्वे स्वयं मुद्द्रिंग्वे स्वयं मुद्द्रिंग्व्याय्वे स्वयं मुद्द्रिंग्वे स्वयं मुद्द्रिंगे स्वयं मुद्द्रिंगे स्वयं मुद्द्रिंगे स्वयं मुद्देश्वे स्वयं स्वयं मुद्देश्वे स्वयं मुद्दे स्वयं स्वयं मुद्देश्वे स्वयं स्वयं मुद्देश्वे स्वयं स्वयं स्वयं

कुलार्चा लाखान्याचा प्रतास्याचित्राची देशे ख्राची हिल्ला हिला स्थान म् रेटु व्यवन्त्रे ता रेटु व्यवन्त्रे वा रेटु व्यवन्त्र मुँद त्यम्बा देवे स्वयःश्चे प्रमुखा [८८.]८.जयःबी देवे स्वयःबह्याना देशे ख्रा है ' कहे वर्षा विशेषा है ' कहे वर हे वर हि । वर्षा वर वर हे वर हे वर है । वर्षा वर्षा है वर है वर है वर है । देशे खुक प्रवाद में। दे द का देश प्रवास विवास प्रवाद विवास व ·पवुरा प्रवासना प्रवासना निराहा तव र्ह्या स्वस्थित के कि के कि [कु'बर्केंदे'सा] कु'बर्के'केद'र्मा भ्रागु'दी भ्रागु'दे'केद'र्मा गु'स् है प्तरि नु म्। गु मि के द प्या विम्याय विष्य मि विम्याय विष्य प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त विता रमार्चमाळेदाया रमारु खु मञ्जूनाया रमारु खु मञ्जूनाया ठेदाया र्हिन वेर हिंदा के मुद्दा के मुद्दा के कि मुद्दा के कि महा के कि बुबाढरीषट कुरा कुलारायकु वयाया खुबा चुरिहेन दु पुटारी दे दबका ॻॖऀॱॺॱॺॱढ़ऀॱक़ॗॖॖॖॣॖय़ॱय़ॕॱॸॖॻॱढ़ॸॖॖॣॺॱढ़ॖॆॺॱय़ॖॱॻॱय़ॗॖॗॖॣॖॖॣॖॗॱॱऄॗऻ ॸॖ॓ॺॱॸॖॻॱढ़ॺॺॱॻॸॗॖॣॺॱॻॺॱ सक्रवाणमान्त्रे स्नित्रु मून्याया स्वा देशे स्वा कार्मा प्रमात सुन्ना करि सुन्ना

मुलार्चा सामिनवि मुंदा पुरा द्वाया विकास के अल्वाय प्राप्त पुरा देव वर्ष के व.थ.ड्री मिल.स्.अ.मेल.प.पश.मेल.प.पे.प.पेंट.ह्रा मेल.प.खेथ.यंचका म् रेट्राक्रमाया श्रीयायपुरम्बेराता केषाम् स्थापि देवी हूं मा सितासा देवे'सु'वब'यत्तुहरसे। सु'क'र्य। सह'क। बुब'कवे'कुद'कुव'र्य'यकुद'सि' पढ़ि र्ह्नेट मैं अपि विशेष्ट र पुट है। दे बब्ध गुं प्र अपि के किया ଞ୍ଚିବ'ଢ଼ୗଷ'ପ୍ର'ପ'ପୂର୍ମ୍ୟ' ବିଶି'ପ୍ତ'क'ସାଁ ଅମ'ରୀ ଷ୍ଟ୍ର'ର୍ଜ୍ଗ'ସ୍ଟ୍ର'ଗ୍ରମ'ସି' खुका वि १ वर्ष में मार्च के दे में मार्च है ने प्रमान के वर्ष के प्रमान के किया है ने प्रमान के किया है । य्याटः त्या हुँद लेबा चु पा चुटा देते पु प्यापटाका सुवा करे कु न् कुला द्या 은·출드! 紹어·美·어·스토네·윤·윤드·흥! 로·폭제전·⑪·전·제·형! 플어·친·다· श्चि.वर.वे.प.वैट.हो। टुंडु.वे.क.म्। लट.क्। ब्रन्न.क्टु.कैट्.कैल.म्.बेन्न. वि हैस हैं स्। जॅर विराम् माहिता मुल्य रे पुराही है। दे बबर की वास के किस में कव्रमाक्षेत्रतित्वाबुक्षानितानितान् देव्याम् व्याप्ता विष्याम् चुँ ५ कुल में १ कुल में १ किल में १ बाद्री मुलार्चा मुलाप्रेदा देवा पुराप्त पुराप्त हो। यहा विवाद की कुन्कुलर्भे खुकावि है वर्षेटर्जेट विरामाव गा पाठर पुटा है। दे द्वारा खुर ਬਾਕਾਰੇ ਗੁਪਾਸ਼ ਗੁਪਾ ਵੇ ਫ਼ੇਕਾ ਹੈ ਜ ਹੈਵਾ ਦਾ ਉਵਾਦਾ ਤੁਆ कर्ष्र कुर कुल में हो पकुर कूट मूंट हिर र बरमर हुट है। दे बबल कुर या वै.मैल.मू.प्रेंप्ते खेल.मै.च.मेंटर.मू.। हेर्ड.में क.मू। लट.म। अंश.म्हर <u>ଶୂ୍ର ଶୂଜା ଯ୍ୟୁ ଧାର୍ମ ବ୍ୟୁ ଅନ୍ୟୁ ଅନ୍ୟ ଅନ୍ୟୁ ଅନ</u>

घरमाने कुलाया केरि सुर देवा पुराया चुदार हो। देरि सुर कर वा व्यवस्था सुमा ढते कुर कुल में हि है वर हैं द में द हि र हो से प्रमुद है। दे द वक की कार कि बै'कुल'मॅ'कु'अर्कें हे'बेब'घु'प'घुट'र्हे'। देहे'यु'क'मॅ। षट'क। **युअ**' ष। ब्राम्य हे किंदे. कीला ज्ञा हि । हि । हिंदा हो दा कीला ज्ञा है । हिंदा हो । हे । क्षयाणुष्यायादी कुलार्मासुद्राकेलालेबानुपानुदार्मा देवे पुष्ठार्म। ਅਵ.ਬ। ਕੰਬਾਬਖ਼, ਕੁੰਟ, ਕੁੰਯ, ਸ੍ਰਾਹਥੀ, ਬੇਬਾ, ਸਾਲਵ, । ਼ੁ ਚੀਯ, ਸੁਖ਼, ਗੁੱਦ, ਉਣ, ਯੋ.ਣ. ढ़ॱॷ॔॔॔ॱऄॣ॓ऻ ढ़॓ॱॾऺॴढ़ऻॶॴढ़ऻॹॴढ़ऻॹॴग़ॣॸ॔ॻढ़ॱख़ॕॗॴॶढ़ज़ॣॶ॔ॗढ़ऻॹॿ नःमुदः दे। देवै तुरकः म। यदाक। सुका करे मुन् मुनामान दि । हॅंद'मॅंद'हिर'पड'व'उव'र्'युद्र'हे। दे'क्सराग्री'श्राम'वे'मुल'मॅंमु महेंदे?हे <u> ﴿</u>﴿مِنَّ عَارِينَ الْكِيْنَ الْكِيْنَ الْكِيْنِ الْمُعْلِي الْكِيْنِ الْكِيْنِ الْكِيْنِ الْمُعْلِي الْكِي षदःमूदः विरामुप्तहेव र्पुदा है। देवस्य ग्रीष्ठा सामा कुला में रामात सुवा ब्रैंद.९४.वे.च.वेंट.ह्रा ट्रेंड्रव.क्र.च्रा लट.क्रा ब्रम.क्रु.वेंद.वेंज.च्र. पकुर'वि'पदि'र्ह्रर'षर'र्मेर'विराहराहराहुर'हे। रे'क्सराण्डे'यामादी। मुलर्ट्या यहेर व्हें वरपुराय पुराय हैरे हैं। देहेर पुराय कर विषय हैर बादी मुलार्याबहायन्त्रायामुग्यामुद्राह्रा देहासुरकाया व्यास बुकाक्षरम् कृताकुतार्मा र्रेत्र प्रवासाय । स्वासाय विकासिक विक यर मुद्दा है। देव स्थानी प्राया है। मुलाया सारहिदा दिया मुद्दा ਵੱਧ ਤੇਨੇ ਰਾਕਾਰੀ ਅਵਾਰੀ ਗੁਕਾਰਨੇ ਗੂਨ ਗੁਕਾਰਾ ਸਾਗੂਨ ਇੰਧ ਕੇ ਵਿੱਚ

मॅंट हिर के नियम है। दे क्षा है। के क्षा है। के लाग है। मुग्नमुद्दर्भ देहे.तुःक'द्या लटाका सुकाकहे कुर्नकुन्यं पकुर्न पदी र्वेट में ट विर के त्यर प्रता में ट के कर के प्रता ता हुना ने क्रक ਹੈ·ਬਾਕਾਰੈ ਗੁਕਾਸ਼ਾਗ਼ਾਜ਼ੂਰਾ ਰੇਕਾਰੁ ਸਾਹੁਵਾਵਾ। **ਗੁਰੂ**ਰਾਕਕਾਰੈਵਾਸਾਰਵਾ। שִים אים ישִיקבין אָיםיקבין אָים ישִיקבין אָים ישִקים יקבי मुद्दाद्वान्त्रान्त्रा मुद्देश्यक्ष्ट्रान्त्रा व्यापरे हेर्त्या क्रेत्रामुः है'नदा हैंगलायानदा हैंगलाया केवायानदा हैंगलायते हैंन्दा छाप्तवास्त्रवाप्ता प्रमुवास्तरे हे प्तरा प्रमुवासके सुराप्ता हिनाया त्रा **मु**रेटकर्ता धुन्वाचे पर्नार्यात्रा तुमारवात्रा परे मुन्गुव प्तावि प्राप्त । के सिन्य प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त । प्राप्त प्राप्त प्राप्त । प्राप्त प्राप्त प पश्चेत्रयात्ता श्चेष्यते प्रायकेषात्ता प्रवश्यकृताक्षा प्रवश पहुट बट में रहत दिया विष्युप्य दिया प्रति विषय के मुन्य पर्या न्वयायान्ता विवानु न्वयायान्ता क्षेत्रका के प्रवानिका न्ता विवायः सह क्षेत्राच्या विवायकः सः विवायकः सः विवायकः सः विवायकः सः र्टा नुबुख्यकु'स'र्टा **नुबुद्धुत्र**'र्टा **नुबुक्त**र्र्टा <u> मुबु'सु'र्रा मुबु'सु'श'न'र्रा भेराहायहु'यार्रा भेराहाय</u>हु' यान्दा नेदाहान्युष्यदुष्यान्दा नेदाहाम्यान्दा नेदाहानु निम्हार्चापरि। देशेनु कार्य। यमाक। युवाकरे कुन कुलायापतु बृहिम मॅंट हिर गुव हु गवद पर हुट है। दे हमन छै या मानी कुल में गी भी बेबामुपामुद्दार्देश देहे बुदाया बद्दा कुषा हे दुवा सुद्दा कुवा स्वाप्त कुषा है । स्वाप्त कुषा स्वाप्त कुषा स्व यरे धेर र्बेर भवापन्य दया कर सम्यर र्बेर या बुर रे र मार प्राप्त रे

र्गय व के के अ

बुल राजी गुरु में जेप क के कर्या है है है . से कर्या लट का व क कुल में द मा ठव विवादा मा सुदार है। दे त्या सु मा है वा सुदा। वै पह का दिया पर्राह्म दिति वैं प्रायम्भायामा व्या ग्रीका केवा प्राक्ष वा साथिवाया श्रीप्रा टट. ब्रूट. अर्द्र ब्रुच्च द्वार हिट. दें रचा वें वें टेंट वें अ चर्से अथ. श्री लच. ४८ थ. वें थ. चु'कुल'तेर'म'र्मर चेर'मरे कु'मेर'पर'। तर्र्रामरे तेर्'मारी वर्ष [[त**हेन'हेन'मुं'अर्देन'नम्**तर**मे**'त**र्देन'मया** ] बु'मॅ'मुल'ब्रेन'ल'नमर चक्रुरःया**दै रिकामणेदाणमा** देरादु र्वायाराङ्गाराकु शर्माकुरा कुर्ना पञ्चर'द्या देर**'कुल'र्घ' पुक्ष'**र्या देवल'र्द्द्र केन्द्र केन **इंग्डं खु केन पर भेटी ब्रेंब या इंग्डं बर्ग प्राप्त में वा युवा है। पा हेव या प** वैं फ्रांस इंटर **व्रंटर अंदर अंदर मार्थ व्रंटर क्रांस** क्रांस क्र र्घरु चिट. प्रे**ष्य अञ्चला चर्ट अष्टर भे अन्या** ट्ट ख्र्टा पर प्राया पर पर पर खुरावरा मर्विन नुष्य में के में सान्यर प्रमुदारी दें मुं के दायर में ही दे ब ब ब दे म्हार प्रमेर ब बा किया मुन्द अप मेर पा हो ब मि है प षदा मॅटाहिरानुपरहेव रुप्तुटाहे। दे क्षया ग्रेष्य वा वी सारवा मेटा तारविषयाक्षेत्राम्, बुयानीयानीटाइ। ट्रापानीयवुनीटाडी श्री श्रीयावर हॅंद'न्दा य**न**'झ'न्दा ज्ञद्येकेश्रनुय'म'न्दा न्दानुम'डव'र्बी चैल.चूं.एलवेश.भ्रेंश.चूं.भूं.क्षां चैल.मूर्ट.टवेल.टवंट.वर्भेर.र्। ट्रे.प्र.

केर्यम केरा अर अर्ल केंद्र र्या पत्र में च च केर्यन की ला क्रियम् प्रमुद्रा सुरक्षेत्र प्रमुख्य हार्म हिर्म हिर्म प्रमुख्य प्रमुख्य स्था देख्या पुरने द्वा देव राष्ट्र मुद्दा इव द्वार्य प्रमूर में म्बर्कारह्माम् देशपुष्ठाप्यस्त देशपुष्ठा कर्षा सुकारहे माने मेटाहायहुरमान्दा मेटाहायकुरमान्दा मेटाहारमुरायहुरमा र्टा वैटाम् विरान्ता वैटाम् कुलार्टा प्रमुन् परि वैटा मुबु कुल ५ ८ । मुबु सु ५ ८ । मुबु पहुंब स्य सु मुहे के हे से है । से ह ५८१ शेटाने ब्रुट्स शेटाने त्या अवीत है अहा सुन्ते त्या का की का साम की स्व **रु**णानी अर्केना मुरम् सुरायहाँ। देरशासुरायही हो। वला प्रदारा वा ५७८१ में में वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा असः मृहेगाही द्वायान द्वापान द्वापान विद्या विद्यापान वि क्र. २८. र्षेत्र. ता. कीला ता. २८. । विकीत वा वा विकासी विकासी विकासी विकासी विकासी विकासी विकासी विकास विकास है। श्रेट केव दिया के दिर हिव या अप्यापायही यह दि है । ब व्यापाय मुर्वे हे। क्रेन्ट्राह्य पानु निवास मिन्ट्रा हिवा है वा दी मुद्रा मुद्रा स्ट्रा सुर्वे भेग्यायरारमा वर्षे अराविर सुर्वे रखेटामा ठवावी मेर्या वर्षे सु वै पन ते वे प्रमान के प्रमान नुपायहै तु दे रामा उदारहेद के दे है। रामा पर्वे सामर मुरादेश कुला यहिर निर्ट.केंट.ह्नाया ब्रट.तह.एलंट.केंट.कटा क्रि.तह.एक्ट.त.चट.ट्री

देग्लटःश्चेत्रयाकेत्रदे। विदेशस्यकःव्यव्यविष्यविष्यकःशुःकुलःस्यकः मृद्द्रःश्चेर्यादःद्द्रःस्वरःवरःस्वरःस्वरःस्वरःस्वरःस्वरःस्व

सुन्द्रवान्तराद्धी कृषा देवावावि प्राप्त प्रमुक्तराद्धी कृषा प्रमुक्तराद्धी कृषा प्रमुक्तराद्धी कृषा देवावावि प्राप्त प्रमुक्तराद्धी कृषा देवावावि प्रमुक्तराद्धी कृष्टि प्रमुक्तराद्धी कृषा देवावावि प्याप कृषा देवावावि प्रमुक्तराद्धी कृषा देवावावि प्रमुक्तराद्धी कृष्टि प्रमुक्तराद्धी कृषा देवावावि प्रमुक्तराद्धी कृषा देवावावि प्रमुक्तराद्धी कृषा देवावि प्रमुक्तराद्धी कृष्टि प्रमुक्तराद्धी कृष्टि प्रमुक्तराद्धी कृष्टि प्याप देवावि प्रमुक्तराद्धी कृष्टि प्रमुक्तराद्धी कृष्टि प्रमुक्तरा

द्रेश्चन्याः क्ष्याः व्यवस्य क्ष्याः क्ष्याः व्यवस्य क्ष्याः व्यवस्य विषयस्य विषयस्य

पप्रवा रेष्ट्रे केरे विष्ट्रिया केरे हैं प्रवास केरे हैं प्रवा 무행5'55'| 「ス・ロ・呉エ・賈エ・芳」 = うれ・ロット・潤下・[[ロ**・日・]] カニ・ガネ・**[[ロ・丁]] 「ロット・ | 「 याकन्यानी हार्ने पाक्षित्व के विकास के हीटा रेव में किरे सम्बद्धी कन्या मेरे हेटा है। रे राम मु हेटा वया हिंदा म्बर्भिक्षे वर्षित्ववर्षात्र्वा देवा तर्षाति हैन्द्र हैन्द्र हैन्द्र चार्थर.हे.हेब.वेर्। ट्रु.च्चय्य.वे.हे.ख्य.हेच.हे चेर्थर.हे.च्चयय. विषामुही देखामेदायामसस्यामहेसमुहाम् विषेदामुही दे लट. तसे जाता तचट रूपि के विवय उर् से ति विव र पाट में बार्कर में के र पा वनामानामा विम्यामा सेन्या स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता वनासु ५न्द्र'वर्षा य५न्दरम्बद्धःहिद्रया**वे५'मा देन्त्न'दे'इ'**५६ के निर्देशका अनारमें निर्देशका विद्यालया विद्यालया विद्यालया विद्यालया विद्यालया विद्यालया विद्यालया विद्यालया Ð,ां.ं.ं.ंचं.ंटथर.४४.४४। धूट.ल४.अधु.ख्र.४२.वा **द्र.बै**ट.**ड्र.**अ. परः ॐ त्रुण्यः ॐ कण्यायः ॲत्र्नां त्या भेणार्वः दा म्याकल्या स्वा वैन्'मैस'सरीय'सह्त'ग्रीस'सुट'तस'देस'दस। स**ट**'र्'¥स'सस। णुष्पर्तेनाप्त्वरत्र्यत्। श्रृतरत्र्वेत्रययायावर्तेनायवत्या देववर**्वेव**र झ्टबः मधुः रेटः म्हार्टः हिरं दे . चर्चे . चर्चे . चरुचे . चरुचे . चुरुचे . चुरुचे . चुरुचे . चरुचे . जारुचे . याचुकामको वसकाउदाञ्चकाहे अस्याका विस्तराकुँ अस्याकी स्वाप्ताकुँ अस्याकी स्वाप्ताकुँ अस्याकी स्वाप्ताकुँ अस्याकी वयः चुटः हैं। दे ` कॅस स्वरंहें व ` कॅट कर साम है ' खुन' ९ येश माला। सु**स**ंगी ' ऍ८.५.४अथ.श्री टे.४४४४८.पर्थे.४४४.वी.त.संबर्धेश.क्ष्या.

र्दराविरे वे 'हें न' क्षे पु 'केर 'घॅ 'ह अव खु 'कॅर 'घकु र' घा रें 'वळें न 'हु ट 'है' हर हैमाया कन्या श्री श्रेमस उदा निम्म निम् हिमा के मान निम् ह्या विदार्भ माया दे प्यता ब्राम्बन विवयं कर प्रेम्क दिया गु कर देन ९हॅर'हे'कुं'लरे'वहुन्'बेन्'मॅं'बे्स'बुं'वहुन्'बेल्'बें'कुं'ल्लाल'वेंन्'हेट'बुं'वहुन्' वित्रम् क्रिस्वयारम्बायम् गुरम्म नेहा हेतायासावम् व्याप्तराह्या बिसामुप्ताम्प्रीनाचेप्तर्भन्नुग्नाप्तरेश्वामुन्तानुः अनेप्ताम्पर्ना रूप ह्यटा है 'हेर बेगाया निवास सम्यावि क्या पार्वे पार्वे वा केवा वि नियार ৾৾<sup>য়য়</sup>৾৽ঢ়য়৽ৢৢঢ়৽ৢয়য়৾৾৽**ড়৽ঢ়ড়৽ঢ়ৼৣঀ৽ঢ়ৣঢ়**৽ঢ়ৢ৾ঢ়৽ঢ়ৢ৾৽ द्रम्याप्ता । तकाकुन्त्यरानिकाञ्चरायमानुन्यातिःकुष्यानुरार्दा सुरम्बन्य श्चर ब्रेस श्रुम में देवा देव से साम प्रतामा नियम स्वर में साम विकासना व मी हा पा लेव 'देव में मेर में में का है का निया है मा निया मेर मेर लट.विट.की चम्रुप.ट्रेट.बेट.केंश्य.श्री ट्रे.वयारवियायाती.लेवी.या.स्ट्रे म। क्रेंकारेरे थाने प्रदेशमें प्रदेशमें व्याप्त प्रदेशमा व्याप व्याप के व्याप के व्याप के विषय के विषय के विषय बुवा अपा बुवा मेब पर प्रेता प्रमा हैया या श्रमा प्रमा विवास कर है । ८६ ब.१४४.१४५। प्रत्यार्शेट.लाअंट.कै.८८.४४८८८.४४.विथ.धे। विसामसा भः भ्रा दे माना हे भारत प्रमा मीया विद्या वृत्ता प्रमा विमाप्त वि मी पर वसारविसार्वसाम्बर्धाः लाज्ञाः स्वासाम्बर्धाः स्वाप्ति वसास्त णुटा बेन्'र्ने बेराव का हु**बा छुका सका** ने प्यटा बुवा यर ख़ुरा है। ने बयायातात्राह्याक्षेप्तानुत्राह्या त्राह्यात्रापुत्राक्षेत्राव्याप्तान्यात्राप्तान्या

बुदायके सक्षां वृत्राया वृत्रकातु र्देन दे। देन खंदिन खंदि खंद का यदा बुदा देर्रेके महिना मेका महिना लाखर हु। हुर हु। हुर हा। वहना नैका **न्रेन्। त्राक्ष्मात्र्यः ह्नाक्षात्रः स्याप्त्रक्षायः त्रायहेवः वक्षाक्षायः क्षुः यरः सुरागाः** חיקבין בניםיקבין שימיקבין ביםיםפרומיםיקבין ביסיםי मेन्द्रा देश्वाम्बर्धाः वरामेन्द्रायः भाषान्यः सुः पर्वेषावाने। देवे छः दराया रदारदाम्यानम्याने प्रत्याच बुद्धान्या याळाया सुन्यान्या प्या यातासिरात्रावियातायाय्यानिराही विराह्मियाया त्यात्राञ्चरतात्राचेराहेरह्दान्दाण्याच्चुरेरवत्राचुटाहे। त्दाञ्चर**वेटाका** नुवासामिता श्रेयाश्चित्रायरे त्यारे वेरावसायन्यात्रिकास्यात्राच्यात्राच्याः विष्याम्या है। श्रेरिन्यावदेरिप्तायादेवन्दिष्यादेष्यादेश **द्रअस**ण्णै'वट'रु'रेषा'छेर'रदेॅब'खेट'चर्या श्रीट'यय। अत्व'व'रदेंब'खेख' मानकार्य। नुकार्धुकान्त्र रमका द्वाकार्यकार्यकार्धिकार्वे वकार्ने हेरि हिंगा नु दि है (८कूथा) पष्टु भव्रवाचाराया देवया थी. विषया विषा हो। विषया प्रविष्यः श्री प**ढ़ी-८**--हिब-परी-प्वकाविन-प्रैक-प्यक्ष-ग्राह्म- हिका ग्री बद्दानाथा हिरादेशाची ना श्रेटारी में ने बंदा भी है । वंदा भी वेदा व्यापनिया ८८, म्बन्यामी, वटा वया मुन्दाना चीवेचया ने देवा

मन्षायाचेनातुः पड्वादे। नेपान्यम् पस्तायायान्यात्राया मःसःकर्न्यःकॅर्र्रेष् चत्रदःर्द्रातेष्ययःयःवुयन्यःसःवुर्त्वारःर्द्रायदः **इ**त्यः भूचे दुब्रः श्रुवः तः स्ट्रान्य व वः तः दुवा व ववः वर्षः वः वश्वः यर'मर्नि'मन्तर'मुसरहे। मुँद'मर्यर'स्ट'मी'स्न्राय'कर'र्ने। देर'म्बद' इसका इन्द्रा त्री त्रीपवार प्रकासीया कर्षा स्थान स रे न हुराया दे राया है वा के वा स्वापना देर स्वापना न वा का का का मार्च **बेयःग्रन्**यसःसं। असःस्यायगुरःसयाद्य। असःस्यायगुरःसःबेयाप्तरें। देः वसःबिटःनी'यन्नाम्पन्ना। व्यवस्यरःचुरायात्रवसःउन्तायव्यत्रिन्ना भैदःश्चिदः प्रयादिर ख्यया ठर् र प्रातर प्रेर प्राया कुल संकित र्वे व मुर्दे। देवयाश्रेमसंक्रियात्वाया व्यट्गमयाविद्यायाद्वादा कुल दुन। अन्यमम् न्दर रस्नि या पुन समिति सम्मित्र स्टर र विवादा या विव में गुव कुष कर् या पठर या पर है में प्रायः र दाया देनकःह्वं प्रदेशः । वृद्दि । वृद्दि । वृद्दि । वृद्दि । वृद्दि । **इंट्यन्तः इययः** दुनः त्म्र्नः प्रायन्य। हुन्यः सुन्यः सुन्यः सुन्यः सुन्यः सुन्यः सुन्यः सुन्यः सुन्यः सुन्यः स क्रेन्यायाक्ष्मायाक्ष्मायाक्ष्माया त्रम्यातात्वा

की इसमा के अद दे दूर में पा व्यापण्डावर स्वाप्त स्व **७ मृं**न्। कु'ब्रुन्'केस'चु'पर'चुरा देहे'चु'नमे'प। देहे'नुस'सु'की' इससाग्री सिट दे हिला हुसा दिया मुहा दि दि सु दिन सके मा हिद दिया मुखा देश-तुस्र-सुरक्षेर्द्रस्रस्र ग्री केट देश्चेद स्वर्गेद खेरा मुह्य देश दि देश मुह्य के त्यन्यायाः देशिश्चेष्ट्राम् अद्याविनायुराहे। तहवाविनामेदारु विहेदारा म्द्राक्ष्या हे के निष्ठा महामान के निष्ठा महाम के निष्ठा महामान के निष्ठा महाम के निष्ठा महाम के निष्ठा महामान के निष्ठा महामान के निष्ठा महा मा बह्यान्तरक्रान्तर्भाता हुयानु केन्यारी अवन्युवानु कर् ८८.र्षेब.त.खुबारवैर.र्षे। श्रुट.लट.श्रुव्य.श्रुब्य.खुब्य.वे.ता बाह्य.श्रुव्य.प्रवाधाः ৾ঀৢ৾৽ঀৢ৾৾৽য়৽৾ঀৢঀ৾৽৻৸য়৽৾৾৻য়৽য়ঀয়৽৾ঀৢ৾৾৽ ৼ৾৽ঽয়**৽ঀৢ**ঢ়৽ঢ়৽ঢ়৽৻৻য়য়৽ৡঀৢ**য়৽৻ঀৢ৽**ৡ लेका कु प्रचा में द्वारा किंदा मुला द्वारा तार (यका ) कु का (बु र) के का माना का की नेसाब्रीटायबेरिक्षान्दायकमायार्विक्षाम् नामान्यम् महत्र्त्रं नेरिक्षे पाल्दा खण्याकु कर्राञ्चर करामसम् देर्श्या १००० करा के राम्यान करा करा करा विकार विकार विकार विकार विकार विकार विकार व नेट केद कर देवा निक्र के प्रमान केद कर के किया केद म प्ता केवसंख्याद्याप्ता हे प्रमान्त्वाता क्याप्ता केपाला केपाला के विषामु प्यरामुराहा भेर्मभया**र्यभया**यरामुद्दा तहतायरामुद्दा हेरायर र्हेन्'यर'मेर्टा प्रवस्ता न्वा हैन्स'द्रामंहरे'न्द्रस'र् लकःग्री**ॱन**दकःषः५८,तः वेट.२.५६**न**.त। **७८.**पकःश्रीकःग्रीचनकःतः**श्र**धः ष्य 'देव 'चे 'चर' चेन्य क्षा चुल' में 'हुन' में 'तर्दे 'दन 'दे 'के 'के 'के दि 'दम 'हु' बेर केटा रमण हु बेर मार्विर स्वा हुर मा के दार्दी।

गुरमेदरसुरदेरमेनवःह्नेबा सुरझरदेरमवेदरझरहुदरम्दुदरहे। ८विंदर मालाबिदायार्थमा है प्रमाण र्वेषाया वाहे का स्वाप्त में पुरिष्ट प्रमाण किया सु वे प्पृत प्य स्टा दे दे पु वे गू के दे दे दे ते पु वे गू के दे दे दे ते पु वे गू के दे दे दे दे ते पू देहैं ख्रुका है प्वति गुप्ते देहिं। देहैं पुप्ते व्यक्ष वर्षे प्रमा देहैं पुप्ते प्रमान एव कें। देश सुर्व स्वर हा देश सुर्व के प्राप्त के प्राप्त के सुर्व स्वर के प्राप्त के प् रयानु झु यञ्च मुकाळे दा देशे सु दे यदे से दे दे हो दे हैं सु दे हैं सु दे हैं सु में देश-व-वे-ह्र-पानवन-देश देश-व-वे-कुष-वे-त-देश देश-व-कामा लट.ष्यं श्रीका कर्षः चुन् त्वा के के के के के कि प्राचित के के तार्थः चे ता हो र प्राचित के कि प्राचित के कि प कुल'श्रेर'अन्तरक्रहर्दे। खलामुन्द्रहेन'रु'चुन्द्रं। देदेरदेन्। देदेरदेन म् अ विराधिता हिमानी ति स्तर्भा निक्रा मिन्द्रा निक्रमा निक्रमा निक्रमानी देहैं सु दै तह न न से देहें मुला देहें सु के न हैं पह प्रमेही देहें सु 로그리 교다로이 심외·포성·흴-스타·이석·흴-쾰마·전·단·첫다·릴다는 다 वुं बहे कुं त्या गामिट गहे कुं सर्थ हुं दे हुं कहे कुं नि लाञ्च भागित मुलाया प्राप्त व हिंदा पुरा देश के अरे मु निया मा में भेर हर में ਰੁਕਾਧਾਰਗੁਰ ਵੇਂ ਵਾਰੂਵਾਵਾ। देवे छै। अवे जुराय। वें राया वव जुै। जुलाया

प्राचारित स्वाया विष्या विषया विषया

देशे कुन घर वेबरमान्। कुल में हमा उन लग्म मुक्ति है। हि ना ना है **५८। कैं** '५' बर्दे। इं 'र'ङ् 'हं '५०६' पत्नुर'व्याकुल' में 'वेदा प्रहर' कें '५' बर **5に、数に、ぬくずはもいないとうというというに、ないない。また、数に、まいちに、あれいれば、** पत्र। मैं 'न 'अ' ने बार कें 'हर 'खा चुर है। चुरह है व 'नु पर्य न है व कर हित का ने बे देट न द से बहे ही ल से पुरुष है में का मा यु तहे द द सू न ति हि त ति से मा पवट सं पुरापाल। सुरा देश हो साम् पर स् राया प्राप्त माना स् कुद्रिकुद्रवास्त्र हिंदायायात्रहेंद्रायराविकान्नद्रवास्त्र हिंदियायाहिताया बुबान्ध्याम् राष्ट्राचा देव्याचा के प्रेताचा विद्यापा वा वा विद्यापा वा विद्यापा वा विद्यापा वा विद्यापा विद्या न्तः मं क्रिंग्यते क्रिंग्या ने ता मन् अते क्रायन् विकारे के क्रिंग्या क्षान्रामवत्थाक्षाक्षाम्याम् वर्षान्या मूर्यम् स्थान्या र्ने'बेबा गुःहें'र्टः झुं'केदःयंबार्हेम्बास्यर्यः श्रृंमा'याः) क्रुेन् ऑबाक्या मुै के गुद मुक्त र्वे वा मिंदा मिंदा के राम है न मिंदा बरि रु त्यन्। व्याप्ति व्यापति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्यापति 24. 날고, 교고, 교회 통성·비꽃 신·朮· [(남국신·)] 황·복회성·석·소 1 년화, 夏仁 [त्र्रेस'] र्ट में पुर् सेर्'ग्रे क्रूर हैं सा देवस मन् र में बिस सामहन्स

ञ्चर'ह्व'र्ट्र वेद'नवुव'ञ्चरायत्री'या कर्पा'गु'यर'रै**नव'र्य। वेय'** वस। मुलर्पेरे कृत पुरम्भागता मुलर्पे साम्या मेटाल क्रुव के स ञ्चराद्या द्वापानस्यानदेशमन्दर्भस्य विवादयान्तरम् वयासुः विष्याने त्राप्ताने विषया स्थाने स हुःसुःन्दःषदःबेदःर्देखेबायःददः। हिदःशः**द्यदःर्यः**शुःषॅदःहेबायःदद। रायान्यरार्यान्ववाकेनार्ने। हेसायाकेनावा वसामानिशमर्नेनान्त्रेरा ष्ट्र-खुर-हेना हे सामदेव महि दुर्मा हुस-या हुस-पादा देर-व्यामाय निरामा सेर मक्षेर कर्मि पृ ग्ममक का किं फिर कका इस अस्य किर कर्मि वा वा माने के ਗੁਨ੍ਰ ਕੇਨ੍ਰ ਪਾ ਅ ਰੂਨ ਫ਼ੁਰਾ**ਗੁਨ ਕੇਨ੍** ਨੀ। ਇੱਨ੍ਹ ਗੁਕਾ ਨੈਗਕਾ ਗੁਨ੍ਹ ਧਫ਼ਗਾਰ ਜ਼ੁਰੂਨ षॅर्'र्र'वेब'ञ्चुब'यय। पर्**ष'**कर्'यश'म्रुट'पब'बुब'य'बेर्। बाप्व' यॅबरब्वेबरम्बरकरायम। **हुटरबेरर**मुग्मञ्चटकरहे। कर्रायर बेरमर्दा द्धलायद्वेदामुग्यामा द्विनायदेश्द्रिकन्यामा चुरुपार्द्रम् । पुरविष्यार्वेद्राचेन्त्रम्यान्त्रेत्राचन्द्रम् हेन्यान्द्रास्या क्टरवी,क्षा,टे.क्टेंट.पश्चातश्वा,वीश्वा,क्षा,विवाताषु,वीश्वा,च्या,च्या,च्या ५८.४५ में १५८.४ अथ. १६४.६४ में १८४. में १८४. में १८४. में इसरा ग्रीप्स्ता सेमरा मही है द का वेन का माने माहिता की का सुप्ता की का सुप्ता की का सुप्ता की का सुप्ता की का ଘଞ୍ଜ'ଘ'ଘ'ନଶା ଦି'ନା'ଞ୍ଜି'**୮୩**୬ଶ'ଶ୍ୱ'ଅୁ-୮୮୭ଁ। ଖ୍ରିଟ'ଘ୬ଘର'ନି। ୬'ଅନି'

मिहेद'र्'। सु'र्याभेट'य'देव प्यत्। देग्महेस'हे'स्या सुद्राया।
हे प्यत्रे रेम्या देव प्यत्। सुर्या भेट्र या प्रे प्यत्। सुद्राया सुद्राया सुद्राया। सुद्राया सुद्राया। सुद्राया सुद्राया। सुद्राया।

न्नप्यादेरान्तराङ्गाहानी देग्यानुम्बेदा देरात्यव्यान्त्रयान्या भॅ**ब**'मुरु'हे। ग्रेंद'मॅं क्रिंक् स्याप्त कुर्या कुर्या विकार् स्वाप्त कुर्या ठमः नु 'न्यनः यञ्चर' रे 'बेरा बेरावया इतः श्रें न 'वन' या पन्नारम्'रुन्'त्र'क्षेत्र'क्षां कुष्यम्या विन्यम्'नेत्र' सहैं पुर्दे। तर्ना में कर हेराला कुला केना बेरा व का में सही मामे का की नामे हा ला न्नराम्ब्रुराव्या नेपायुरसेन्यरायी नेहीरहमासरायुरस्यायी तुःरबःकृतःसःसःतःपासुबःचुतः। तुःक्षः**ण**शुक्षःक्षेत्रासः**न**हा। पद्ध**दःक्रः** ॷॱय़ॸॱॻॗऀॸॱय़ॴ ॼऀॴय़॔ॱऄॖॱॸढ़ॱॴॴॸॴॹ॔। ऄॖढ़ॱय़॔ॱग़ॖऀढ़ॱॻॖऀॴॼऀॴय़॔ॱढ़ॖढ़ॱ यां **गुः**हव'स मुद्रा दे रहे तर है दे हुन मुद्रा हुन स्वाप्त कर स्वाप्त है दे स्वाप्त स्वाप्त है दे स लेखाञ्चरामर्था ५'र्टाम्युद्धार्थाञ्चरायशक्रमाचेरा ५'केरामाक्षेरा र्वेद हेर पा यन। द शे हेर पा है हे त होर। दे पा या महुला के द पा महुला के द कुलाच्रेकुराणुटाकुलाकुटाकार्वेटायायाको हेराहिटाहे हुराया। ॐट्रेग्नाला 

नियाचिराचराचिर्राबेयायया चिलाहात्त्राबुह्माला **च**र्थरा**ञ्चावा** चिला मॅं माब्ब दे दे दे हो विदास स्थान लाक में पुरायदा कुल शेर्वें के स्वाय के स्वाय हिंदा के स्वाय किंदा के स्वाय के स्वय के स्वाय के स् **स्रापाति.विटायाचीपात्र्याचीयाम्यातास्याचीयाम्याचीयास्यायास्याचीयास्याचीयास्यायास्यायास्यायास्यायास्यायास्यायास्यायायास्यायायास्यायाय** हरानु अंतर सुरा के सिंह के सिं ঀৢ৾ঀ৽ঀ। *ঢ়য়৽*ঢ়য়**৸**৽ঢ়৾ঀ৽৾৾ঀ৾। ৾ঀয়৽ঢ়য়৽ঢ়৽য়৽ঢ়৽য়ৢ৽য়৽ঀৢ৾ঀ৽৾ঀ৾। ঢ়৾ৼ৽ঢ়ঢ়৽ र् पार्वेश्वरात्रस्या चि प्रिविश्चेश्वराया श्रेटाकुला श्रेट्रप्राय चु प्राप्त प्रविष्यं दे त्रायः केता अपिता केता विष्या विष्या विष्या विषया विष्या विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया **ॻऻॹॴॱॸॱॎॹ॔ॱऄॸॱॹॗढ़ऀॱॻऻढ़ॺॱढ़ॖॱॸॕॱ**ॹॣॺॱढ़ॣढ़ॱऄॸॱॸॖढ़ऀॱढ़ॼ**क़ख़ॱॸॱढ़ॱऄॸॱॱॱ** র্ভুলার রা ভার্য নার্কাজন নার্বারা ভার্ভুলার নেই লে ট্রিকান্ত নের স্কা ८५ु**ना**-तर-श्रे-द्रनेबा श्रेट-द्रहि-नेल्न-वै-तर-द्रनेब-श्र-ब्र-क्र-ह्रा-ट्रेर-कुल-सु-मुख्य-कुर्या इट-क्कॅट-केर-कुरे-पहे-पवक-द्र-। वन-के-र्रट-पर'र्भायते श्रुभार्म 'त्रुया है। मवयापहण है'रियावया रे'न्याया हैवा है' देश'९क्वे'पर'पुरु'र्थे। पर्धे'म्बर्थ'सुर्'द्र'प'५८'। सर'क्वे'द्र'स'पपस य'त्र'। त्रिन्'यरि'रुर्त्र'कन्य'ग्रैय'म्तृत्य'यर'यहेद'यन्'यरि'रुत्' <u>इत्रब्रिंग्वेश्वर्ष्र्यः प्रवर्ष्व्या कुर्</u>नेवात्त्रः मृत्रवात्त्रः विद्रायाः कुर् रदःवीःश्रदःस्रदःहवःहेनाःतुःदम्दःसम्यन्दःश्चितःहेनाःहेवाःस्र <u>दे.के.वि.२८.८थ.बुब.तथा</u> वृथ.हेब.ट्या.केज.इचे.४चथ.हे.टय. इट मैंबा दे हिर हुँद हेन है पदे पर हुँद हैन हैबा इट हूँट में **ण्**षु८ॱळ८्'अ'भेव'र्वे'ङ्गअ'दश'८ण्ठ'अणु'२८श'हे। रट'मे'श्रेट'ऑ'णुद'

५८ द्व रेन रु पहेकरो। विद्या श्वरायवाय विद्या दिन स्वर्म रि इत्युरान्। रार्षा हेर्यान्या शुपारानुरायसाहरार्ख्या प्रवाचित्रक्षे चित्रक्षेत्र व्याचित्र व्याचित् हेर-कुल-सु-नशुक-कुक-इट-र्झट-केद-सं-विद्युन्त-भेन वहना-उना-प्रतः ८नुमार्याक्षेमार्थेमार्थ्यायमा नेप्पविदामुर्देश्चेराद्या म्बेरानीपुर अ'तुअ'क्वेष'र्म्म् हिर'क्वे'रे'ऑ'वेष'याय। इह'र्स्चर'नेष'न्व ब'र्णु'न्बे' पर्नेट प्रमा बेर क्रुरे में ट हिर देव पुरें। देर रुखेश केव की प्रें प्रमाया सुरद्वार कुरान्दर है निया सुद्वा देर मूर्य हिराय निया में द्वरापद्वर वेराप्तापर मान्यर्थ। दे द या कुल श्रेदार नार वेपा (५ नार की) दवा तुःन्तुअःङ्गुनवःम। २५५-वैःमहनःमवायुवःन्वयःन्वयःन्वयःन्वयः चुट'पबा यप'कुल'र्घर'न्बॅल'यर। दहे दे 'य'हे 'दर 'यर 'ह्न 'हेब'यब। য়য়৽ঀয়ৢয়৽ঢ়৽ড়৽ঀৼ৽ঢ়য়য়৽ঢ়৽য়ৣঀ৽য়ৼ৽ঀঀয়৾। ৼয়৽ঢ়৽য়ৄৼঢ়ৢ৾৽ঢ়ঢ়ৼ৽ঢ়ৼ৽য়ৢ৽ ढ़ीना'नद्दं र ऋ' हे र 'न 'ॲंट' । ॲंद' रॉस'न ऑसपान। समानसुस 'ऄंट' ऑ'न्ट' पत्रतः श्रेष्ट्रम् । विष्यः विष्य बढदा देवा त्रिया प्रमानम् । विष्णु विष्णु विषा विराप्त विष्णु विषा विराप्त विष्णु विषा विष्णु विषा विष्णु विषा עבות שלים שלים שלים שלים

मॅ'र्हेट'र्टावमुष्यम्यायुटार्ट्य देशमुर्देषुम्महेर्यु स्राह्म इं'र्टा ब्रह्मं के'र्रुयार्टा मेटाम्रुपाठवालेबामुर्दा दे'र्माया वै·य़ॗॻॖॱक़ॆ॓**वॱॸॕॎ**ढ़ॆॱॸॆऀॻऻॺॱॿऀॺॱॻॻऻॺॱॺॕ। ॸऻॸॱॻऻ॔ॖॖॖॖॖॻॱढ़ॿॱॻॖऀॱय़ॖॱढ़ऀ। मृत्य ठव भी विषय मुप्य मुद्र दें। देशे सुर वे भव व वर देश में। देशे सुर वे पः त्रान् निष्यां विष्यां विषय ५८। बटाने ब्रह्म ८६८ सुदे हीटाने हे केटालब वसका उटा ग्री सर्वेना वैॱकुलॱमॅॱळेवॱमॅॱऄॺॱऄॸॱमेॱढ़ॻॖॺॱऄवॱवॅ। देॱल'तुः[[पढ़<u>ी</u>]]५८ॱसुॱऄ॔ॱप**ढ़ी** चु'ळे'च'दै'वर्षाच्दाया दे'या'खुराखुराबदीय'वर्दे'व्यव'प्रदेश'या ଦଂଶ୍ରଦଂପ୍ରଂମ୍ୟ ଅଷୟ ଓଟ୍'ମୁଦଂଧଂମ୍ମ ମୃତ୍ୟୁମ୍ୟା त्रीद'र्झ'दी। माठ'र'स। देशे'सु'दी। येनस'यर'रम'सद'र्दी। **माहेस**म्य' चल.र्यार.ज.वी.पोर्डेश क्र.रट.र्वेब.त.क्रिजान.रटा वचट.र्वेब.स्री चल. न्नराचु श्रेट अं वे न्नर अंह। नेहे सु वे त्वेट मार क्र वें। न्युक्य सम्मेर प्रचयाताता प्रेयापया क्रांट्राह्याया क्रांट्राह्याया क्रांट्राह्याया पर्न के अवस्थाता मुहेबाही के निर्म स्वरमा गुवानमा के का चुैव वें। श्रीट अंदि केंद्र र्द्र व्यवसंहर् चुनः परे ख्रवादी ञ्चान्वद्रव्हेर्द्र दे देरमः हुःचुनः पर्य न्याप्ट्रभाष्य महें कु न महिन कर के अपने हो। दे प्यव कर के की कि सम्बद्ध के कि के कि सम्बद्ध के सम्वद के समाम सम्बद्ध के समाम सम्बद्ध के सम्य के सम्बद्ध के सम्बद के सम्य मा व सामास्यानराम् सुद्रामा हुनसारि पाविवा सेवा है।

हीर.की.की.कि.पट.र.त्रिक.ल्स्ट.स्।

हीर.की.की.की.पट.र.त्रिक.ल्स्ट.स्।

हीर.की.की.की.पट.र.त्रिक.ल्स्ट.स्।

हीर.की.की.की.पट.र.त्रिक.ल्स्ट.स्।

प्रवेट.की.क्ष्य.की.पट्ट.।

पक्षेट्र.कुंच्य.स्.कुंच्य.का.क्ष्य.की.पट्ट.।

पक्षेट्र.कुंच्य.स्.कुंच्य.का.क्ष्य.की.पट्ट.।

पक्षेट्र.कुंच्य.स्.कुंच्य.क्ष्य.की.पट्ट.।

पक्षेट्र.कुंच्य.स्.कुंच्य.क्ष्य.की.पट्ट.।

पक्षेट्र.कुंच्य.स्.कुंच्य.क्ष्य.की.पट्ट.।

पक्षेट्र.कुंच्य.स्.कुंच्य.क्ष्य.की.पट्ट.।

पक्षेट्र.कुंच्य.स्.कुंच्य.क्ष्य.की.पट्ट.।

पक्षेट्र.कुंच्य.स्.कुंच्य.क्ष्य.की.पट्ट.।

पक्षेट्र.कुंच्य.स्.कुंच्य.क्ष्य.की.पट्ट.।

पक्षेत्र.कुंच्य.स्.कुंच्य.क्ष्य.क्ष्य.की.पट्ट.।

पक्षेत्र.कुंच्य.स्.कुंच्य.क्ष्य.

म्वार स्वार स्वर

करार्ययापुरामाद्वास्थ्यः भ्राम्बदात्रहेदाणदाकेत्रः त् । वेगरमय ह्युमायमाप्यद्वापुरामाद्वापुराम्बद्धाः म्रिक्षाः स्वाप्यापुर्वेदाः स्वाप्यापुराम्बद्धाः स्वाप्यापुराम्यापुराम्बद्धाः स्वाप्यापुराम्बद्धाः स्वाप्यापुराम्बद्धाः स्वाप्यापुराम्बद्धाः स्वाप्यापुराम्बद्धाः स्वाप्यापुराम्बद्धाः स्वाप्यापुराम्बद्धाः स्वाप्यापुराम्बद्धाः स्वाप्यापुराम्बद्धाः स्वाप्यापुराम्बद्धाः स्वाप्यापुराम्वद्यापु

है.तर.वी.चर्चपात.११.वेड्र.ल.क्व.रट.श्रुड्र.ट.त्.लुब.हे। बाटबाक्ब. ब्रेंटारविटायायया रविनाविराकी अर्देर्या र्मोटकायार्ट्यायार्ट्या ॅॅंडॅॅंट'केव्'र्नारहॅसस्'द्रसम्'पन्। स्थानुत्र'नुव्'वुव्'पर'पन्'री। म्बेर'लुट'बर्बुब्'यदि'बर्दे'न्टः। वेर'धेुब्'ब्रूट'यदि'बर्दे। म्बर्यट'यप्रकाः **ฏิลาล**าธุกานล้าลร้าระบุ กลุลานากสะานัลาลร้าระบุ ลรุ**ลาน**ล้า सदसम्बुरार्यसम्बिष्टरार्वेषायरायम्पर्दे। दिरान्येरेरेखेषाळे बर्दन्यायम् सुदायदे कुला विदेशस्याय विदेशी यद्वा केन केन संदे द्वा की र्दे। यदे.यर.योजुयोबाराह,लूब.२वे.जायक्रयंबाहा ।ह्रा.ब्रांकायंबाह्यः इसरा गुरार्ष्ट्रियाता गुरार्तु। १८म् पा द्रम्या गुरद्गाना मुन्या सम्प्राप्त यद्याक्तित्वास्त्राच्याः स्वाप्त्राप्त्राच्याः विकार्षेत्राच्याः भीति स्वाप्त्राच्याः कुलारपयाद्या ।पहेवालाद्याम् वयाताद्ययापरावद्या ।पर्व्यक्या ८मन्'र्'अ८ म्स्रिम्पर'वै। विश्वत्ते त्रिक्ष्ये कु. बिलाव साम्स्रिम्स्यः लग्रा

ब्रुवान्दरा वालुलाहरायहिंदायाद्दा (ब्रिन्बुवार्यवापावानामा क्षेत्रा चुकाने। वाख्यायकुं प्रकार क्वार वाहे देवाका प्रस्ट की देवाका पर्छ प्रकृत प्रमा प्रत्नापर सुर हैं। उपा है 'बेब 'चु 'परे 'कुश' में। प्रतः विकास विषा प्रतः प्रतः विकास प्रमाण्यात्र मुद्दार हो। सुद्र सेद्र गुँ क सुनाम सुरु व माईका है। मुन्दे वित्रत् खुन्याने। न्य यायके देन्या नित्र वित्र केया न्या न्या या विद्र दें। चक्कर्न्दरक्षामुदर्दे। अदावित्र में देर्न्ना स्वायक्षका हे रहिना या केवा में र **नुकार्का देवे के खु ।**नुनावहन के बार्च का के पार्च ने की पर में का सुकारी का की का की ८वर्प्सराष्ट्रभवायायर्षे प्रमुन्रप्तरायर्थायायत्वायायरः सुवर्श्वा प्रमा**रम्** मॅंदे'सु'हुट'र्नेश'रु'य'र्दे'बेश'यु'पदे'कुल'र्स'दिंद'द्द'यरबापबा ब्रुमः गुःर्यमः मैकारहिष्या है। वर्षेर् ग्रुग्वनः गुः व्यापा য়ৢ৽**৾ৼ৽৾য়৽ঢ়য়৾৾৾**ঀ৽ঢ়৾য়৽ড়৾য়৽ড়ৢ৾য়৾ঀ৾৾৾৽৾ড়য়৽ঢ়৾৾য়ঢ়৾য়ঢ়৽ঢ়৽ঢ়৾য়৾য়ঢ়ঢ়ঢ়৾৽ <u> चॅ्राय व्यात तृष्याम्या देशिक्षायाः प्रता वित्रस्थलामायाः व्यामी स्थापिताः व्यामी स्थापिताः व्यामी स्थापिताः स</u> ঢ়ৢ'ঢ়ৼ'য়ৢয়য়'য়'ড়৾৾য়ৢ৾ঀ৾৾৾ঀ৾৾৾৾৾৾ড়য়ৼৣ৾৾'ঀয়'ড়ৢয়'ঢ়ৢ৾ঢ়ঢ়'ঢ়৾য়য়৻ঢ়৾য়য়৻য়৻ৠৢ৾ঢ়'ঢ়৾য়ৢ म<u>ु</u>,बूर्-पबर,त्य,थह्र,ता,)रेट,धूत,रेच्य,क्य,रत,म्,क्य,थह्रर,तालय,.... 

म्बद्दान्त्रिक्ष्याक्षे त्राच्यक्षः स्वत्त्रिक्षः स्वत्त्राच्यक्षः स्वत्त्राच्यक्षः स्वत्रः स्वतः स्वतः

श्रेषद्रिया हेत् भे विस्तार देराला भे वारा रहितान सार विवसाय बुव-रयाम्बेनया-र्मा प्राप्ति वर्षान्या स्त्रावहवार्ष्याना ५८ मु प्रेश्न सुराह्म त्या त्र्या त्र्या त्र्या त्रेश्चरा स्वाची द्राप्त स्वाची स्वाची स्वाची स्वाची स्वाची स्व ब्रीर'यत्व.म्वेय'रेट.मैट.केंप.स्वय.रेघ४.ईश्वय.रेटा भ्री.म्.स.अ.स.म. प्यव कर्रायान्त्र देव के है। दे प्यतः द इस खुरे ही ताने हें खुँ नान रे में मुंदह्रवा द्वाराहरकेटावसायसाम्बर्गिक्याम्बर्गिकासान्यास् हे.पंड्र.कु.प.ज.क्यायंश्वराजा पूचायं.व्राज्यायंत्राध्यायंत्रा भवातर्वाके पाता के बाह्य देवा है। व्यापार मुद्दे मही मही माहि मही का के बाह्य प्राप्त के बाह्य प्राप्त के बाह्य र्म। म्बर्ग्यटर्रे दें लायट्य कुर्ग कुं यूलाय पुट कृत से सत्र प्रार प्रार पु ग्राप्त्राप्तुग्राही शेवसाठ्याक्रास्याम् व्यापाद्विमान्याक्षा हुन यर पुग्य पार व भी के स्वरं रव । या मुग्य हे पा हे । यह पा माम मे मा से पार के ब ही त्यन्यायायावे न्याताया न्याताया त्याता स्थापाता स्यापाता स्थापाता स्यापाता स्थापाता स्थापाता स्थापाता स्थापाता स्थापाता स्थापाता स् ८८। ८८४.त५.वै.वी.तम्बानार्चे.क.चे.चे.व अ८४.चे.४.८हच. हेव.रे.क.व्रेव.पठ.क्रा धन्यतास.प.ब्रैव.रय.याज्ञवाय.र्यपट.व्रेव.व्याच विट.क्व.श्रम्थरीयश्राधरीयाताला क्रे.द्रातप्रक्षेप्रचीवेयस्टरी हुन्यान्ता अळव असार्त्यान्तान्यान्या द्वावस्य उत्यक्षेत्राया षेत्र'मु'महें 'हेट'टे 'हहेद'श'र्ड्ड अस'मर'मबुग्य'र्थ। दे'द्याक्ष'र्मा **मुन्** कुवे. सू. है। रेलेफाया व स. में स्त्री मा व स्थान है स्वी मा ये प्रस्त में स्वी मा वितारह्माने स्वारामाण्यान्तर कार्युमा क्रियान ने व्ययुष्ट के पुराप है बाद्रे श्रेमा मायसाया व सामुद्रा है सामा देशे मा मायवा या मुद्रा है खु

दे-ह्रे माव या पुटा प्राप्त प्रवास्त्र करे करे करे माव या पुटा है निद्रां भटातावयात्रपृत्ते स्रामध्यायानुद्रां द्वायाया विद्रान्या हिं मान्त्रीत्रावया न्युत्याहे। विवासाया स्ट्रिया की प्राप्ता हु स्वा की प्राप्ता हु स्वा की र्नेव अहर प्राप्तेव या क्षेत्र मुण्नेर पुलाव प्राप्त कर मुण्ये समा उव दे प्राप्त वा पदीव'अळॅ'श'वि'प्पंपप्पप्पप्पंपदीवं [[८व'८**मॅ्**वं ल']]८व'८मॅ्नरक्षेु प'स्टर्या' म्ब्रायाकेत्। १वि देपाविव मनेग्याये ब्याया ग्रीयामाय विवास मुद्धा मैर्दिन बेर कुरायुर्ज अधिया वर्ष अदि सुद रुग रुग रहारा सुद परि ह्या नृ 'कुरामामदेव'त्। वना विमयामामारत्ना तहमासुते होरानी सुलामव र्भेंबाकिवानी प्रस्वापित मितालिका किया मित्र में निर्मित्र में निर्मित्र में म**ङ्ज् त**्रीट देरे प्रस्य **प्रमाय काल** कुर हे हे के द मेरे [या महा] विया मु मारेष्यायातहेवाया इससागी प्यवसामिता न्यता हिन्दे हे हे नि पाया केवाया न्यमानु प्रवाता मन्य कर्

नेबान्यानुग्वर्तान्यातात्रातात्री के बाबुदानी कुलान्वरा र्षत्। ने व बायुन हे बायु हो ने व व के प्राची के प्राची के कि के कि कि के कि क मुः 'बुँ नवः विषय कव्यवः दे भी मिन्या कव्यन् प्राप्त विषय क्षेत्र कुला में हो त्या विषय क्षेत्र क्षा क्षा क्षा क ञ्चव'र्य'ळें नव्य क्षेष्टें। देशे वर्ष व ज्ञव रे व र्पर स्व या प्रवे प्रा [[तृः]] [२: ५ॅन्। ५८: ४: घवनः ठ८: ग्रै**: न्**वनः ५८: ह्वः देवः यः ५८:। [अः] बर् यम्बर् उर् सम्बर्धरायर मुर्गारा प्रमार्ति। प्रमार्थि ष्ठमः उद्राय्यायदः चुद्राया विष्युत्रः ] न्दं रह्नायदे दायदे वा सुवास्त्रः र्यते कुलायववा**ल्या देते पुलाकु न्युवावाया कुर्हे हे मन्द्र गु**लाकुन चुरु'य'भेद'र्दे। दे'वयात्वयाकु'बह्याध्याध्याचीयान्रान्तात्त्राह्याची ष्ट्रं खुंत्र कु जडते हो ...व•रे•सं स्न-ह•स•स्त्र। देते के संव तस्य न्या कुन रसाम्बेन्सर्वयः धुन्यव्नुन्सः रेर्देशः ब्रेन्यवः वृत्वः रुवः रेष्ठसः न्यार गुव-पृ:पवट-पॅंग्पलुनावा रेग्देशेस्याप्वग्पर्वे वास्वग्रह्मास्वरेग्पलुनावा म्वराष्ट्री विपारवन्ती श्रीवारा विपारवन्ती सेवारा विपारविष्ट्री वर्षा है वर्षा है वर्षा है वर्षा है वर्षा है व वळवायवाम्बुबारुग्वविष्याणुदारुद्यायदानुग्वदेश्वयवाकाकुदारेग्वरा [मञ्जराम्युवाहीटार्न्युम्युम्यः देवार्याके दिर्ग्युःहीटार्म्यरम् **वृत्राम्यस्य** मुख्याम् रूप्तान्याम् विदायम् विदायम् विदायम् विदायम् मारीन्वरणुकाल्यातहेवाने। मह्तामहेरस्यामाहेरा उपविर्धमानहेर ब्रैट'ब्रेट्'य। पर'विवय'विख्य'य्वा'ट्ट'ब्रेट'वी'वॉर्वेट'ख्य'रद्र'य'द्रा

<u>बेंद्र प्रमाश्चेदायाँ सेन्यामा न्या का सुर्प्र के जिस्सेरामा अस्य</u> न्युवाद'वन्य'गुं'हूँ द्या बैदार्दात्राचा ह्या ह्या हितात्राकन्या अःश्वां वात्रात्त्रः वात्रात्त्रः वात्रात्तः वात्रात्रात्तः वात्रात्तः वात्रात्तः वात्रात्तः वात्रात्तः वात्रात्तः वा **अ**'चरुच'या द्वार्या प्रमुख्याया चरुटा खेटा र्वेदा ख्रुण्या प्रमुख्या द्वार्या प्रमुख्या प्रमुख देवै से समार वर्ष प्रवास में समार विषय है से सिवा मार के समार में दी प्रवास में से समार के समार के समार के समार महिरहिंदर हैं दिर किया श्रेस्य देवर हैना ला हिर् क्रिया हिर हैं नया माना ठव'र्'प्यस्थ'ण्ठव'र्स्स्थ'र्ब्स्यस्य द्वार्यस्य ह्विष्ठ'व'रे। प्रस्पर्स्स्याहुस्य बेर-वन्ना देग्याविसनास्यायार्थन्नायारीः वस्यायार्थन्। वस्यायारीः क्षेत्रायारीः क्षेत्रायारीः क्षेत्रायारीः क्षेत्राया प्रमुप्तरा प्रमुर्दर हैराय हैं खुद्याय बिषा पहर हैं। बेंड रेका **वि** पॱठव'नु'धुैव'वब'मन्'अ'प्रहेन्य'मेहे'म्बन्'नुअ'घु'पहे'धुन्'नु। चुत्रावताञ्चेद्रते चुटापुरिंदताने पर्देवा वर्देन या महेदा सते पद् चुमा मार्गेराबेटार्स्टा **बगान्द्राचे**ग्नरादुरिहराचुमाणुरा <u>बे</u>हि के <u>र</u>्चण'या ता केवका व्यक्ष या सम्प्रति । या विष्या ता केविका व्यक्ष विषया । ॺॱॻॗॸॱॸॕऻ

मन्भेद्रस्दरी देन्दर्दिरकन्तरीयान्दर्वरद्दर्द्र वशक्तिःयाधियाययान्यवयान्यस्य मुन्त्र्यस्य मुन्त्रायस्य स्वापस्य स्वापस्य स्वापस्य स्वापस्य स्वापस्य स्वापस्य स देश्चिमामा हिंदामा विवास विवास मञ्जूद का सका के प्यवादी हिंदा के सका क्वायायदारम्वायायदेशस्य वार्यक्षेत्रण्या स्वयायक्षेत्रण्या स्वयायदेशस्य देशसङ्गेतुः <del>ୢୖୡ୵ୄ୕</del>ୄଌ୕**୵ଽ୷**ୣ୕୵ୖୢୄୠ୶ୖୢ୵୕ଈୡ୕୳୴ୄୖଽ୕୕୵ୄ୕୵<mark>ୄୄୠ୷</mark>୵ୡୠଽ୕ୢଡ଼୕୷୶୕ୡ୕୕ଢ଼୷୷ୠ୶ୢୖୄୠ୷୵ 5'प्रदेशके, ४२ में त्राप्ता ने में ज़ुर्य के जा के के ज़िल्ह में जिल्ला है. **घट्या**.ल.ट्यूंटब.चेट.चेबद.टे.चोश्चला घट्या.वु.लब.जी.टघट.चेब.**लेब. ४**८.भुष्यः क्षा ४५८.१ वर्षा ४५८.१ वर्षा १५८.५ वर्ष कन्यायते द्वार नेया हिंदाया झिंदा विद्या निया हिंदा वे याद ना दिर है याद ना दिर हिंस वित्रा वि कत्रविष्विष्ण्या दायारेषायेष्ठयात्र्वार्वेटाव्यायेष्ट्राण्या [마리점:두메.윤.쥬요.] 성본회.뵘드.회.복회점.퀽호.턴점.크.디포. त्युर। दे<sup>-</sup>[[मयर]]यद्यारवै त्रदे रहे त्र त्र प्यम्यी। वै व्यायद्यारवै त्यस **गुँ-८**नटः मैकाणुटः। म**८ना**के क्षेत्रच ८,८ खुलान हे मक्षासुर सुरा। दे मक मन्नात्थर्नेत्यः वित्रविका हेवायत्ताः वेवायते मन्तायते न्या **अक्टेंग्अ**म्मुन्दुराह्म। हिंदार्ग्नाह्म हार्वे हिंदार्गुः नाम वया नार्राप्ति प्राप्ति । विभाषान्य पुरुष्त व रामनार कर्मा व वी परि वस्ताना १ वर्षा व **য়য়য়৾৸য়ৣ৾৾৾ৢ**৾৴ৠৢ৾৾৽য়ৄ৾য়৽৸৽ৢয়য়৽৻য়৾ৢ৾৽৸ৼ৾ৢড়৽৻ৼ৾৽ড়৽ঢ়ৢ৽ঢ়ৢ৾৽ঢ়৽ঢ়৽য়৽৸৽৻৸৽ড়ৢ৽**ড়ৼ৽** 

रहे. तर विरुक्ति वेबा इंप्रविधानी प्रक्रियमे हैं प्रविधानी कामी र धुवरने खुणर पुरुष व कर श्वेतु रने रकणकरमा **केन्रम्म रे रहे** रहे र केव्रम्म क्रेक्स माना चुबसः महिः मस्त्राम<mark>्यान् व्यामश्च</mark>रसः महिः मृत्रः महे किम् मीसः रखन्सः मः हे•ठवा **मन्माने स्वामर्हिन स्वा**ग्म विवासस्य मास्या मन्ना मन्ना मन्ना मन्ना मन्ना मन्ना स्वास्य कुैर्मुद्र**सं**रहे**र् अवसःद्रवा पर्ना**श्यम् रह्यास्य प्रमुन् गृरु पुरा देग्लाहेग्द्वरामग्रीकालकार्ष्ट्रकामाञ्चरा चुककाकर्षदाविदाग्रीकामदानाला मणेट. र्रें छात्म हेव र्राम् छा। ब्रें या हु छा ना है। एस न हो। एस न हो। एस न हो। **ॻॸज़ॱॺऀख़ॱऻॻॱ**ॻॱढ़ॿॱॿॖऀॱॿॖज़ॱख़ज़ॱज़ढ़ज़ॱॸॖॱॾॕॣॺॱॻढ़ऀॱड़ॖॗॖॖॖॖॖॾॱॸॖ॔ॱॿज़ॱऄॿॱऄ॔ॱॿऀज़ॱ हिंद्यावया भारता विदादमा विवादमयाविहाले निर्माता विदासा **८म.भु.२८ बुख.चे२भ.**कैंट.२.वैट. क्ष.बुच.४.अंब्याच्या ४वचय.चढु.बंब. वसा हिन् [[नेर]]न्द हिनाधनमा हैस सेन नर कन नुष्ये त्युरा मेंनामा त्मुर रें 'बे**बा प्र**त्स'र्वे। हे प्रदुव क्वियाव दे । गुप्त के स्पुप्त के स्पुप्त के स्पुप्त के स्पुप्त के स्पुप्त त्र्युरामसार्ने पदिवार् प्रेम्यामस्य मस्य साम्य प्रमानामा स्वाप्त स्वाप्त सम्बद्धाः स्वाप्त सम्बद्धाः स्वाप्त स व्या नुन्धित्यः ५८ विमायतमानुसार्वा

 ने व का क्षित्त का प्रकेश के प्रक्षका स्था
 ने व का क्षित्त का प्रक्षका स्था
 प्रक्षका स्था

पा ८८ कुर्'तहस्यामा ५७ मर'र्घ'त्य'त्यत्यादीषायुटा **मठेगाक्षायः** क्षेत्रायस केर व्यवस्थान विष्या केषा हुया । हर्ने प्रवासी टाकुलाकेग्वा तत्रवार्रुं रायाद्याराया क्षेत्रा कुता क्षेत्रा विवारक त्रिता प्रमारहें प्रकाशका के त्रावी के स्वाप्त निवास के मार्च के स्वाप्त विरा पेड्रेपालार्याकालयाक्रारह्मयाच्या विराम्बिपयान्दरर्रामया **बेरःझः**०हरः०नेन्यायायान्यायाचे नामुद्या न्येनान्धायायाययाळे ४ष्ट्रब्यः सक्षः ब्रेन्टः त्यां वृत्यः व वृत्यः वृत्य **दंशराश्चात्रे** प्रतारा विवार **८५ुना-व**बन्ध-ब्रेडिर**नेब-**ङ्गेर्युन्ब-वन्ब-ब-चु-ळ्नेब-ठव-५-ब्रेडिटु-नञ्जील-पकु'रवेश'र्मा सं'ग्रेन'र्म, यद्ग'व्याच्या क्षेत्रस्य प्राप्त होता क्षेत्रस्य प्राप्त होता क्षेत्रस्य होता क्षेत्र RS'देर देवे रत्राच्या कर्मा देवका प्रतिक के प्रति के प्रतिक के प् **ुबःबुःकुःबः**न्दःकरः**धवःग**ुन्ब। न्गुबःग्रुःतुबःखुःवःमःनःन्दःसु**गःधवः** ঀ৾৾৾৽৾ঢ়৺৸য়৻৸য়য়৻৸য়৻৴য়য়৸ঢ়ৢ৾৽৻য়য়৻ঢ়ৢ৾৽৻য়য়য়ঢ়ৢ৾৽য়য়য়৻য়ঢ়৻ঢ়ৢ৾৾ঢ়৸৸ঢ়৻৸**৸**৽ N'कर'म'बिन महम्'म'इमस'गुट'क्षु'न'मबिद'र्दे। देवसमाम'क्सुंट'म' र्स्याद् वा सुना प्रस्था हिट १९ वा घना प्राप्ति रहेवा शव प्राप्तव वा स्वाप्ति वा प्रमाण म्याभव पर मुरापय। हु रिधुता मुकार विवास महि दुर पुरि मुकार विवास महि पुरि मुकार विवास महि पुरि मुकार विवास महि मुकार महि पुरि मुकार महि पुर महि पुरि मुकार महि पुरि मुकार महि पुरि मुकार महि पुर महि पुल महि पुल महि पुर महि पुल महि पुल महि पुल महि पुल महि पुल महि पुल मह ८६, १, रट. मी, क्रिंब, मी, पत्रां पत्रांथाता प्रत्यांथाता प्रिंधा, ता. भू, भट्ट स्तां प्रत्यांथा

मालाब्रियान्ता ब्रूटायार्थिनायाचुराव्रे सुटायवायन्नाविवालु विटान्स्त मारिनः स्वाप्ता के सामिता है। ग्रेमा विकायमा स्वाप्ता मिता मिता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स विदा सुन्'बेन्'मुन्'ग्री'मर्वेल'लन्नेवल'केब्'यर'अ'र्हेन्बल्यर। सु'क' मरामार्नेन्यामा क्रिटाहेरकन्यासामार गुरामकाम्यन्यस्या तर्द्रायहर ८८भ.मु.**र्चे । १**४८भ.मु.म् ४४८ भ.ट्रेये । १४८ भ.ट्रेये । अ ণ্টুঝ'নদ্ন। **ধূণ**'নমূম'ৰ্দ্'ণ্টুঝ'নদ্না'ৰ্দ্ব'ন্টুম'ন্ম। ৫|ব্ম'ন্দ্ৰ मर्**डं द'रर'म्प्न' हैन'रर' मैक्षाम**र्डरका वारेमा सुद'विम्बा **हॅगाम**रे नु परःचुरा **५'वे'सु**'ळ'**ग**र्वे'रेग्वाहे'ह्रर'पछी तवन्वावापरापर्गावे'तर् हैं ति. २ . वी. १ . वर्ष हैं। इस सामा वर्ष रामा वर रामा वर्ष रामा मन्ना दे श्रेव संन्द हिं अ श्रम् प्रमा मुला माना मुला साम मिला व साम स्मा सा हेर.प्रकी.बेंब.तथा ४त्रवेब.त.रप.२ं.रक्रेब.वब्य.बंब.पंडेव.पंडेवे.र. रैणकाणुँगसुर्विर्वेर्त्रेत्काक्ष्याबेकाणश्चरकावकालवाहैग्द्वरासुरासामञ्जूराया 🕶 ५६। तसन्यास्यतः ब्राय्व साम्वि । ग्रीसाने माविवासासा में प्राया उदा ॻॖऀॱख़ॖॺॱढ़ॸऀॱ**ढ़ऀॱ**ख़ॖढ़ॱॻढ़ऀॱॾॣॖॻ॔ॱॸॖॖॖॖॖॺॱॸ॒ॸॱढ़ॸॖॱॻॱऄॱॺॱऄढ़ॱॻॺॱख़ॖॺॱॺॱॸॖॻॸॱॱॱॱ **ผล**ังวันที่ เมื่อ เมื **ॻॱॻ**ढ़॓ॱॺॖ॓॔ॸॱॸऒक़॓ॸॱॸॖॱऻॕॗॸॱॻॸॖॸॱॻॱऄढ़ॱॻॖऀऻऻॎॕॗ॔ॸॱॸॱॴॱऄॱऄ॔ख़ॱॻॱॸ॒ॱॿ॓ॱॾॕॿ बानुन्द्रिम सुनानस्यानुग्यासेससानिम नेरह्मससाम्यानुयानुरारमुरा 

भ्याबाह्यम्भित्ववराषे भ्यावाम् विष्युपात् सुराष्ट्री स्थिपेनावासुराणु नामाने । नगुर्वे न्द्राया केषारया केषारया केषाहे न्द्राया केषाया वयकायिकात्रकाष्ट्रकाचयाक्षाक्षेटाताकेटालाकेचीतार क्ष्यात्र्री टेची. महिर्हरमा कु 'कुम्' महार **के 'मॅस्स्सम्स**' कुं 'के 'ल' <mark>'नग</mark>रा विगापन 'ग्राहर 'प्रार <sup>हा</sup>ेबासराबरादेनाहुरादेना विष्यामा विष्यामा विष्यामा ਫ਼ੑੑਗ਼ੑੑੑਲ਼੶ਜ਼ਫ਼੶ਖ਼ੵਫ਼੶ਖ਼੶ਖ਼ੑਗ਼ੑੑਸ਼੶ਜ਼੶ਖ਼੶<u>ੑੑ</u>ੑੑ**੶ੵੑਗ਼ੑ੶ੵੑਗ਼ੑ**੶ੑੑਜ਼ੵਫ਼ੑਫ਼ਜ਼੶ਖ਼ੑ**ਸ਼ਲ਼੶ੑਜ਼**ਲ਼੶ੑੑੑਜ਼ੑ ळेदः लेखः ग्रुः पार्वेः रेणकः सुं ग्रुरः पार्वे। दे 'द्वावः ग्रुं ग्रुं व् 'प्रेवः हेंदः पार्वेः प**हदः** सारक्षताचरारचिराची। देव्ह्रवयायेवयाचरामुँदयानेष अधारेवयासु चुर-य-दे-दन्-वे-भ-दबर-य-दिन-दबर-श्र-थ-दन्-व-व-वि-स्ट-के-बुदानित्रां विष्यानिविधाना श्रेटाहे किटाना क्षेटा**राना स्थाना** चर्यार्द्वराथा वेर्षा वेर्ष चंबर र म्वाव कर वा व्यव प्राप्त वा वी वा क्षेर के पा म्बद्धिः हुँद्रश्रमाया [[न्बरानसा] भेष्यान्द्रश्रमा वर्षाना वर्षाना न्यान् ने देन मान्यान के त्राची राष्ट्र के निवास के त्राची मान्य कर है कि ता विवास कर है कि ता निवास के ति है क प्रकारी के अपना मूर्त होता हैं त्या मेन हिंदा के खेल के क्षेत्र हो। बना में भारते पर क्तिकाःचीत्ता, कुन्ना चीता चना चना चना चूर्या व्यापार स्थापार स्थापार स्थापार स्थापार स्थापार स्थापार स्थापार स म्मा सम्बद्धाः स्वर्था स्वर्था स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः क्यातार्टारव्यवयायायाच्चेतु वि**माग्यका** च्याप्ताचा प्राप्ताचा व्याप्ताचा व्यापताचा व्यापताच [[या]] वारानावराव सामाया ठवा मु कुलाम्बसासुना है या देवा मुकामक ध्र गृत्रःश्वीरम् विक्राम् विक्राम

पः रुषः मुः प्रसुषः मुँ गृषः भैषः पृः १३ असः प्रगृषः पः प्रगृः भैषः षः पुषः कर्णसः परिः ः ः यः नृद्धेन भीतः संप्रत्मयः सुरव्यवयः उत् श्चेन या सुर्यः नृत्युवा यदिन सं श्वारम् रदःमदेव मुन्य स्वरं निवास सम्बन्ध स्वरं स्वरं में के स्वरं इ.हे.वेर.वेर.वेर.त.ळेल.लर.प्रैट.क्ष्ये,वर.एषवेथ.पथ.पथ.पथट.प**४.**४वे.के..... वित्व या क्षेत्र सान्दार त्या प्रवास करा वित्य साम दे । वित्य साम दे व चु'क'र्चे'क्रक्ष'ल'पङ्गक्ष'व्राहि दिक्षका कुं'वर्षाम्ल'र्चे राम्लान् 미리는 다. 항보, 보기 이 나는 보이다. 됐다. 다. 하나 이 나는 다. 어느, 된 다. 하나 이 나는 다. 하나 이 나는 다. 하나 아니다. त्रेप्तः क्रेंब्राध्यः **इंप्ट्र**ाचेरा हे खुरने प्यराप्यायर या प्राप्ता हे प्यया तयन्याम्यान्वरायते न्या सेराष्ट्रिरायानारायारी सुदुर्याम्या सेवासायान्तरा त्रवाक्षात्रवाक्षण्यात्रवाम्यात्रवाम्यात्रवाक्षात्रवाक्षात्रवाक्षात्रवाक्षात्रवाक्षात्रवाक्षात्रवाक्षात्रवाक्ष मृतुःक्षेरश्रुं अखार्थः द्वेराद्वाम्येराष्ट्रिः मृद्यायाम् ह्राम्याम्येराद्वायाः \* নেম্ন্তুমাৰ কাল্যবিমান কিম্ট্রান্ত্রালা লাইমান্তর্ন নিমান নিমান কিম্ট্রান কাল্যবিমান কাল্যবিমান

<u>देन्य अ.क्ष्याचीया पर्वे श्रीय स्थानी विषयित्र मान</u> **ঀয়৽**৻৴ৢৢৢৢৢয়ৼ৻ড়ৢয়৽য়য়৽৻৻৴ৢৢয়ৼ৽৻ড়ৣ৽৻য়য়য়৽৻৴ৼ৻ড়য়৽য়৽৸ৢয়ৢ৸**৽** ॸऀॱऻॸॱॸॱढ़ढ़ॱॸॖ॔ॱॺॖॕढ़ॱय़ॺॱॾॗॆॱॷ॔ज़ॱॖ॓ॺॆॱॺ॓ढ़ॱॿॆढ़ॱॺढ़ज़ॱॺड़ज़ॱॺॱॶॺॱय़ॱॶ*ॺ*ॱॺॕॸ**ॱॱ** पाञ्चरावित्रामा [पॅत्रावस्यसायस्य स्वरं हिन्द्रेस्य वित्रावित्रा है दिस्य स **ୢ୰୕୷**ୡ୕୲୵ୄୖ୵ୢୖୠ୕ୣୡ୵୷ଵ୵ୖୣ୵ଽ୶୶ୄ୷ୢ୕ଌ୳ୄୢୣଌୗ୶୵୷୲୕ୗ୕୕ୄଔ୵୕ଔ୶୵ୗୢ୰୷୶୵୷୵ୄୢୄ୵**୷ सु रे अस पुटा बेर पाया । हा ये या थे प्राप्त पाय हु ख्राह्म हो प्राप्त पाय हु प्राप्त** ष्यं स्थापुर धुवरया दुण ह्युर या या चुट युवर या वा विष्युत स्वेत स्वेत स्वेत स्वेत स्वेत स्वेत स्वेत स्वेत स्व स्वाप्त **षदःश्चॅमःन्दः**बेरःव्याद्युयःमहेष्टुदुःन्याश्चेर्नामःमङुःश्चॅमःबेटःस् ৾৾ঀঀ৾৽ঢ়৽ঢ়ঽ৽য়ৄ৾ঀ৽ঢ়ৡ৽য়য়৽ঀঢ়৽য়৽ৼয়৽ঢ়ৢ৽ড়ৢ৾ঀ৽ঢ়৽ঢ়ৢঀ৽য়ৄ৾ঀ৽ঢ়য়৾৽ १९४८ में विष्या विष्य के अध्यात्र के अध्यात्र के अध्यात्र विष्य के अध्यात्र के अध्य ८८.५वी. म्रु. व्या वाहीयात्राचारा वाह्या मु'षेष मठेग'८८'मठेग'ब'भे'मुस'दस'मबर'म८म्'मु'मबुट'म'श'८**६८'** पःर्यम्भ्यरः अःर्श्वे द्वा ह्वा श्वाप्तेषः यात्रः श्वाप्तेषा महिमाः यात्रेषाः मीसा म्रॅंप्र्यं अप्यामे निष्यं विष्यं 

য়য়য়৽য়ৢৢ৽য়৽ঢ়ৢৢৢৢৢঢ়৽য়ঀ য়ৢড়য়৽য়৽য়৽য়ৣঢ়৽য়৸য়৽য়৽য়ৣঢ়৽য়৸য়৽ঢ়ঢ়৽ঢ়৽ पदुःह्यद्याययः प्नो पापदुरः २ मूँ पाये वृष्ययः वैष्यप्रेव रङ्गुव्ययि । संग्रायरः स है.प.भ.मुटे १ म जून, वर्ट जिटका व था जून, श्रुंचा भ्रुंचा निया प्राप्त का कुर प्राप्त र <u>स्ट्यःश्चित्रत्वतानःभवात्त्र्। नेविवानुः</u>श्चित्रत्यःभान्त्रःभान्यःभान्नुन्यसः म्बर्धियात्राष्ट्रीयात्राक्षरार्थेराचाकुरायरार्वे स्वर्धाञ्चर्याया मनेद्रायर ञ्चरायय केनानिहदाय ५६ मावदा ी र केया यर त्युर री। स अ'अ'मङ्ग'पर'अधुव'पर'मञ्जाक'पाव'गुव'८८'अधुव'पर'तणुर'र्रे। क्रमाञ्चरायाञ्चराययाः [[माटाञ्चरायाः]] १वायरात्युरार्म। विषायरा **མ་སྐུམ་བར་བདེན་བར་གསོང་བོར་སྐৣས་བས་གསམ་ནང་སབ་་སྱིར་** प्रदेश क्षेत्र का विश्वास स्टानी विश्वास द्रानी श्राह्म क्षित्र क्षा स्टान स्टानी स्टान स्टानी स्टानी स्टानी स **ロミョミ・ガニ・ロニ・まら、**ロエ・ス型・デー 中首「きるおい」とは、日本の อีฆ.**ต่ฆ.ชฆฆ.ช之.อิฆฆ.ตะ.**เชอีะ.รูโ หูป.เช้.ฆ.อิฆ.ตะ.หู<u>น..</u>ห. भैन्'केब'यर'पुष'**यब**'कॅब'न्ट' ६ध्न्'यर'६णुर'र्र। वै'न्ने'प'पहु' यर त्युर री द्वेर् तर केर क्वे पार्य पार त्युर री विंद् क्ष कर के दिने ㅁ'ㅁᇰ'賌드제 ५वो पायकुर्श्वे ५ किन् केशरश्चर्यायस दे ५वन वीसरणुट में र **बुट**ॱसूट्रतबुद्रर्थंग्तातकेषाः शैट्रतास्य विशेषाः वेट्रह्राववटः ह्राववटाषाः श्रट वसन्त्रे'स्याचन्द्रम्

ने न या श्रुत्यायि । विहु रेवात् में प्याक्षेत्र या क्षेत्र या क्

मुकार्म् अत्रामः विष्युप्तः विषयः विषयः विषयः प्रमुक्तः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः व लान्वव मुं र्व से द्व श्रेया ट्वेला पर मुक्यं क मंद स्याप पर निवा ुंद्वान्वरूषान्यवानु केन्द्रा विष्ठ्वाक्षु सुवन्य विष्ठुवा ददः पर्नाला हुँदि ग्री-स्वाप्यस्थाप्याना नु खेदारी दाक्षेत्र है स्वाप्य कार्या के स्वाप्य कार्या कार्या कार्या वायान्त्रभाषान्याध्यात्रा विनायन्त्रम् विनायन्त्रम् ल्च मार्चित्र तहत्या केत्र या केंद्रा या रात्र व्याप्त स्था केर व्याप्त विकास के र विरास्त्रात्रात्तानानान्त्रायान्त्रात्यातानान्त्रात्यानान्त्रात्यानान्त्रात्या इति द्वापर ब्रेवपादे रद्वर्षर महाता महाता मान्य मान्य विवास हिता हिता है । त्युर। श्वेव पति तम्रेस प्राप्त प्रेव पति स्याप्त स्वाप्त स्वापत न्त्वाची द्वाची त्वाचा ता वावव ची द्वाची च द्वाची व्याची वाद्या हु 'हीद 'राहे क्रिया हुद हैं। पड़े द पा ह्वा अव विद हिं प्रक दे प्रदेश दि विविश्यात्राच्येत्वा रट.चे.वियात्राच्याः श्रुंत्राक्षाः विष्याच्याः विविश्यात्राच्याः चित्रेचे . सेव. सेव. स्वय. स्वयः त. स्वा. त. प्रतः त. स्वरं चित्रे निव्यः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स परि क्रिया में व र प्रमुक्त हैं स्वर में व कि क्रिया के क्रिय के क्रिया के क्रिया के क्रिया के क्रिय के क्रिया के क् लान्वन में द्वाके द्वा श्रमा हे ता हे वा प्रमान क्षा निकार का माना निकार का न्दःळॅबाक्रेन्यरःत्युरःरॅ। यहॅब्यत्युकाणुःषारंतानुःधेदायतिः**हका** पहुंद्रिं प्रवापित्रवार्थित्रवार्थित्रवेष प्रवापित्रवेष् क्रम्मानीर्भेदाकीरस्यापाराम्बदाणीर्भेदाः हरि ही कार्ते । यसमान्दरायाक क्रमान यर प्रविषा प्रशास्त्र क्षा भी भी रेव वार अ हिया पर त्युर रे प्रशास क्षा कार कि

यारेलान् धेवायरे केंबाप इवारी विषय र या ग्री या रेलान् धेवायरे हिं हुं क्रदास् श्रुट्या नेन वादिनायि सुवाया स्वाया नेवारमा ब्रुंटकः यमः चुटः कुचः श्रेषकः **५ य**िः श्लें ग्रुं के व ग्याः श्लेंचः यसः त्र्युः सः । लुन् निकार्वे रूटा नि र्देवं प्यटा के त्युता लान्वव नी र्देव सि के हूँ वा विवासता ৶৽য়ৣ**ৢৢৢ৾৾ৢ৴৾৸**ড়৽৾৾৾ড়৾ড়য়য়য়য়ড়ৢ৾৾ড়ৢ৾৾৽ড়ৢ৾ঢ়৽ঢ়ড়৾ঀ৽৾ঀয়৽ঀয়৽য়ঢ়য়৽য়ৢয়৽য়ৄ৾ঢ়৽৸ৼ৽৽৽৽৽ ८णुर-री वेब-र्याणु-ष-र्यापु-धुव-यारे-कॅब-प्रमृद-र्ने। म्बेम्स्य गुः ह्युत्य परे विद्यां ने ने ने ना पर्या विद्या निया पर्या विद्या वि पद्भव व बाक्षे अधुव पा हुना पहिना प्राया स्व वा सह वा मिता प्राया स्व वा प्राया स्व **इसन्तु-लंब-त**ास्-अ-वसन्त्रान्। ८.से.वि८.तर-भु.पिस-स्या **८८. अष्टा प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त विश्व प** कद्रा दे हिर पॅट्रायुवाया ठदावायुवाया हे या विवाया परि। इक्क है क्रिक मी वार्ष है वार्ष

ॶज़ॺॱढ़ऀॱऄॱॺॺॖॖढ़ॱय़ॱॺॸॱय़ॕॱॲॸॱॸ<u>ऀ</u>ऻॎ ॴॱॺॱढ़ॱॸ॓ॱॾॕॖॻॱॸ॔य़ॕढ़ॱऄॺॱॸॻॱॸॕऻ॔ॱ ਫ਼ਜ਼੶ਜ਼ਫ਼ੑੑ**৴**ਜ਼ਫ਼੶ਜ਼ੵ੶ੑਜ਼ਸ਼੶ਖ਼ੑੑੑਜ਼੶ੑੑ੶ਜ਼ੵੑੑੑੑੑ੶੶ਜ਼ਫ਼੶ਜ਼ੵੑਲ਼ੑ੶ਜ਼ਫ਼੶ੑਜ਼ਖ਼ੵੑਲ਼ੑ੶ਜ਼ਫ਼੶ੑ ब्रिंदी, केर्यायं सेर्ये विश्वादी स्थाप केर्या केरा केर्या वित्रवसः दम्बास्युर्सेटः यः तृहः स्वरः यदेवः यः सर्वेहः याम वैम्रायः यद्धवः ः 🕶 য়য়৽ঀয়৸৽ঢ়৽ঢ়ঢ়৽ঢ়য়৽ঢ়য়৽য়য়৽য়ড়ঀ৽ঢ়য়৽ড়৽ঢ়ঀৢ**ঀ৽ৡঀয়৽** . हुते सु कू के न्या के प्राप्त के कि स्वाप्त के स्वाप्त के सु स्वयं स्वयं कि सु स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं [[घलर]]न्नररठवरन्दा नन्दर्धेन्यीरसम्बन्धरम्पन्दा हुन्युहेरस् देते कुल कुर कुर के स्वाया लग ना १०० विषय द र य पुराय भेरा है। कुल य र मॅं'५णु'य'५८'मकु'ॲ५'मब'षप'५८'बळे५'मॅ'९ह्युवशद्रशःश्रेद'मॅरे'खुल'' र तु<sup></sup>'९घ्रप'मस'न्ग्'म्द्'न्युम्'ऋग्स'महु'ग्रेस'म्'घ्रस्य'रुट्'स्रुपस्येम'स् **ख़ॺॱॻॾॕॺॱॾॖ॓ॱॺ॓**ढ़ऀॱॻॸॖ**ॻॱ**य़ॕॱढ़ॸऀॱढ़ऀॸॱॻॖऀॱॸऀॸॱय़ॱॾॕॸॱॸॖॺॱॻॖऀॱढ़क़ॕॣॱॻड़ॖॱॻॺॱॸॆ॓ॱॱॱ ॺॖॖऀॺॱॻॖॣॖॖॖॖ<u>ॱॱय़ॱऒढ़ॱय़ॺॱॸॆॣढ़ॆॱॸऀॻऻॹॱक़ॗ</u>॔ॸॖॱॻॖॗॖॖॖॖॸॱऒॵढ़ॱढ़ॕऻॎऒॎॺॱढ़ॱॸ॓ऻ**ऄढ़ॱ** रदायार्श्रम्यारीकु्पिवाचेरानेरियातायात्रात्रेष्या वार्यान्यात्रेष्या

 $\begin{array}{c} \text{$\rm A''A''$} = \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} - \frac{1}$ 

प्राथान्त्रे। त्याँ प्राधीनायेन्त्रेन्। तृत्रिक्षां हैना क्षण्या क्षेत्रेन्।

विश्व विश्

교육·전·떠·대·국·국·청회科·중국·영·그축대·경·미국제·적제·정·영··

ऍॱ**ढ़ॱॻॸॱॷॸॱऄढ़ॱढ़ॊॱऻ**क़ॗॺॱॻॕॱॺॕॖॸॱॻढ़॔ढ़ॱॾॖऺॺॱॻॕढ़ऀॱढ़ॺॱढ़ॺॱढ़ॸऀॱ वै'कु'म्र'कुे'पर्'स्र'पर्द, केषात्र, केषात्र, केषात्र, केषात्र, केषात्र, केषात्र, केषात्र, केषात्र, केषात्र, केष लाञ्चलानिक्षान्वः प्रतिः कुर्वते कुर्णाः पर्ववः अप्तायायायाञ्चलानिक्ताः हे। ፠ख़ॱय़॔ॱ፠ॿज़ॱॻॖॱॿज़ॱढ़ॣॸॱॺॺॱॻॖऀॺॱॺॸॱढ़ज़ॆॻॺॱॻऻ ॸॖॻ॒ॺॱॻढ़॓ॱ निवेशके ना मणुष्ये श्वेष्या अप्ताना स्थेष्या स्थान रिपूर्याया स्वीतिष्ट्रास्या स्वीतिष्ट्रास्या **षद्**र्यः वैना चुद्रः हें। देग्ययः कुषः यदे श्रुवः तु**ः न्**ष्यः यय। देग्ह्रयः हवः षेनाप्ततुनाम्मरान्थप्रकेनायरान्यप्तराहेगः देखाः विद्यास्य सम्बद्धाः विद्यास्य स्वर्याः विद्यास्य स्वर्याः विद्य ঀৢ৾য়৽৻ঀ৾৾ঢ়য়৽ঢ়ৼ৽য়৽য়৾৾ঀ৾৽ঢ়ৼ৾। য়ঢ়য়৽ঢ়৽য়ৢ৾য়ৼঀৢৼ৽ঀৢ৾য়য়ঢ়ৢয়৽ঢ়৽ **इ**ंदःश्लेषःचेटःचेश्वरतःकेर्प्राचीटःस्राजान्यःचित्रःचेटःह्या देःस्टिःकिरःलेटसः यारुदः म्रीः खामाद सः बैदायसः हेदादे। देवनासः विदान समायस्य देवानरा ॻॖऀॱक़ॗऀ॔ऀॱय़ॕॱऄढ़ॱय़ॺऻॎ रैॱॸॗऀ॔ऀॻॺॱॺॺॺॱढ़॔॔ॱॻॖऀॺॱहे॔ऀ॔ॱॿॖॱॻॖॺऻ ॻढ़ढ़ॱॻऻॿढ़ॱ য়য়য়৽৽ঢ়৽য়ৢয়৽য়য়৽ঢ়য়ৣয়৻য়ঀঢ়য়য়য়৽৽ঢ়৽য়ৢয়৽য়য়৾৽ঢ়ৢঢ়৻য়য়য়৽৽ঢ়৽ ॻॖऀॺॱक़ॣॸॱॻॸॖॕॺॱॺॕऻ ॸ॓ॸॱऄॱॸॕॖॴॱॺॖॺॺॱठॸॱॻॖऀॺॱॺॱॻॿॢॺॱॺॕ। ॸ॓ॱॺॱक़ॗॺॱ तु<sup>र</sup>द'रे। ति<sup>क्</sup>र'प्पद'य'हे'सुर'भैदा प्रते'यासु'भैद'बेर'पा'त्पा प्रित' यस'वृत्र'ट्र'पुत्र'द्रत'वृत्र'वृत्र'वेर। व्वेद'य्द्रत्रत्र'पुत्र'त्राप्तर्प्तर'ह्रर' र्सर'य'भेव'यय'टेर'क्स्यर'ग्रेस'क्रेर'यरि'म्ह्य'क्रुर'यय्रा भेर्'य

न्नातःव वःनान्वःण्रेःश्चनावःनुः <न्यनानुः > व्वायवा विन्धुनवः यस्यवन् कुन्द्र। क्षेन्द्रविटासर्वेद्रान्द्रवृत्। देख्यायहेयाययानायाक्षाकुन्वा वियमार्षु दिवस्य तिलालर स्राञ्च तिष्ठी है लर है नियम् मार्थित पर्सर्वियमार्दर्गे रिसु स्नियायमार्गे। सुर्रे स्वापित र्रेशायित र्रेशायित र् मुँदार्वे। देखसामर्वदायदाङ्कामबिदार्भुवामसा देवेर्नुसासुरम्दारदेदा ब्रुट्टिं कुर् क्यस पत्र र्रा पर्दर ब्रुव राय सँग्यर पायर रायहर रेया पा पर्येद,कुे.ख.थ.प। क्रील.श्रुपा.पिथ्य.पर्वे.ां पिश्वेया ो क्रील.संब.श्रू.प्रवे.ल. र्ववायायायान्यम् वया निष्ठमा चेरायान्येनाया अत्रवाया רָשָּׁיבֹּקִיבִּין קּבִּין קּבּיקַבּין פּבּיפָבִיבִּקִיבִּין הּשֿיאֿי वृष्ट्रात्ता व्याप्त्रात्ता वृष्ट्रात्ता वृष्ट्रा ञ्चल'मुक्ष'मुक्ष'मुक्ष'य्या विका विक्ष'मुक् द्रैत्रायम्। तह्वार्**सम्बद्धार्**षयञ्चेतम्। देत्रीकुम्बर्कुन्नरयारयोग्स मॅं'वर्षा ८८, वु. प्रवेशव का व्रेव. प्रप्तु हो। श्रेड, ह्रा अवर व्यव विष ४८० विष मंबार्ट्र विवानी का देवा है वा हूं निराही। विदाया विवाहित विवा लित्रव्याम्ति विराम्भी स्वयाला स्वर्षाया विराम्बर्धा स्वर् मिते पर्व र मिंग्से अर्थ र उव र दिना र तुना प्रया मिं र वन र सम्म ग्री र से र पुरे र ने र र चॅव'चॅ'क्रव्यव'दे! नववानुट'वय'स'र्नेन'चॅ'य'क्रेनव'यदि'कुय'चॅ' सम्बन्धारुम् विष्याद्वार्याचे व वेदा केदालदान् विष्यवव येपुपर  व वृंद्व ने वित्र में मुल विषय विषय विषय विषय विषय विषय विवास रैटाला मुज्यकुर्र्रा सुटाकुर्र्रा हेवाकुर्र्रा चम्हेर गुन्न रहा मान्य रहा हु मान विषय रहा में विष्टिर रहा हैर ८६ राया स्वाया प्रीटा प्राया विषय है। किया स्थान मिनेव मुै। द्यमा मारा क्राप्ता १ १ व्या मिनेव स्मामुल करमा है ना मु ना सुरस्य र्स। देवे ख्रबर्ने म्हिं पर्वरम्या देवे 'तुबरखु' बन 'बुन मी मिव 'स्वरणुव' ८८५ वेन के ने के स्मित्त के स्मित के स निर्व में के कि पानी कर भी त्य विषय हो। ॐरेट प्रवासी विषय हो। यह वे मी শ্। শ্ৰ'ম্'শুৰ' ৰ্ব্লিম'ক্ৰুম'ম'ঝিম'ন্ধু'বেষ্ড্ৰুমে'মা ব্নি'স্ক'ষ্ট্ৰি'ঘৰ' प**র্ব'র্ম। স্থ'**মে'দে'৫র্ব'গ্রীকাস্ত্রীন্তর্বিরার্ম। 🔆 দ্রি'র্বার্থান্ वि'पदब'र्घ। पॅब'र्घ'बट'बुट'झे'रॅट्'ग्रेश'सु'पश्चटस'र्थ। 🔆 दे'पब'र्केट्' ※पक्ष्मायाः

अवाधिकायाः

अवाधिकायः

अवाधिकायः नित्। पर्वन्यादेग्पत्वायान्वमानिष्यत्वाचेरपाक्षवादे। देवस्य ॻॖऀॱ॔ॖॖॖॖॖॖॖॖॖॱॺॱॿॖॱॺॖज़ॱऄ॔॔॔ॖॱॻॱऄढ़ॱॻॺॱॺॖॺॱक़ॗॺॱॺॸॱढ़ॖॖ॔॔॔॔ॸॻॱ॔॔ॸॱऄॻॺॱॺॎॸॱऄॗ॔ढ़ॱ द्रावी लानःपूर्तःकुरवान्यान्यःषाःभीत्रहरःपूर्वानवेदालानरःचीरा

ने ब बर श्रेनबर विते श्रवर ना ब बर प्याप्त पातु तर व द हिते भी देता तर व प्याप्त पात्र व प्याप्त पात्र व प्यापत व प्याप्त पात्र व प्यापत व प्रापत व प्रापत

मुडेम्' हुर्। देशप्रहेम्'हेन्'यरे'सु'रहे'गुन्'छै'र्श्रम्'हेर्पन्रारहेन्'नुस्पा ब्रे.८८.के.जुब.२.२४८४.र्बंश.वंबानवा.येव.ह्ता.वे.वंबान्यवा.वे.वं यर'८र्देन'यय'र्ह्य'हेनाय'र्ना धे'हेनाय'र्ना न'हे'हे'हेर'ळेव'य' इसस र्वेल र्वेल रेखें प्रेस ता [किं किं किं वर्ग ] वि. च च कुले हैं रेटा र्वसर्रःं्रेलवेशया वयायायराया हेपाहेपाहेपास्याया सम्राक्रां हुं मं विवस सं प्रवेष समार दे में प्रवेश से प्रवेश में प्रवेश से प्रवेश में प <u> बेदः तुः छेदः सः चेदा प्रतः हुणका वैः भेदः दृदः तुकः यः वः स्वरः स्वरः कीः रेः सः</u> मुंबा म्बुग्यामङ्ग्रवादे म्बस्यायाया मुना वयायामरान्दामुदासादे । पर्वप्रा प्रविष्धु प्रविष्ठेर वर्षा प्रविष्य प्रविषय प्रविष्य प्यव प्रविष्य प्रविष्य प्रविष्य प्रविष्य प्रविष्य प्रविष्य प्रविष्य लाबुदान्दा स्वाप्ता मुखेराक्षेत्रसळेंदा मुवेदातुराचेदा बेरावयाक्षेप्तायायावां पार्वेवात्रा क्वित्यो स्वायनात्रा हार्नेताया न्र्रा भेषा निष्मुत्रुर्देशयाभेत् चेराव्याराखन्तरा मुखन् ५८। यमच्याम्निः चेरःवनः व्यावान्यम् व्यावान्यः व्यावायः व्यावयः व्यावायः व्यावायः व्यावयः व्यावयः व्यावयः व्यावयः व्यावयः व्य <u>बुट्रर्थात,र्था,र्यः प्रमान्नियः।</u> क्षाल,क्षा,येव,ती,त्यं,येवी,तींट्रा ৾ঀ৾৾৽ৡৢ৾৽৺য়য়য়ৢ৾ঀ৽ঽ৾৾৽য়৽ঀয়৽ড়ঢ়**৾ঀ৸৾য়**ঀ৽৸ড়ৣ৾৾ঀ৽ৠ৽য়৾ঀ৽য়ৣ৽৸ मॅंन्'ख्यानु'मुन्मंब'यास्यापाने'खेबार्वे। ने'क्रॅब'मरीपानातावे'साधेबास्नन्। रेसरनो मार्डमा छेता रेसा भैरिमे मार्डमा छेता मार्डमा छ न য়৾৾৾৻৾য়৵৴৴৸৾ঀৢ৾৾৾য়ৣ৾৾ঢ়<u>৾ঀৢ৸ৠ৾ঢ়ৢ৾ঢ়</u>য়ৢঢ়ৢ৾৸৽ঢ়ৠ৾৾ঢ়ৠ৾ঢ়ৠ৾ঢ়ৢয়ঀৢঢ়ঢ়৻৾৽ **ह्राश्चेद**रत्वित्वयःहे**रस्त्वयःत्युरःदयः।वाके**देरकुलःम्राथःद्ववाद्वरस्यान्युरः न्। वृद्दर्भवाक्षित्रवश्चराष्ट्रराष्ट्रपान्तरा वृद्दर्भुः रचतर वृष्ट्राचान **इबालःबर्धः बैधा.२बारक्त्याताया भूटार्ब्ह्रेटालाबर्धराह्ययोवायार्थे यो वर्षा** 

देश ख्रश कुला ख्रॅ द्रारे स्यान हो स्वर्ग स्वर्य स्वर्य स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स

हे मु१८ वि द्या कुल र प्याप्त है पु रह र प्याप्त है ते खुरा द्वेते सुर्वे त्या देवा व्यव्य प्यतः द्वे व्यव्य प्यतः द्वे व्यव्य प्यतः विष् व्याप्त म्या विकास मित्र परि'कॅबागु"र्तुपवर्हेकायालन्बाही व्याम्याख्यादुग्द्वाद्वानुष्वान्यानु हेट्दा न्नुटःसं हुन्र दुपदुगया सुरत्नुसर्सं स्टाय देना नृन्यस्य पर्वेचेयाताला वेषायोचरावयाक्याताके याहे जिस्ता हो स्वाया वया हिंदी <u>बेर-ब्रु-७१२ ब्रु-०। देव-मॅ-केर्२-ब-अ-५ न-नि, वट-५-मश्रेर-की-श्लेन्याकासु-</u> इत्रे खुन् कु र्रायुक्षाया देन् विषय्या विषय्या विषय्या विषय्या विषय्या विषय्या विषय्या विषय्या विषय्या विषय्य वयःम्बिन्यःस्यात्रेन्यः विन्यः विन्यः दिन्यः है। दे क्रियः दः म्दः म्दः विव्यः बानेबाणुटार्स् बळराळेगा देना त्ना मि ह्या या भेवायर दे नेबारे निकारी ढ़ऀॸॱऄॸॱॸॖॱढ़ॕॸॱॻॺॱऄॻॺॱऄॸॱॻॾॕॗॸॱॻढ़ऀॱ**ॻढ़ॺॱॶॱ**ज़ॕॱढ़ॺऻॎॿॱॺॱॸॕॖ**ॺ**ॱ दे.पंधर.रेटेजालय.वेथाचपु,हिंधु,केंटारे.पथ्ये,कें.पखेंचेथा केंपु,स्थ.स्य इत्रयादारी प्रतिर्भराष्ट्री परिन्नायाधिव प्रयाधिव स्थान्य सुरस्टिन वेर वया व**ण**'रे'य'नविराक्षेत्रक्षेत्रवर्षा अळवर **अॅ**ग्पर्वेद'सर'सेस'सुद्'पा'सेट्'पर'पुत्र। कुल'र्येदे'सदल'लस'ट्'रङ्ग**र**'र ८८.अर्थेर.तर.अष्ट्र.त.वैय.तर.ध्या ८.ज.वीप.त्र.८५८.४४४४.१८८. <u>ॻॖऀॺॱय़ॖज़ॱ</u>ढ़ढ़ॺॱॠॕॸॱॻॱॻॖॺऻॎॱऄॱज़॓ॱक़ॗॱऄज़ॱॸॖॱॻॖॖॸॱॻॸॱढ़ॸॕॸॱॸ॓ऻ 到二

म् १३ में म् म्यान्य विकाधानर पार्वे निर्माण विकास रिष्ट्र स्राप्टे स्वासे निर्माण स्वास ऍ८'ॻॖऀॺॱॿॖॺॱय़ढ़॓ॱॺॸॕॱॺॺऻ<u>ॎॼॱ</u>ॸढ़ॱॺॺॱढ़**ॸॺॱ**ढ़ॺॱफ़ॕॸॕॗॸॱऄ॒ॱॻॹॗॱ बःतथा चकुन्'चकु'ब्'मिर्न्ट'न्यर'कुै'खुल'नु'न्य'य'क्रॅब'कुै'न्तु'चक्रैब'क्नैट' बिशाम्युत्यायायवार्वे। मन्गुःयानेग्यत्वियार्थानुन्ववार्वेरेन्देतः लामुदायरावर्तेरायाष्यराष्ट्री मृष्ठवायाम्बरायवे मुवाबाचीवामुला स्रभुः पन्ने स्रमः स्रम् । पार्षे दे । स्रम् । प्रमुः प्रमुः प्रमुः । प्रमुः स्रम् । प्रमुः । प्रमुः । प्रमुः । घर सरा र्या स्विताया क्षेत्राते। दुर सारितायर स्वरा महिराया क्षेत्राया क्षेत्राया क्षेत्राया क्षेत्राया क्षेत्राया न्दर्भाने भारत विष्या मिर्मा विषय मार्थि । निर्मा विषय मिर्मा विषय । चकु 'है' भु 'युव 'हे। हु 'व मा हैन 'ल हु मा नह का च है का च है न लामेन्यायाचे नामेर नुवान । विवास मिन्याया निवास मिन्याया निवास विवास मिन्याया निवास मियाया निवास मियायाया निवास मियायाया निवास मियायाया निव म् १६ में म्याया वार्षा स्त्रीता वार्षाता वार्षा **६४.४४४५२५ क्ष्रेट.** क्षेट्र. पत्ने विष्यः क्ष्रेट्र. क्ष्येट्र. क्येट्र. क्ष्येट्र. क्ष्येट्र. क्ष्येट्र. क्ष्येट्र. क्ष्येट्र. क् वसःसित्रात्रात्रहराष्ट्रायायाया कुलार्यान्देशस्याविःम्१वाम्बुटायठवार्वा र्ब. इ. इ. केंब. चेल. की. खेल. वेका हु. ए. केंब. विवयः श्री. लवा का. श्री. हू **ची**. टे र. तर. र्डेन्'य्रवसंरुट्'वे'र्युट्'वेट'वे'यर'रहेंद्'व। दर्रे'म्३व'य्यं'म्बट्याय ₹<sup>त्र</sup>ार्ने। व्यनार्ने। कुलार्माक्षेत्रनातुत्वित्वत्त्वा घरानायदवःत्वाणुत्ता 

ह्या चराश्चरानी मार्देराश्चेदात्रस्य राजीयाहरी चराने राज्य हरा। स्रवास्त्रस्य पर्व व : श्रेट : खेशवा श्रे. [विषाति : ] विष्य : पर : अर्थे रः। हे : लट : लेश विषय : विश्व : मान्दा क्रैटाहे प्टा न्मारामान्दा मन्दाक्ष्रका के दार्था क्रेक्स न्तः। श्रुम्बार्थः कृष्यः स्वाप्तः स्वापतः भव्रतान्यप्रस्यात्वियाच। स्राप्तार्वस्यान्याः भ्रीस्यायनार्तुः ह्याप्रेया स्वास्त्रया विषा होता न्याया स्वास्त्रया स्वास्त्राचित्रया सक्र प्राप्त स्थान स मुग्यरायन्त्रम् यदावदयायराष्ट्रीयावराप्टा मुलामुन्देशेखलावया हे.लच.लेब.जचा भू, वेब.चे.चे.ही श्रथ. १४४.१५५ मु.रचण ८मूं-पार्यप्य में वि हे के वर्षे प्राप्त ख्रा कुषा साव परि पर प्र विवास समा कृष्तम देवाया विवासित्रम् । यया ग्रीया ग्रीया ग्रीया प्रवास स्वास वस। देग्भारहिन् विस्वस्या द्वस्य गुरु का कुषाय के मार्थित विस्तर्भा के स्वस्य के स्वस् र्नेन्यावया याप्रीयाजाकेप्रेपाप्राचित्राचीयाप्री ह्वासाला यर् द ' खुल' य बुट' में बा अहे स यहि ' बुल' य हुहै ' मूँ द ' यर ' अर्थें द ' हैं ' लामूटा विरामा अटा कुला सुर अर्था गार्रे मारा देवा रूप र वेरा त्राता र वारा रे वारी सर्ने'म्यु'म्रिन्'र्षेत्'र्दे'ब्रिस'बेर'र्दे। दे'व्याकुत्यःस्वयःसर्वयःमरुट्'**व्यः** म्न.चंट.चं.चबेचेश.ध्रा

है'द्ब'सॅ'पठु'म्हिब'सॅद'य'द्या कुल'पुर्दे प्रुम्ब'दमें दब'ला दब' ५'दे'व'म'य'रद'च्चे'कुल'वससंदिरद्वेदु'५८'। म्म्'श्रेद'र्सेदे'स्'र् न्ना विवयः ग्रीयाकन्यायहन्यायहन्यात् नुवान्ये नेपायहान्य हेन्यायहान्य के न्म्यान्यः ब्रियाया प्रवास्य व्याप्या व्याप्या व्याप्य व्य वसमारुप्यामुसावमा देवाया केतामुसामुसामुसामुसामुसामुसामु **षयः**ग्री**यः**ग्रीलःश्रीतःगहतःवया ग्रीलः।वययःश्वययः४८ःग्रीःहेरःस्टलः**न्**र्यलः ७८.पञ्च४.४। ८.लंच.केल.त्य.८८.केल.त्र-८८८.पञ्चर.पञ्चरायाः बुबबावमा नग्दार्थायवुरम्हैबायायाकुलाबरायाहिवायमा बॅनायाच्दा कुमार्थे स्थार प्राप्त स्थार स्था बु र दें दें त्र व में पूर्व र क्र कर र में वा में प्र व बर में दार क्र पर में बर र में दें र पचट में बा देव में के हैं 'पुञ प्याप्य विषय का प्याप्य विषय के का स्वाप्य स्य स्वाप्य बर्ड, इ.च. के.वे. तम्बर्ध केषातिष्ठ, रेवे.पाउचे विषात्रुध, श्रेर लक्षार्द्र नेरावर्षकाती ह्रान्तरहात्रे के त्या के कि त्या है के त्या के कि त्या के कि त्या के कि त्या के कि त क्रेयसम्यायम्बाने। देग्यसम्बद्धाः चित्रम्भित्रम्बद्धाः विद्रा रे रे दे रे श्रु भा बिटा मिस्र वारे रे रे रे काम्ब विदायस्य रे रे वे पि हें साम्ब राद वार इस्यामराञ्चरामहर्गात्मा केवासळे रे रे रे खुला दे रहे सम्माणी खुन्याना **ब्**षःऍ८'बेर'पर्हे८'ठु'बे८'पर्रे'प्ररायहें प्राप्ते विद्यार प्रस्ति । ऍ८'रे'रेहे'

बुरानु। नुसुनिर्मिद्याचरा है दार्दे। दे प्यदार सुसा हुदा र्मेर छ सार्थ साही। विचान्वेनान् रह्नायमा नामारवेदायरे दूरानु रह्मा विदाया ह्यु'यद'म्बुद्रहेरलद्यावया ह्रावायातह्यहेरहर्द्रहिट्रवया कुलाय म्युप्यायया स्याग्री'र्यान्यारिवित्चराव्यार्यात्वित् चराव्याया वुकाराका द्वापका सः स्वापका तामका हेर विश्व व का हिर सिंद पाया सिट.चेलचे,विषरपंषु,रे.ल.चेश्वेचे,ज.सूचे,वंबर.रे.चूचे,त.क्यात्वेचे,तथाक्याः मिला र जन्महेना हार लाम हेना संस्थान होना संस्थान र क्या हार हिना संस्थान स्था है र स्था हिला स्था है स्था है त्रवार्तुः मुद्देशः वाष्याः यस्त्राः द्रायः द्रायाः द्रायाः विकारी विवादः देखाम्बन्ध्रित्सवराद्यातास्त्रित्ति। वास्तितात्त्रवास्यावास्त्रस्य ञ्च'ल'प्रम्'वन्वन्त्रने। प्रेडेहर'मङ्म न्सु'न्स्ट'कुट'रेट'र्घ'ल'हे<sup>,</sup> ल्लॅब्रुच्युप्पृत्रः द्वाद्देश्यः देवायवः त्वापः छेत् वः हैं लः लिं चेता त्र्र्रः 5'ग्रा देश'म्या वृष्पार्वा देश'वर्षा वर्षा र्मूट अ है ल बरा विहे शुप्य स्थान है ले में हैं ले में है ले में हैं में हैं ले में हैं ले में हैं में है म'हरे'मर'५८'ब३ब'क्या दे'वय'कुल'में'केद'मा महर्य य'नेदि' इ'पा'व व'र्ष' मूर्पान्चेनवागी वा देर'पबुर्' हेना' बेर'ववा रुखु <u>र्विट्युट्सेट्र्यंखेर्युट्ट्र्र्यन्यं।</u> न्द्रियंखेर्युट्ट्र्यंन्यं। न्द्रियंखेर्युट्ट्र् ୩୨ୂଁ ଅୟାୟାୟାଧିପାମ୍ୟ ନ୍ୟୁଧିର କିଥାନୁ ଅନ୍ଧ୍ୟ ନିଥାନ ସ୍ଥାନ ଅନ୍ଧ୍ୟ ଅନ୍ଧ୍ୟ

 よって、
 なって、
 <

देन्ब्याकुलासुरदेन्भवरतुर्भुर्पाटरकेरम्याम्बर्धरकुलास्यम्यस्यर् चरुर'र्टा क्रेंक्रिंस्प्र्वं के कार्या के कार्या के कार्या के किया है। के किया है। के किया के किया के किया के क त्रञ्चेदायेनाः त्रा विदानी क्षित्रात्ता विदानी क्षित्रात्तात्वा क्षेत्रात्वा क्षेत्रात्वा क्षेत्रात्वा विदानी विदान रमान्त्रात्रात्रात्राचीर्म्यायर द्वारा प्राप्तात्रात्राव्यात्र वार्तर व्या पञ्जात्त्र प्राप्त के प (त्वाका) लालादी अविते लान्यक्य चीका मका। लालाक्य प्राका ৻য়য়য়৾ঀয়৽ৼঢ়৾৾৽ড়ঢ়৽**ঀয়৽ৠ৾৾ঢ়৽য়৸ঢ়য়য়৽ঢ়৽ৠ৻৸ৼ**ঢ়৻য়ৢঢ়ৢঢ়য় प्रक्षे,मीजा प्रवासी के दिन स्वास्त्र प्रवास स्वास स <u> वैदाद बाकुलार्स बामालाङ्कलाहे स्वया हैं तालाम्बेराष्ट्रे मे मारावेदाव वार्ते । </u> लाल्बराहाकावेयाविटाविलाळ्टाचावावावादारावादा मक्षेर ख्रान्यु प्रका मक्षेर किरका या ख्रार पक्ष प्रकारा प्रकार प भेष: इंदे: महुन् । भन्। निरंपु पहर संपान राष्ट्र। विष्यु मा सेवा केषा भ्राप्ता के विषय के त्रिया तर हैं हैं निया के त्रिया के त्रिया के त्रिया हैं मक्रेन्स्मा ने ते प्रमानिव र तर सिर्दे क्षेत्र में खेश प्रमा हिर है प्रमानिव र

रैन्बःबैः९इ'म'इन्"्ड्'स्'म्बै'ॲन्। **म्हुं'ब'न्**युबः'नु'९न्ब'ने'। *ष्ट्र*देग्लेग्ने। वन्नारस्युदेग्लेग्ने। इन्**यु**क्षक्रेदेग्लेग्नेदे। ५८-मन्दर हुनाकेद मंत्रामा द ५७ ता विक सा हामा हा निक स्थाप ल्लाक्षुं खेरान्वन्याभेषानान्नित्रम्। नेर्ञ्चयम्बर्ग्वेशस्युन्यास्यम्भित्रमेरानेर्णामः **ॻऻॱऄ॑**ॱ८.७ॖऻॷॖॴॹॹॻॷॴॹॴढ़ऄॿऻ॓॓॔ऄ॔ॷॴऄॣॴॴॹॗॴॶॴॶॴ मबन हरे. **ड्रे**. क्षेत्र ज्ञाना निष्ठ क्षेत्र क्षेत ष्रेनाम्बुर्म्मान्यः स्मान्नुरेन्द्रम्यस्यान्यस्यान्यस्य विष्णुरम् चर्च्चरा छ.बचयार्ग्वर.चर्चेरा छ.४ज्ञट.वरा छ.द.रा छ.कुचार्ट. ्पञ्चर हो। गायन सुवारु ख्वायर पङ्चिता। व गार वार्येर ह्या वा यस'न्तु'रुद'रुष्व हु 'गु'या'य'न्ये 'नुस'द्रस'न्तु'येन्'नुस्स्। वेन्' ॻॖऀॱॸऻॖॖॖड़ऀज़ॱॴॱॿॖॱॸऻॸॱऄॱॴॱढ़ॆॺॱढ़ॆॱॸॕ॔ॸॱय़ॱख़ॱय़ॸॗॖय़ॱढ़ॺॱढ़ॱय़ढ़ॗॹ॑॔ॿढ़ऀॱऄ॔ॱॴॱ मॅं ५ में १ तहेन विषय विषय विषय के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वर्ण के स्वर्ण के स्वर्ण के स्वर्ण के स्वर्ण के स्वर पर्वाच्यावयात्रम् कुरे में हाया में जुपा के प्राप्त के किया के प्राप्त के प् **ड्नाॅं क्रां** कुरम्रदर्भराम्बन्यां केदार्दे। **झ्रां**दराके ने महुराहे में मल हिनाना रट केन्य स्थान करान कि का मार मा के हैं है है। ज न्त्री, क्यात, के.वी व्याचमी, तुर्वे, क्यात, के.वी व्याध्या, व्याप्त हे.दी। ल.केज.तू.चेरें.जारें तात्वीचंत्रता हे.दी संजाय.रेट.चुं.च.रेट.७**संज** षेषाः हर्षाः हेवः षेषाः पृषुः शः संग्रायः याष्यः श्वाः तुषाः पौः क्रीरः व्य**ठस**सः

क्रेट'त्टम विनयाप्टार्वेनापुः धुटा भ्राणीयावर्ग **हेना**मीयाञ्चा नर मुहे। मा बर खुब दु पार्टे बा पर्टे बा व व पा मुंदा है। देर खु हिंद इस ब बा द रे। अव्यक्तं निष्ण्याची त्राची त **ॅिट प्राप्त विकास है । ३०० व स** १०५ मा मा स्वर्थ प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्त **ळेॱरटःनीःऋ'क्ःक्षुेक्ष्यःसुःन्वव**ःस्याधुनाःशिवरःर्धेनावरःसिनाःशतुनाःववाःर्षि**रःनाटः** दस्र दिन्या निरारमा है प्रेन्य में देवा दिन में पद्यक्रमायाम्पाद्यक्राच्याः विकाश्चराविकाश्चरायाः विदायान्तायाः क्रियाने म्भियाताम् दिनासेन। यहान्यादिना वित्रासेना वसायम्त [[wa.2.]] = 4.0.1 = 4.0.1 = 4.0.1 = 4.0.1 = 4.1 = 4.0. मात्रह्मान्यामानु हुलायाचे वायरारे वाववायरायरा पुरक्षायवा विराम व दी ट.बट.बेट.भु.लेल.वय.प्टन्या च.स्ट्रान्नी.लेल.ये.प्स्.नूरा वय.ह. **दबःस्ट्रिकःस्वःद्वःष्ट्र**बेर। ८४:मुण्यःद्वेष्य्-युबःसयःहःस्ट् करा रेप्यादेग्यादी विवासेरा के सूरायर मिरासेरा देरायस र्हें दिया मस्रायान्यार्थे वात्रावात्राच्यात्राच् ब्रुंदा वर्ष्ट्रस्यान् रहें राष्ट्रस्य वर्षे वरते वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्ष कर्ष्यन् चेरप्यक्ष रुप्तः कर्रेत्र्रा चुन्य रेष्य् पुरुष्य सम्बद्धा चेर **मकः हर्नेत्र देर**कुंगारायाकेत्रमहिष्येषे वे द्वारीयाविष्यम् स्वर्ते। गा **མད་སུམ་ནུ་གམ་པ་བৣང་སྡེ་ད་གཚད་ཚད་སྐད་ད་བྱྱུར་བຽུབ་གས་རྱ་སེག་་་་** वयाश्चरव्याम्हवरायमा

पनिषादारे देववा ग्रे है पारार त्युर विषा निर्मर केदा सर त्युर पना वह्यान्दर्भाष्याचा कृष्याम्या क्ष्याम्या क्ष्याम्या **ॻ**ऄॻॱढ़ॺॱॿॖढ़ऀॱय़ॖॱ॔ॕॱॺ**ॎॱ**ॻॕॱॶॺॱॺॖॆऀ॓॓॓ॖॱऄॕढ़ॱ ४॔ॺॱय़ॖॺॱढ़ॺऀॱढ़॓ढ़॓ॱऄॱॸॕ॔ॻॱॸ॔ॱॱ ९व्रेट्यान्द्रा व्याप्त्रा व् ġ'ড়**৲'**৲ང'! न्ये**৲'**৲५५८८९कु'ऄ'ऍन'अ८'ऍ'৲८'! ह'ऍ'ॐ'৲८'| ह ביקבין קביקבין פראיביקבין בימביקבין מףביביקבין र्भाक्षामा विष्युन्ता विष्युन्ता विष्युन्ता विष्युन्ता बदःस्यान्यक्र्यः । ५ मृष्यान्यक्ष्यः विदायः विदायः विदायः विवयः म'न्र्रिन्या मही स्राप्त में मान्य मही स्राप्त मही स्र **अक्ट**र-पाअटार्चशाकुलार्चातालक्केट्रवयाकुलार्चाकुट्राणुशासुन्वराह्म **क़ऀॱढ़॓ॱढ़॓ॱय़ॖॱढ़ऀज़ॱ**य़ॖॱय़ॸॱऄॺॺॱय़ॱढ़॓ॱक़ॖॱज़ॸॱॡॖ॔ॱॺॕॖज़ॺॱॺॺॸॱॺॖज़ॱय़ढ़॓ॱऄॸॱ **山、いち、当に、す、母、知及な、と**はな、母、知な、男に、口矣な、后々、ととないって知事。 **ॻॿॖॖॖॖॖॖज़ॺॱ**ॻढ़ॆॱक़ॗॖॖॖॖॖॻॱढ़ॱढ़ढ़ॱॸॖढ़ॱॿॗॗॣॖॗॣॖय़ॱॻॖऀॱऄॗढ़ॱॻॕढ़॓ॱॿॕॣढ़ॱॻॕॱ**ज़**ढ़ॆज़ॱय़ॱॸॆढ़॓ॱढ़ढ़ॸॱॱॱॱ ष**ञ**्भागी पुरर ब्रामहु पहिना सर्म र सुर द्विन स्व न स्व का स्व बर्मेद'म्केन'न्'पर्हेन'दब'के'ङ्केट'पर'मुर'र्हे। ने'दब'मुश'र्घरे'युन्य'श' षु'दे'हे'षुर'चुर्यायाम्दर'5८स'त्रुबायाद्दा पर'चु'पबाद'र्यार्ष्ट्रा'द्दा मुन्दर्ह त्रवादर्भ भैदर्गन्य द्रा कुर्चे के द्रा न्वर्वर द्र ५८। 🖟 श्रे कॅ ५ ५८। मृहुबर्ध में ५५ ५ सर्ह्य महिल्ला विकास विवास ልፍ'ည፝'ፙ፞፞፞ፍ''ଯ୍ୟ''ผล'ผ'ลิ'ছर''¤ราคิส'है। कुल'ညँ'है'ผ' בֿ' אַבּב' אַ אַבּ

श् रेष्वयः कुला संप्रात्रात्राची पुर्वे प्रतिस्थान्य । स्थाप्रात्रा कुला स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप aळॅ॔॔॔॔॔॔ॱवॄऄ॔ज़ॱॺऀॱय़ॖॱक़ॕॱॺॕॱॻढ़ॖॱड़ॖॖॿॱऄ॔ढ़ॱय़ॱक़ॢढ़ऀॱय़ॖॱक़ॕॱढ़ड़ॱॻॱॻढ़ॖॱड़ॖॿॱॺऀ**ॺ**ॱॱॱॱ अकॅर्न्यमुव्ये के कर्यम्य मेर्न्। कुलम्य प्यत् कुर्न्य प्यत् कुर्न्य प्यत् कुर्न्य प्यत् । **ลธั**รายายูรายรากยๆสายารู**าลสาลธัรายาล**ย์ร**าย**สาริาสุสาฮูณามีลิง**…** য়ৢঀয়৽ঢ়৽ঀয়য়ৣয়৽য়য়৾৽ৼঀ৾৽য়ৄৼ৽ড়৽৸৽ৼ৽য়৽ঢ়৽৾ঀ৽য়ঢ়৽ঢ়৽ড়ঀ৽য়ৣয়৽ঀয়৽ৼঀ৾৽ য়ৣ৾৾৾ঢ়৻৸৻৻য়৸য়৾৻য়৾৻ড়৾য়ৼঢ়য়৾৻য়৾য়ড়ৢঢ়৻য়ড়ৣয়৻য়য়য়ঢ়৻য়য়ৼৼঢ়৾৽ 「「「P'科西」をできます。 「あっては、80、口を、後山、日、80、4に、4 「 こん、ぬ、とれ、自) ਫ਼੶ਖ਼ੑੑੑੑ৴੶ঀৣ৵৻৴ৢয়ৢঀ৻ৼৼ৵৻৸৵য়ৢঀ৻ড়৵৻৸ৠ৻৸৻৴ৼ৽ড়৸৻ঢ়ৢ৻৻ৼ৻ঢ়ৢঌ৻৻য় महिः ञ्चरायः ह्युत्यरमहिः निष्ट्यं हिः नीः निष्टां त्याने निष्या महिन्या हिः प्रमानिक स्थाने हिः पर्या स्थित । पबुन्यायाविनाः श्रुवादया सुन्देन् श्रुवातः हेवानुन्यतः स्ता देरादने श्रुवादेव हु 'त्युं श' मुै अ' से न् 'ठे**न' एउन्' ठ अ' बे न'** श' कु 'न म, प्न-' कु न स' खे न स' खे 'कु न' हे न' मे न' यण्यारुव पुःस्य पुँदा हे **ग**तुला चुःत्रा तर्ला स्य प्रेस द सान्त्री राषा स्री दे सा घमनारुट्रायाम्बद्दाव्यादेग्यमार्देट्राचेराम्यार्यात्र्यात्वात्राह्ययाम्यात्रा पर्व हैं खन्न कर दर्द प्रमा चुन कर है दि के सम्मित् व का है क यर मुका देर के ने दुनाय रहा **मुँद बैना व्यव**रायर मुका के ने दुनाय के का णुं रहिंद रवि प्यक्तिर प्रदेश्या देश सम्बन्ध । सुर्दे दे रवे प्रवास स्वर कर व प्रदेश ञ्चनश्रके'म'न्हिनाधिदार्दे।

रे'रे'<sup>ल</sup>'र'लुन्'र्टा अ'र्ने'स्'यमु'र्वअ'रेते'क्ने<mark>'सेन्स'द्य'रे</mark>ते'<mark>सन्</mark>'नेस' मॅ्र विरादेश द्वावायाय स्वाया मुकार्दिन श्रु दका की कार्रा **णव्यायह्यात्रायहि व्यक्ति ।** हेवाकेवार्यायम् अति त्विंसावा**वेवा** प्रायहिःस **ਜ਼ਸ਼੶ਜ਼**ਫ਼੶ਸ਼ੑੑੑੑੑੑਸ਼ਸ਼੶ਸ਼ੑਸ਼ਫ਼੶ਸ਼੶ੑਗ਼ੵਸ਼੶ਗ਼ੵਜ਼੶ਜ਼ੵਸ਼੶ਖ਼ੑਜ਼ਸ਼ਫ਼ੑੑ<mark>ੑੑੑੑੑ੶ਜ਼ਸ਼</mark>ੑਫ਼ਜ਼੶ਜ਼ੵਜ਼੶ देशेर्न्णुलाबाकुलाधेशेर्यान्दर्न्म्। र्वेन्। र्वेन्। यशेर्ष्वन्यान्वेन्। स्वार्थः स्नूरागः व'यर'कुल'र्यस'र्स'द्रेहेंदस'र्घ'नुस'वस'न्वेनसाउ'र्वा हुले'यहैंर्नेहेंदर मक्री में दे प्रति स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर दे.पा.चेंब.वें.वेंबेच्याचार्याची स्वातात्राचा स्वातात्राचा स्वातात्राचा स्वातात्राचा स्वातात्राचा स्वातात्राचा ल'क्रॅर'म'चेर'महेर'न्ने'क्रॅम'क्र्या दे'व्य'नेमा महेर्नुम'तुम माष्टिर कुला चंदे व्यापा प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प पर्वेगवारामराव्यावामरायाम्वेगवारावा कुलाम्द्रास्यामरावी हैटानु हैटानु पद्धेष्रायम्बार्षकार्मुकार्द्ध। देराकुलार्धकार्न्नार्श्वेदालासुनायका न्त्नावा र्कें द'र्भव'द्रायच्याय'विषाद्राय्यावय। देशे हेयायाया के मिण्येयायामा न्हर्वा हेन्द्राबदवाकुवायायद्वेदायगुराषुवायवे के मिव्यायाय **॔ॱऄॱॸॕॴॱॵॱॴॖॖॖऀॴक़ॱॹॖॱॻॗॸॱय़ॱय़ढ़ॏढ़ॱॸॖॖऻ ऄॱॸॕॴॱॸऀॱॸॴॱक़**ॱॷॸॱ **परः बुलामके रने व्यक्ति रने के रन्ते विश्वेष्ट रने के रिनामी मिन्न विश्वेष्ट के रिनामी मिन्न विश्वेष के रिनामी मिन्न व** वयान्ने क्रिटाने प्यटावयायायायाया मिनायायाया 

यर खु देश न र्वा या प्राप्त के विष्ट्र के वि त्रत्राहे न्या क्षेत्र वा त्रिका के त्राहे के त दे.हेर.भु.चंबर.व.भु.लूट.चंबिट थातालया चिलात्र.वे.री ४वचयाताह. मुलार्चरे व्याप्तान्त्रात्त्र्य। हार्युलार्चाया ह्रात्युलार्चाया ह्रात्युलार्चाया बुनाबः ५५'रु'यञ्जनार्मे। देरारु बालायवशयते के रिनोर्झें मानी बला वया गुें मुल्यमं केवामं वियासया प्रिकृत्स्यायारे केवास्याया दे.बूटकाला वटानाबटका मैकानपुर्वका लियाका स्वाप्त क्रामिका है। हैर. पञ्चर'पते र्श्वेष'पदिव अहं ५'या बु'देश'या ५व'६व' सुषा ग्री हैर' याप्ता र्वाप्तरमा भेकि लामे प्रविदानियाय पर्या भी महामा स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त इयान्यायान्त्रा कुलार्यावारी त्यान्यामान्त्राम् यायद्विद १८व मा स्वाप्त मा १८। ४ व प्त प्त मुं भी मा स्वाप्त मा स् व म में मामायम्माया विवासित व वास्ता विवासित व वास्ता में मिला कि **चॅंचालाल**हे सुलावृत्वाचारवरावयात्विलाव्यान्त्रीयार्थिनाय्या दे लापुर्यातु,भर्ये, प्राच्यान्यापर,भ्राक्षितानमाली विषय, हार्हेमाचीहिया. पानबुद्रान्सुन हे बा बुवायवा ह्युलायहै प्नो ह्यूंटानी ख्लाद्या हुलाया **२.व.**२व.व्रील.व्री.श्रेट.च्र.व्र.क्रे.क्री.व्री.वर.व्री.वर्यप्ट.व्यीयप्ट्र.प्टायाह्र.च्र.वि.य**यः** हिरे सु कुरा हार में के अया महिर्देश के कि सह कि स्वार्थ के प्रमुख भैकृ'वै। रे'मॅ'मॅ'५'पथे'मुट'र्युगयाना मुन्यायधे'वन्याकाळवा**विनान**' षॅत्। देग्लाळेबापर्डाष्ट्रेत्र्वापान्याप्तरायदेग्रेत्वारायवाकाकार्वेणात्वर

क्रमान्त्रेक विक्रमान्त्र प्रतात्र विक्रमान्य बिलाम्बुट्या देवता हुतायहै प्रवेश हिंदिया में व 'मन्ना' रुमा में मारहेन पर से रिमुर परा तथन मार परा में है समार के दारी <u>देद-</u>द्रायद्द्र-पर-खु-खेय-म्बया दे-दय-द्ये-श्चर-क्यी दे-दम् <sup>ऄ**ढ़ॱ**य़ॱॺॱय़ॸॱॾॸॱऄॱॡय़ॗॖॖॣॖॖॣॖॖॣॖॸॱॸॗॱढ़ॹॗय़ॱय़ॹय़ॱय़ॖॱय़**ढ़ॱॸॕॸ॔ॱ**ॖ॔।</sup> མཚང་རྡེན་བརྡུརྡི་འཁྲོར་སོ་ལ་མཚང་བང་མངང་ངོ། མཚང་པ་རྒྱ་རྡེན་རё་ सहर्पति स्व स्व दे। पुंद हाय नेद रह के है। सन्दर्भ हैं। वन्द्रा वाकायम् मुद्दाना के वाका दे प्रमाणका के विकास करा स्थान्तरा त्राचित्रात्रात्राच्यात्राच् ⟨ल्पाः⟩ धरात्युरामाद्राः। देवःकेवासेवादुःस्य्रामाव्यस्यामुकामुदा। दे हरामहर्वित्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् चतः मुद्दः इतम्यस्तरह। दे व मः मुलः व मुद्दः मुद्दः सुमः विदे प्राप्तः सुदः मैस'गुट्र धुै'र्पस्गुं'रिज्'प्प'ह्रस्त्रत्गुंस्गुंद्र वसर्प्ट्र वसर्प्ट्र धुैर् याचसमारुप्ताती हिंदा हो। प्रतिवासके माम्बुसायासके द्वारा मुकारिया प्रमाण्यात्र व्यापायाः विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विषयं विषयं विषयं विषयं

त्र्राचात्रहेम्'मेश्रायुरे'ख्यानु'र्केश्रामश्रुष्टश्रायाः। ऍना'रीव्'मी'ध्रेरे'रेना के में मा तिराहेर दिवाया प्रमा विमानु हैं दिन या महाराम है ने प्राप्य महिन्य है यते रहत प्रमुल कु कि प्रमेश के प्रमास स्था कु प्राया दे कि का है। स्था कु साम कि साम सम्सः मुकारें पृत्युम्य स्वरायका त्रका मित्र कुरा के मिर्मुका समसर मुक्राभृगुःश्वापाधुःम्दर्भवात्वात्वात्वातुवादादावीकाः वाद्वापितादेवा वया ग्रेम्म कुरामीय प्रत्यापित स्वाप्तु वुराय विदाने। प्राक्षा वार्षा केर बकें म'तृष्ण'म'वेषा'विष्ठ'ठेमा १०'म देवे किंपा द विष्ठ प्रेम किंपा विष्ठ किंपा न्मामहै तर् केषा भेषा हे सम्बन्ध केष्ण सक्ष्मा सामा केहे है सम्भेषा भेषा 5र्मचकुर्द्रा स्वाबेटाश्चित्रविष्यकुर्येषायते कुर्मा देख्याकुषायाद्रा न्वार्श्वरा निवारको द्वारा में द्वारा में किया में प्राप्त स्वारा स्वा **इ.स.च.च.च.्रि**ध.चेंच.घंट.त्र.कुध.ष्ट्र**ा.**ची.चें.श.वीय.तथा द्य.रेव.वींप.ची. **कैट.च्छु.क्ट**.चूर्चेट.प्र.चिंट.। ट्रेंट.क्य.चंब.कूट.चूर्चळट.चंबा टेज.कुंब.कूट.चे. महे झु लट मुटा दे मठद महे दि का उदा प्रति हु लिया च**रु** महिना सार ता मुंदा है । यस किना के से सा सा है । यस ता प्राप्त किना यह । **न्युअ**रह्व क्रिन् मित्र या व्रुप्त प्राप्त वित्र में वित्र के वित्र कर वित्र के वि मानाम्या द्वान्यमा त्रान्यमा त्रान्यमा त्रान्यमा कृत्नी' बराष्ट्रार्थे द्राया अके पार्वापादि दिना' व वायुत्र है। दिना' वेदाव वा कुरे देना तह ब ति पर पा लेखा चु पा प्राप्त के मा तह व सार प्राय पर ची किया 

पत्र'हे'अ'र्घप'ग्रेक'र्पवाकावा पहेर'स्र'ट्वाकाकव्यम्प्रस्थान का धेव वसा न्यन्यस्य विद्यार है स्याप में विद्या में स्याप में विद्या स्थाप में प्राप्त में प्राप र्भाक्तेष्ट्रेत्रवात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् निटारि हिराया में यायवस्यायायमा स्वाया है। याया रवादि सुवा है। र्वि द्वार पुरे वरा तुर्वे रामका विदान का खु गु गर्दे था है। व्यार्थ किंदा प्र चुरामित नित्र केना सारी भीता दें। देरा उदा प्रवासित के हिंदी हैं हैं। हैं में रटार्चुदासरीकेटायासुग्वास्याक्षां वैटान्यासुकार्केन्युगायायदावासुका ह्रट.ट्रेश.बैट.घर.वेश.कृट.ो झर.कृट.ट्रे.ल.धूर.घ.षवे.चब्रेश.वेश.वेश.वे. माने हैं न दे वियास मुराहै। रहा मुहा हव रव में मुही है। है सिहे बिया म्बुंबर्षि'व। (देवेरङ्गेटर्षि विकेष्वरम्बुंबरम्ब्राम् ) देवेरङ्गेटर्षा बलाम्कृषाय्रेम्या <म्हिन्यः >मा देवे हेटावाबलाम्कृषायब्दामा देवे **ब्रेट.द.**ळ.षु.टे.चधु.वज.त.त.वेच.च.चेच.च.चेच.च.चेच.च.चेच.च.चेच.च.चेच.च.चेच.च युन्यानराष्ट्रया अप्रसुराम। देवे विष्यानाम्यान्यान्यान्यान्यान्यस्य नेति र्द्रमा सामा दिते र्द्रमा सम्मान स्वाप्त मा देशेर्सम् संस्थान देवासद्याम् । मूर्यवाम् केरायावाम स्थिता हेवा मा मुख्यायादारीयायाद्वी हुमापहेदामा प्रदेशमादाम्बु। घायादायेदा पदिव र्दे र पु रेव पा के तह व पारी

देश्यतः श्राटार्या के द्रम्य कर्षा स्वाप्त व्याप्त त्या मित्र विष्टा स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत

गुं चुन् भिवा वेरामर विदा (ठमा ) वा वगु है। देन्'न्यद्य'रेग्य'ग्रे'सु'र्से' ष्ण (ष्मर्ः) बेराव्यायम् ब्रेयामान्तर्भः सुः स्राम्येनान्तरस् **गुै-वै**टःस्यःषुटःस्रं पुन्य गुरुग्यता विद्यां प्रताना गाउँना कमा द वादे रह्युता मति नि क्षित्रं स्वास्त्रं व्यास्त्रं विश्वस्त्रं स्वास्त्रं मिन्ने क्षित्रं स्वास्त्रं हेदःन्यस्य स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्य ५८:३८:पञ्चेथाकुँ कुँटायादेरायहमार्जा देवसाम्बर्धाकेदायापकुरातुः **ट्रेंद-दब्र:**गुट-ढ्रुप-कुंद-प्रं कुंद-प्रं कुंद-दब्र कुंद्रुट-कुंद्र-कुंद्र-वि-कुंद्र-वि-कुंद्र-वि-कुंद्र-वि-कुंद **बदःग्रंदेवःग्रंकेदैःकुष्णःबदैः।वादःदिष्णःयःग्रीवादःहै।** तहनाःवःवदःग्रं न्द्रम् गुर्म् प्रमुख्या क्रम् द्वे द्वे दे से सम्मर्मित्र महिन र सिर्मित्र **ढ़॓ॸॱऄफ़ज़ॻऄऀ॔ॴऄ॔ॴढ़ॴढ़ॴढ़ॴढ़ॱज़ॺॸॱॱढ़ढ़ऄऻ** वऀॸॱख़ऀॻॱॻॖऀॱॷ॓ॸॱॻऻ॓ॱ बर्कर**ेहें। जदस्य केद मंग्निकुर्य सामुराकुरा कुर्ने हैं** वृद्ध हैं। बा (द्व.रव.चू.भुधा) के.अकूष्ट्रपटचा.अष्ट्रा की.चर.ही.ही.च्यायावया इस्राह्मा व्याप्त स्वाप्त हो। देग्प बेदामी ने ने ना ने व्याप्त में निर्माण क्षेत्र में पन्नेभ'न्दा वन'न्न'न्नुभेद्द्रमुं रहा वन'न्न'न् भेकेंद्रे अर्के दे हैं दिया विष्यु के दे दे हैं विषय के के दे हैं दे हैं के हिया है कि है के हिया है कि है के हिया है कि **झॅंस** में प्रति हुए हु। ह्यु ल'मिते 'दिन 'में सि क्रिक्त कर का कि हुल हु। विन्यति सु दे रव दव में निहित्यक दि में दिन में हितानी हितान सु मार्थिया देवे बर्ब व त्यर त्या मुद्दा कुच [ विदानी ] अर्के द रहेवा विदेश व राम राम विमाय सार **ॻॷॹॱॻॖऀॱॕॻ**ॸॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॸॱॸऀॸॱॻॾॖॊॴॱॻॖॖऀॱऄॗॸॱॻॕॱ**ठढ़ॱॻॷॖॖॖॖॖॖॖॗऴॱॻॿॖ**ॻऻॺॱॷॱॻड़ॖॻऻॱढ़ॺॱय़ॗॴ ह्याविरात्र २४ त्विष्यं इवयाणुटारेका चुैयास्या चुलार्विरे खुन्या

दे व ब कुल रहिर बुनाब दर्ने द बाला विष्ठा की देश की की दिला की कार्य पः ठवः ग्रीःख्रियः पुःश्चे बायि देवस्य ठवः याचेनायः केवः स्विः क्रं सार्यपुदः पत्रा यासुंगयानावयाय्ययायवर्षेत्राचीर्द्यात्वुटा (चि) द्रुवावयाद्वराष्ट्रते सुनायापा व्या प्रताल्याकेम्बर्गावरम् । याचारम् विष्युवरम् । विष्युवर न्याचे द्राष्ट्री देरे विषया के बारा प्राप्त स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्य 5्रत्म र मेंना[मानक्षा]। हें मं वुगल हे के ब मेंते अके र केंट बुव रहर ला **इंदः चे.वे.दे.**६८.६५.४४४००० चेल. गुधुः उत्ति स्ति स्ति हे. प्रति स्ति हे. १८८४५०० चित्र हे. सट ब्र संस्थर में पार्रे नाया व संस्थर खंदा नी मृत्या मुस्ति ना स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त व्याप्तान्त्रा विष्ट्रा विष्ट् ৾ঀৢ৾৾ঀ৽৾৾য়৾৾৽ঢ়৽ৠৢ৾৾ঀ৽য়৾৽য়ৢ৾য়৽ড়৽ঢ়৽ৼৠৢয়৽ড়ঢ়৽**ঢ়৾য়**ঀ৽ঢ়ৢ৾৾ঢ়ৢ৾ঀ৽ঢ়৽ঢ়ৼ৾ঀ **ढ़्रे व्हार्वे हर्षे व्याप्त विषय्यो विषये विषय** मा मुलार्चा केवार्चा कमावमाव निष्य देशा मुलार्चा निष्य देशा कॅमाग्री केटाया के मे प्रमान्य प्रतासक समान दिन प्रतासक समान के समान के समान के समान के समान के समान के समान क त्युराने। म्बन्यायात्रित्रे ह्यायायुराक्ताक्षेत्रकार्माराष्ट्रायराक्तायरा त्वृत्यर'त्युर'र्र। श्लु'न्युट'युगव'ग्रे'हेव'र्र्यामुट'ष्य'त्युट'यर'त्युर'

त्रुप्तरास्तानुतान्याः कृषाः विषया विषय त्वृतःम्वन्यःचुःनःवःयुकाःवेःन्यतःमतेःक्षयःचुःनःन्तः। युकाःवेःक्षंपनेःक्षेुन म्रिकाश मु'न्रवादे प्राप्त मु'र्बा मु'र्बा मु'र्वा मु'र्वा भुका मु'र्वा चना-रंभर-ति-कुन्याः वयः विः नहः इरःभह्रः स्रान्यरः स्रान्यविनाः रक्षः विः । । । **ॻॾॣॸॖॱय़ॺॱ**क़ॸॱय़ॱॻॖॗढ़ॱढ़ॺॱय़॒**ॴ**ॱॻॖॱक़ॗॖऀॻॺॱॺॖॱक़ॸॱऄॻॱॻॖॺॱय़ॺॎऻॎॻॖॱॺॕॱॴॎऄॗॸॱ 5ৢॱॺ॔॔॔॔ॱॸढ़॓ॱॺॖऀॱॺॺॱॖ॔ॱॺॖऀॻॺॱॾॖ॓ॱक़॓ढ़ॱय़ॕॱढ़ॺॻॺॱॻॱॾॗऀढ़ॱॸॺॱॻॏॿॻॺॱॻऀॱॿॗॗॺॱॻ **₿९**'८२'८णर'ॻॖऀॱॺॕॺॱॻॖॕॿॱॻ। वेल'ॻॖऀॱ[ऄ॒८'प']।ह्वेर'प'बह्बाक्रित्व **ॾऀज़ॱय़ॱॿऀज़ॱ**ॻॖऀॸॱढ़ॺॱय़ॖॱ≋ॱॎऄॎॖॸॱॸ॔ॸॱॺॖऀक़ॱॺॻॺॱॻॖढ़ॕॱॾ॓ॸॱढ़ॺॱढ़ॺॖऀज़ॱय़ॱॾॗऀ॔ॸ माञ्चेत्रायत्रास्त्रविराष्ट्रत्रवा विष्ट्रायत्रायत्राष्ट्रियाः विष्ट्रत्य विष्ट्रियाः **५**८.८.५५६६५७ चे चे पूर्व प्रचायाया के बार्च स्था देशे'ଔ**ୟ.**ଖ.ৠ८.ਜ਼.ଔ୷ৠ.५.५.५ଐ.୩.ਜ਼.୴.ৠ୷୴.ਜ਼ भैव-र्नुग्यदेग्य-द्रद्रा अद्या श्रेष्ठश्चादित्य-द्रद्रा भेद्रवाश्वराया द्वरा यर बै हैं नाय राष्ट्र है। पुरक्ष रेहेर प्रकार या तर है का या राष्ट्र है का

त्रिट्टा प्रिच्याच्च व्यव्य व्याप्त व्यापत वय

न्राष्ट्रेयामा विदानुष्ट्रेन् न्या प्राप्त न्या हित्या हित्य क्ष्य हित्य क्ष्य हित्य क्ष्य हित्य क्षय हित्य हित्य

४ळ्ळाच्या ळ्याचेव.वी.लेलाव.रेयाचेथ्य.वी.यट्याचेयावीच्याची.व्यंताचा. য়ৢ৾৾ঢ়৽ৢঀ৾য়ঀ৽ড়ঀ৽য়৽ড়ঢ়৽য়ৢ৾৽৽ৢঀ৽ৼঢ়৽ৼৼ৾ৼ৾**৽ঀ৾৽৽ঢ়৽ঢ়৽ঢ়৽**ৡ৾ঀ৽ঢ়ৢ৽ৼঢ়৽ৠ৾৽৽৽ <u>नु</u> रेत्र में त्र के त्र के त्र के त्र प्रत्य के त्र प्रत्य के त्र के त बसःत्र्राः केयः श्रुवः बसः देरः ष्टितः नासुवः ग्रीवः द्वारः नम् वः रामः दे रहेते : दु रुष्वेतामान्यात्रवानात्रवानात्रवानात्रवानात्रवानात्रवानात्रवानात्रवानात्रवानात्रवानात्रवानात्रवानात्रवानात्रवान भूर-पश्चामा है-सामार प्रचित्र वित्या हैन होता हैन हो है । है प्रच्या हैन हो हैन हो है । है । है । है । है । है য়য়য়৾৽ঽ৴৾ঀৣ৾৾৽ঀ৻৸৾৾৴ঀৢ৾৾৾৾ঢ়৾৾৽৸<del>৾য়ঢ়য়৽য়ৢ৾৽</del>৸ঽ৾৽ড়য়৾ঀৢ৾ঀড়৸৽ঀৢয়৽য়য়৾৾ঢ়ৢ৸৽৽ त्यार्भित्यायार्येत्रकेषार्यायव्यवस्यात्री कुर्मान्या वस्यावेदेरत्यायास्य ह्रा चेत्र,बुंद्र,पि.प्र.ब्रिट्र,एसबेब्र,पर्द्र,ब्रिंग्राम,क्ष्रेय,पत्र,क्षेर,एसबेब्र,प्र.बीब्र हे क्रेब, स् भूषया क्रेट, स्कृत्वे द्वापा भूषा ८ में पारमाया क्रेपा की स् चल, धुंब, टंट, चला िब, बुंग, चिल, इंब, टंट, विजय, क्र्य, टंट, चला व्हेंय. न्या महमारा हेन् की रहा मान्य तार राम्य विषा में मान्य विषा में मान्य विषा में ८हेव-अन् क्विंट्राया ह्या यन् वे स्ट्रिकेट हेद्रबेद्रह्यानुग्दरा । अप्त्र्युप्यात्यात्य्यानुग्रदानुद्रावहेव वेष्वेष्यान्या र्दिन्'नुस्तरंप। इत्राहेन्'यळद्यार्टासर'पञ्चेन रट'सर'र्म्त्रायाळ्या 

र्टा चुटा को विषय त्युरा केटा माद्या मुख्य केटा मुळा केटा मुख्य केटा मुख्य केटा मुख्य केटा मुख्य केटा मुख्य केटा मुळा केटा मुख्य केटा मुख्य केटा मुख्य केटा मुख्य केटा मुख्य केटा मुख्य केटा मुळा केटा मुख्य केटा मुळा मुळा केटा मु

दे द का मुका ने ते । चितु का मुना 'खु न (वार कद ग्मु गयर 'क्रें का विर 'क्रुं माय के मुना 'दे का मुका मुना 'खु न (वार कद गम्मु का वार के लिए क्रुं माय के मुना है का मुना है का मुना के द 'दे का मुना है का मुना के द 'दे का मुना के द 'दे का मुना के ते 'है का मुना के ते 'हैं का मुना का मुन

मश्चरः मरः मुँदः दुः हे स्ट्राहे दः प्रतिः स्वा दिः स्वा विकामश्चरः स्व विकामश्च

ह्नाम्बर्धित्व निविष्ट्वित्व विविष्ट्वित्व विविष्ट्वित्व मुलायर पुलाही रेला पुलारहेना हेता पुरावसन द्रास यह रहेन रहेना पुरावस दे,त्त्र्षुष्य,योज्ञेयायाः क्षुर्य,प्रवेश्वरप्रवेशः वीत्य, प्रवेशः वीत्य प्रवेशः क्षित्रः प्रवेशः क्षित्रः प्र मर्यत्या कुर्दा बेया स्ट्राप्त हुवा है। हार्च के देश यह राम स्ट्रा ८६८,८मात्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक दमा स्रिन्पत्रे मुर्सदायादा । दिनो र्सिट सुर दिना स्मिन् मालादे प्राप्त । रामापु प्रमाराय रे मार्थ । सामि प्रमाराय । न्नार्रु १८व । रेना या सामु ग्रेव स्थापता । पन्ना हिन केव सामि स दे'व्याययर'ग्रेयायत्या ग्रुया हैदा । विष्याधितायर विश्वराम्या स्वा ମ୍ୟୁଟ୍ୟୁମ୍ୟଂଫ୍ରିଂମ୍ୟଟ୍ୟାପ୍ୟୟଅଫ୍ରିଷଂଶ୍ୱାନ୍ତପ୍ୟ ଓ୍ରିଷଂପ୍ତ୍ରଂପ୍ୟୟା ନହିଛ୍ୟ ଅଟି हीट'मे'कुब'स्टापसुब्। १३'म'ह्रापासुरस्यात्ता । । विद्याकुर्यापसुब्राया न्यलाचे ५ म्यला । तहेना हेव । व्यवसार ५ र तह वासा (वा ) ही दानी कुव **ट्वार**्वेट.तर.एक्ट्रा । तिश्वरक्षीयत्यत्यःक्षियःत्तर्वेद्वरतात्वेद्वरा । म्ह्रिक्राग्रीक्षाय्वेद्राहेक्षा । मह्हिक्षाग्रीक्षायुगकाग्रीः क्षेत्राक्षा । **गहैशक् कुन्यते** र्श्विपान्यवाने। । पहिशानि प्रस्थाने स्थानि स्थानि । विशा ण्युत्सःस। दे दस्याणु वृत्र व सामु सुता सक्ष्मा हु प्रस्ति हो। देवा केवा **लट.म्.न**म्ट.नपु.थट्र.कुं.पथा ७ मू.हृट.खुंश.वेषु.मूट.वेर.टी ।कैज.म्. ਐ'ॸ॰ॴ'ॸ॔ॎॺऀ। ।य़ॖॺॱॿ॓ॱॹॱॸॱॺॱऄॱॺ॒ॺ। ।य़ॖॱॿॖॗऀज़ॱढ़ॺॱय़ॖॱढ़य़ॗढ़ॱढ़ॻॗॸॱ है। । तु'क्रस्य गुव भुै क्षेप 'न्यव 'र्वे। । बेस महार संव माबव पर

न्याया अर्में द मिता है। अपि कें मुन्ता अर्था माना निर्मा अर्था नित्र दे दे दे ते त्र प्रत्रे त्र प्रत्र प्रत्र प्रत्र प्रत्र प्रत्र प्रत्रे प्रत्र प्रत्रे प्रति प् [अधि-द्रव्यः] त्यन्यायःपःश्चुन्यः वृत्यःन्तृतःचृतेः। यसः ठवः ग्रीःवरः व यः श्वन्यः **ॾ॓.ॼॳ.स्.**५ष्त्रचेश.स.**बीरे.४४.चोत्रचेश.८तः वैधेच**.चोश.४२ेष.च४.ॠॅ८.५४.गु निट वन र र नेवर नेवर नेवर विवास का मान व र र नेवर से नेवर र में कर र नेवर र यस'न्वेन्य'यस'हितु'स'नेते'हे' वें 'हे द्राप्त हिन्दा निवार हिन्दा का दे 'यस द्राप्त स पर'य्व'यर'म्बेन्याहे। श्रेंप'न्यंव'ग्रेयाचेयायावाहेरे'हे'यं'ग्रेन्यानेरे रूर' **월ंद'दबा छिं5'अ'र्ने'न्5**द'र्5'प्तळें'प'धेद'दअ'देव'नसुदब्र**'प**बा ना5द' ट्रांबेरवर्षे त्रिंद्रायते.क्रियासा क्रियासा वित्राह्मेया वित्र श्रीया वित्र श्रीया वित्र श्रीया वित्र श्रीया वि <u>श्चिप्त्रं मुक्ष्ये, देखा क्रुयः मुद्रा स्थानश्चया वर्षा स्थानया हे.</u> न्दर्व नेदर् तेन मार्या प्राप्त ना द्वा देवा द्वा मार्या प्राप्त ना विना **漢松'다'与下!** अट**松'**豊क'ग्री'न्नेटर्अ'म'द्वेद'र्श्ड'र्यामानापटःन्नाप्तेः र्नेत 'बेन' खु' बेर 'ब्या श्रीय 'न्यें त 'ग्रीय 'श्रिर' ग्री 'येर 'र द ' श्रेन 'श्रूर 'हे ' थें द ' **नशु**रस्याया वैसामसञ्ज्ञामा पर्नायाथेराष्ट्रस्य विष्ट्रासान्त्रे सुं'मु'मिक्रम'स्ट'बुक्ष'म्या श्चिम'द्वरमुक्ष'विद्व'दे'ल'म्द्रवर्गा अन्द्रेत वि.वी.पु.ह.स्.वीवायाड्राष्ट्रये प्रप्राभीरास्त्रेशया रटालटाविवायाड्राष्ट्रये प्रप्रा **য়ৢয়য়৽৸৸ৡ৾৾ঢ়৴য়৽ড়৽ঀ৾৽ঢ়ৢঀ৸**৽ঢ়য়ৢয়৽ড়ঀ৸৽ঢ়ঢ়৻য়ৢঀয়৽য়৽**ঽঢ়৽** ण्डेग्रायायाया अप्ते प्रतः ब्रुट्यायस्य स्वरं प्रवासः हे केत्र स्राप्तः क्षेत्र स्वरं रटः रोजयः र्ध्वयः म्यान्याम्बदः याष्ठ्रयः खेन्। विरायटः के हिना हिल

श्रेन् भुनायर दिन । बूट शेयम क्रिय हैन ही पा से दार प्रेम । सर्हेनम त्वितात्तर्भेत्रवात्वराष्ट्रवात्तरः क्षेत्रः हेवा क्षेत्रः विवानवित्यायः नि ष्ट्रिर्नेशःश्चित्र्नेष्ठ्राष्ट्रेराष्ट्रराम्न्ययायायद्वेदायश्चेययायत्वयामुत्रावेदारा १ सम्बन्धः स्वत्यायम् सः ने प्पत्तः हे सार् हे प्वतः हे वारे प्यविवासः प्रस्याने गाणाः <u> न्दः अः ने है प्यु गुहै है नाया व बार्ड रार्मेन्या सु सु खिना मुद्दा ने हे है व्हा व बार</u> **हिंदु** 'द्रण्य स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत **ृवा**न्तरस्य प्रमुप्त स्वापाली वास्त्र विष्या वास्त्र स्वापाली वास्त्र स्वापाली वास्त्र स्वापाली वास्त्र स्वापाली व য়ঢ়ৢঢ়৻ঢ়৾৻ঀয়ঢ়৻য়ৠৼ৻ঀৢ৾য়৻য়ৢয়৻য়য়য়য়য়য়য়য়৻ঢ়ৼয়৻য়ৢয়৻ৡ৻ঢ়ৼঢ়৻য়য়ৢঢ়য়৻য়য়৻ arਰੇਨੇ`ਵੇ`ਜ਼ਁੑੑੑੑਜ਼ੑਜ਼ਲ਼ਲ਼ਸ਼ਁਜ਼ੑ੶ਜ਼੶ਜ਼ੵਸ਼੶ਫ਼ੑਸ਼੶ਜ਼ੑਜ਼ੑਜ਼ੵ੶ਖ਼ੑਸ਼੶ਲ਼ੑੑੑੑੵ੶ਲ਼ਖ਼ੑੑਜ਼੶ਜ਼ਲ਼੶ਜ਼ੵਜ਼੶ <u>च</u>ुर। त्ना चेद चेत्रा पञ्चन त्रा विष्ये ने प्राची **मर**'९६ँ५'हेब'दब'**म्बस'८म्'**बुब'मब'ङ्खाय'महे'मुट'कुम'बेबब'६महे'ब्ब वसाधार्या मुंदर्भारता में स्थान स्थान विस्तर्भात्र में स्थान स्थान स्थान स्थान **寒४.**७,४८.सॅ.७,५४.**८**४.घर.कुथ। 🏿 ४४४.४.च.त. हूं ८.च४७.२.२.५४.घर.कुथा *ৼৢ৾*৾৾৾ঢ়৽৻ঀ৾*ড়য়৽য়ৢ৽য়ৢৢ৽য়ঢ়৽*ঢ়ৢ৾৽ঀ৾৵৽৻৸ৼ৾ঀৢ৾য়৾৾৸৾৾৾য়য়য়৽ঽয়৽য়য়৽ঽঢ়৽ঢ়ৢ৽ঢ়৾য়৽য়৽য়৽য়ৣ৽ मेर्जन्य श्री

खुलाकागृदादादा विदार त्या क्षेत्र त्या कष्त्र त्या क्षेत्र त्या क्षेत्र त्या क्षेत्र त्या क्षेत्र त्या कष्त्र त्या क्षेत्र त्या क्षेत्

व्यान्य स्वर्ण स्वर्ण

क्षर-विद्यान्त विद्यान्त विद्यान्त विद्यान वि

५चॅब रे रे मार्वे ५ क्वि केव चे लिम निया हिराव या खार रे रे राया क्विया है राया परि रहिन्या पारत्ना पारम् विन्या स्था दे व या उव र दव र दव र र रे रे रे प्राव या सुर हुँ व प'न्दा रव्यन्व कुं न्या देवा वा स्वाप्त क्षा व्यव क्षा खुवामकाके क्षेतायर हेवाका प्रविवाद्या देवका हुतायर परि दिने क्षेता नैकाञ्चदः इत्याययान् स्थायाः यहवा द्वाराष्ट्री द्वाया । स्थाप्ता विष्या प्राप्ता विष्या । केन्यन्यन्यन्यक्राष्ट्रम्ष्यायायुत्राहेना क्षान्त्रम्यकाक्षायकाक्रनाकानेका ๚'๗๕๔'ๅฅ'ๅ๚ฃๅ'ฺๅ๚ฅ๙'๕ๅ'฿๙'฿ํ๛฿๚๚๛๚ฅ๚๚๛๛๛๛ वस्युवर्द्वर्यया तयनवायात्मान्त्रम् भूर्रामुग्वर्वेर्द्द्रवेर्र्येत्र्य्वर याद्रा अपाङ्गर क्षि**ना नश्च**रसाव सामिनासासुरसाम्बद्धाः प्रेसायास्या Ñब्रपार्चस्त्रुप्स**र्मा**रमारा**याग्वस्याद्वम्यः व्याप्तरः हे स्वा**र्वर्पुरम्बुगसः स् Ҁ҇ॱढ़*ॺॱ*ढ़य़ज़ॺॱय़ॱॿॖ**ॱ**ॸॖऀॱॻॖॱय़ॱक़ॖॖॖॱॺॸॕ**ज़**ॱॸॺ**ॸॱय़ॕॱढ़ढ़ॱढ़ॕॸॱ**ॿ॓ॸॱॸॺॸॱय़ॕॱढ़ॺॕॗॱॱॱ ุกาฎิฆาผาผากฏิรานาชมเดิ**ๆ**าผมา**นั**ราฏิามชมพามะานูณาฏิารัการูาผู้สาา सह र वर् कर दे र र दे न दे न किन न सुर क व स न मेन न स स न दे र स न दे र स ने द सारविष्या सामित्र ढ़ख़ॕॖॱॻॱय़ॖॖॆॺॱॻॱॺॕॱक़ॖॱॺ॔ढ़ॱॻढ़ऀॱॺ॔ॱड़ॱॺॱॿॖऀ॑ॻॱॻय़ॱॶय़ॱॺॺॱय़ॖढ़ॆॱॺ॔ॸॱॺॗॕॻऻॺॱॺॢॱ रैससम्बद्धाः केवार्याः सेतायारी र्देवातु पर्वे पर्वे वातार्यो एका विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषय <u>४४.७५॥४.५.२५.५८.५५.५५.५५.५५.५५.५५.५५.५५.५५.५५.५५.</u> **ॿऀज़ॱ**ॻय़ॱख़ॖय़ॱॻॖऀॱॸॕॖ॔॔॔ॸॱढ़ॖॆॸॱऄॱॸ॔ॸॱॺऀॱढ़ॕॗॱॾॕॖज़ॺॱढ़ॱॻॿॖज़ॺॱॺ॔। ॴॿढ़ॱ[[ॸॖॖॱ]] · 월학·도도제·등·제·디ၟ디·활·띵씨·루자·취제·희자·유효·디·西두·취 띵씨·루·ặ레제· ข้า हुना प्यहाय पा दे दिसस्य भु दे दिसस्य ग्री प्रीद प्यक्ष प्राप्त प्राप्त स्वाप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र 45. L สูลานลาปามีการสาราสาราชาสาราชาสาราชา चैतः चंद्रः चंद्रः व्याप्तः व्यापतः व्या

न्द्रामाना क्रम् केर् केर्या क्रम् स्वरं स्वरं तार्थिता तार्थिता क्रम् क्रम् क्रम् क्रम् क्रम् क्रम् क्रम् क्रम् मुद्रामुक्षाम् वार्षः पर्वे वास्त्राहर्षः हेर् से से हेर् ता. क्ष्या भी त्रिम् स्मान्ता वन निवासी भी हर ही ला अन्य टा में टा ने का प्रवेष न म्। के.रवा.पूरु.लेज.व.पर् अ.र्व.४८४४.वि.वि.वि.परु.से.क्य.पवित्व.व. चर्षेथ्रतपुर्चेर। द्रबर्धिलाची.श्रेट्रम्भान्नेद्रवराष्ट्रम्भान्ने विकास विका पर पु क्रिंट प्रवातुम पु क्रिंट म दे प्रवार में है खुश प्रवाद्य प्रवाद प्रवाद क्रिंट प्रवाद क्रिंट प्रवाद क्रि ฮูด'ฉั'ฺๆ'จ'ฺฎ'๛'ฺรู'Ҁे'ฉ'รั'ฺค**ฺ฿**'ฉ่ณิฯฺฺฺลฺรฺ๛'ฉั'ฉิ'ฉ'ฺฺ่าเฺ่รฺน'**ดิฺล'ฺฺฺฺ**รฺน' लाङ्गान्धनाष्ट्रित्त्व्यान्याः स्वान्यः स्वान्यः त्वान्यः त्वान्यः स्वान्यः स्वा न्यर'नते'सन्न्य'कष्य'च्या अळव'न्न'न्ये'चुन'नु'ह्य'चा वि'चुन'सु' पश्**रूच**, भ्र.पंच्याप्त म्ह्याप्त मार्थ क्ष्या मार्थ स्वाप्त मार्थ स्वाप्त मार्थ स्वाप्त मार्थ स्वाप्त स्वाप्त स्व .दै'म्'ना देव'में केरे नम् कहें नाम महतान विमा मिन्या ने रेन ने लाम महेव' 다마·전유·명마·두·률마·전·독특·루·다·떠드·중마·루·우夫·日리 दें प्रमुखं प्राप्त में द्र पुर्व देश किं प्रमार प्रमुख्य प्रमा के स्वर्ग के स्वर्ग के स्वर्ग के स्वर्ग के स्वर् न्वेता ब्रुट् संत्र स्त्र या र त्र च्रुट् सं पर न्य विवादा श्री

सद्वस्यत्वस्य द्वा स्वस्य क्वा स्वस्य क्वा स्वस्य क्वा स्वस्य स्वस्य क्वा स्वस्य स्य स्वस्य स्वस्य

सुरसंगिष्टेशकार्यास्य विषयात् । निर्माहेशकार्या प्रस्ताति विषयात् । मामिनादेशानुसाम् मामिनाष्ट्रिमाष्ट्रीमार्क्षान्य विष्यामा स्वाद्यासा **শুলাই** বে ৰাণ্ড্ৰাৰাই বাৰ্ঘান্ত বিশ্বাৰাণ্ড্ৰী অৱস্থান বিশ্বাৰী অৱস্থান বিশ্বাৰী ব मान्द्रे क्राया के त्राया वी निर्देश्या विष्या विष्या विषय विष्या विषय मिन ८५व मेव ररे पर विरायक में ना हिना हेना निराव दिया दिराव देश **म्रदावित्राक्तीः वाद्वः प्रताया वाद्याय व** मिटासारे रे पुटा विश्वाधिया वाया या रे रे प्युटा विश्वाधिया हिंदा ञ्चन्क्रवारे रे मुद्दा निकानिकार हित्या पुदा ने क्षानिकार वा न विषा अ:१ असः या ना हेना कटा यर पुटा यहा है स्था विकाय पार्टि र हेटा तहु व बरावया देग्याक्षेवायां स्वापरार्थेटावडवायुयावतुदावाये। देवा कुया प्रदेश बियावया परावृतानिष्ठेषावातुर्वेष्ठानिष्ठेनार्वेवार्वेवार्वेनान्ता निमरास **न**हेन् हैं भारत पुर्व नासु दस द साहे हैं नहिन गुप्त दर सिंद रहेन प्रस्ते रा <u>ঈॅलप्रुरम्हिम् वॅरिम्पिहेर्यञ्चर इटकालेयायात्ता देला हेरला</u> मॅं क्यस व रे रे भेव पु रे मिया स्वा इंद में केव में साहे त्या दे स्वा व्या से मा डेबर्बा व्रवर्गायन्रःह्रेटरवर्गध्यान्तर्नेष्कुलर्गात्रात्रात्वात्रात्व मते प्रमाय है दूर मधी देवा बुका मान्या कुला में ते दिन का के रे दे लेवा का र्ष। ८८.प्र.वेत.वेत्य.वे.वे.व्हेंच.प्र.चंत्र.वेत्र हे.वे.च.र.पष्ट.क्रय. ロ童도·출·청·청·조·청·청·동조·아·희아·희아·청·청·청·청·청·청·청·청·청·청·선 5.ध्र. परे मृत्गी्य सर्वेद परे पुंच खु है या यहा प्रस्था करा यस स्वर्भ दा देव प्रस्

मिर्दरहे प्रके म्हर्प होरामा प्राप्ति कुल में लाखन हेव मिर् मार्थर प्राप्त मार्थर प्रिया मार्थर प्राप्त प् देश र्थ राष्ट्र के में क्षाया में में त्रे त्र प्राप्त के प्राप्त के में क्षाय के प्राप्त के से प्राप्त के प्र हेद जैस ता है नहे में ब्रुवा में वा वस्ता देश महत्या है के द पाल पेंदे मितार्त्राष्ट्रमा व मा सम्पालित मिता मिन मिन प्रमार निया मिन मिन प्रमार निया मिन प्रमा मिन प्र घुग्यास्त्रसम्मानासम्बद्धाः चर्तास्त्रम् सम्बद्धाः स्तर्भाष्ट्रम् वित्रा ब्रि-क्रिक वर्ष के क्या निक्र निर्देश में निर्देश के में बर पार्टी देश वुरावादिशास्त्रेमा देशावुरावाभित्रा देशाल्याविरायास्त्रा लूटा ट्रे.ब.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.ट्रा.च.क्रू.च.च.घडेंब.घडुं.चींडा. विस्ता स्रिन्दिन क्षिक केन। विकल तकर नुन द पु के हेन। के तुरा वासार्वाक्षित्राचेराक्षेत्राच्यानाक्षेत्रावाक्ष्यास्त्राच्यान्त्री खुक्षाहेवार् खुक्षाहेवार् वयायर वित्रात्र वित्रात्र विवासी वित्र विवासी विवास इराप्ट्यार्बेराज्येराट्रार्टीको हामान्यान्यान्याप्ट्रां बेर्ट्या देट'यट'पर'र्'यप'ग्रे'र्'म'कुव'**वै**'२कर्। वॅर'**म**टब'र्बुद'खुद'खुद'र्खेद या मिंदारे हिदाला केदायमा सुर्धिक के हिराबेरा करा हिरा वा वा तर ही क्रिंग तु 'दिल' हैन त्रै इस्र खुराया बरावन प्राप्त द्रा त्राया है स विं पार्रे र उदाया प्रिंता में वार्षे वार्ये वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे <u> देर'झे 'में ठेम' श्रुव' इत्स' दस'हेंद्र'चे 'च्युद्स' दस' छ्वस' पश्चित्र' व्याप्त वात्र व्याप्त ह</u> ۲.۱

 בורים שותי בותי שתי בותי שתי ביל של היבו וחדי של היבו וחדי

न्विषान्तान्तान्तान्तान्ति के न्त्रिषान्तान व्याप्त्र द्रस्य सहाया **ଵୄ୕୶ୢୡ**ୢ୵୵୷୶୶ୄଌ**୷**୕୴୷ୢ**ୠ୶ୖୄ୶୕**ୡ୕୵୶ୄୢ୕ୄ୕୕୴୶୷୵୵୵୷ ଶୄ୶ୖ୷ୣ୷୷୷୷୷୷ वित्रहे वस्त्रहे ने वर्ष दिन दिन स्थाप का का कित्रहे विद्याप का स्थाप का स्थाप का स्थाप का स्थाप का स्थाप का स **ผม**ดาดุศักา ฏาตูณาน้า มีคากฮสาฆสานีดิ นัก<sub>ร</sub>ากาผกลา คิ กฤลิภาติ ำ คักา के मकु प्रमान प्रमान के प्रमान देर'कुल'र्चस'ष्ट्रिन'ठे'प्रेन्'म्ब्र्स्स'याखा ন্ন্ৰ ম্ম ৰেখানা **ॿ**ॖॴॱय़ॕॱॴॱॻढ़ॖ॔ढ़ॱक़ॕॱऄ॔॔ॱॱॻऺॺॱॿॖॎ॓ऀ॔ॱॱॻॴॱय़ॕढ़ऀॱॿॖॴॱय़ॕॱॴॱॻऻऄॖढ़ॱढ़ॸॕॣॻऻॴ म्हेन् वि'पर्दर्दर्दे कुलर्पे कुलर्पे कुलर्पे कुलर्पे का ने वेन कर प्रकार कुर त्रक्षाः ब्रेका बुका वका देव कार्यान देखे दे हारा में प्रकेषियका या दे प्रवास कार्या यॅर्ते श्रुव स्टर प्यव **ने रे**र द्रापाद खेता रहे प्यव हिता हा साम स्टर स्वाहित स्वाहि वर्'र्ट सुन्ना वर् चुट प्रदे के रहि में व व व चेंट हिर है अधहा प्रस्ति रामा यद्रदर्भरायामुद्रार्द्रग्रेम्यायते के तिर्मेष व या मूद्र 95, 92, 941 ฿ฺଽ<sup>੶</sup>฿ୢॱ୶ॺ॒ଋॱॸॠॕॸॱ**ढ़ॱॸ॓ॱॸॴॱ**ऄॱଋय़ॗ॒ॸॱॻॸॱक़ॻॗॗॸ। ॴॗॶॺॱॸॖॱॿॖॗॻॺॱॻक़ऀॱ **ळे.**८८, चूर, त्याय. चेला. प्याप्त विष्या हो. हे. हेर. ह. अ. ४८ थे. एहं अ. ख्**रन्**ठेन्रान्दरान्राखुख्याम्य। नयार्घाक्षान्वयार्वरा <u> चुत्र है। कुल संदारी लामानहत्रामारे हे। महिदानावहवासाय</u> ८६ॅग्न'य'सेद'यस'मिट्'पस'ट'पवट'। दहे'मिंद्रेद'ब्रे'मिट्रस'सेद'सि [हेर्र] णुरः विराजेरा बेरायर **मायरायर या सं**राया विरास्ता नेया के विरास के स्वायर विरास के स्वायर विरास के स्वाय מי<u>ש</u>מיבוים בימיאבאי של מיבולאיבוישקן ופלימיצא אבן בימיאבאי

कुषार्दिन् शुस्या ग्री मु भेरावया मु वयुरायुगया ग्री हित्र रिनाया प्रवर्ग ष्टित् ग्री अर्केत् ग्वत् वा सु ग्वत्य श्वाप्त ग्री हिव प्यक्षेत्र वा प्ताप्त विषय कि स्वाप्त विषय विषय विषय व महिःमाडुं मार्थमान्यान्य विस्वानु विषयः विषयः स्वान्यान्य मान्यान्य ूरिमालीवः क्षे-वुषावात्वा देश्या मुक्तावात्वा देशाया विकाय व <u> इंदर्भ अन्य क्षेत्र विद्याय स्वर्थ द्वर्थ के स्वर्थ क</u>्ष यरः क्रेले खरः क्रेले चित्राचे त्राचे प्रति । के प হু 'ঘট্টৰাৰ ৰাশ্ব ৰাশ্বীল্ৰাঘন। ঘনাইটি 'ষ্টালী' হু 'দ্ভুল' ব্ৰাঘন্নল্ৰাঘৰ कुल-सं-वु-नालासक्र्नान्वस-न्निनायाधनाधिन् वेराहे। विताहेन् कुला धार्यत्यः कुषार्दिन् शुट्यः ग्रीप्टेट व्याक्ता प्राप्त्य विष्ट्रेष्य विष्ट्रेया । बर्चरहे। हिर्धाप्रियाम्बर्यान्यरात्राहराष्ट्रियाम्बर्धाया त.रि.कूट.रे.व्रीत.यय.दी.विट.पची. १.पदीर.पवुट्य.हे। झू.व्यथ.१८. बैटा ब्रैचेय चर्णा पूर्व खुरायाच्यू दे स्वा विषय चुटः पत्र। प्रशासिरे मुलार्घरे प्रत्यकायायायार दे प्रदायने वा विष्या विषय ब्रुपःक्षेःब्रुपःयरः न्गारः पान्वेगः रनुमा कृषः द्वा विनः ग्रीः कुषः यः नेतः ट.प.विश्व,षु.भू. (विरेट.)हे। हुंग.वि.वु.वु.वु.वू.वू.वु.व्याव्या र्नियायाथेदानेष्विययायेदाया देनायायरियायेवाच्यायहरीष्ट्रियया **न**ठटायार्केसप्टास्युवायराधिदादी विदायासेना विदायीप्रस्यान्यारा म्राट्ये पारवर्षः विस्तरातकतातु साव पुरस क्षेता ने 'के' वृष्णव' के' बेर 'में ब ผาผัส मिराम्बान्य विषया विषया

स्वाप्तान स्वाप्ता में का में प्राप्ता प्राप्ता में में प्राप्ता में प मुप्तातर मृत्रा हुं अप्तार देपा मुर्पाय विषय है। विषय प्रतान है अप्तार है। हु । सुलाम्या 🥶 सुना हु । पार्वे वा व वा माञ्चे नवा प्रवास । पार्वे विषय हु । पार्वा कुलायाला विस्तर्भवाया विवर्षे देशिताला विस्तर्भे स्त्री छित् प्रेमे **ऄ्टः झे माठे मा** 'प्याचा प्याचित्रः वर्षः कर है 'अ 'पाठे मा था झु ' खबर ग्री 'पापित्र पाटि ' झें हर 5 विभावसाळ्यान्यारायार्वे पायायुद्धे विम्नायव्या दे सामकरा (रमा) नुग्न नुद्रा नाया देशे कुता देशा कुता हो नाया दि । मुत्र मह्याक्षाता के का में वयान्यन् द्राप्त वयान्ते कुलाम्ययाष्ट्र वया प्राप्त वया स्मित्रम् विग्वर्षं प्यतः स्टार्यतः सेर्ग्यरः विर्दे खुससः दया युगसागुकादे द्वापिका हुना देवा सुवाप प्रमाणकरा विवाद देवा सामित पर विवाध **द्वारा विवाध व** ਰੁੱਟ੍ਰਾਕਕਾਵਾਧੜਵਾੜ੍ਹੀ ਰੁੱਟ੍ਰਾਕਬਨਾਨ੍ਕਿਧਾ<mark>ਰ੍</mark>ਰਾੜਕਾਨ੍ਵਾਲ਼ੱਵਕਾੜੂੱਟ੍ਰਾਕੇਨ੍ਹੀ ८:४:अटअ:कुअ:४५:खु८अ:कुं'रै८:व्यादृष्ट्रायरादृष्ट्राप्टृं'(ठु'पा)कुंदाक्रें *ढ़*ढ़ॸॖॱॻढ़॓ॱॺॕॸॺॱॾॗॕॸॱॻॖऀॺॱय़ॖ॓ॺॱय़ॱॺ॓ॸॖॱय़ख़ॕॸॖॱय़ॺॱॿॖॆॸॖॱॺॱॿ॓ॸऻ॒ढ़ॸॕॸॱय़ढ़॓ॱ ॅॅंन्ऑर्स्स क्रिंन्'ल'ऍर्स संबंधित हैं से हेन्य हैं क्रिंन्स क्रिंस हैं क्रिंस क्रिंस हैं क्रिंस क्रिंस हैं क् **हेर**-केुस-यायद हिरायय में नानसुट सामया देग्य हिंदा में सन्र की साम मा हर्रेषुकायामदीदानुष्ट्राष्ट्रिनामलाखुलान्दार्मन्विष्ठकाणुःमरानुष्ववादेदा **य़्ट्र**ाल,७त्रुच,लर,ञ्चेल,ब्र्याची ह्ये,ज्ञुल,ब्रिच,ञ्चेच,ज्ञुच,प्र्ट्रट्य, **교육·등작·최·ፙ**도·口科·육·씨·퓰씨·진科·크도科·ᆌ·폴레·명·유숙·디矟ㅗ·디·씨미科·취!

**ढ़ऀक़ॱॾॕॗॖॾ**ॱय़ॖॱ**ॸऀॱय़ॗज़**ॱॸॖॖॱय़ॖॺॱॺॕऻॎ ॸऀॱक़ॗॺॱॻॕक़ॱज़ॿऀज़ॹॻक़ॱॻक़ॱॻय़ॱॻॕढ़॓ॱऄॱज़॓ॸॱ **฿ฺๅ๚๛๚๛๛๛๛๛๛๛** क्रि.कर्.अ.ब्रिट्य.ता.ब्रूर.ल्ट्य.ब्रिट्य.विश.घ.अरी हर्.अवर.४५्व. कुलार्माखाकेन् वेराहे। वितानवेषाकेना वितानवेषा नियान्य नावरा ८सः वटकः **प**ठुपःषःभ्रुःखिकःग्रुःचर्ग्न्रःचनुरःश्चेषःषःवेष्मःखुषःऽुः **युर-ध-ल-वावाका** गुःस्टया र्बुर-बेरह-घ-रूटा। क्रायहे खुला ट्रायुर-धा ૡૢૡ੶ઌૢૼ૽૽૽ૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢઌૻઌ૽૽૾ૹૻૄૢ૽૱૱૱૱૽૽ૹ૽૾ૢ૽ૢ૾૽૽ઌૢૡ૽૽ઌૢ૿ઌ૽૱૽૽૽ૢૢ૿ૢૢૢૢ૽૱ઌ૱૽૽૱૽૽ૢૻૢ૽ૢૢ૽૾૽ઌ૽૽ૡ૽૽૽૽ૡ૽૽ૡ૽૽ૡ૽૽ૡ૽૽ૡ૽૽ૡ देना विदेश्यत्या हुँ त्रिश्वर पार्मेता स्रीता स्री स्थारी विदेशी स्थारी विदेशी विट-छ्वा.गु.क्र्य.स्या.छ.३.घटेंदे.पा.स्वयाता.हेंट्.टे.श्रिणी त.चढ्ढी म्बद्राप्यताञ्चन्यतार्वेम् स्वतार्वेम् स्वतार्वे व्याप्यतार्वे व्याप्यते स्वाप्यता *য়ৢৄ৾৻৴৻ঀৢ৾৾৻৸৳৴৻৸৻য়য়৸৻ঽ৻৻৸৻য়ৢ৾৽৻*৻৻য়য়য়য়৻ঽঀ৻য়য়য়৻ঽ৻৻৸৻য়ৢঢ়৻৸৻৴৻৴৻ **ชี่กลายาฮลลางก**ายดายดำนักลาฏีกาลกดายกระชายสายลาสลา वस्तरहराणुः द्वाचारायानु वारायानु वारायानु विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्य **⊓.อี๊ะ.บฆ่** ƒะ.บพ.ฮุชู.ขิพ.ฮุชู.ชื่ฆ.ก.ษโ ฆ่มช.ษโฮฺบ.ฏิ.ขิพ.ฮุชู. भु'लुका'ग्रे'मर्केन्यर्ना इवायराव्युवाया वे मक्त्राम्यकाम्भेकाके विमा मान्तर **र्नेन**'र्ञ्चेंबरपु:ष्पट'(र्घेन्नर)य:बेटा (ब्रुंबर)दबरदेर:ह्रे:न्वेन'हिंग्यर्ड्द नगश्यवट दे। देर'या कुल'र्स्य **द्वान हैन**'ल'हिंद'र्में 'कुल'र्स्टे' पर्दुव में तार स्वार्म दिन वा मानु हि माने मानी विवाद वा वा वा वा निवास के **धॅर्**दरकें स्र्रायदे खुल क्रेंबरमा म्हेबर्दरके तस्त्रमदे खुल देरा दा मे

८मॅ 'बेश ह्रुवार्थ। देर 'या कुल मंदर दे। देव के प्यवा 보드-튀어,다당. मुलायाक्षेत्रायरात्रन्त विष्यास्यामहत्त्वात्राष्ट्रितावायास्यामुत्रात्वा विवा ह्यायाते,र्वाचा भरात्रा श्रीता**वसान्ति।र्वाटा भरारीता** विपायवसाक्रा ८६ॅ वसायकारी प्रकार है। देरायपा कुला य्याक्षेत्रचेत्राच्चात्रव्याच्यवरार्ण्याक्षेत्राच्चीत्राच्चात्राच्यव्याच्चात्रव्याच्चात्राच्या मुश्रुट्याम्या अञ्चरारहें वा कुं कुला या दे रद्दा ने वा तु के पाला हु हे वा अन् चेर.तस्राराज्याङ्ग्याञ्चरत्या द्यः प्राक्षे 'ब्राट' प्राक्रिके की प्राप्ता प्राप्त प्राप्त प्राप्त का स्था की स्था है। प्राप्त व च्चैत्रः खु 'च 'चु ल' में क्षं ल' मत्रा चि कुल' में त्र 'झे 'मठिम' हि 'चई **द** 'ल' म्बद् पर'न्स'पडर'ण्य'ह्नदय'**पर।** नेते'सक्रेन'**ण्वय'स्'यटर्यक्रा**र्यन बुंदबःगुबःरतः**न्दसःबह्दःमहेःहं दं बेःवसुं**दः**हं रहे र**दः। ইশানী, ধর্ম শু। रट.चैंट.१४ रें रें दें के क्रुंधाना ने विष्याने हार हो। देव में 'केरे' पट' अहें ५ 'व 'वे व व 'श्चर' में 'केरे 'कुप' विश्व पत्त हैं ८ व 'सु' वाव र'' Ĕॱ। <sub>য়</sub>८ॱमॅॱक़ॆॱज़ऺढ़ऀज़ॱॾॣॖॸॱॸॖॗॱज़ढ़ज़ॱॿॖॎ॓ॱॻढ़ॖढ़ॱ(क़ऀॻॺॱ)ढ़ॺॱढ़ढ़ॱॸढ़ॱॹॗऀॱ भुष्यापुर्वा र्वेतर् देर्दाक्षेत्र हैं देर्दा चुक्र सार्के वा कुर रिवृद्राप्तानबिनायावया अटात्राकुमानुबायादेव मान्यायावया अटासीयाची । ऄऀ॔॔ॱॠॱळॅ॔ऀ॔ऀ॔॔॔॔॔॔॔॔॔ज़ऄॱॶॖढ़ॱॿ<mark>ऀ॔ज़</mark>ॱॸॖॖॱॻक़ॖॖॗऀढ़ॱ**ढ़ॱ**ॸॱॸॣ॓ॸॱय़ॕॱक़॓ॱॻक़ॗॖ॔॔॔ॱॸॕॗड़ॸॱॱॱॱ विवा में देव, ज्रु. कुष्टु. विषा में असा में अधार ज्ञु. विषा विषय के प्राप्त का क्षा निया में असा ५८। क्ष्रमहेनाहिष्पहुंबर्रा बेहिर्देरायान्मतरपारेबर्माकेरसङ्घरे पर्दा हिना स्पर्दर्देग्पर्दा चेह्न **इ**हेर्डुत्यचेद्रान्ड्रस्चे केर्नुस य़**ॱ**ॾऺॺॺॱॿॖॕढ़ॱय़॔ॱॾऺॺॺॱॻॖऀॺॱढ़य़ॖ॓॔ॸॱॷॖऀऀॸॱॻॖॺॱॺॺॱॷऀॱॻऻॶॺॱॻॖऀॺॱय़ॻऻॱॸ॔॔ॸॱख़ॱ**ॱॱ** 

२ वन'गुै'२द्रद्र'य'व्वनव'गुैब'र्घुद्रा वट'सुब'द व'वहें'र्ट'हेहु'न्**युव** क्त्रीया श्रीया है। स्थानि विष्या है स्थानि विषय है स्थानि विष्या है स्थानि विषय है स्थानि विषय है स्थानि विषय महमान् मार्चेन्यस्याः द्वापिकेन्यियद्वन्देतुः द्वाप्रस्यं विनायाकेमसान् सा द्भार्यात्र अवितातासुन्य वित्रायात्र का कुतार्यान्तात्र कृतासुन्य कुरान्य न **मॅॱगुद'८८**ॱक्षे'भेगुद'य'ङ्गट'माशुब'रु'चुट'। **दे**'मदीद'मानेगस'म**ः हवस**' लाळ⊈'यार्थाकुल'र्यराङ्मिलायार्८टा। छे.ब्रांचू.यहेर.व्दाक्षे.यह्यांच्चे.यद्धेदा 5ुः ब्रुवान् वा व्यवरात्मितानु केवाद्रात्या पुरति धुराव्या व्यवस्थाति सुरायका ऍ८. ॿॖॸ. ৬য়৾য়৾৽৸য়৾য়৾ঀ৾৸য়৽৸ঽ৾৽ঀয়৽য়৾৸য়ৢ৻৽ড়৾ঢ়৸য়ৼৢ৻য়য়**য়৽৽** ৳৻ৼ৴৻ৼৢঀ৾৽ঀৣ৾৽য়ৼ৴৻৸৻৸ঽ৽৸ৡ৾৾৽৽ঀৣ৾৾৽৸ৼয়৻৸ৼ৽য়ৄ৽৻৸৻৸য়য়৾ঀৢয়৾৽য়ৼঢ়৸**৽** विदः द्वा अवसः निवार तिवा चुका पर्में रावका विवाय के वा परिवार के वा रावित के वा रावित के वा रावित के वा रावित के वा मन्दरा १९ मन्दरा रहे मन्दरा व्यापान्दरा श्रेश्रयमन्दरा र्स। क्रिप्टाख्यायाम् सम्याणु खूटायायाच्याच्यायायान्यान्याप्टाच्याया वयः कुलार्यः ५ ८ : भ्रुः न्रेचा वि । पर्वतः न्रेयः न्रवः न्रेवा । लः प्रवासः पर्वा ५७'अ'विल'प'८८'। वातावित्रवात्रे वाति वातावित्रवाति वाताव <u>चेत्रपार्थात्रम्यात्राञ्चरायाचुरायरात्रव्यत्रारा</u> नेव्यानुवार्यार्व्यत्त्र मुैं भुं प्रमारविदाळ दारे रेटा दु भी दारे ना गुटा में राय विषय मारा मालु प्रमारे हैं। दे राया **इ'न**हेन्'हि'नर्डन'ग्रेस'सुसमाना कुल'मॅ'तर्दे'झु'न्ट'सेहे'र्ह्वेन'खुल'लस'

द्धन्यःन। अद्यतः यत्रहेन्यः स्टानिः स्त्रीमा स्तरः स्याप्तः स्तरः स्तरः स्तरः स्तरः स्तरः स्तरः स्तरः स्तरः स् स्वा देवे रहारः स्ववे रह्मायः स्टानिः स्वापः स

नरःष्टुंन्वःगुःरॅंन् <u>चेरःगुेषःन्</u>यस्यानरःग्नुसःमहे प्रदेशानुहेन् श्रुवः प्रतः परामुगारी विवाधारकेवार्याक्रवाराम्याम्याम्याम्याम्याम्या **क़ॖॱढ़ज़ॱ**य़ॕढ़ऀॱख़ॖय़ॱक़ॖऀॱढ़ॖॱज़ॖॾऀज़ॱॾॕ॒ढ़ॱक़ॕॱॸ॓ॱॻॸज़ॱज़ऀॺॱॾॗढ़ॱढ़ॎड़॓ढ़ॱय़ॸॱॿॖॱॿॖॺॱॱॱ मन। कुलामित जलाव नाष्ट्रित कु वनामित कु निकानि नास्व मार्थित कु निकानि नास्व हरी: हुह: नु 'र्नेम्' केम्' व्यवसंयञ्चयस हे 'मृहह: हे 'मृशुहस: दुर्या हे 'द्रस: है' तातम् विश्वातारम् तर्मातरा तरा हिवास केवास विवास किवास विवास किवास किवास किवास किवास किवास किवास किवास किवास क लिल, चर्चेट. मुक्ष. में ल, पूर्ण, हिंद. पे. क्षेत्र, चर्चा में किल, पूर्वा में कुल, पूर्वा में किल, प्राची प्राचा में किल, प्राची प्राचा में किल, प्राची प्राचा में किल, प्राची पतुव खु 'हेव'तु 'पसूर। रॅट के 'पतुव खुन हेव'तु 'पसूर। रेव'या के 'येह्र हर र्हेन र्रोते हिना तर प्राप्त स्वापित स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व <u> ८ष्य प्राप्ते मुख्य पु रबु मुल गुम्र मेद में के है रब केंद्र क रहिंम् स्थि प्राप्त हर प्राप्त</u> स्र'यम्'ाकुप'णुर'भे'रवेन कुल'मेरे'प्पर'मभूर'मरे'में**न'**बु'फेर्'5र् ५८. रिव. त. क्रु. में क्रु. में क्रु. में क्रु. में क्रु. क् **ॻऀॱऄ॒॔**ॺॱऄॱॻॖॆॸॱय़ॱॸ॔॔ॸॱॷॱॻ॑ढ़ऀॻॱॻऀॱॷॻॱढ़॓ॺॱॸॖॖॱढ़ॖॱऄय़ॱॻॹॣॸऻॎक़ढ़ॎॺॱय़ॖढ़ऀॱ व्याप्त विष्या प्रतास्त्र विषया स्वाया स लास्तालाबु पामें कर्मा हेरा महित्यारी पणलास्मा मुंबायु ए महिता वर्ष **⋣ูดานัารุ้ฟา**ฮู้ราดามทุดาผู่ราลาดชุรายา**ม**ุซูธารู ได้รามารุ้ดำรูสามทุดาา **म्त्रा** क्षेत्र, ति. प्रमान क्षेत्र, ति तिष्ता प्रमान क्षेत्र, तिष्ता क्षित्र, तिष्त, ति तिष् 다짐다전'다 등다는 레'독도' 리 전도' & 메'독도' 월 4'도메'독도' 원다'

철자'도다! 다여도'메도'도다! 중'최'도다! 따'다중메'도다! 밀도'葵다줘' त्नव पारा सन्तर कु वन पॅरि श्विपाप न देश अधुव पा पर पञ्च पर है पन विस्तरामुला पुरापेरेर के क्षे**र में केद में स्थल**र मुलासमें मुला है में मुणापकुर वमामानुषार्मानुष्टेपारवाराहेर्यं स्टार् दुन्त्रात्रा दुन्यात्रा दॅराचु 'कुल' घॅ '८८'। विञ' जे ' अर '८ अना जे 'कुल' घॅ '८८'। कु 'जर ' कें अ' गुै ' কুম'র'ব্দ'। ব্দ'লী'দ্'ন'লকু'র্ম'র্থঝ'ত্ব'৫ছ্রেঝ'র্ম र्सिश्यहल'महे**'धुन्'हेव'**ह्रवस'**धुल'वस**'मॅं,'कु**'ह्रव'**मॅंस**'कु'वन**'ने'ह्रॅव'मॅं'' , ल'न्बेर'मुँ पट्टाम्सूर'व्सा हेट्र'मुँ मुल'र्यते हुँव'र्या केव्यवा हे gॱन्द्रन्'न्द्रम्म**्स्रायदेः बु**र्द्धे**द**'नन्दर्मेन्'ञ्चेयः तुर्द्दः नरुरायाया सद् डिस'प्रशा विटः विद:र्यं न्वद प्रमा [[न्यर:]] पर-प्रमा दस-कुलाप्रा निटः विमा <u> できる、それ、細毛は関し まんないのといいない要は、異なればいかして、あればいととか、</u> परि:व्रॅ**व'र्घ'क्कक'गुक्क'धुन्।ज्ञाया पुका व्रॅव'र्घ**'कम्**र**'ग्रीक**र्दे**ट'र्ठ'पर्वि'र्धन् हेद.२ऀ.सिला **कैफ.ग्र.ज.सैचौ.८८.खे.४४.ह्चौश.तर.स**ेक.**१.केफ.**ग्र.४.४२ेद. वैहुड्दे भ्रमाप्तवमान्त्री सिद्धानामान्त्रम् व्यापा पर्वा रुवा अवत त्रिंपा गुै गुला में ख़िंदा पर व के क्षेत्र में ति हैं व में प्राची से व वि ळेॱॸऀढ़ॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॡऄॱॾॕॻॱढ़ॸऀॱॺॕॿॱॿ*ॺ*ॱॻख़ॖॣॶॸॱॸॖॗ<mark>ॱॿॖॖॖॖॖॖॗढ़ॱॿॱॻख़</mark>फ़ॱॺॺॱॾॖॺॱॻ**ड़ॱॼॖक़ॱॻड़॰॰** ८चुर। ्व्र'षवस्पुट्टरमहे के व रहि में व व का मूट हिर ही ख़क्र प**्रांस्य व** द्र्यम्भास्तरात्त्वा विष्ठ्रयाणुवार्त्वावादि केष्यतात्रे विष्वादे विष्य म्बर्भिक्यं भिग्नियाराम्रार्देता है ज्यातराम्बर्धिका सुति है तार् देव स्व

म्बिलर् अन्यार्दे हे खरत्वलानरान्नी र्द्रातु कु वेलर्द्राया है महिन् म्,र्यं,रें,४सिपा से,मेश्यं,४सिंग्जी,म्रार्ह्र,परेमा,थयो,थर्या,भूपा,मी,मी म्धुन्य देव : भूरामेबटा तर खे. खेबाता जी जीजा मृति प्राप्त प्राप्त विरा **ল**ব ট্রব বিষ্ট্র বিষ **अर्थे।** ट.बट्या क्रियार्ट्र खुट्या द्या कुला चेंदि क्रुट्र या क्रुव्या क्षेत्राया टायाक्रयाविषयान्याची कर्ताता व्याप्त विषयाने विषयाने विषयाने विषयाने विषयाने विषयाने विषयाने विषयाने विषयाने व विनादित में व वा प्रताबिद मालर हिताय मिता विवाद वा विवा নৰাইন্ট্ৰাইৰান্দীনানভুষি ব্ৰিষ্ণানত দেৰু ৰাজ্যা নিৰেল দেইনিৰ षु महिन् हुव के वुव व के हेर प्रक देया प्रव मिन् महुर याया हर प्पट हिंद में राष्ट्र पा पुरुष है 'खेर पा हे ना प्रमासा हे ना भेद रहे 'से 'खे 'देन 'ने ना प्रमास है कि स्वार्थ म्राज्यालयार्भ्यास्यार्भ्याच्याच्याच्याः श्रेषाच्यार्भ्याः हिष्यान्यात्रेष्या **२म.**चृ.चृतः म्याटागुरा कृषाः क्षेत्रः युः तद्यान्यम् राष्ट्राच वेषा ब्रु'माहार'' हो श्रामान स्मा हो हा सुपा हु । सुरा हो । स म्बेन्यराम्या कुरवन्रहें । हिवाकुरियाने विद्याप्तिन्ति । स्वीकर्षे , अर्थर प्रिंग की मिला मूर ब्रूट न्यर ब असाम्बा की बचा की लामा अर को निवय पा **ॏॖ**॔ॖॱटे॔ॖॱ॔ऀॺॱॿॖॕॺॺॱऄ॔॔ॖॱ॔॔य़ॱॡॱक़ॗ॔॔॔ॱॿॖॗऻऀ॔ॱॱॿऻॱ॔॔॔ॱॾॗॣॺॱॻढ़ऀॱऄॱॺ॔॔ॸॱॻॕॱॾॗॗॺॱॿऺ॔ॺॱ वॅर्'ख्य'रु'कॅस'र्ने'न'नडु'य'नहेद'नदे'हिसस'है'स'न्डेन्'य'नडर'नर'' **৾ ∄ॱफ़ऀॱ**ॸऀॱऄॸॱॻऀज़ॱक़ऀॱॴढ़ॴॱॷॸॱॿॱॸॎॺॱ॔ॺॴॱ॔ॻॴॱढ़ॖॱऴ॓ॸ॔ॱॻॱॿॗॗॗॗॗॣॗॗॗॣॗॗॣॗॗॣॗॗ

वया कु वन कुल में अने कुल निर्मा किल में अने किल में अने वार में किल में अने वार में किल में किल में में किल में नश्याची हेव न्यांचा देग्व नवाया देश हिन प्याया विताया व्य-दिन्द्राम् अन्याप्य । यह मार्च स्वाप्य स्वर्थ । विष्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर विदाने। केर् यादाके हेरा केया पार्टिया एका में ना महात्या मारा हिंदा में स्वापरा <u> चुैबालटा धुना चुबा ने हो लानबा</u> ने ला कु बना नटा चेन चरा बना सेटा घा अर्हाता हेरेला न्याना समा में अपना प्रति प्रमुत्रामा समाया के वार्म् अपना युनारु स्थान यु हे ना ने ना ना स्था हर हिर के नो यु त न हिर तथ मुर्मालम्। पटः सेर् चरा वरा कुर् छेर् वा टरा हु ता परि पर्वे प्राप्त पर्वे पर्वे पर्वे पर्वे पर्वे पर्वे पर्वे मुन्नाना मुनामा मुनामा मिनामा मिनामामा मिनामामा मिनामा मिन रुन् कु'भे'ख्रायानान्नायान्वना चु'म'चुटा ने'हरावामेन्यारायाहु णुड्या के हे र वा **८या श्रुवा मारे ५ म**ना के ५ मना हु र के ५ मा श्रुवा तर हु ता तर हु ता तर हु ता तर हु ता तर हु खलायम्बर्गाउ**रा निर्वेभानमा**चितान्वेरा वेषा चितार्माचेरावसाञ्चरार्मम्बरा गुरुष्प वहेव हे रहे रहा हा हु र मिले प्रकारी।

क्षान्त्रीत्त्वृत्त्वरक्षत्त्रात्त्रः कुष्यान्तर्भात्यः कुष्यान्तर्भात्त्रः विष्यः कुष्यः कु

कु'नर'ल'लिटया क्विंद्राकेद्रब्विटाया प्राप्त त्राप्त त्रा क्विंद्र द्रिकेत है। म्बिन्द्रिं कुर्न् कुर्न् स्त्रिर बेर्र्स् वेर्ट्स वेर मे बरा नियमानी मुला सारा हुन करा समितना में राहर प्रमानिता **ऍन्-र्ना नेते ह्व ग्यं इवल वन्ने**। वन्य लिन्हें के हेर [[वेर रें ]]वन ८८.वि.चे.चेच-४८.वि८.श्रुर्यायाचिष्ट्रम्ब.त्य.द्वार्याच्याचान्य.ध्रुरा.स. न्युट्य'यय। देर'रेन'य'तारम्बर'र्'यहन्यायालय। कुहि'कुल'र्घाहेर शेट ने पार्च द्वारा तामुषु दी बाव ता राज्य मुख्य बन्य र विशास द्वारा प्रेंट पार्ट पा ल-र-रवन् सुका हुर्या लाक्षे निहेना हेना सुका हुर र तम व पा व व व য়ৢয়য়৾<sup>৻</sup>ঢ়ৢয়৾৽য়৾৽য়ৼ৴য়ৼ৽য়ৼঢ়য়৽ঢ়ৢয়৽ঢ়ৢৼ৽য়৽৻ৢঢ়৽৸য়৻ 声三张,之日二 मुलार्चायदार्वेदाळाला द्वारायदाया द्वारा व्या קהיקדישהיםן र्मन्गु क्रिंच मा अवर हिराम ठव खला महराने का क्रि में ना अ ন.ডাপা के'म'मुठेम'म्बुंद'द्रस'दे' बद'मुञ्जाम्बिरहे। है'सळ दें'स्थम्म्बिर भेरायालार्रामुरायहन्याही देखार्राचु वे मुर्यहन्या देखार्रा **ড়ঀ**৾৾৽ঢ়ঢ়ঀয়৾৽ঀয়৾৽**য়ঀ৾৽ঀ**ৼ৾৽ড়ৼ৾৽ঢ়ঀয়৾৽ড়য়৽ঢ়ঢ়ঢ়৾৽ঢ়য়৽ড়ৼ৽ৼ৾য়৽৾ঀৢ৽ঀড়ৢ৻ঢ়৽৽ बेम्'व्राव्याः वृत्राः द्वेष्ट्वाः वृत्यायः देराव्याः यादेशः व्यवः व्यवः विवारः स्व ९**वेव'व संस्वा' मं र्ह् ५' मरा म्** मुख्दे ख्रम् मा से ५ 'ग्रैस रहे ५' मस रे ५' मह

में हुना हुर द्वारा स्वापन गुरा अहेर। दा गुरा सुरा मुका में का स्वापन में का स्वापन में का स्वापन में का स्वापन ल्म्भु म्हेरार्रे बेरामक नेका गुरा अधिवा नेदाम विषा गुपति मा है स र्ट्र रूपा दें ता वेदाया ता खें पार्टे ता केरा केरा वेराया ता दें ता वेदाय दें ता यहा क्टिंप्चर प्रतिर म्पॅित्र संग्वे प्रतिस्था के प्रतिकारी रेन्द्रम्बन्बरादिन्द्रवर्षित्रहेन्द्रस्याचनतामा विविधायावहिन्दर निर्मान्त्रेन ताल्या चया चेया करालराम् रामुना कुरान्या करालराम् रामुना कुरान्या करालराम् रामुना कुरान्या करालराम पत्रस'स'ळर। कर'मैस'गुर'पत्रे'द्रस'स्युर'स'सस बन्दानुबान्तर्भात्रवानुबान्यान्यः इत्या कदानुवान्यान्यः द्वान्यः व्यान्यः व्यान्यः תקַביםאיקין <u>הבישביתק</u>ביםאן <u>[</u>בַּיבּביחּןאיאים]י मःर्मः। व्रद्गवयःत्वाकाःसरः व्रवः व्रवा∏सम्बर्गःषाःष्यः मृत्यः क्रीकाः क्रीकाः क्रीकाः बरामना सार्विमारेनाथा हेरान्निमानुसामना नेरानुसामना मुहैनामान्याम्बरम्बरायायन। देनायान्याचिनाक्षेत्रहेरावेरामा मञ्जाकारी हरायाकारें हराकालया स्थान होता हिमानारी हर लाक्षेत्रमञ्जाक्षेत्रवात्रिलार्चे किंग्रहेर केरो हेरलाञ्चनका मध्यार पर्वे तार्ये व यसःखुकःणु८ःदॅ५ःणुेःह्वंदःदिरेदेन्'यःअःखुवःद्याः

निव्याह्मवार्मा अन्याम् विकारम् निव्याह्मवार्मिता व्याह्मवारम् विकारम् मानन्यायाक्षायदीवाधीवाया रहानी विवानु हुनाने वातानु ११० विवान <u>ঀৢ৾৽ৡ৾ঀ৾৽ঀ৾৾ঢ়য়৽৸ৼ৾৽৸ড়৽৸ৼ৽৸ঀ</u>ঢ়৽৸য়৽৸ঀড়৽৽য়য়য়৽ৠ৾য়৽৻ৼ৾য়৽ঀয়৽৸য়৽৸ঢ়৽ बार्केर्पामराख्याचराय्वववारुर्पुर्ववायव्यापस्र्रात्व वर्षा्णाञ्चवायवा | पट.त.भ.४ह्छा.चर.क्रेट.४ट्चा.चन्ना क्षे.चक्रुचा.चर्चन्नाचेट.४९७५.चेश. कुलार्ययान्यकुनान्त्रनान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त भे**या**तानु त्याक्षेर रूर ह्या बिट या भेषा विद्याना ता हर की देशका आ दूरा परामुदारेग देवकार्यन् भी हिंद र्यारेनाया ठवादेवा मेदार्वे स्टरादका **ॻॖऀॱनॲन**ॱॲॱन्रेन्ॱॲ॑ॸॱय़ॱय़ॱऄॱॿॱॻऄॱऄॗॸॱऄॗॸॱऄॗॸॱॸॖऀॎ ज़ॿढ़ॱख़ॸॱ॒ढ़ॱ **ॲट्:पर-ॲट्:प्रश**्टें किंद्रिक्षा कार्या कार्ये राम केंद्र द्वीका मुका सका मुैग्रम् मार्थः मे त्या मुन्यः हे कर्या व्याप्तरामुग्यते यहतामुन्यः मुन्यसाम् कर्रम् ते स्ट्रिं विते प्रवास स्त्रि चु विते वित् चु सामा दे हिर स्त्रि व ह्य " प्रेंदिल्ला मुकानी ने देव का क्षेत्र बद्याकुषान्तरादेश्वाचर्रादे द्वापान्तराक्ष्याः व्याप्तान्त्रा

द्वी वट व व वर वर हुर पाठुण या में ट हे त पायें न पाठु दु न पे द र र र र र बाम्बान्बायानाके वार्षे। विन्दिन्दिना स्वारत्वेता विन्दिन्दिन **ल्र**ा ने.भ्र.कि.पचै.ल्र्ट.च.पथान्तुरे.व्येथातचै.श्रट.पधु.चरावयःष्ट्रा स्याययार्व द्वा की दे खेयार्य या विष्य खाल्या की दे प्रता है। ५ उट्राक्षेर्द्रट्राक्षेर्युट्राया ५ उट्राक्षेरङ्गवाक्षेर् कुग्वा वह्रद्रवासीयायाया ८६माम् ८ मा में मा १ में मा १ में भारतीय । क्रैभामुनाका नमा केना नमानका नमानका केना कुरा मेरा। नमानका ५ मुलाव नायु न व नाया भिया धुना कु व या या व या विया कु नालयातरातरायर्था अपिराक्ष्यानास्य असारिष्ट्रिया भूनायरे <u> ८कृषाक् , र्याया मेर्ट्रा मेर्ट्रायाम् स्वाया मेर्</u>राम्यान् स्वायाम्य ण्युटः हुटः व वा रवं वा भेदा द्वा का स्वा वा स्व [5.त.र.वर्ष चर्चुरायात्र्वरावेटाल्य्याच्या हेर्युः मुहेन् मेट्टर् ष्ट्रिर'र्र्राखन्तरमुः कॅन्'र्थान्वेना'ल'न्र'्येन'क्व'न्यर'यां प्रम्पार्था'ने लन्यायात्रात्त्रात्त्राच्यात्रेत्राच्यात्रेत्रात्वेत्रात्त्रव्यात्रेत्यात्राच्यात्रेत्रात्यात् बरार्द्र। यटावटयायरामुः संग्रेग्यमुः भवावयात्रामुद्रा हुंग्रेंग्ववायायवैग म्रात्रा मृत्राम् मृत्रा मृत्रा मृत्राम् वर्षः म्रायरा मृत्राम् । वर्षाम् पहेरू.बुर.हे.पर्दर। ट्रे.बबा.[वि.श्र.]हिर.बेथापक्वे.स्.बंटकाश्रर्पानर 

ममाक्षेत्रम्। रिवृष्केषाक्षेत्रसृहम् सामुर्गिका । महिलाया भावतार्धेलास्यः **য়**ৡৢ৾ঢ়য়৾ৢৢৢৢয়য়ঀ৽৻ঀ৾ঢ়৾ঢ়ৼ৾য়ৢ৾৾৾য়ৢ৽ঢ়য়৽৻ড়ঢ়য়৽য়৽ঢ়ড়ঢ়য়৾য়ৢ৾ঢ়৸য়৽ रैनसः हर् सुवा । [[र्केसः] बेद्रस्र नासुर यहे होता । वर्केद्रयहे हेर ८८. मेर् स. भूर. प्रमा । प्रस्ट. रेषस्य मेश्चे. पुर. थुट. भः भक्षा । ऐ. ४२४. **खुलर्-ु**रर्ले र्न्ने राष्ट्र विकारिक क्षेत्र प्राप्त विकारिक स्था विकारिक हैं। मन्नायां । । वार्षा रहे वार्षे वार्ये वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे पार्खे। । वि.प. १४ . मेर प्यापन्न । क्र. मेश्रम स्वीय स् द्रदृष्णुःकेःदेःकेः गुरुदे। ।हेरःधुदःकेः तसःधुदः प्रमाः वद। ।म्यापाः संस् चकु'मद्रन'ल'खु। |दे'हेदेश्वेरक्षेरसुम्राखुनमादेर। ।वर्मेरदम्।वस् त्तृतः चेदः द्। । वदना ने श्वेषयः वक्केदः हे देदः वक्की । विषयः क्षेत्रः वदना ता च्चारक्षाःखी |बुकाःसूटः**६वःखे.कृवाःबेका**नःजना लचःमीलःस्थःचीश्वरथः मा गुःत्रादुःस्यान्नात्रान् । वितान्त्रात्रान्याः विद्यान्याः वदः मुः खुरा । खुरान्यतः **हिर.४त्त्रचे कर्त्रा ।चेरक्र,५.४८.वैर.विक्र.**च४.विश्वा ।अक्र.चखे न्युअ:रट:पद्देव:ठवा |१:अई:अ:न्वट:न्वटस:रेहे:बूटरा |पण:देव: **१८५:८०० म्याप्टर्ट्टर्नेस्यार**८५। विष्याप्यस्यावद्द्र्रेस्याहेर्नेट्रासस्य **द्रामक्**राक्रा |**प्राण्याक्षाह्रा**क्षेत्राचेत्रद्राम्यक्राक्षेत्राचित्र **ॻ्रावेशक्रियाम्बरम्यार्थियः** । श्रृष्ट्रम् विष्याम्बर्धान्यः स्वर्थान्त्रा चैट्रह्मारोबस्रान्यहर्षुत्रायाः भेरहुन्। विष्युः प्रवार्यमाः पुरवेर्याहर कुला म्ब्री । प्रम्यास्याञ्चरायहाकीलात्राकेराया । विदानी सहरार्जी

[[कुर]]केदरअम्तरमवादा मिन्निकवरगुदरगुम्खुलरनुग्युररमध्येदा निवेर ऄॕॗ॔॔॔॔ॱॸ॔ॿ॓ॱढ़ॸॖ॔ॿॱॸ॔ॿ॓ॱॻऄॢॿॱख़**ॱक़ॱग़ॗॿ**ॎऻ**ढ़ॕॸ॔ॱॸॱऄॸॱॻॖऀॺॱॻऻ**ऄ॔ॿऻॱय़ॸॱय़ॗॺॱय़ॳ कॅन |देग्थूरफेव्यायाय**र्वद्वस्य वृत्रम्यतेष्वरः | यद्ग**्वेशस्ट्र मव यासृषु सु वे १९६१ । विद्या कुषा सूद पति विम हुद केव प्राया वा विद्या कुषाकृत्रप्तः वित्रपरावेद्रपरावश्चरम् । विद्राविवानुवा[दिसाद्वर]]यसः ण्व'्र ह्वा विस्तर उद्'ण्व' शामुकसर् द क्रेंद'हे' येसा दि'द्वा [[5, |a, u si, ]] [[a, u si, हेद'बळ्चा'रि, ताञ्चल, कुट, बक्ट्रा होटे. वी । बि. ट्यं प्रटेश सूट हिरारप बुन्याने। । र्मापर्ययाम्याने विषयाम्याने विषयाम्याने विषयाम्याने विषयाम्याने विषयाम्याने विषयाम्याने विषयाम्या য়ৼয়৾৽৸য়৾৽ৼ৾ৼ৾ঀয়৾৽য়ৼ৾৽য়ৢৼৄ**৾৽৸ৼৼ৾ঀয়ৼঢ়য়ৼ৾ঀয়ৼঢ়ড়৸** षर्था ।रे'प्यायराष्ट्रेरावरे**'पायहरा**ष्ट्रे**राया** ।रव'वर्ष्वरेस्वाप्यञ्चर ऍ८सःसु'परुप'पुरुष्वा |पदे'रुमॅ्'**सर्घ'रेस-र्घ**प'परम्कुल'पस्पासुदस्य । मदः विनापहेना हेन परे पर रेसे पर देर हैंदा । खिमाप करा बक्र राया सुरा बिदः म्राज्यायात्रा । विद्राया हे 'क्षुरः 'यस्य या विद्राय सुद्राय । विष् बर्बर-मार्द्र-पायास्याद्धरापरारख्या ।माराद्धमारद्भारार्द्राययाद्धमारहमा याम्बन्धाः उद्गानुकाः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषय पन्नानी'अर्केन्'नव्याकुर'न्दारहाताया। विकासिक्षित्रायाचे प्राप्तान मैसामहरा दिवाकेवामरा सहितासराधार मिनामा मिना मिना महेबायहे मेदा हेदा बहुमा बिदायहा । विद्वार विद्यार विद्यार विद्यार विद्वार विद्यार विद्यार विद्यार विद्यार विद्यार विद्यार विद्यार विद

प्रदा। । तस्र त्रेष्ठ तस्य । विष्य क्षेत्र त्रे क्षेत्र त्य क्षेत्र । विष्य विषय । विष्य विषय । विष्य विषय । विषय विषय । विरायाम्याभीयाम्या । विशेरायाष्या विशेषायाति विष्या विश्वास्य मुड्नालन् हैकानुग्यन् कासुसाननुष्ठ्राप्या । वित्राः हुन् ह्राणे म्बर्भुन् न्द्रल् हुन् गुन्। । पङ्गिपते सुरस् हिन् लायन्य विवासना । =ቚॱਗ਼ૄ៓੶ਫ਼ੵੑੑੑੑੑੑੑੑੑਸ਼੶ੑਜ਼੶ਲ਼ੑਲ਼੶ਜ਼ਗ਼ੵ੶ਜ਼ੵੑ**੶ਜ਼**ੑਲ਼ੑ੶ਸ਼ਫ਼੶ਜ਼ਫ਼੶ਜ਼ਫ਼੶ਜ਼ਫ਼੶ਜ਼ਫ਼੶ਜ਼ਫ਼ਜ਼੶ਜ਼<mark>ੑਜ਼ਸ਼੶</mark> वर्षां मृत्रायहरा । श्रायाम् करे मृद्रायासुकायकुष्यरा । वर्रे परे सुर **⊕**ঀ৾৽য়৾৽য়ৢঀ৾৽য়ৢঀ৽ড়ৢঀ৽ড়ৢ৽য়ড়ৢঀ৽য়৽ঢ়ৼঢ়৽। ।ঀঀঀয়৽য়৽ড়ৢ৽ড়ৢ৽৻য়৽ तार्श्वभ्रामकु र्ना । योश्चर ञ्चा योष्ठा ञ्चा रहिं र उदाय श्वीयाया कुला में क्या कुला में विधा <u>ଶ୍ୱି</u>ମ୍ୟୁ ଖ୍ୟାପ୍ୟ ପ୍ରାପ୍ତ ପ୍ରଥିୟା ସଥି । ପ୍ରଥି ପ୍ରଥି ପ୍ରାଧ୍ୟ ପୂର୍ଷ ପ୍ରଥି । ଏହି ସଥି ବ୍ୟାପ୍ତ ସଥି । <u>बर्द्रपाः सृद्यस्य युलाकोर जो प्रचुराया । १३ म्हारहरायळ दररी रुणकामण</u> बर्बर'पश्चित् धुरासु व्राव्हितायाह्मा ने हिराह्मा के विराधित विषया है। क्रुचेश-८८.। ।चेश्चेन,जच,जिर्च,चिश्चन्यं,चिश्चन्यं, विष्यं,चुं, बहूर्रट्राक्षानेष्ठानेप्रमुख्यायार्ट्या । इत्यानी स्थार्ट्रा अंश्रामा रूपा **क्र्यायः**रेटः। जियायःग्रीःपक्षेत्रं पर्यस्यात्रात्त्रिरं जन्महरः। विराह्णायाः [[बरक्षेर]] तर्त्यायवयाचेर[[विदेर]] क्रें नाया । येगवर श्रुं रार्श्वेर प्यायर बराम्। प्रता पर्वेषाने हिंदुः श्चिराध्यायाणी श्चीयायाया निर्मा ५८. क्रिय. ५८. ज्री. क्रिय. इंग्राह्म वर्षां वर्षा वर्षां वर्षां वर्षां वर्षां वर्षां वर्षां वर्षां वर्षां वर्षा मुखा विवह । विकेशनान हे खुरामन दुन्य दुन्य विवास हे स स्वापित

लसंगीं श्रेष्ट्रालट्रा विहेन्परे तुः संमित्रलान्या वीसामहत्। र्वा द्रा स्पादि तस्या की प्राप्त विषय स्थापकी प्राप्त । भी दार विषय की प्राप्त विषय की प्राप्त विषय की प्राप्त विषय की प भूर.येवय.रेटा विविय.रव.ज्ञुंश.येवय.एत्रीय.एक्र्र.अट.त्.रेटा विवर ⟨८मरः⟩ळेदःवुः[[पक्वुः]]रे:ऑंओर्ऍणार्टः। ।वुःरेलःङ्क्वेदःकुलःपक्षेः [**(६व.)]र्य.८८.।** ।[[बचवा.]कि.च प्रवाय. (द्वेश.) त.चित. विराप्त. वा । मन् मार्ने मार्च मार्च केवा देवा केवा रहता या देवा विमाया स्वास विमाया स्वास विट्रार्ट माणु तसु मार्ग्या । तिस्ता क क्या पा के के मार्गिया के स्वारा स्वार्थ । **इ.व्र.फ.चर्चे, वृक्ष.**चइर. विद्युष्ट, चरुष.विर्यूष.विर्यू विषः]]पहरा विराह्मस्यापदीयमु र पदि [दि परे ]] श्रवा । पहनाया लत्। ।परें पते पुरंश्विंद्राला विद्याः विद्याः । विद्यास्याम् कृतः विष्यं केंद्र हैं हो दे र केंद्र । विष्यं कि मालिया केंद्र हो । वर्षे है'कुँ दृ'हे' सट'र्यदे मासुट'रन' । शि'दिने' महु श्रीट स'दिने' महु हुँ दूं मा क्षा । प्रमुद्द पर्दे तरिता विष्ट ति । विष्टे प्रति । विष्टे प्रत **ढ़्रि.ल.**[[नर्बार]]चुब्रत्नइटा | इ्लाझ्ड्रेट्रल्ड्रबच्चेब्राचराबाच्येत्टा | **湯か、其か、おい、ます、そい、日、美に、ままれ、てに、一口多、口か、日、新、頃**て、か、日口では、 MC、直、着、山本、[[「「」] |※「「、「」 | 5 に、※ あえ、おお、到土、百口村、「「」 | ᄚᇸᄱᆫᅷᆫᆉᆫᆑ᠈ᅗᆆᇫᆀᄱᆔᆲᆠᄝᆟᆔᅑᅡᆫᆡᆝᆝᄆᄛᆉᆛᅝᆛᇅᆛᄦᆛᅝᆑᇅᆉᅅᆡᄱᅮᄆᆛᆉ मैंया] यहरा |देवयायर वर्षायर मेंदरहेश मूळेमा संप्तारा (यद्धेर)

취득'주의'전'되도'듯' 현인'진'위'년**리**'日저'전|

भूवे म्या देव का ग्रेक के का क्षेत्र क्षेत्र हैं का सेवा ती का है वा नेवा वा तार खें .... रक्षाःचेशः**तशः वै.मध्यःंगुः हर्षः व**षःवशःस्रदः द्वाद्वशः विश्वरः या न्या याम्याया**ल्यान्या कृष्यायाल्यान्या** हेप्ता हेप्ता हेप्ता षेष् '५व' श्रें च 'ध' षे द 'द अ 'ष श्रु ६ श 'ध स्था । श्रें व 'धे स' दे ' द अ स' ८ ५ पा ' खु य 'ध सा ढ़ॕॱॿॱॺॕॱॿॺॱॿॖॸॱड़ॖॸॱॿख़ॖॸॺॱॸॖ॓ॱॸॿ॓ॺॱॺॕॎॿॎऄॱॸॕॿॱॸॸॱॎढ़ॗॸॱ वे भैट हरे हेट पु प बुन्य सु म्बला देरे विषय मुन्य है पार पर मार प्रा क्षस्पर्ण मुंबर्षे। देशे वेपस्य स्रेशे व्यादेश प्राप्त मार्वे सामे विष्या हिंदे ष्ठेप्तः न्यंन्नाः संग्रह्मस्याः प्रत्यः स्थाः स्था 351 קבין ביאביקבין אביפיקבין אבישאיפשאיליצבאיקבים א **बस**ॱमुँबॱर्दे। द्वेरमोद्देम'मैरलॉन्टरब्रमुद्रायार्मलर्द्वार्थाः हैं मु**रह**ास्बर्यास् चकु.८८.1 इवाथायवटानु,चि.भू.प्राचर्द्वे स्वरात्ति चकु.र्धुराक्ष.८८. 19411122C.E.

माध्यमाः अप्तान्ता विप्ता विपत्त विप्ता विप्ता विपता विपता

ब्रदः वि**नाम्मदेरः** ऋदः व र दे र ॠ्रें ल र त्व र का मुः क्रु र कर में र केंद्र र न सुर का प्रचित्रः खे.४ क्षा सू.४ क्षा. खेट. चे ८४. चे था. चे था. सूत्रः सूर्यः स् दे औ र तुमाय र जु वे नावा देश अति साम क्षेत्र माय समा समा प्राप्त प्राप्त समा समा प्राप्त समा समा समा समा समा म्ना विष्या स्वाप्त स्व व्याप्तराष्ट्राञ्चवायाम्बुवार्यवाववारुग्यस्वायाः हिवार्यते व्यान्वार्याः ॅ्रिं प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के त्र के त बाकेपवा बटावटबायराष्ट्राहेर्डाष्ट्रायाकेवहवा देर्षरापुटावा अव मन'न्ध्न'[यम्]]चुन्न'वन्न'म्नेन'हिन्य'ख्ना'व'स्ट'वेर'वन्नेन्निन्न मुठदःसम्बर्भायायायात् हुवायाः वर्षद्रायाः पुरुषः द्रवाद्रायावायायवर्षाः वर्षः ितता.]ब्रीकात्मताङ्गांबर्षात्राह्मराङ्गांबर्षात्राह्मराङ्गांबराष्ट्राध्या म्। ट्रेय.इ.र्घथय.१८८। विवाय.वय.वटय.तर.श्रेव.त.वयीया.वीया.वीया.व. कुलार्यालास्यानुबायते सुदाकुवाया र्ह्मवास्याते कुनावनात्राते सुवादाकेवा स्वाद्याते सुवादा स्वाद्याते स्वाद्याते सुवादा स्वाद्याते सुवादा स्वाद्याते स्वाद् हुट'लयाणुर'नदे' दद्'मकु' र म् उन्गणुटायाणेदा देग्महेरायहियामालया इ.च.इच.विट.ज.लुरी चगुचयः इत्यायः ब्रूट. त्या चय्चेट. श्र. रट. ग्रीयः पष्टः न्द्रकेद्रपर्दे विष्याच्या विष्या दिना देना देना विषय में दिना विषय में दिना विषय केद्रा केद्र केद्रा केद्रा केद्र R द्वा है दिन क्वा के लाय के लेका बेर में।

देर हिंद हैं देन हिंद है जा हिंद है जा है का है

पाधिवार्षे । वेरा देशायवार्षे वामानाम् हे । प्रशास्त्र वेरामना हे । सा ष्यश्चनयार्द्वे प्रत्वे या चुया मार्थे व द्वे व देशे व ह्मं ची विषय मूर्य मिटा अना ची अकेर विन मूर्य प्राचिता के अपि परि बर्टः भूटः वश्वाक्षां अर्राया अर्थः वश्वा विषयः विश्वा य'विष'न्व्यं वेर'व्यानेर'व्यावर्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र षदःस्तानदे अर्दः विदः वेरः गा केर्या अपुदः। र्रः वयः वस्ता उर् पञ्चिष्यःगुरःष्रवःपः व्याप्तरः व्यापुरः। तृष्यःष्ठवः वर्षः प्याप्तः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः व विषार्चित्रयाष्ट्रा ते इस्रानाया हे हैत्या हुत्र काम हास्रानारे वर्षे प्रवर वा हेर मान वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे पट्टरा विरामा विरामरा क्षेटा वासमा श्रीला द्वा पार्वे वा विषा पर्वे वा विषा पर বিষধ্যস্থ্যস্থা প্রবাদ্য বিষধ্য কর্ম হব্দ প্রকাশের বিষ্ঠান বিষ্টালা নির্মান বিদ্যান্ত বিষয় বিষয় বিষয় বিষয় বি ॱइंबर्धरमेर्द्र न्याव्यक्षात्र देशम्बर्मा सुद्र स्था । स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर् पःषेवःप्यः व्रार्**रेरः**षवःपरेष्यप**यः हैः प्रायः स्यायः स**्वायाः वास्ति । क्षेवः प्रायः वास्ति । क्षेवः प्रायः वास्ति । ॖॖਫ਼ॖॱढ़ॸॱऄढ़ॱ**य़ॺॱ**ॸॕॸ॒ॱॻॖऀॱॸऀॱ**ॺॺॕ**ॸॱॺ**ॸॱढ़ॖॱज़**ॺॕॺॱढ़॔ॺॱढ़ॖॺॱय़ॺऻॎ ॸ॓ॸॱक़ॗॺॱ य़॔ॱऄॖढ़ॱय़॔ॱॳॖ॓**ॱॸॕॖॻऻॺॱढ़ॺॱढ़ॱॺक़॔ॺॱय़ॖॱॾॕज़ॱढ़ज़ॱ**ॺॱॻ**ऄॗ॔**ढ़ॱढ़क़ॱॺॸॕॱॾॗॸॖॱॐ॔॔॔ॱॱॱॱ [मर-दे.प्राय्यारी त्ये हे.स. व्याया प्राय्या स्थाय व्याया स्थाय व्याया स्थाय व्याया स्थाय व्याया स्थाय व्याया स 뭐'월드'에'다,다' 따다'오ज़'마다'라이'현시'전체'청국'전'에'현기'라'정국'원국' र्शः दवः मुै 'स् प्राप्त हे 'हे**रः** चुरा द' पत्र ट 'पासु टरा परा बर्रह्म कुरान स्वाप्त द्वार्य र देवार मान्य विद्यात हो है । (श्वर) विद्यार के विद्यार 

पन्तायमार्देदाः निप्तविनामानुदान्तान्त्रः स्पन्ना कुलाम्बरायस्य उर्'गुवार्व्व द्वारी देवा या उद्'कु मा ५ पुवाया पर्वेद दवा गा বৰষামান্দা কুলাবিষ্ধান্তবান্যাব্ষ্যাত্ত্বান্ত্ৰীয়ায়াইবান্ত্ৰা प्रमा देवसम्बु'व्या'वैस'र्वेद्र'यु'र्वेद'ये'प्यर'प्रमानम् । स्वा ਗੁਰ੍'ਲੇ'ਸਫ਼ੇ 'ਸੋਂ'ਆ'ਤਆਫੁਵ'ਤਰ੍'ਰਕਾਲਯ'ਕ'ਚੇਰ੍'ਸ਼ਤ ਬਿਰ'ਨੇ'ਜ਼ਰੂ'ਕੋਂ 'ਲ'ਸਨੇ'''' **१८.२.४ विषयात्ता देशके मुःशिः वृत्यां उदान वृत्यां याया करा स**्या श्रुवा **য়ৢয়৾য়ৢঀ৾৽য়৸ৼ৾৽৸৸ঀৢ৾ঀ৽ঽ৽ঀ৽ঢ়৽য়৾য়য়৸ঀৢ৾৽য়ঀ৽৸৽৸ৠৢ৾ঀ৽ঢ়য়৽**য়৻ **र्मा अर्थे । अर्थे विश्व के अर्थ के ह्मटः पढ़ी 'शरहु 'गाँहर' द्या 'गुटा स्टब्स गुरा पत्र। हिंदा पढ़िवा हैं** 'के 'हें 'के ' **दबाहात्याञ्चना** प्रताचुका प्रताचिका स्वराया निष्या विदाय दि । विदाय दि । विदाय दि । विदाय दि । विदाय विदाय विदाय <u>इंदःसंक्रेदःसंनेत्रदर्धेन्यःस्र</u>्वसःन्वसःन्वसःन्वसःस्व ลัด ส**ลง เน็ต เ**ล้า ซิดา นั้ง เอา เอา ๆ ซึ่ว เอง เอ็ล เน้าวิ่ง ระบำ เอ็ร เบา เ लविष्यः[विरावयः]]श्राः। विवास्याणिषात्रे, कार्यापराविरावयाः विवास **क्ष्णार्वातित्रात्रात्रात्रात्रात्रात्राव्यात्राची सुटासायस्यार्व** प्री सेरि उक्क विश्व में कर दे देवया भया में या प्रविष्ठा र देर मुल र में विष्ठ विष्ठ विष् पर-श्रा क्या करियान दे। देन कु ह्या विद्यापात्या प्राप्त विद्यापात्या क्रिअव्यक्ष उर् सिंद प्रस्क्षर १२ दुवा चेर। देर कु व्यवस्क्रि क्षेत्र प्रस् च्या **युटःरमकःमठन्। विराधककः ठन्ःगुटःमञ्जेन्य।** श्वाधककः ठन्ःगुटः प्यता सृणु'खु'वे'प्यट'झु'न हेन्'नीव'विर'पर्यंद्रि'णु'हिंद'प्य क्रिटे खुरे

व्याप्तर्यां मूर्या व्याप्तरं स्थाप्तयाया व्याप्तरं स्थाप्तयाया व्याप्तरं स्थाप्तरं स्थाप्तयाया व्याप्तरं स्थाप्तयं स्याप्तयं स्थाप्तयं स्थाप्तयं स्थाप्तयं स्थाप्तयं स्थाप्तयं स्थाप्ययं स्थाप्तयं स्थाप्तयं स्थाप्तयं स्थाप्तयं स्थाप्तयं स्थाप्तयं स्थाप्तयं स्थाप्तयं स्थाप्ययं स्थाप्तयं स्थाप्तयं स्थाप्तयं स्थाप्तयं स्थाप्तयं स्थाप्तयं स्थाप्तयं स्थाप्तयं स्थाप्तयं स्थाप्ययं स्थाप्तयं स्थाप्तयं स्थाप्तयं स्थाप्तयं स्थाप्ययं स्थाप्तयं स्याप्तयं स्थाप्तयं स्थाप्ययं स्थाप्तयं स्थाप्ययं स्थाप्ययं स्थाप्ययं स्थाप्ययं स्थाप्ययं स्थाप्ययं स्थाप्ययं स्थाप्ययं स्थाप्ययं स्याप्ययं स्थाप्ययं स्थाप्ययं स्थाप्ययं स्थाप्ययं स्थाप्ययं स्थाप

मुन्द्रस्य । विकास्य नियान्ता निष्य स्वयायम् स्वयायम्यम् स्वयायम् स्वयायम्यम् स्वयायम् स्वयायम्यम् स्वयायम् स्वयायम्यम् स्वयायम् स्वयायम् स्वयायम् स्वयायम्यम्यम् स्वयायम्यम्यम् स्वयम्यम्यम्यम् स्वयायम् स्वयायम् स्वयायम् स्वयायम् स्वयायम् स्वयायम

है. वं अ. के प्रांता क्रांता क्रांता

इन्ध्रम्वन्यस्मरहेवा विमाध्य प्रमाश कुरा है। देवा सर मुन्ता विष्म वयार्गाटाह्र द्वाप्त सुया सुर्वे देव पर युराहा वर द्वापा सुर्वे पर दिवा वि.चर.व्याचा है.हैंचवानश्चेंचानी.वि.व.पविनवातात्र्र्यराचनद्राचान्त्र **हॅ दः रे। ८५ै '5्८**'५ण्**र'म्प्याययासुं रि**ष्टियामारहः बेरा वृत्यः र्ष्ट्रैम्य स्**या** द्विरे म्रॅटर्नु सरङ्क्ष मुद्रे पर्ना म्रह्म मुद्रे पर्ना स्वर्म वर्षे [सकेरि] चेत्रयास्य मावत्रा क्षेत्रविष्वाकाणुग्नेत्रवे क्ट्रमी हेत्रव क्रिकेनामा त्रवार् वेटाहा चेटायार्टा च्राइप्तावाला सुरावित्वा सुर्**नवाला** नार्भाकुषा चुर्गन्वेषार्भार्वेषाव्याच्याचुराक्षार्नावानेनाकारम्भाराहेनाकारम्भारा णः सॅना व कः च हे न कः सकः गुप्तः क्षु दे पैदः हु ' क्षे प्यरः गुरु कः द कः देरः च **बु**न् कः हे र र র'এর'রথ'নহ'য়'বৢয়'য়

म्टाह्म अञ्चान् स्त्री स्त्रा अवान्त्री स्त्रा स्त्र स्त्

रामाश्चरसायायदानाळन्। हुरद्रार्थर्थाकाश्चरसायायदानाळन्। व्यावारी अर्केतार्थेतायदुन्यायात्राचार्यत्। पुरावारीयवारीयारापुरा **฿๎ล**'๛ฅ'ฃ๊ล'ฅฑฺธ'ฅ'ฅ๑ฅ'ฅ'ฅรฺราฅ'พัฦ ริ'สุฆล'จิ'ล'ฐ๊ฅฺล'ริร'5ฺร' ๚**ॱธ**ุจาติูาลู๊าฉัาละาฉัาหฺอูะาดิะาหฺรุานฺราระาระาจำพัจารฺจาหฺอูะานห้า खरा**नु** विषेता देरान्नाया हवा मी मी विषय में विषय में विषय मि विषय में विष ष्रमुषः बुद्रः कुष्रः सरः चुः पर्दे च्याः स्वाः विष्यः प्रवेद्रः प्रवेदः स यर बहुना देग्य देश न्ध्र बहर यस सह र चुं पासुम पहुन पहुन हुन हु। सहै द्वित् दें र रे रे राम्तुव रहु र ग्वासुका देहे रे स्वाम्बुट राम द्वु र प्रमा म। ह्यापबिरातपुर्ध्वाष्ट्रीया देपुरवियासिक्रियाचारानुरं ना दे खब्ब र उद् गुद मह्य व महिन र द्वा है। क्षे में बद में र दूर महिन्य मुल'र्चेहै'स्र'न्वृत्व'ल'र्ववायार्दा लिस्वृत्र'यारवार्तृ मुद्दावहै स्र मुद्दमा नृत्वायहे संग्नुवाय नियान नियान से विनायने पर हिन्यहे मा है।दायला माळिते मान्त्राला न्यामा ने न्या विकास स्वाप्ता ने न्या विकास स्वाप्ता ने न्या विकास स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वाप् ५८:याम्बेर्नेन्यामुह्दायाद्यान्त्राही देण्यत्यावानुन्यान् माबिनान्निमा अवान्तिन्या क्षेत्रान्तिन्या स्त्राम्या स्त्राम्या स्त्राम्या स्त्राम्या स्त्राम्या पर्कुत्रस्त्रद्भा निवसत्त्रिरास्त्रहेनस्यम्कुत्रत्या स्यापन्यात्त्वा पर्नुत्र्प्रा पर'प्पा'भैकाह्मकाप्त्रुत्रियापनुत्रिया हु'यम् के **छ। वटा बटा वा प्रतास के अपने का के के बिकार के** 

**ॱॱऄ**ॴॱॸज़ॕॺॱय़ॸॱॴॿॖ॓ढ़ऻॎॱऄॕॗॿॱख़ॱढ़॓ऀॱग़ॣढ़ऀॱॼॕॱय़ॖॸॱॸ॔ॸॱऻ ढ़ॾॆढ़ऀॱढ़ॸॖॿॱख़ॖॸॱ ५६१ वः ब्रह्मेरे १९०१ वर्ष मु कु कु खूर ५६१ वर्ष वर्ष वर्ष कु स्वर् दे द्वाया देवा श्रीका प्राप्ता युरि प्राप्ता निमान स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता स्वा मरः अष्टिता 👼 सुरे पुँच्या पढ़िराणा पापढ़ी पहुंच्या हे 'या दर्ग ही 'या पापड़िया **बसः** चुरायाक्षे पार्वे सासुदार् पार्वे नास्त्री मिदार्हे र प्रवास मान्या स्वासः चुलार्ये ते । **ष्ट्रा**चरानी नरार्झेराचुँदादला है।चारहायाच्चु प्रवाधनार्झा नान्हे बाला नहा बुराने हिराकुलार्यहे हुन हरार्या ग्रीटाहालटा हुन दिन का करा मन्नरमी द्याप्त सुरा दे प्यतः श्रुव दे त्या व या स्ता प्राप्त व या स्ता प्राप्त व या स्ता प्राप्त व या स्ता प्राप्त व ঀৢ৾য়৾৽ঀ৾ঀ৾ঀ৾৾৾৾৾ড়৻৽য়৾৽ড়ৼ৽৻ঀৢ৾৽য়ৼ৽য়ৣ৾৾৽ঢ়ৼ৾ৼয়৽ঢ়ৢ৽ঢ়৻৽ড়ৢ৽ঢ়ঀৢ৽৽ঢ়ঢ়৽৽ दें। देरःक्षॅ'चर्यार्पराष्ट्रेंदाचुँ'हायहुत्सायम् क्षुे'व्यवस्य रुद्राहेद्रेद् म्बर्गिन्द्रा सृणुग्ख्रा दे रह्य द । इत्या विष्या स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप *द्धान*हैना विष्वद्व सं मन्द्र न विष्य न स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स ठे : षेव ' ब्रुव ' ब्रे : मिंट ' विव ' हे ' प देव ' पाया मिंट ' हैं ' प्राप्त ' माया प्राप्त स्वयः पर **झैं'**व'रुर्नि'रा'म्बेम्या क्षे'य'ग्रे'यरि'त्वरक्षमाम्यव'म्बेर'ग्री'क्षे'व्या' अॱवे·पलुणसंपाः अर्घेटाया ५८। १९० द्वेत्रापुः प्रस्ति विश्वाः सुः विश्वाः सुः । वेरमबुनाकायते सामाना राष्ट्रामदा पुरमकायर त्रिना हो द्वाप्ता सामान पर्हे नव पर रहें प्रवाद है ना के ना बुना र निवाह के बार में हा है। के मॅट्र हिंद्र त्य द्वे र्ट्र त्रुन है। द्वे र्र्श प्यट प्यंत्र केव सप्यट र्वे वा स्तित्र कुर् स्ति द्यापात्या त्री व्यापायत्ति व्यापायत

अप्रतिकार्यस्य विष्या स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन मु ्वर् प्रदर्भ स्वाप्ताय स्वरं वर्षा स्वरं वर्षा स्वरं स वसाक्षे मॅसामणुन । केन्साबे नामना चेन्यो पुतानु मुँदा । नामे चेनाया सा मक्षाभेदा । केदास के मा के कु भेदा । केदास महुदाम पुरेदा । ळेवासाम्। १वाने वाकुप्रस्वा । ह्रास्त्रीको स्वाप्त वाता । ह्रास्त्रीप्त् बै:म्१व'व। । तहेम्'हेव'र्केयालम्याञ्चर्यस्य त्युर। । देखस्यवाम्यः 돌·영도기 [통영·취·허절도·도·전·디레 [도·어·절리·딧·미래·디자·협제 [ सर वे तिह्ने हेव समा हेन स्थाप । श्री हा सर हो हा व स्थाप होता । सव र ॲं'च्चेन्'व्'क्षेण्'मर्ड्वा ।न्ने'मर'भै'च्चेन्'सु'क्षेण्'रिष्ट्रा ।न्स'र्केस' चुेन्रयासुर**ेवनास्**च ।न्रॉवरस्र्यनास्स्रेन्रयासुरसेनारस्या ।सिन्यसारयेटा नर-सु-द्वेना-द्वेमा । पर्दु द- झ-स्र-पा-सु-द्वेना-प वर्षा । र्दि द-गु-र हे-स्य-प हें द-माला निर्देत्रमाश्रम्भारत्यावरमाधिता ।हिंद्रन्दरमान्वरमा भैवा । निर्मेव : अर्ळे न ' न सुर त्या त्या है न : या त्या वा । के साम बी : न में व : अर्ळे न ' मुशुअःमुःमुद्दी । मुर्दुमाः धम्। महः इस्यः पदि द्यापारम् । दिहैः सः न्यः पसुपः परः त्या वा । सकें ५ : नाव सः नाव विश्वास्य सकें ५ : या त्या वा । परः की : ५ नो : ८5ुव'मङ्गेव'मणुर'२णवा ।देवे'बमय'र्घेन'म्रेट'म'२णवा ।सर'म्रे'स् **र्दरःन**्र्ञन्यःयः त्र्नुद्रा । विरामहुद्धेः अप्तयः चुरमः त्र्नुद्रा । विर्धे**सः क्रेन**ा **र्षेत्र**प्यद्र'या बेत्। । ते प्यत्र प्रकार्क्षत्र र्श्वेत् प्याप्त हिन् । वेत्र प्रवस्य उत् मन्नवरमा है। । नवरमवर्षा नवर्षे वर्षे वर्षे निष्या । हैना मा कुना हु र रें रामा <u> ५८। १२.६४.४४ वर्षत्र वर्षाची । व्रि.त.व.५५ वर्षा १८.६४.</u>

त्याव था क्रिया क्रिया | दावे केव या विदाय वा । विदाय क्रिया वा - ਜ਼ਰਾਰੇਸ਼ਾਗੁਵਾਲੇ। ਗ਼ਰਾਰੇਸ਼ਾਗੁਵਾਲੇ। מקיבאיਗੁਵਾਲੇיםדיקקהימאיפֿדי वबा नहारान्यराष्ट्री अवार्षे बदावी सक्षे त्या वा नृदावका विनार है प्रस्ता विनार है प्रस्ता विनार है प्रस्ता वि वसानिते हेटारु हायटा है नसानित स्मानित हैं साहित हैं न ট্রি'নার্থর'ন্ন'। । নির্দিশন্ম'ল্রীঝ'নার্থরাঝঝ'তব'র্থঝা ।বৃদ্দী'ঝ' म्त्रस्य दुष्य भ्रा । १८४८ या म्हर्मिय सर्वे हा सामुना । १९५५ राय हमा हु'खु'ल' स्त्। । ब'हेट' रूँ र'झेट्'खु'बिन'चन्बा । चन्व दट' नेल'व'खु' **ঀ৾ঀ**৾৽৺ৼ৸ ।য়ৢ৽ঀ৾ঀ৾৽ঢ়৾য়৽য়ৼৢয়য়ৢয়৸ ।ঢ়ঀ৽ঢ়ৢ৽য়ৢয়৽ৼ৾৽৺৻ৼঢ়ৢ৽ৼৼ৸। ଵୖ<u>୵ୄଽୡୄଊଊ୳ୄ୕ୢ୵୴୵୷ୣୄୠ୵୲ୄ୲ଵୄୖୢ୶୳</u>ଵ୶ୄୠ୵<del>ୄ୵ୢଊ୵୶</del>ୄୄଡ଼୵୲<u>ୄୗ</u>ଵୄୖ୶୳ୠ पर्रःपत्रकाक्षत्रःधेवःसा । [[केवःह्वतःत्यवः]] यासुः विमाः भेवा । रेन्द्ररः অব'ব'ট্রি'অন'ন। ট্রি'শ্রী'ক্ত'বু'নপ্তব'ক্তু'ন। ট্রিন'শংগ্র'নন'ন্ম'ণ্ণু' थ। वित्रिंश्वाकेप्परान्यायराष्ट्रीया वित्रायानुवायराप्यारत्त्राह्रा रचर् निर्मुक् [[स्पर]]केवसः [[बेर्ग]]बॅर्ग[िया]]क्रिंग्णुकारचर् क् बेकाञ्चकाः | 夏如·仁·斯·口中切·罗生、[[如·]][[五] | [夏如·製工·馬·四仁·原子·過和· पर्वेटमा । दावै [[मदा]] यहसामाया पर्वेटमा । क्रेवासमादान पर्वाचेदायसा वा । वित्रसर्ते स्मृत्यणुरायराचा । वित्रयेका [स्वावः] कुर्ते कस्यस्या । रहायमारहार्त्रे देवेदाया ।देखारवादाकुःहमा विका म्बुट्यार्थं न्द्र्याची स्वाप्तिकारी मिद्राची मि है नवा नेना बेरारी विष्युदा ग्री**का गुराध नार्टा मृगु**ाला **नार्**दा वा वा ▼二.[[由之.]]知をか. 紅.ぬ.自,はヹ.ロ.ゖ.とせ. 山こ、と夏にお.如変.ヺェ.とか.し

ह्र. अष्ट्रतार वीषा बुटा स्ट्राणी हेरा स्टाव का मासे राय है। खेलाया वि वेटा मैं दें रह का बेर पर। ५ रे राष्ट्र प्याप्त विषय है मा प्रति विषय है व पञ्चरकार्था नालनाः अस्याणुराने स्मृतः बुकायमा मृतः हेसालुरा साथे नामा यरामह्नवार्षे। देणाराक्षे क्षायाराष्ट्रायके माव वारादेरा विवापन न्वमार्मिरास्र हिनमानकुराकुरिक सामञ्चारतम् वित्र किरान त्यव प्राप्त मुन्य स्ट प्राप्त प्राप्त स्पारि स ०५'म'स्री हूर'नद्रम.वी.त्रमात्रयात्रयात्र्रा ग्रीम'मश्र **ब्रॅंग**चैं संर-रेट्ट्र्ये पर ने लग्न संरक्षिल प्यार हे प्याप्त प्राप्त प्राप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्थाप खना अहि : हुर व : बुन्य : देव : में : के 'द्राया में हु 'वह 'मा : खेद। विवास : विवास : विवास : विवास : विवास : <del>পুঁ'</del>কুল'লত্তৰ'নেহ'ল'ল্পুনা প্ন'স্টলম'গ্রি'ন্থ'ল'প্রনাম'নাহ্ল'লি'প্র'নেই' ष्ट्। देवे क्रुंब स्वा क्षे क्षेण्या सामित करा वार देवे प्रमा पारी महिरा द्विष्ठा विवस्त सुपार व की मु सर मिराय दे मि विट.अष्ट्रज्ञ.वी.चंबे.ले.वे.ले.वे.ल.ब्रु.हेत्य.ब्रु.हेत्य.ब्रू.हेत्य.ब्रु.हेत्य.ब्रु.हेत्य.ब्रु.हेत्य.ब्रु.हेत् व्याया विषया हो स्वाप्त ळ्ट.ची चेबब.लट.एचेट.चंडू.टचंडू.त्यं.लूट.ची चेन.क्वेचब.ची.चड्ड. र्वेट.रे.चूर्मार्थ्य प्रमानविरामार्थ्य प्रमान्य स्त्रा हेर.रे त्र से क्षेत्र म्पृद्धायाः विषयाः मिबिट्यानारहानास्त्र। ट्रापानिमिट्यान्द्रापान्द्रेश वैनान्त्रीया

**कुै'म्नन'**ल'मर्नुर'द**न**'मॅ'मु'र'म्रेन्'य'९५'म्बेर्'स्न्'र्म् 'स्नु' क्रि'स्नुन्य'सु सर्केर हेव पने उ है नन। चुर मुँ नन १ ४ र न (१६ मन १) की रे सा मर ूर्य ] ङ्गॅपर्यं उत्राम्युत्यात्यं बुन्यायात्र प्राप्त प्राप्त देते। देत्या हैते सेटाने प्राप्त स्था ने दे दे र वे या विका विकार्ध करा की अर्थ का विकास कर की कार्य कर की कार्य कर की कार्य का कार्य का कार्य का का पश्चिषावता अक्षापश्चिपताने भ्रम्पावता हेरीनाषारस्वार्था **५८। ५८:में अर्रे देवा मुंदिर इस्याय व्याप प्रिं** पृष्टि **क्षमायः-रामा रामादाः अर्थः रामायः** ला**र्वेगानः** विरावानः **रेंदेःनशेरःगुटःनिर्देरः।** हिंदःगुःद्वाप्तदःमह्तःहेनाःतुःचतुन। विष्यः विष्युः कुषा विषयः **खालेगसः नगुः है नाः गुटः न**िर्दे । हिसार्स हिना नी सुँद दे र र जी पायर र र जुर जी पुण परि र यह र प्रस्त र में। पाय पाय पाय स्वाय में बह्नांद्राव्या तम्बालाव्यावयान्याम्बात्याच्याच्यान्यान्या व्याप्ते देशकात्रयायायायायायायायायायायायायायाया सन्द्रन्य वियात्र ना द्रेया है। दारेया कुला येरा बुर्दा द्रेया वर्षा है स्थापरा 5्र धेद्र है। कुल में केद में लिन्स है विर में कर पक्र में कि कि प्रदेत्यसंबुत्तः संबुत्ताव सः युतायर सः युर्दे दे हे दे से राय में कुता वैन्यामा है विन्या है कि ना सक्ता है विन्या है कि न मा सक्ता त्त्य'रु'पठुन'द्या न्यंत'प'पठ्प'पदे'हेय'ता ट्वं मुै'सु'व्यय' नामकाराधका हर्नेर देवा मुद्द देवा हर्ने अर्के तर्मन **यट.वेट य.तर.व.य.५.**जा चिल. तृष्ट, कृतकार एक ची. तपु. चेर. ह्रिचेका ची. ट्रेप्ट.

मराभाकेमबान्युवाबायदामा हा[मिडेमा]कुनवामादुराहेमावियादेवा पन्ना है, हैं बे, हैं, के राज्य हैं हैं हैं हैं । लब, हैं बे, कैं बे बे सार हैं हैं हैं विरामाह्मसम्भात्रात्वम् विराष्ट्रपार्या कुर्यार्या कुर्यार्या कुर्यार्या रे'र्छ' मुरापु ग्वापि का स्वाप्य के स्वाप्य दमा भ्रामाचेना विषय द्वारा केयन रहकान दिना नुस्का है। विषय दिना है **धुँ**पाश्चामु स्था ह्रास्यामी लक्ष्युः । सम्बन्धान स्थान बुरहर्ने अ:बुबर पक्कि: विद्या स्वयानान्ता क्षितान्त्रक्षित्राच्यान्त्रुवानान्त्राच्या विष्यद्वा <u> चैकाञ्चे प्रत्याते। हार्यप्रायत्यायत्या व्यार्चे ययाप्या हिर्मान</u> बर्द्ध'रियाबर दु 'हें यामायमा कुला मा व ररे। मिते खरामा दुवार दे नार सिंहा सर विरक्षित्र देन्य विष्या विद्याय वास्तर वार्चि । तय वास्तर वि ड रॅस्ट है विपर्द व में ह सिर में उरायाना दे पर व वर हे खर ने अहर ता.यूट.की हि.पदेव.ही.वेंब.वी कीप.तूब.पीट.पूट.हू.ज.सूब.हुब.उटे**य.** क्रुवादका क्षेत्रायके वका नाराहरा कुला प्रवाधि पहुंदाया देंदा रहे हिंदा ขูลาลชัยเอลเลิลเกลโ ยนเลิโดยเกลืเลเกลิยเดย ผู้ส่ ५ जन्म अक्षेत्र त्राक्ष्यं विद्याचित्र विद्याचित्र विद्याचित्र विद्याचित्र विद्याचित्र विद्याचित्र विद्याचित्र यमा देर विषयहुव रामा पुरम्पार व मायक्षे पाय विव स्व व हो। देर कुला या वारी हर स्ताली मार्थः वरा दे है म्या ने मा हे बा मार्थ हरा है। ष्यान्य पश्चार्यम् । स्राप्ति । पानि । स्राप्ति । पानि । स्राप्ति है। वि'महंब'भ्रैकार्स्टर हैंबर्टर। कुबरद्विषाय सँग्वरम बुबरस्वार्वस

मृदः तु 'क ल 'चु 'सू 'दे द ब ब 'श' कें ब 'र्सू द प्त हैं। ह 'द्र्य र खु द 'सू 'प म्ह्रित्र्वञ्चरव्यायहार्षेत्राच्याच्याच्या र्षेत्राच्याच्याच्या लट.केष. त्राप्तां स्ट्रांच्या ट.ज.४ट्टे.या.बुचा.ल्ट.की.चर्चट्याच्या लट.के लासकूर्नातिष्वात्वाद्भ बर्णर हर्ने चेर (लका) ह्वैदाल हिन्दा प्राची हर्ने कर है। पुर प्राचित्र ही। दे.ष.म्ब.पर्वच.मुभापक्षापया अक्ष.यटा-पे.र्या.स्थापायविषयाया ह्ना ट्रेप्स्राचलार्स्रा ह्रायाच्याचीयार्ह्राचयहास्य यारहह्याची ह्राया ৰ্ষাৰ্ম্ব 'ৰিম'শেল্কুল'শ্ৰাম্পৰ্মের 'ৰিম'ন্দ'ৰ্ম'ৰ্য় অগ্নান্ত 'ৰা न्तृष्यान्द्रात्वान्द्रात्वान्त्वान्त्रात्वान्त्रात्वान्त्वान्त्रात्वान्त्रात्वान्त्रात्वान्त्रात्वान्त्रात्वान्वान्त्वान्त्वान्त्वान्त्वान्त्वान्त्वान्त्वान्त्वान्त्वान् दे.पा.वंट.पीधु. लेपाच या ह्राइंधु.पट्चे.ताचाराः ॐवे.व्यव्यः अञ्चयः अञ्चयः मा क्रमणुद्राक्षात्वा वर्ममणुद्राक्षाये रूर्वि विरायम हित्याचीया रेष्ट्रहेट.टे.च्रि.कष्ट्रतातीयातज्ञीयया श्रीतया विश्या लिक् प्रमान्त्रा देशे हेट पुर्मे प्रमान हैं । 
 美'內口'气口'
 朝'兩'大'沒可'表為有'元為'山村'口身口'內容'
 [मर] हुँ'तॅ'त्र'पहुंब'वल'णु'[[पर्वर]]क्षर'पर्वरा। पर्ववःप'त्र'पहुंब' ইম্বাস্ত্রু দ্বী क्रियात्रम् स्टायित्रम् विमार्गे ।

स्ताकुलायावाचा प्रतासिक्षित्राच्या स्वास्ति स्वास्ति स्वास्ति स्वास्ति स्वास्ति स्वास्ति स्वास्ति स्वास्ति स्व तिना देवा ग्रीका त्राप्ति स्वास्ति स्वासिक स्वासि

मन्ना मन्ना कुरमें देन देन है नहे हैं ना ना कर नित्र है ना है नहें ने ना नित्र हैं ना है ना नित्र हैं ब्रैट-मॅर्रे हैं गुन्दा पार्श्वयावदान्नरे र्रे मान्दा कुल्ला है हिरे रहनामा ५८। रेव'मॅ'केरे'श्वुव'रद्वराप्टा , नेट'यय'ग्री'शे'गु'र्टा हे'सेव' लास्त्रन्थः स्वान्त्रात्वात् वाक्तियात्वात् स्वान्त्रात्वात्याः ขิดเกษาสูเลาส์เลา เลิบสาย เลาส์ เลา เลิบสาย ริยาสาย เลินเปา เลิบเลียา मॅर्डि'बुन्बराम। हरि'झेरही'सुन्बरायहरि'बह्बर कुबर्नहा मुहास्त्रमा स्वार्ष्ट्रम् व्याप्तिया विषया विषया विषया विषया थिर चिरमा मर्ने प्रतिदेश हिराया विषया विषय শব্র ঠি বিশা বুরঝা কু শুর্ব রেইব শ্রি বিশা বুরঝা র্মাণ্ট র শুর্ব বিশা चित्राकृत्रामान्दा नृगुदायद्याचा कुलायंदे नृगुस्याना 💥 ह्युन रकाम्बिम्कार्मा द्वापाद् ह्युव-मासुक्ष-पा नेते हेट नु प्यवन पारे बियामहैका नेते हेट मास्याय पारे बलान्यर में नहें न ने हैं हैं है र द रह अपने देखा अधिर न नहें न <u> न्यामिक प्रमान प्रम प्रमान </u> चॅर्रे हेट द हुता परि हु र्रेट प्या मुख्याय उपार विष् 

म् मुश्रुव्याय प्रमुख्य प्राप्त स्वाप्त प्रमुख्य प्राप्त प्रमुख्य प्रमुख

दे व ब न्याय में दे हैं न में न्याय। मु वे वे ब कु वे व व व व दि खुन्य **ग**रःबळ्टरःर्वेटाल्दे वाबुबार्ना ४व प्रतः विश्वेषः कुरार्वते सुप्रतः पुंतः Rद्दैरचबुन्नवामाधेदामालाबेवामनाकुतामव। ख्रामहेरमादासे ऋारदेर **बिंग्वेंबाबार्यकुंबाने।** निमुद्दायदबारावार्यकार्यवाराङ्गितावादि । मं हैन या है वारा तमना मुहें हुआ म लिकेस नेरारी ही ने निवाह निर्माण मर चुरायात्रा धुनात्रा र्वानाविना विवसान्यवासरी नवाश्या स्याम्बर्धिः मृतात्रु महियाने। विमयाक्षियान्यात्राहिताने द्वापने क्रैटार्मेरे मु र्टा वर्षे दे हैं दाया स्वापना दे रावा बिवन वा प्रवास रेवा नु 'बु प' वस! युनास । वर र र्वा र हे 'देर क नवा या पा प र र वा वर्ष स । पर र युर र र । ष्ट्रे इवना ग्रीमा ववा विवाद प्राप्त स्वाद प्राप्त में हैं। विवाद प्राप्त ग्रीमा रे केर रु कन्याय मु रे केर विव रह खुयाय भेवर वे। विव रह न में या भेवा **षाक्षे**र्ने प्राप्ते प्राप्ते प्राप्ते वा कुलार्मे श्रुम्बार् पुक्ते विकारि स्वर्धान्य र चुरार्द्र। विष्यारहदानु मुन्यदेव स्थायालानु ख्या विष्यायसार विदा मःसर्वः न्याः पर्वे विष्टान्यः धुनाः छेदः यविः विष्टानाः पुष्टाः नाः 5'नेहे ने निर्मा मानत सम्माणी मार्के न हे न से र र उ निर्मा से हे र से र मे 57 x x x v c v x £ 5 ' 51

देन्यः हेन्यः हेन्यः स्वाप्त्यः स्वापत्यः स्

ने व सः नावसः सूँ नः नी खूँ नं ताः सुतः ते स्व सः नी सा स्व सः नी सः मि ना स्व सः नी मा स्व सः नी सः मि ना स्व सः नी मा स्व सः नी सः मि ना स्व सः नी सः मि ना स्व सः नी मा स्व सः नी सः मि ना स्व सः नी मा स्व सः नी मा स्व सः नी सः मि ना स्व सः नि ना स्व सः नी मा स्व सः नी मा स्व सः नी मा स्व सः नि ना सः मि ना स्व सः नी मा सः नी सः मि ना मि ना सः म

म्बरायद्वरत्रान्। र्यायद्वर्भात्या यञ्चलायायञ्जेन्यायार्थाया प्रबार हे . के ब्राया के प्रवास कर हो . के ब्राया के प्रवास के प्रवास कर के कि के कि के कि कि के कि कि कि कि क 저도저 중 중 = = ~ (이 데 ' 디저' [ 원미' 중 - \* ] 로 제 [ 미'리' 조로 ' 등 ' 은 전 | 변'표' म्ह्रेयंगी'सेप्स्राचे 'त्रापरे क्राची'स्नाथापर्स्यास्तरत्यामास्त्राही ५मशरहरअमेबर६मा अपकेरेंदेरमहीरम्बन्यास्य कमसा देरवरकुशरॉरने**सर** हे<u>'बुल्य'र्</u>र'अठर'पर'युर'र्हे। यट'द्रय' पर'पर।'पॅ'प्रे'प्रेंय'र्र्<ेवर' हे'eु'न'नदेव,टें.ह्रं'ज्ञनभूथ,टे,उन्देर,टें.न्ह्रं,च्यू,चखेब,चू बिषामु,रमीषार्ध्राप्यानिरापदार्द्राम् समी में हैं हैं से से सी किया के सि म्र्राया वर्षेटायम्बा पगराञ्चयामा रेवाडी हेरीम्रेवरणी नुबुद्यः यय। विषय् के दिः तहिन हेव दिवदः धुन खुन सा केव'स्पृप्ताम् राधितास्या ट्रिटा मुकार्या ह्या स्वास्ता ह्या स्वास्तान न्दा भेन्यविवासम्बर्धान्दा लाखान्दान्दा द्वार्धार्दन्वर ΧI

त्र्यान्तराष्ट्रित्र्याः विकासा विकास विका

लट्रहेन्रब्रायहेन्याय्याबुयाक्षां विषाके। प्राक्ताक्षां कुराक्षां

คาลรับอลลาสูา (มีกา) ขการผลางเลือน เลือน त्त्वा भाषा है। अञ्चर रेपानकी नामा का दे हैं नहीं प्राप्त के बे नहीं में का खिलार् पुरक्ष खराले निष्मा विष्में क्षेत्र करार्मा से विष्य क्षा विष्य विष्य क्षा विष्य विष्य क्षा विष्य विष्य ĸŢĸ'ҵӈৢҀ'ĸӀ ५८'ऄ८'पे'८ण८'ॲंहे'(बळे')पहे'ऄॗ८'र्'र्रे'ऄ'ढ़णुर' मा देशेरवळें हरतु। खुहार्यराखुहार्यामा कुहा। क्षेत्रम् अत्वनानी मार्ने मार **बेट.रे.ब.**ब्र.के.टे.८००८.रे.बे.चे. अ.सेट.वेत.वे.८४४.प्ट.४४७०.८ **ब्रेट.रे.बट.**ळेल.वेबब.ब्रेबी ट्रेड.एक्ट.रे.वेट.२व.बी.वे.बिटा वेट.देय. प**बेटशःश्रा २, अ**ष्ट्रभयः नार्द्रवर्तायः निर्मात्यः नि हुम। देवसायमारद्वाया ह्या हुमाहा नमाही हामाई वामादेवा **ब्रैर**'नु'तुम'यर'न्द्र'। र्ह्मेर'केश वे'ब्र्'प्वर्देद'यरे'ब्रेर'नु'ग्रे'रे' <u>चैरःढ्राम्केश</u> प्रदिन्धेवःप्रदेवःसदेःकेनःन्। गुःसन्यःसःन्ये हन्यः महिर्म् प्रवासि मिट्रिया सेट्रिया विद्याप्त महिर्म महिर्म प्रविद्या सक्ष्र बालका (मु) निम्म महिंदा भारता निम्म निम्म निम्म है। बीहर महिंदी निम्म हैं लारखटानुमानबिदयार्थे। यदमाकुमारदियामहे हेन पुरवुमारेहे पावसासा **ॻॱ**ॿॖऺॸॱ**ज़**ढ़ॕढ़ॱय़ढ़ऀॱक़ॖॆॸॖॱॸॗॗढ़ॱॶढ़ॱॸॖढ़ॺॱॸ॒ग़ॸॱॻढ़ॏढ़ॺॱॺॕॎऻॎॱ॔ॸढ़ॻॾॗज़ऻॱॗ **ढ़ेव'र्घ'झुंघ'यदे'नाव ब'सु'अर'**खुल'क्विर'बा बरब'कुंब'णुंब'हुन्'रु'बे'खुलाः <१७°६म्बर्सुःविष्युवारेश्वरका महिष्युःविदावार्स्यवयामिवस्यावेदस्यास्याः देववस्याः य.र.च.के.केच.पब्टश्च.बं.चंश्वराष्ट्रा पराज्या.ये.के.च.चे.च.हो [वि.

चुरःरं। रे.प.क्षक्र.क्रीक्षरः व्यक्षः क्षेत्रः व्यक्षः क्षेत्रः व्यक्षः क्षेत्रः व्यक्षः क्षेत्रः व्यक्षः क्षेत्रः व्यक्षः व्यवक्षः विववः विवव

त्वस्यस्य व्यवस्य स्याप्त स्वाप्त स्याप्त स्य

प्रतीवाया १ वर्षा की राष्ट्रा ह्राचे राष्ट्रा प्रताय हर्षा हि । वर्षा वर्षा हि । वर्षा वर्षा हि । वर्षा वर्षा ह महेराचु पुरुषायामहें ५ भी व प्याप्त महिराची महिराची प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प् दें १९ अयः ५ मृतः पायः मृद्धे ग् । अदः में । विदः में । ऒॴॴॱय़ॸॱ**ॴ**ॿॖॴॴय़ॎढ़ॱॸढ़ॖॱक़ऀढ़ॱॻॿऀॴॴॸॎॸॎॳॎॖऀॱॴऄऀढ़ॱऄॗॴऄॗॸॿॖऀॸॱॻॖऀॿ॔ॱॱ दावी झूपुरव्रथानपुरक्षा पीयु केपान्र रूथन्य मेथान्य या निवापन्य रू <u> संदुः बित्यकालान्ये विष्यातिका विषयः विषयः सम्बद्धाः विष्यातिकालाः स्वयः विषयः सम्बद्धाः विषयः विषयः विषयः वि</u> निटारि में दि प्रकृट दि ते रहेना हेव ची निवस सु की समाम प्रमुख्या है। दि नी इत मुर्वनागुटा गुरु भेना बेराद वा के खूटा मरा गुरु है। दे व वा विदा करा नाटा दबः हुर 'चुंद रद'द। युहे कुल में 'न्निह में सुल अमें 'चर्द राम नहिना' छुल है। कुल'र्स'हिंद'णु'पाईन'लम्'प्याप्याप्यापर हैं हैंद'यर'अदे'दहेना हैंद'चु 'प्यस् **ॶॱ**क़ॗॖॺॱय़ॸॱॻक़ॗॖढ़ॱॸॏॱढ़ढ़ऀॱॻऻॿॖज़ॺॱज़ढ़ऀज़ॱॻॖढ़ॱक़ॗऀॺॱॺऀज़ॱॿ॓ॸॱढ़ॺॱऄॱख़ॗढ़ॱय़ॸॱ चुराहें। देरवयाद्वेवरमान्दायुर्वेरन्तवराध्याकुलाधारमञ्ज्ञाव्याद्ववर्वेता ข**ॖॱॴ**ढ़ॖ॔ॴॱॴॴॱॺॎ॔ॱढ़ॸॣऀॱड़ॣॕॸॱॴॷॴॼॖऀॱॾॣॕॸॱक़ॿॱॻॕॱढ़ॸॣॸॱॸॴॱक़ॗॴॱय़ॸॱय़ॼॗॸॱ मी। दर्रे म्बुगराम्हेग् णुद्य ग्रीया नेपा बेर द्वरा के खूदा पर ग्रीय देश देश <u> चुॅद्रामते अट्दर्रु 'नार्देर' ब्रे</u>दर्चे 'कुल'में 'दरन'ग्'ग्' हे 'रायमें 'नासुयाम खेनामीस' **द्वन**'चुरु'हें। कुल'र्स'हिंद'ग्रे'नार्द्धन्।लन्।चट्रत्दे'श्रेदे'तहेन्यारात्सराटसः पश्चरःनी। हरेःमञ्जाकाम्वेनागुहःनीकाञ्चरःद्वाकेःञ्चरःपरःनुराही देः **बस**र्चेंबरमहेरसन् र्वर् खेवरमहेर कुलर्मरायम् जात्रवाच उपले प्रमुख्या निवास **ॻॖऺॴॱॻॖॴॱॻॖ॔ॴॱॻॖॴॱॸॖ॓।** क़ॗॴॱॻ॔ॱॺॗॕॎॖॸॱॻॖऀॱॻऻढ़ॖ॔ॻऻॱॴॻऻॻॸॱढ़ॎॸऀॱॴऄढ़ऀॱ ४९ त्रिन्यः सः सुद्रः व द्रात्यः व द्रात्यः व त्रात्यः व त्रात

प्तःश्रेःशःष्वन्यः मुक्तः भेषा चेतः प्रकाश्चितः प्राप्तः मुक्तः स्वाप्तः प्रकाश्चितः प्राप्तः स्वाप्तः स्वापतः स्वाप्तः स्वापत्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वापत्तः स्वय

देवबाक्यान्यवापरावरवाराराष्ट्री स्वाप्तरावरायाराष्ट्रवाक्यातार्वावराष्ट्रवाक्यातार्वावराष्ट्रवाक्यातार्वावराष्ट्रवाक्यातार्वावराष्ट्रवाक्यातार्वावराष्ट्रवाक्यातार्वावराष्ट्रवाक्यातार्वावराष्ट्रवाक्यातार्वावराष्ट्रवाक्यातार्वे ॶॺॱक़ॖॖढ़ॱ८८ॱळॅॺॱॺॺॱॺळॅ८ॱय़ॱक़ॗढ़ॱॺ॓ॱॼ८ॱय़ॱॾॖऀॺॱढ़<u>ऀ</u>८ॱ। रॱॺढ़ऀॱॻऻड़ॖ॔ॻऻॱ विट'हे'श'र्येनव'य'**हे**'र्नेद'र्नु'युव्य'र्ये। वट'द्रव्यया'र्न्न् व्यट्वर्या'र् बर्केन्यदे सु क्षं पहु दुव न्दा क्षं क्षं के दे के के स्वर्ध के का स्वर्ध के के स्वर्ध के के स्वर्ध के के स्वर्ध के स्वर्ध के के स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्ध के स्वर्य ऍन्'स्र'बेर्'मर्रे'र्स्र'म्'रे'सूर'मर्यानेर्'मर्यान्पर्रे'रे'प्रस्याम् । । । । । **र्षेन'ने'वे'र्से'श्चु**'यमव'म्डेन'व'रे। ष्टिन'ह्माय'हेरे'ध्रेर'युन्य'ह्मार्यर' <u>चे</u>दॱबेर'र्र। अर्केंद्र'न्य्यन्यांन्युःक्षं 'ह्यस्य द्वारे। क्षु 'ह्यस्य न्यार्ट्र' [मिट 'र्-ु 'श्चुव' परे देव' प्ययवय 'र्च 'द्व' द्वे वस्य मा केमा गाट 'से दे 'से दा ลงรั**กาท**รักาสสาผีเลียาผู้เหมืองเล่นกายการเลยา

ने व ब कुल र्ये ब स्थु माठे माधि पर्यु व राया मातर **कुला मा** हिंदा ग्री प्याप मः ठवः कुै 'श्रेश्रशः ठवः कुै 'खुन्'र्नः अर्केर्नः मधुन् महै हेवः हिन्यामः प्रा **दमा**ॱसॅतेॱर्चुमकाष्ट्रसमारुदारविषयात्रात्रम्थाः संभित्तरायराष्ट्रमारिः ध्रेरास्त्रा निट्रिंदिः स्ट्रिं निर्मे के प्रमानिक के निर्मे के निर्म 다음 4. [ [ 고시 - 파이, 다니는 나는 다마 - 마이 - 마이 - 다니다 -พนาปูณานั่วๆ ביבולים בישׁק־אַקֹילִילְמאישק־ים אין באי אַר אי בולי 회정당,당보다,님,다.요소,회,회사라이나의성,경,영,나다,너희,옥,너희스, पढ़ित्रात्रः भ्राच्यवरा उत्। वृता वृत्वा वारा प्रति। सुता नु ना प्रतामारा <u> नृतुषाबरायर्रे वास्वारत्षाकाको ने पान्यर्गरियान्य</u> विस्वासुप्यार्थे वा देंद्र-पोद्र्यं-पोद्र-पोट्ट-हिं-अर-पार्ट्रअ-निवं-४८२४-४१-पश्चित्-६-६४-पोट्र-वियाज्ञेस-**बुँ**८.पट्ट.पड्टेर.बुँद.छ्द.त्.त्महेर.बुँ.देश.त.ब्र्याथ.त.प्लंटश.ध्या निर्मा में ही हा कराव वा निष्म उव र नु ही की वा दि खेलवा उव र ने न न परने पर र र र र म्नेन्य राष्ट्र त्यार त्या के राष्ट्र के राष पर्वाचा वरः परे प्रत्यानः पञ्च पः प्रत्यान्यः विश्वः या विश्वः परे क्रियः विश्वः विश्वः परि क्रियः विश्वः विश्व ला विष्णुं वा देग्विव मिन्नायि मिनु वा मुन्य स्थान् ।

त्तृतामः भेतृ समा हते विभयाम् ४ तु पुरामा ४ वर्षा के वर्ष ८८७ कीला प्रमधः श्री. क्ष्यामी. तर्टेटा कुराचे तपुर कीरा था. कुरा था. रुष्ट्राहराष्ट्रेराचराकेषाणुरमाहेरास्याचरामुही देग्वसुटाचहीरष्ट्रीरामानासुवासम् ठव'रु'अषुरी'मिनेर'स्रि'पर'पुर्दे। दे'वयाअष्ठरे'प्दव'स्नियार्प'सेव'ग्रीय' ᇷᄻᇪᆈᇸᆟᅩᆛᆸᆛᄓᄷᆛᇦᆠᆘᆛᄓᅕᄼᆣᆔᆛᄱᄞᆛᆿᇬᇌᄭᆛᅝᆔᅩᆛᄆᅾᆲᄳᆠᄝᆛᇊᅩᅷ᠁ विर्दे। दे.विश्वका वटा की ख़ैबार वैदा बिदा कि ता वब दे विश्व कर के देश की स्वापाता. *वर*ॱठुॱवरिॱछुेरॱण्'वॱतुअःयॱठदॱ८्टॱऄॱरैटॱवरॱरेद<sub>्</sub>वॅ'ळेरेॱण्हेरॱॺॖॱवर**ॱ** <u>२च</u>ीलारह्मस्चीर्द्रवार्ट्रस्द्रद्रां के प्रवादानी चीला संप्रतान विश्वराप्त ताला र्सन्सः प्रदे दिसः र्वे पः विवर प्यतः से त्या वितर से वितर न्वत् नुं द्वन् के स्ट न्य द्वा के स्ट न्य द्वा के स्ट न्य के प्रत्य के प्रत पर्ना वेगवर्नुर्वेगर्न्यवरेष्ट्वेरर्नुष्यवर्द्धवर्मः वस्या कुैब'बे'विप'य'बहर्'र्रा रे'लट'हे'हुर'वुब'खुन्ब'र्टा **न**र'झब'य' रटा बिटावयाड्ड बेराल्ट्याब्चिरायार्टा देखाञ्चावायावटार्याचालः ळेलका ग्रुं में ना रेला दीका लतुना है। हिंद तिला चीका दें नाका व का पत्ना नी दे.वज्य १८८.की. विष्यात्र विष्यात्र विष्यात्र विष्यात्र विषयात्र विषयात्र विषयात्र विषयात्र विषयात्र विषयात्र **ब्वैव**ॱॻऀॱहेवॱख़॔ऀऀण्यॱवेण्"] ८८।य'ञ्ज्ञ बॅत्तेॱहेवॱॻॖॱ८।य'व्यक्तायायटार् प्राण्याय 

स्पृ क्षर् त्यर क्ष्म्य स्तु मुनेन्य स्वा क्षुरे सं मि क्षुर र स्तुय प्याप्त स्तुर स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्व स्वाय स्व स्वाय स्

पटा, वि.स. २ था त्ये स्या, श्रेचा, स्व. १ था ति स्या, स्व. १ था ति स्या, स्य,

ब्दः नुष्ठि द्रार्थे व्या देर कुल देश के प्राप्त विष्य हुन देश है । व्दःवं वेदःयावर्षं ज्वराक्षे ॐश्चराकवाणीव्दःर्पवनवार्थे। ॐप्राचुला देर बिद केया है 'कुष विशेष विश्वीया हिंद की स्वेद र की ह्मद्र'मॅं'पठु र्वुम्'मॅं'शे'पदिश्रम्प्राप्ति । श्रेमदिश्य श्रेश सं'र्वे अत्राक्तीयान्य प्रति व स्मीति स्त्रीति स्त्रीति स्तरी स्त्रीति स्त्रीति स्त्रीति स्त्रीति स्त्रीति स्त मादान्यस्यसाने मुलारासासास्यासुन् हेता द्वानिकनामें दार्स्सामुदानस्य श्रीयात्राचे मारामञ्चात्रात्रात्रा कुला द्वारा पुत्रा मुत्रा मुत्रा व्या हुन ही र २। [अट.पंचंठ.] वि.तैथालट.पंजुराज्ञांचे.पंटायवैष्यं हे.क्षेतात्राः द्यनाचियान्त्रेरास्यावयाकुवाक्रेरारी देवयाकुयार्येदेख्यावया स्र मुद्रमाहि पहुंदादारी विदानी निदान में भिष्य विदान में भिष्य विदान में भिष्य विदान में भी मार्थ के मार्थ में मार्थ के मार्थ मार्थ के मार्थ **७**व्याः त्रिट्रकेर]|रर्वेष,रें.कैट.खे्याचयाक्षेत्रीयट.केट्रीयटाप्रवेषाक्षेट्रवे.तर.. নানাপ্ৰ,প্ৰা

**यद्यामुबार्यस्य विवारम् । विवारम्** खिरामझ्काने। । पुराक्षमाने सका प्राप्ता स्थापने । देखा निर्टः रवकाविष्काकुरा के । अर्थः क्षेत्रे चिरः कृवा से समार्यातः त्वृत्। दिवयादेख्यावृत्त्वयात्रेयस्य । विषय्यायरेष् वना कुल में के दे पर तिहार । किंश मार्थिय मार्थिय मार्थिय मार्थिय स्थापिक के दे सार्थिय स्थापिक स्थापिक स्थापिक पढ़ित्या । अवतः विवाक्ता विवयः प्रवयः विवादः । पद्ये अळ अस प्रमु ५ गुद त्य ५ पुष्प सुर्। मु ग्वर प्रस्त अहँ ५ र म केंद्र थट.स्.पर्क्रीरा विष्याता.के.विष्य.विष्य.केपाश्रव्यय.येषध्ये। प्राप्येष्ययः **प्रथान्त्राष्ट्रकामुकापर प्रोत्। । लह्याम उदामी प्रथा क्राया म** रमं पु चु द व व र ने व र दे व से प्यार तह वाका । मई व त सुवार व ने में स्मान सम **अ**८.Д.७वै८.1 โล๊อ. अूट.८ू.४.चैंच.३ूच.४४.¾अปู.७९अ४.¾अ८.Д. हुंबा । नु.क्षेर.क्ष्याक्चिंट.क्षेप.च्.क्ष्य.च्.नुबा । च्रन्.प्यम्बाननु.क्चिन्.न्जाव. न्द्र,क्र्य,ज.ब्रैंटा विजान्द्र,ब्रह्ट,ब्रैंट,खेंब,ब्रंब,क्र्यंब,न.लुबा विन्टयः ॱऄॕ॒ज़ॱऄॖॖ॓ॖॖॖॖॖॖॖॖॣॖऻ॒ऻॸॖ॓ॱॺॖॺॱय़ॖढ़ॱक़ॖॺॱॸॣॺढ़ॱज़ॗऄज़ॱॵॺॱॹॗढ़ॱऻॎॺढ़ॺॱक़ॗॖॺॱ <u>.विट.कैत.क्षथ्य.टेग्धु.पर्हूट.पर्ह्मथनार्ह्स्। ।श्रट्य.केथ.पर्हेथ.त.पर्वेट.</u> ॱढ़ऀॸॱक़ॖॺॱय़ॸॱऄॗऀॸॱ। ऻॎॶॱॻऻॿॖॻॺॱढ़ॸऀॱॺॎॱॿय़ॺॱॺॕॻॱॿॖ॓ॸॱय़ॸॱढ़ॻॗॸऻ देहे:ख़बरबुरबुटाय:बुटाळुटा:बेबबराद्महरमाहैबा ।गुडैना:बै:म्टुट्:देन्बर कुल'र्घ'दन्।'र्घर'वर्गुर। ।दे'स्रर'वर्नुद'रेनास'दन्।'र्घरे'कुल'र्घरेन्स। व्राप्तिया व्राप्ति । व्राप्ति । व्राप्ति । व्राप्ति व्राप्ति व्राप्ति व्राप्ति व्राप्ति व्राप्ति व्राप्ति व्राप्ति व १ वं यः परः शुरः पयः त। । तृषः यः पर्तः शुः । वृषः वे । वृत्वयः वे । वृत्वयः वे

न्नर यह बुलाम हिंद या त्युरा । दिहे तिवर कुराह विराध पर मुराह्युला दमा । वित्रायान्वित्रायान्तेत्रायान्तनुत्रायत्रात्रमुत्रा । ति विवासनावसान्ने प्राप्तात्र म्धु-बैलानधु-ध्र्यातियातियातियात्राध्यात्राच्यायात्राच्यानायात्राच्या दे अबर न मर र दे दें न बर की र झे र दे र दि न बर न विषय है है न बर की र झे न बर की र झे न बर की र झे वयश्रद्राणुया । कुलामान्द्राणु खुनवा कुर्यस्य वर्षा वर्षा बेबबर्द्यादे कुलर्स्य प्रदेश विषय । विषय विष्कुत्र विष्कुत्र विष्कुत्र विष्कुत्र विष्कुत्र विष्कुत्र विष् नःभुदः नृत्यः सरः र सुरा । मार्ड मा रामा । मार्थ मा रामा निया मार्थ मा रामा निया । मार्थ मा रामा निया । मार्थ मा र्ने पः श्रुं र त्या सन् प्रति । प्रति । प्रति । ୗଵୄ୕ୣ୷୲୷ୢୖୢୠୄ୕**୵୷୷୶୷** मह.ने.रचे प्रक्रिरा ।रमूब.ना.विश्व २ र.इ.रे चे ब.र.र सूब.नर र जीरा । **ॻ**ढ़ॖ॔ज़ॱॺज़ॱऻॸ॔ॱज़ॕॿॱक़ॕॖॻॺॱॸॱॸ॔ज़ॱॸॖॱॺॻऀॗॸऻॎऄॕॎॗॿॱय़ॱॿऺॺॺॱॿॆॱॺॺॱॿॆॸॱॺॺॱ **렬**미치'靑치치'두자'다자'유밀자! |저드치'팝치'다렇리'다'워치치'젊두'필자'다'引 | वर्गः मॅंदे 'धुँ नवः कुवः खुवः धरः द्रणुरः दुः है। ।दे 'द्र नः दुवः सुः नु नव नवः दरेः " **इसरागुरा ।रे'र्विण'**वय'स्र्विंगिहरानु'निसराक्षर'र्स्रा ।कुल'र्सरीर्'रि'हैन' য়য়য়৾ৢৢৢৢয়ৢঀঀৢয়৻৾ঀৼয়য়ৼৼ৽৻ঀয়৽য়৸৻৽ঢ়ৼঢ়ঀৢ৽য়৾ঀয়৽ঢ়ৢয়৻৾ঀ৾ঢ়ৼ · 어린다! [다중다. 복회성·회회·정원다. 젊호·복회성·결·최·전·윤다.] [美·복회성·회· **९वास्, भूपान्यतः अराज्ञाः ।** ।४ची. क्षत्रः भ्रीटानियाः ७४. श्रीचानाः स्थयः पर्वे ब 'मे' खटा। ।%गटम '८८ हैं पम '८८ % केर 'टुम हुप'या रहा 

5. थु. तट्रे. खुटा । १६. थुटा अंश विटा अ. ट्रे. ट्र. हुं । विच ८. अंट. प्रच. <u>च</u>ैर.कर.के.भृ.श्रेंभ.खेटा। विट.भट.क्र.बेटाभ्रे.बो.भट.म्.४वीटा। ४८**टे.** न्द्राया वित्रदे के वायत दे ति वित्राया वित्राया वित्राया वित्राया वित्राया वित्राया वित्राया वित्राया वित्राया मालुका विविध्यकाकु मण्या १ अवसार विषय हुन अवसार विषय हुन अवसार विषय । बुट.खे.४चेब्र.क.२२.४चैट.। ।षष्ट्रव.क.८४.चब्र.चेब्र.क.षट्ट्रवे.५८५। । <u>२व, ह्या, शट, खुटा, श्रृ ता, श्रृ ता, श्रृ ता, विश्व, विश्व, श्रृ श्रृ ता, श्रृ त</u> ब्रिटः क्रमान्त्रियसः ब्रियाः यस्या । मित्रत्यत्यः इत्रयः सः से मित्रः स्वर्याः सः तवृत्। ।देवसावृत्रक्षाः सेमसान्याय विद्वारा ।देवा । से वार्वे त्रुव सट मार त्युट पर त्युर। दि ता युट कु त के समार पर सट में स्थेता **मुॱन**्चन्यात्रः तर्भवः पणुरः कर्षे ५ र पः चेता । धुन्यः पङ्गुवः नुः न्युवः नुः लन्। विष्यानहः हुन्। । निष्यानहः हुन्। निष्यानहेन्। विष्यानहेन्। । निष्यानहेन्। वसाम्द्रारम्याञ्चलामारे मन्द्रारम्या । हे र द्वार वसाद्रारम्या इत्दी । मवस्यायस्य प्रस्य प्रस्य वस्ति । मार्च मार् त्युटा । अर्केंदाकाक्षाहेदाह्यसम्यायार्थेटाः नाम्वेदाः । नामेंदासकें नामसुकाण्चे हेदा नियानया । भुरत्यभाः श्रीरामाञ्चात्रम् । भूतामायमभाउता Rदे'न्ट सुव र्केट मेना । सम्मिले रहे प्यस् मेव मृ सु मार्यर रहणुरा । क्रिस मुद्राक्षे मृद्रायट मारति हुट पर ति हुर। । ति दे 'द्रा ति दे 'वे 'मेर् या मिर्

**८वृ**द्य । ८९ था क्रिया के प्रत्या । दे प्रत्या क्षा । दे प्रत्या क्षा विष्या क्षा विष्या क्षा विष्या क्षा विष्या क्षा विष्या क्षा विषय **वृ**ण्याञ्च भीरप्रित्यापरी ।र्जाश्चराचे प्राचार्यरामञ्चारप्रच्या । <u>ज्ञानसम्पर्भ । १८५ स्यामहेत्यम प्रेन्यमहेत्यम् स्व</u> केरासहा । क्रिंसमा सुर 5ुं रें अ में 'कें न्यर त युरा । ने 'नुक कुल में 'र्दर 'ग्री 'अवत 'ठव वी । वुर **६**चाक्षेत्रवाद्यतः हुःस्वादकृष्यात् वृता |दिःशेवानुताख्याकेववाक्षेत्रवादा नहरें नियान न निर्मा किया से वर्षे से वर्षे साम स्थापन हो। विषय स्थापन स्थापन बर्द्रवासराम्झवासाधेका ।रेम्बामर्ड्रवास्वाम्ब्रवास्वास्वास भूग्नुनासारहे त्यायळूर होर सेचा ग्रीटा एकला । पश्चेषा प्राप्त संबर सेकाळू प्राय याचेत्रपरातचुरा ।(तेरलेखा) पङ्गवरया भेवरतु क्वायासद्ता ।तेरेरे श्चिया बार्द्धभामविष्यम् यास्या । प्रमीमम्बेष्यम् मार्मेष्यम् वर्षाः स्वर्याः स्वर्याः स्वर्याः स्वर्याः स्वर्याः स्व रिने त्या पहुँद प्यापुर मुने द द अर्केन प्यार त्युर। । पहुँद प्यारे अस्त प्यान्य र्ने प्रकेष र्या विष । विष्ठित से समार्पार रहिल में प्रकार में प्र ८(वॅर-चु) (वे ४) हॅर-सम्छेर-८८-पड्रमासुय-स्वा । चुँव-वय-८६-। तम्हेव-मणुराचेत्रायरातचुरा ।देगमबिदाचुराख्याक्षेत्रस्दाक्ष्र्रायासरायाःक्कुरा। रेष्व अरेपायायञ्च 'वेटा ञ्चटाचाञ्चाचाभी हिंदायाद्व समादेष्व समादेष्व समादेष बारहा हिन्दसार्गरार्विराष्ट्रीनसाहस्यसास्य सुन्हराद्वीरा । वितृतार्गी रिन्स য়য়য়৾ৼঢ়৾৾৻ঀৢ৾য়ৢয়৾৻য়৾৻ৠয়৾৸৾ঢ়ঽ৾৻ঢ়ৢ৾য়৻ঀৢ৾য়৾৻য়ঢ়৸৻ঀ৾ঢ়৻য়৸৻য়ৼ৻য়৻৺ঀ৾ৼ৻৻ ण्वे'नहेर्'के'दिर'र्वेपय'णुर'के'न'र्रा |त्यान'के'दिर'यपु'पर'के'न' ५८। । अह्रव नेयासाध्यास्य विहासनेव सहिरहमा र सारम्या 

**न्युन्। ।त.इ.अद.**क्र्यालियायायाः स्वेतः तरान्तेयाः । व्रि.स्यान्तेयः क्रियायाः दे स्युरामरानुना । अन्यमराक्षायान्स्याम्हान्यम् । गुन्ह्ना मदेव-त्राष्ट्रद्राचन्द्रद्रवाची सिन्नाद्रन्तिर्मुवादन्तिन्यः **८**ष्ट्रित्। ।धुँनायायेन् र्मन्ययायेन् प्रमान्यत्। ।कुँ वर् कुँव वर् हैव.वीच. बुर.च. ८८.। जिंदाका चक्षेव, तापु. है। लटा बटा तू. पविदा। विजा प्यायान्त्रित्यायित्याययायायात्त्राति। विष्यावान्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्रा म्ह्यामारिवीया । अर्मामराक्षेत्राप्रासीक्षामा लेवा । तुरहेराह्नेवर [श्रृंग] हि [श्रृंग] रे पा वि के श्रृंव में का में वा वि खें प्राप्त वि यात्रवृत्। विरागात्रवृ**षायात्रदार्षे**ष्वयाः [याःशि ] वर्षेत्र क्रेंबयाया बे**या** मूरःसूरप्रज्ञरारविरा ।पि.श्रुचाःसूरम्बाष्ट्राट्रार्चा**प्रवि**रद्धारात्रक्षा । रदःनी' एका ता नार्वे दाया चे दाया तमुद्दा । वा हिंद स्वर्धव मानवार मुना स्वर् नुरामाध्यमा । पायनास्यायातुः उत्येषात्रात्व<mark>न्ता</mark>यातात्वनुना । रामार्श्वना สูงรุราฐาฐปลายิรากเชอีราโ กลายเปลา 24.2.8 พลากราธิรากา त्वृत्। ।श्चर्षायाः वर्षायान्यवारम् । वर्षः पुर्वेता । श्रेटवाराः द्वेववार म्राच्याखेटारटी ।ब्रिटाल्या.१४८१८१४८१८म्या. वियास्य ।विटायापस्य मुरी । ५५. कि. १ वर्ष पपःर्द्वलःब्रह्मा त्रेत्रः त्रियः त्रियः विद्वल्याः विद्वल्याः विद्वल्याः विद्वल्याः विद्वल्याः विद्वल्याः विद्वल्याः ॻॖऀॱॾॕॖॱऄॗऀॸॱॻॖऀॿॱॻक़ॖॻॺॱॿ॓ॸॱॻॱढ़ॻॗऀॸॱ। ।ॴॸॖॺॺॱॸॴॱॿ॓ॸॱढ़ऀॸॱऄॴॱ<u>[</u>ॏॕ**ढ़ॺॱ**]]

बदःर्घाञ्चा । मन्बरः दमा चेरावया सुग्वेगवा नवदा केना विवा । देग्हरायम खेन्त्रः१व्यः बेटः ८ हेम् प्यत्राक्ष्यः खेन्यः ञ्चन्। ािरे प्यतः ोटवः स्टः ८ में प्यः बट. त्र. ७ वैरा । बूट. लियाब. ब्र. युवा हा. क. व्यट. तर बूटा । वि. ७ वं वर तर्वे मरकारना द्वारा मिरकार म **อิช.ก**ธุ . क्रूच. ग्रीय.यट अ.घी. खेय. चेर। । य.चीय. सेंब. चीत. ४८. ग्रीट. ८ मूथ. स्र वेम। विदायमान् यात्रात्रात्रात्रायान्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रा मम्बद्धाः विकासका विकासका । निवासिका निवासिका विकासिका विकासिका ८म्र्रीचिश्वादिता । स्वात्माद्वालयाः बुवायाः म्वाद्वात्राचा । स्वावादाचा उनाः · 돌미지·이·용드전·호전·] [디저·호전·먼덕·어·월드전·덕전·미전드·디·[ [ - 1 मुश्रेर द्वा चेर बुट क्षा पर देव चट मुह्म । या यव अ द्वा कु न या पन् मानुना । सारान्यतामार्वेषायानान्यसुनान्यानुना । पङ्गेषायगुनाकणाया निट'रहें नृत्य'वेव पालेवा । हिटान्युन्य'रिवासेसस'न्यट'स'रिवा मा । ने न न मार्के न में न में न में न मार्थ में मार्थ में म रपःळारदेयाची । सिन् अन् न्नायायेन सिन् स्ट्राम्सूर। । हिंसापाईदा पर्नेन्द्र सन्द्रियाचर : वेद यर त्युर। दि दे सिन्य परे क्रिया सुन्य भेवा । पङ्केद प्रणुर ज्ञान्य १० ५८ ५८ ५० ४ छ या छेद । या ५६ । १८ व । छेद । छेद । पानुन्-न्-अँकामान्म। विकारणाताः १ अवस्य स्वार प्रमुपा । विष्याद्वित्य वा १ वर्षा प्रमाप्त स्था । विषय प्रमाप्त । विषय प्रमाप्त । विषय प्रमाप्त । विषय प्रमाप १ वर्षः प्रत्यात्रेष्याः । प्रत्यात्रेष्याः । प्रत्यात्रेष्याः प्रव्यवस्य उत् प्रव त्र्मूरःद्र्मा । पर्वुवः प्रतिः क्रॅंशः वृष्यः वृष्यः प्रञ्जावः प्राः [ प्रतिः ]। दे त्रद्रिः

**ढ्ल'त्रॅंब**'चे्द्र'मिंदे स्थाप्त मार्चेद्र सेंद्र पञ्च। ।रटः हेन्'टव' तर्चेर'रटः वीवातवेवा । [[पने'पते' सटवार्चेन्'पवनवाया] लाइनकापर्वन चेरावयास्याविषय १ अस्य। लालाकास्यावायास्याविष्टा <u> चि.ब्रुचेथा वि.सिचेश प्रवाद प्रवाह्य क्षुयाम</u>ें बाह्य ह्वेटा हो । को अप्यास्य मुस्याम्ह्राव्यान्यात्रा |देशाम्यामायमार्याञ्चात्रा **८**वैदा ।यटयाक्यापद्वयापाद्रयाक्षयारह्यापारारविदा ।ख्यादेटाक्षा मन्यानु दे दे स्वयः पञ्च । ग्रिया दे पुत्राकी श्वार्यपाया गुना । विस्वयः **है**पस'स'ब्र-हेंस'प'स'क्ट'पर। ।षट'८ष'८में'पहेंपहेंचेंस'पहेंद'८स'स' क्षेत्रा दिवामञ्चरवायाळ दावरा देवायर चुरवा । युगवाणुवार्गी स्वाया ब्रि-पर्यःह्रयासुरतम्म। । श्रे-ह्रमारक्षेत्रमः नेयानुस्यः भुवासा aKT | | विधारक प्रमानिया के प्रायम निवास विधार के अपने 「지·조리·필디제 [린미·필리·원미·디·지밀디·디지·디리·필디·디지·제본기 [ <u> ग्रेंब, ह्ना क्रैं। प्रतियान प्रतया क्षा विषया ह्रायाना विष्या प्रतिया । प्रियान प्रतिया विषया ह्राया । प्रियान प्र</u> **बृ.वा** । पितृर प्रते निवस सिनास ह्या हिन्दे ए सुन्तर सुन्न । तिर्मे प्राया ଓ**୶**'ପିଷର:'2୯.୬୬୯.୩୭୯.୭୯.୬୯.୬୯.୬୯.୬୯.୬୯.୬୯.୬୯.୬୭୯.୩୭.୯.୭୯.୬୯.୯୬୯.୯୭୯.୯୬୯.୯୬ **१**८.। विर.केवाज्ञस्यारेषपुरवञ्चवातायाकाः वस्याश्चेत्रसा । क्रुसागीयारसः पर्वेष'र्चेष'प्रथातम् अत्'र्वेषस् । दिवः त्र्वः गुवः हिंदा प्रदेवः पार्वेषः चुदः **८६न**'नेबा । व्रावेद'नुट'ळ्व'यबाय'ळ्द'यर'वह्दी । व्रिवायबारम**्**र

विदानहार्ष्ट्रस्य वहरानुवा । स्टार्टा ह्युरामाया १ वया दे १ हे १ वस्य वस्य वा बह्दं श्वाक्षं क्षेत्रकः व्याप्ता विद्यान्य विद्यान रदःशेबसःहदःर्यरःर्धुत। । धृदःश्रेतःक्षेन्यायःविदःयदेदःक्षेन्यःस्यः ब्रुटा ।क्रुबाइललाचायायायात्रहेरादेग्हेन्द्रम्यायराञ्चेता ।प्ववायाञ्चेर पश्चरः संपर्दे मंत्रारा स्वायाप्तार प्रति हुन्या । क्रिया हुन्य संवरः प्रवर स्व ८चेन्-ने-११न्-महेन्-नु-सिन्या नि-दि-सुन्-सुन्-न्-न्-ने-सिन्य-८चुन्।। मविमायाभी पर्नाप्ता चिता छ वा खेलवा [[निया ]] दे। । सि दे १ हे या विक्र न विदेश पण्राचेतायराव्युरा निवसाम्बुरायराञ्चेवाकावी व्हिनायाम्बन्धाया पक्षेव प्रणुर में दे प्राप्त होता हो जा स्वाप में वा प्राप्त होता है वा स्वाप र्ह्मनः केवः या वी । प्रमायायाना यस या में वा या माने विषया । विष्य स्थाया स्थाया । विषया विषया । विषया विषया वटःवयः मञ्जेषः पणुरः केरः सह ५ म। । ५ मे द्वारः मुहः कुषः सेस्यः ५ मा । ५ मे द्वारः मुहः कुषः सेस्यः ५ मा । **ग्रुवी । ५२. हुंदे** अळ्बय.स.**मे.**४विंट्य.तपु। । व्ययः क्रव्ययः ४००८. तपुः क्षार्ट्यराक्षेत्राक्षे । श्चित्रम्भायह्रायहर्श्चेसानुर्वायाधेवा । ब्राय षटः पञ्च रः बिद्रः पञ्चेषः पणु रः द्रवायः व्यह्त। । दे 'द्रम्' पञ्चेषः वेदः पणु रः यः केद्रम् । विष्ट्विरात्यम् वाति मारावना भेदा विष्वा । वार वासुवा **८मः** [लः] अह्ट.त.कट.चू. अह्ट। । एत्रम्यत्यः स्वयः ल.ट्रे. यः यह्ट। देवे 'क्षेर'द' तदे 'क्ष्यं त्रयम्ब म्यवे मादः मादः चार्मा । दि 'ह्रेर' तयम्ब मावे मादः वनाः इञ्चरात्रमुद्दा बेदा। । तिर्विरावै तिनावारामा विवासितामुद्दारमा प्रदानि **कृषः पर्धः भुः न**ञ्जनसः ५ ह्रसः सुः पञ्जनसः । ६ म्ह्रः म्ह्रः स्वरः ५ व र स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स **८९ै'व'र्भेन। ।**४'रे'४'र्भेह'मदे'लळेन'[[रह'पुह']]५६'। ।र्दे'कु'रेव'र्म' के'लट'रदे'द'र्लन्। १५ रेवेरे'न्ट्य'य'र्न्न्'पर्डे अ'स्'प्रमु'र्लन्।

हैते<sup>,</sup>ढ्राणरारीनं नित्रार्थेत्। । वत्राहिते, क्षेत्रस्याञ्चरायराने, पा**र्थेत्। ।** ॻॖ॓ॱ२॓ॱख़ᠽॱढ़ख़॒<u>ॸॱय़</u>ॖ**ज़ॱ**ऄज़ॱड़ॖॖॖॖॖज़ॱॸ॔ॸॱय़ॕॗढ़ॱॲ॔ॸऻ॒ऻॺढ़ॎॱढ़ज़ॕढ़॓ॱॺॖज़ॱक़ॗॱ*ॸऀ*ॱ <u>चॅर्ने'ल'ळ्टी ।ब'लब'अळू.ल'प्री</u>क्षित्नेट्यक्याश्रुप्या ।क्र.चूरळ्टा. व्यालटान्रे त्यसारत्या । राजुला है जुला जुन्सा पर हो तालून । तान्ना अक्षरायाः कुलाचार्यारायाः वृष्याः वृष् कुला-चुटा-कुटा-केसमा (कु'फेद्र'केद्र'र्या-णुदालामदायरासहित्। । न्विकासर्वेडेंग ्छुम्'ऋँदै'द्राःद्र'सुं'ञ्चद्र'पुट'कुप'केवस्। ।घट'पदै'नुम्'प'र्म्'प**र्वः**पद**ंस**' ऍन्। । बुनका वर्षे 'ब्रैन ५५ न्तु है । वर्ष व व्या कुला चुन खन केवमा । ५° में है । निवार्यात्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्र ॅंप्पद्रस्य । रेप्सर्थे स्याप्यं दाया द्राप्यः रेप्प्युद्रः [िग्रैसः ] यर्ङ्गेरा । ञ्च'र्प् 위도·청소·[전화·원·2.]도도·최영도하 [편·위도·현화·위도·월조·다리·필·도도· बर्द्धन्या । जन्याभैनावानुके पनिते हुन्दार्वेदा । निष्ट्रमार्वेदा निष्ट्रमार्वेदा । मामामारव मुग्यमा ।दे द्वाया हुका महे से सुवार्य मार्य स्वया ।द्वार्य या वसाः । ५५ मुबार्वे साम्ये प्रायम् स्वाया वे। । नावव प्रायः विष्यासु **ॻ**ॿॖॻॺॱढ़ॸॣ॓ॱख़ॱॻॖॺॱय़ॺॱॺॾॕऻॎॿॷॎॸॱॸॱॺॾॕॸॱय़ॱॾॣॕॸॱॻॱॸॻॱॻॻॴ त्रे त्यायक्रें प्रत्यायाय्यवयाय विष्या । ध्रिया विष्याय मुलाम्या सुना पञ्चन प्रमा । तर्ने प्राणुका प्रकार कर्के दारे के ना में दार प्रमास्त्र का का । प्रमासी का दे'ॠ८'क़ॖ॔<sup>ढ़</sup>ज़ढ़ढ़॓ॻॺॱॻॖऀॸॱॻऻॱऻॷॺॱॺॖऀॸॱॴऄॺॱॻॖॖॻॺॱॻऄॱॺॖऀॸॱ**ॴऄॿ**ॎ क्रैट-हेरागुव-वर्षानञ्चट्यामहेरळेषाः विवासमा ।गुयामयाद्यै नेयानपुर-रेः <u> घटा पर यहूरी । द्रुया पश्चरया है। क</u>ैला त्रालपा ले**था पश्या हा हा ए** 

 न्व अक्तार्थ स्वार्थ स्वार्थ अवार्थ स्वार्थ अवार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्व

हवारिकाश्चान्त्रीत्र्राहेतास्याप्तराहितास्याप्तराहात्तुत्रम् पदेव'र्वा अटार्रम्'मटाने'यटकाकुकाञ्चर न्नरे जिल्लामटार्म् नेरारेह् हु'तु'तर्ब्<u>ष</u>भ'व ब'णुट' दे'पिबेव'वें। रेण्।वट'द्यु'हेरे'हुं'हेंब'व ब'तयम्ब' นาดสพารนคาที่ หางพาหัรา อารากูรากู พาติ เพรียา ผู้ นู เดรัสงาร สากู ธาร้า पविव र्वे। दे व व व्याम् कुल हो प्याप हे मुका सिर श्रु मका मान का रेंद्र हे र रहें सा उर्वित्रयम् गुरविषाणुर दे मिल्या म्या मिल्या वुन्यः ग्राद्यः हिंद् बेरः अधिरः न्राद्ध्याययः ग्रुटः दे प्वद्धेदः द्वा । पुरुषः पर्वेत **ॻॖऀॱ**ॡऻॕॸॱॺॕढ़ऀॱॺॖॖॖॖॖॖॺऻॺॱॴॱढ़ॺॱढ़ॕ॔॔॔॔॔ॱॾ॓ॸॱढ़ख़ॕॖॺॱय़ॺॱॻॖॖॸॱॸॆॖॱॻॿॆढ़ॱढ़ॕऻॎ <u>८९७,की,विश्वस्तात्रक्षर, वश्वस्त्री,विश्वस्त्रम् वस्त्रः वस्त्रः वस्त्रः वस्त्रः वस्त्रः वस्त्रः वस्त्रः वस्त</u> पद्धेव र्वे। र यह पाठु पायपापिट विवय ठर विपायर गुराही

្នឹង។ គ្នឹង។ នឹងងារញិំក្រាស់ សង្សិក្សា ស្លាស្ថា ស្លាស្ថា ស្លាស្ថា ស្លាស្ថា ស្លាស្ថា ស្លាស្ថា ស្លាស្ថា ស្លាស្សា ស្លាស្សា ស្លាស់ ស្លាស

वना हर्मा स्राम्याचाता कुमाव। व्याक्षेत्र मा क्षेत्र प्रमान्य वर्षा वर्ष वया प्रपाकुशर्मादे।स्रायाचेया स्थादे।स्ट्रा कुषाविययावेषाः[(वया]] ८म् अं अत्या मिट किता द्वा ला ता ला ला ना से अता में से प्राप्त के कि के दि है के दे प्राप्त में ধ্বদ্ধাদ্ম ব্রুষার্থা ইমাস্ক্রাক্র্রা ইমাস্ক্রাক্রিন্মরানানা <del>ঀ</del>ঀয়৻৻ঀৢ৾৾৾ঀॱ৻৻৻৻ৢ৾ঀ৾৾৽ৡয়৾৽য়য়ৼ৾ঢ়৸ৼৼঢ়ৢৼ৾৽ঢ়ৢৼ৾৻৻৻ৢয়য়য়৽ৣঀঢ়৾৽। यर'णूर'य' इवव 'ब्रुव' वी देवे 'द्यार' ये 'वा विष' ये वे र'णुर' सर्व 'प्रवुत्र' **श**। ह्र.श्र.पश्चर्यातिया.धेव.लट.अह्ब.पश्चर.श्र। ह्र.श्र.श्र.पच८.म्रि. ञ्चराष्ट्रायहिंद्रासुयान्। प्रिन् गुर्वाययाः त्र्वेद्रायाः केवायाः ह्रव्यायनः केवाने। प्रदा म्बेन्याक्षेत्र्युत्यायायेदायते म्नित्यकेन्याक्ष्येत्याययेदावेरास्। **ढ़्रव.ध.४४५,ॾ्रं.५**२८,व्रं.५१ क्षि.त्र.४४वेथ.त.भ्रेव.४४**.व**च्चव.क्रे.क्री.श्रेथ. माभ्रवामाहे माह्य केवा वा नावा वा साम्या मान्य वा नावा मान्य वा मान <u>बःभुःमक्ष्रमः महेःदुषःसुःमुलःमहेःद्युःशःखःमेःदेःमहेःद्युःष्रदःमःखःमेःदेः</u> **ॻ**ढ़ऀॱॸॣॖॖॻऀॱॴॎॹॕॸॱॻऻॹॴॱॸॖ॓ॱढ़ॺॴॺॱय़ॱॿॗॗॿॱॸॺॱॻऻॗॿॴॺॱॸॣॸॕॺॱऄॿॱॻॖॱय़ॱॱॱॱॱॱ <u>५८। स्त्राचरावारस्वाचाः भ्रापटारो क्षेत्राचलेटसामहे पुत्रास्त्रा</u> **ॻॖॹॱय़ॴ** ॸॖॖ॔॓॓ग़ॕॗॕॣॾॱॸॖ॓ॱऻॺॱॻॖॸॱऄॿॱॸॖॖॱॾॿॱॸऀय़ॖॿॱढ़य़ॗ॔ॺॱढ़ॸॖऀॱॾॕॱॺॾ॔ॸॱॸॺॱॿ॓ॸॱ **बबाबर्क्ट**रहेबर्च था था विषय क्षेत्र का विषय के कार्य के कार कार्य के कार कार्य के कार्य के कार कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार बदबाकुवाणु पद्भवायि पञ्चापा (ता ब्वावाया) दे वळ राहे। **स्ट-दर्शकाश्चादेग्यायस्व**ग्यस। द्योक्षेटावादे। स्ट्राम्डेम्'यशास्त्रास्

ग्रें अन्या देर दूरितारियां विया वित्रे के रिवल विश्वास्तर विया प्रिया विश्वास्तर दियमामञ्जूषा देहे के कुला साम्राज्य था सम्माना सुद रमःचिन्नमः द्वानःगुः। वेःखुलः तुःद्वेःश्चः निवृत्राःगुन्नमः विष्यः द्वान्यः । २६अ'८्पाय'पञ्चपत्रापत्रा त्रहत्र'द्राय'णु'ब्राय्त्र'द्रायां हुंद्र'हेंद्र'हेर् उल्लाब प्राप्त चित्र प्रताम् चेत्र प्रताम् । प्रताम न्वेन्यर्प्ताः बुन्दिः विद्याः **गस्**रसादकास्या देशस्य निष्ठा देशस्य निष्ठा **উল্লেখ্য অম্প্রেল্ডাম্ম ট্রিব্রেল্ট্রেম ট্রিমর ট্রিমর ট্রেম কর্ম স্থানির মর** लाश्रेश्वासायेवास्त्रीयां त्रिवासान्ता विषायिवासान्ता त्यन्यः त्रेन्यायः स्वायः महे क्रायः म्रे द्रायः अटः म्रे RATION 1 कद्रायान्। कॅद्रायायेवाचेराय्या ऍरव्यॅद्रायीच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्या **८**षणकाराः श्रुवः रकाण्वेणकाणुः श्रुवायाः अष्यायाः अष्याः १८**५णः** वेराव्याः श्रुवः ४**पा** दे व या यह के प्राप्त के या प्राप्त के या प्राप्त के त्रा के प्राप्त के प्राप मबःकुलः चंबाक्तायात्रदायायेषा वेदायेषा वेदायेषायात्रवावायात्रह्या <u> इर.बुट.कैल.त्र.ज.६४.तजेट.वु४.कु४.तशकेल.त्र.र.४.४.५.पर्वेतश्र. (तथ.)</u> वृद्धात्र्वेष्णायाकेवसायागुरावनार्यावर्ष्ठ्वावसार्विद्धितास्या <u> ५वःत्वन्ने ख्रात्राक्षे कामु ५ के त्वानि क्षेत्राम् के वाल्या क</u>

वव चीका वंकाला वें जा जासुर स वसा देग्निश्रेयाप्यावयाप्याप्यान्या कुल'र्चर दे'ल'लेदे'सूद'रु'ड्डाब'हे। वितामहैबाडेपेट्र'र्द्दबा महत' **य.९.ल्ट्.चेब्ट्य.**तथा एलचेब.त.एहब.टेचज.चीब.पिट.च**डे**ब.व**य.शीव.** रमान्वेन्य र्ना द्वारिक में प्रति के में प्रति के में प्रति के प्र भन्ना हुन्-रमःन्वेनम्यःपर्नु-रु-यु-र-यु-परि-हन्-क्रियःसर-प्र-**ह्युन्यम** र्दे'ब्'हिन्'दर्दे'न्द्वरे'ल'के'ने'न'क्ष्'नर'रहेन्'न्स'न्सुदस् वित्रवर्षात्तुःर्वत्रस्ति। वर्षाकाको तेष्या तेष्वित्रस्य यञ्चव । यस्य वित्रकेषाते। Kरदाक्षेनारिनेदासर्टा अम्रिसेनासर्टा क्विरासान्हरासाक्ष्यासा मुन्याहे दूरायन्या देवा दुवा प्रमा हरे त्या स्वार्म्य द्वार्मे रादना स्वार्मे रादना स्वार्मे रादना स्वार्मे र **पश**्भार्थितातरःर्वेषातानिश्च थार्चे वार्चश्चर्थात्वेषात्वेशानिश्वाताल्ये। ट. [र्हिं - र र अमें - र र विषा - र र प्राप्त - यह स्वाप - यह - या स्वाप - यह स्वाप - यह - या स्वाप - यह स्वाप - य भेव'पर्य'पहेर'र्शेट'८८'। ६स'वे'कुल'शेट'पत्तुट'वस'सेसस'ठव'लिट न्द्रिं तानुर्यं भूति वानुर्यं त्या वितान् द्रिया वितान् वितान **श्रम् १८ त्वाराया** दे ह्याया प्राधिवायमा क्षेत्राच्या विकास र्ममार्मिटः नार्वे मार्था द्राप्त में प्राप्त निर्मे कर्मा म्रेबंग्याम्बद्गर्वेग्यम् वेग्यम् वेग्यम् वेग्यम् वेग्यम् वेग्यम् वेश्यम् वेश्यम् वेश्यम् वेश्यम् वेश्यम् वेश्यम् र्दे व वित्रामिष्ठ व विषय वित्रामिष्ट व वित्र वि **ৰুষ্য শ্ৰ**মা  मिट्टी हे. व ब. सेट. ह्रच. पाले चे. प्रत्या हे. प्रत्य हे. प्रत्

다 하지 : 한 : 전 의 : 한 : 전 의 : 한 의 : 전

मकेर मुँ पुणु हु रो हिर हु 'लुल' हु 'हुव '८ हेव। विद्वाल स्वाप्त स्वापका नेर' [[वं]] मानवः (सम्) वेरायसायस्य विष्युः वृष्युः वृष्ये यदिवायहेन वाहे प्रा श्रकेष्वयायम् म् द्रावायम् १० १० ह्या इत्यारामा स्यार्थया सूरा तु पानुगरा [[कॅं]||धन्'नैवःशेन्वःपर'पईव्वःहे'के'अस्वं'पर'[[पबुन्वःसु'परुन]]देशे' **इं.चेट्र**ालारखन्यातातहस्यान्यातात्री स्थान्यात्राच्यात्रात्रा ळे*ञञ*्गी 'णे 'मे| 'वं क' कुल' में 'श्रॅंट' पठ वं 'झें अ' में क' राक्ष राक्ष लेखा के प्राप्त का िटर.कुबे.श्र.पत.श्रमस्य स्थाय अधराय देवा ची ची ची सम्यापना । स्थाय देवा ची ची सम्यापना स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय मर्चा तम् । वहरायरा अवरायरायर्चा मर्चा विष्या विषया । वराया स्वाया स्व लन्। वित्तान्तु द्वापकुर्य विद्याय द्वाप्य हिला दे प्राप्ता मुषु'रु'वि'रु वुन्'हे'हेर'चबेटकाय'र्टा हे'वें पूर्यु ब्राप् निहें कार् चिष्यत्त.क्र्याकी,प्रिंटराप्त.रटा। रट.विट.व्य.र्ट्य.क्री.ह्र.ज्ञ.ब्र्राज्ञीलाजा.ईजया. बुद्रदेन्द्रर्द्रत्यायाद्रा कुलासेयाद्वरद्रस्यताकुराद्वर्याचिराहेसाकुर ८व.तकेब.ब्रा.बेंद्र.चह.क्र्यापवेंट.बेंब.तप्री ∕

ନ୍ୟୁୟ'ଶ୍ୱି'ଶ୍ରୟ'ଘ୍ୟସ'ସ୍ୟ'ଦ୍ୱି' द्वर्य'ଶ୍ୱୟ'ଶ୍ୱ' พบ.ชุง.ผู้งฐัญ.พ่าบริ่ะ. देते अवाधिष्टे वाद्याप्य वाष्या क्षेत्राची देटाला प्रवासका प्रवासका प्रवासका मुद्रु म्' ( सम्प्रिया विद्या है। विद्या RBC, Ag, (如gan, Ag, ) \$ 如, 太田, 以上山, 其山, 之田之, 四山, 之田之, अ:अ·म्प्राम् द्वापटान्दा द्वायाञ्चर कृतायदेता अवातहवा (तहतः) ळ दे दे र पूर्व र प्राचित तथा है र व ट र ट्रे र वे र प्राचे र व या मिर व या प्राचे र खे था है अर वे ट र ये ट र य ॕॱॻढ़ॖढ़ॱऄ॔ॸॱॿॖॸॺॱढ़ॺॱॸॕॸॱॸॖॖॱॸॗॕढ़ॱॻॱॴ ॿॖऀढ़ऀॱॻॻॱऄॺॱॿॖऀॱऄऀॸॱॿॖऀ**ॱक़ॕॱ** वसः करः वसः मुँदः नुसा ५६० । ५७० । निस्ति । स्वी । <u>য়য়৾৽</u>য়ৢঀ৾৽ঢ়ৢ৽ঀৼয়৻৻ঀৼৼ৾৴ড়৻ড়৾৾৾৻৴ঢ়ৢঀ৾ঀ৾ঢ়ৢয়ৢঀ৾ঀয়য়৻ৼ৾য়য়৻ৼঢ়৻ঢ়৻৻ *ऀ*षेप'९५्न'सर'न्वेनया कु'र्स५'याळळयय'यु'र्चेद'५्य'५६०'५ण्र'केु'ये ॅॅंस्- धुका व का मुझेनाका सुर अवायह सार्यहरू / व्हार्य के प्रेम के प्रेस कार्य है । विकास के स्वाय के स्वाय के हे कि विश्वास्त्र कुत्र प्रमास्त्र विश्वास्त्र त्या स्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्व ष्पन्ॱळॅंब्यःपबुन्यःपःज्ञीनयःहे। ॄिष्देटःनेॱध्रुःब्रुब्यःतहबः(तहटः)ळॱध्रुः 
 ୧୭୯୯ - ୧୯୯୯୯୯୯ - ୧୯୯୯୯ - ୧୯୯୯ - ୧୯୯୯ - ୧୯୯୯ - ୧୯୯୯ - ୧୯୯୯ - ୧୯୯୯ - ୧୯୯୯ - ୧୯୯୯ - ୧୯୯୯ - ୧୯୯୯ - ୧୯୯୯ - ୧୯୯୯ - ୧୯ ष्ठस्य ४८, र्या ४, व्या व्यवस्य १८, वृष्ट्य स्था १८ व्या १८ व्य न्दाक्ष्र्राह्म के नेकाया देशहर या दिना निवास माना हिरा मुद्दा है । मी'पह्ने'पु'पेद'द्य'प्रस्या द्यापर'पुँद'द्या श्रीपयार्'दा ९८अ'ग्'ग्रुअ'ग्रुऽयाय्द्रियाये वित्रिंग्येष्ट्रिंग्युव्याये वे क्रंग्युग्याय्याय्येतः वसःमित्रा ५ हिंद्रासायमार्भेदाया स्तान्तरा स्तान्द्रान्तरा

मब्रेटशायाची है.सामिरानेचे नेचार्थरायचे मेचरी चार्थी Rकेटमा (मकेममा) सुग्निमानमा विरहेर ଷ୍ଟ୍ରୀବ୍ୟରୀ ପ୍ରଶ୍ୱରୀ କ୍ଷ୍ୟୁପ୍ର କ୍ଷ୍ୟ କ୍ୟ କ୍ଷ୍ୟ କ୍ଷ୍ୟ କ୍ଷ୍ୟ କ୍ଷ୍ୟ କ୍ୟ କ୍ଷ୍ୟ କ୍ୟ କ୍ଷ୍ୟ କ୍ଷ୍ୟ କ୍ଷ୍ୟ କ୍ଷ୍ୟ କ୍ଷ୍ୟ କ୍ଷ୍ୟ କ୍ अक्रेसरावि'र्सम्'हे'रियर'र्टा। र्सम्'र्सेकुष'प्यटाच्चित'र्टा। स्र'वस'म् बर्ष्म् अ.त. भ्रुका-च्रिका-च्रुका-च्रुका-क्रिका-च्रुक्तका गा.क.रटा-व्यापर चनान्त्रे मिट्र पत्रेन सृगु खुरदेर अट्र खुल रु र पञ्ची ला वेदेश के स्थाने र महान्यार विवस्त प्रकास के स्वाधिक कार्य में विवस्त के स्वाधिक कर के स्वाधिक के है। चैल.त्र.ष्ट्रबाल.ट्ट.त.श्रुबा ट्रेट.प्टचंटबा व्रेब.त्र.बेबबा.वेट.व्रे. **८णुर। व्यागवाराञ्चरायराण्याचे ।**वार्ष्वरायन्निरान्त्राच्याव्याप्तार्द्वर पञ्चनभाष्टे। श्रेन'न्येव'ई'ई'भव'5'भव'5'म्ब्री'5'धुव'5म्बा देख्व' कर्'श्चर'र्कें अ' चु अ' है। न्रॉव ' अर्के मा मा सुअ' मुँ ' हैव ' यह मा मा मु ' न्रा र व मा · ทิ·หั·ஜั·มุนล·นามะ·นัาฮูลุ·รฺะสุ। สิบุล·นมามะ·นั•นฮูะเ มรฺามั• भै'पर्व'श'र्सन्य'पक्निपद्वे'पर्व'र्प् चुद्दः हे'पर्वव'पर'पर्वन् कॅस म्'केद'र्य'पद्यं प्राया क्रियाम् क्रेय्यायाः म्रेट्रिट क्रियं प्रायस्वर म्रियापहुर म्बंबान्द्रियात्राणुःष्यान्यायस्य। ्रेट्रावेषाणनाःक्ष्यानुष्यानुष्यानुष्य 

देश मुक्षा हु न्यु न मुक्षा स्वाप्त स

प्रवेट्या न्याम्तिः क्रयाच्युरा चलाणुलाव्याहेते साम्युत्यान्ता वृत्यास्य क्रियाच्या न्याम्य स्थान्य स

विकाय पाक्रिया कु र किर किर किर हा रम् कुर् ठव दव के हैं के क्रिया कर्मा รุลานลิ कัลากูา**ลักา ग**र्हे द्रा विद्रायाच उद कु दें दर सहित केट वाला वर हिद के वाला वर सम्बद्ध ५८ र्चेन'सर'५गॅव'स्टॅन'में हेव'दिन'पदे स्थाप 「하드자'출자'주지 यर. ट्वंटब्र. मैद. व्यं इयब विच्या छे । ह्वं व्यं विव्यं विव्यं विव्यं विव्यं विव्यं विव्यं विव्यं विव्यं विव्यं देग्यावनकाहेग्धुग्नुहेग्क्<mark>लेग्बका</mark>सहन्यादेग्कुयाक्षेद्रावसकारुन्या <u>५०, इंब.के.क्ष.क्ष.क्ष.क्ष.क्ष.क्ष.चेव.क्ष.क्ष.चेव.क्ष.चेव.क्ष.चे</u> NA·B디전·분·영··크전·디·시전·쿼드전·링 मैंताविषयाक्र्याविषयाहातिरावीतप्रतीतिषयाच्याताला मैंतात्याच्या चॅ'क्बब'य'तर्व्याण्'वर्ट्याचे। प्र'रे'कुल'वॅ'म्व्व'ल'व्युग्ब'य'<u>त्</u>द्र ઌૢૢઙ૾૾ૺ૾ૹૣૻૻ૾ઌૢૺઌૺૢ૽ૢ૽ૺૺ૾ૣૹૺઌૼઽૺૡૺૺૺૺૢઌ૽૿ઌૺૺઌૹૢૼઌૼઌ૽ૡૢૺ<mark>૽૽ૺૺૺૺૺૺઌ૱ૢઌૺ</mark>ઌૺ ୩ଜୟ.୧.୮ଘର୍ଟ୍ର୍ୟୁ ଅଟ୍ର୍ୟୁ ଅଟି ଘ୍ୟୁ ଅଟି ଘ୍ୟୁ ଅଟି ଆଲ୍ଲ୍ୟା ଖୁଥି । ଖୁଥିୟା ଖୁଅନ୍ REN'८८.मेथेथ। २४.घू.४.च८४.मु**अ**.तस्.५५८८५४५४.मेबुर.घथ४.१८८.मुं. अम् वट्रिं पर्वेदर्गत्रे द्रिंटर्गत्वा ४घषा सम्माम्बर्गात्रराम्बरम्बेयाः त्त्राण'यहट'य'स्या ह्व'या'इत्या'क्य'याम्यण'हट'हे'पट प्रीव' अळेन 'मे'हेर'पलेटस'पर'से हैं 'बंद'गी म्बर'इसस'से त्युत'परे हैं पस गुन्न निर्मिट हुन नर र एक सम्र म्

हेर्बयःमुतःर्देश्यान्यः न्वेट्यःतः विष्यः त्रिष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष

भ्रत्याव्यावित्याक्ष्यायान्ता देरायमव्याक्षेक्षेत्राकुर्ना मिहेश ब्रेट्य प्रया व्यापन प्रिंदिय व्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स महि-द्वेन्य सुन्त्र होन्य राहि होना रहेन या महिना निया राह्य स्मान्य स मुप्पान्दा [रिंदोग्वेरानुपाया ]दिहे द्वेरि विवादया मुप्पान्या श्रम् वर्षा देवे पुष्पानं वर्षा महीमान वराष्ट्रमा सम्मिदी ब्लीटःनाबुवःनारःष्यदःधनावः(यः) केदःयरः ११वाँ पवा विष्यानुः म्निटा[[पर्विर]]यस्रवरुठ्रायाम् स्रावसा मारायेनस्रायदेशम् मार्वे सा दे'हुर'द्ये'वुरु'हे'वर्षेटरु'यारुद्रियाम्बुटरु'यारुटरु'वर्षे हें। खु हैनाबर र हुन छे द ना दे ता में नवर में र कर दे हि र नवर है दे व र ववा र ति व **ॴट्मे.क्षाट्या**४हृष्याच्या<u>स्र</u>्टेषुःकुं ट्मे.क्षाट्याद्याच्याच्या दे.पंबरम्यामीरार्श्वराचिरात्रात्वार्ये वार्याचे वार्याचे वार्ये वार्ये वार्ये वार्ये वार्ये ลไลช.เก.ผู้แลาก. ๒๔.กร. ผูะ.ก.เพล.มูะ.น๒๒๐.ฎ.ก. [ลีน.น๚ิ.]อาชา.... **उ**द्राचा हुन्न व्या दे रद्राची होता व स्वार्थ होता व स पुरुष्य व सामाला देशसम्ब सम्ब मार्च द्वी स्व क मार्च दे दे सामाला सम्ब मार्च दे दे सामाला समामाला समाम ঀৢ৾ঀ৾৽ঀৢ৾য়৾৽ঢ়য়ঢ়য়৽ঢ়৾৻ড়ৢ৽ৼ৾৽৻৽ঢ়ৢ৾ঢ়৽ড়৽য়৽য়৾য়৽ৠয়৽ঢ়ড়ঢ়য়৽য়য়য়৽ঢ়৽ৼ৾য়য়৽ **ヺロ青れにてて」 ねならしっていれらいまたが、**している。動い、れないのです。 नेश्रा रेति.ज.लट.वै वयाश्री टे.हेर.पश्चे.तू.रेवीट.जू.हे.वे.क्.वेडवी. क्रेम् निर्भाष्ट्रम् करम्बेटकाम्याला कुम्मर ख्यावकाम्य में केश **५** वित्रकृता से सस्पर प्राप्त र विष्ट्रीय पर देव स्थाया विष्ट्री मिड्नी विष्ट्री मार्डनी पठवं लाना द्वा की र्राटा ता प्रेटा की प्राप्त हैं । [ arata पा ] के ने श हैं व गी का राहें . 

**बु**ण्यायान्ता श्राप्तान्यवाची श्रुवास्य स्वर्णे साम्स्रीयान्त्रा বুল্ব'লুঝ'নট্ব'ন্বা দ্ব'ড়েম'ন্বম'হিন্ট্রম'দ্ব'লুড়ার্ম' परव'र्यस'म्डिन'यम्'विट'म्डिन'प्रेवे प्रेवे म्स्यु'म्स्यिप्यस'र्स्चप'र्न्यव'केव'र्यरे' केदःसॅॱबट'स्थल'गुट'घट'ठ'ब'रु'मिवेगव'य'बु'बेव'युट'ब'इवक'ग्रीक'पक्षि वटात्राञ्चायाम् वेत्राय्वियात्रायान्या। यदाकेवायाः इत्रतात्वात्रायाः व्यवस्थान्याः न्मॅब्'ग्रीय'यिव प्वति प्राप्ति प्राप्ति वा प्राप्ति प्राप्ति प्राप्ति स्वा ब्रह्मान्या द्वरानेत्राहेत् म्त्राहेत् मुण्डुम्ब्रवान्यद्वर्धवार्व्यद्वर्ध्या त्तुः न्व वः श्वेद रहेद रहे प्व हरायायाया हिनः स्टायम्य स्राबुकायया हिंदाने प्राप्त वा वार्या मुख्या की मिता व वा खुरावा द्वावा की वा प्राप्त है। विंता **झे.बंब.**त्वर्गसुप्रतट.कुर.त.क्षय.ध्रेर.झ्टय.ग्रीथ.ट्र्याब.र्यय.पट्टर.पर्वेट.. माम्नवा हिरापासीम्प्रवापनीयाकी. हम्प्रानासीया हमामिशन्यामा हिमा त्रक्षरःभूरःचःचित्रःहेग्गु**त्रःचत्रःग**वेरःख्षाःह्य। रःकुःस्ट्रःख्षाःह्याः ग्रह्यस्यः यम्। कुलः यमा दे दे त्यमामा दे न्यान सुमा क्षा दे न्यान सुमान सुमा **৻৻য়**৽ৼঀ৾৾৽ড়৾৾৴৽ঀ৾য়ৢয়৽৻ড়ৼ৽ঀয়ৢয়৽ড়ৼয়৽য়ৢ৽ৼঀ৽ঢ়ৢ৽৻ঢ়৻য়৽৻ঀয়৽ড়ৢয়৽ড়ৢঀ৽৽ৼ৽৽৽৽৽৽ पार्श्वेत्रशास्त्रक्षात्रे प्रतास्ति विश्वेत्रक्षात्र विश्वेत्र विश्वेत्र विश्वेत्र विश्वेत्र विश्वेत्र विश्वेत पदेन्त्रः पात्राञ्चनः न्यंदः र्ह्ने दे के का कुषा वा मित्र विष्णेद प्रीकः प्रहास विष्णेद विष्णेद विष्णेद विष्णे **ৡ৾৽ৡ৾৽য়৾৾ঀ৾৽ঀ৾৾৾৴ঀ৾৾৽**ড়৾৽ঢ়য়৽ঢ়**৾ঀ৾৾ঢ়৸ৼ৾য়৾৽য়৽ঢ়**ঢ়ঢ়ঢ়ঢ়ঢ়

बुनाबः न्मॅंटबः श्रुतः सः न्दा न्दा नित्ना सः उदः करः नाउँ नः सः तर्वा स्वरः ৼ৾ঀ৽ঢ়ৢ৽য়ঀ৾য়য়৽য়ৼ৽ড়ৢ৽ঢ়য়য়৽**৾ঀয়৽ড়ৢ৽**য়৽ৠয়৽য়য়৸৾ৠয়৽ *ऀ*ҕ҇ѵӷ฿҈Ҁॱฃ҇ҡ[ҀҀҡӷҀҡฑ҈ѧҡҡҀҁҡӎӂॱ**ѯӎ**ҡ]҈ѧҀҡҡ**ぺӷҁӎ**ҁҡѧҡ**฿҈Ҁ、** इस्था प्रमाणिया स्था द्वारा प्रमाण प्रमाणिया । स्था द्वारा प्रमाण प्रमाणिया । **ଌୢ୕୴**୲୴୴୶୲ଽ୲୕୶ୄ୕୷ଽୡ୕୲ୣ୶୲ୢୖୡ୕୴୶ୢୡ୲୕<mark>୷ୢୄ</mark>ଌ୕୷୷୷୷୷୷ୡୄୖଌ୕ୢ୷୶ୢୄ୷ଽୄଌ୶<mark>୶୲</mark>᠂ ठन् नार्ष्य पुरा धुना नाष्य्य पार्यु पार्यु पार्यु प्रस्तु प्रस्त स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य उत् न्वी अर्केट रेव र्ये के निवेर निष्ठ र पश्चर पश्चर व व राय हो व र या गुव राय स्ट में वर र्वे। ८६ हु सुलार्दि हुर के है। हिंद इयका भेद के बाहे केंदा भेद क्रमायर मुक्ताभेग मुल पॅरियमस्याय स्यापायर राम्या मिन् गी **गिर्ने स** <u>चुैस'८'२। वुं कुं से दा क्रिया है स्वर्ण है स्वर्ण है से स</u> पते देव दुरे बिना ह्या मित्र प्रकार का अमा सुन प्रकार है विन स न्हिरः प्रवर्षु वर्षे वर्षे वर्षे प्रवर्षे वर्षे वर्षे प्रवर्षे वर्षे व [[९६ॅर:]]घर:९णुर:६ं'क्षेयाम्बुटय:४ं। देर:घश्चुर:घर्ष:**मश्चेर:मधु:घट:** ळेवॱय़ॱग़ॖॺॱख़ॱॻॖऀॺॱय़ॺॱग़ॖॺॱॾॖॺॱऄॺ**ॱॺ**ॺॱॹॖॺऻॎ ॕॕॎॱऄॕॸॱ**ॺॱऄॖॱॺॺॱॻय़ॺॱ** पर्यापदेव'पर'ङ्गर'हे'घ्रम्य'ठ८'वि८'केस'र्थे।

र्ह्न्'कुं'दुर'न्नु'ल। १८'दुर'ने। बाका हेना हे हु है खु ले दुरा। ला मेंन्या गुै'ब'**न'**'दु**र्' वे्ष'**रि'रि'शे']न्षु'दुर्'। र'बर्'गुै'भे'सॅ'दुर्'। य**र**' निहासिक के कि से कि स बुर-गुं र्पाय रुटा यद येषा में हिट रुट य स्वाय परि श्रेत्र परि रुट के द में इससर्पितः। विरसेदे सुरावर्व। स्वायुदे सुरावर्व। पस्ते सुरावर्व। पुरस् भाव मा अट देशे मा ख्या है। बट नी खेर देशे के के के के कि स्वार्थ के स्वार्थ **द्र-ह्र-छन** ब्रॅ.र्**न**ार्ट्र-ोह्र-तर्था जन्मान्,र्न,तर्था श्रय-क्री-केण.श्र. **बैका ख्राप्तेचा**, इ.स्टा अट्रामधुन्मधुन्य, थ्राच्याचा लाचा, थ्रा मिलानाराला द्वा अविर श्वा मान्या हिटाला द्वा माना श्वा माना हिटामाला र्भागी भे तर् व्यक्ष में के क्षेत्र तर देवा है। श्री पार्टी व मार्स मा क्षेत्र निर्मा चर.दूर.चर.वेश्व.तःज्ञा श्रृच.८्यूब.बुश्व.तीब.४वर.चेब.ज.ता.चर्थेबश.टे.जश्र. महें द्वार देश विद्यापन केंद्र प्राप्त केंद्र केंद्र प्राप्त केंद्र केंद्र प्राप्त केंद्र क **नै**८.चे**र.तर.केर.ऱ्। टेर.झेर.त**षु.चेष.भू.वे.२.अट.ष.भूचय.कुय.चूच. वित्यार्थ। श्रेरिः व्यवस्य अठव 'अटा वित्याती' खुका विवार दें हें 'गुव पु रावस्य वि.घर.घेचेब.श्री

विदानहेदातर बेदान न्याप्त अवाप्त न्याप्त विदान विदान

ते त्वार्षा व्याप्त प्राप्त प

म्बर्धा प्रमान्त्राचित्राचे स्थान्त्राचे स्थान्याचे स्थान्त्राचे स्थान्त्राचे स्थान्त्राचे स्थान्त्राचे स्थान्त्राचे स्थान्त्राचे स्थान्त्राचे स्थान्त्राचे स्थान्त्राचे स्थान्याचे स्थान्त्राचे स्थान्त्राचे स्थान्त्राचे स्थान्त्राचे स्थान्त्राचे स्थान्त्राचे स्थान्त्राचे स्थान्ये स्थान्त्राचे स्थान्त्राचे स्थान्त्राचे स्थान्त्राचे स्थान्त्राचे स्थान्ये स्थान्त्राचे स

नेकार्य हैराहेरि में अळेंदा र्घम्या । इस हैं मार्थम्य हिरेर्म् में प्रमुखा । हार्मार मान्यार मुद्दार मान्यार विवास मान्यार ८म्ग्य्रम् । न्म्य्रम् व १२ प्रम्य १००० व मा । भेर्ये व १२ प्रम्य १ व मा । भेर्यं व १ व मा । भेर्य पकुषा । त्यस्र केदायन स्थापन स्थापन । तुना सः करानि र जी न्त्रमः तम्पर्म । वितः न्रिंदः त्यर विदः में में प्राप्तः विदः । तिहेना हेदः देनसः त्रिं विद्याशेषया १ वि चिता विता प्राप्त पर ही परि खी । १ वे स्था प्राप्त ष्टरें मुद्रम्थेया वित्रणें यहरायहणा थे ख्राया । वित्रसहरायहा **ळे प्यः भ्रां**चार्याता । कुलाया १६८ त्यायुन्या अल्ला । कुलायिता विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास पद्धेन'दिन'त्रक्ष। द्वित्र'न्युट्य'द्वत्य'प्यत्य'प्यत्र'दिर'सहर्'प्रस्तुन पॅर्सि'व'पाबर'खुम्'मी'र्सि'बेर'ग्री'बुल'क्षेर'ळेग्नर'वस'मुल'क्षेत्रसम्बद्धानि'र्ने'' मुलार्म्बालसालुकासुनारकलाल। देवकाश्चिनाद्वरम् सन्तर्नु स्ट्राह्य **ढ़ॺॱॸऻ**ऄॸॱॺॖॎऀॱॺॱॻॿॖऀॻऻॺॱॺॖॱॻऻॺॕॺऻॎॿॺॱऄॗॖॺॺॱॸ॔ॸॱॎॗॻऄ॔ॺॱॸ॔ॸॱऻऒढ़**ऀॸऻ**ॱ हेद-कु खिला वसरङ्ग क्षेत्र स्टब्स क्षा वर्षेत्र व वर्षेत्र मी ह्यून चेर सुराय निर्मा कुल'र्धस'युन्'हेब'८८'यठस'द्रस'बुस'या जे'सा द'स'स'**नू**'म्'रु'रेद'र्य' **ढो ।** प्यत्ना'दे'न्पर्नेट'न्यर'श्चेद'र्य'र्यत्'ग्चै'हे। ।य्यत्'ग्चै'श्चे'दे'न्त्याय**र' ८॥**८। ।८४.तपु.कू.वी.हेब.बढुवा.पह्याचा ।श्चि.८त्त्रव.श्चितातपु.सी. प**बं**चकात्रमा । वाद्यम् होत्राह्य । वाद्यम् नु प्रमासिया । बिका बु प्यायुवा प्रमासिया क्षेत्र प्रमासिका क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्ष पन्ना कुल र्या लन्या विन् त्रि मुर्च र क्षेत्र क्षिर खुला विन् न **बुैदः छ**ःश्रे**द**ः रुअः सः प्राप्ताना । स्दीः दः प्राप्ताना । सुद्धाना । सुद्धाना । सुद्धाना । सुद्धाना । सुद्धाना वसा त्यु न्तुन्य य ठव दे त्य त्यु निहर तहन दिन प्रमुख निहर के है। दे वस

**ৰমা** টিনেটারট্র'শ্রীকানস্ত্রীন্'ব্রম'শ্রীক'শ্রীকানত্রনমাটা স্থানান্ম্রান্ত্রীকা हैं रहा है रहा है अरा के स्वाप हे'भेदा । सुसायाम् इँ ५' यसाधा ह्याया कु' सुसाहसायर इमा । भिंग्ना के भे दे**ना** रहेन 'गुप'या महेला । दर्श सुस'दना 'भेद' महुस'सु'रु'महाला । रहेना' <del>ୢୖ</del>ୖୠ୶ୄୠଂଊୖୠ**ୢ୰୶୶**୵୕୰ୠ୕୴ୄ୕୴ୣଢ଼୕ୠ୲୷୷ୡ୕ୠ୲୷୷ଢ଼ଢ଼୷ୄୖୠୣ୷୷୷୷୷୷ **ॾऀ**ॻऻॺॱॹॖॱऄॸऻ॒ऻढ़ॺॱॺऻॸढ़ॱॺॸॺॱॻढ़ऀॱॸॻॖऀॺॱढ़ऻॕॸॱॸॖ॔ऻॎढ़ॎॻॖॸॱक़॓ढ़ॱॻॿऀॱ द्रं स्टायट स्टा स्टियट स्टिन्य विषय क्षेत्र स्टिन महार्म् लालम्बाण्यम्या । बेबबा १८ में मान्या विषया । विषयम् । विषयम्यम् । विषयम् । विषयम्यम् । विषयम् । विषयम्यम् । विषयम् । विषयम्यम् । विषयम् । विषयम् । विषयम् । विषयम् । विषयम् । विषयम् । विषयम देग्देग्यम् बेन्। ।मायाकाद्यारिकाकाद्या ।मायान्देन्याम् रंभागेत्। विकॅत्'ब्रुव'न् र्रंत्रमानु के रही। विहासर रेत्रहेता हेता हेता है <u> पश</u>्चेरी ।श्र.श्रर.ब्र्च.त.र्घ्नथर.ग्रीश.चेश ।विषा.चेश.४वत.क्र्र.चेल.तथ. ब्रेन्। क्रिन्यायर्ग्यन्त्रायस्याम्यायस्थे पर्दे। । १८५ वित्रायान्ये न्वा वुदा ।व्रि.शूट.हे.पद्य.पयभ.त.झुप। ।इत्यय.एकट.टर्प.प्यार.भ. न्द्रन । नुस्नुस्कुरुकुरुक्षात्रस्य । सुर्वे । स

**द्या ।** स्थायात्र्याभेनाः स्थारे द्याया । **देशान्**युप्याद्याया स्थार्केन् श्चेता पण्राहेषानु रहत्राध्या इरकेद र्शेयार स्टानु खा १६ वर्षा प्राणित <u>न्युर्गवस्यः भैवः हु 'के' यः नार्रेना । यान्यः वः यदः कुर्ष्ट्रेन् 'ग्रे' यान्यः वदः के यसः र</u> अ.सट.रे.अ.परेप.तय.पूट्य.ग्रीया ट.पपेट.श्र.हेप.खंयाञ्चयातया श्रुप. ञ्चीत्राक्षेत्र प्रवाहरू प्राणित्राचार्यम् । निष्या विषयः विषयः म्बद्दार्वे स्वयः म्बिट्टा प्रमा र्रे स्वर्षे दार्च मानु र्रे के प्रवरः स्वयः कर्षाम् वेनायः २मरःपर्या चरःरस्था (पुषः) गुःसर्गःषःहःह्मनःपःरदेःशःरहत। ङ्क्षु'कु'के'बिट'यदशयदि'अर्केट्'स्रेव'मेंट्रेट्'रेग'रेश'अर्केश'व श'रेव'मेंटे'मशेर ลธัราลู๊จารูาฮ๊จาฮ๊ลากลบลาริาฮ๊จเ คัดิาสุดายาตผลายาคลลาซู้า न्यर-भ्रावरायाच्या मरायान्यस्यापस्यापस्यापस्या है.४५ूर.वेश.पमै.वै.५८८.प०स.त.क्ष्य.तर.वेश.वंश.भूषार.है. त्रिंदः धुक्षः ह्रायः अं र्देरः द्दः पठवायः द्वायः विष्यायः विषयः है। श्रृंतः विष्यः र प्। मैज.तूपु.तथभ.त.पञ्चेत.तर.विश्व.धटश.रथन्वश.र्था क्षेत्र.मै.भूट. ष्पटॱक़ॱरेॱर्घः ६ चुब्रबः **५ वृ**षः कुंषः ५ वृषः ४। [धुः ४५ देः ने पुरः कुंषः ५८ : भुः भुः अः ५० : प्रवास करा ४५ : ५० : प्रवास करा भी । चित्र का भी दिन त्याचन्त्रक्षा देख्याचरवायाञ्चवान्वेनाः व्याद्यायाचन्त्रकार्था देख्या [मःरम्। हिरापर्व र तमायाप्त नाया है। देव या है। से मिर्म से प्राप्त मा 

निगमङ्गेद १९ मु र मारेना न्यायाम निम्याया निम्यायाम निम्यायाम निम्यायाम निम्यायाम निम्यायाम निम्यायाम निम्यायाम रे अं हे पुर पार्वेन द्याया पहना वार्षा दे व वर्षा प्राप्त प्रम् वर्षा **শ্ব**ৰা'ট্ৰীমা দ্ৰশ্'ব্যম'ব্যম্মাত্মৰা'স্তু'প্তই'শ্ব্শাদাত্ৰ'স্ব্যম্মত্ব'ঠ্কম' . मरुद। ह्य-पिश्यः श्चिरः यहेवः या यह ग्विष्ठा श्चिरः सम्बर्गा हेवा स बरम्डु म्बुरु वर्षाय मृत्रवर्षा वर्षाम्बुरु स्वर्धाय वर्षाम्बुर् याम्बुर परः[[षयरत्राःयुन्यापरया प्रवासिकारकेद्रापकुर्रर्टाकुर्भरः१रेपुरुर मकुर। परः इतः ने भे द्वायवायवाय वितार वितार प्राम्य विवार है। है मकुर वस्य २८ । त्या प्राप्त विष्य है। दे दे रे रायस या। यू रस दे यू रस सुरा हुस है। द्वाप्तरामी करावहेम्बरायम् व्याप्ता विवादिक विकास ∄୍ଜ'ଃ୍ଟ'ଅ୍ଟ'ନ୍ଟ'ଝି' ଝିମ୍ବ'ମ୍ପ୍ରବ'[[ଝି'ଽଘ']]ଝ୍ଜ'ର୍'ସ୍ଟସ୍ ଅଟ'ମ୍ଭି'∄୍ଟ' <u>स्वामकु ५ ५ मुक्षा है। दे त्या लटा वरा ५ इका ५ वा विकया वटा विवा</u> मते होता लड पासि होता हो पहुँ र है निराही है पासि मुर-पु-द्वार्ट्य निया देवा केवा बीटा। याकन्या मन्याय वर्षा मुर्गित्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त र्मूर्अह्र्रिकुःग्रेटा कुं काले किटा धाराले किटा चेबर लटा सर ॅंड्र-'अर्क्टर'हेंबर्'रण्र-र्यायटयाकुषाकुषानुषामकुषामा द्वारुपातुरायक्टरा हेबॱ८बर'र्ये'य८'अ'र्हेट'मै**ब**'यकुब'य। बुय'प्रट'र्5'अर्के८'हेब'बम'र्ये'अर्के८' हेद हैंद नेव प्वता चुर पर दु वळेंद हेद हेंद हेंद हेंद हेद हेंद हेद हेंद नैस'ममुद'य'पदिरमा दुप'र्धुपर्स,सु'ण'वळद'हु'रिसुय'र्ह्हेद'य'युदे'त्रीट' पद्मेरमा श्रूपः प्राप्तः सहै स्वी स्वाप्तः प्राप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप

केंद्रस्य विषयः। सुत्रवाम विराधियाम केंद्रस्य मिली केंप्सर्य केंद्रस्य मिले रे दू पढ़ि या सकें द हिदापढ़ी सं मुद रेस दम् दिया से मुद से द विदार्गा विकार मार्था विदार देशे क्षुम्यान विराधानिया वर्षा वर्ष ॲॱम्युबः'ध्रैक्'गुटः। के'र्ह्में स्वापनतः वे'र्हेम् 'र्ह्मेव् 'ग्रैक्' म्यक्' म्युबानस्या <u>ष्टिःश्चीटःपबेटकानेर्देनानवे ज्ञह्यात्राध्याप्यकारम्ब</u>ीतान्त्राह्यम् <u> १ जयः वर्षस्य २ तः वर्षवः प्रवेषः पर्षः वर्षः वरः वर्षः वरः वर्षः वर्षः वर्षः वरः वर्षः वरः वरः वरः वरः वरः वर</u> कलान्यर विद्याति वियामा विषय विद्यान्य विश्वान्य विश्वात इत्यामरे प्रमुं मुद्रायर ठवा [प्रमुख्या] ला धु व चु र से दाय में हैं र ब्दावाणायावेदायाववेदेवित। कुष्येवयावाधेरावस्याद्वावदा नदेश.च्रेश.सी.लूट.ता.चर्चरु.विटी चेच्छ.कुच.चक्चेट.कुथ.चा.च.एट्वेथ.च. 희,對ᠵ᠔,┧,≗,ᠬᠣ희之,ᠬ희쇠,ᠬᆈ긷ᆫ᠃ᆀ,엉ᇰᆐᆀ,ᆔ,ᆸᆽᆙᆸ긷ᅵ वर्षे हैं । **ੵ੶**ਫ਼ੵੑਫ਼੶ਸ਼ਫ਼੶ਖ਼ੑ੶ਫ਼੶ਫ਼੶ਫ਼ੑ੶ਸ਼੶ਜ਼ੑਜ਼ੑੑੑਜ਼੶ਜ਼ੵੑੑੑਜ਼੶ਜ਼ੑਜ਼੶ਜ਼ਜ਼ਫ਼ਫ਼੶ੑੑਫ਼ੑੑਜ਼ੑ **य़ॖऀ**ज़ॺॱॻढ़ऀॱढ़ॱॻऻऄॸॱॻॖऀॱऄ॔॔॔ॱज़॓ॱॶॻॱॺॕ॔॔॔॔ॱॕ॔॔॔॔ॺॱॻढ़ऀॱॲ॔॔॔ॱॻॱॻॾॕढ़ऀॱॺॗॸऻ॒॔॔॔ॻऄ**ॸॱ ॻॖऀॱज़**ॸॖ॒॔ॱॺॱॺॱज़ॖॺऀढ़ॱढ़ॱॿॗज़ॺॱय़ॱॲॸॱय़ॱॻॾॕढ़ॱॿॖॸऻ ज़ख़ढ़ॱज़ॸॖ॒॔ॱख़ख़ॱ นาอุฐิลิเติวโ न्षुदे क्षं संयान्त्रेर मु मुद्दे कुट क्षु र दि व स स्वर्थन विरी ६.ब्रुब.ब्री.वि.बंब.२ब.ब्रुष.ब्री.वी.वी.वे.प्ट.ध.प्ययातालूराताच्युप्रविरी दे. हैरान्द्रा[क्राप्टराम्स्या] स्राप्टराप्टराचे त्याद्रा पर्व व स्राप्ट्रव प्रवास प्रमा

्रवा श्चर चेता श्चर विषय के स्वर हो स्वर के स्वर हो। के प्राप्त विषय के स्वर मुेन्'बामव'के'ऍट'बेर'हे। सु'ामट'र्स'यमा'मैब'पर्हमामा वैद्यवकारहर' क्रेग्षेसरकेन्यव सरकेरस्ट चेर द सर्मा भेट मन्य प्राया व स्रायास स्र प्रमुक्तान्त्र । अराक्षेप्रमुक्तान्त्र । अराक्षेप्रमुक्तान्त्र । अराक्षेप्रमुक्तान्त्र । अराक्षेप्रमुक्तान्त्र रुट्रामे नेपायमा मुमार्था प्रवाकता स्वापायमा मान्या में स्वाप्त मान्या मान्या मान्या मान्या मान्या मान्या मान्य **ॻॖऀॺॱॻऻ**ॾॻॺॱॺॸॱढ़ॖॱऄॻॱॻॖॺॱॺॕ। ऄॱॸॕॻॱढ़य़ॖय़ॱॺऻॻढ़ॱऄॱॲ॔॔॔ॾ॓ॸॱढ़*ॺ*ॱ द्वेदे खुव चुकान वेष्यायर के हिनार प्रायर प्रवार दिवार है। दे देर दे प्रायर प्रवार के **मुे'अ'**न्नीर-पिबेर्स्या ५मु'हे'रेग्य'**ग्**युक'मुे'र्धुग्य'पिबेर'र्दे'रेर'ळेद'र्घ' रे'रेरे'हेट'वटराग्रि'वि'वे'रे'रें'प्रि'य'पबेटरार्या दे'ह्रर'न्द्रिय दश प**े** प्रतास ता ता हे व में के व के प्रतास कर के प्रतास के प्रतास के प्रतास के व हैन'य'ळर'य'त्रा भैरात्रारेब'याळे'त्वीबायाया देराभैरायां कुलर्यदेख्युवर्तुरहेषुरञ्चत्रवर्त्रेन्द्रवाद्याः विदायान् नामार्मा विदानादाक सदा मुकायान्दा मुला समारदी रहा मु मुद्रम्'यम्।वटःवीःवेटः८८:कुः२वःयःकेःम्८.वयःवरयःक्षुवःघरेःयुग्वःः **र** বিশক্তিম সেন্দ্র নির্বাধ্য স্থা স্থা সিন্দ্র নির্বাহন করে প্রত্ম **ॻॴाम्यान्य वाराम्यान्य वाराम्य वाराम पः इवः इवः मः** गुः शुक्रः प्रमः भिष्णाम् स्वार्थः विष्यः ययः विष्यः ययः विष्यः ययः विष्यः ययः विष्यः ययः विष्यः

श्रुमाव मार्नित्यायाया द्वायायाया द्वारहेग्न व्यापनित्रमा **रु**न्गीु'सुबादमा'षेन्'म्बुबान्यायार्चम्बाव्या सुवान्यायार्चम्बाव्यायाया ष्याः हैना म्म्याचेत् भी १८५न व्याप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्व पञ्चपः वं चेरः बेटा र्श्वपः प्राप्तः विष्णुः प्राप्तः त्रार्थः वेरः केषा र्हेना नेदार्ट्यायाया यान्वर्वरवान्वर्वरवान्वर्वरवान्वरवान्वरवान्वरवान्वरवान्वरवान्वरवान्वरवान्वरवान्वरवान्वरवान्वरवान्वरवान्वरवान्व प्रवाधन के व्याप्त के व्याप्त के प्रवाधन के प्रवाधन के कि प् תימימׁקחְמִינוֹג־ימֹשָׁבֹיםה׳ קַחְיקבין הצַיִּיםה׳ קַקּיקבין דִיֹבָּרִאי **ॻॖऀॱॸॖज़ॱॾॣॱ**ॐज़ॺॱज़ॸॕॸॱॿऀॸॱऄॺॺॱॖढ़ढ़ॱय़ॎॱज़ॄॺॕॸॱय़ॸॱज़॒ॿ॓ज़ॺॱय़ॺ। ॸ॓ॸॱ <u>श्</u>चन'र्यद'ग्रैक'ग्रुक'र्य'त'रे'क्षक'देव'यर'यन्'न्द्रा शु'न्द्रव'यार्न्' - त्रायात्रम् वृत्रायत्राष्ट्रे सानु प्रतायत्र केत्रा स्वायायात्र स्वत्यायात्र स्वत्यायात्र स्वत्यायात्र स्वत्य स्वायात्र स्वत्यायात्र स्वत्यायात्र स्वत्यायात्र स्वत्यायात्र स्वत्यायात्र स्वत्यायात्र स्वत्यायात्र स्वत्याय ममा नःमे जाना निवास निवा अर्हेल्रिन्न्यम्बर्यात्रे स्वाप्तिन्यम् हरमचेदादानाम्याप्तित्ताचीर्त्तीयातिहर्ष्याची। रदामाध्याप्तियाचीरस् <u> हिर्-तु-च</u>े अते प्रुव त्र <u>च</u>या केरा केंद्र या तथा देर ख्वा खेते व्या केंद्र या कें **४**ॱवृॱकुलॱयॅ**ॱन**्डेअॱयर्९ॱन्तुः स्थार्शु क्षेप्यः कुप्यः कुर्रात्युर्दे । युप्ये प्राप्तः प्राप्तः **ैधुःन्द्रन**्ने।र्देरःसुर्देदःस्रेटेर्न्नेयःदशःकुलःस्टेटेर्छन्।र्रुःसुलः चुलार्चा हिर्णेग्ना दुना सना निर्मा विरुचित सामित भीरा निर्मे रामु रेकार्या **ชิ.ชพน.อะ**.ะผ.ฟ.ชิ.พะ.ธิะ.ศพ.ะะ.ร.ษัฟฟพ.ก.ล.ล.

कुलः सं अवलः सर्यः राष्ट्रा वारोप्या वी वी वी विष्या विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषय ५८ देव में के (त्वारा) यादे क्ष्रका स्टायर त्वा के रामु देव में केरे ममा ८६.८मूथ.ता.बुचा.मुल.मूयाया.चुचाया.चुचा.चुर.हे.क८.ममा हिंटा.गु. केद'र्सरे'यद'रे'ण'मेरे'र्में दब्धा हाँ द्र्र्न्य बेर्यन हे 'ह्र्र्य गुपर'विष ब्रद्भः द्रवः यह सः यसः दे १ है दः तुः तुः दे १ के खूदः यदः चुरः है। देर कुलः यसः व्यव क्रिं हे क्रिया प्रतिवा हर्ष्य वटा तिवर निष्य क्रिया प्रतान सुता देश बद्भारियामुलाने। ह्रवार्याकेवार्यामपुवार्श्वेवापुमानामा ह्रवार्याकेवा य--तारा भूषा रहूचा मी खटारा रहू वया रामा के पा ह्या ह्या स्वास प्रमा तपु.सू.विश्वावयावरात्रात्वा हारत्या हारत्या खर-वृष्-हे। श्व-र्मद-वृष्-हु-र-तु-श्व-प्य-श्व-रम्ब-अस्द-पर-व<del>िष</del>-पर्य-बिहुद्रायम् श्रुपान्तः निः भूर्षः श्रुपाः भैतः बह्रद्रा 3ः वार्षितः विरार्श्रतः प्रतः बट.कट.तर.वीर.हा १९४.श्रटश.तर.बीवाय.वय.मीत.क्ट.वर्मेल.पय. बक्रवायासुग्युनायाकेवार्यारी विष्यायरीष्ट्रायुन्य विष्यायरीष्ट्रायुन्य विष्यायरीष्ट्रायुन्य विषयायरीष्ट्रायुन्य पुद्र'या । [[शु'] अर्देन'पर्ड' अते निशेर' दुः श्रूट'पः ता । वाशु 'श्रुयम' उद् ष्रञ्च व. क. ह्र इंडिं जी । जर्म जे. तांद्र ह्यें व. र प. जे. लेश. त. पटी । श्रि. झे. बंबाय. वै'सु'मे'ष्ठेय'प'८५। । बरु'८८'५व'प'सेर'अं'ष्ठेमव'सर'ठवा । बम्रर'पदे

**अं'वाल'व्ट'व्याप**हेंव'य'रदा ।१९ हिर्देशक्षेत्र, विटार विटार सेंपान, १८४। । युदे कुल दाया निकार में निकार के बार हा । युदे देन द्रां वन दे में हिंद है ल म्रेमा स्वित्रचे सेर्पायुन्यमेगावत्र हे सहन्य सम्बन्धा ब्रुं लामु नियं निर्मा प्रति संस्ति । स्ति नियं के स्वाप्त । स्ति नियं निर्मा नियं निर्मा नियं निर्मा निर्म **ब्रु**रःब्रुलःसर्में व्रुटःने बलः ५ मार्थलः या विदाने से के के दासरायसः सन् ख्नाळनाञ्चा ।देप्ट्रायव्याचुलायाहेप्ट्राय्याचीया ।हिराट्रा য়ৢঢ়৽৴ঢ়৾ঀ৽ড়ঀ৾৽ঢ়৾৽য়৾ঀয়৽ঀয়৾৽
।৸ঢ়৽ঀ৽৸ঀয়য়৽য়য়৽৽য়৽য়ড়য়য়৽ড়৽ ॲंटराइसरापर्सर। । नराधेदानरावर्षार्स्चार्ट्यदासहैटावस। । नलुना कुव दियायया । हिटा केवा यटा से श्रुप्ते टाला चेता वव रु खुला विव सिरोधि त्या ह्या पालेव रु सहित। शिव रिव दिन दिन स्मार ञ्चन'स्यरम्बुरि'कुल'मॅ**'दे। ।सल'मॅ्'म्वे'**केन'नम'मॅ'त्रॅम'र्न्स'म्बेस। ।ध्वे' महिना दॅरासु पर्मेल दक्ष कुल मेंदे खुना हु खला । तिका कुका मुका सार्वे दे हिर बिनयाम्। हेया है। हैरा हैरा क्या विष्यान्य विषया क्या विषया क्या विषया विषया क्या विषया विषया विषया विषया विषय भार्त्रे ब्रीव प्रश्रेतमा व मार्क्र प्राया निर्मात प्राया व मार्थित प्राया करा मार्थित प्राया कर मार्थित प्राय कर मार्थित प्राया कर श्च-वि-वि। विद्युना सु र जा प्रति सु वि वि र दे र दे । कुल प्राप्तु र देव के विका सु र **교৲৸'৸৵'৸**৴ **बर्चन्याम्याम्यान्याम्यान्यायार्चन्यायार्चन्यायार्चन्यायार्चन्यायार्चन्यायार्चन्यायार्चन्यायार्चन्यायार्चन्यायार्चन्यायार्चन्यायार्चन्यायार्चन्याया** 

मनामनना सनामन सन्तर में नामा है द गी रहन वा प्राप्त स्वाप के नामा सनामन मॅर्रि'मब्बरम'झुम। श्लॅम'न्मॅब्'च्चै'मग्रि'३ब'चेर'वेट'रुन्म्'म'या ५aःल'a'र्ष्रेन्यःयर'वर्षेद'मदेःपुन्दः। रेन्'मदेःपुन्दः। वि'क्वर्यः कुँ'न्न'न्दः। ५५ँ'पदेःन्न'नैसंकेःन्दःसेमसंक्रांद्रक्षसायान्द्रिःहरः ८ळे'म'मे ५ 'ग्री'८५ **ग'दम।** ळर**'ग**र्डे ५ 'हे ६ '५ अ'ल' मह गम 'ल' है। रमसम्बु है। कुल'र्सेंब'यद्ग'वी'ग्लु'रुदुल'यदे'द्गेंदब'य'र्ज्ञेंद'यब। द'स्'यकुदे' **য়**য়৻৽য়৽৸৽য়৽**৸**৾ড়৽ৢ৾ৼঢ়ৼ৾৾ৼ৾ঀ৽য়য়য়৽ৢ৽ৼ৽য়ৣ৽য়ৡৢ৾য়৽য়৽ঢ়ঢ়য়৽৸য়৽ঢ়ঢ়ঢ়ৼ৾ঢ়ৢ৾৾ঢ়৽ঢ়৽৽ र्देट्या अहे रेन्या प्राप्त मा १६ वर्ष विकास <u>५२.७५८,७५५,५५,५५, भ्रात्तरा भ्रात्तरात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्</u> र्र। बेस नशुरुषार्थ। दे द य कुल पॅरहे रतम् य सर मुँद र दा सुस न दर्मा ผาभैदायञ्चुराव् बायबबाषवाणुष्वव्याव्यव्यव्यव्यव्याः विदानीवाव्याः विदाने PEN'UT'R59'#5'51

भूत् खुरा च खुरा प्रकार प्रवार प्रवा

<u>२८,६,तर,तर,के,थ्य,चु,लेबक,ला के,क्ववय,चक्रू,ट्र,य,वर्थ्य,</u>

ढ़ॕॺऻढ़ढ़ॱॻॖऀॱॶॻॹॱॻॖऀॱख़ॖॱॺढ़ॱॿऻॎॾढ़ऀॱॺड़ॕॱॸॕॱॾॕॼॾ॔ॸॱॾॿॱ मुद्दा केवा केवा प्राप्त मुद्दा विद्या विद्या किवा केवा प्राप्त किवा केवा विद्या केवा किवा किवा केवा किवा किवा भ्रुं शुर के निर्धे कर्में दे ये 'दर । हे 'हे 'निर्धे के 'दर र पर्थे 'दि स्वर्ध के 'विश्वक है । विश्वक है । स्। क्रैट रॉ रे सं र्षु ग्राय एड् हे स्राय स्तुरा दिया क्रिया से स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्व केदे क्षेत्र होता हात्र वास्तर स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन मिरिरिस्यायायाम् १६८६ स्थानायाम् १६८६ स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य ¥लामहै मित्राम् प्राप्त विषया है। प्राप्त स्थान स्था वै भेर व मा के वे मा के व **प**75८-दे.पर्ट्र प्राप्ता वे पार्क्ष प्राप्त की प्राप् ઌ૽૾ૢ૽ૺ૾ૹઽૣૻૻૺૣૢઌૣૹૣઌઌૣ૽ૺઌૹ૱ઌૹ૱ઌૹઌઌ૱ઌ૽ૺ૱ઌૢૹઌઌૢ૽૽૽૱ૹૢ૽ૺઌૹૢ૽૽ **श्चरः अर्देरः पासुअः है 'रेद' धॅ' के 'र्देर' ग्री 'अर्दर'र्दे। के स' श्वेंट' दे 'दपा' ये 'अकेर'** म्बुबालाम् न् र्रे। विकर्षाकेवा बेदी वटा महिलावा वार्षे र्या महिला महिला वार्षे र्म। क्रमःश्चिदः ग्रुवे कुलायां को बादा दारा छा बे त्या मा ५५ में। ५७ हे त्या मा पा हिंदा ह पकुरा पन्तरहे पढ़े पढ़ 'विज्ञा के 'क्रा शुका ह 'क्रा पकुरा मा का क्रा मा का क्रा मा का क्रा मा का क्रा मा का क

निम्रामहित्त्नुग्थाविरास्य (प्रञ्चा) पतुवाद्वारु सामित्राम्य प्राप्ति 다·다크는·된다·저도저·필저·출드·디영미치·체 포석·월드·미축드·릴리·미드·디·디크드· **मॅं-५८ः। ४ॅ२**:सुरावबरायाः मृहेलालाना ५८। ५८:मुं श्रीरानासुका देः द्यान्याह्यापटाहीटात्र छे द्वायाचिटाक्या हेतात्र्या हितात्र्या रे अने ने निर्देश्य में तिर्देश मुला चेंद्रे पर्मे द्राया विषया के वार्मे द्राया पर **ुं- नो र्च- [[प्रुंप]**] ठव था प्रिन्दें। व्याय प्रायत ख्रा विवस तेव प्रति न्द्रम्था अनुद्रम्पारह्रम्प्यात्रीत्र्यन्त्रहेर्षेव्ययात्रह्रम्प्यम् थ। झॅंशुरामनेदाहेष्मनेरामहेवाहेषानुदायबुग्वार्या रेखेंदेख्रा पास्त्रतः स्थाप्तः विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विषया विषया विषया विषया विषया विषया **ॐयःॐु**८ःदेःम्देर्भेदःहेरम्देरवेदःदिर्दर्धःउदःयःम्हर्दे। ॐयःणुःदक्रः १वाचित्राम्यः त्रेत्रा कत्राम्यान्यः श्रुत्रः त्रीत्याः स्वाम्यान्यः स्वाम्यान्यः वि **म**ञ्च रुष्ट्रिनिबेचकाञ्च। कृषाञ्चितान्तरस्यान्तरस्यान्तरश्चाराज्यः **लान्**र्रार्भे ५ व्हेर्पा चर्ति । व्हेर्पा चर्ति । वहिरान्न इन्नायाया द्वास्त्राया द्वास्त्रायायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्राया प्रबुग्यःश् रेष्ठावे स्वरं द्रमः स्वरं **ৡৢ৾৾৻য়য়য়৾৽ৡ৾৾৾৻ঀৢ৾৽ৼ৾৽**য়ড়ৢঢ়৾৽য়৾৽য়ঢ়ঢ়ৼ৾ঀ विषयाह्र क्वियार विषया द्वाया द्वाया द्वाया विषया **ति। कुट. द्वे**त्राथ. व. कुट. प. अधर. लय. पा. ६.४ पूर. ति. पखें बेब थ. थ्री प्राप्त स **बर्देन्यः न्युवः** वर्षे वर्षे। स्रामेवरची यक्केंदरहेवरकुलर्पेदरम् करा ५६०र मु र्वे प्रत्यं प्रदेश हैं । पर्यं विष्यं विष्यं

मबुद्रारी शरीवाकार्मनामान्या सम्बद्धायके सूद्रिकार्येत्। क्रम **ब्रुट**र्न्यटरळेदरचुरस्र १६ वस्त्राथर नहिन्द्री सहत्रायर पुटर कुन सक्रेना हुर विट.क्व.कुथ.त्राचिद्व.प्रिंच्य.विचयःह्या इ.श्र.क्याच.द्रचयश्रिष्ट.कैंट. रेषार्थ। हिंता हुटाना देट हुैन राना देट रुवाला ना निर्देश के तार्थ (लवा) निर् न्न-पुः म्चिट्रान् द्वेरळ्याया चटकाकुर इसायर खूटायहर् सुरिविंग्रान्टायहर्यामा पबुग्रास् रे कॅ के क्यापर सूर अहर। व्यक्त पर पुर कुप परे कुर इस्राचबुनायाश्रा ह्याश्चिदावे स्वदायम् रहवायान निरामा निरामा स्वरा <u> ब्रेंब.तपु.मिट.स्.। ट्येप.र्हब.विश्वयातपु.मिट.वी के.क्र्येयावाविश्वयाता</u>र्भे. तिमरातात्वित्रायात् स्वाप्ता स्वाप्तात्वा स्वाप्तात्वा स्वाप्ता स्वाप्तात्वा भुक्षार्यकार्या। बर्धाक्रीकार्थेयार्थे १६ १० १४ था विषया विषया विषया विषया केव<sup>्</sup>मॅ'पञ्ज'तुषा'८८'। प्रयमाणयाणी'८घे। ब्रटाकु'क'थूर'पी'श्चेय' रतसम्बस्य विसम्बा क्रिं सम्बाद्धाः स्वाद्य स्वतः सम्बद्धाः स्वतः सम्बद्धाः स्वतः सम्बद्धाः सम्बद र्ने। ञ्चुन'ग्रै'न्रवयःच्ना'त्वेववःचित्रेच्चैटःर्हा वेःन्षिंग्वयवःन्तृवः **ॻॖऀॱ**ॻॖऀ॒॔ॸॱढ़ॱख़ॖॱळॅ॔॔ऀॻक़ॱढ़क़ॱय़ॸॱॷॣॸॱॺॾ॔॔॔॔ॸॱॻऀढ़ॱय़ॕ**ॱ**ॻॖऀढ़ॱठढ़ॱॻॖऀक़ॱॻऻॕड़॔ॱॻॖक़ॱय़ढ़ऀॱॱ मिलानार्वायास्। पञ्चलाचाराचेराकृताक्षेत्रयार्वेष्यार्वेर् द्वार्वेर् द्वार्वेर हुन्ः्रेत्वुन्यःर्रा रे अंके र्मन्यन् केर्र्तः व्यक्तिः वृत्तः र्मा न्युनः र्हर-रॅद-ग्रु॰-द्रगुलर-हॉक्र-**म्युबा** विवराष्ट्रवसन्दर्धलाम्या केदे कुट्-देसः प**बु**न्यःश्री र्ह्रसःश्चिरःचुलःयः,नृहतः सर्नाः ठ्वःलःन्। हिः

र्क्षर् : ब र कर् : पर्यु ना ' हे। सर्केर् ' हेद ' हेंद ' हेद ' हेद ' ये या पत्तु द : या दे ना पत्रे द सा स्वी য়য়৽ৠৢ৾৽য়ৢয়ৢ৽ৢঢ়ৼ৽। য়ৣয়৽য়৾য়৸৽য়য়য়৽য়ঢ়৽ঢ়য়ৢঢ়ৢঢ়৽ঢ়য়য়৽ पक्वायान्वेना पबुनाकारी अर्केट्रहेवारदे नेवात्र में अर्केट्र स्वर प्रवास स्वरे खारा दुर रस्र व्यामिनायायार्षेत्राचित्राचीत्राचित्राचीत्राचित्राचित्राचित्राचीत्राचित्राचित्राचित्राचीत्राचित्राचित्राची **२८. वर्षे वर्षे वर्षे कर्षे कर्षे कर कर्षे कर कर कर कर में कर म** <u>६। विभयः कुर्वे प्राप्तायान्य रहाता मित्रा प्राप्ता विष्ते त्या स्वाप्त विष्ते त्या स्वाप्त</u> के' लया म्बिंद 'तु 'र्वे र प्यवाद मीया हा या पातु 'रु प्याहेद प्यादे 'रे 'स्रा हीद प्यार मुं सुव'महे'पर्में प्यान्या प्यायाया स्वायाया सुव'चीया चुपाया प्रिवेद साळर प्याहे पुरा णुष्टिन्यः नाव सः गुष्टे प्यापितः स्टाप्ताः स्वाप्ति । स्वाप्ति स्वाप्ति । स्वाप्ति । स्वाप्ति । स्वाप्ति । स्व ल्यामात्र्रा मृद्धमालमाला श्रीप्तरात्री स्वाद्धिर श्रीता मिर्गिर श्रुता ने खुला पर्नेट'य'ल। ।८्यु हे 'देन्ब म्बुअ बेल ८्ना र कर्केट हे व '८५। ।८<sup>कि</sup>ट ख इस्राम्युस्र देव के वृष्टि तयह रहेवा । मिर्से र मुँ प्रदेश हिर सिर सिर दे र ति र सिर सिर सिर सिर सिर सिर सिर सि ब्रह्मा । व्रिन् क्रिन प्रवेष प्रत्राप्त प्राप्त प्रवेष प्रवेष । विर्वेष क्रिन क्रिक क्रिन व्राप्त क्रिन ब्रुट्र श्रेष्यः श्रुप्ता । रूट्र हिला मञ्जूट्र श्रृष् रहुषाणी गृह्या मार्थिया । सिम्म स्था कुर में निया । वर्केन परि द्वार्थिय दे प्रमुद्द का पर रहिया । देव रहेव मिन् प्रमु बह्बरपदेरम्भेप्यायळ्ट्रपाथया । पर्यायदेर्द्वरपदेरपर्यापदेरम् पनुत्। ।न्पर हे 'है 'हुस पनुत्र परा हुत 'या हु त्वृरःशंष्यनाचेहुड्। । अर्थेदः अर्थेदः मुशेरः मुशेना पाना मुलुः सा । देदः छेदः सूर पार्यम्या विरागितास्य विराधितासरा प्रदेशका । निर्मार स्वाधितासरा पहेलका । निर्मार स्व क्षापटायाम्बर्धत्यायरायद्वेत्य। । गुःस्रयात्रायेवायास्यायदेगाहै। **। अंदःने वृंद्धं नव के वृः वृंदः व वा कर्के दवः न**ि नविवाः विव र दवः वृदः स्तिर तिट.पचट.खेल.लय.तिट.। ।¥अ.धर.भू.पीश्वय.द्व.कुवे.पोश्चर.कुवा.पेश्चर.कुवा । **न**वेर मुँग्देल सुरहिल पर सूर सुरहित। । इस पर सूर सहर रे नवास गुदःभुःम्हा सिम्बःभुन्हम्यायःभुःभिन्यवैःगुदःयःमभुदा ।हेःमदेःस्यः **ॻॻऀ**८,७ऻढ़्र-त्तर४९्थत्वा हिंगा । क्वितायीटाथरेथा तखेवीयातिवीयाता तेवी तथा स्। व्हिन्नराप्रुहेग्च्राख्यासेससन्दारकुर्भुग्वही । पन्नाक्षर्भन्यकुर हुनाग्चरा अयाया**द्वना**तकयाया । श्वाप्त विप्तुत्यहर विप्ता केदामा **ब्रे'म्ब्र'इब्र'पचिट्र'अ.पिब्र'८ह्बब्बरप्राम् ।८ह्ब्रा,**डेब्रक्करप**चिट्र,ब्रेब्रयरट्र** चलानाम्। जि.पुराव्चाम्यार्थस्यस्यायानुनारहलाम्। विकाञ्चरासहन्नर म्बेषा सिंग्निश्वाकेषायहर्षात्र्यात्राच्या । तह्नी हेव मह्या **अक्ट्रिं हिर्'श**-दे**ग्**रक्ष'र्स्। ।य'न्युर्द्र'चेट-श्रेयश'क्र्याग्रु-ड्वेद'श'**ग्**दया । **८मल.**पश्चन्तरार्भेय.वय.वेथयातपुर्येचेया ।ल.रूप.कुर.पश्चेर.पश्चे **द्भः**८मुँ८.१४४। विट.केंच.४४४.८च४.पठे.५८.तेची.८४५.पूरी **दशःमे**लः१६ दे.श्र्ट्यःतर्टेट्रापदासैला ।जिञ्चानविञःदशःमेलालयःग्रीःबन्यः 

पर्नारह पर्वासम्बद्धाः निवास । शुक्षः क्षेट स्वास सम्बद्धाः सुला

प्रथमः सुन् मुक्ताम् । कुला स्थाप्त । कुला स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त । कुला स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त । कुला स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्

निष्याश्चर्यात्राय्यात्रायत्रायत् स्वर्ण्यात् स्वर्णात् स्वर्ण्यात् स्वर्ण्यात् स्वर्ण्यात् स्वर्ण्यात् स्वर्ण्यात् स्वर्ण्यात् स्वर्ण्यात् स्वर्ण्यात् स्वर्ण्यात् स्वर्णात् स्वर्यात् स्वर्णात् स्वर्णात् स्वर्ण्यात् स्व

त्व बार्श्व निर्मेद निर्मेद निर्मेद सिर्मेद विष्मेद व

**श्चर्याय विश्वाय स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्थाप** पर्दर्'ऍ'इट'र्बॅट'रेन्ब'खु'श्चेबा । पर्न'दे'ख'ल'श्चेब'पुर'श्चेबा ।**दे'** म्बुअप्पर्वेम् नृप्तर्वेम् वर्षः देश । श्रिवा ची प्रवेद प्रेवा पे प्रवेद यक्तेव यं रामा सुला है। । प्याम वै श्लेव । या वि । या व **७विन.२। १४४.श्रुंट.**केष.तूर.श्रेंय.वय.दी ।यटय.केय.तकेव.त.८हव. समानिह सुव तिहे र्श्वेद तिवादी विद्याप्त विद्याप्त विद्यापति । म्बर्यायायायायायाया । कुलायहे प्यस्वायाहे व पायेया । स्वायाप्य **बुेन्'य-**'श्चॅन'लम'प्रिपा ।न्'हे'प्रेन्हेग**,३**'लेबा ।स्नम्भवेन'प्रेते'श्चॅन'लम' है। । पर्ना दे स्वाय रक्ट यद्य हैं पर्य रदा । द्वर है - हे नक पर्टे ल. करःर्वेण ।कुलःप्रेरेः प्रवयःयः प्रश्चेषः परः र्वेण ।देः स्रदः श्चेषः प्रवयः पर्वा **े अन्य** ।श्चेंब प्ययापन्य प्राप्य विष्य । विष्य के प्राप्य । विष्य के प्राप्य । **्रिंग्स्र-**श्चेत्राणुटः त्र्रापुतार्तु । श्चितान्त्र्रात्रात्र्वातन्त्रानुता । कुला **मॅ**रि**:बुन्**य-८्य-८्य-८्य-८्री । सून्य-४-४-८-५-८-५-४-८-५-४ ।ऄ॔ॱ <u> हम्भः भ्रमः पात्रम् पारः ५ वृत्या । पाने गमः भ्रम्भः सम्भापमः सुपा । प्रा</u> **पश्चरत्रायालया** कुलार्यतार्श्वरार्यद्याप्तितार्वितात्रायात्रीयात्रायात्रीयात्राया **बुँ**णयःपणटःवयःस्था ८६माहेवःग्रुःखयःत्रस्य द्वात्रःहत्या सुनास्य क्रिंग्या शुक्राकमायाँ वाक्षावुष्याववा हवा हवा हिल्लामा क्रिंग्या है। 7

र्हराष्ट्रा कुवा सुरा व कर कुँदा स्था । श्रिमा प्राचित द कर महिका माना वा । क्चे'प'र्हेब'ल**र'र्हेब'लुक'प5प।** ।कु'मर'खल रु'क्चेब'वब'बे। ।लट'दे' **ॾॕॣढ़ॱय़क़ॱॻॸॖॻॱॻॱऄढ़ऻॎऻॕॕॎॖॻॱ**ॸॻॕढ़ॱढ़ऺक़ॱॴॗढ़ॆॺॱक़ॗॖॱॴॸॱॻॖऀऻॎॗऻढ़ॕॺॱॻॖऀॱॶय़ॱॸॖ **ଛୁ ୶'ଘ'<sup>®</sup>ବା ାଘ୍ୟା'ବ୍ୟବ**'ପ'ଷ୍ଟ'ଶ୍ରି'ହୁଁଟେଷା ।ସ୍ଟ୍ରିଟ୍ସସ୍ଟ୍ରି'ଅଟ୍'ଗ୍ରି'ଞ୍ଜ'ମ୍' <del>ୡ</del>ୢୖ୶୲୲ଊ**୶ୄ୕୷୕୵୷ଽ୕୳୶ୢଌ୕୶**୵ଽୖୢ୷୶୲୲୷ୣୣ୵୷ୄ୕୷୷ୠ୵୰୷୷୷୷୶୵ୡୣୗ୲୲ १९.य.६.व.१व.६व.स.च.१८.वथा ।श्चित्र-पूर्व-क्रु-अ.१४.व.व.व. ট্রব'ট্রব'ন<u>র্মনর। ।মঁ**ন'**ট্র'</u>ট্রব'শ্রব'শ্রন'ত্ব। ।মন্ন্রম'ট্রব'ইন্'র बामहुमान्या विमान्मिनामान्द्रायाः कृषाह्मामहुमान्या विष्यासुमान्या **ञ्चवःहत्यः नुमःमरः दे। ।८६**यः नुमः तुमयः त्यः तम**ः मठद**ः प्रेदा । द्वमः वयः हरे प्रनरम्य प्रवास्त्र । व्याप्त मुन्देव के व्याप्त । वि व्याप्त ঐ'নতব'**ল'ণ্ডা'নম্। ।ন্**ৰুদ্'নম্'ঐ ৰু'নৰুণ্ৰ'**নম্'ৰু। ।**য়ুণ্ৰ'দ্ৰ' पक्षेर'प्नेंदश**म्बद'यर'बु।** बिश'बु'प'सुश'पश श्रेंप'प्रेंब'म्बे ロ. 香. ┪. ML. 香. とよっぱいしていないとはい、娘と、口、肉を、口を、根と、 ब्यः दं श्रे पञ्चु दश्या शुद्रश्रा श्रु वा द्वा दे दे दे त्या दे श्रे वा विवाद ऄज़ॺॱय़ॺॱॸऀॱॻढ़ॏढ़ॱॻॹॖऀ**ढ़ॱज़**ॹॖॖॖॖढ़ॺॱढ़ॺऻॎॱ॔ॸ॓ॸॱॾॖॕॻॱॸ॔ॻॕढ़ॱज़ऻऀऄॺॱॹॖॆॺॱॼॖॺॱॻॕ लामण्यान्यद्याम् **क्षेत्राम्यस्यानुःश्चरत्यानुःश**्चा । त्यामुः रह्नामुख चूरे.रें.४कूबेदा किं**र.कर.पद्धे.पू.रेज़ेक.तर.पज़े**री दि.कर.पद्र. पूर्य खेल. श्रु. पश्चित्य **पर प्रमृद्धा । क्रुयः मृश्चर यः द्यः पर्वे**येयः पर प्रमृष् 可ると、天、1

दे.वं थ. मैल.सूथ.शूप्रत्यूव.चंध्रेक.प.कूथ.मॉर्बट:पर.वे.च.तेल.घ४..

**न**बेर चुै 'वि'ख' ब'ऍन' वी' ८ ऍल' न्युअ' पहेन क' ५६' नप है दे 'न ५६' था श्लें व' ' **८मूबे.तर्भावर्षेत्रा** ८९७५की.व्रि.ल.ब.पूर्वे.प्रमूखेरप्रचार्थेयेथा **८८.मान. १**८.मानव.रट.त्वर्थातात्वाच्ये.त्र.ह्र.ख. ८.च्लेंचेथा व्राट्स. माळव्यायायार्डेनार्यात्रिः चुतावळव्यादाञ्चाया ଦ୍ୟକୃଦ୍ୟ ଅନ୍ତ୍ର ଅଧ୍ୟ **मक्षेर्मींअविश्वास्याम्यारायारे** त्यामासुदिः से मिनी कें व्यापुः हिन्यति दे रूपा रेरेप्स्याव्याक्रियम्बुटायराबुपावी केरवार्ती कुपाराक्रियाणुप्स्या नुः मुः रिव्यः प्रदेश । नियः क्रयः देवः योः के त्या यद्दरः पार्वे सः पा । याम्यः पाः ळेदॱय़॔ॱय़**ढ़ॱॸऀॱ**ॸॖॸॱॻॗॸॱय़ऻॎऄॎ॔य़ॱॸ्य़॔दॱळेदॱय़॔ॱढ़ख़ॱ**ॸ**ऻऄॗॺऻॱऻॗ**ॸ**ऻ য়ৄ৾৾য়ৢয়ৼঢ়ৼঀৢ৾৾৽য়ড়৾৾ঀ৾৽ঢ়ৣ৾৾ঀ৾৾৾৾ঢ়ড়য়৽ঀৢ৾৽য়ড়ৼঢ়ৼড়ৢ৾৽য়৾ঀড়ৼ कुंबानब्रुरामराबु। मिंद्राख्या सुदामरार वेमवामयाद्या विवागी सुदामे र्ह्मरःपरःख्। । बेनःखुर्यःपयःर्ह्मपः ५ प्यतः मृहेन्यःग्रीयः मृदरःप। मुल'र्घ'केद'र्घ'र्घ'रु'गु'शे'द्रश्रस्य दे '५५'य' श्रेत्। अंद'र्घ'केद'र्घ'द्रश्रस्य दे ळ्याता न्वा निवास क्षित्र हेर् क्षेत्र पारद्रायाम्बर,रेप्थापया**रक्र्यान्याचित्याच्या प्रमान्या**चित्राच्या दशःश्चेतिष्ठेरस्याविकात्रात्र स्वर्धाः श्चितः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स न्यायाची क्ष्या मिताताता पर कर क्षार विदायह केर माने ㅁ쯼지| हेब.४चर.व.अळ्ञब्य.ग्री.कैंटी नटची.वे.४ह्ब.त.४ब्रिस्वपुर,वपुर,कें.लब्रस्य. `ॳऺॣय़ॱय़ॱਖ਼ॳॱॿॣॕॴढ़ॗॸॱढ़ॖॸॱय़॔ॱॿॖऄॱॸॏॗॴढ़ऻॕॸॱॸॗऀॱॻॱॿॗ॓ऄॱॱॵ

पर्न'र्न'खु'हेग्य'ळर'**गठन**'पर'पु'परि'धुर'ख़ुदे'ख़ुप'ख़ग्य' 951 नम्भाषायाः के प्राप्तायाः प्रतासः मुन्ना मुन्ना स्वापायाः प्रतासः के व । स्वापायाः स्वापायाः के व । स्वापायाः स खेन्य अप्तान्त्र विक्रा तिन्त्र प्रमान्त्र परि १ है। रेनाब हनाब के बुन समय है उ ले र दुब परि १ है। तह अ न्यल' स्रेरे कुन् हैं 'म्या प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प् षदः दम् प्रुण्यः ग्रें कुंदः हे रहः गा मायः मा दह्मा हे दः दद्या प्रदेश पत्र'के'ऍब'ॸब'चें'चुर'पत्र'हे'रॅब'य'के'क्टा स्राय'विवायबाग्री' ਰੂਨ ਜੇ ਨੇ ਨਾ ਕਾਮਾ ਨਰਕਾਈ। ਕਾਕਾ ਬੁੱਨ ਸਿੱਟ ਸੀ ਰੂਨ ਨਰਕਾਰੇ ਸ ਕੈਨਾਮਾ क्रि. जिटा हुर जयावा हुटा तार्ट कुर हेवाया तर्वा वह हुर वेशाया कूट नियानक्षेत्र पार्य केंद्र । अया क्षेत्र अहा है है न पार्व केंद्र । वेस या पर्दे ध्रेर क्ष्मां कुर् के कुर्। वर्षेर् पार्थ वर्ष पिरेर प्रेर पुरे के कुर प्रकार मह, वेर वंशक्षित बहूर वेद ज़िया पश्चित या पह की । विषय वा वा वा वा वा वरचु'वरे' क्रेर केवा' ले' क्वर वे क्वर व वहुल वुन्य द्वा पर च पर हैर **क्रिंग्स्, कु., र प. फ**्र्य् बे, बेंगेंं । पंग, श्रंथ, त. फंर् बें ब. पंग्रं बंध त. वे, पंप्र, वें र . व. विदःस्यःपर्यः क्रुंन। पहंराबदेःययः वक्यः उन् ग्रुं हिंदः नुः त्याँ पदेः क्रुंरः न्द्र-कृत्केरक्ता प्रमातः वित्रकृतः स्त्रीतः वित्रकात्रेना वायाः नित्रायाः लख. ित्तर्भाः विष्युः क्षेत्र-राम्यार तत्र महाम्याः क्षेत्र क्ष्याः विष्याः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः **बक्क**रमहेर्ष्ट्रेर बेट पडुर्ल्लेल पहेर्चुरा देर क्ष्या वेर वाज्य प्रेर पहेर्षिक्

यहे अर् । ू **ले ने या हरा में ना ने प्रह्म स**ा रुप में दिन हि चुना से या यहे र য়৾৾<del>ঀ৾৾৾ঀ৾৾৾য়য়য়৽৻ঀৣৼ৽৾৾য়৾৾৾য়ৼঀ</del>৾য়ৼয়৸ড়ৢয়ৼয়য়ৣয়৽ৼঢ়ৼঢ়ৢ৾ৼঢ়৾ঀৄ৾ৼয়ৼঢ়ৼ ८5्यायादे प्रमातात्रवया उर्ग्णे देवसासुप्त वुवायाया विदारी वास्ताया है। हुनाया सुरे कुन्यत्य कुषाय अ**अस्ट्वा न्यायः वि**न्याया स्थापना स्थापन स्थापन स्थापन स्थापना स्थापना स् षुण्यःग्रुं'कुर्'म्यरःपारुत्यामा व्यवःनवःग्रुं'कुर्'द्याञ्चरःकुर्'दा २९व लक्षाकुराम्बाकावा व्यविष्युरा**र्वनमञ्जूनायार्वे विष्य**्वि विष्युरार् क्रिंद्रस्थान्त्रे मचु ५ त्या वेस्तर्मा केस्तरम् वेस्तरम् स्वर्षान्य स्वर्षान्य कृत्या त्रिवासयामा कटा पर प्रमुद्धार मुक्ता विकास क्षेत्र प्रमुद्धार प्रमुद्ध बह्द.रे.वीरात क्रि.पविषा वा चा क्रमारेट के.तपुर बराट्यारे वीरात क्रैं स्युक्तितम् द्वापष्ट्वावकापम्वापः वृत्वातिकारोतुः पक्षितारा स्यापः लत्ये रे.वीराता के श्र की एतिला हार बाकायराता कि श्रूटात की एतिला के याता इस्केंद्रे नागर स्नाय दर ने मुन्दिरी सिन्दिर पह रे पहुर नाद कर्र द्वार्य सुति कुला वळव कुषा पश्चरार्य। कुर्यो कुषा पर शे दूर लेव रहते विद्यार्यन्।वटावटाविवायाताम्या श्रिवाद्वरम् यात्विराव्यक्ष है.ध्रेलित.ब्रीय.ब्रिट्य.हे। ब्रे.बर.ट्.य.लय.तर.ब्रे.ट्रा.पथथालय.ट्रेस्ट. सहर्षाय विषय

ลับารุนัง ซึ่ง พ.ร.รารายาง ซึ่งบาง นั่ง พ.ว.รายาง นั่ง พ.ว.รายาง

ঽঀয়৽ৄয়ঀয়৽য়য়য়৽ঽ৾৾৾ৼৢঢ়ঢ়ঢ়৽ঢ়<del>য়ৣ</del>৾ৼ৽ঢ়৽ড়ৢঀ৽য়৽ৼ৾৽৾ৄৼ৽ঢ়ঢ়ঢ়৽ঀ৾৽ড়ৢৢঢ়ৢ৾৽৾৾ৼ৾ঀয়৽ ह्नियाव वसरावर गुण्याचार विषया विषय भुरित्तायाः के क्रि.मा.म्हान्<mark>याः स्यायाः स्यायाः स्यायाः स्यायाः स्यायाः स्यायाः स्यायाः स्यायाः स्थायाः स्थायाः</mark> मञ्जराह्म व्यापर कुला प्रति कुरा रेमा स्माय वस्तर र ग्री प्रति सामा प्रस्तर **म**5व छे यह कु त त त हुमाना छ य छे ख़माने कु त दी। हुव र य मिने मय कुंभूरापटा। परामाङ्ग्राम्बन्यायाकुंचुरा परामाङ्गर्गाची चुरा क्र.म.र्घणय.क्र.बेरा क्र.मलुब. ब्र.संट्र.केरा क्ष.श्र.सं.त.प.िर्ब. ळट्.विच्याच्छूरा च.भ.ऐचा.छ.छट.ज.श्चयशतार्था ४६४.८ताल.चु. 「古四·養有·紅·養田·日·和方·田帛·費」 REおって日四·田西有·四二·万**刊**·日末・ प्ट्रिंग्यं पहुं र ता शुर् हिर् का शुर् कुरिंग्यं क्षा वार्ष विष्यं वे हें र हे हैं है है है से र त्या खनावः हें हेर प्रायम् <mark>र प्रेर</mark> कुरा हें हे बार्षनानी कुरा हें हे चे उँ व कुर কুবা <u>ই'ই'অবি'দ্বিশ'ট্ড'কুবা</u> ই'ই'ইৰ'<sup>ম্</sup>টি'কুব'ম'ৰ্মবাম'**ন**ই। म्बेटय.चे.रि.ज.सूचया.त.पम्भे.रीमा.हेर्। खे.ता.लप्ट.क्रेट.प खे.जा ४४. 
 חד. ਕੋਟ. ਅਵਟ. ਅਦ੍ਰ. ਜੁਣ. ਜੁਟ. ਉਹ. ਜੁੜ੍ਹੇ ਦੀ

 ਭੂ. ਦਿੰਦ. ਖ਼ਰਦ. ਰਹੇ.
 कुरा लन्दरहें हे राम्यान कुर महे कुर दी क्लायर के हैंन महे कुर र्ना ऑप्निवे कुर के**र मानाम्याम्य स्थानकु अर पाया**व कुरा (मञ्जूरा) भःगःरःहें हे के किरे कुना के मन्याय प्राप्त प्राप्त यह नाप्त विश्व कुना द्रा श्वास्त्राच्या विश्वस्याति कृता दिन्द्रवामा विश्वस्य विश्वस्य विश्वस्य विश्वस्य विश्वस्य विश्वस्य विश्वस्य **ᡨ**역시설차·필드·국| 라마리·芷·芷·흑·和·罗·드·전·葵·ㅁ·뭐·ㅁ·드리아·ㅁ롱미치·

ঀৢ৾য়৾৽ঢ়য়ৣৼ৽ঢ়য়৾৽<u>ড়ৢ৽ৼঢ়৽ঢ়য়য়৽ড়য়৽ড়৽ৼঢ়৽য়য়৽</u>ড়ৼ৽ড়ৼঢ়৾৽ য়য়য়৽য়ৣঢ়৽ৼঢ়ঀ৽ঀৡয়৽ৼঢ়৽ড়৽ড়ৢ৾৽ঢ়৽য়৽ৼয়৸৽য়ৢয়৽ঀৢয়৽ঢ়য়ৢয়৽ঢ়য়ৣৼ৽ঢ়য়৾৽

दे द या मुला रॉहे खुन्या दर्जें स्याया न्याया स्वाया है हे खेला यह क्या **ढे.पो**डुप्ते.पासी,क्षेत्र,क्षेत्र,साथकूपानी, टेह्ब्य,चीतास्प्र,क्ष्य,मी.पोट्य ८६र मुत्तारा र्वतारा त्वारा अप्तुदा द कें स्वाया केंद्र के स्वाया मुत्र स्वाया मुत्र स्वाया मुत्र स्वाया मुत्र भु.एतिर.तयामी.वर.रे.कूबालाविधारी.वयेरर्ध्याक्षेत्रावता नेवर्त्रात् चॅ॰के॰स॰५॰श॰चॅ५॰ग्रै॰से॰५वा॰६००५ु॰मु८॰व संप्तृत्या वे <del>युन्स</del>वस्यावस्या क्रैटार्मा इटबार्मायाची केटानी नुम्मुखारीमाना उत्स्टाकेटान् हा ८ में किया पर मूं या दे मूं या दे मूं या दे में या दे या विषय है मार विषय ह देेेे उपक्रें ब प्र व सर ५ सुरी अर्के ५ र **मा**व सर खुर प्र गुर र प्य र र प्र मार र स्वार है। प्रमुख्या प्रमुख्या नुर्वे सार्वे स्वर्षे स्वर्षे स्वर्षे स्वर्षे स्वर्षे स्वर्षे स्वर्षे स्वर्षे स्वर्षे स्वर मञ्जूरावयाम् इराइना देरादनी र्बेटाकी दुनारनार मार्टिया **बबःकुः**न्रःखुषः**तुःधुबःहे। ५**०२ कुः**न्**रःखुषःबःबाबस्यःह्नवयःह्राहे छेन्। पाताचीताताञ्चतातराचेयावासाहास्मरावेताल्यूराह्यातया विवराकेतस्य चः(श्चित्या)व्याचार्यात्राचार्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्य <u> चैद द ब श्र</u>्वान र्येद त्य देन के ब खु न किदा हिन गुबा हेन स्वय र न स्वय र न स्वय र न स्वय र न नर्वित्र'चुकासकार्श्वेनान्येवार्श्वेनावित्रका न्तृतेवित्रवावान्वेन्त्रायाः अहन्देना য়ৣ৾য়৽৴ঢ়ঀ৽ঢ়ৣ৽য়ৣ৾৾ঀ৽ৼৄৼ৽ঢ়ঽঀ৽য়ঢ়য়৽য়ৢ৽য়ৼ৽৸৽ঢ়য়ৼ৻ঀ৸৽৸৽৾য়য়৽ঀৢয়৽ঀঢ়৽৽৽

मावर रिंद मी बेर व्या देर में प्याप्त पर है की हुम हुर मुंडे व य खुम रह ले मुबर खुल व ब खुका या व्यव दिव के व मालम्बा हेर हैं रहें र जी कुल म्बान क्षात्री क्षात्री क्षात्री विष्युची क्षित्र म्बान क्षात्री विष्युचा क्षात्री विषय विषय विषय विषय विषय विषय चतः क्रमः भेषाः बु परः पहरः पः भण्या स्था श्रीपः न्यवः क्रीयः प्रवः । बु हे द र प्रमार्थर खे मो मा सुका प्रमार पर तर र तमा वा कें वर वर है र द हर् दे भथाता मैला स्था करे ता पा भी त्रिर्टे प्रहार तथा वी वे या पहुरा ता स त्रक्षा ब्रेक्ष्यम्या पॅद्रण्णु कुषः पॅप्तुम् कृषः क्षेत्रक्ष्य प्राप्तिः त्रेण्याः **इस्रा**ल विषया पर्विताया सम्बद्धाः क्षेत्र द्वा क्षेत्र द्वा स्वाप्त प्राप्त स्वर् ट.र्ट. स्र. तालब प्रस्ति वाल विकासका र क्रिंग प्राप्त प्रस्ति वाल विकास नेबट.वेबा नेबट.इनेब.वी.क.च.(टेनट.)लुब.तथ.टेनट.ब.चसीर.नर. मुबट'हम्बर'व्यव्र'ठ्र'बे'इट'। ह्युव'रु'ष्पट'बे'इट'म्बुटब'व्याह्र'म्बर **२५.**२.२.२.५.५५.५५.८५५.४५५.४५.८५८.५५५.५५५.५५५.५५५ **८४८.६.**नक्, ३.७**क्८**.कु**४.७**७.**५४। ट्र.४४.७**. चेश. वेश.वेश.वेश.वेश. पर्दे प्रकृत्रायात्ता प्रवातातात्ता त्वा प्रकार सम्बद्धाः । प्रकार प्रवास सम्बद्धाः । प्रकार प्रवास सम्बद्धाः स निया विमानियावितायान्या त्युपासुकान्स्याकृतास्यावायाया प्याविधानु व वापमूत्रा पर्नु है है व के कुन प्याविधान के विवादि राह्या म्रुर् है अर्केन ने खुट प्रमानिर प्रमानिर पा अव र ना भूव ना स्था साथ ना सेव यदार्मेला हैटार्नियानदुराक्चियानामायार्मेन्यामायामहेवावकामपुराक्चि · कॅ**र** '5र् 'मुँ 'सू प' पा ५ स्थाप दे नास पा कु है 'र गुँ था हिंस 'रु ' सूर मिंथ' **पु है '** 

मुनाम देरहेर्द्रक्याधिर द्वीयायितर दुर्मा छेरवाया विकास म्बट् केव रेग्र म्केग् मे र्णु भारति राष्ट्र हुव में राष्ट्र पार मे व रूत् सा सुपार म। अविश्निम् स्वाप्तिः नृत्ति । विस्ति हया. [बूर. मुक्तेम् श्रुपः प्रमुपः प्रमुपः प्रमुपः प्रमुपः प्रमुपः प्रमुपः । विष्यः प्रमुपः प्रमुपः । विष्यः प्रमुपः । **ॻॻॱॳॖक़ॱ८ॿॱॻॎढ़ॱॾ**ॺॱक़॓ॱॿॗॖऀॻॱॻऻॱऻॴॺढ़ॱ८ॻॖऀऀऀऀढ़ॺॱॸऀॻॱॻॱॶॺॱॻॖऀॱॴॺढ़ॱ**ॴ क.रींच.त। वेश्वर.त.रवे.त.**वैट.क्च.ग्री.क्ष्रथ.रवष्य,ष्र.कु.रींच.त.रट. म् खुक्र कुं र् गुक्र र मिर र र के र प्रसूप कर व वार के र के र के रे र प्रमूर। पर **୶୶୕୵୷ୖ୷୷ୢଌ୕୶ୢୖ**ଃ୵ୢୖୄୠ୵ୠୄୖ୷୶ୄୡୄ୳ୠ୕୷ୡ୕୶୶ୣୖୠୣ୷୷୷୲ ୶୳ୡ୕୵**୷** 다.튍소.다.리는.오다.성의적.신다다.릛다.다| 황다.토,신대,다.퓠다.다.요다. लेब.री.तथरी टाज.लट.रचे.ची.चूंश्च.वैट.**इटख.बब.र**.जू.चेड्च.चीं लानुष्यः हमान्यः ने १ वृष्यः विनामानुष्यः वन्यः विनामान्यः विनामान्यः । मूब्र-विब्र-प्रथा श्रद्धार्यातानी, ब्रुट्र-प्रो-ब्र-प्री-ब्री-प्रिय-र्प्रय-मेशर.बु.बूचा कूब.पत्त्वमे.ट्रमे.वैब.वं थ.प्ट्.टे.एज्ज.ग्रीय.ट्रेच. **ल्ट.त्रा ५.१५५, त्राच्या १३४.७.३४.७.३४.५४.५५५, त्राच्या १५५ ७२**'म'त्रे चुेव चुेव प्राच्याय क्रिंपाय रही चुेर प्राच्याय व व व व प्राच्याय । मुै.ब्रट.चे.ज.चर्सेर.ऱ्। ४८, िंटिर. मे बय. ४ जावर. क्या ब्रा. ब्र्चा. व्या. कर्'हेट'हेद'र्छर्'र्र'म्बुटबर्स्। विट'क्ष्ययात्र'र्रह्यामुद्याम्बद्यात् याहिट

देवस्य प्रति । स्टिन्स्य देवे स्वतः स्टिन्स्य स्वतः स मार्थेया.मार्थ्या.मि.पर.पे.पर्द्या पार्थ्या.प्या.प्रिया.मीया.मार्थ्या.मार्या.मार्थ्या.मार्या.मार्थ्या.मार्थ्या.मार्थ्या.मार्थ्या.मार्या.मार्या.मार्या.मार्या.मार्या.मार्या.मार्या.मार्या.मार्या.मार्या.मार्या.मार्या.मार्या वसः गुर्मायिः सं कुरायत्र । प्राप्ता देर कुला सं खुन्न के सः या ला ह्रें द **ण**तुषापाठव क्वां के व्याप्त क्षेत्र के वार्ष क्षेत्र के वार्ष का क्षेत्र के वार्ष का क्षेत्र के वार्ष का क्षेत्र हुना पहरायाला नार्रे बाब्य राज्या हिन्स्र क्षेत्र गुरा हुना र्मे बाब्य गुरा हुना र्मे बाब्य हैना रामे वाक्षा हिन्स्र क्षेत्र गुरा हिन्स्र हैना रामे वाक्षा हैना रामे व वसारित मुलापित द्वार्मा स्वार्मा स्वर्मा स्वार्मा स्वार्म बट.बट.लेल.टे.बैंचेचा २.क्ट.क्ट.कट्ट.कट्ट.कट्ट.कट्ट.कट्ट.विवाया २.म्रीट.पुर्झ.र.ह.भूट.पूर.श्रीवाश ट्रे.वथ.श्रीचळ.वथ.थविष्ठःश्रीट.पूरल.श्रीच. बह्र-व्याम्पर। लट.र्म.जिय.की.व्यानात.रट.४ट.त.प.रुट्ध.कुट.रट.४ट. महे : से 'मेडेन' सं 'मेडेन' में से र मीडेन' में से र मीडेन से प्राप्त के प्राप्त के से से से से से से से से से चञ्चित्रात्रात्रात्राक्ताक्षेत्राक्ष्याः अद्भूतः न्यान्यातः व्याप्त्रात्यातः व्याप्तात्रात्यातः व्याप्तात्यातः चल्रायार्ट्या वर्त्राष्ट्रे खाडेनाद्रायायेराया हरायुरायार्ट्या रहा विवाया **५८। गृ**र्भरायस्ति। स्वानी स् मार्ना मुहेदासरारक्रमानार्ना सबरामार्थायामार्ना हिनाया

रैबाम्यानुबाधराष्ट्रीवामान्यानुबाधराष्ट्रीयामान्यानुबाधराष्ट्री न्यायानुबाधरा पकुर्रितः स्वामा पहिताला प्रेतामकेरामे के वितासित स्वामकेरा स्वाम **२व.**.वृ.के.वे.प्र.वे.व्या.िच्याः विद्यायी.व्यक्त्राताप्तविषाचाः के.षाक्षे.व्यक्षाकी.विषा.... 5.वैट.च.८टा ट्र.च्र.की.कैल.च्य.ट्य.बेचय.द्वी.वय.डु.व.च्य. न्त्रिः गर्हेन् मृद्यासुरा मृद्या है। क्षेत्रा बुराय हमा विदेश ঽয়৾৻৸৾য়ৢ৾৾৾৾ঢ়য়৾৽ঀৢ৾৾৾ঢ়৾৾৻৸য়৾৽ঢ়য়৾৻৸য়৾৽ঢ়য়৾৻৸য়৾ঢ়য়৾৽ঢ়য়৾ঢ়য়৾৻ য়য়৻৸৾য়ৢ৾ঢ়য়৽ঀৢ৾ঢ়ৢ৻ঢ়য়**৸**৾৸ৼ৾৽ঢ়ৢয়৾৻ ब्रुट-म्ब-क्-त्य-व्य-म्ट-द्र-ह्-रिन्नेल-कुब-व्य-व्य-ब्र-पट्न-कुल-स्-ट्र-बह्लाहै। हे ला बुबामा हिन् पदिन केंबान पर क्षान्य सम्मान क्तृ अञ्चल उद्गाय त्राय प्राय विष्य क्षित क्षा क्षा क्षा क्षा क्षा विष्य क्षा विष्य क्षा विष्य क्षा विष्य क्षा ८६मा मुतार्विताया १६ १६ १६ अळे वार्वा मासुर वार्वा परा ५ मा मुताया मुहम्। सुरुष:मुष्याम्देरकेदःगुद्याः ।द्वारारमुरः वारास्य भे.पोश्चराह्माया । व्यापरायम् व्रिष्टा प्रकृतायम् । व्रियापश्चरायमः ॉवॅ॰स्टॱबीॱबि**ना**र्य ५५६०४५गर ग्री॰मी ग्रीबर्यात खे**रवरा विना**याव बाली प्रति । क्षु ग्रा ॐपवःयत्यःक्वयाविःपदुःरुः**प्**रेयःपग्राध्यावेरःपस्वायःदितः। कैन्'र्टरर्ने **र**्टर<mark>भ्रान्युक्'न्रास्त्रित्कियाद्यादेयानेयाक्</mark>रीयानेप्युन्'र्ट्युः ब्रिन्स्निस्निन्द्राच्यलाला

है द का कुल यं का कहिं ना द का कु ना का निया कि निया कि का निया क

देवसर्वायवरम्डेगामी के मुल संस्कृत मुन्य से सम्मानिया में णुदःसवःयात्राचुदःपत्र। अःददःहत्यःपुत्रःगुदःसवःव व वःश्चितःद्वेवःयदः बार्स्मुद्राम्बद्धाः त्या विद्राप्ता विद्राचित्र हैसागुद्र श्रेष्यद्र है। सून्या क्षेत्राश्चेष्ठात्राच्या वित्युव ५८० वर्षे न्या क्षेत्रा १३ वर्षा वर्षे वं सवं सर रेटा मुस्टका समा क्षिप्तमा अल्य छ व का श्रुव र ८ देव र रूप ॲंटर्मकाप्यरमारम् प्रेंच क्षेट्र कुला विश्वेष क्षेत्र कुला विश्वेष का क्षेत्र का की देर<sup>ॱ</sup>बन्'नशुक्षर्टॅ 'चब्रे'क् श्चॅंच'द्यॅब'व्यंक्ययाप्ये श्चेद'र्यंब'१० 'या वर'म'द्रार्टः''' ৾ সুঁহি অশ্বেন্ম ই ন্ম্নিন্দেকনে দুষ ন্মা ন্ৰ্ব ই অদ ঐং নক্ষ দৃ কুল ম্ र्दानीयार्थः पार्वायार्थः चर्यात्रस्य स्वयः क्षाः प्राप्तः वित्रः विताः विताः पार्वायः वया बिलाक्षेत्रकार्टा विश्वासारायार्द्रह्याक्षेत्रा विश्वहत्याही हेरहेराच्याहेर **इट्याम्या ट्रे**पाचयाॐग्या[यह्ट्रेर]]प्यतानयाञ्चनाद्व्यं चीयान्यता पः चैवः धः रवः या विष्यः विष्यः विषयः व ট্রি-বেশ-স্কুর-ট্র-ঘেশ্য ক্রুএ-মিন্ট-রেশ্রেম-র্মিন-ন্ম্র-ল্রীন-নেন্ট্র-লি-রেশ 

ञ्चन'व'सं'न्येन'' पकुत' स्वारं जेव' विश्वना प्रदेग्यर'र्सर'म्बुर व'र्स् । दे'वस' षटःश्चितः न्यंतः त्यं वृत्यः वर्त्यः कृष्यः न्यः न्यः न्यं त्यः वर्षे त्यः वर्षे त्यः वर्षे त्यः वर्षे वर्षे य वर्षे द्यापामिषाम्, विषायर्षाचार्यः १ तयामिषाम् १ म्यूरावा करा निष्ठेत्राताः निष्याः निष्याः विष्याः द्याः त्यान्याः स्वाद्याः त्यान्याः विष्याः दित्यान्याः य्याः **क्षेत्रा**, य. यू. त्यु. त्या चित्रा चित्रः वित्रा, त्या चित्रः वित्रा, त्या वित्रः वित्रा, त्या वित्रः वित्र **ग**ञ्च द्रश्रा प्रदार्श्व प्रतास्त्र मुंजिल्या व या कुला स्था है । मुर्थ लाय व प्राची लाय व व व व बेद्रायार्द्रेट्यानेनान्नुद्रयाद्यायाः देग्न्यियामा वेद्रायार्व्याया ॿॖऀॺऻॱॺऻक़ॱॿऀज़ॱॻॖॱॴॱऄऀ॔ढ़ॱॖॖॹॱॻॴॱॱॿऀज़ॱॻॹॱॻऻ॔॔॔ढ़ॱॿऻॗॴढ़ दरि : वर्षः क्रयः म् र्वायः वेदः यः राम्यः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थाय ५'के'नब'णुट'ब'न'खे**न्**नमुन्यस्ट'नब'५'वे'टरे'सुब'स'व५'न्द्रास्ट चरः र्वटः न्युटकः चर्या श्रृंतः न्युं विशः व कः नः रुटः कुशः में कुटः चः =4.4.424.24.444. मुखुद्र स्था मुख्द दे सार्कद्र मासे दुर्ग मुंगु स्थाद रहेद सहि सहर **ॅ्रं प्यामान्यायाने अ**वस्या कुषाचेते क्षुत्राम्य केमा कुषा चित्रा कुरायस नेराने प **5にないはない**がないにてないい。動い、だいは、すって、あった。 うれいがに、てばないない मिलात्यार्था क्रमा ३ अया पा जटा पर्या

 नेष्याः
 कुष्याः
 <

क्रुव रत्वेषया संचित्र प्राया देरावमा मारे क्रिट समाने प्राया स्व ब बर हैं भीत भी 'ब्रुड बबर खु 'बेट' हैट' मैं 'खुर'य' बैम' प्राप्त वा धुम' है मबर बह्माकृष्यते'त्रियादिनायाम् जिन्दान्याम् कृष्याचेत्राम् विमार्थवायाम् यःभा है 'सर्हेंद्र'यासद्वरपराणुरावस कुलार्घते द्वा सुरविता विता **श्च**न'र्मेद'चै'विश'दस'र्'धुनस'तुन्'क्स्यस'र्द्ध्र'ठेन्'न्युटस'रा' । अत्यादान्य विश्वास्तरात्रा विष्या ।
। अत्यादान्य विषय ।
। अ कैन्बःल'न्नदःपबःखन्'ग्रैबःबॅद'नब। वदःने'हु'त्र्वुल'ठद'त्नैब'र्र्द **୕୶୲ୣଽ୶୶**ଊଊୠୖୣଌୢୖ୵ୖୄ୵୵ୡ୕ୣୣୄ୵୷୷୶୷ୣୄୡ୵ୢ୕ୢୠ୷ୣଌ୷୲ ୢ୕ଌଊୄ୕୷ୄ୷ भुं प्रकम् पुर्वेट प्यायञ्चेत्राया देर विश्व भवित क्षेट प्रवासिक है। हैं हैं हैं लिया है हैं जिया है जा दिया में पार्टित विश्विष्य में पार्थ विश्विष्य है । पया व्रव, त्रव, प्रमान व्याप्त, प्रमान प्रमान व्याप्त, व् য়ৢঢ়৾৻ঢ়য়ঀ৾৾৾ঀৢ৽ঀয়৻ঀয়৽ৼ৽ঀ৽৸ৡ৸৽ৠ৾৽য়৽ৡয়৽য়য়৽৸য়ঢ়য়৽ঢ়য়৾ ८६गरः पाळे पवज्य **अग**ल ग्रै **र्वण ञ्च पत्र ग्रु**ट पव देशे र्ह्यु ञ्च दे रस्ट छि मु र्भाम्बुट्या हिंदार्माद्वार्मामुदादारी रेप्तिहेन्यारेप्तिहेन्या वापरा ळे'रे'ळे'बेल'डेर'र्रे। **दे'वल'झुपस'वस**'स्मिति'क्वैद'र्य'सिपर'क्वे'प्रमापर मिलेमायाः श्री

दे निष्ठे वालानमा विवास ला है ला है का निष्ठा है का है का है का है का है है का है का है का है का है का है का है ढ़ॺॱॺॺॎढ़ॱय़ॕॺॱॺॕॱॡॖ॔ॱॻढ़ऀॱॷॱॻॷॗॸॱॻॿॖॻॺॱढ़**ॺॱक़ॗ**ॴय़ॕॺॱॻऻॿ॓ॸॱऄॗॱय़ॖ॓ॱज़ॸॱॱ र्टान्वरानु पार्णानु नामुरावयाया हिन्याया केवाया रहें साम् पत्र। प्रवारप्रदायाम्थरार्ष्य्पायराष्ट्रसाने श्रामेराने रहेर विकासे अ मसेर रु प्वश्वराव निष्व का मार रु खेव व का मार हिन्दा केर र्घाता के अधिकार विकास विता विकास वि न्येंद्र'च्चे 'ड्वेंद्र' व्यव्या विक्रा व्येंद्र विष्या विक्रा च्येंद्र विक्रा विक्र विक्रा विक्रा विक्रा विक्रा विक्रा विक्रा विक्रा विक्रा विक्र विक्रा विक्रा विक्र विक्रा विक्रा विक्र विक्रा विक्र विक्र विक्रा विक्र व छ्च'रृ'स्थ'व्याक्ष'के'न्द्रेन'श'वट्य'कु'नदेः[क्रॅय'] नन्दर्हेन्याय'केव'मॅ**ः**' gॱॻढ़॓ॱॴ॒॔ॹॺॱॸॴॱॸॕ॔॔ॸॱॻॖऀॱॻढ़॔ढ़ॱॻॕ**ॱऄॱ**ॼॺॱॺॱऄ॒ॸॱॻ**ॾ॓ढ़**ॱॼॗऀॸॱढ़॔ॺॱॻॸ॔ॴॱॱॱ ৳ঝ'০েইনে'নু'নদ্দ'ন'ঝন্ঝ'ন্থ'স্থ্ৰিন'ন্**র্**ৰ'লীঝ'**ন**ধ্দ'নদ'**র্**'েত্রন'**র্ঝ' ''** बुकायका শ্রনান্ট্র শ্রী দেশব শেব দেশ। ইন শ্রী শ্রুল ইবি শ্রুণ করে শ্রুণ করে । ५५.त.र.त्र.र्वे.त.जा क्रि.ये.केश्वराक्त्र.रचीश्वर प्राच्या पणतः हिन्याया केवार्या तदी पॅत्र प्राप्त राम्य त्युरायया स्यापन्त ग्री पायुर्य वना दे प्यट कुर है पुंरु सम्मित्रो रट ये बेबब कुर दे दर हान कुर पर पहेंब परि हैर वंश सिवर के किया परि कुर पनि। अंसम है रेंबर ॅ्रेन्यः धरः प्रमातः प्रवादिः १३वयः खुः ह्याः प्रतिः धुरः दवावावातः क्रेटकुवः धः ॐषुः । हतेः<u>ं%</u>कु्॔राम्बर्। शेससाग्री**ंर्वाद्या**सराम्स्यामराम्बरामहेष्याराहेष्ट्राद्या रैंगा कुल मंदि कुं प्राप्त । अवसा गुर् **व विगा**ले हैं ग्रें प्राप्त प्राप्त पहुत्। महि-द्युर-द्युर-सेसस-विषाभिते-क्युर-मन्। सेसस-ग्री-र्द्रव-रूट-द्युर-प्रे-नेस पद्मव पति खेरा छेरा भेषा देवा । येथे प्राप्त के विषय ग्री में व रेवा पत्र के व

मरं पहुंद मिरे हिराबद दिन रिमेर सिरामिर कुर प्रमा वेबस के में दा गुद की **ब्रुव:ब्रुट:5.तबेव:प**धुन:ब्रुव:प्याचट:प.केल.तूषु-ब्रुट:पन्या अथल.के.ट्रेय. रदानियार्ने न्या निवारित दुर्दा त्रा चुरायर चुरायर चुराये विवार वि कुर्मन्। रेअल.गु.र्दर.गेंद.रे.नवट.स्टु.ग्रंट.रे.व्यवध.वट.पेठ्यं तर. [मुप्तरेर] धुरप्तमुप्तया इया यर प्रमायते कुर्यम् । शेववाणी प्रमायवा **रुन्कळेल्'नु** 'पङ्गेब' पार्वे 'धुेर' यब 'प्पा' श्रेप' पॅरि'कुन' प्पन्। शेयरा गुे 'र्नेब' मक्रमारु गुरायादे किराधित के नाया महेन यह छिर किराधित के हिरास्त्री सेसरानु देव राजा सर्वेर पर पङ्ग्व मारी छेर विमायान के राजा कर में कुंद्राचन्द्र। वेबवाधुःद्वाविष्याधात्रमान्द्रमानुप्यस्वायदेषुद्राप्रमान्द्रमा निम्निष्यास्त्रीकृत्र्विष्ठाः विषयाः भेत्रवाः निष्याः विष्याः स्वायः विष्याः स्वायः विष्याः स्वायः विष्याः स्वायः स्वयः स्वायः स्वयः स्यः स्वयः परि धुर प्रवासमान्त प्रविना परि कु प्रवासि विस्ता व पकुर्'व्यापञ्चर परि'धेर'पययाम्हर'पकुर'परि'कुर्'प्यता वेसयाणे' **१**दः पब्दः गुदः तु 'नर्गे न्यः यः यङ्गदः यदेः धुरः ङ्गे 'यनः गि' कुनः यन्। विस्यः **ॻॖऀॱ**ॸॕज़ॱॸ॔ॻढ़ॱॸऀॵय़ॱॻढ़ऀज़ॱॻख़ॣज़ॱॻढ़॓ॱॺॖऀॸॱज़ऺॺॱॺऻॺढ़ॱक़॓ॱॸ॔ॻढ़ॱॵॄॱक़ॗऺय़ॱय़ॕढ़ऀॱॱॱ कुर'पन्। वेबब'णु'र्विपहिंदायहेर्कन'र्दायायर'म्मूब'पहेर्छुर' ब्रायमितः क्रेग्यानो स्त्रेन्यते मुनु । प्रत्याम् । स्रेस्याम् । स्त्रेन्याम् । स्त्रेन्याम् । स्त्रेन्याम् । स हे 'हु'पर'९ ग्रुट'प' [पर्वद'] रु'पङ्गद्गपरि ग्रुट्र'रेद' केद'रपर'परे 'ग्रुट्र' '''' पन्। शेवशाणु र्हेद प्रस्थाया ख्रम् उत्रहेता क्या पर प्रमुद्द परि ख्रेरा रैव के व क्षेत्र के वे के वे कु प्राप्त प्राप्त के व्यव क्षेत्र के विष्णु के लबः चुटः यः यह्रदः यहे र देवः केदः विदः यहे र यहे र यति। विवसारी विवसारी र देवः [मञ्जरम्मुख्यामुं पटरातुम्म्यायराम्भृष्यायते खेराहेनाम्याप्रकृतास्तिमुत्रामा

देव बालिटाकुवान्त्राचिक्नेराचनिरात्री नेटाकुवान्नेस्यापना त्वृतः प्रतेषु प्रतेषा प्रतेष प्रतापति । स्राप्ति विषया म्बॅब्रामरे'छेराङ्गराकेव्यम्ता वेववर्णे देवाकेवर्णे प्रीट्या स्राह्म विवय हिट. कुब. तथरी झूथ. तपु. टूब. ट्विट श. श्र. हू चाया पा. चिटा श्रुवाया **सूथा पा**. र्हे 'य'न्येर'बुद'पन्। क्विंब'परे'र्हेद'स्यर'धुद'प'के'दुप'कुय'वळद'दस' बिवर.कु.चर्नरी अंबश.कूंट.त.कुंट.टे.जि.च्य.चध्र.कुंट.चर्ट.टे.वींट.त. पन्ता वेववाहित्यीः स्टायदेवा केवायी सुरायह्वा परे दिराहे परवात्वा यापन्त वेववाकिरामा सम्मानिका विवास व पन्। वेबबःक्षेप्तेष्वेर्परः [वि**राण्युवःतिरः**] परःक्षेरःपदेःष्टेरः**यंनः** मै १ विराधानिता सेसस है नाया रहें नाया है नाया है नाया से साम के साम पङ्गद्गापति खेराये प्राप्त विवास सम्माति । स्वाप्त सम्माति । स्वाप्त सम्माति । स्वाप्त सम्माति । समाति । सम पाष्ट्रस्य उर् कें साहे रासहस्य प्रते प्रता है ना स्वार के साह स्वार स् बेबबायाचेन्याचबबाउटाईनकानेटातपुटामागुवावबाकुवायरामहेवा.... महिष्ट्वेरव्यायितः कृषे मुलार्चा नित्र व्यवस्थितः व्यवस्थितः त्यापवयाःग्युरःकुं अळ्याःनः**प्रदः प्रः पङ्गरः परः** धुरः हे रञ्जः चुरः कुषः प्रन् बेबबाग्री र्रायु दे र्र्व र्वा परि र्राटा था श्रु बाया मुलाबीरा परि राम्या विषय न्वयायहे छैरायहे रत्युवयायम् । शेवया ह्रवा श्रामहे सुवा चीयाया শ্ৰ'ৰ্'েল্ৰ'চ্ৰ'গ্ৰী'নপ্ৰশ'ন্তৰ'শ্ৰুব্'নাই'ট্ৰ'ন্'ন'ৰ্'নাশ্ব'নপ্ৰ।

नञ्चनत्र'नश'वन'नत्र'चैत'र्दर'तु श्चेनत्र'म'न्दा धे'द'र्दर'कु'न्दर'चैत' पदाकेषायापर्वताष्ठ्रपर्वताष्ठितार्वेदाणीयवादारे देवाकेषाका हैतायाप्रसार स्वासीता विद्या इनिकासरार्धा हिरासरायमा देवार्धराम्यका स्राप्तराहिरायराचे रामास्राप्तराहिना रेय'ने'मेन'यञ्चनय'र्थ। ने'नय'र्यन'णु'र्हेन य'गुन'णुप'ने'नाधन'नम्बा हेन्दिन्द्वस्य सुदापर पुन्यस्य विवासे स्वास्य मुलास्य मुलास्य स्वास्य **ख़ॸऻॱॸॕज़ॱ**ऄॖॸॱय़ॱऄॺॱॸॆॱॸॆॱढ़ॗॸॱक़ॱऄ**ॺॱ**ज़ॹॖ॑ऀऀॸॺॱॻॖॱॱक़ॱख़ॺॱॺॵ अयरे र्बट्राय्नाचेना प्रविटर हेरे ेर्ट्र उपरे में या देखा प्राप्त में वरव वा बटका वर र हुर-५ु:परुण प्रवेर-कुलापस्यसान्याकुरस्यकुर-पन्ना नेर्×ाठ कार्यः म्राम्य विष्यं म्राम्य विष्यं म्राम्य विष्यं विष्यं विषयं म्राम्य विषयं विषयं म्राम्य विषयं विषयं विषयं विषयं चैल.च्.कूथ.चेथय.ताल। अञ्चय.कृ.तयू.तचीट.ती.कूट.ती.क्यांत.यर.ता. निरात्मात्रात्मात्मित्रम्नात्म् रहार्षात्रे प्रत्यात्मात्रे निर्मेष् वसाधिरावस्त्रवारान्ता हिन्दारिक्षे वदास्य समारति स्वराहराया ष्युन्यार्वे राया केवार्या सदत्। स्या सेवाणी प्रित्यहिं पणी प्राचे राष्ट्र सम्या स्वरा ४ हमाराजा चिर्माया वया राष्ट्री मिरायहर् ना युर्या राष्ट्रयाचे राम युर्या न बर्बर्ड के पत्र क्राल प्रमुर। र्नि स्टिप्ट पर में दिन <u>इनायः यान्वः सनायः सः नव्यान्वयः देयः क्षः बन्धः सः व्या</u> मल ह्वें र र्वेद रहेन दे राथ कर या की मार्चे र राद कुल हि बला में ने राम से रा N.मैल.चू.वेचेथ.अ.अधेथ.वंथ.षू.१वचे.हु.५ेर.वे.चु.इ.६.व.७.चंथेटस.**प**र्था <u>ӻ,เห๗ଝเฅと๗.(ᢠై๕เ๗๓.)฿ฺหเฆฺ๛ฺนӄเӿฺะเผิเ฿ิตเฆฺเӈ๗๙๗ํ฿ฺ๕๛๛</u> प्यारेर व्यापार मेण हे कि राम र पुरा कु मार कि प्यार में कि स्वार की प्राप्त है कि स्वार की स्

देर'सॅं 'ग्रै' हैं नब के व्या मुद्दा निर्मा के प्या मित्र के प्या मुद्दा के प्य

្នំក្រុង គ្នាមាន អ្នក គ្នាមាន ក្នុង គ្គាម ក្នុង គ្នាមាន ក្នុង គ្គាម ក្នុង គ្នាមាន ក្នុង គ្នាម ក្នុង គ្នាម ក្នុង គ្នាមាន ក្នុង គ្គាម ក្រាម ក្រាម ក្នុង ក្នុង គ្នាមាន ក្នុង គ្ធាម ក្នុង គ្នាមាន ក្នុង គ្នាមាន ក្នុង គ្នាមាន ក្នុង គ្នាមាន ក្នុង

ने द्वा कुल पॅति खुन्य प्रमृत्या प्रमृत्या प्रम्या प्रमृत्या प्रमृत्य प्र

सकर कर हेर दक्ष पुराया सिंद या के वा विवास स्वादित प्राय स्वाद वा प्रकार केरा क्रमाभाक्षेत्रप्रतर्भाषुदा क्रमान्द्रभातु प्रतिराम्यवस्तर्भाषुदास्त किम्बिक्यायाक्षेट्रहर्म् श्रुपायाया ट्रिनेक्यायाया न्रिनेक्यायायाया **बुद-द्रन्या** पूर-कु.पुन-रच-र्ट-र्ट-ता.श्व-श्वन.वर्ट-किय-वर्ट-क्य-**ब्रुप्प-तृ-मबुन्-**८ म्बान्नुबानुबा विटानु-पविषय वास-रुप-प्नार-दिन्-तृ-पृथा हे-कुक्-चंब्र-प्राप्त इस्ता ८ क्रिंब ब्रुंट प्रते कुल मंखे प्रवादि स्टर वयाक्रियाविस्त्रात्रकरापाधिवाद्। रपानु खुबाधु ए वृत्रा संर्भू पासुना ञ्चन'तृबा ञ्चन'य'बुब'चेद'वुबा बनव'र्वन'वब'देख'महेव'वब'दे' **५५६ अर्ट्र- न्व्या** चेर्रे वेषायम् । विषयायक्षा विषया विषया विषया मन्जारमुटान्ववरारियामार्वे वार्षा पःदेश गुप्तःग्रथःदशःग्रुथःह्वदश्याः। पग्रदःपङ्गःग्रुप्यः। हे॰ **ॻॶॻॱऴॣॖॼॱ**ॻॗऀॱॼॖऀज़ॱॸॣ॒ॱज़ॻ॑ॴ॒ऻऻॾॣॾढ़ऻॢॹॷॱॻड़ॹॱग़ॱॳॖढ़ॱऄऀॱॶॴॴऻॎॸॗऻ ८**इ.चर.**भ.५चैट.चेरक.कुला ।**२ेच.चब**क.से**.चबट.**बेचक.के.कुला ।२ेच. **ढ़.ज.**५४.५.६.५४। । देश.१्त.कूथ.००.८वेटशं.थं.व्या ।१्रें ४.कूटशःक्वेट. कि.र ट. बुर. श्रूटा । ४६६४. घषु. सै वाया ग्रै. सै वाया ग्रि. सेया केंटा लम्हण्-पृन्तकरः। दिन्हें जन्न स्व न्हन निया गुना । धुन्य हेन्द्र पुर न्द्रिक्षा विष्या श्रुष्य पर्ने दिन्द्रिक्षा विन्ति तर्ने वा विन्ति विकास न्न ।वापवरसम्बद्धाः क्षेरकाकुरान् ।क्ष्याकुरान्तिः व्यवनायुक्षा । क्केन्पर्दर्भः स्था । स.पु. ५८ .खल. २.दी । भ्रव. स्वा खंब . पा खंब . तु**-क्केश** ।स-वै-५तुल-**स-**पु-है-स। ।रुदे-५नो-इ-४-सर्के५-हेब-पर्वे८सा । बर्केन्द्रेन्युर्द्राम्यर्भेन्याम् ।कर्केन्द्रेन्यक्षेन्यक्षेन्यूक्ष्रेन्यवान्ना ।

प्रचिन्नायाः कर्णयाः अवरायम्याः । क्रियाः ग्री प्रमुद्धाः पर्द्धान्याः पर्दः ॅ्रम् ।२ न्नून र्ह्र्येष प्रमानम्यायायाः । क्रुप्ता प्रमान प्रमान । क्रुप्ता । क्रुप्ता । क्रुप्ता । क्रुप्ता । इट्रऑट्युर्व क्रिया क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्षया क्षय ष्ट्रया भ्रीट. चील. तूर में भेषा देश है। विद्या चिया प्रदेश पा भ्रीट प्रदर्भ वा विद्या ट्रि.पय.रट. श्रुवं प्रथा मुक्षा । क्रुबर श्रुट. मुपा र्तर श्रुवं या प्रवी । क्रुबर श्रुटा <u> त्र, व्रिट, भ्रैकावका विषात्र, क्रका भ्रीट, धाकप्रट, त्रवी। । लट, ट्रेट, लकारट.</u> ञ्चवः तम्यानुमा । वार्ष्ट्राञ्चे**यानुमार्ट**ार्ट्राट्सम्या । सम्वाञ्चनारमा नुमानु पर रेन्या ।पर्ना वे खेव पु स केरे सा । प्र स पर अप स म ळूब.भूट.कुष.तूर,कूट.भुब.वया ।जेटेज.त.४टेल.((बुट.))चक्रेव त.((भूट.)) 다. 현대 [여다.날·어석.신다.ろ고,어먹. [교육,현소.최소.교다. 너는 12. ८ह्रथा ।अटयाक्षे**याचेयान्यरान्यराजीटा**। ।पन्नेमथान्यर्प्यापट्र**याः** ऴॺॱढ़२ऀॴ ॿॎऀॱॻ॑ॸॱॹऀॺ**ॱॿॖऀॱॺॱॻॱॾॢ**ढ़ऻॎड़ॸॱॾॣॕॸॱॸॻॺॱख़ऀॺॱॿॖ॓ॺॱॻॖॱॻऻॺॎॱ वै इट ब्रॅट भे १ १ लेबा । लाय ला दु के तर्व बाया । विद् कु बद ता प्रमुख यर क्रेंग । श्रे'शर म्बंबर न्तुरम्डेसरा र दर। । स्रे **र्झर म्बं**सर मुं क्रेंसर इयय.पीटा - विषा.प्र.१८.पी.इट.जा.वीटा वि.**चर.**लेल.वी.पी.चे.पीडा । त्र्या । वि.पंचट.लंटा.वै.सं.धूरे.त्र.कृरी । विश्व.पु.पं.कृरंप्यापी । 러美,고영소,틝어,요근,띛실,되,영실, 1 [출화,귀홑,攻,성성,다] 周\*

त्वैद्व्यात्र्व्यात्र्व्यात्र्वे । इत्राम्यात्रे त्यस्या । वृद्याद्या मुै। बेट में विवा । इस सु र हे र देव सा । मुल र वट में हिंद में किया। इस्या मुन्न । विद्यात्रायाः कन्या सुवा स्वर्धात विद्या मुन्न । विद्या विद्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स र्ज्ञुन्यमा । कुष्पराष्ट्रया कुष्पराष्ट्रया । वित्रे कुष्परार्घ क्षा । वित्रकुष्परा | कुलर्स हैं ५ 'कुर्सू स्वर कुरा | कुलर्स हैं ५ 'कुर्रेट लग कुरा | हरी मूर्रास्यान्। 157.८ मेरि शिका के क्रांत्र मानिका । क्रिया मानिका करा हर ब्रुट्यामा । श्रुप्ता सर्देष्या सर्वा ह्याया व्यापा । वारा हारा खुला न्युया श्री। यनायानुष्ठात्रुतादी । हरायतायनातृष्ठेवायते हमावा । द्वाहिताहीय वनार्यार्थन्। ।न्स्यार्व्यूनाळवान्तेरस्वान्त्रा ।हानाः (अवा) नामान्या मॅंटरे। विरायदात्वा अवातिका विश्वापिका विष्या विष्यापिका विष्यापिक या**र्भ**न्। प्रियार्ष्ट्रे न्यान्ते प्रेष्टे क्षात्री । न्यत्यान्ते प्रयुप्त यापते, प्रवासनी।। ष्युवार्ष्युं नायः देशे प्रमुपा । सर् प्रवेदः श्वेवा हिर प्रम चु'ठ'क्केब'महे हेनबा हि महे हिम्द चु'क्क्ष्रं । एल र्चेनब देहे हे षार्वेदाक्षेत्रसुदात्रदा । तृदार्विते के तत्वेत्रा सुदात्रहेता सती । सि.उ. मुभाव वार्ष्ट्रा सुवार्त् । १८५ वार्षे प्रमान मार्गे वार्षे वार वार्षे वार वार्षे वार् ८८.स्रि । क्र्यापाश्चास्यारवारव्याराय्या ।स्रावास्यार्थास्यान्यान्तरा

ॅर<sup>्</sup>क्रे खर**्र**्ड प्टर क्रेबा |२ ने क्रॅंट अट पॅर्ज्य कर के**र्**णुटा | बान्द पॅर मुलाद्यार्पातृ मुलायु राज्यायु क्षार्थियाम निवेश्वित्रित्यायान्युत्याच्यात्रः श्रुवा विष्राहर्षा खुवा ५तुकाणी ।ञ्च५'२र्ळटाक्रैटायां प्त्रुल'बुनक'५८'। ।<u>५</u>८'कॅट'गु'स'र'हरी हा । निने श्वर कुल हा कुर में निष्ठा । विषय विषय पश्चर वा निष्ठा । मुलापास्रह्मन्त्रित्रालेयापुराङ्गेया ।मुगमराखुलाचीग्स्राप्ता ।प्रयाचेग इद्रिक्ष के दिर्ग विष्या में लेगका प्रवेदर द्राया क्रिके स्वा विषय क्रिके क्रिके क्रिके क्रिके क्रिके क्रिके क ष्ट्रकाता विषायिषुःकुरायानुगन्। विषायिषुःकुरायान्। विष्यायिषुःकुरायाः <u>ण्'बर्'कृ'क्र्रेबस्'रु'बर्'न्दा । ५० क्रिट्र्यूटरण्'बर्'क्रेहेर्'यु। ।५० क्रिट्रंह्र्य</u> न्यायाळारह्मसाया । सुरिष्कुतासळवानुग्याञ्चेसा । माहु रहेना ५ विरायारी छ। ।ञ्च५'२ॐ६'सु'र्बे'रहे'। ।कु'यार'खुल'द्**य'**ळे'२ऍब'म। ।गा' पःर्मायः प्रहेन्यः पुःषरः क्षेत्रा । धुन्यः गुःर्ह्नः मृतः क्षेत्रः गुः। । युः अः १९८ त्युर के १९४४ गा। इत्याप्तवयायायः चुरार क्षेत्रा। इतः सूरायुरस् *अ*र.क्रि.हा ।चे.चर.लेज.४४.७.७५४.ता ।८चे.धूट.७.हे.टच.२े.क्रेश । ८म्.र्दर.तट्र.कुर.कुष.त.त्र.प्रेश कि.मर.लेल.र्य.प्र्या कि.प्र र्र्टानी कुला अंदे हो। । निने श्लिटा स्टरादा के त्रिकामा । दी र्राटा दा हो। पर'क्षेत्र। ।पर्म'रद्र'पर्'अ'र्घुर'म्ब्स'ग्रैस। ।ह्य'स'ठै'पेद्र'रे'स्र ঀ৾য়৻ ৾ড়৸য়৾৻ৡ৾৾৴য়ৣ৾৻ৠ৾ৼৢৼ৻৸৻ ৾ড়য়৾৻ঢ়ৢয়য়৻ৠঀ৻ঀ৾৻৴ৼঢ়৻ৼৼ৻৸ ৰিশ'ল্মুন্ম'ন্মা নুন্'ই'নেৰু,ফ্রীণ'নুধ্,মান'ইপ্রম'ন'ইপ্রম 

५८। अर्द्भकृतेव अर्केण ५८ म्बुबाला महिराष्ट्री मिर्हण महिला ब्यामु माराभु प्रदेशमा स्थापा भी प्राप्ता मार्थमा प्राप्ता विष्या मार्थि क्या भी तारा मार्थि मार्थि स्थापी स्थाप पति'कुष'पॅ'क्र्'क्र'क्र'र्या'या'म्बेर'८्रिख्याया पति'म्बेर'ख्य'पति'क्वेष'य**्** रुषु वटामे क्रायवरारमा लाममामा मेरिन है का मुख्या है से का मिन है ॻॱॿॖॆॸॱॴॖॹॺॱॻॖ॓क़ॱॾॗॖढ़ॱॾॕॸॺॱऄ॔**ॴॱॴ**ॹॸॺॱढ़ॺॱॻॸॸॱॾॕॱॎॸॆॱढ़ॺॱॺॕ**ॱॸ॒ॱ નચૈ**જ્ઞઃ∄શ્વડાઇ.તો.અ.ખ.તું.ખ**ડ્ડ.નોઽ્નો.ખનો**.વિદ.ટે.ઐખ.દ્રા.ખ.નોઝુ±.લેખ..... बसःबियाना है। हरास्राणी क्यां श्रीटानहा मुलासं विष्या है। यह व मीया पहरापालन्या निवरासुलापहे क्रेकालवारु के वरानी केंबा व्यवतार्माला बाम्यामहिःम्हर्नेरम्महेनाःमह्दायरःबुरवेदान्दरःमयान्दरःमयः बट्यानरः [[क्र.च.ज.]|४८४-ऋ्षवयामधुः चेषारी खेर्याच्याच्याच्या चेषा प्याणेटाचोबरान्ने अधारेषा देशावे या बेंबाना स्टे. में क्या श्रीटा पहुर कुलर्पा वि∙र्ब्राम् वर्षा केशाना सम्बद्धाः चुला स्थाना वर्षा विश्वास्य क्षा विश्वास्य क्षा विश्वास्य क्षा विश्व पहरें निष्यान्यान्य वेता लु चु ना चु ता व का सि दू ना ति ने ना शुक्ष चु व रहे व रहे । पहरायाभेवामभ विराह्मस्राणी वराव साधी वरानी केंसाया स्वराया मुद्रमामिन्यरारक्षाबुद्यामश्चरमान्या मध्ने, भेरति मधिद्वराय स्वाप्यामा केव'र्सर'चुर'य। श्वीम'र्न्सव'केव'र्स'मी'अ'श'के' ५' गुर'न्थ'श'प बुन्य' यया न्याया न्याया । न्याया विकास के कि प्राप्त के प्राप्त के कि कि प्राप्त के कि प्राप्त के कि प्राप्त के कि प ॶॺॱॻक़ॗॱॻॕॺऻ <u>ॸॖॖॖॖॺ</u>ॸॏॗॸ<u>ऄॣ॔ॻॱॸॣॻॿॸॹॱ</u>ॺॱॺॱॿॖॱॸ॒ॱय़ॱॾॗॿॱड़ॱड़ॱॻढ़ॗॺॱॻॺऻ र्देव-कुषार्श्वरः वृषाः परापसुषाः **वयाः श्विपः द्वाः** सः सः श्वः रापवेद्वरः ने

संक्ष्यां के स्वाप्त के स्वापत के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वापत के स्व

मुला-मृत्या अप्ता मृत्या अप्ता मृत्या अप्ता मृत्या अप्ता मृत्या मृत्या

र्वेश.वंश। श्वा.रेस्व.वीश.वील.स्यात.वीवश.क्रर्य.श्वा. वाद्वरया चै॰अ'यव कॅक्य'म्ब्रं म्ब्रंय व्याहु 'वसुय'मुक्य'सुम्'अह् न्या क्रायर सूर' बह्राम्बन्याम् । विष्यायायाये वेषास्रादेशस्य । गुदाह्मा स्वाह्मा द्वेच, प्रियास्। बुधासैचा, प्रष्ता पर्धः क्षा. प्रधः प्रधा ईथान र औट , अह्रेट, <u> २ चुक्षे ना दु ना द का बाव रा ना ५३ (विकेश्व स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त</u> सुरङ्गेन्याम् राम्यास्य विष्याम् । विष्याम् विष्याम् विष्याम् । मुश्रुप्तरायम् अप्रमार बुकार्य। यहार्श्चिय र्वेषा क्रायर ब्रुट् सहर् के ने वा सुदे हो। वे का लाकी हा के ने वा सुदा के ने वा सुदा सुदा से वा से वा से वा से वा से वा से हणकाणु प्रवार पञ्चर री विकाण स्वरावका इकायर स्वर सहर णु है। चॅराधुनाप्तबनायम। सरापत्राणुटाबळराहेगन्वे बर्दानाने रेंद्र Nब्राब्राच्चा क्रिंपारानु हैं देनका नुब्राहें पृष्ठा हो। देवका য়য়য়য়য়য়য়ৢ৽ৠৢ৽ঢ়ৼ৽য়ৼ৽৸ৢয়৽ঢ়ৢঢ়৽য়ৼৼ৽য়ৢৼ৽ঀয়৽ৼঢ়৽ঢ়ৢ৽য়ঀঀয়৽ঢ়৽<u>৻</u>ড়ঢ়৽ৣ 8E5'51

भ्रीद्वार्थर ने स्वार्थन स्वार्य स्वार्थन स्वर्थन स्वार्थन स्वार्थन स्वार्य स्वार्थन स्वार्थन स्वार्थन स्वार्य

सुन्द्र-(१८६०) विकास वि

बु'च'खंश'है। श्रॅच'चंद'चंद'यंद'चंदचंद्व'चंदचंदकंदं के स्वाप्त स्वाप्त

अत्यत्रभुष्टियामहेष्ट्रीम्पानस्याम्युवाद्याम्पुर्वेत्। हेत्वस्याचेता क्रैट-सिला विट. तर्रे . लट्रियायम्बराजनाक्षेर्यक्षेर्यविराक्षेत्राचीयायहास न्द्रियनुत्राचनान्द्राचेदान्द्रियम्बुअय्यक्षेत्रम्यायदुन्या क्षेत्राद्र्यद्र मे सार्थिक स्वाप्त के प्रताम के कि स्वाप्त के के स्वाप्त के के स्वाप्त के के स्वाप्त के के स्वाप्त के कि स्वाप मुंक्र हैं स्वित्र हैं विद्या तर्ता सर्हें। सर्वायि हैं हैं रेने पर्याम्पत्र सेट वेदि वि है साम है नाया भाषा म बुनाया सी महा ने प्राम्व व द समा वै मिन्द सेट मे मिरेरेरेर अप जुनकारी संदूर या द्वास वै वि माया है त्या पर्वेतायाच्या मिलात्र्यात्याच्याच्याच्या मियानाच्या प्राप्ताच्या प्राप्ताच्या प्राप्ताच्या प्राप्ताच्या प्राप्त <u>चूरु.चू.ला चूरे.कु.रस्वै.छटा चै.चेर.कु.रसंब.छट.रटचा वैच.रक्ज.</u> भूर.त.वेश.वंश.बेश.ता छा.अ.ट्रा तटवी.वृ.क्ष्य.भूट.केण.त्रर.बेण. पर्वेषायम। कुंग्नर'ख्यादापर्वुग्यायाची क्रमाप्तारादाराव्हेदाप**रंग** कृत् . खेट . चोड्र चो. ग्रीट . घा ते बार प्राप्त . चे . चार्य हे . चीर्य हे . चीर्य हे . चीर्य हे . चीर्य हे . मुब्रामा रम्मानपुरक्षामा र्वे स्वर्थित स्वर्थित स्वर्थित स्वर्थित स्वर्थित स्वर्थित स्वर्थित स्वर्थित स्वर्थित मुल'सळव'सुट'रु'पश्चल। देश'दुसंश्री रे'वश'स्रामह'हससास्र पा बह्र मुट्ट क्ष्याचन्त्रा संदे पहुः न्युवः पुरक्षः मृ पहुं न्या छु मुद র্বি'ন্ন' ব'র্ম'র্বা বি'ন্তিই'র্বা'হেন'। ঐই'র্বা' ※লু'ব্ব'ত্র'ব্বা'※ निर्देग्वेर वया प्रति देवयकुष्परकुष्ठात्र्यवःक्ष्वान्य

ৰঝা ছ্ৰেমেই ট্ৰেম্ব অছুনান জুনাখন নিন্দ অখন মূড্ৰেমি আছে गराम्वेग्रायान्दा छुन्द्रायराह्रसायान्दा मान्द्रावेरान्याकु णाञाला क्रें लार्टा सम्हर्म क्रिका 출드'다'시'전미지'다'저도'현'ਰ"(제'저'자'저도'전'다를 지 됩다'두건국'전'축'지'**동**' प। **अर्द्रराम्यश्चामुःमलु**राष्ट्रसम्बर्द्राम्याल्वास्याम्बर्धाः ५८। ६४.७५४। झूल.भा द्याचीला द्यापह्यया **ॻ**2्यायः २**ग**रायः स्यायः पाद्धे ग्याः स्यायः खारायः स्यायः स्यायः स्यायः स्यायः र्घद्राचे याता के रहार्टा विष्ठुं चा कृत्या हुं दा गु यार है के र हि स् **ॻॖऀॳॱ**ॸॴढ़ॱॾॕॺऻॺॱय़ॱक़ॖॿॱय़ॕढ़॓ॱॺॣॕॸॱॸ॔ॸॱ। ॴॺॸॱॾॕॻऻॺॱॺॗऀॱॿॸॱॺॸॱय़ॕॱ ्च श्रुप: द्वाप: व्याप: व्या ๚๒๘เৡ๘ฺ๛ฺ๘๛๚ ฐ๚ฺฺ๕๚ํ๛ฃ๙๛ฃ๙๛ฃ๚ฅ๎๚๛๚๛๚๛๛ฃํ๛ 본다. □ □시당,□합는,☆□시, 토리시 □시간, 돌리시, 돛□시, 전급, 당, 첫미시, म। निषय प्रतासनिय र्मा अरामहेष सुर अरामि मिन्नी रही देशे र्भपत्र शुःशःम्र देरदेर्द्र व्यः कुलः क्रं यदेर्द्र द्रावे वर्षे क्रं वितर्भित्र वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे व घॅग्पन्टाक्टेंग्टबाकुंग्परावबान्ग्रायाबुनावबार्वेषान्ववाकुंबिटान्ववाकुं मुशुद्यायहे क्रियाहर्षे प्यत्राप्त प्रति क्रिया विवास लार्चना हुन र है। ज्ञान कार्या क्रिया हुन था व या नयम लया व से न से र र र

बुसार्नाक्षरायांचेराने प्राप्तान्यसारेरार्यर विनाचेराते। र्वानाप्तानामा ल.भु.२४.त्यापर.६्याव.त.कृषे.त्र.चीवंटय.त.ज्ञा इ.२.द्र.च.व.पाप.वीज. ऍ-हेरप्पट्याग्रीयाक्षाय्या विर्ट्राम्खाञ्चार्थेरायायाया য়ৡয়ॱग़ॖॱऄॱऄॱय़ॗॖ॔ॖॖॖ<u>ॣ</u>ॱॱঢ়য়। देरॱ在॔॔॔॔ॱॱॻॖऀॱक़ॕॖढ़ॱॻ॔ॱढ़ऺॺॺॱॻॖॖॖॖॣॖॣड़ॱॵ॔ॣॸॱऄऀॱॣॕॱ**ढ़ॱ** ঀ৾৾৾৽য়ৣ৾ঀয়৽য়৽য়৽৻ড়ৢ৾৾ঢ়৽ঀয়৽য়ৼ৽ঢ়ৢ৸৽য়৽ড়৽য়ঢ়৾৽ৼৼ৽ঀয়৽য়<del>৽ৼ৽ঀ৽য়ৢৢঀ৽ঢ়ঢ়য়৽</del> รุธานัาฮูา**สุรา**ผูลารูาฮัสาดฮัลานราบรุธานสาสุธสาด**สุธา**ลา**ฮู** अदि'न्येत्र-मुक्त-पश्चित्र। मृत्यमुँग्या<u>नु</u>पारायाम्ताम्तायमुँग्यामुवा लेन्य- गुवः न्यदः त्यवः वयत। १ खुलः द्र्या (देःखुलः वर्मेत। ) ब्रुंच्यापद्गराणुटाम्बेरासेन्या ने द्वरापठन्त्रम्टासर्पुणवारस्यासुटा पः बेर्'रेर्देव के। श्र'मॅर'दी 'रॅ'र्ड 'व्याञ्च पञ्च र १९ र प्वेता विया प्रसार 메염록'다줘'□□□[률씨ː젊'죠'다'类ㄷ'듯'髮미씨·다'ề미'다ゟ'츳ㄷ'l 젊씨' परिः र्र्टा भेवार्र्टा रुपञ्चिराम्याया भेगा यातावियापरि प्रिटा कृपा र्वेञ्च प्रमार भेर प्रमा मान्द से ए मेरि वि मि हे मान हे मान द स प्रमु मान से। 式乙,仍,雖否,髮生,其玄玄,仍玄,而己,爲山玄,口,公良之,口,擧,之,口也山玄,口,爲切l ब्नमार्श्वे मंत्राह्म मार्थे देवमारी मेर्ड मार्थे महासदार्म्यामण्यातस्य पर्वता सिदास्य मण्या स्वाया हु,बट,कैंट,एग्रेज,बट,त्र,पक्षैंट,बंबा क्र्य,ग्रे,एध्ट,प्र,पध्नंट,र्रा रू

चन्नाताके प्यट्रचा मृर्रेट्रचिते केंगान हेना लुरतकता लेवा केंगाव गी। त्रम्भाष्य । व्याप्त कुलायां अहराष्ट्रके तार्हा विद्राविषयार्द्रायाञ्चेषा । इताविष् मुल'विषय'दर'वर'वरे। विष्टाची'यहि'यहिंदि।वि हि.पर्व. द्वां प्रख्या । ते.ज. केज. प्राप्तर प्रति वे । श्री प्रति प्राप्ता **प्रमुखामा भिष्मा । भ्राक्षा मुर्ग्य मुर्ग मुर्** श्वभाषान्वकृष विषास्यास्य । स्वर्षास्य । विष्टास्य स्वर्षाः प्रवृद्धः त्राप्तात्वेषः याः कृषः याः वृत्ताः वृत्ताः वृत्ताः वृत्ताः वृत्ताः वृत्ताः वृत्ताः वृत्ताः वृत्ताः व न्यामिक क्षा विषय स्वाप्य प्रमानिक । द्वाप्य प्रमानिक विषय । कुल'विषय'देन'व्याकुल'यं 'न्याँन्। ।यँन् '२००० संस्था'तु 'कुँन्या प्रदूर' करा विषायद्भाष्ट्रभाष्ट ロ.ヰํฑ๚๛๚๛๛ฺ๚๛๛๛ฺไป คืยูนานฆับสามาันาลืบผายนา **अर्-्राव्युः वर्ष्युः ।** त्रि । विकारवाक्षेत्रायाः हो विकास्य । त्रितायाः स्था मुंबान्तरे अर्। विटाल्य हुटान्वित्र निवान निवान निवान निवान है है का ८्टू श्वयः वियाग्री यवटः त्र्रे विट. तः श्वर । प्रत्यम् । व्रत्यम् । वेर् न्यम् । पश्चित्त्रापिते सद्। म्यार्थेव उव श्वुद पिते सद्। व्यास्त्र स्युप मिरे अर्र। मुडम र्हर प्रार अं पर्हिन परि अर्र। वि नो मुहेन अर्हेट र्मारे अर्दे। दे क्षया प्रश्नुरावया कुला मिरे प्रुणया द्या द्या व या वरा सर 러른기 4८.너뷫仁석.심.돌니석.집,되는,뷫仁.요.너니,신仁.디오성.디.디륍스.너석

भित्रत्म सहित्। देग्यदाष्ट्रवाकेमसारुवासुसार्ध्यास्याह्म वाद्यादान्यत् देन ลธลลาลิราชิาผลาฮูลานลารุฮูผานราชูธานาผารุนผาทูสารูานละานัสา युन्याहेयाय वुद्वत्वया वृद्यादे पावेव पु कुषा ये है प्रमा हे मा १३ सया कना गण चभूटयाहे। ईवा,मैचा,विटावर,वीराहे। वायट,वधु,वधूंटयांथे,वथाया याप्रकेषाञ्चाराप्याच्यायाच्या व्यापित्रम् वर्षेत्राच्यायाच्या মা খাদং দেশু ছৌ নে জু হৈ নে শীলং দু হ' জী না ন ধ না খালা ॻॕॖ॔॔॔॔ॱॻॳॴॳॱ॔ॕॖढ़॔ढ़ॱ॔॔॔॔॔ढ़ॱढ़ॴढ़॓ॱॻॳॴॳॱॻऻ॔ॖॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॣॗॗढ़॔॔॔ढ़ढ़॔ढ़ॴढ़ [म] अय्यापारवियाहेग्वह्याहेग्न्दाच्वर्याकुग्वर्याक्वर्या म्भावन्यायः प्राप्ते विष्या विषयः बेबबर्न्याम्बुद्धः यस्य ब्रेन्याय रम्याय विवाद्। कुलाय दिर्द्या केम् चुः परे दर्भ कु थे ब्रुव पर रु प्राप्त है रहे रहा। व्राप्त व्या स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वय स्वर्य स्वय स्वर्य स्वय स्वर्य स्वय स्वय स्वय स्वय स्वय स्वय भैरायः स्वायान्य स्वरं रिनेरं सरः स्वायां स्वरं राज्य स्वरं राज्य स्वरं स्वरं की ख्री राज्य स्वरं स्वरं की ख्री राज्य स्वरं स्वरं की ख्री राज्य स्वरं परे खपरासदायां प्रदासदा है। श्वीं प्रदास सम्बन्ध स्वास्त्र स्वास्त मुर्वेग्'र्टा द्वेष्ट्रं हिंदां ने द्वा वार्श्वा विवा विद्वारा विवा मब्ब प्यटाम्बेब है मबिट १० करामा बना या। कुलाया है अर्देश अर्देश अर्देश सद्रायः प्राप्त प्राप्त स्वर्भाया प्रमुत्रा सुरम्पा सुरम्हेरा सुरम्पात्रम् यात्रा कॅम्प्रान्यक्षायात्रा **न**्द्रार्म्ययायात्रा केत्रार्म्यायाया स्वायाता. क्राचा अट. त्रायह**र**ाट्री दे त्याचे ये त्या प्रीर प्रीया ट्या त्या यी व्या म्रीया विं प्रतिया विष्याचित्राची भी तिं विश्वा पि हेर्या

दे<sup>,</sup>दबःकुलःप्रकाकुंग्नरःदबःन्दवःउट्टबःसहःप्रहःप्रकःहःदबबःलःःःः मार्श्वराष्ट्री मार्थिया मार्थिया व्याप्त व्यापत र्षेन्यस्य अदार्घाषुयाने मान्दारम्य प्रतिहासा विष्ट्रं पा इवयाया हैया ॻॖऀॱॾॖऀॺॱॸ॔॔॔ॱॱॿऀॱॸ॔ॻढ़ॱॸॕॱ। ॸ॔ॿऀढ़ऀॱऴॕॺॱॴॿॺॱॷॱॻॾॖऀॿॱॿॕ। ५६४ में अर्थ के १५ ५८ । कु मर कु मर कु मह दे १५ इस सम्बर्ध स्तर्भ मिन स U.山실도,형l 됬.첮.ㅁ.૮८.덫之.엉ㅁㄷ४.복匆४.ẫ४.ॿ.山ㅜ.╓प.긷.ㅁ훪o. मण्द्राचर्ष्यावस्यार्वेद्रायाभवार्त्र्राचण्दर्देदाकेष्यायम्बर्ग्या कुलायाविर्धेदर **흌·자·5**| 쾰마·፲·염·젖ㄷ·현·ㅁ숙գ·미정레 훵·ㅁː떠ㄷ.듁.마.떠ㄷ.여성.엉릿마. শ্ৰীষ'শ্ৰুৰ'ৰ্'্যুক'ম'মীৰ'মম'মজুৰ্'মম'মাশ্ৰম'। স্থাম'ন্মৰ'ৰ্ম্ম'ন্§িম' [[ॻॖऀॺॱ]]ण॒८'पबुग्य'पर'व्याचे्य'पवे्य'हे। बाव्य'प्रं'हें 'य' र्रः'वृट'क्प' **श्चेट.२.२**चूटकातात्वत्वाकाञ्च। श्चित.२चूच,त्व.४८वैट.चेवकाका **ख़ॱय़ॖॖॖॖॖॖॖज़ॱ**ॸॖॏॱढ़ॖॸॱॸॖॏ॒॔॔ॺॱय़ॱॺॱय़ॿॖॖ॒ॻॺॱॺॕऻ

तर. परीचात्रा चेबर. रूपवार्ट्र हे खेचा तर क्षा खेर प्राप्त के वा व षष्ठ्र व्यवस्थान् । व्यवस्थान् व्यवस्थान् व्यवस्थान् । व्यवस्थान् व्यवस्थान् व्यवस्थान् । व्यवस्थान् व्यवस्थान विष्यक्षेत्राकाता श्रुन्प्राची श्रीमायाप्ता वर्षेत्राची श्रुमायारा स्थाप प्यंत्रक्रा विषया वात्र विषया में निषया विषया वि तहमा हेत्र मुँ हुव्यम् विग्या श्रु क्षेत्र या प्राच्या व्याप्त खुरा खुरा माने हिला है। न्युट युन्य गुं के द्या महिंद रे दुवाया अयुन्य हे के द में रे में प्रेर ८५ुम्'ॡ्रथ'सर्वेदा ।<ियर'यरे'सु''द्वर'रहेम्'हेद'र्देग्य'य'रर्द्रया ।य' ĸ♥ĸ.러၌스! l@.ロイ.ਖ਼.원.네☆.[돛,톳৫,]특네석.스회너.소회 id#<. য়ঀয়৽৻য়ৢ৾৽৻৻ৢ৾য়৽৸৽৽ড়৽৽ৢয়য়৽৽ৠৢ৾৽ড়ৢ৻৸ ।ৠ<u>৾৽</u>ড়ৢয়৽ৢয়ৼ৽ঢ়ঢ়৽ঢ়ৢয় इव्ययः मुलः स्ट्रेख्ला । निया कृषः व्यायुन्तः निरायक्षा । 출경미요.lㅁㅈ.タ.띨,츻.ĸ.듐리ɑ.ŋ.ĸ펅ㄷ.ㅁ权.ㅁ뷫ㅜl [美.토.침네私.ŋ.仁ŋw. ८|इर.४घर.घ.२घ.। ।घटु.चोचेचाय.वीचय.की.हर.घ.चु.घ.ची <u>इ.५७४५:२त५,रीच४,८८,७९६४,७,तिबी,७९७,तर्ह्सी</u> য়ৢঀয়৾৾৽ঢ়ৢ৾৾৽ঀঀ৾৽য়ৢ৾৽৾য়ঀয়৽ঀ৻৽৻৸৸ঢ়ঀ৽ঀ৾৽ঀ৾৽ঀড়য়৽ঀড়ৼঢ়য়য়৽ড়য়৽ ଜ୍ୟା ।ଞୂପ୍ୟୁର୍ନ୍ନ୍ର୍ୟୁର୍ନ୍ନ୍ରିକ୍ୟୁର୍କ୍ୟା ।ଞ୍ଜୁଜ୍ୟୁଜ୍ୟ चन्नाचे क्रमान नुसादमा । खुरिहा कृदानु न्ना स्थान के हिसागुहा। । वन्ना था য়ৢঀয়৾৽ঀ৾৾ৼঀ৾৾ৼৼৼ৽৻ঀ৾ঢ়য়ৼঢ়ৢঀয়৽৸<u>৾</u>ৢৢঢ়য়ৼ৸ৢয়ঢ়য়ৼ৸য়ঢ়৽য়ৢয়৽৸য়ঢ়৽য়ৢঢ়য়ৼ म्नुमापि के मा पर्माया युग्ना के का प्रमान के मान के स्वाप के मान के स्वाप 44.84.26.22.22.62.624.1

ने व व र्रीय न्येव चुव चुव र्य । या व व व व व

型N.灯.

छोष्यार्डे।

**ळॅसॱक़ॗॅ**८ॱम**य़ढ़ॱ**महे अ८९ॱमह्ना थेद्। ।म्ना मेस १८८ वेद १३६ १३म । ८६व.व्या विषाम् केष्ठ्रस्य स्थान्त्रस्य मेर्ट्य मेरा स्थान्य रहा ह्मण्यः तर्देन्यायते स्थाप्तात् । क्वितः स्थाप्तायः प्रेत्यः स्थाप्तायः सु ह्मणयायरामग्रीहा । पायुम्यादया सुम्बह्मराष्ट्रिम्**य**हमास्यापरामी स् दार्टा के. मूर्येर क्रियो रूपका है। से इ. में हमा स्थाप के प्राप्त क्रिया विवास हिंदा है। वा मिनो क्रिना स्तार् पेषुव पारि १८८व मा है । अदा प्राप्त व व व वितर है । **अ५७५८।** कु'णर'अ५'पविष्याचिष्ठर'हे। रु'पवि'कु५'वावहेब'वव्याचा केव'र्र'हेर्नुग'यहरा मनेव'हेर्रल'यहर्मुर्'र्टा मनेव'हेर्यसर **वन'**नै'कुर'ल'महेव'वया लहब'र्मल'सुहे'सुम'यमब'बहर्'र्ने। हैं' सर्वे प्रस्थायहे कुर्र्रा यह्न र्वाटा केष्णे कुर्यायहेष्य वार् **अःमञ्**टःनीः सूच वनस्य सहर् द्। षट र्ना र प्वाहना रेषु ट रेश परे सुर ५८। है र गामल संरदा तहेन हेन तर्य यह राय हेन स्व षद:८म् बुन्बःग्रे बु्दाः व्यवसंसद्दःद्रा न्यदःयः से वे वार्विदः सि ८८। पर्नः के त्वह्मानी लिटा प्रवास प्राप्त क्रिया ला प्रवेश प्रवास प् ५८। वैरायामञ्चानिकाणि १५व १६ त्यामञ्चर विष्यामञ्चर · 여자·한 '월디'정디적'러트디 최'최'초(이'다'중 '디추'遺드'두디 최도'다'리저' कुर्'ख्ट' ल'पहेद'द्या व'र्ब'र्द्य्या क्रिक्ट्र'महिट'नी खुप'श्रप्या व्यवस्था क्रम् त्रहेनं हेन त्रस्य त्रस्य प्रति सूचा पा हे दुना मा। रेना त्रहेन रेला प्रते क्रि.रेटा द्वारह्बरप्टेशतपुरक्रिरायापुरेबरब्बा द्वारह्बरक्री में

प्रस्तान्तर, हु, ता का स्वान्तर, विद्यान्तर, हु, ता का स्वान्तर, विद्यान्तर, हु, ता का स्वान्तर, विद्यान्तर, विद्यान, विद्यान,

रेद'केद'स'शे'रेंद्। बेर'र्मेट'चडर'न्यश'शे'श'र्सन्य'टार्डीट'द्यंद' मन् विदेश्या वृत्त्रावा विव द्वा प्राप्ता विष में हे रहम वा के राष्ट्र है । सुर है । लान्यताल्युन्रार्भे श्रुवायिरिष्यताचेत्रा श्रुवायावुत्रायतात्रवत्रवात्रात्रव्या म्युबरके पर्ये हरा पर्टा हेट दे रहे व वया परि सुवाय र्षेता दी रे रं रहा 명도·친·용미·희두·듯·저도저·퓝제 장미科·튥·주·낏·저·도科·디듯두·쿵·디鴑디저· নৰা প্ৰদান্যৰ্থ তথ্যপ্ৰবাহীৰ নামান্ত্ৰী প্ৰধাৰণ বৰ্ষপ্ৰধাৰণ বৰ্ণী পৰিছিল महिन्द्रः विगमिते सुमारा विमाल सुमारा विमाल सिन्द्रे मार्थिक विमाल सिन्द्रे मार्थिक विमाल सिन्द्रे मार्थिक सिन्द्रे सिन्द्र सिन्द्रे सिन्द्र स म्बं म्यान्मा केषाङ्गिनायार्वे म्याने सुवायार्थेव। सम्बासुका सेवा भन्न मं केल सं प्रकृ प्राप्त प्राप्त का स्वाप्त का स्वाप्त का स्वाप्त का स्वाप्त का स्वाप्त का स्वाप्त का स्वाप ्रविरामित्युवामार्यमावया रेजाप्रहेवान्नीप्रवास्यामित्रवास्या कुलामासकेनाप्त्वत्याप्तातान्यात्रास्याचे वासु याव वाक्षान्य वास्तान्य वास्तान्य वास्तान्य वास्तान्य वास्तान्य मुनेम्बा बाबान्दर्रात्मिया इदानाद्याकावरार्धमाळेदाबन्दर्भूना त्षेत्। मुलम्क्तिः हुन्वःर्स। दिः स्वरंद्ययः ग्रीः म्ब्रंदुः हुः यः १००३ स विवारी मुन्याम् विवादा केता विवादा केता सम्भाग विवादा विवा स्तिम्मी र्वेतातपुर स्त्राचीतात्र केषा त्राची स्त्रीता अपूर्ण क्षेत्र हेर.४ वर्षे दे.प. सूचेयातपुर्यीता हूचा भटा तृती विषा ध्रेया व्यवसा १८. ฏิ**अ.**चर्चे तथ.पथ.वीच.ता.बूच.पष्ट,जू.क्ष.क्ष.पटींट.जचेथ.ख्री

दे.चं य.केल.चूंडू.वं यं चें च्याला कि.चक्रे.चं य.के.कें यं या कि.चक्रे.चं य.के.कें

८८े'म्रुं न'लन्'न्ट'ने'शुट'अ'र्केशःशुट'न्देन'र्नेत्र'यर'८५व वस्त्र'यः वमा भूतः । स्वापन्यातम् वारम् वारम्य व वा बुवाया दे। को या है। श्रीया प्रचार के दार्याया वा वा विश्व के दे बन्यास्त्री स्वाचार्याः विद्याः स्वाचार्याः स्वचार्याः स्वाचार्याः स्वचार्याः स्वाचार्याः स्वाचार्याः स्वाचार्याः स्वाचार्याः स्वाचार्याः स्वचार्याः स्वाचार्याः स्वाचार्याः स्वाचार्याः स्वाचार्याः स्वाचार्याः स्वचार्याः स् ईदारपद्याद्याद्रम्थात्र विद्याद्या । दिवस्याव्याद्याद्यात्र विद्याद्यात्र विद्यात्य । विद्याद्यात्य विद्याद्य सन्या विनयाणु प**देवाता**सेटातान्दारातान्ती ।श्चितार्त्त्वार्येयाहरा म्बुद्द्रव्याम्बद्द्रपराखु। विवाधुवायवा व्याप्त्रविवाधुवायम्बर्द्धयाया ®'अ'र्ट्ट| नुरु'गुट'हे'टव'हे'टव'८म्ँ। |हेट्टे'युन्य'न्य'पय्य'ण्टा<mark>'</mark> | हुर। ।वार्थवालवानिटालारब्याविटारकर। ।क्वित्राचराकारकर। र् मार्दिमा । प्रमुखार्द्रमार् <u>बुर.तर.एकेरा ।कूब.र्षर.बर्ष.विबा.रूर.तर.कुरा ।कूब.र्षर.विश्व.</u> म्.४९४ ब. १४. वृथा । इत्ययः त. त्या १८ व्या १८ विष्यः वृथः विष्यः वृथः विष्यः वृथः विष्यः वृथः विष्यः वृथः विषय तथाश्चीया । क्रिंशम्बार्यमान्त्रम् । व्याप्तर्वा । क्रियं व प्ताप्ति । विषयं व प्ताप्ति । विषयं व प्ताप्ति । विषयं व प्ताप्ति । विषयं व प्राप्ति । विषयं व प्राप् यर मुेत्। श्लिप्तं वर त्या अर्हे व मुक्ता व स्ता । स्वाया या वर मुखा अर्षु । बुद्रामान्द्र। विश्वबादिरान्वे छेत्रामान्द्र। विदेव छैपन्नामान्द्र। यर दिन। क्रमानुन पर्दं दायर क्रमनुन हिन्। । विष्या प्रस्ति विन्यम्ब भामहै। मिंबाह्य द्वितेषुवाय मुँवा विष्ट्र हैन सदीहि द्वि मुँदा।

[[###4.24.3]][==4.4.4]][==4.4.4] मझ्दायातहिनामहे स्वाप्त वा विषेता विषेता विषया विषया विषया बुद्रकुष्रयाद्याक्रात्वा ।इंग्५ र्क्षावावा पाकरे धुर्रे <u>८म्रम्बर्वस्टिं। दिक्तिः तम्बर्धान्यस्य</u> **८े.४४.केष.५४.४५.२.२.२५.**के.स्थाचे.पश्चा केषात्र.४८.वे.४४.केष **छ। यनुन्यायबिनावमार्याबेनाणुनाछ। म्यायाणुग्दाबेन। न्याता** म् देने क्या क्या ची ची देने हो १४ हिया १४ हिया निया निर्माणकी स्था **णुैं हेरान्द्रिं** प्रदर्भे प्रवास्य प्रवासी विष्य स्वासी स्वर्भे प्रवासी स्वरंभे प्रवासी स्वरंभे स्वरंभी स **बॅरनकु। युँदेरस्यायराणान्यायकु। वरानास्वरायस्य यास्यायस्य स्यास्य स्य स्यास्य स्यास्** पक्की श्रेष्ट, प्रसम्यान् । हिला तथा स्थान है । स्थान ह **मै**'ल'पम्। ५र्गेर'५८'भ्रे'९६े'भ्रेर'दे'५६८स'दस'मुट'। ५े'दस**'४**म' <u> नमॅब'मन'सारचुर'मावकाण्या नमे'नणर'नणेर'सहिं मेहन'होत'नु केवाम् इनका</u> र्ने ।

 दे व का र्श्विया द ये व राय द का राय द का

८८ः भ्रुपः व्यवसं प्रवस्त के विषायान स्थान भ्रुपः स्थान स ८हेबःकुबःह्राह्राभगवायाद्वेषुर्दात्या व्युतात्रवयावयाकुवावाया मृह्मान्युर्द्रा केटाव्याव्याव्याव्यायात्र्यात्रम् वेत्रायाः श्चाक्षरमः र्टा **६.८िमाक्षरक्षरः मा चावका** क्षेच्यका हूचा, रटा अनू विमान <sup>ल,</sup>त्वराचेत्रपते सुप्तुरायाज्ञात्रायाच्या अहे क्रान्य मान्द्राया स्वराया पश्चर'र। देग्वराकुल'यावि श्वराहेग्वरवालायहेवाशुराह्मवला**न्दराही** पन्नारहास्तान्यात् पुरान्वात्रान्ता दीः संखान्यात्रात्रात्रा ब्यार दें का में बार दें विद्या में पर्तः है 'वेष्य प्रस्मय मान्ता [ पन्तः ते ] प्रेतः तु पन्ता केंद्र सेष् विवासायाकेटमा यटावाक्षेतात्रा एवावाचा यटावाकेटाहे केवारम् घःषःञ्चुःष्यदेःहॅरःषःच्चेता ८८ःन्युव्यः८न्। ५८ःवः[(८न्नेषः] वरा न्। ५८ः वयः दवः रूपायः रहेतः चुरा व्यायः ग्रुः पद्माः संग्वा ग्रुः व्या ग्रुत्रा ग्रुत्रा ग्रुत्रा ग्रुत्रा के पसुषाद्वार्यदासुदा देपसारेवाकेवार्श्वणाद्वराकेदा देवा स्वापसुद्या 

 「「中華」」
 「「中華」」
 「「中華」」
 「中華」」
 「中華」」

**ह्य-ह्य-१८७५**१० श्रमान्य विष्या स्वापन स्व 다고.현대.다리.봊.엄마고.말! 라니.[[리스.]] 디르드.[[머리리.]] 니Ո드 시.다. बहरामन्नाने सुन्यान्निह्या था श्चिमन्द्रिया प्रमाने वा सुन्या देवा प्रमाने वा स्वाप्ति । षुत्राचात्रात्वेुकायरात्त्व कॅरान्तराके चरात्वाकुला<u>[यान्ता]</u>। ञ्चन'न्यं व्याद्व'यर'वेब'याकारत'यब'कुल'येते खुन्ब'न्यं दब'लाने हेर''' न्र'याप्ता श्रीयाप्यं विश्वाया विश्वाया विश्वाया विश्वाया विश्वाया विश्वाया विश्वाया विश्वाया विश्वाया विश्वाय मुं अर् [ न्दर] दे हुर्विन विन् युर्म् स्त्रु नवा व वर्षे केवर केना बुद्धर विन नबिद्यानान्ता कुलाल्हाराष्ट्राचावानाम् कृतानाम् कृतानाम् कृतानाम् कृतानाम् कृतानाम् कृतानाम् कृतानाम् कृतानाम बर प्रता देखावन विन ने ने अर रेंदा व वा रे ने वा ने दिन ने विन ने बिलावस्या हिहासीचाराहिताचार्याः। क्वीच्यूरावश्वस्यात्वीक्र्यायाह्नायाचरः घुरमहै छेर हार मर बर्णी देशेद राम बुर मा वस्तर हर महिर हुं टायाद्वाञ्चा अत्राद्वा क्ष्याचा अत्राया क्ष्याचा अत्राद्वा क्ष्याचा अत्राद्वा क्ष्याचा अत्राद्वा क्ष्याचा अत्राद्वा क्षयाचा अत्राद्वा क्षयाच्या क्षयाच्या अत्राद्वा क्षयाच्या अत्राद्वा क्षयाच्या अत्राद्वा क्षयाच्या क्षयाच्या अत्राद्वा क्षयाच्या अत्राद्वा क्षयाच्या अत्राद्वा क्षयाच्या अत्राद्वा क्षयाच्या क्षयाच क्षयाच्या क्षयाच्या क्षयाच्या क्षयाच्या क्षयाच क्याच क्षयाच क्षयाच क्षयाच क्षयाच क्षयाच क्षयाच क्षयाच क्षयाच क् त्याच क्षयाच क्षयाच क्षयाच क्षयाच क्षयाच क्षयाच क्षयाच क्षयाच क्याच क्षयाच ढेख**ॱन**्युंटकायाद्रा चुलायाङ्गेर् युग्नवःक्षेुटकाहे प्रांकायराचुरावका मुनामाके मना के किया मुदार मार्चे मार [ ुद्र भेषा ] प्रणार देव ठवा द्र द्र क्षा १ वरा मा मित्र विवास ्यान्द्रराम्यायाम्यया पर्मुत्याषुनाः श्वेषाः क्वार्याः स्वेषाः क्वार्याः स्वेषाः वयाः द्यन्'न्यु'र्वि,'युन्'तव्या ने'वयःश्चार्य्य द्वियःश्चेयःश्चार्यः तानश्चरयः मा कुलार्चा हैन के खेबबा ठवालन्य समा खेबका हैना सामुदायदा तका हना १ अरु कु सेत्। हार्ने स्वार हुँ राया भिनाय से सराय विद्या विद्या सेत्र रटाचन्त्रम् यास्यात्राह्ना श्रेश्याह्ना श्रेश्याह्ना श्रेश्याह्ना हैं परवर हैं रतपर मं हैं पुर हें स्वा पर्या प्रमायक सम्बद्ध मार्ग के दूरी न्मव्रामन् व्याप्त व्याप्त विष्या मुनेष्या यह प्रवास मिव प्रवास स्वर क्केशहा श्रमार्मद केदाम वितास मान्य हेब्रह्मरायायार्ष्ट्रेट्याणुग्यरापुःकार्यायाय्यायात्राम् **२म**'एहेंद'र्घेन'म'बनस'हे'हे'सुंदे'र्झें'देंस'मङ्गेस'म्यालनस'**देस'द्रस'मस्** য়ৣ৾ঢ়৻৴ঢ়ৣঀ৾ঀঀৣ৽৻ঀ৸৻ঀ৸৻ৼ৸৻ৼ৸৻ঢ়৻৸ঀ৽৸৻ঢ়৻৸য়ৼ৻৸৸৻৸৻৸৻৸৻ঢ়৻৸৻ঢ়ৢ৻৸ नवासुग्व वाक्ष्यकासुग्चा त्वा स्वानुग्व विवानुग्व स्वान्या र्हे हे 'हु 'सुर' सुर' या थिवा वर्षे वा स्वाप्त 'तर वा वर्षे वा स्वाप्त है 'हे 'हु 'सुर' सुर स्वाप्त है 'है 'ह लाम्बानायान्त्रमः देना विषयाम्या प्रस्यानुयाः कालाप्यान्यानुराष्ट्रायाः वयाळाडे हे ता निया सहस्राधिया ने वया ही प्रति स्वरासिका भेवा ह'न्य हुट ने पदे दें राय पहेव व कर न्या कर के या व हिया बाबक्वर्ट्राह्नवर्ट्यायाश्वावतात्वर्यात्वर्यात्वर्यात्वर्यात्वर्यात्वर् रु"[मावस्या] व्यटार्वेता अवात्र सहितात्रु प्राप्त हेवाहे गावि सम् ฿.ฟฺ.ลี.นษียูง.นะ.ผี.นฐะช.ส.ส.พะ.พู**ะ.ผู.นุ.นูะช.ซฺฆ** 美'对CR"

मन्माबुलामिके जलायमा मन्माजुनाष्ट्रामा केले विवास मासुना **क़ॖॱक़॓ढ़ॱय़॔ॱॺक़ॕॻॱ**ॸॏॱॸॣॖॱय़ॹॗय़ॱॺॕॖय़ॱय़ॱढ़ॏॺॱज़ॗॱढ़क़ॴॱॱढ़ऀॺॱज़ॗॺॱय़ॴ**ॱॺॕॖय़**ॱ न्यव केव येते खला वना पन्य गुर है हे चेव या केव या है वर वनर प <u>नशुक्राचु र्न्यत्या अत्यापर सिंद्या श्रुप्य प्रमाचु ग्रुप्ते द्रायं वर्षे नामी र्ने स्या</u> चुतार्वेत। वर्षवार्वे द्वानार्वे वर्षातात्राम् वर्षातात्राम् मका केरी देना पर्देव भें माव का हु। परिकास मान का मान का मान का ना कुला में त्या षट-दे-हिर-चक्किर-विश्वटकावन। दुकादे-हेन-रट-दु-मुना-द्यर-वाषतामः खुद्र'वी'द्रवेद'हु'दु'पर्डब'स्द्र'त्र्व'सर्वेद'र्य'के'द्रयम् हु'सेर्'पर्दे'द्गीताः" त्रिंदः द्राया केते पुराया देवा या केता में वा **ब्रुचा र प्रकार्य । पर्युवा स्वा**रत्या सम्बास स्वारा स्व ५८ दुना चुन चुन प्तायन वा हरायने प्रायम् प्रायम् प्रायम् । विश्व प्रायम् प्रायम् प्रायम् प्रायम् । विश्व प्रायम् प्रायम् प्रायम् । विश्व प्रायम् प्रायम् । विश्व प्रायम । विश्व प्रायम । विष्व प्रायम । विष् ब्राम्तरत्म् प्राम् क्राम्य क्रिया क्रियान्य म्याप्त क्रियान्य प्रमान क्रियान पचर है प्राप्त र ज्या पचर यार हिए या विकेश से द के द मास्या भी ह्र्या अर. मूट. तवर, रूबे कुबे विदे वी. रेट. ट्वी. रा. सूचे वारा हो विट. तर के. ति.श्र.चिवटयात्रर.तेया श्रीचदायायात्राश्रीटात्रा प्र.वे.चा.हैचय.ह्यं.व. ₹'₽'८८'पठल'पराके'पर्विपलाहे। ८'हे'वि'पानवेग'८८'विग'पर्ड'र्सट' रं'व'ळे'ळु'ल'कुल'हॅव'व्यय'र्वण्'ठेग'न्युट्या देर'ळे'पञ्चनस'वस'ह पःमहिन्दिः। ृ बन्दिहः विद्या सन्दिन्। सन्। सन्दिन्। सन्द बानरायान्द्रबाह्दार्द्रवाके द्रानानु केदायाके है हा अंके पुर्वा अन्य पदुरीख्या कुषान्ता वृताकुषा सेवसान्यतान्त्रा केन्या समुद्रा कु

एहिमाहित हमाना हमानी ने अवसर दर्भार हमा प्रतास में सिंदे हिमा हैना ब्रैट्या स्मानस्याद्धान्यास्यान्ता हर्षेत्रा वरासाद्धार पश्रकेते पर्ने ते केर किरायाला अने वार्ता है ज्ञान के अस्ति के किराया वार्या के किराया पश्चभा कुषान् हु रयम्बाकु कु ता प्रवास विवास विवास मान्ता **कुलःमॅद्रेग्सद्दार्यस्य पुग्नेदामुन्य सम्मायकार सम्माय सम** য়৾৾ঀৼঀৢ৽য়৽ঀৼ৽ঀয়৽ঢ়ৣৼ৽য়ঀ৽ঀৣয়৽য়ৢৢ৽য়য়য়য়য়৽ঢ়ৢয়৽য়ৢয়৽ৼ৾৽য়৾৽য়৽য়৽ঀ৽ঀ৾য় **ब्राम्या नेराकुलाध्यात्रिराम्बुराक्षान्ता वराहाः साम्यानकुना** वना हिन्दाकेन यापत्न हिन्दा पन मा हिन्दा हिन्दा पन पन इ.इ.ज.७५ूर.जि.चचि.जि.चचिका.चभूर.वेशा ल्या.७ त्या. ग्रेचा.जा.७ कू.चेश मार्मा कुलायाद्वमायम्बाक्षामान्याकुरमान्या **र्वन**'र्-वेंब'माला ब्रेंब'स्क्रिक प्राध्या के वास के व वयाले यास्ता देते पुत्रासु ह्वा मा कदा में द्राया कुर्द प्या महासम २.४.वी.वूट.वेब.चू.वे.व.र्बा ड्रांडचंडकाच्याचाची.वीप.तूप्रकृपवान वसाम्बद्धाःवसाहे तमास्रा के कालाम बुदासादी मा हरा र्ने। हैं 'तुन' पर्वाणुदः पर्वेत् 'या राम्हें हा भी माने भी भी का विकास **वॅ५'५'५ुन'ऍ५'मब'**≆ब'चैब'वेन'ॠ५'६ं। वि'ठंद'५वद'ॡूर'महे'५ुब'सु' लटा ह्राश्चिलासूर्विरात्याद्यार्टायस्यायास्यास्यास्या कुलाबालाअविहे बॅब्रामाञ्चे पठेटबारही। विवासा विवास 

बुकासका वटाह्नाकाधुररावरा विटानीयिकाक्षेत्रायरहा प्रवास मिल्या स्वास स प**बुन्या**पान्या अहेरङ्गायर वेषायात्री प्रमानायर प्रावसा प्रायहा चुैं के खुर्ने प्वर्ति ताला शर्वे हार्षेत्रा है। के प्यापान वहारु प्वश्वरापया हिंदा सा ₹**अअःअ**वं.सिटाला्स्रत्मीयःतात्वेदःस्यःस्य-ग्रीयःस्। टे.पेर.मीला्ता.७.थे. विष्णु, पश्चित, १९८, त. पश्ची बिष, रश्च, बेच, त्रूर, शूट, प्राप्तशी मुलाक्षेरमहेन्यते माबुद्दार्षे चर्चा अद्वापर वेदाय स्वास्त्रा सामा **결화,다회** - 현영,덫,통,성리는회,고는,支,성,뜇,坟山,다,다옄는,보회 त्रष्ट्राचराक्ष्र्रामात्रुष्टकारमा व्याः कुषाया क्षाप्रान्त्रेत्रामात्राञ्चला **লব না**ন দেৱনে ক্রিন্টের প্রতিবিধি ক্রিন্টার ক্রিন্টার ক্রিন্টার ক্রিন্টার ক্রিন্টার ক্রিন্টার ক্রিন্টার ক্রিন্ वसारि, सर्मान्यस्य स्था अर्थेव स्थान्य निम्मान्य स्थानि स्थानि स्थानि स्थानि स्थानि स्थानि स्थानि स्थानि स्थानि के तर्ने दाके में पाल देवा वा मिल हेव के ल देव देवा है । **८८, ७ विट. क्र. जू. हेट. ते ब. क्र. ब. ब्र. ब. विषय १ वर्ष १** <u>च्रारचीरा विषान्यायधायपाता हैतान्नीर्यं विराधियात्रायधा</u> लब'ल'र्ज्ञु'श्चेर'र्व्या क्रिंकु'रुर्ने'ल'र्नन्र'महे'क्रुक्यनुप्ना ।ब'ह्र्स्ब' <del>য়</del>्ष'ॡढ़ॱढ़ॺॺॱॺॱॻऻॸॆॸॱॸॖॱॻॿज़ॱऻॶॸॺॱढ़ॺॱ**ॻ**ॸॆॸॱॸॖॱख़॒ॺॱॻॱऄढ़ॱढ़ॕऻॎ भुष्ठः द्वारा के स्वार्थः विषयः विषयः विषयः स्वार्थः विषयः स्वार्थः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः ब्रैट-वि.च.वि.वि.च्ये.चेस्वा.च.४२.चर। **श्चित-र्प्यः रट-चीःश्चैय-वि**यास्व

महेन्द्र त्या मुद्र के प्या महिन्द्र विषय के क्षा के क्षा महिन्द्र विषय के क्षा महिन्द्

दशामका प्रवाशी द्वारदेगान मिन्द्र की बुदायर महिना ्यत्याक्चेश्रञ्जेतातपुर्वशक्ष्याबटात्राच्चेत्र । विषात्राचित्राचित्राच्याक्षयाव्याक्षया **য়৾৽৸বॱ৸ৼ৷ ।৸য়**৽ঢ়ৢ৾৽৽য়ৄ৾৽৸**ড়৸**৾ৠৢ৾৾৽৸৽৸য়ৢ৽৸ঢ়ৢ৾ঀ৽ঢ়ৢ৾৽ৢ৸য়য়৽৽ बर-कुल-म-कुन-न-त्र्र-प्र--म्व । हेर्य-पहेर-नु-द्वार्य। प्र--ह्वार्य **इन्'र्न्यक्राक्राच्याक्रक्षा ।**क्रियं स्वादाक्षात्राचित्रं क्षांचरः छ। ।ॐदे waratara बेप्तकत्। । 🏋 देपविदासम्भवामहिरा शुंप्तमा स्वापा स्वापा । नामाहे । र्येदा **ब्रिट.क्रि.टे.**च**थव.**तर.ठबैरा ।२.हे.केल.धृशक्षत्विश्व.पश्चाञ्च.क्रर.ब्रूचे. **के.८्प्या ।८्य.८५**८५८५५५५५५४५४५४५४५४५४५४५५५५५ । उव देवसारामु भेनाय न्यालाय बन् । देवा म्युटक ने। यह हे बहर यह मा नैस-न्युर्या छे स.है। श्वीय-न्य्य केव प्राध्यम्य श्वीय-न्य्य स्वा **नैनक्टर**प्तयाधु या है र प्रमुदायाधिया । पारेटर दु खेटाव पाट र खेटा । पन्मा क्रिया विष्या । क्रिया निर्मा प्राप्त । विष्यान्त । विष्यान्त । विष्यान्त । **८५५ न्या**तःसिनः द्वैतः देत्वेशा । द्वितः द्वेशः सम्बा श्वाः ८५६ न्युतः र्मसंहरा निर्मान निर्म निर्मान **इ.**पचीट.टे.स्य.स्। ट्रे.लट.स्य.तियाय.क्ष टित.कु.र्ययायायश्चानेट्र. महर्रेरेरेरे कुलार्वितानिर्रेर् सुर्वे केंग्यी केंग्यी नेरायहर्येषा विरायर मिरान्त्र मास्या चुरळलान्य सरायर मिरामिर मिरान्य । व्यवस्य न्युमा बदसामदःश्चीदःपदः। प्लोःकुषःश्चेषःश्चीदःपुःहेष्सःमासुबःकुःमाहेरःबह्दा वानिहरारे रे दे वा प्रयुक्षिया देवा है। पहेराविहरे वे वे निहर विकास देवा है। <u>श्चीर-१८-अर्मेव (पर-१</u>पक्षिर-१पशु पिहेर-स्वय केर-सुबा धुँपाब-पिक्षेत्र सक्रे**५**-

हेव पलिया प्राप्त कियामहिर स्वया वना यर अधु हेर स्वया चराम्हर्मिन्यस्य। प्रसराधराञ्चर विन्यस्य। विवेशस्य प्रस्तिन्पुर र्ह्मतः प्रमुन्यः प्रमुक्तः विष्यः स्तर्भा स्तर्भा स्तर्भा स्तर्भात्त्रम् । नमा कु.कुर.कध्रक्षावट.२.क्रि.तर्ट्रातापविटातारटा कु.कूर् ग्व'रर्व्यास्या प्रभावतः हे खित्यास्य स्थान्य प्रभावत्य वट.रेम्.यवं ब.बे.ब.ब्र.पर्यं तार्टा श्रम्बैरे.वचथा.वर.संया रत्य है। वट. रे. चे वे र. इ. रे चे रे ट. रे चे चे रे वे वे रे वे वे रे वे वे वे वे चुन्'बु'रुव'के'न्ना कुँव'रुव'के'ठा नव'व्यावानकु'क'मकुन्'व्या माप्यर रु मार्ड ८ र राज्य रु । किया ह्य र है या देव र केव र व अपने स्वर्ग है या ग्री र इस'न्युव्यक्षां नर'न्द्र'तु'कु'व्यदर'वेन्द्र'चुं'व्यद्र'तु। वयु'द्र'हुं' **८ चुंभ' नुमा प्राप्त मार्थ है। इंग्राह्म है। इंग्राह्म विश्व है। सम्** क्रिक्टिट.टी घटु.चालुचायालटियाता.सया अट्याटायाञ्चया क्रेची. **द्धाः अन्यः १** इन् विन्यः स्व विव **बुँग्ने**'सं'न्न्द्रा रेग्'ग्वॅर्'प्वेश्या ब्वेग्वरणु'सर्'ह्रारु'स्र क्रम्य ४५ ५५ म् मनेष हे प्रवयं ४५ स्था र्यं या हेट खुन हु प्रवे रहिर **८व.र्ज्ञच**थ.रेट.ो चेथट.चधु.सेर्च.सेश लट.सेच.र्ट्रट.श्र.४ो धि. म् नेष : हे र के प्यत्मा प्रतः। र मा प्यतु त्या के पुरक्ष महिमा स्था के र प्रतः स्या ५८ न्द्रव संयुव्यत्र वर्षः ५ नि नि र द्वर पकु र पकु र द्वर । स्वर वर्षे र द्वर

रस्रायरारमुरा महेरावारि, क्यकार्मुत्यापरार्था वयाद्वाकुः पा अप्ते क्या भूरा ८ हे बना मेटा दिवे ना व ना रहिन व ना राया है। हिरा के दे इट.क्र.पबर.क्रूंट.र्.पहला स्बार्य.र्.प.क्रुंब.ध्रे.लब.ब्र.र्ज्ञापहानाःग्रेता ॳॖॺॱॴॱॷॱॻॺॱक़ॱॻॖॕॺऻॱॱॱज़ॺॱॻॸॖॺॱॸॖॺॻॱॸॻॕॿॱॻॖ॓ॸॱॸऀॸॱॸ॒ॿ॓ॱऄॕ॒ॸॱॼ॓**ॱ**ऄ न्यान्ता न्यान्यात्रयाः रातकत। निवानः स्त्रान्यान्यान्यात्रकत। 전기적·다·美·토·그희·요리·현기 크적·드리·드리·네·혈국·口·현기 디디오·석·美· **न5व छे**न। तरामायन्यान्व छेन। नहीं में कुम हेव सद्या में न विच.की.की.की.कट.ता.केर.क्षत.वेर.क्षट.यथा व्य.टट.वी.का.एएआ श्रीय. **न्यास्त्रात्र्वात्र्वात्राः स्त्रात्राः स्त्रात्र्वात्राः स्त्रात्राः स्त्रात्राः स्त्रात्राः स्त्रात्राः स्त्रात्राः स्त्रात्राः स्त्रात्राः स्त्रात्राः स्त्रात्रा षर'मब'**सब'र्युट'पबुटब'र्नेट'र्हें व्या देरे'तुब'बु'मेंद्र'व्यवस'ठ्द'णुै' **ब्रैन:**नुःरहेर्ननःरवेनःयं बुन्या हैसःयरे ब्रैनःयाचे मनःरह**न स**नः व्यवसंक्रित्राच्या वर्षात्राची वर्षात्राची वर्षात्राची वर्षात्राची वर्षात्राची वर्षात्राची वर्षात्राची वर्षात्र देशे-दुसम्बुग्यायाम्बुबारयुद्धाः सम्बेसम्बद्धाः निरामपुद्धाः **इस्या**चेत्र-ब्रियाची चार्च-प्रतितान्त्र क्षा हित्र किल्ला हित्र किल्ला हित्र किल्ला हित्र किल्ला हित्र किल्ला हित्र **मैकामहराम**केराकाशुभाक्षे। निगरतुवाशुभाक्षेता **क्रयामया**चर्चे प्रयाप्तिः द्वयास्य स्वास्त्रा हो। रहा स्री स्वापारा मान्यसारा वारास्य ब्राप्त १ ५८,४४५ वर्षा १४८,१४५ वर्षा व **८व 'ने 'झे 'मु 'मु जैव 'मु ह** 'चे 'चे जिल के लिल 'चे नि मु के लिल 'चे के लिल **८५.प.७वो.च्.यट.या** श्रुवातार सुवार्षार प्राचार सेवार पर पर प्राचेता है के प्राच सुवार

ष्ट्रीयाकुरायाच्चायायायाच्ड्रवाया न्याक्षमाम्बर क्षेटाञ्चास्य स्थाकुराया विहा षदसः भैदाषः हुदाय। कुर् विष्यः म्बद्धाः मुँ मुन्द्रस्था भेताया नेताया बुराबिटा भेरामाबुरमाया सर्मारामराया सम्पराया कुंग्रादे हैं चु'षे**न**'रु'क्चैंश'दय। कुल'र्घ'र्हर'य'रस'र्र'ह्र'य्न्रस्याप्यस्याप्यस्याप्यस्याप्यस्या त्यन् व व क्षे प्यान्य कृतः प्रेन् प्यमः त्युमः मा कुलः मा केनः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः व व व व व व व व व व र्रे र व र ८ । व्युवस वस समिति है द र्या ८ ८ । क्रिंगी पर्वा या हे दसर दे च्चुम्बरम्दि प्रवर्षे मानी सेवर् प्रायमः स्वरं गुर्वा केंबर्ध सेवरं येप् क्षे के वा क्षेत्र क्षेत्र मान्य के मान्य वा क्षेत्र के मान्य के का कि का पत्रा देशे'त्रासु'दशे'वगात्र'विष्युंदि'त्। खुलामुं'क्रेद'र्सर'र्केत्र'मुं' <u>निवैद्यापत्रुदार्थित्या</u> व्यवसार्शुः श्रृदार्धेन व्यवसार्धिन निवेदारा हेबरलाम्मराष्ट्रिकार्श्वरका प्रभिवायते हिन्दार्य राक्षेत्रका हेन् हिनामसलायहेबा য়য়য়৽ঀ৽য়ৢ৽ঀড়ড়৽ঀৼ৽ৼয়৽ঀড়ঀ য়৽৻ঀয়৽ৡঢ়৽ঢ়ৼ৽ঀড়য়৽ঢ়ঀ৾ড়ঢ়৽৸য়ৢয়৽ য়য়য়য়য়ৼৄ৾ঀ৾৻ড়ৄ৸য়ৣ৾ঀ৾৻য়ৢয়৸৽৽য়য়৻য়ৣ৽ৡৼ৻য়ৼ৻য়ঀ৾৻য়ঀ৸য়য়য়৸৻৻ঀৼ৻য়৻ बरि'ब्रा'श'र्देश प्रति'र्वेद'र्यर'र्वेद'हे'गुव'रु'ववद'र्ये'हर'रा'र्वेद'हे' बिरा ४४.कुर.चूरावैषयाताग्वेरि.पवराम्निरापापम्यानाविरा भ्रुटमा छट.अधु.क्रुट.तूर.धृट.४हव.पट्र.पेचल.भ्रूषका.प.भ्र.४ तेल.४स्**.पे**या र्देर'मुै'ब्रैट'र्घर'न्न'बर्द्ष'प्प'द्ये'कर'प्रैव'ल'क्षु'हैं मृ'मुैबा विट'मै' क्रैद'र्सर'५५'यदे'बैद'स'क्रेु५'य'र्क्स'५८'वैषमुब'चैय। दिनर'चै'क्रैद'र्सर'

बार्श्वेदान्त्रारुवायहेवायावर्षत्। चत्राणे क्षेदार्यसार्वेदाकृताया **बेन्**रमार्चे। क्रेंबरचेु केंदरम्र हा बदि मान्बरातमा बना खेरा चे पत्र हैं देवसायर त्युत्या मॅसणी क्रेंट मॅर प्तर प्राप्त प्राप्त के ना के प्राप्त स्वाप्त का ञ्चेषापर:ग्रेषा ६८:ब्रेट:ब्रेट:पर:ब्राम:ह्ना:ह्ना:हेर:डर:ब्राम:ब्राम:हेर:हेर:ब्राम: र्षेत्रा तर्रातहरिष्ट्रियाम्य हितायहर्षायम् यात्राम्य वार्षेत्र मुना प्रत्या श्रुरा कृता पर मुनाया मेरा १ करा श्रुरा थवा रेगा श्री पना राम द्वितः क्रुट्राच्यराक्षेत्राद्वाता क्ष्यां क्षाता क्ष्याता व्यक्ष्या व्यवस्य व्यवस हेर्ञ्चन'न्यंद्रामुद्राराणुवारु ही विद्रासी समानामा विद्यान स्त्रामा समानामा चॅर-प्चेरक'मेकाल'म्पाल'म्पाल'हर्नेप्'मुब्ब के'स्पाकुराचेर'प्वायहे'कॅबा अ.हेश.ल.चेश्वारट्रेचथ.बेश है.िंट.ब्रेट.इंट.ट्रं.अंथवराट.कुंगथाल. क्षान्यास्त्रम् कुन्चे कुन्यान्य देवा हे स्वयम् यात्रम्ना हे दिन्या रेसा बेर्पय क्षा हिना हैर हिना में महिना हैर विवास मारा पह सारहारा था **ॅवन** नमळेन् कुण मॅरास्टाकेवराञ्चा वेता पुरा एकेवरा कुण निर्मात स्थान র্ষুবা অবাদ্যাঞ্জীনার্মনাঞ্জুদানার্মনাঞ্জনাস্কুবাজ্ঞানা দৃষ্ট্রীনা ८वृर्भेट.तूर.टेब्टब.च.एवी. ११८.११८.११५ हेर.टट.क.बूच हे.च.क्र्यासे. ८<u>व</u>र्, थ्रेर, ब्रेंब्र, ज.रट, ट्र, पृषायर, वीषा स्था, वी, की, वी, वी, वी, वि, क्र्य, **र्धुन्'ल'कन्य'बेन्'क्रे**न्'च्चैय। तम्य'स्देरे'ङ्केन'स्र-म्नु'म्बुब्र'र्यून'स्र मुस्रायास्यायाब्दासार्वेषा नेप्तरावाकात्रात्रात्राहेत्र सहनामार्डेन। बुगःर्धेनायायदेगारुवःग्रीःविदाम्सयासुःयन्यायास्याह्याहेः 

महिराह्य स्वराखेनवाद्याः द्रायम् माल्यायस्य प्राय

ন্দ্ৰাপ্তর্মের্স্বান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্যান্ত্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্য वसा शिषाकूट संप्तानकु सिव व सम्प्राख्यार स्वास्त्र स्ट्रा । [[स्प्यु ४ र मुडेम्'म्ट्र'खुल'न्सुर्गशु'मञ्चन।] । वुल'म्'वि'ञ्चर'ह्रेम्मड्र'चुरम् ন্ধুননা ব্নি'শ্ৰী'৪ই'শ্ৰীৰ'ধ্ৰমন্তব্'ন্দুনা বিন্ন'শ্ৰী'নক্ষ' ष्यर हुव मुक्तर मुचारमारी । मुलर स्वारमारमारमा मार्गिरमारमारमारमारमा । इति प्र.पंरर्वेचेथार्थायथ्यायद्वेषारचीत। क्रियामी, क्रियाम्यायद्वेषात्मायः चेबा ।<u>ब</u>ट्रम्भ्राथाक्षेषास्य किंच श्रुष्ट्रम् । हे त्यवाक्षेषास्य कें के के न न मार्थ । भूरि ने अ में या यह मार्थ अ में के मार्थ मार्थ मार्थ के मार्थ मार् २११/१९ इम्मान्यात्रात्यात्म्यात्रात्राम्बेमायाः । तत्माक्षात्रात्राक्षाः स्ति। स्ति। स्ति। मव्याम्विमार्क्रलार् रेल्मा । मब्दान्यावया व्यव्यवसासायार निवार् । प्रवेशः[[ब्न'न्युअः]] प्रबुन्या चन्'ः वर 'हव' स्वा'स्न 'तुन्ते 'तुन्ते 'न्युअ'ब्न' मञ्जायबुनामा निनान्त्रराम्यतायाः स्टान्त्राम्यवा विनामहेना रबुनामा मुन्। विद्वाना नियः विद्वाना मिन्न विद्वाना मिन्न विद्वाना मिन्न विद्वाना मिन्न कु.लट.हूट.टी ध.ह.बच.ह.टबेचबा श्रव.घ.ड्र.इट.टे.घ्राचेश्च.बच. **ब्रुवास्त्रान्यम् । स्वा**न्तु । ह्या न्या निष्या मॅंट'र्-ह्राम्वेग'वना'परु'पब्नाया पर'स्टर्भनेथ'स्ना'र्-ह्राह्राप'म्वेना बन्'न्युग्गःन्बुन्य। भ्रेन्यःगुःषटःहृटःनेशःसन्।नृःतःनःन्युवः८८ःबन्। परु'पबुनाया तृत्यायापर'र्दे'हेते'अकॅंद'हेव'र्हेट'तु'त्रा'नार्वना'वानासुया चबुगमा द्वें चना वापर छर हा नहेना बना चहु चबुनमा चना खना देन

इंबरागुटा सुवापादवा प्रिंपर रहता दु प्रीवागी विदास विद त्रप्तवन्यस्य। विष्ठतायतः चितःक्षेतः चितः देवः चितः से स्थनः क्षयाः **स्या** सर'यब्नामाँ समारुष'रेहे'र्द्र त्युपात्युरा समारुष'देरात्र त्यु**र** पर र्ने न स्वाध्व नहिना ने वा हे दार र्ने न दे स्विद हे वा दे हैं वा त्या पर्वा प्रेर्चा स्राम् प्रियं मार्ग्या स्वाम स्वा प्रवासी विकासानि स्वरासानि केरा तु स्वरा विवास विकास वा द्वाष्ट्री का महिराद्वार स्वरामा वा इसका मार्यकारमा बिता म्निस्य सुराविषाया त्याणी के स्वापित है स्वापित स्वापि म्तः चम् द्वारा क्षेत्रा व्यव प्रमानिक विषय विषय विषय क्षेत्र विषय क्ष विपासरामुकाकी अवाप्तनार्वकार्यकार्यनार्नाकी विषामुकासुरामा प्रत्यायम् सुनायाम् वाषार्थेष् विषया विषयाम् वाष्ट्रात्येषा क्षाप्तरायाधारायस्य विष्यास्य स्वास्त्रास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्व [संम् विं ] हिरास १ अस्यामर श्रुट्या न्या के ना १ अस्य व प्या के नेया नेटा चिल्लाचराल्मा स्थानाद्वानाद्वानाद्वानाद्वानाद्वानाद्वानात्वानह्वादा चेन्'यिते'क्रिंगीयापहेन्'या'वे क्विन्याम्ने स्वर्गयर क्विन्'हेन् क्यारक्रमायार्द्राण्याञ्चरायाकाषुताया व्यवारमानहेराष्ट्रार्थेमा ই।এ,ইনাধাৰ,ওছগাৰ খা, গুলালা,তুলা ক্লিমালীবা,নাদা, বিধা এটা হৈছে। স্থানাদা,বিধা এটা হৈছে। क्टिप्तरामराम्हर्षानुष्टा **क्षेत्रा**चारत्वेषयासुष्याम्हराद्वेष क्विर . संप्रताः हेलः नुः तः ह्युन्। हिन्न ग्रीः अवतः वे न्त्रः हिन्न वः सः नृदः हेनः

यर कबायाला **झे.बंब.बं. हेन**ा पर्व में मुला ह्वंब प्राप्त के प्राप्त हें के प्राप्त होता है के प्राप्त होता है है र्ने प्रतेश व्यवस्या प्रवाधी द्वाही इतार्मुरार्था नहीं म्चैयान्। नुर्केर्पायम्या भूगन्यद्यान्यव्यापान्यम् षदा श्वाप्त्रवाचलुन्यायरायान्यान्या वितायान्याकरायते अनुरावद्वेत्रामा यन्नातर्यम् अतिविद्यात्तात्र विद्यात्ते । विद्यात्ती । विद्यात्ती । <u> च्ट.२.५५८४। । वि.ञ्ट.र्जं न्यद्य, नयं ५८५८, भरेषा । नयं यत्रयः सेव.ज्ञीयः</u> च्रीय.त.[[पढ़ेट्या]] हे.४ट्र.घथस.२८.८थ.प.प२वशा ।विद्वा.पवी.वट. मै'बुट'सर'पङ्गसा ।८्पट'८्ट'८स'र्स्रस'सट'र्घ'वुदा वि'र्स्रट'वे्'पदद' য়য়ৢঀ |য়ৢ৽৻ঢ়ৢয়য়৾৽য়ৼঢ়য়য়৾৽য়৾ৼৣঢ়৾৽ঢ়ৼ৻ ।য়ৢ৾ঀ৽য়৾৽য়৾ৼয়য়৸৻ঢ়৽ स्तिनश्चिरा । म्ट्रिकी कीला स्तिर्धार स्तिन श्चिर्धा । स्ति स्तिर श्चिर्धा स्ति । **छन** । ८.४म्.चे.चे.नर.लेल.ज.४म्। ।कून.२८.२्४.२.कु.कुर.च। ।घूर.कु. र्षेत्रकेत्रप्तरात्रके अधुत्। । घर द्वरायाच्यायाये परे खुन । दारक्षे कुरानरा **लेज.ज.७ग्री ।७**२ंज.म्बन्य.बद्य.वर.वर.कु.बैट.चट्टा ।नूट.ग्री.चर्थे ब.ता. ८८.८.भ्र.भविषा विष्यात्रप्रभाषावायायायायाचा ।८.४म्.मे.ची.ची.पीराली लाल्जा विश्वाप्त बना हेला क्रिंग क्षेप्त के प्राची प्राची क्षेत्र के क्षे केंना न्दर सर से सुराया । मिंदा ग्री स्निसाय प्राप्त राष्ट्र से समुद्रा । दस १ सस क्षुरायाक्षरद्रासुन |८:८म्पुन्तुःग्वरायारायाः ।द्वरम्यवान्तरास्यः मर्केर्'मा मिंर्'गुं'मेंद'में'र्रः'र'श्रेससुद्या १९रे'केस'सम्बद्'राधेररे

ब्रम ।ट.४म्.मे.मर.लेजाजा४म्। ।घषु,घमै,६,घषु,भु,४क्र्या। ।पूर, ॻॖऀॱॾॖॏॺॱय़ॱॸ॔*ॸॱ*ऄॱॺॺॖॺऻॱऻऄॱऄॱक़॓ॱॄऄॗऀ॔ॸॱॗॺऻॺॺॱय़ॎॱऄॱॸ॓ॱॺॖॻऻॱऻॸॱढ़ॻॕॱॱ कु'म्र'खुल'ल'२वा । ब्रुव'य'र्धुम्ब'बेद'के'म्रिंट'या । मेंद'ग्री'र्सेद' पर्माक्ष्यप्रस्थाति । प्रमास्य विष्या मर'लिय'य'त्रम्। <u>शिक्ष्ये,ष्ट्याक्षे,ष्ट्य</u>ाचा ।त्र्राकुं,म्द्रम् द्वया रटाट. भ्रु.भर्वेशे । ७२व, भ्रात्मात्व, जा. क्रा. प्रे. प् ५५.प.२८.श्रुट.ह.भ.ट्र.पा १४.व.स.च्या.८८.८.भ.वर्षे वर्षे । वि.र. लाकार्यका विक्तान्य लिलानु क्या विक्तान निर्मात स्थलानु क्या पण्र'ः। ार्मर'ग्रे'छ्र'वेर'र्ट'राबे'वश्रुवा ।धेव'सं'प्संव'बर्**वयास'या'ये** रे खेम । ८ ७ में मु मर पुल रु १ में । । ४ ८ १ वर्ष वर्ष वर्ष मुक्त रेव हैं नवा वा । शुः ५ मः अधुवः ५ मः अधुवः ५ मः । विषः गुमः ने भः माने माने ना । भुः Rट्N'ट्'९म्। । गुपाया पहें का मही ्ह्रा १ ह्या । अहमाप्त विषा हे का र्ष्रमः बेर् प्यरः त्र्मा । श्चिमः र्व्यवः यर् कार्यरः कुषः याः र्वा न्ने'निक्षा नहुव'ना स्नक'ना न्व'ना श्व'ना नहुं'ना १ म। क्रेस सा चरा नर कर कर मारी मारी कर सारी क्रिस है।

 त्रव्यक्ष्मिं
 श्रुप्तः
 श्रुप्तः

मूं स.वु.अ१व.भृ.वी ।व्र.बुट.चे<sup>ट्</sup>थ.तर.भृ.वे.बु.टेल.च<sup>ब्लू</sup>थ.तर.वी ।कुथ, ५८.वि.२चे.५४४.वि. १२.२८.४१७.४४५८.४५ लेन्सा । श्चितः यं १८५५ तः १८०० ते १८०० ते १८०० ते १८०० ता । श्चितः ग्वीप्तावरः दे १८६० ता । श्चितः ग्वीप्तावरः विषयः भवतः विषयः । श्चितः श्चितः श्चितः श्चितः । श्चितः श्चितः श्चितः श्चितः । श्चितः श्चितः श्चितः श्चितः । श्चितः श्चितः श्चितः । श्चितः श्चितः श्चितः । श्चितः । श्चितः श्चितः । श्चितः मरे १ वेद : अर्के अर्थे। विवाय विवयः नायाया नाया मरे 'तुषा खु' दी। विवाय स्थाप स्रम्भात्राक्षेत्रावह्रम् । विष्यविषयः१व्यव्यव्यविषयः मञ्जूरायाकी त्राकुष्याप्तार्या । अञ्चिताका विकासितानु स्वराधिताया पञ्चेति । भूरे ग्री कि अवर प्रतास पर्से रामक स्था । पर्य व स्था सम्मान **सुन् बेन् मा**ब्द न्याता । तर्नेन् कन्य धुर दे खुन्य त्य प्र न्य या । टाविंद्रियां वेद्रायवद्रायक्षेत्रयम् । विद्रातिकावेद्रयादेवे वेद्रायक्षेत्रयात्रु नावः क्षे.चीरूटी जिचेयात्तरक्षाप्ट्याप्ट्याच्याप्तिवार्षेत्राप्ति विदेशिवराष्ट्रीयया मुट्यायावटारिहराचयाक्रियामुट्या विवायार्ययारायात्रापाना अश्रमःश्रुं असः सह्ता । मार्च मारामा मिटा प्राप्ता मिटा प्राप्ता स्वर्मा । पर्यप्ता बस्याके से प्रायासी मारि क्। । प्रायाके या मार्चि राया बुरिया प्राया मारि का विवास भवः निर्वेन: न्यावः मान्यावः स्वरः स्व *ह्मरा*म्बेस्यारा अर्हेत्। । त्रेम्याये क्रिंस्यायाम्बुटा युग्यायारे स्योप्ता । गुन् **ଶ୍ରଂ**ଞ୍ଜ୍ୟ ସ୍ୟ ସ୍ୟ ପ୍ରୀଷ୍ଟ୍ର ଅଟେ । ବ୍ୟାଷ୍ଟ୍ର ଅଧିକ ସ୍ଥାନ ଅଟି । ବ୍ୟାଷ୍ଟ୍ର ଅଧିକ ଅଟି । ବ୍ୟାଷ୍ଟ୍ର ଅଧିକ ଅଟି । प्रत्य। विषय्तु, ह्रें, पता कृषी ता हो पति। वि ता क्रें क्षा यह दे ता ही पति। हेद्र अकेशःस्। ८ । पट 'र्स 'पलु प्रशं पाद संस्टा प्राप्त । सुम्पूरा ख्ताः अवस्तुः पहुं व 'बेदः सुव 'कण्या पबुं ण्या । हि 'कॅ 'हे 'कुद' **ह अयः गुद्धः** श्चेर्'ग्रै'म्बि'स'धेद। |वि'षटक'के'स'वेम्'दा'के'पर'स्ट्री । वस्यस'  इंग्यरःॐअह्रद्रा विषय्भाषाभाषत्वरः श्रृंद्राध्या विषयः विष

इसस्याना मृत्या वित्रामु वित्र ब्रायार्थन्। विक्री । विक्रितः स्वार्थन्। स्वार्थन्। विक्रायाः स्वार्थन्। विक्रायाः स्वार्थन्। विक्रायाः स्वार्थन्। स्राध्यात्राच्या । ह्या यहि माहित्राचित्रा महित्राचित्रा वित्राचित्रा । ह्या वित्राचित्रा वित्राचित्रा वित्राचित्रा [मबर्सः स्ट्रे'शः स्क्रींन् रहेट 'कुशः विवयः न्त्रः यरः तकत। । निर्मेत् 'वळे **न' नशुवः** ୢୖ୰*ୖ*ୢୖୢୖଽଵ୵ୡ୕ୣ୴୶ୢଌ୕୴୕ୢଌ୕ୣ୵ଢ଼୕୶ୣ୴୕ୣୡ୕୴୕ୡ୲୕୷୲୕ୢ୴୷୲୴ୠ୶୕୴ଵୄ୕୵ୄୡ୴୶<del>ୣ</del>ୡ୕ୣ୲୕୳୵୕ୠୄ यरःश्रुटमा । चुस्रमः स्टरः देन स्वाया हेन देन स्वाया हैन स्वाया हैन स्वाया हैन स्वाया हैन स्वाया हैन स्वाया हैन ড়য়৽য়৸য়৽ৡয়৽য়য়য়৸য়৽ঢ়ৼ৸৾ঀঢ়ৢয়৽য়য়৽য়ড়ৢঢ়৽য়য়৽য়৽য়য়৽য়য়৽য়য়৽য়য়৽ कै'प5्प| |कै'लरद'/्द्रिद'मॅ']पसंसम्'देशेकाद्दारमुँद्र'पाकुदा। |कॅ**रा** ल्याम्बद्धाः निर्देश्याः केरला निर्मेषा स्प्रकृता । स्वार्थां स्वर्थां स्वार्थां स देन'यः के त्यायेन्यः १ वर्षेषु अविष्यःयः वर्षे द्वाः वर्षे व। । द्वारः ता चुन्यः बुच'न्ज'में'श्रमस'ग्रीस'तरुल'द'न्मर'ह्लंदग्रीदा ।विरातरुषा'**देगादण'** ८वृट्र.तपु.व्यव्यायाव्याव्याव्याव्याव्यायाच्या । विष्यात्रपुष्याव्याय्या 

देग्दशःश्चमः द्वार्यद्वार्यात् अः वृद्धाः वृद्धाः वृद्धाः वृद्धाः वृद्धाः वृद्धाः वृद्धाः वृद्धाः वृद्धाः वृद् पर्दुव्याः **इस्रस्रा**भः वृशः पृष्ठाः स्वरः प्रदेशस्राभः मृतेन्त्रस्य स्वरः स्वरः चुटः पर्दुवः पः गुवा । क्षे कॅकावटः वकाञ्चः कॅकावटः नुः खुनावा । या या ना हेवः प्तेयाञ्चरम्यावयाकन्याचेन्द्राक्त्राच्चा । श्चाप्तवर क्रियाम्याच्या **ॻऄऺढ़ॱॻ**ढ़ॖॱॸॻॱॻऀ॔॓॓॓ढ़॓ॷॴॱऻॴ॑ॸढ़ॱग़ॣॕॻॱऺऺऺॻॣॺॳख़ॎॹॾॣऺऺऺऺ॓॔ॱढ़ऻॖ॓ॿॺॴ त्रेत्रत्रः वर्षा । ५५ तः विवयः पञ्चनः महे रहेवः पः वरः वर्षे ५। । **बु म**द्दः पठसः ५८: झुटः पञ्चे ५ 'पणु । लाव । साव । स्थाप । साव בייבאאיים ים ים יכרו ואדי במי החי החים יל די שיבי לרין ואבי यात्राञ्चलका सहस्राम्यते प्रमान् । स्ति प्रमान् । स्ति प्रमान्य स्ति । स्ति प्रमान्य स्ति । स्ति स्ति स्ति स्ति स ब्रुं चुका । नि.कट. स्ने ने ता कुराव वर मे हेर का क्रुका हुई चुका । पर्टे जा व्रिक्य अ 8ेब्र.त.चर्यव्ययःभूट.**व**श्र.श्चिट.वी विश्वयःतःभूषःभूट.व∃ट.ज.ष**ब्रःसे**ट. झट.पर.वी ।८च,४८२४.क्ष.चेंर.४२च,४५.क्षित्र.प४.लेख.सूट.झ्रट्या ।स्ट. सेन्यान्तः सेन्यास्य विवादहेवासे ग्वा । ग्वा की विवाद केन्याम्य वास्य विवाद कर्मा विवाद कर्मा विवाद कर्मा विवाद **बाअर्घेर्श्चिट्या । नेर**ेष्ट्रमः चुकादारुनैमः पनेरेष्ट्वेष्ट्रमः स्वराङ्का वेदा । तिर्वरायाः <u> वृक्षःभ्रःम्रह्मः । भ्र</u>िकःस्तरः । प्रदेशः । व्याप्तः । व्याप्तः । व्याप्तः । व्याप्तः । व्याप्तः । व्याप्तः । ₿अॱमरेॱमॅ्ट'रु'अररमॅ् 'ष्या'मरे स्वाम शुरका ।मर्द्व'अर्थान'दारे ने**न**' **छै**'ब'८ञ्चल'पर'९ञ्च। ।बेबब'पञ्चेर'ग्रैब'पर'र्वेब'प'पर्रेब्दरार र्वेटबा।

यद् अत्ति प्रति विषय प्रति प्रति प्रति प्रति । प्रति ।

देवस्य सम्बद्धाः द्वार्यद्वार्यद्वार्यसम्बन्धः स्वरम् स्वरम् लाबलान्यमुद्रवाचा व्यवस्थिताते प्रति प्रति प्रति प्रति । विष्य ५मॅब्राह्माकाकाकाकाच्यामा । तिर्देशीमा १३वर ५० विकास सिर्मीका । हिर्मे ৡৢ৾ঀ৾৾৽য়য়ৢয়৽ঀৼ৽য়য়ৼ৽য়য়৽য়। ।য়য়৸৽য়ঢ়য়৽য়ঢ়য়৽য়ৼৼ৽য়ৣঢ়য়।। विषानु पुरान् मुद्दार । रिनामारी निवस स्थापन सम्मान । विष म्बद्दान्नरान्देरम्द्द्रानुराद्द्या । नर्केन्द्रवस्यादनुष्ट्रानुदान्दरे हे। । हा [म'व्याञ्चर्यातरे **केना** हे**यान्यंन। । नें व**ान्ना यद्वा प्रते केंयान्वेव या । मा यानसम्मालवन्ते से सामसम्बद्धाः । विषय स्थानसम्बद्धाः स्थानसम्बद्धाः । श्रीमः सर्वे द् यते न्या वि प्रमान वि प्रमान के प्रम उदः । । तुसः म् प्रेनः मृत्यः प्रमृतः हैं ग्वा । विनः हस । ता समान हैं प्रेनः ८नुला डिट<u>, बरे, लूबे, धेबे, केरे</u> ताला । विटश, भूट, पट, शर्बेट, श.मुटे. ल्यं १२४, क्र्यामीया त्यारा मीया विष्याम्याया प्रवास प्रवास प्रवास प्रवास विषया मर्हर दे मुंबद ता कुर हे य बुर या | कर केर पढ़ि की में क पङ्गेया | रहा रट: कुर: रुल: यर गुैका । यर कांव्य पुट: निवका पर निर्देश पका । यर

णुः इंदः ळेदः ८ १९८ राय बुग्नास्य ५८ । श्रितः द सार प्रेंदः या द स्वासः ग्रेः श्रु ना स्वासः ग्रेः श्रु ना । मासु ८ सः या दे स्वासः या द

<u>श्चिप्त्यंद्यम् अमिलेम्बय्यते पुत्रस्यम्बयम् यात्रस्य वयान्यः स्व</u> **गर्द्या** म्बर्यास्य क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्वावस्य स्वत्र स्वत्य स्वत्र स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्र स्वत्र स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स् न्यायः र्यायः अत्यावा । न्यायः विवायः क्रायः विवायः विवाय <u> निम्मित्रे । । निम्मित्रे निम्मित्रे निम्मित्रे । निमित्रे । निम्मित्रे । निमित्रे । निम्मित्रे । निमित्रे । निम्मित्रे । निमित्रे । निम्मित्रे । निमित्रे । निम्मित्रे । निमित्रे । निम्मित्रे । निमित्रे । निम्मित्रे । निम्मित्रे । निम्मित्रे । निम्मित्रे । निम्म</u> श्चिपः ५ में व प्यवः प्यवाः स्वरं । हिन् । । भेनः न्याः सुः वै । विनः मार्वः श्वेनः सुनः प्यवः । । बामल रहेर्य 'न्वा रहत्र सुकार् कुर्मान राम विद्युप्त प्रमुखा । मान्य वा रमा वा वा वा **अन्**ने त्या प्रत्याप्त । श्रिटाया च या अन्य प्रत्या में त्या विकास मिल्या । पश्चेरःह्यालः २वरमः लबरणुः ख्रमान्विदः क्षेत्रवा । **ल**ःक्षेत्रस्थिरः हुरास्य लिखे । <u>র্বৰ'ট্ৰ'ইবা ।ঐ'ব্ল'ন্ড'ইনৰ'ব্ল'ন্ড'ব্ন'</u>বু'শ্বৰা ।ইল'ট্ৰ' **३ॱ**र्हेन्द्रच्चुर् प्रम् १४ पु माहेस प्रमास्या । क्रियास प्रमाहेन्द्र वा माहेन्द्र वीतः नभूटः**न्**राष्ट्रा ।न्रेट्राङ्कर्राराङ्कर् (रखान्धर्) क्षे.वृ.ध्यायाच्चराया <u>८मेद'यय'द्रसप्ति'गलुप'यदेद'[छ। ] मनद्रम्यय'न्य'े'येद'महेदान्र</u> ळ्याञ्चरया । प्रयम्बर्धराद्याया द्वरात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीया वर्ट्स्यायुवाकेरवस्यावयाः । यट्रस्यत्व्हारम्बस्यावन्यावेर्द्रत्य्वरवस्याः <u>५.५२.पर्वेचक.२८.घ्र्य.४२व्य.७व्य.५७</u>। ।र्घ्चक.त.४वथ.कु.वेचक.७.दे. *ष्ट्रर'*र्देन । हेस'श्चॅन'र्न्यद'सर्'स्राव्युट'मदस्यम्बेनस्यतिः रुसःश्च। । ह्यास

ता. में श्राप. लेज. थे. च बिट्या तर्

ৰ্ম'দ্'ল্যুদ্ম'ন। ইন্'গ্ৰী'শ্লী ম'কিৰ্'দ্ম'মিৰ্'গূৰ্'ল্য্ৰ'ইন । ৪' 'ন্য'্**র**ন क्ट्र-ट्लॅटसप्याउदायाअदा । क्षेत्रायहे अस्यायेद क्षेत्रा अस्य प्रवास वि । ब्रैंन्'महे'चु'प'स्रिक्षप्रह्मा'हेर्चा व्यापन्ते। । त्यापानुः सु'गासुकार्मा **गत्रका** रट. इ. मुबा । व्यवपारट्रेययायापरायकुरायदारायाः सा लामात्रव्यक्षकार्म् वालाम्बन्द्वन्त्वा । ज्ञान्वकार्म्वाच्यक्षकार्म्वाच्यक्षकार्म्वाच्यक्षकार्म्वाच्यक्षकार्म्वाच्यक्षकार्म्वाच्यक्षकार्म्वाच्यक्षकार्म्वाच्यक्षकार्म्वाच्यक्षकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यक्षकार्म्वाच्यकार्म्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्वाच्यकार्म्यकार्यकार्यकारम्वाचयकार्यकारम्वाचयकार्यकारम्वाचयकार्यकारम्यकारम्यकारम्वाचयकारम्यका हेन। । श्रमाकेन प्रमायकेन प्रमायक क्षा । विद्रके न से द्रायर श्रमाय है ञ्चलाकाम्यूका । वि.ष्ट्रकामेश्चर. श्वराचीयाञ्चन ध्वयातामिये वाका । व्याप्ट**ष्ट्रया** क्षे-मु-क्षे-विवानह्व-क्षे-पान्ना विवाहिन-कष्ठवामहै-मृव-ल-पावकामहै-का। चैटॱख़ॖ**ॴ**ॱक़ॕ॔॔ॖॱय़ॱॺॱॺ॔ॴॺॱऻॺॸॱॺॱॴड़ॕॕॕॕॕॕॱऻ॔ऻऻऄॣढ़ॱॻॕॱॴॺॺॱॾॣॕॕॕॕॕॕढ़ॱ॔॔ॕढ़ॱॺॱऄॗ**ढ़ॱ** बळवः र्झेंबबा । केंबा १९८ 'ट्रेंब 'बर्घट कुंट 'ला क्षेत्र खा । पारे 'सुनाता सन्मा घलस.ब्र.जूचेया थे.प्रचीरा ।धिरालानेशयाचीराञ्चेशाचपुरावील्पा। ਰੁ<ੑਖ਼ੵੑਜ਼੶ਖ਼੶ਖ਼ੑਸ਼੶ਜ਼ਖ਼੶ਜ਼ੑਖ਼੶ਫ਼੶ਖ਼ਜ਼੶ਖ਼ੵੑ੶ਖ਼ੵੑ੶੶ਜ਼ੵੑ। ।ਜ਼ੑਖ਼ਜ਼ੑ੶ਖ਼ੑਜ਼੶ਖ਼ਜ਼ਖ਼੶**ੵਜ਼੶ਫ਼੶** र्वेयस-८्यट-८्रक्ष्वाय-ताक्रेटका से मिल्या है से स्वर्धिय के स्वर्धिय के स्वर्धिय के स्वर्धिय के स्वर्धिय के स पते.बीचेशा ।त्तर.बाउतिर.**मो**वयान्य**ा**षु.र.४ज्ञानया ः ।र.हो.प**बी**चेया ८८.ध्र८.४४.४व्रेर.त.हो ।स्था.७४.४४४.वे.४४४.वे.४४४४.तथेय.तथेय.तथे 

दे ब्यायटा श्रूपार्यं व ग्रीया द्याया स्थाय में द्या स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्था

माले नेबाहर नुरहर्षुर प्रवादा । इताहर्षुर विवासु केराला पान्ताम के वा । ล**่ารังลผล**าดอัสายราชายุรัรา เอ็รานาสรารัราติราชอิสา <u>מריאיקוֹלָהיו</u> וְמִּםְאִיםָיאַבּאִי עָּבוֹ אִי בְּלִימִלְּיִתְּנִי וְמִיבִּיאִיקּוֹלָּהיוּ וְמִבּיאִיקּלָּהיוּ וְ <u> न्याक्ष्मासुत्य्यस्ययायेन्यम् स्यान्यायम् न्या ।ह्यायार्षुन्याम्या</u> महिंदा विराह्म श्रुष्ट वा विवादि प्रति। परावा महिंदा विवादि । द्वेन'शुट्टाकेद'र्दे कुषार्कसंविरामान्द्रा । वसायान्द्राकेदार्देखेम **हेंदें निरामाने हिं।** विश्वास रेक्ष के ना के बार्च रहीं रहिंदर की निराम का नी हैं हा। याधेवार्दे प्रमिदासहि। तराया में हा। । ॐकेना हुवा ॐपवन दारी केवार्दे र अवार मरे मर अप म हिंदा । कन्य से ने देव से ने के ने के ने के ने के ने के ने कि ने रट.चूल.बुच.तू.लुब.बू.चूल.चूच.वर.अ.चेट्टा । पट.अ.उचेट.चेवथ. नन्नादै 'न' तम् 'नमा ।न' हे 'न बुनमान न स्वार हें द साथ। ।द सार हें रा **इस्या** की खेला का का प्रमाण के किया है के अप का का किया के किया ता. इसमाया बता ने पविचा पर्धा

केद्रकेर्यर चुँबा । पर्देद्रप्य विद्राम् विद्रामा विद्रामा विद्रामा विद्रामा विद्रामा विद्रामा विद्रामा विद्राम মুঁকাগুঁকাস্ত্রীনকানেম দুঁকালানকৰাল ৰুঁ ছেঁকালা মুঁদকা । লছ্ দকানার অতিৰ मॅंबायटबायाकेप्परावर्दि। ।५७७ वर्षुपायाबाम्हिराकुयार्वेदावेदायरा **मुँगा ।७**०४:क्रुंग्नुरॅन्द्र-नेयाळेहेग्<mark>नासृ</mark>त्या<ह्यतः रे**न**्रिं। ।५०० पॅर इससःग्रीम्म्बुदासुन्यः द्याप्तास्य । विकेदाकः हेरायः तसमाद्यादादाके पर मुैका प्रिह्मर न्यूल्या क्रुंटरयर ब्रेमर मुद्दर मा । मुद्दर देश । मुद्दर देश । मुबरलर्ट्याला । बेरवे मुटरवनर्ट्ट वर्षे कर् बेर्ट्यर सुट्या मानवार्तरामानवासुर्वामानवास्य मिन्या । सिकावर्षे नेवार्षे व प्रवास्य ロエ、製口如 | 知、影と、望と、如、如々と、如、日如かれ、一般と如う。ロエ、製口如 | しゃ、日本のは、ロエ、製口如 | しゃ、これのは、ロエ、製口が | しゃ、これのは、ロエ、製工が | しゃ、ロエ、製工が | しゃ、ロエ、</li पार्श्वरायाः अपा। विवारि हे पार्श्वरायाः वार्ष्याच्यायाः विवार्षा । पार्श्वरायुः ब्रेन्'यः हुन्। पहरूपः पहरू की। यात्रान्य की बार्या का का का का का कि की क रॅन्य सर्यस्य स्वर्थ हेन्य स्वर्थ सर्य स्वर्थ विष्या । तिह्य स्वर्थ स्वर्थ वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे अह्यातारविटा । लेबारी पञ्चार वार्याता प्राप्त वार्याता । (र्द्रिया <u>इचा ] लब बहर के पाकना विरोधित में बार्च मिला है स्वार्थ</u> के सामित करें 'कु नाम 'सु' हुँ व 'ध' सदा 'दें द्वा । खुव' कु 'दें व 'दु 'त हुँ र 'ध' हुँ द 'में का ग्रीमा । ८ऍव.भक्ष्मानबीवायात्रामकूटाताःमङ्करात्राम्बीया ।२वी.४२वे.मी.भक्षु **क्र्**चित्र-ब्रु-पङ्गेद-टगुर-ब्वयस-ब्र्च-भुन्। ।श्चित-र्घद-घर-अन्त्वुट-**न्वस** च**बे**चंब्र.तपु.रेंब्रक्षेर्प्ट.कु.कु.स्.¥ष्ष्यराताबल,२.चबेट्यातपू।

নি'ৰ ৰ'অন্প্ৰিন'ন্মৰ'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিৰ'ন্ত্ৰিৰ'ন্ত্ৰিৰ'ন্ত্ৰিৰ'ন্ত্ৰিৰ'ন্ত্ৰিৰ'ন্ত্ৰিৰ'ন্ত্ৰিৰ'ন্ত্ৰিৰ'ন্ত্ৰিৰ'ন্ত্ৰিৰ'ন্ত্ৰিৰ'ন্ত্ৰিৰ'ন্ত্ৰিৰ'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিৰ'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিৰ'ন্ত্ৰিৰ'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিৰ'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিৰ'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিল'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিল'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিল'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰিন'ন্ত্ৰি

षेदायसाष्ट्रायान्याक्षेत्रेत्। विष्यवटार्वेटान्टारदावारी **ब्रेंबा** । व्रिंग्टवालयातव्राक्षेत्राचयाचक्रुयान्टा ब्रेंटाबार्टा । व्रिंयाक्रुवाया बारहाकानमुराकेष्ठिर्द्राप्ति। ।ष्यासुरायाबेदारहाकेषावर्दाविया **क़ॖऀॴॱऄॗ॔**ॸॴॱऻऄॗॸॱॺ॔ॱढ़ॎज़ॕॖ**ॻऻ**ॺॱॶढ़ॱॺॖऀॸॱॻऀॱॻॿॸॱॻॖ॓ॺॱक़ॖऀॴॱऻढ़ॸऀॱॸढ़ॱऄॗॱ बराक्षेत्रे व्यवस्थित । वित्र केत्रष्टिर यर विवस्य वा विवस्य विव ८९माम्बर्धर। ।यामेराकुणाहेदायेदायमान्नाहेरामहेरामहेरामहेरा **चिट्-भट्-**तकलानसङ्ग्रासकुरहुट-र्टु-ग्रीस। । २८-र्द्धेनसःमहेदाराहिलालः □वट.रे.ब्रेश ।वे.ब्रिंधुराध्याचीचयाल्यंत्राचायायस्वातालट्यास्रास्त्रीस्था। त्रम्राप्टाम्बेद्रायमेयाद्मस्यापानुदाशेससामुना विराधार्थेसान् अक्रिया **ॾ**ॱผ⊏ॱ५मॅ८ॱऋँॱ३ख़ॱॿॖॗ॓ॴ ।॒॔ॺॱॻॖऀॱॺॕॱढ़ॺॱॻॱईॕढ़ॱढ़ॻॖॿॱऄॗॗ॓॔ॖॱख़ॱॻॖऀॴ। वित्रात्राच्याः मिष्ट्राक्षेत्रहेरहेर मेत्रान्या । भेवरायद्वाच्यायाः स्वर् त्वेन्त्रः ध्वेष्यः पदि 'पः र्वेषा । स्टः ने 'ध्वेरः दुः त्रेरः स्वाह्यसः साम्यम् । दि 'स्वरः **८वॅ'मबा ।**न'सूर'मबुनब'न्न'श्चै'रिवॅद'म'थे। ।बॅ'मबुद्व'सुन्'बेन्' इस्याणु खुन्यायाया देव । निस्त्याया हो अतार्यं स्पर्यं सार् न्द्र या गुरु प्रमुद्द स्थर तथा द्राया द्राय

দ্বৰ আন্তর্ভান্ত নুষ্ঠ নান্ত ক্রান্ত নির্ভান । বিভাগনি নান্ত ক্রান্ত ক্রান্

मन्ना विस्या मन्या या स्थान स् मुकार्यमायाम् वायादिः हुँराया हैमना वर्षेत्रम् वसारित्रायावाया हुँता है स्वर मध्रेयामर मुक्षा । पर्यम् वस्य प्रवास केंद्र महिला गृह्य स्टाईपा हिं प्या महे-वैट-कियाञ्चातापडु-क्वीर-प्रती । ल्वायट्याज्या मुचाञ्चीयापडु-पञ्चि वस्यादी । १८ म्प्राञ्च स्तर १०६ नया ७८ १०६ ने वा स्तर्भे वा स्तर देवा है स विदानसाम्बर्धाः द्वस्याळ्याचा विष्यमान्येष्यायाच्या १वयः मृ दुः त्युरा । देः नयः वेः क्रं यः क्रं द्वारान्यः तयदा । नयसः द्वारा कुव्यम् सुस्रामञ्जापना मुन्त्राम् । सुन्त्राम् । स्राम्भित्राम् स्राम् स्राम् चरः नुः तदेवः विषयः मेट्या चुरा विषयः केषा तसुके स्वारकन् र्शेट्या । तर्नेव यर मुब्ब शासामित्र प्राप्त |ロス・ちょうない別に、別にないぎにか|| द्धन् कर् अर् पर मुख्य र र र र र य व के **मुन्या ।क्रुय पर** ॐ व र मा जूना य र 💥 बेद'द्द'<u>%र्षे' खुन्य'</u>%र्शेद**या । मदन्'१९द'मध्रुर'मदे'मदन्'**धर'र्थ्यया । **ৡ৵**৻ঀৣ৾৽য়ৢ৾৾৽ড়৾৾৽৽ঢ়য়ৣ৾৸য়৽৻৸ড়য়৸৾৾৸ঢ়য়৾৸ঢ়য়৾৸ঢ়য়য়৸ড়য়৽ঢ়য়৽ঢ়য়৸ कृषः सूर्यः ह्याः जूषा त्यः त्या व्यापा । वृष्यः व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप वा । निने सम्भव मन्न मळे निम्न वर्षा ग्रीया । श्रुव र् सन्हें न्या महि मुन् ह्व | वित्राप्त्ना प्ति । विक्रमान्य वित्राप्ति । विक्रमान्य वित्रापति । विक्रमान्य वित्राप्ति । विक्रमान्य वित्रापति । वि म्बर्याम् प्रत्याप्त्रेया स्वर्णेया |क्र-मुें नेंटश्नानम्थाळ्याला कुर्याल्यव्ययः नेशा । व्यवलाट्या **ॷढ़ॱज़**ॺॖॖॖॖॖॖॖॺॱय़ॱॸऻॸॖॕढ़ॱऄ॔॔॔॔ॸॱज़ॸॖॺॱॸज़ॱॸ॔ॱॻऄ॒ॺऻॎऻऻॴॸॺॱय़ॱॿॺॺॱॻॗॸॱऄॗॗऀढ़ॱ॔ मरामभ्रावयाम् । श्रु र्वा वार्ष्याम् विदाययास्याम् विदायस्या ।

देन्द्राञ्चनः पर्वेदः यप् वारत् मुद्रः न्वद्रान् वेनावः यदे पुना सुः वैदः नि **झव**रमःक्षेरहेर्द्वस्रसायाः बस्तरान्यात्राच्याः विक्रेरेने नाम्बद्धारम् स्रुवः यः गुन्न । ५८ में क्षुं नः पारे क्षुं नः ५ में वाया निरं ५ के प्राप्त वाया । परं ५ के प्राप्त वाया । परं ५ के प निय-८८.८तिर,८८.जाचे,जुर.ब्रींटया ।धिर.यव्रियातर.योब.य.ब्रूर.क्र.द्रर. महेला । श्चर हुँर प्राप्त में में र केंद्र अप दें र हुँर। । पर प्राप्त पर हिस अहे स पति'पणुर'हे हुि | वि'यर'ब्र'त्ठें वान्तर' हें ने 'देन वार्या हुटिया | त्तुत्पिक्षेषेन्यः परः ह्रेन्यः त्यः कं चृतः कुत् परः चृता । श्चें पुरः ब्रायः श्चे <u> २८.५च,तयः क्रेचेशा ।चेखेट.२८.भ.७चल. शैर.२६८.भ.४.५</u>८ ।शैर ताअविश्वाविद्यात्राविद्यां हिंदी विद्यात्राक्षात्राह्या **पर-क़ुश** विट.ह्र.बाचुब.व्लब्स.टतिट.घाजुब.वी !रटाएकूट.कु.वेडुब. นฟรฺานลิงมิคา**ป**รมเลนียา โพฐเนาตรเกษ์เโพย.นมิคมุ่ वणाभेवा । तर्देराया के वा चवा वें रा २००० तथा १००० । विष्य पुरस् **५ग**ल'पर'र्'पहेद'५गल'ख'बर'र्बेद'५गल'दा ।रे'दे'रूट'र्देद'लळेट'

परःतुःअनुःषटःषुनकःन्नेटकःपत्रदःनुका ।घःसरःअनुःश्वः**देनः** हृदः परः अर्हें न्। । जार्थः न्युनः जादः युनः शेषयः पञ्चेतः विष्यः । वाषः ग्री ष्ठेर<sup>,</sup>वे.पश्टं व्यथं क्रुप्यं ह्यायं यहूरी १<u>रू.</u>ने.वे.यट्यः मेथा. वृत्रः यरःर्थेश विष्यःद्वेदैःर्यातवरःर्वेषाःवयःदी विष्यःर्वेरःरुःप्ययायःदिः ब्रेन्प्नेर्न्र्वा । व्र्न्निन्न्न्यम् गृतुः ब्रेन्यः व्यायम् रत्युम् । व्रन्यः ŋན་শৢང་དང་བོ་སྡན་བ་ལྡང་མ་། |བང་ད་སྡན་བ་མ་འང་པོག་།་སྡོ་མ།! घःअःवेःळॅअःळॅ८ःअर्भे८्रकेशःचीया । वयः८८ःन्। ५८ः८न्। नार्भः ह्युःस८ः <u> ロエ・名い | 12山、4台、新草、口、6日子、ロエ、6日のいい、6月1 | ロかり、口、7点と</u> पर्याम्बुटःश्रेट्यः द्वाक्षेत्र्य। । निः प्षरः यापुत्रः वृद्रः प्रसः श्रुवः परः यः मुन्नावना । ५८. में 'हुर' अर्घेट ' बुना मा बेर' कना 'वन्न' केर' अर्घेट 'वना । घर बर-ट्नाव स-ट्नर अर्घट लिनस प्वेंब अप्याप्त । दिहे इस श्चेंब के वृत्य,तर,७चीरा ।लट.धु,लट.पश्य,वृत्य,वेबी,८क्षेप,तर,७चीरा ।ट्रे. हिराबान्निराक्षराष्ट्रियास्य प्राचित्रा हिराबान्य विष्या र्वे अ'पवट'पर'ग्रीका दिहै'द्वे'पक्ष'पक्षिय'य'कट'र्यर'षटा विद्'केट्' यते.कुर्म्यात्तरहे.कुभाष्ट्री ।त्तर्भाषविद्यात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात् यम। ।५.६४.पबेयाय.४८.प्र**४८.४४.५**०० । श्रय.प.४४४.यी. युग्यायान्यम् । वेयान्युन्यायाः हे। श्राप्त्राव्यायाः श्रीयान्यायाः द्वययाया ब्या ग्राम्य द्वारा वि

ब्लान्यास्या विन्तिःस्या विन्तिःस्य विष्यास्य स्था । **४८.ज.ज्ञान्यत्तरःभूपया ।यद्यरःयरःपञ्चितयःज्ञानः,येवःयःभूवःतरःज्ञ्या ।** र्वेन्यः प्राव्याः विष्यः विष्य इ्त.पर.लट.लट.बिथा ।िंदश.कृबे.चर्नेटथ.ज.तेबे.पुरे.बज.बज.बेटथथा. ब्रा ) रियाळ्यां स्त्रीट्याला चिष्या श्रेष्या प्रमा । है। या या कृत्रचेट्रर्टर्त्रवर्ष्ट्रम् । भूष्यायायचाकृत्रच्याकृताकृत्यराच्या र्बुट्राय:घन्राक्रिट्रायन्। ञ्च्याः सेट्रायर गुरुषा । प्रसः क्रिन् । से १३ ससः सः निक्र RZ.다.ᆿ도회 | Nādz.땅은山,퇹스.다.빌ㄷ,夫그의,ŋ스.용되ል,ㄷㄷ.등소.다. मुका । इ. पषु भि. भारता स्थान । भारता से स्थान । भारता से स्थान । ष्ठेमा'य'ऄॗ॔ग्रय'रेग्रयः॑॔ऄॸ्ॱयरॱॲश्यानुशयःं ॻॖऀश। ।ॻक़ॗॆॸॱॸॆशरम्बुटॱऄ॔॔टशर **ह्**र्मयः रुञ्जुया ।८ञ.२व.क्र्यःक्रुटः८चा.छे.पखुरः? अक्रूरा ।मयटः ह्रण्यःअघरः२्वाः ह्र्णयःपरःश्वरःपः२णय। दिःहरःयःग्वयःश्वरःर्घतः अत्याधिकान्त्रवा अत्याधिकान्य । अत्याप्त अत्याधिकाः । अत्याधिकाः 

अत्याधिकाः । अत्याधिका **८ मूर्य के प्रमान के अपने के अपन** प्र'र्व केन्'प्नार वेष । । पर रु प्रकेष प्राची विस्ति के स्वाधित के स्वाधित विस्ति के स्वाधित के स्वाधित के स र्यट.रेट.जेट.अ.र्यूचा ।बर्यछ.अर.४वीज.च.भ.वैश.दीये.चबुब्र.बेज.चेर्थं ब्रेटा ।श्रद्यतःबरःट्वःळ्यां सःपश्चेत्यःम्धेयःमःट्युलःपदेःकु। ।टेःहेरःबर चेत्-र्श्चनःन्यवःश्चनःमः इसमा । ध्यानयमःश्चनः स्वानविः नवः चेता । नननः ८८.वे.चंट्रप्रशतर.रूपायःतर.वूरी ार्चित.ज.प.इंब.पथ.रट.रूव.अवर. ฿๎ฐรษู| โล๊กรกัฐกรมากรุกุลเพรัพเหมิดเกิด โล๊สเตเฎิฐ**เ** 

第四十五百十十五월 다 조건 대 전 등 대 1 등 등 대 전 전 등 대

हु.लटट.चंट्टे.ल.जुटी | वूर.इश.चुल.त.लुव.त्य.व्याचित.सं.च्याचित. चीलर.त्य.लुव.त्य.लुव.त्य.खुवी.त्य.व्य.लुवी | क्विट.च.क्वे.य.लुव.त्य. दुच्न.ल.िट्टे.जुट.कु.च.लु.टेच्य.हुच्.य.चुट्टे.ट्य.व्यी | क्वि.त्य.कु.च्या | क्वि.त्य.क्वि.त्य.कु.च्या | क्वि.त्य.कु.च्या | क्वि.त्य.कु.च्या | क्वि.त्य.क्वि.त्य.क्वि.त्य.क्वि.च्या | क्वि.त्य.क्वि.च्या क्वि.त्य.क्वि.च्या क्वि.त्य.क्वि.च्या क्वि.त्य.क्वि.च्या क्वि.त्य.क्वि.च्या क्वि.त्य.क्वि.च्या क्वि.त्य.क्वि.च्या क्वि.च्या क्वि.त्य.क्वि.च्या क्वि.च्या क्व त्रां व्याप्तां क्ष्यां क्ष्यां व्याप्तां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां व्याप्तां क्ष्यां क्ष्यां व्याप्तां क्ष्यां व्यापतां क्षयां व्यापतां क्ष्यां व्यापतां व्यापतां क्षयां व्यापतां क्षयां व्यापतां क्षयां व्यापतां क्षयां व्यापतां व्यापतां क्षयां व्यापतां क्षयां व्यापतां व्यापत्यां व्य

록째·취디·독리록·홍두·출제·독명·최본독·대유·대유·취·万·제면적·대·최도·친·휠록·등도제 ㅁ께尽'ॿॖॖॖॖॖ॔ॖॖॖॖॖॖੑੑज़ॖॖॖॖॖॖॖॣॖॻॱॺॖॖ॓ॱॺॸॱॻॕॱॸॖय़ॴॱॸॖॖॱॺ॓ॸॱय़ॱख़ॱख़ॺॱय़ॱॻॿॗॗॗॸऻॎॾॺॱय़ढ़॓ॱ ळ्यार्राहेराक्रियामरामहर्। र्मायामसमामसम्बद्धाः मुन्यामुनामायास्नित्रः मान्द्वारायन्यात्राय्यायदेन्या व्याप्यस्य व्याप्यस्य विवास् तर.वेश क्ष्याविषय.रर.की.वर्ट.ता.के.व.पश्टयो केण.व्रिथयाचेतर. मुंग्निहर केट में वा व्यवदाद वा प्राप्ति विवयः पठवा वेंद्र पदे पार्ट प्राप्त प्रतःलब्धः लाम्प्रान्त्रात्वातः देवाकी राष्ट्रियमः विकासः त्नुरापुरान्या য়ৄঢ়৻৴য়ঀ৻ৡ৴৻ঀৣ৽য়৽৸৴৻৴য়ঀ৸য়৸য়ঢ়৻৻য়ঀ৻ঽয়৻ৣ৴ঢ়৻৸ঽ৻৸৴৻য়ঢ়৻ श्रम्भः द्वार रत्यन्य । या बुद र संग्नी चेन्सः द्वार पुनि ग्वीसः विदान र व ग्वीः [(Đơ.hava.)] j. xád, j. k. Hư. 2. du. [ Đạ. rugu. rug. ] d tư. Đợ. gc. 됩다.스디로, 孪로, 디서, 돗, 딕, 됩니다. 토, 孪로, 딘낭, प्रथा श्री परि । प्रथा ८ट्रेब्'स'स्टब्'क्वब'सर्द्र'न्न् स्वयःत्न् 'न्यद्रा'सर्व बु'तक्षा'ब्रेब्र'स्य। र्ह्सेन २मॅब्राम् अरस्य त्या विकासीका के अस्य अस्य मान्य विषा मान्य विषय र्न्, की. से स्थान प्राप्त किता मूर्य के ब्र 데,**너희난,**출네,네 म्राप्ताय द्वानी बुटावम्यारे । इव लटार्माय ह्वायापर स्वायापर लट.भ.४६८। २८.७मूडु.मैज.निश्य.बे.लूटी ट्रे.वय.पर्श्य.र्नेव.७८था 뭐, 도소, 너성, 너는 나는 다른 그 얼마, 확여성, 근다다, 나 전네성, 다, 튀석, 노너, 비클네성, ... र्मट. वैंचे. भ. उट. चर्षेच वेंचे क्रियाय प्रमाय वया वेंचा क्रिया श्रम्भार प्रमाय

प्रमुक् र स्वाची चेवार क्षेत्र स्वाची स्वची स्वाची स्वाची स्वाची स्वाची स्वची स्वाची स्वची स्वची

प्रत्या भूता मुँ रहेता प्रहार के राम प्रताय का प्रते पार्षे पार्षे स्त्री कर ही साम कर स्त्री साम कर स्त्री साम कर स चट.ची.र्र्डच.पर्वं त्यर.वेथ.वं य.पट्रे.प.र्यूप। ट्रे.लट.ट.चील.पंड्रर.वेथ. २नो'मरु'श्चर'वयाद्वर'श्चेयाजुरास्ताप्यस्यायस्यायर्द्या हे'ळे'रिय्या न्यायुःभूदःमहेन्याम्यस्यापुरःभे। स्यासःद्रेश्वेषायासम्य। स्या गुै'हॅर्'म्रा द्वे'झॅ'इयस'र्ट'हेर्'एहॅ'च'इसस'गुैस'चॅरा न्बल्य'पस' [पट'मे'रूट'म्रा अ'ऋब'महेर्य'रूचा'स्रा हियाग्रेरहट'स्'स्रा ट्रमण' םאאים אביאים אלקיתצים פלקיתצים אביאאים פריאים יקיאים באאים ब्रह्म माना भेगाम खेरा प्रस्ता व्यवा वर्षा वर्ष प्रता प्रस्ता वर्षे प्रस्ता वर्षे प्रस्ता वर्षे प्रस्ता वर्षे पत्र। ह्ना'मङ्गारा'मञ्चर'ष्ठमत्र'केर'म'र्लर'माराम्य। श्रुणक'हे'केव'मेरे' हुँद'मुैब'म् वेगल'र्स। मिंट'सिं'न्ट'स्म'र्नेग'म्रॅट'मुक्ष'दक्ष'न्ने'म्रु'हुँन् मन् द्वायाधेवर्तु क्रेयाहे। द्वार्टा द्वायाधेवरत्वा परि तुना सु । वस्त्राके प्रत्याम् प्राप्तेव प्रवासायाः है। वर्षेव करे रिमिन मिन मिन प्राप्ते प्राप्ते באיאים ברי קיםיקבין אַאיםיקבין פָּיאישאַ קביתקםיםאי **१८.त.८८.। ईंच.**तर्षत्य**.स.च.५.त.५८.त४.७.४**१४.४४.४४.८४. ब्राप्तात्राचारमा वृषानेषाम्याचेषाम्बर्धानेषात्रेष्ट्राष्ट्रा हुन्। पहलालकाकारत्याहे। ८८. माम्यान्या कुंग्वराह्या हु। परि हुन्। विट'व'नव ब'मदे'र्ब'अ'र्वेनब'र्ब'न्यपट'य'महट'म'स्टा बार्याटबादावाचीतामरामद्वरामाराह्य कालवाद्विवादावाद्वीराम्बारिहर पार्टी अस्रकेत्र. व. इ. क्षयायवेषात्राची याक्षयाचेषाचीयाचीया व. **ଔয়**৾৻ঽড়ঀ৾৾৾৻ঢ়৻ড়ঽৗ৾৾৾৾য়য়ড়য়য়৻ঢ়৻য়ৄ৾৾ঀ৾৾৻ঢ়ৡ৻ঀয়৾য়ড়ৼ৻য়ৡ৻ড়ৢঀ৾৻ঀ৾য়৻

चनवामाल्या है। महार्वासुरह्मासुरह्मास्यामान्यामान्या है वारावास्य प**्ना**धारहा यहार् **ब्रह्मार्य व मुँद्धान्य वि**रामारहा रूपानु पुरासु षर क्रेरां हुनाया ररामा क्राया रनवा क्राया निष्ठेष्रसार्ष्ट्रित्साम। न्यासायुराम। समान्यामा समान्यामा म**इ**ल'र्मन्'नृ'केर्'र्| क्स'महे'र्स'सु'सुस'गुं'रुचूर-म'वन्सा म**गन** ही गै.र्चेजा ने.रेट.ने.श्रम.श्रम्बह्या वि.के.४ह्चेश है.हिंगा भ्रातकराताल्यरार्ने। एक्रानद्वर्भनामहलादी चेड्यामराव्यापदालया कु**बःदर। ५८४.त**४.चून्यः८८.व्या व.क्षःश्वरःचेल्या.व्याद्यरा **बूर.लट.ग्रेट.नलेब.**बंब.७मू.२मूबा अंब.ब.इ.डे.वेर.च्रा ७७.घडू. **२४.४.४.७.**२८.१ अप.चर.४चूर.भ्र.५**४.**तथ.ईच.चर्षात्रात्राचा्च्य.याच ब्र-भुवाणुमाव्यायातानाना इत्यान्ता हेनायाना विवा ८मेशायान्ता राज्यायायुम्बारान्ता १ माना मर्स्र-प्रमः निवरं निवरं क्रियं निस्रं रायं है । क्रियं स्टान् हैना में म मुद्रमा च मुद्रमा च मुद्रमा स्टा स्रमा स्ट्रमा वसायाकारतरातु वर्षेत्रापात्ता क्रियायाम्मातु वर्षेत्रापात्ता हिना वराक्षेत्राके हेर्। हेर्गुराचे पराक्षेत्रा चे पराक्रिया मुख्याया

क्षे.पिटका विश्वातानिष्याग्रहामहासम्। प्राप्तानिकामः विष्यात्त्रः हिम्मानहरू विश्वातिका न्यम् हु 'बेन' न्। वस र्भें स कुन 'णुन प्यवत पति 'न्यन बेन 'यति 'हुन् पहार न्मन्द्र'केन्द्र। वस्क्रिंक्रेन्'णुन्मब्द्र'चुस्रत्र्न्न्यातेरस्नाम्बर्गन्न्। म्बद्गायराम्भदान्दायकेरस्म्बर्गान्द्रायाद्र्रास्याम्बर्गान्द्रायान्द्रायान्द्रायान्द्रायान्द्रायान्द्रायान्द्र न्ता के त्यावन ने त्रहमा स्पान्ता प्रमुक्ता मृज्याम् वर्षे स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व <u>ଞ୍ଜିୟ.ଘିଟ.ରି.ଘ.ଅକ୍ଷ.(ଜୟ. ଅ.୪.୪.୪.୪)</u> ହ.ପଟ୍.ଅଭିଜାପ.ପ**ଡି**ଥା **ଘଟ.ପଟ୍.** <u> २ ब</u>ेल.च.चक्रेर। लट.सूथ.चे.च.धे.थ.चे.घ्ने.ल.पथ.चक्ने.एष्ट्री लय.चक्ने. ८४। धनावनाचुप्पासुकाखुदाळलातुष्धेनावनान्नज्ञावकाकालका<u>च</u>नामा ङ्कीराअःवना-तृःवना-सर्वानतन्त्रम्यःदशादिः दिन्दिन्। दुःदिन्। **दुः**दिन्। केदाः स्तितः क्षेत्राक्ष त्री, विटः श्रीकारतरः तरः पश्ची, विश्व का श्रुप्तः प्रति च श्रुप्तः विश्व विश्व विश्व विश्व บเลิเนเละผเพิ.พ.โนงเฉป.พร.เบชิปเปพเชอูปเปลียเปลี่ยนเ ॢॖॿॴढ़ॱॷऀॱऄॣॺॱॻॺॱॻॿॖढ़ॱढ़ॺॱॺॕॱॺॺॱॸॖॱॻऄ॒ॻॺॱॻॱॸढ़ॱ। वढ़ॸॱऄॸ॔ॱ**ॻॖॱॻ**ॱ लबःग्रेःकुटःनिसः<u>पञ्चेनासःदसा</u> लबःग्रेःदेशःसददःपः८८ः। हुनाःपञ्चलः भूर, कुचा. र बा. लट. पचूर, पांडु, श्रिचाया अर. ता. लूट. पड़, र बिपाया, <u>- च</u>ित्र, दे। क. धर. २४. वि. प्तराप्त क. वि. प् <del>ध</del>र-पर्ट्ल-पाउर्व-वि.पाकु-सर-र्ट्ल-वय-कि.४ प्याप-पा-प्र-। स्विध-विश्व-वि-पः<हित्रयः ४ थः श्रृः हेता छेरः पः ८ ता (कुः २ र ज्ञरः पः ऋता र **द्**षः खनायः **त्रमः प्रमानः प्रमान्यः । े ६ में ऋष्यः यो या प्रमानः विषयः या प्रमानः विषयः । विषयः विष** 

अॱळेवॱमॅॱढ़ॗॸॱॴॺॱय़**ॱॻॖ**ॱय़ॱय़ॺॱॻॖऀॱढ़ॗॖॸॱॺॏॺॱय़ॖॺॱॸॖॖॺॱय़ॖॱॺऻढ़ॺॱॹॱॴॺॱय़ॱ ५६। १७४० म.वे.प.१४४ स्थान का अस्य स्थान कुरान हें या हिन तिहर वि पार्शेदास्थरके पर्पा स्वास्त्राची स्थित हो स्था स्थर स्थर स्था स्थर स्था स्थर स्था स्था स्था स्था स्था स्था स् बुपाठं अ'तु'रिम्,रिम्बामान्दा। र्रा खुण्याग्रीपर्वे अपारिम्,रिम्बामान्दा। য়ৢৢ৾৾৽ঀৣ৾৾ঀ৽৸য়৾৽ঀৢ৾য়৽৸৻৽৸৻ঽয়৽ঀৢ৾ৼঢ়৽৸৻ঢ়৽৸৽ঢ়য়ঢ়৽য়ৼ৽ঢ়ঢ়ঢ়ঢ় **ॷन्न**रणुं न्यायाये र्सराय दुः दुन्यं र्सरायायात् म्यार्मे प्रायापार स् दे<sup>रसा</sup>र्यम्यायपुर्वे श्रुषायदेर्धुमायस्यायाचे दायदे त्रम्या अत्रद्री हिरारस्यात्रारम्बर्द्वतान्तरम्बर्धतान्तरम्बर्धतान्तरम्बर्धतान्तरम्बर्धान दे,प्रवीचश्र इ.ष्ट्रच्याकाताः क्षेत्र <u>र स्याच</u> व्यवसः ट्वार वीया तुषा कुव कर केर धर कुर हेरा नेवाया है। द्वीपयाया केरा धरे पुन्या हैया ९मॅं र्वुण'नी'९विर'प'कुव'गार्डें र'पर'गावेगकाने। क्षें का निप्पत् के र्क्तुं विका पत्र। ह्रि'चैरु'झर'झेु'परि'न्षापर'स'परु८'द्रस'झरि'न्द्रस'झ्रिस्या अस**्ध्र**'स' भेव'र्'क्रेु'पदि'प्पट'स'पठर'वस'झे'अ'भेव'ग्री'पवस'झेंटसा हिस'सेर'स्रेुस' महे.पोलट.ब.प२२.१४४.भुद्र.पो**दय.**हूंटशो स्टे.पीक.र्टे.एस्**र.**भु.पहु. स्तर्वर, वं स्र दिविभा तपुर भार्षे तस्या है। हेर प्रम् मार स्वार दिवा हो. **ण्वरार्ड्वेटसायर** पुरावसार्विरामा वर्षात्रा क्राप्ता के पुरावे । म्बर्सासुरहित्रपर मेुरामा हिंग्टां सुन्य हे केत्र में दे यह केत्र में दे यह केत्र में दे यह केत्र में बारि, लुब, ब्रें। ब्रियाब, इ.ए. इ.ए. क्रियाबीट, योब, इ.याब, विवास, याब, विवास, विवास, विवास, विवास, विवास, विवास

নহি'ম্'ক্রুশ'লব'র্

श्री'साहिंग्यन्'से हुं। [ [ [ [ [ [ ] ] ] ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ ] म्बर्धातान्त्रीतान्त्री म्रे.मी.से.संबर्ड प्राप्ट था प्रवास विश्व हिन युन्याहे के वार्यते प्यतः के दाये ने पुन्याय है। क्षेप्या है प्यतः के प्यतः के प्यतः के प्यतः के प्यतः के प्यतः **बिसामारदीरायदान्यिताम्हित्राम्हिरा ख़ॱ**ॸॖढ़ॆॱऒॱॸॕॖॻॱॻऀॱॺॱय़ॕढ़ॱॻढ़ऀॻॱय़ॺॱॻॖ॓ॺॱय़ढ़ॆॱॻ॒ॸॺॱढ़ऀॱऄॱक़ॕ॔ॸ॔ॱॸॊ॒ॎॸॆ॒ॱॻॺॱ भे में 'त्वा अरे 'तर्भित्' वसमारियेय केरी नियमि हैन 'यस मुहस में केरे कॅर्'यर'अट'यॅर'९थेथ'हे। दे'यश'थे'ने'तुम्'अ'थद'म्हेम्'यहॅर्'यहेर पर्सन् द्रवसः केरे। पंक रहदः मुँ कुरे विषया में रे रदे व व मान्य संभी वर्षे केरें ने दे.चय.विर.षु.चे.चे वे वा.चर्चे वा.चर्चे र.चर्चर.वश्चय.पष्ठा छटे. দ জীৰ 'শ্ৰী'ৰ্বী মন্ত্ৰ' মৰ 'শ্ৰ' ক্ৰ' শে' শ্ৰী'ৰ্বী ম' দু ম' দু মা ক্ৰামান দু মা দু মা দু মা দু মা দু মা দু ম त्युटःक्षे। दे'नम्णुटःषे'मे'तुम्माम्यायदाम्हेम्'म्ह्नादेदे'स्द्राह्दात्रे ल्.चेड्च.ज.र.टेवर.क्वे.कर.४पत.तप्.च्ड.कर.क्वे.चेट्य.४.५४.४ थ.पर्वेट. थि'ने'र्नु ग्रायरि'पर्श्रान्यस्याणु'म्राम्यः (दे'प्रमार्प्यस्के'दुस् দ্ৰুষ্ট্ৰু म्चैट मह्ने र्रे रस्य द्राय रहा सर्वा स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य ฒ ने 'तु म 'या तद मि केम 'यह सम्पर्व 'यह देवस 'ग्री 'कर 'म वु ट 'रु 'से' ब्रीट'मदिर'म्पृत्य'मदि'त्युदि'क्र्'म्बुट'मर'वु ब'ग्री। 2 L. K. 1 হুণ'ন'এব'নারুনানার্থানার্ড, নার্থি, বর্ধানান্ত্রী, ছেই, নার্ভিন্নার্থার্থা জি 

भिग्मति'रसातहसार्वसामझायायारे**'**रे'वत्राष्ट्रीसाणुदातहर्त्त्राणु। ध्राम् इनामालदान्हेन्य वहाराहे प्रस्ता द्वारा विकारी देवा विकारी देवा विकारी देवा विकारी है कुल'कळेष'रयाल'न्द्रायाय'दु हेसाईसाद तहर् दुसागी। विगोर्नुपाया Nद'न्हेन्। कु'म्'न्यूरे'न्यार्थं व्यवस्त्रह्न्'वे'वुष'र्थं। कु'म्'न्न्'यूरे'मेु'व्य अचित्रकृष्ट्रम् मान्न्या प्रत्या स्वाप्त्रम् । अप्ते प्रत्या स्वाप्त्रम् स्वाप्त्रम् । अप्ते प्रत्या स्वाप्त्रम् । अप्ते स्वाप्ते स्वाप्त्रम् । अप्ते स्वाप्ते स्वापते स्वापते स्वापते स्वापते स्वापते स्वापते स्वापते स्वापते स्वापत मिरे मर्त्रेन् वस्रातहन् से वुसार्या विन्यवि रे रमान्न पर सामा (पर्वर-पुः) ह्यू-'मैन' विनायमालहर् नुमाणी भाने 'हुन'यासन महना प्रत्यात्राचर्यन्यव्यवात्रह्न्ये व्याया तहन्ये न्याया विष्यात्रे विष्यात्रे विष्यात्रे विष्यात्रे विष्यात्रे व **ॲ'अट'ऍ'व्यक्ष'उ८'काल'न्द्रकायहै'युट'कुय'श्रेश्रव'द्यहै'याय'यॉन्'यहै'** पर्यर वस्तर के अने प्रतर्भित स्वर्थ । प्रतर्भ के प्रतर्भ के प्रतर्भ के प्रतर्भ के प्रतर्भ के प्रतर्भ के प्रतर्भ न्हेन्'च्रुक्षयादे प्रस्त्वस्य गुर्धाः स्ति कर् दे प्रमार्था स्र ८६ना हेव मुंगान समा व समा उर् (सिंद सा मुना) मुंगरेट मधेल मुना माना राम रेव **म.७.४.५२५** प्रथानीयःपधःअक्ष्रः भेषः२.नीयःपानुःषःअक्ष्रः तानीयः **पामुकायरि पर्कान्वका** कुं खिदास्त्र करा दे पानुदायरा दुवा की वि प्राची पालदान्देन्यत्वस्यादिःपर्यन्यस्युं कर्दे नवुटायरक्षेत्रस्य तहेन् हेव.म्री.प्रथम.मेट.सेपु.इ.पीट.२८.४४अ.तपु.सट्य.मेथ्य.म्री.खेट.२८.। यट्य. **อีลเ**่-ะเลิะเซีอเชลชนะการเลิะเกเรู้เปปเตรียเประเลิะเกเระเลิ่นเก

मान्द सराम्रान्दाल्यसम्बद्धाराष्ट्रीयम्बद्धाराम्यान्यसम्बद्धाराम्यान्यसम्बद्धाराम्यान्यसम्बद्धाराम्यसम्यसम्बद्धाराम्यसम्बद्धाराम्यसम्बद्धाराम्यसम्बद्धाराम्यसम्बद्धाराम्यसम्बद्धाराम्यसम्बद्धाराम्यसम्बद्धाराम्यसम्बद्धाराम्यसम्बद्धारामसम्बद्धाराम्यसममसम्बद्धारामसम्बद्धारामसममसम्बद्धारामसम्बद्धारामसमसममसमसम्बद्धारामसमसम्बद्धारामसमसमसमसमसम्बद्धारामसमसमसमसमसमसम पर्सन् वस्तराष्ट्री कर् प्रवाहित स्वर्धा स्वर्धा स्वर्धाति । स्वर्धाति स्वर्धाति । पर्सिन् द्वाराणी कन् प्वारापन से द्वारासी सि सामि से प्वारामी ®ॱमे ॱहु न 'सः दे '९४ न वः'सः सुद ' र वः न चे न वः ५ प्याः । धु न वः विषे र विष् क्रैद'षेब'मस। वनारे'श'सब'ममु ४'ममु ५'ममु ४'मस् ४'द द ४ ईट'मसुस, ५ क्षे क्षे पा क्षे का ता के तिका से ता व का तत्वन का तत्वन का ता क्षेत्र का निवास गी जिला भर्यू ट. पर र प्रचेर रूर्। इ.व. हे .वे .इ.व. हु वा त म थावा लूटा विद्यास र प्रचेर र तर प्रचीर हा क्ष्य व्यवस्त १८ मी ह्या नाम निया नाम प्रचीर ही विवास पर लव न्तर्व नर्व नहें र वा विषा न प्रवास कर कर तह र नर त कुर है। न्या विषायर त्युर में। पर्य**्ष्यय** त्येवाके पर त्युर में। के रममा व्यासी पःनरः क्रेक्षः गुष्टः तयन् वाराः श्रुवः रसः न्वेन्वरः ८ दः केः तम् वार्यः तम् व क्षे'ने'नण'ल'बन'मिन्य'मेक्ष'क्षेत्र'य'ल'हिन्यमेकुत्मेकुत्नि निह्नम् किप्युक्षायायस ल्राचा विचारा प्रवास्त्र चार्च वा चार्च <u> २, तहूर, त, कर, जन, जर्म, इ, कु, तु, तु, वी, वीट, कित, श्राम, वि, यु, त</u> युन्याहे कुराक्ता वेन्याहे विषया वस्य उट् रहिंदर पा तय में वादि केंद्र में कि वर्षे। हैं रस है पर हिंदर से केंद्र ने दुन् यः यार्त्वे अप्ता स्वर्भस्य मुख्यातु रिस् रामि रेत्राम्य अत्रात्री स्तराम्य

पाठवाणु द्वापाय १८ प्यवाय प्राप्त प्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त

देख्याः भ्राप्तान्यवास्त्रात्रात्र स्त्राच्या विष्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स् पबुर्'य'ल'झे'अस्तरप्पर्ग'कुल'में'सु'हेग्'पर्दर्'में'र्टा इवरान्ता निगानिवराइवरान्ता स्वावराह्यस्य द्वाराहरू  $\Gamma$ ५८। स्राक्ष्याप्ता क्ष्याक्ष्याप्ता १ स्वर् भूतः र्म्य न्त्री भागहर माधुरमा स्वाम भूतः महिराम भूता सर्व मुखा न्दा नेलामबरा**र्-हार्मक्षान्दा दुः**र्ल्यामबराद्येदास्तर् सकेससामनतारेदाकेदानस्याये रेदिन्द्रा वर्षेसामनतारेदेना बिर मिंट प्रचर रेव केव अर्थे ना नहीं ना निर्मार मुन्य र मुन र दिन या**द्रवरा**णुका कुलायालाम् रावकार्युवा श्चिपान्यवराम् वराष्ट्रे पकु ५ 'ग्रैक' पर्के र व व 'र्चे व 'य' त्य पे ५ 'ग्रै 'पद्देव 'व 'यह व 'व प्र पि है प मिहैका प्रायाच्छामिहैका निवा क्षेत्रहेन्सु सः मिहेना निष्यर देशा निष्या इ. ब्र. १ . व. १ . वसामदासुयार्ववाचरार्वेवायार्वता वस्त्रवार्वराण्वेवार्वेवार्ववार्वेवार्वेवा 

हार में अब राष्ट्र खिला ने परमा । हार में प्रकार कार कार कार मार में पारम् त्या । विटाइनि क्यासि मिन व यारम्। । निरम् सूथा पार विटाया प्र्मा । भ्रम्भायते विष्यात्रात्रात्रात्रात् । व्यक्ष्यात्व्याह्यार्थेया सेन्यारात्रा । द्रम् ८म्ँ।श्वॅिर्मित्रवर्षाः ।श्वॅिर्मित्रवर्षाः त्याः त्याः ।श्वरः द्राः व्याः ।श्वरः द्राः व्याः ।श्वरः ।श्वरः व्याः ।श्वरः व्याः ।श्वरः व्याः ।श्वरः व्याः ।श्वरः व्याः ।श्व तरारम् । तरारम् रत्यारम् वितेषात्रम् । वित्रामान्यात्रम् । दे-द्र्वाबारस्यानुग्वस्याद्वारस्या । हारस्याद्वारस्यात्वारस्या लारम्। ।भ्रमानद्रातमालारम् र दा ।मुटा**म् । न**ुरान् १ वर्षा ट.५.मूं. ब्रैंट. पध्र. पथ्र. पश्चा । ब्रैंट. पध्र. पथ्र. प्यां । विश्वयः १८. ब्रम्भित्रायहे स्वर्ते वया । त्रिम् स्वर्त्रायहे स्वर्णा । त्रम् साम्यर หฆ.ห.ชมี.ฉ.น์  $|\frac{1}{2}$ น่น.ฆฐน.ฆฐน.ฉิน.ฐน |E.ชมี.ต้.पर्षः ब्रुरः शःप्राप्त । ह्रिंग्पर्षः ब्रुरः शःप्राप्तः रुं ब्रुरः शःप्राप्तः । क्रिंग्णुः ५ प्रीप्तः शःशः । वि न्द्रमा । ८.४.सू. भूभ.तरु. खेर. ७.५००। । भूभ.तरु. बेर. ७.५०।। मर्ते युरायाम् राष्ट्रा । मन्देरम् नेन्यामारासुराम् विदानु मुन्। । मारस्य त्त्रमः सुर्वे खुरायाचा । त्व्यायात्वे खुरायाच्या ४ विष्या । रहाकुरारायाः तपु.श्रम्थाम् । त्रि.पजू.है.पपु.येथ्यायेश्वी ।है.पपु.येथ्याये णव्यासुरत्मा । म्बियायहेरणव्यासुरहर्मे । स्वार्णस्याहेरा रट.प बुब प्रचाया । ट.एस् मुँ टि.पप्ट.चावया स्थाप्ता । सुँ ट.पप्ट.चावया सु ८मॅ.२.५। ।४५२.त.वै८.७५.कुत.कु.४८.तबुर.४००४। । ८.४म्.४५४४.वै४.

म्बं अ.बं.रच्या । रचं अ.चं.रचं अंच.रचं । विश्व अ.वं.तं विश्व विश्

लार्बितातमः विभाग्नितरः कूटायाला तबिविधाना व वायविदायसं वार्विताम्। ५मॅब्'म५'अदे'म्सुट'मैस। टाष्ट्रे५'र्केस'न्ड्रट'मस'से'सुप'म्सुटसार्ने वर्गरंपदेशया दावेशवरायंति तर् तही पुराउ वा । रहा सुवार में वायते । मिट्यसः म्पान्त्व । मून्यसः सः कृष्टः तहरः सः क्यसः दः रः कुरः हिरः । विषाया चु रहा क्षेरा हुराया तका हिरा चु भारतका राम्या । ख्राया इंटरपाबरकपयादाराष्ट्रिररप्टेटर। विवरतास्त्राक्रपावरप्तिरादावा विषयास्त्रा बुन्यः ख्राणुः न्यत्यमः हमा पर्ने । विष्यतः नेयायः तळ्यादः हा धुरः तरे दः।। म्राचीनाम् स्वापनाम् । विनास्यानाम् स्वापनाम् स्वापनाम् । मर्म । मूकार्वकारास्त्रकारा क्षेत्रारहेटा । विश्वाम्बना हेकार्वम मुद्दार वा । स्वरः इटः सरः स्रोतः नात्वयः मन्। नामा । भीवः हुत् वितः सेनः सरः तर्तिः बाराक्षेरातिरा । सिमायाबिबायाक्षेराराक्षा । मास्यायारायाका महस्र विट. २.४। विचा. १ अधि मेरे असार चा. घट्च । श्रु. चि. पा. वा. पहचा साथ. वा. ट. हुर. ८८८. । भ्र. रूट. तथु. रेग. रट. तट. थे। । पथे. कर्मां या त्रीर. तथु. म्त्रस्यः म्याप्त्रम् । बिष्ट्रात्यायास्यः बिद्राद्रात्या । महिद्रात्रा लासाकवासाबारा हुरारहेटा। । ए श्वेंचा स्वापन वारायहे रहावा। । कवासा बेद्र'बेद्र'बेद्र'ग्री'म्द्रबस्य म्यद्म ।सुर्श्चय'सद्यद्मारस्याळण्याद्राद्रा <u>बुर्पर्पट्</u>रा ।४र्द्रप्रस्वरस्यायाकाकाकाका ।श्चुरास्राक्षाका टना'चर्न व्रि:बबाबाकाकाकाकादाटा धुराहरेटा। व्यिवास'दाका धुटाउ वा । तियाक्नि.त्याप्तराम् वयः स्वार्यस्य । तियावः कथाः धेवः व स्यक्तिः

Rदेन। । तके परिवरण्ये अरहेदारावा । तिर्तरणातके में प्रेमिर्स्याप | तिकानवारहिन्यावार हिनातिहा । तिकानवारिनान् केवा 口气可 न्यार्थात् ।रेषायाहेदाबेदाक्षेत्राक्षेत्रात्वात्वरात्वा ।तरार्वेदारहेष्यात्वर ट.क्रेर.पट्टा कि.त.क्रे.क्रेक.क्र्य.ता ।पत्.वी.वी.त्वाचा.चा.चा.चा.च **टन**'चर्**न** ।त्र्रा'नुन'न्येट'चय'त्रहेग्य'द'ट'ध्रेट'। मबाहे प्रवर्षा सुर्याती । १८८ मानी हेट व बाब क्रीबाबा । देवा वेबा पेर मेबाक्षातकरारी हिवानेवाणे नेवाकान्याववा विविधितान्ववाटना क्षेर्राष्ट्री व्रिष्यरेष्म्रस्याच्यारस्रित्वा । स्टार्यययः स्टराक्चिया ब्रे.बर्बेट.ह्रा ।८८.त.ब्र्य.त.वीयातालया धरायहरविषयाटवा.४ यथासी. पूर्या ।ट.भ्रु.पकु.पाठुकाणु अवतःषयःम्रोशा ।८म्,८ट.भ्र.५म्,८ासः बेद्रणी । विरनेशयुन्यायामुद्दाक्दाक्ष्याणी । द्राञ्चेतायामुद्दाक्ष्यामुद्दाक्ष्या اعلى الله المحتون المعربي المع ଊ୶୷୶ଵ୵ୢ୷ୗ ୢୖଵୢ୷୶ୡ୷ୖ୵ୣ୷୷୷୷ୄୣ୴୶ୖ୶୷୳ୗ ୲ୢଌ୷୷୵୷୷୷୷ **ब्रेट.**ज़ी ।४८.प्रेब्र.भेथ.चप्रु.टज़ैज.पर्वर.पट्टी ।[[बर्ट् ब्र.]च.८८. मन्दः। श्चिर्दात्रायद्यात्रायद्युदःनव्याण्येष्युन्यःष्ठेरायःक्वायः संन्दरः **ฐพพ**าฏิ**พา**ณ**ที**าสู พานาๆจิๆาฏะาล่าารั่า มีบารนัฐาณาฮูณานั**าร**ะา**ม**ีบา ८कॅरॱइवसॱॻॖऀसॱ८९सॱवसःवकेॱसःपॸॖॕढ़ॱय़सॱदेरॱऄॗ॔॔ॻॱ८्घॅदॱऄॗ॔ॱढ़ॖॻॱॱॱॱॱॱॱ **ਜ਼ਫ਼ਜ਼ਸ਼੶ਲ਼੶ਫ਼**৸੶ਸ਼ੑਜ਼੶ਜ਼ੵਸ਼੶ਜ਼ੑੑਖ਼ਜ਼ਸ਼੶ਫ਼ਸ਼੶ੑੑੑੑਜ਼ਸ਼੶ਲ਼ੑਜ਼੶ਸ਼੶ਜ਼ੑਫ਼ਲ਼੶ਫ਼ੑਖ਼੶ਖ਼ੑ੶ੑਖ਼ਲ਼ਜ਼ **ན་བལུགན་བ་ལ་〗བོད་ఌྱི་རྱིལ་རྡོན་བུ་རྡོབ་ནམན་ఌྱིན་ឝ্রাস্ডৢ་མ་རང་བམ་ཕྱུག་** चर्लाक्षर'न' चुनाम्बल'न निन्न चुन्न हैन हिन संस्वार कारी है सम्माणुटाल विरा

리'어科'럽고'하'현미'디고'필구'片

निष्वसार्वराक्ष्यात्वराक्ष्यात्वराक्ष्यात्वराक्ष्यात्वराक्ष्यात्वराक्ष्यात्वराक्ष्यात्वराक्ष्यात्वराक्ष्यात्वरा रेटः की यर त्राचल्ल राया पटा। यर सूटा त्राम्य हारा है दा की विषय प्राप्त खुल'हरष्यच त्रुट'खुब्। वहस्रास्य म्पार्चाल'हेरल'म्बिस्याय'स्ट्रिकुं कुल' म्। भूवं म्। रेजं पर्वेश इनका श्रवं म। म्यं म्। पर्वं मा क्षात्रुंराय। क्षेत्राळेद्राय। अत्रा क्षेत्रा पुर्केर्पवरुषायशक्षेत्रपुर र्तः भ्रेष्युम् वर्षा विदार्पात्रा वृष्यामार्गा वृष्याम् वर्षा स्वाप्ता पद्भवा श्चितः न्यंवः यन् व्याप्तं प्राप्तः विष्या हु र त्रे विषयः प्राप्तं विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः ন্ৰমান্ত্ৰা ক্ৰিমানুনানান্ত্ৰিমা সান্ত্ৰীয়মসাত্ৰ জ্নমান্ত্ৰীয়ান্তন্ৰ निव् माव्यावयार्थन् सुवामाव्याष्ट्रायर रुव् पुरि ग्रीव् ग्रीव्यावहायया । निव्हा ५८। स्टार्टा स्वायायवायाम् सम्माया निर्मात्राचितायस्याय ञ्चैद पर पुरा कुल पॅ हि क्रूं स्ट्रेप ठ द कु रे द राय हा यह द यह दा अया ख़ॖॱॿॎ॓ॱॻउवॱॻॕढ़॓ॱॸऀॸॱॺॱक़ॕॖॱॺॖॻॱॾॱയॻॱॿॖऀॸॱख़ॖॺॱॸॖॱॴॗऄऀऀॻॺॱॻढ़॓ॱॾॕॺॱढ़ॻॗॗ**ॸॱॱ** পদাপ স্থা

नै प्राप्त मित्र प्राप्त मित्र े**लुन्या ४४**% मुन्दान स्थालन्या सुलाया स्थाप्ता स्थाप्ता स्थापता स्था बःद्ररःकुःचःह्रे सः ५ र्पः । छाकुराकुराकुः [श्रिमः प्यवः] यपः सः त्युपः मादसः हुँ हुँ विष्यं है रहरे मा साथ वै रथर हरा वि केरे वे साथ केर हर ५८। कु'वन'ने'५४५८'य'दू'ष'व'६८'(८४हे')श्चॅंत'६वं केव'मॅ'स सुरवे पर'क'र्रा पर्ह्व'पर'क'र्रा भे'भेब'र्'केंर्रा । मि'के'र्ह्व'व'रे' क्र'क्र'भे'श'स'क्र'ल'न्टा व्र'हं'ल'नेपान्टा भ'ल'शे'युर'न्टा हूँ'व' बिचे प्राप्त के मुर्ग्दे बिट कर प्राप्त विकास 된'큥'다'두다 | ㅁ'ゐ'듕티'껙'२'두다 듕티'원'큥'도'두다 옆집'취'죠' त्रा भाषाक्षेत्रज्ञत्। नलावान्द्रिः स्वतः तरा है:रेप्नाणां भवः ५८। स्ट्रंन्पर्माक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्या स्रुष'ओ'वेष''८्वट'र्घ'र्द्रा मु३व'्यल''८्वट्य'८्टा टव'लस'कुल'च' <u>अकूच, रविष्य, रटा ४ सूर्या, यार्च पारा पकुचा कूचा, स्थीप, कीला अक्षर</u> ५८। स्वाप्तमार्थे ५८। इत्याप्तापार्या सामित्रकेषा **ब्रै**चय,र्था,थिए,श्रेट,स्.रटा.। क्र्या,ग्रे.बैट.च.रटा.। ट्ये.च.र्था,थिष. ५८। कुं.चयं.वृषारटा कुं.गुं.४वीचा.२८। चब.टुं.२तपा.४व्रेर.२८। बर्हना हुर हुर प्राप्ता विश्वेष हुर प्राप्ता हिमाला प्राप्ता प्राप्ता अर्ह्मण्या कुराया राज्या द्वा के निष्या हिन्दा हिन्दा हिन्दा विवया परे क्वं भूम प्राप्त विदेश्व पर्ता प्राप्त प्राप्त विश्वेष विदेश व

देनवार क्रुंट र्मा विष्ठं परि वाक वामित्र के वाम रेमा वामित्र है वि क्षेत्रान्ता इत्याक्षेत्रवान्ता इवायरावी हिंग्यायान्ता विके ल्कॅब्रासुकेर्नम्हासंखुद्धानान्द्रा देग्याडवर्षा सुरमुरखुरमेरवर्ग्दा उ मुँदः चैरुरः हं रदः। दे प्यार्थवा दा क्रिका र हिराया हे राया सँगवा पारि राया महाबदार्यान्ता विरायराभीति स्राप्ति । देखार्यावाना केवा है पुररु थ दिया विष्टु पार्टा विष्टु पारि मान्य सम्मान्य मान्य म्बाह्मे ब्राह्म कि त्र वर्ष निष्य वर्ष वर्ष वर्ष के का है। श्रीय निष्य मान वर्ष निष्य ปลิงาลัง เพลาสิง รูป. บรบ.ก.ปะ..โ
[ปลิงาลัง เพลาสิง รูป. บรบ.ก.ปะ..โ पह्ताबुन्याचुन्यात्रेयात्र्वाचात्र्वाच्यात्रेयात्राच्या व्याचाहे केवा द्यते मासुट 'भे 'में 'हुम्'यते 'ॲव 'हव' भे 'में 'देनस'सु' मॉन् 'या ह्वस्र महिस'हु\*' स्रमायान्ता म्ब्रामानियम् स्रमानियम् स्रमानियम् स्रमानियम् स्रमानियम् चण्ठे'न्डेन्स'ग्रु'भ्रेमो'अट'र्5्म्र्र्' **म्बर्**ग्सट'कुस'र्चस'कुट'स'र्न्। बेह्यायार्व, देहा विवासी विवास विवास

क्रम् वे 'पञ्च 'पठ राम्द्र में 'के हे 'मर्क 'प्यापन प्रम्

मुखा अर्गान्त होः भृत्या मुख्या मुख्या हेन्य स्थान हिर्मा स्थान हिर्मा हिर्मा हो स्थान होन्य स्थान हिर्मा हिरमा हिर्मा हिरमा हिर्मा हिरमा हिर्मा हिर

नेते'नुष्यस्य विष्यः द्वार्षः स्वार्षः स्वर्षः स्वार्षः स्वार्षः स्वार्षः स्वरं स्व

त्रम.ह.इ.की क्ष्य.भूंच.ता.ल.व अ.चिल.च थे.खे.थ.इ.स्.टे.च थे। ता.ल.घे.च.इ.पु.चूचे अ.च.चूच.चे.च्यूचे अ.चूचे. चूचे.खंचा.चे.च्यूचे

श्चराष्ट्री स्वर्भवाद्या प्रतिकृति स्वर्भवाद्या प्रतिकृत्या प्रतिकृत्या प्रतिकृत्या प्रतिकृत्या प्रतिकृत्या प्रतिकृत्या प्रतिकृत्या प्रतिकृति स्वर्भवा प्रुमिष्टि हेव स्वर रेट र प्रव सर परे केट र । हेव सर तर में हिम प्रा तव.रु.द्र.प्र.थतप्टयःश्र.विश. [विश्वायश्वायश्वाय] तवर्। थतप्या [वि.] रुमारा ला श्चान्त्राच्या के से प्राप्त करा निया ने सारमा उद्गादन पर्इव् त्यायास्व । इंस्पायमार्थे मान्याया विकालायहुन । सम् तिह्वा इससायामळद्रम्यविद्रार्घान्दा प्रवेषामहेदानुग्यहण्या हसाम् देवार्घा पठ. त्रेश्य. ख्रे. क्रूब. ख्रेचा केटबार विता के या है ता है ता है ता प्रवास क्रिया के वा वी कुर. त्राकर ब्रीतात ३ वया या प्रवा ८ हो ५८८ । प्राचार पर व व व व व रमट.धूट.मु.दिम.अकूटा श्रव.केट्र.यट्र.कूच केंट्रचर्वचया.की.विमारव्या मुराक्षेटाचा अद्रास्तिया हिंग्यथाययायायायायायायायाया पवट में के बुवा परि कुल करवा पर्याया दे दिवस ग्री पर हैं पा हा वस हैं र महे क ने व महे क महिला व महे महिला व महे महिला व महिला मट्रस्त्रायाक्षरा देवट्रावास्त्रा विष्या विषया विषया विषया विष्या विषया **है**८-८े-१८६े**द**-पत्र-१र्थे स्वाय-धाले सेवान्यर में स्वाय-धाले अवाया के अवाय के स्वाय-धाले स्व

परव्राध्या कुरे सूव्यापरे क्या अव्याप्य सूव्या अव्याप प्राप्त प्राप्त । <u>इट्-ब्रॅट्-चर्च्र-तथ्र-प्रथात्र्याच्याः श्रेषयात्र्याः श्रेषयात्र्याः श्रेषयात्र्याः श्रेषयात्र्याः श्रेषयात्</u> परिःभू व बाळ्याबाच्याबामायाक पुरामाया परवामाया । परवामाया लाभ्रे स्वर प्रति पार्चे प्राप्ते प्रता क्रिया भ्रेष्ठ व्राप्त्र प्रत्य प्रति प्रति प्रति । मन्बर्सा परवर्षसम्द्रापान्दर्श्वेनायास्त्रवर्षायास्त्राकेरपाकेरपाद्वराधिवर हुव अव राम्बन्य वियावया १८८ मा अयार टा नी मा १ हार या ह्नार्य क्राप्त क्षेत्रायाचा या व्याप्त स्टाची स्वाप्त विष् हॅदॱमयॱअमॅॱ<u>%पहु</u>रॱ<u>%</u>देॱमॅरा म्बद्दार्यस्य क्रांचे रे पर्दु नयः दस्य पक्षे अव पारे शाम् र्ने नेरा दे पार्व प्रति कुव प्रावस्य है हिर चु'ब'नेव'हे। पव'हे'क्ववाय'पठव'र्धव'मु'र्पद'पहट'हे'ले'नेव'न्पट'र्ध' **ॅइं**८'ग्रैक'से'नेक'न्नर'र्घ'ड्युद'र्इंटक'द्। पु'न्नेह'प्रैद'प्रैका व'र्षि ५'र्र्र्रा विष'पर्झे बावबा पडव'र्यक्षे पमार में पानी सुरु सु चर्नर वया चर्नर हैं चर्नर हैं चर्नर हैं चर्नर हैं चर्नर हैं चर्नर हैं वर्गर हैं चर्नर हैं चर्नर हैं वर्गर हैं चर्नर हैं चर्नर

सुलाक्षा हिन् र्वेव व पन्न ला छु न न ला महा पन महिन । वा र्वेव वःमन्नारम् तम्बारम्यान्ना वै म्वना स्वना रहे व वा वर्षे म्वर है रहम् वा विवा र्रेग्गसुम्बाद्या मार्रिम्गीयाम् पेत्रायाम् गार्यसारस्वि मनुसामका विस्तर मान्मात केया वया परवा में ते क्षेत्र प्रामा संगामका व्यान्मात प्रामा विष्या मान्या विष्या मान्या विष्या विष्या मॅरासुम्बरु दुना देर दबा थे विषाद्यर में हुव दि बा संस्तर दुन्य दव में लामुना पढेवा पडवार्मकापड्वापारमुन्यामेरामेराम् मुकार्षेपारु स्राम् कु'न्नर'वन निहेशकें रायुन्यायायायायाया ने न्यारायने वाहिन की या श्चर्याचित्र व्यासी स्वाप्त प्राप्त मान्य है। अम्ब र्घ र्च है र हरे खाय के अस पर्न मानी। पन्म क्षेत्र पर कर बानुकादाळे देटा। पर्वर् सहि सुक्षे के प्यटा देशामहि कॅसागुटा तथाया मामुबर्यामार्मुद्रामदेशमरार्गुराम्बद्धामार्थिद्रायाः विद्रायाः स्वाप्तायाः विद्रायाः स्वाप्तायाः विद्रायाः स्व बल्द'र्घ'त्र्र्र'ण्र'रुदे'सूर्'न्युट्य'हे। ब्र्ट्य'कुय'ग्रे'हेंब'न्ट'र्'र्र्र मानिमा सुम्हेनात्राणु र्झे सामिता मुम्मातम् मुम्मानाम् स्वानाम्य स २.६.चकेषु.घ.घर.वीर.त.२८। श्रूच.रत्ये.तरं.घरं.घरंचेरःचे ४४.ग्रीयं.चहेयः अप्तरु पृष्ठेत्राया केराप्तर्पा केताप्तराया केताप्तराया केताप्तराया केताप्तराया केताप्तराया केताप्तराया केतापत वटायास्यास्यास्यास्याप्तराच्याः वृत्याः स्यास्यास्य स्वतायाः स्वतायाः स्वतायाः स्वतायाः स्वतायाः स्वतायाः स्व द्र, ८४. भूप. भाषा विषय त्रीता त्राचा क्षित्र दे मूची हे मिवारा भ्रमा क्षित्र की विषय <u>ত্রীম, হা ভুষানারিমে, রা ভুষানার্থা, মথা মহবার্থানগালিগারি, </u> בוףיף יקישימים אַימי אַן ימי אַן ק ימבּק יבופּיבׁי אָיםיםבּראיביקרין קיקביקי

ञ्चित्रः अर्थेद्रः अर्थेद्रः सम्बन्धा विभः क्षेत्रः नाः श्रृवः निष्यः मिन्द्रः श्लीतः मी. मू. पर्वाया व्या व्यापाय विष्टा पर विषया प्राया विष्टा पर्वा विष्टा पर्वा विष्टा व देखायरः[(९चेथा] पार्हेणाययाञ्चेपाठेपार्दि रहेषाठेवावेखारपरार्दे। देहेर परंपुंचे कर्नि द्वाराधिया अविदासार्वे के रवा इति कर्नि कर्मि के रे है.च.रटा रेपूरशताहासेराज्यात्वर्गाप्रुवरीये र्न्रियाम्म्याद्वार्व्याद्वाराष्ट्रीय भेषान्तराय्वेत्राव्यायाधुनात्वता बुद्रा ब्रिट्रांटराला दर्देश बुबाल्य राजस्या विवादिराणाया พ.ชื่.พ.ชฏิช.ฏิช.พูป.ชฺผ.ฐ.ง.น.ปิ๊ะ.น๗
ฐ.য়ีช.พฺพ.ขน.โละ.นผิง दे व या पर्व र प्रया मुदा कुपा भ्रीता पुराय र भ्रीव र प्रताय या विदाय विदाय प्रया है। पर्वन्यभ्नेत्रायामबुगयावसा ह्वा केवायान्ता हे केवायाकेवाणुः चर्चार, वृद्धः स्वायः विराधः स्वायः च्या विष्यः क्षायः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः ह्र.भ्र.विट.क्वन.र्वा,र्टा चीव्रथशायात्र्य.भट.र्टा श्री.लट.र्चा.कु. ण. स्वेष्याता. चीला इटा त्रा चैटा। व्याव दे स्वापा के त्या चे त्राच विषया. है। तिहर दे रू र द र द र द र सि स र र हू र द र । द माय द च द स र या से पाय र या 8ु८ः,५षः,चेश्च,७४४ः अ.वैटः। घथ्यः,त्रः,ह्रेयः,क्र्यः,रुप्,द्रिवे,वे.चे <u>૬૫૮:૨,૮૮.૧ ૪,೬૫.૨૫૮.૧૬</u>૯.૯૬૮.૧.૨.૬૭.૬,૧૫૯.ૐ૭.૧*૫ ૯૬*. बदतर्देशरवॅद्गीं कुलावस्यात्देर। वस्याउद्ग्**राण**व्याप्तापत्पत्रापत्रा र्हेन्य व्यापनित्र प्राप्त विषय के नारमा कुष्तुरा प्राप्त अर्हेन विश्व विषय हेद्र'पर्द्रणस'परि'स्पास'स्। कुरि'सापद'पॅ'५'५८'स'द्र'पद'स्ट्रेर'प्रुद्र।

इन् भी नव्यवातात्र वात्र व ঀয়৽৺য়৻৸য়ৼয়ৄঢ়৻ঀ৾৻য়৻ঢ়ঀঢ়৻ঀয়৻ য়ৄঀ৻য়ৢঀ৻৸ৡয়৻য়৻ড়৻৻ है हैं न्या अध्वापर हैं निर्मु रामा लगा निर्मा है निर्मे हैं निर्मे स रह्माव्या १८.४.११८८। ह्मान्टा श्रेम्यापास्यायान्ये लुकालावाळामञ्जीता जानाचालाचा मार्चा हिरामळवामळवामञ्चरा सु'म् हव् केंग्राच वारा पार्दे 'या सु'हव पार्दे स'हा सुया और প্রদার ট্রীর থো मुन्यर के मिष्या देन वस्तर या मुल प्राम्य वर्षे न स्वर्थ वर्षे ชูดานับรุยามุทธานับส**หม**าทู้ลบรุปยายูลาผูยบริกาลบรุฐานบรุยาลูบลับบบ देन्यायायाविस्थानुस्याक्तान्याम् ईत् द्विसाम्बर्ड्साम् र्वे स्वाप्तान्य द्विसाम्बर्धाः वःरी दःगद्वैष्यःष्ट्रग्वस्रादाधेसाद्देश्त्रस्यायद्गान्ता चेरःरी मास्याय मे प्रा ब.र्। ब्रि.ज़ी.ट्यूटअ.त.केर.चेबअ.ब्रुच.ब्रुच.ब्रुच.चुर.च.ट्टा २.५८. मी.मीर्श्वट.मीस.ट.क्षस.प्रस.चै.पटीय.भ्र.पुर्याता.क्षुरी मेंटीप.वी.क्षया.हया. **ৢ৴** स्रेयस्य र्मे स्राप्त में स्राध्य त्र स्रोप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स पुः १ वरा सुः श्रुं दः विदः विदः पादः वादाविदः विदः। नदः विनः रे वा के देन พ.พะ. ๑.४९४४.त.८५८५८ मर.पा.भभ. स्टब. थे.वर.पर. ४ वीर.ही. टे.हैर. व'कु'रिन्य'हॅट'हे ५.८' वापाया हे पाई नवापार है हे के दे के व रट. निगरा शु. में . पालवा रूंटा हेट. हेटा हे किया मा कर दाने नेमलानकुन्वर विवासालार्यम्यासार्वर विवास व

ब्रै८'द्रर'नवारिदेन्'विवर्षे। भुष्यपनिष्मदेशस्य वर्षे भेर्पाप्य द्राह्रेद्र <u> नमरामान्त्रभावे व्ययासम्बद्धानाम् स्तर्भाताम् स्तर्भाताम् स्तर्भाताम् स्तर्भाताम् स्तर्भाताम् स्तर्भाताम् स</u> 월드차·다·드디드·친·菁주·친·드可·더·휠주·드끼도·주呵·리차·낀드·多·차·월曰·다·욛ㅈ! < ने' वैन' नहिन 'नव' वैन'गै' है' त' प्यट के बेबन के हिन के क्विं के स्वाहित के स्व र्भगन्यायहे। विटार्वेटायावेरालयायवयाग्रीक्राध्यावेर् ठेण'ठर' लहुन्। याक्षे स्व प्यतु पान्दार तहाँ | **ब्रेस न सुद्या**पान्दा। षार्ट्रागाया ला भे त्राचन ह्युका मा माने का स्वाचन का स्वचन का स्वाचन का स्वाच **ᠬ**ᢩᠭᠬ᠑ᡃᠬᠬᠬᢍᢇ**ᡷᠳ᠊ᢩᡚᢐᢇᡪᠸ᠆ᠵᢩᠱᢐᢇᡅᢩᢟᢐ᠂ᠽᡭ᠂ᡢ**ᢐᢩᠸ᠆ᠵᡆᡃᡥᢧ᠂ᠵᢡ᠆ᠮᢛ᠇ᡆ᠃᠃ धेव। विंद्रहेन्द्रर**हेन्यायायायाचेरायादेवी** श्रीर्यरहेन्यायहे वेय न्याश्चर्त्रायाधिवार्षे। **ल्यान्यादीयानेकारा**ष्ट्रायावी कार्सराहेनायही প্ৰ'ম্ঘ'উ**র'ঘ্যা ই'শ্রম্ম'ঘ্য'৪ইল্'ইর'থ্য'৪**র্ম'ঘ্রি'প্র'ম্ঘ' णुट्राश्चर्यायाधेवावी अंश्वराहेनायहे नेवारमाधेन्यमाहिताल्येन्या मार में मा गार है मा पार मा देश मा मा भी है कि मा स्वर्थ कर दिन ଘ'ୠ୵ୖୡ୕୵'ୠ୵୲ୠୖୣ୶୷ୠ**ୄ୷୷ୠ୰୷୷ୠୗ**ୢ୕ୢୡ୵ୗୢୡୣୠ୷ୗୣଌ୵ୢୗୡ**୴୶**ୢଊୖୢୠ୕୷୷୷୷୷ वस्य उर् से द्व दि प्येर लाचु पासे वु बार्सा माल हे पर्मा में सर्मा हवा यर<sup>ॱ</sup>बै'चुर्दे। नेॱक्षेद<u>्रॱ</u>नुद्रम्यक'बेन्'ल'चुक'यर'त्जुर'र्दे। नुद्र्य'न्नः विद्राल'चु'मार्वद्रामस'मठद्रामाराचु'माविद्रामाञ्चद्राचुसद्रम् देश देश देश <u>५३८.८५४.५। ज्ञ.त.च.५.२८.७.२८.। २४.५२४.७८.५८५५</u> मर से हें न पर त्युर दा पकुशमलमार ने न पर दे दे पर से दे दे दे के हिन पर के हिन दे तहेव दु र यु र ((रका) लट दिन पर के के के के के कि बेर्'यर।

चण्याणुटाश्चर्यस्याप्त्याचारे हेयाचार्यस्य केराव्यस्य उदाहारी हिन 원드'다'어'은'일도'오통미'정제 원드'다'월드'라'원드자'다고'월다'다'월드자'다. क्षेप्रयुर्पादे कि वहा विद्युष्ट विद्युष विद्युष्ट विद्युष विद्युष विद्युष विद्युष्ट विद्युष्ट विद्युष विद्युष विद्युष विद्युष विद्युष विद्युष्ट विद्युष विद्य विद्युष विद्युष विद्युष विद्युष विद्युष विद्युष विद्युष विद्युष त्र'र्दे। देग्वस'द'णट'द्वा'चित्रे'र्सेर्सर'ह्वा'चित्र'वेस'र्स्य'ग्रीस'ध्रीद'री' ॅम्बान्ते ब्रह्मान्तुहारमञ्चरमान्ने **वर्षे हे। हेसाव इव म**िलेव हासी हासी हासी क्षे'दुट'र्हे'। दुव'य'**प्रेट**'य'**यु'**य'**बेट्'यर। धू**व'णद्रव'हेव'य' प्ता वस्त्रारुप्यविवासर्हे सूरात्युरा वृद्गस्त्रायः प्रताहे सूरा ८व्चिरास्या न्यान्युवाच्चे वृत्राय्यव्याः उत्रह्मास्याः वृत्रायः विवाः याकुष्तर विष्व वाष्ट्राचारव याष्ट्रव वाष्ट्रव वा न्तः विकारतालाक्ष्याया क्षेतायाव्यवाउत्। यस्याव्या क्ष्याव्याः विष्याः ळॅल'्लल'ठ८'ऍन'मर'९णुर'म'भेदा देव'म्बुटस'सा प्रदास'उउ'म्' बालानुष्या विदावीप्रयो देवानिकानिकान्या विवासरार्याकी लयन्'ने। विद्युवयायविद्युत्यात्रीयुन्यन्त्रात्म्यात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात् भैदाक्षेत्राचनवा[सः।] सनायार्थन्यासमक्षेत्राद्य रेवाध्यादनप्रिना **Ӗ**न्ररायराधुराद्ःवयर। ५८'मॅ'दे'शे'श्रे५'श'न्द्रेश'म'दे'रेश'कुरायदे' ्मेर'रुप्पीया देप्यायविदार्धयान्मेरीयदा[वा]विवयामान्या देराषा **् 5**षाष्ट्रिराकुँगाने प्रेराचराया बरार्ने बायपार सुधाने। विष्यापराया के किन् बिःक्षेत्रायादिष्ठे। इत्याहेमार्ष्टुन्यान्विनायन्नायार्यार्वयावेदावत। इत्याहेना अम्ररम्याप्यम्यार्मिया धुम्याय्यिषाम्यम्याय्येवावी स्थित्रा चकुल'चलद'क्स'चर'के'हॅन'चर'शल। हॅन्'च'र्धुनस'न्हेन'रंसप्ट्

अस्त्रकृषां श्चर्वस्तरम् स्वरं स्वर

**दुः९६मः**अकेशाहे। बारकशासाहिनसामसादेग्हाराजुरा ०६माञ्चायाप्ता कुरामरसामु पराविषा १६वः सुरुराविषा देवा गुरुरा र् देवा गुरुरा वर्षः भर् र् ड्राच्या वे ते व रचर में वर्षा हिना वर तह न पुरा र ब देर र र से र है। व्या वरा तह या वर्षा द्वार वर्षा मुयादारी भेया देयादारी पारहे नामायायायार में अपारे रेयारहे नाम् में या है। व्यायान्त्रमान्त्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त् वश्यः २८. अविषे त्रापा**ले ३.१४। विष्याप्ति प्रकेष त्रा**प्ति स्था हॅव हेव के तर हैं। हे दे हैं केव माम खुर राम गुव की देव गुव महाम श विशन्ताः **इ.स.त. पश्चिमायात्रेदावया मृदायाद्वा या मृदाया प्राप्त** क्या श्चिनायहाय 니도'어드'유통미'흵! **리'직저'자'드민'어드'드미'니도'혼자'니도'쀭**드제! 더'ギ의'등' विवःसःमञ्जायम् पकु**राञ्च रयः ४,५३४ म्हिरान्यः अ**रसः स्वान्यः स्व लत्रवा हिन्देर**, धराक्ष्याचावावा व्रावास्त्रवा** हेवाहेवाहेवाहेवाहेवाहाताला बे'नेब'द'व्बन्न'ठ**्'बहिद'यरे' २ेण्य'**८८'ने**य'दु'य्वत्र'ठ**्'ल'रहृत्'यर**'** हरदेर हतीर। हरदेर क्रुप्या कराया माया हर लाट या ने या ने या ने या ने या षटा अर्छेटा पर दें नाया है। अहसा सुमार राम है वा मुका दें वा सुवा सुमा क्ष्याया देवे कुरीया मुद्दायाम् हेनासम्बद्धाः ঀৢয়৾৽য়ৼয়৽ঀ৾য়৽য়৾ৼ৽৾ঀ৽৸য়য়৽৻৸৻ড়য়৾৾ঀ৾৾৽ঢ়ৼ৽ড়৸৻য়য়য়৽৴৸ৼ৽ঀৢ৾৾৽ড়য়য়৽ঽ৾৾৽৻ **ॻऀॱॸॕ**ॺॱॸॖॱऄॺॺॱॻक़ॗॖॆॸॱॺॺॱढ़ॼॕॱॻढ़ऀॱॸॕॺॱख़ॗॸॱॻॖॺॱॺॺॱॕॴॺॱॻॺॴॺॱॸॆऻ

ౙঀয়৽ঢ়য়ঀয়৽ৠৢঢ়৽ঀৡ**য়৽**য়ৢৢঢ়য়৽য়ৢ৾৽ঢ়ৢৼ**৾ঀৢ৽ঢ়ৢ৽য়৽য়য়য়**৽ঽঢ়৽য়ঢ়য়৽য়য়ঢ়য় कुषाना शेवयारवदायवयारवदायाच्याकुषानु। यायाद्वीदायरायह्दायहै त्त्रेव'स्य'त्विर'म'अःक्रॅम्यामर'तु'सुव'मुय**'मुम'म'सेव'म'स्ट'नु'स'वस'''** मॅंबायाचेराप्यताः अनुवार अनुवार के बानाया है नवा देवावा सरे हैते। र्देवार्षिटारु कुन्यरामञ्चयमानिया क्षेत्रम्ब सार्टा स्नमा सर्वेटार्मेवायरा षेत्रताचेत्। रहाताक्षेत्रतात्रहा हेत्रवातात्रता देखरामाहेता रॅंबर्-दुर्केन्यरम्यन्यत्वेदर्गः वेबवर्कर्ष्ट्रस्चुरवाष्ट्रस्वे देवर्वरम्यरः दे सामुका है त्रे दायर साह माना केंबा खमल उद् ख ने दानी है दाय हि सुर स प**र्र**शंचर हिंगवाद पुरापासुका पुर्वापिका सम्प्राप्त स्वाप्त प्रमान वनायान्त्रायात्रम् व्यायकेषात्रात्र वित्रास्तित्रस्य स्वर्धस्यान् स्वर्धस्यान् स्वर्धस्यान् स्वर्धस्य स्वर्धस्य रेम गुरायेन पारायान नामायवा हुए पराया हुया है। ही परायायवा से नामाय वयात्रेर्म्माम्हरावयाय्याय्याः हिन्दाक्ष्याः व्याप्ताः 

लयाश्चान्त्रेत् विकाल्याश्चा ह्रमान्द्रात्रे विष्णान्द्रात्रे विषणान्द्रात्रे विषणान्द्रात्रे

हुंब् अह्टे. तपुं, वेबां मी. श्रीव द्रा, वेबां ब्रा क्ष्यं क्षयं क्ष्यं क्षयं क्ष्यं क्ष्यं क्ष्यं क्ष्यं क्षयं क्ष

लाम् वित्रहेटाक्ष्यकानुम्भेरुटामहे केर। न्स्याव्यक्षाव्यक्षाव्यक्षाव्य न्यव प्रमुखा ब्राह्म कु मु कर्मा प्रव के मे मे न कर के पा मुक् मा मा विन्दे म्बाबा द्वा के वर्षे वरत् वर्षे वर ฑุาลาลา ที่ าผาผาซัสา**ยลสางการีสานสลาปีสานานีตาลกานกา**ตรฐาผา त्वेवयायहे के दे हे दूर विवस्थाय विवाधियो राजी राजी दार हु विका बुका या र ला ह्रेंबर्नेबर्नेप्टर्में प्रदेशका विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व निते में व गानव गानि र्या नि र्या नि र्या नि र्या व में नित्र में व प्रतासी में में विश्व में व चर्कात्र अत्राव ताम वृद्धा देख्या विकास ताम तिम प्राहे प्रदेश विकास ताम तिम प्राहे प्रदेश विकास ताम तिम प्राहे प्रदेश विकास विकास ताम विकास वि नट ने भे ने ने प्रें के रे प्रें के प्रें के प्रें के प्रें के प्रें के के प्रें के के प्रें के के प्रें के के <u>२व्रेस'दस'देहे'६द'८वेल'र्'ण'सल्य नै</u>'लस'में'ई'स'इहे'(५वॅ८स'याल') प्रस्थान वराष्ट्रं। देखा कुला म्साला ठ ड १३८ महिन दापि की **७.वेशकाताध्रम् रेप्टराचनाग्रीष्ट्रास्टराय्यकारा** हे.पर्वेचयास्य मन्द्रामकेषाम् रामा द्राष्ट्राया रामा मान्या मद्रा देव च के प्रकेर प्रदेश अद्र चिति हैं द क अहर दें।

पक्नुः दो दानवर द्वाप्यादी अष्ठ अस्य कुष्य दि स्टाप्य दे स्टाप्य क्ष्य त्या विषय दे स्टाप्य दे स्टाप्य क्ष्य त्या विषय क्ष्य क्ष्य

देॱव्*षःचढवः* पॅसरङ्गरणु**र**ःद**ण**ःयरःमुद्रःमहेग्रञ्चरःशुस्रायायायुगसर अ.क्रें अ.व य. ते १ के. अवियातात्व तातर वी. त्वी द्यारा द्या वी तां श्रे श्री हुर ने प्राप्त प्राप्त भी भारत है निका के मान वितास मान करा प्राप्त मान करा मान करा मान करा मान करा मान करा मान 5 मान्यास सहित्राच्या न्या निर्माण्या वेरा हो। दे वि निर्माण्या निर्माणिया स्थापित स् पाक्तानराइ द्रेषु प्रायमप्तर्पाधिदार्गा देशम्यसाराया नेवाद्या मॅर्यात्म्य कव प्रस्था देश हैव कर प्रस्था गुः अव सार्व या हैटा दे '८६व 'मु ' चर्च ' प्रत्याम स्वाप्त का मुस्या व का मुस्या प्रत्या सु ' व का सामित लयः झु'८८ : रूट, चुटा **ग**ुटा । पट्टा Ð.चधु.में.विंट.ह्रा वथका.ब्रट्राचें वेंट.चधु.मंट्राच्यूची लु.चुथार्ट्यट. पॅरि'तु'र्झ'तुट'कुप'सेसस'र्पर'धुद'रस'न् वेनस्णी'सुव'प'देन्।'नेस'परि'" बर्हे ५ 'हेब' परे मा परि रा मुरा पहुंचा अर्हे ५ 'हेब' हे 'त' हु 'हैं 'वासुका मुना ॠॕॸॱय़ॱऄॗॸॱऄऀॸॱॗऻॖॺॖॱॗऻय़ॸॆॱय़ॱढ़ॺॱॸॖॱढ़ॺॕॱय़ॱॸ॓॓ॱॺ॓क़ॕॸॱॸॖॆॿॱ፠ॖख़ॱय़क़ॗॸॱ**፠**ढ़ॸऀॱ लार्भूराच कुषा बेरामार्टा। पठवा मेंदी बलाव वाम है वा दृदी वास्टार्टा र्वि'र्च'के'पुव'रेट'र्च'के'युवा'**नसुटस'न** स'हे'युन्स'यस'छट'प' Nस मृद्धियाम प्रविदाव या क्षेत्रा सहित पर प्रमित्याव या स्था सुरवे पाठ वर्षा ।

सुर्वेन'पर्यदःस्। मुद्धर्विःह्येग्पर्यदःदर्मासुम्राम्बर्धाः 진점,요, वेग्वर्डदार्घात्राकवाञ्चेदारवर्षन्वायायराव्वेदादी व्यव्याव्यायायस्य सुॱहु<sup>•</sup>देरःप≼द्रायःत्रा कुलःव्लॅंब<mark>्ग्यस्यःत्सुःहेरेःपर</mark>ावरावीःह्रावराद त्र्वेन्याः युग्याम् वार्याः वित्राम्याः वित्रवाः वित्रवाः वित्रवाः वित्रवाः वित्रवाः वित्रवाः वित्रवाः वित्रव ८४५]विषाक्षा सुर्वे देवाताला हेरारे बार्षे व से प्रेमाय व स्राप्त स्राप्त स्र हे.व्या.[ज्या.] ८.इट.[ब्रू.] तर.टे.तकुर.यथ.के.त्याचाया लतः व.री ८.रूटा चराश्चरा चिष्टवात्वा ८.रूटा चिटारूटा त्रा श्वरा चरा वयानी मिन् उव में राव यानरामिट पुर्नेया देर हे ते खुन्य प्राप्य विकास च्रारस्थितः रचात्रः प्रचारः नीटः चर्षः च्रीतः भूषः प्रचारा भीषः विषा क्रीः ने ना रः रः रा বাপ্তির্মান্ত্র্যার ক্রমান্ত্র্যার বিশ্বর বিশেষ ক্রমান্ত্র্যার ক্রমান্ত্র্যার ক্রমান্ত্র্যার বিশ্বর खु'न्यर'न्यर'यह्र्र'वय्यान्त्रा 🔆 श्च'वय्यान्त्यत्र हेर'वय्या ~~~ [[원,선,宵,월드,] ㅁ노,흡살,호셈 ထㅁ,鎬ㄷ,떠뇨노,걑,뚽∽,근,선성비세 चठवः देशःचग्रः म्हेग्रः गुै 'भै 'गे' **ग्रुअ**'अ६८' द्राम्हेग् थ्रु 'स'व' थें। न्देन्।वस्तरं सुर्वित। न्देन् हेरे धुन् सुरादायकेरा है। वसरे सुँग पुरा परुष पिरशक्षें अपरायमुपाद राष्ट्रीत कुर का दवा या वा विकास ज़ॣॖॖॖॖॖॖॖॻऻॣॿऺढ़ॱॺॣॕॿ<mark>ढ़ॿॴज़**क़ढ़ॱढ़ॸज़ॸॱऄ॒ॴॷऻ**ॗॗॗॗॣॗॗढ़ऻढ़ऄॗॴ</mark> क्रूचेश-तप्रज्ञाचर, त्ये चिता, त्युवा, त्युवा, व्युवा, व्युवा, व्युवा, व्युवा, व्युवा, व्युवा, व्युवा, व्युवा, ठर.रे.वेद्रेच.जच, विर.रेट.**वर्थः वर्षः वर्षः वर्षः** रेचुर्यः २.वेर्यः ४.वे ผูกส.ร.(บฺตฺา)๕.บฺติ๋่.)ฉฺะฺว่งฐ่.เฐ๋ง.บฺฟู้่่ **রু:বর্ষশ.**হেই.

क्ष्याच्याम्याच्याप्ताप्ताच्याः चित्रेष्याच्याच्याः च्याः चयः च्याः च्य

नेॱव बः **सुः वे**ग्मर्डवः**मॅंग्न्ग्**रासॅंग्वेंग्नुं **हैं** ृस्याँवं व्या พุนาปู เดเงา อุลลา วุ พุรารุลรารุ ราลสูฐานราคนะลาปู าอัลานปูรา นราวา ५मॅ८*स* व्या हिते अकॅ५ म्वयार्ग पुट्रां प्रते अस्तर प्राप्ता । **ዾዾጟ**ዹዿ፟ዺቜዺፙ፞ዼቔኯፙፙፙፙፙፙፙፙዾቜዺዀቜፙጚጚዿኇ · भुर्दरामा विम्नामन्यात्राक्रां क्षां चित्रक्षा विद्यात्राचीता विद्या भ्रानेहरम्बर्धातमा सुरावनापानीयान् स्वापार्वा सुरावनापानीयान् स्वापार्वा स्वापार्वा हेरै.रस्रहेरक्रियार्रम्हरस्याने पस्ययात्रायर्गाययाः अरार्ग्रहेर्या है। [नस्य क्षेत्र कृ न्वात्र स्वा विताद्वर प्रस्य अस्य सुव चुन प्रस्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत ॲटराग्चैप्रस्था<u>न्चैर</u>नेद्रापर्श्व**ान्यान्दा। अद**्येषु । अद्राम्चे । स्वर्थान्या स्वर्थान्य । बहरा बहरनेत्रकेत्रस्याचेत्रम्बन्यान्यान्या न्याकेरियान्यास्य स्तर्हे ही दानी सन्दर्भात्मा निस्तर्मा निस्तरम्

मरद'र्मन्ति हेर् हेर् मान्दर्भ नेट नेरि वि हेट द न सर्केट यास्तर नसः**षु ग**यः ५५ 'च 'क्षेत्र' व सः ५८ 'र्थ ५ '५६ '५६ '५६ 'ये न 'र्थ 'ये व संस्था । त्तुला दे'द्रवाचडदार्महे'ब्राव्या हहे'स्यागीु'युन्याद्यानी'क्षुप्तर ला विन्'विन्'त्यम्यायस्याउन्'क्रीयार्च<u>िः</u> द्वेन्मःस्याविन्यायार्न् गुर्याणुर्यास्त्रहेन्। यहे इस्यास्याक्ष्याम्यास्यान्यान्यान्याः स्रोताः स्वराह्यसः ठ८.भीशाईए.प्यथर.पढ्र.२.अष्ट्राइमाश्रदात्रेलाचया वि.१वी.प्रायले. चेरा नेबर,रहिल, बटक, है में श टर, बच, कैं, कू चंब, मी, सूं श <u>षि.कृषे,कुरं,पूथा,पीटारश्चाञ्च प्राचयावटालूरं,</u>एवीखायालेजाचथा अक्टर, इत्याकी विद्यांत्र कुबे त्रा देशकारी पूर्व त्या हेराचा त्या विद्या की या चार्च या त्या विद्या त्या विद्य वसःसर्केन्याचेन्न्। कुग्वनान्यव्यच्चात्रावद्वार्यहेन्वव्यव्यक्ति त्यम्बर्द्वस्य प्राची के कुराष्ट्रिया राज्य के प्राची से स्वाची से स्वाची से स्वाची से स्वाची से से से से से स त्रायसम्बद्धान्द्राच्यास्यात्वात्राक्षेत्र्वात्यात्वा के हें नुसर्वे हर सामानुबाद हो। हे नुवनायन्य। हिमावना हरा हराया बाजनमाने। स्राप्तानक्रा दिला ब्रेट्रा ब्रेट्रा च्रेट्रा क्राप्तान

न्त्राकु के प्राण्या विश्वाकृत के प्राण्या के क्षा कुर प्राण्या के विश्वाकृत के प्राण्या के विश्वाकृत के प्राण्या के प्रा मितास्तु विदार्था गुेर्याम्द्रि विद्यार्था तालया वसाञ्चर्या स्वाप्ताया त्रात्र विवादा प्रताप्त क्षात्र देशे मे न्या स्था न्युर्या व्या पंदी, त्रीत्र अप्ताया स्तार प्राप्त स्तार स्वार विवाज्ञरायराविवाक्षेत्राक्षायराविराव्यवाज्यराव्याव्याविवाव्याविवाव्याव्या यागुव विराधारी र व वा अव पार्ट स्थार् विराम् व था खेवा व वा पार्ट व **बहर्माताल्याम्यान्या** स्वायान्याययाययाच्याक्राक्रेम् वेरा नेप्रयासु वराविवायकेंद्राह्रसायुरानासाद्रसायाचाराम् वृत्तावसा **मगुबार्यान्टा** सुनाया कृता महिना महिना महिना की किना हो कि का हिना का ख़ैर व्यापार्वे करणी विस्ताया निर्माण विष्या में किया मार्गिक हो। विस्ता मार्गिक हो। [ गुवा ] धुरावदे ज्ञायापने नावना हैं हैं दार्च या वव दाना वर्षे दाया है दार्च ह्रा त्रा त्रा त्रा क्षा क्षा व्या विराधित व्या त्रा त्रा विराधित व्या त्रा विराधित व्या विराधित विराध नुमानसाममान्यासानुना [यदा] पठिणा पत्रु सस्याः विषया रेख्या रेख्य क्टरं ॐक्टरं स्वापा कर्षा करार सुवार क्टरं पा चेरा है। वाह्यं पारी वाह्यं पारी वाह्यं पारी वाह्यं पारी वाह्यं मानवीयाने। लटाअष्ट्रराह्यालानबटाटवाविरानवा अध्यक्षाव्यारटारटा स्रायुष्ट, त्याच्याचा विवादि , याविवाद्या स्राप्त व्या स्रापत व्या स्राप्त व्या स्राप्त व्या स्राप्त व्या स्राप्त व्या स्र स्व म्यु सः प्रमु स्व सा सार हैं प्राप्त मा स्व प्राप्त के प्राप् Nबार् क्रिया शायका सुरार्म वेशमा उर्मी में मान्द्राया मार्टिया मु मारा स्वावः यया १ क्षेत्र वा स्वावः श्री द्वी सायरः सि द्वा देवा ता वर्षेत् यया

**अब**न्सु देग्यट्य मिति सु देव देव वासन्य **ब**ा

हे•त्यार्थः रीहका [सबला ्तुलालें•चतुव्याराञ्चलार्यहे•**[[धुनवाला]**] ९र्मेन्यासका स्वारहराष्ट्रासाल स्वारा (सबरा)क्षेत्रका **ग्रीका विनाहाम केसा** त्तेम'हेबःमग्राह्यक्षपामता हे.सबः%्त्मव्यः%्ताक्षाक्ष्राह्मपाचर**्षा**ह्मा ब्रुवारा सम्बाही लया द्वामित्रवास है। हे व्यवस्था सम्बाह्य র্মেন্নরেব,ডেট্র্ন্নেব,রি.লেগথনাথা রু.প্রথেন্নরেব,র<mark>ী.৶৵২.নরীপ.৺৵.</mark> कुव्याध्यामा स्वाप्ताया में त्या कुव्यावना रत्या के देवा कुनाया प्रा स्या थे ते त्या त्या मा स्याप्त प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्थापत स्य न्डन्सःस्याः(दाताते न्यु देव ह्या मुन्या धुन्य करातु । यस्य व या स्वाप्य स्वाप्य स <u>ଞ୍ଚି</u>ଟ୍ଞ'ଦ'ଦ୍ୱି'ମ୍ବିଷ'ଊଝ୍ଟ୍ବ୍ୟ'ମ୍କୁଟ'ୟି'ৡ'୳ৢ\*"ଦ୍ୱୁଗ'[[ଘ']]៧'ឝୁ'୧ଟ୍ଷ'''' खुॱवेॱपठव पॅरि रशः वापठशः व का व व रेखाः भवाकः क्षे रे पान्प वेटा केवाः । । व **ॲसः नःश्रदः रेप्परदः र्वेदः द्वेदः सः सं**। दे द्वारसः हे**न** प्वरदः ये व्यवः स हु न्याने भेर्पान्य मित्रायान्य प्रत्य प्रत् ロに·됬·毋·덫·ㅋㄷ·ㅋㄷ·긷·디옹·미시·시

पुंक्तात्वर्षां विष्यात्वा विषया वि

हाता यात्राहर्मिती कीषामी,वराषाज्ञवी वेटाह्यी वेटाह्यी बिटाह्य विवयाम्हर्ष्यविवयासु हुरासुकात्वासु क्रियामुग्नामक वर्ष्यामुग्नामक वर्षा हुन। गुँरामाळेवायालानातुन्यास्याराकुलायाराराराराम्यारानुहुन। संब्ह्रम् स्थाप्प में बाद वारायम्बाक्षेत्राचा अषु दायराय कु ह्राया थे प्रश्ने वेरा . पश् चिलानी, सूटाटवाबु, सूटाबरीतर किष्ठव्यवा व बार्चीटा जू. हु. सी. हा <u> पढ़िराया कुर [[यर ग] तमहाप्रमुक्त व वा श्रेत मा ५८ गम व्याप्त विवास पर ।</u> कुल. म्.४८. १ . ७ चे थ. वे. च. ५६८. च. ख्र. ल. भें. रंचट. कु. चया थे. ५न्य स्वर्ष्य स्वर्षेत्र स्वरं स विषयं मार्थः विषयं ४<sup>४</sup>हिमान्यम् छुरव्यापह्रद्रामाद्याप्ति । सुमान्याप्ति । सुमान्याप्ति । न्स'नु'पबर'पस'हेस'हैस'न्र'पदेषेत्र'पणुर'प'दे। न्स'हेंदा पाबुर' हुंवा घरहेंवा चर्छरा **हरहेंवा** स्वाप्तर करहेंवा चरते पत्रा **घु**'न्निहै'हूँव'सँ'न्यन्'नु'सेन्'र्ने। कुल'सु'ने'व'कॅन'नु'सँव'वला पहुंव' नृ'पबेब'ने। तर्वे'वि'पवुट'र्ह्व**र'र्यर'पर्क्षस'ने। कुल'र्य**'देवे'बल'दबा ८६८,मी.प्रेंप.व्रंथ.प्रंथा प्रंथा व्यंतामी विषयात्राचा व्यंतामी विषया हु निहार है सार्व मार्व मार्म के मार्म শুর্পে ট্টি' অ' ক্রু' ছি' ত অ' উব্' ই অ' এআ । ট্টি' অ' এ' ব্রন্থ কর্টি ছি' এই ত অ' উব্' ममा द्राणी स्वाविष्य भेर्मा स्वाविष्य भेर्मा है स्वाविष्य है न र्-प्रत्याः □□□मिरःन्पितेः क्षेत्राथः देवा विषयः व के.त.स्थल.त.त्तवी.७८.विधेय.च् स्थल.स्थव.स्थल.त.केट.चेचय.धे

म्रमाने पुरास्या है मास्या महीता वायास्या स्रा विरार्धिन स्पर्यासर हिना में निस्तर्या हिना में गुवा के किना सके दावा **ञ'ञॅब'**ण्ब'चैरार्वेतर्रेत्र'ञ्चेत्र'त्वराख'चेत्रप्तरा चुट्रु'पहेणराब'व्र'च्रि **ऀहिं**ट.तर.जेब.ब्र.बेथ.ोचेल्ल.चया ६.व.४८.स्ट.कुचे.च्.चेश्चथाचया ् **दे.लटःॐबेबकःबश्चाः**वेदःतरःबश्चायःसलांॐबीलःक्रुंदःश्चरःक्षटः,श्वारः **ढ़ोन**ॱकेन'पनर'कर'पुस्या क्षर'कुट'हें 'हे 'नुप्तेटस'ग्रुं 'हे 'नट'पड़ेटहासुर णैस'मिन्स'देनस'पुरुपी हैन'या अमिन'यें न'री न्दे हैन'या से न'न' निट.लट.वेर.धु.पर्याचस.ट.नि.इ.७.वुर। हिर.पत्र.थीवय.तू.ये.डी हरू. द्ये त्या अर्व दे द्वा निया मुद्र के स्मार्थ है । मिया के रहीय प्राप्त के रहे हैं । मिया के रहीय के रहीय के रहीय न्तः मंग्निया वर्षे साद् सावे राम् वर्षा वसामानाम्बर्गसाम्बर्गसम्बर्धमानामा नेवसाक्षेत्रायास्त्रम् पत्नुक्षःसकः**प**र्दे **प**ःजप्राप्तः विट्रायरः एलप्रकाकः सःग्नुवायः वाका **देस**'लघ'ञ्चस'णुै'र्स्चिय'[घ'स'र्स्चर'सह्द'र्दे| लघ'ञ्चस'णुै'र्युवास'द्य'णुद्द' **बेन**'र्थ'न्रॅं'प'र्रा कुर्पन्त्रन्थ'र्थ'र्रा अर्केर्'प'र्युथ'प'र्रा **दु'** यप्ट. विश्वयः सं. यू . पर्वे टया पाया स्वीया पाये विषा हिया अटा मा अहरे ही। मृ चुन परे सनत प्रताम् द्वा के में विषय त्या में प्रताम सं खुका हु है · मही के मुर्रे में न्गुट पु मिले**गल म**हे कुल में प्रेम्स प्राम्य प्राप्त के मालम्बर \*I) \

मर्डामा विप्तरामातु पुरामरा द्वा द्वा है दे दुव चुना विकार दि दुर पुरा हः विद्यासी ने भाषा केवा प्रमानि स्वत्या स्वर्मा के से हिंदे हु। स्वर्मा के महिना है पर व अहर पर मार मार सार व कि हैं रे हिन सार हिन्दा र मुद्दा संमित्राम् है संसिद्धान्दा वे प्रति सिंधा मुल सर पहें वा न्यद प्रमा पचर'ष्टिर'र्गर'अ'**र्रा वै.रथानबर'लाई**रस्**रांग्या कु.र्श्चर**,पच४. हेब.मु.सं. हे.पिट.पचर.ज्ञ.५ूच.ख.२ट.क.चच.२ें.पखेय.सं। बदाहे दुरहित्ति क्षेत्र भूषे त्राचनीयः है। [असः]]मुन्यट्राह्मायहुन्धावटालाट्याचनीयाहे। युन्या न्वःचु न्वर्षा त्याप्ताप्ताप्ति स्वरम्बरम् न्या कुलः संनितः मु देता या प्राप्त मिर्वे याचे ता हु मिर्वे स्वीत राम् के याचे हु मिर्वे हु मिर्वे हु मिर्वे हु स्वास्त्र मिर्वे स्वीता प्रा श्रद्भाना विकास क्रिया स्टर्मा **स्टर्मा स्टर्मा स्टर्मा स्टर्मा** चिंट.की हे.स.पर्याक्षिप.पूरु.खेंबास.रघाषचुं.पर.पचट.पथा बहु.बाङू.बस. ॻॖऀॱहॅॱॸऀॸॱमऀॱढ़ॻॖ**ॺॱॸॖॱॵॱ**मेंढ़ॆॱॸ्ॻ॓**ॱमठमॱॻॸॻॱढ़ॺॱॻढ़ॺॱॱॴऄ**ॸॱऄ**ॴॱढ़ॆ**ॱ महि मही महि मुन्दु न्या महि महिर हिमारी है सम्मार मिन है स हैशानवरायाव। यसुपालु हेवा मादव माम्यायाया माहरायायी ८विषाचाचयत्रज्ञेयाक्षेत्रवाचाचाचा है.यर.खेटाटूर.**चेट्च क्र**ीर्चवया खुॱकेन्'वहर्ष्यु क्षण्याम्बद्धाः म्या विष्णुवानु म्युद्धाः स्या अहानु वीस भैषा हेर्या प्राप्त स्कृता है। दे ब ब हेर्र बता व ब का कवा के ब गुवा की दिन ता मद**ब**्मॅ स्य चु न्य मञ्जू अ र्षे द्रादे । यु नश द्राद्य मु म द्रान स्वाद्य न स्वाद्य स्वाद स्वा

 
 ביקביו
 בַּלְיִמִימִיִּמִיםְיֹלְיםִימִימִיקְיִקְיִםְיֹלְיםִימִימִין
 मर्दे। मूट्राबर्ध्वयाग्रीयापाययान्त्रान्द्राव्यवहरी पापयाचेहेयाचहित्रा ४ अप्यह्म प्रदास्थायस्य यहिन्दी ह्या म्युवार् या महिना हु । चेता दी ॿऀॺॱय़ॴढ़ॱॾॢख़ॱढ़ॺऻॎॿॖॺॸॱॸॖॺॱॻॖऀॱॴड़ॖ॔ॴॱख़ॴॗॱॺॎॸॱॵॱख़ॸॱख़ॸऀॸॱय़ॸॱऄॗॸॱ . इ.ची हुधु, बेल, बेबी हैं का बोनर, रेट, एटी चयथ, लय, जूर, रेट, एटी ्रञ्गर'कुट'अक्र5'स'5ट'२५। ट'सु'वट'न|वर'क'वेन|चेऽ'न|बुटब'व्य' मण्राष्ट्रियायान्द्रा कुन्नराधा वनाधा शेष्युवा विक्री वर्षाधा · 五्रेंट्र प्रियाची प्राप्त र प्राप्त का स्थापन विषयामाधिवानीयायावर्षा द्वाण्याद्देशमञ्जादाख्वाक्षेत्राष्ट्रस <u>नु । क्षेत्र प्राञ्च वर्षा हे । सार्थन । सामा विकास व्यापा विकास विकास विकास । सामा विकास विकास विकास प्राची</u> ঀৢ৽<u>ঢ়৽ঢ়ৼ৽ঢ়ঽঀ৽</u>৻ঀয়৻ <u>ঢ়৾ঢ়৽ঢ়ৢ৽ঢ়ঽঀ৽য়ৢৼয়য়৽ঢ়ৢ৽য়ৼ৽ঢ়৽ঢ়ঢ়য়য়৽ঢ়ঢ়৽</u> ॻढ़ॏॺॱय़ॱॺॎ॓ॱख़ॖ*ॺॱॿॗॕॸॖॱॻ*ढ़ॎ॓ॱक़ॗॺॱॻॕॱढ़ॏॺॱॻॖॱॻॱॻॾॕॱॸॕॱॺॸॺॱॻॱॿऻऄॿॱॲॸॖॱॱॱॱॱ दे-च्र-भी·चड्ड-च्रि-सुन्ब-द्यःसु-वि: भी-चर्ड-च्र-से-से-दि-स-ता म्बद्धान्य बु चु ना दि । दे अप्याद न व कुल में पु न क द अन रहेब'र्बे'चु'परि'मणर'र्वेष'मैं क्षेत्र'चु'पल्लेर'व्यायं १ मामान मसंबु हेवास प्राप्त अहेता महवामें ते मान स्थान १८०० मान स्थान स्थान लट. ८ हु बेथा वेशा नविष्मुं वार्ति हो हेर होर जूरा संस्थित विष्म नहिंदा वर **ชน.ส่ฆโ** ซู.ดีน.ฐีน.สห.สุน.สุน.สุน.สุน.ส์น.สพ.น.น.ลุน.สพ. **ह्याच्यात्रा**हपुर्वे स्वाचित्रसम्बद्धाः स्थाप्तान्ते ।

ริ<sup>•</sup>รุฐพายธุมเปิดเมียานี้ เปลุเพาส<mark>นพาน</mark>ชานหานานกรุษที่นั่น ञ्चायःत्यक्राच्चाः प्राणुकाःहे। **र्चा।**षटः **पायुक्षः**क्षे ररे पावी कावाकरः हे ग्याः चुकाः पर्दर्भाष्ट्ररायरारसम्बन्धाराष्ट्रराष्ट्री देहासुरायरायहामुहास्तरायहा बेबागुंबाह्य कुंगुंबाह्य मुन्दावान विवादा है देश है । विवादा विवादा विवादा विवादा विवादा विवादा विवादा विवादा खर्'रु'-र'ल'मेक'महे'क' में प्रत्वक'मकु'ड'मकुर'खल। हेर'केहे'खर्'ल' **हे**.छट्य.त.र्टा तक्नी,वृते,बिश्चेत्रातक्षेत्रकाष्ट्रकात्रात्रा सिबायायपुरस्टि, लाईमाळेवामा हिलामु क्यानु पान्नाया व यासुला वारापार भूगाना पासुया इ.स.च्यात्यात्याच्या वेटाई विटावेश्वात्यात्रात्यात्याता 멸짜 퓰ː웜멖짜૭ːऍŋ་ཏུ་ஞైང་〖ག་〗̣ངཁང་ས།་བསྐར་ཏེ। ㅈㅁ་ཏུ་བྱུང་བ་ बर में क्री र पर कुर पुरि दें। चुरत्य तथ खुन व पवि र खुन व र व न पवि र अर्केंद्रॱहेद्र'केद्र'मॅं'मिंद्रें<sup>,या</sup>महेंद्र| हुटाकेद्रमें'दुम'द्र्याच्याचुटामरि'के। प्रा **कु.अ**च्याद्य**ा**,क्षेट.दश.ज्ञट.घ.टटा। क्ये.ह्यचश्चरपट.टे.ल्र.दश.५म्। <sup>ख्</sup>ट. **परावयान्याद्या वृ**ष्णु सुन्य वना सुर् द्या स्टापया कुष्येनाया सुर **बर्-वृद्य-पृ-र्ष-ठब-८र्ग्ना दै-दम्-**भे-हे-ल-व-सुव-सुद-प-र्-। स्-ायट-मे-विदालम् । भाष्मदाद्वात्व प्रवास्त्र । स्वास्त्र प्रवास्त्र । स्वास्त्र प्रवास्त्र । स्वास्त्र प्रवास्त्र । न्गुेशरिवरंन्पविष्यः सुरम्बंधार्थ। चुरतन्तर्म् प्रश्निकः शः सम्बन्धाः भवा केस गाव की से प्वटालया से बाता वास से प्राप्त प्राप्त की से प्राप्त त्यन्या रंबळरानुः मुरायसः द्वान्यते । त्वारायरः विष्या **५८। पठव श्रर ५८। ३८** से। हैनक गुँग्झे पर विन हें उदा गुँक पि **ॻॠॸॺॱढ़ॺॱॻ**ढ़ॏॸॺॱॺॕऻॱॸॖ॓ॱॸॖॿॱॿॏॱॸॖॿॏॱॻॹॕॺॱॺॖॱॗॎढ़ॕॺॱय़ॱॗॏॾॺॺॱॺॱॿऄऀॸॱ **पर्भवःदश पहेदःप्णुरः५८ःवदरःध्वैद**ेळेख्दः५ुःगहरा पर्ददःव्यवस्यः त्रुन्'चृत्य'कु'ञ्चव'चुक'व्रिर'व्या व्यव'कुल'चु'वे'वे'वादत्र'ष्पर्। त्यारवापने' मःसःम्प्रिःम। व्याप्तःम्यार्थःश्चीःमदेःमःद्वैःतस्तःश्चीःमदेःमरःम्याया न्नातः न्नुत्रः र नः द्वस्यः ठ८ म्बेन्न्यः स्या क्रसः सः सः सः वि क्वार्यासः वि क्वार्यासः वि नित्र विषय विष्कुर्वन में दि स्नित् विषय विषय विषय में दि स्नित् वराय विषय के विषय के विषय के विषय के विषय के व **श्चान्याल प्राप्त व्याप्त व्यापत व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्यापत व्य ॻॿॗऀॱॱढ़ॳॱक़ॖॱॴॸॱॻॖऀॱऄॣॸ॔ॱॶॴॱॴ**ढ़ॴॱॸॖॱढ़ॻॗॸॱॻॱॻॖ॓ॸ॔ॱढ़॓ॺॱॻॴढ़ॱॾॗ॑ॺॱढ़ॺऻ प्ट.र्नेबे.प्र.ट्र.प्र.वंश.वे.वंश.प्र.प.प.वंशर.थट.त्.प्ट.घ.वंश के.वेर.टे.प्र. र्द्व'र्श्वेच'र्टु'पर्नद'पर्याय'याञ्च'म्योनेस। यायाळद्र'प्यायामुबाक्रे'र्देद'यात्मुपा मा देखसामहबामा विश्वारविष्यहर्भाकर्शश्चरायाध्वरमामम ८चल,पञ्जीया क्र्यो, इ.पी.इ.चील,धष्यी डी.पथाची.जा.चेयाई,पीशिकाल.

चर्चार द्वेता वृत्ता त्वेता क्षेत्र क्षेत्र व्यव्या उत्ताचला है। वात्य वृत्ता वात्य वात्य विकास विकास विकास व मन्यायाम् हेया त्युराकरायार्टा स्वायायाहेया त्युरायार्टा त्युरातम् वायाविष्यायान् । त्युरान्यवार्मात्य्युराव्युराव्युवाने। त्युरा मुसा मु मार है रहेना में यापद में ला र्डू है। या केरी पाह रहे रहा है रहा है रहा है **५८**१ सुरदार्घ हैं ५८। वैठ लर्रा सुरु ५५८। हु द में ल ५८.तबु.िब्रुब.२८४.९.ी में २४.तम्बना व्यः त्री.पञ्ची. १वयःतरःवि.प.२८.। वेयारवीरःश्चरापाश्चयातातवःपपुःलयःपानि.वी [विना'सरा] हं के खुटा प्रां मण्डा मण्डा पर्यं प्रांति ष्ठाची स्वाधियाल ताल हिंदी स्वाधियात स्वाधियात स्वाधियात स्वाधियात स्वाधियात स्वाधियात स्वाधियात स्वाधियात स्व हीट दुंक कुर हार दश हुर है। विकाश हु प्रमान वा मालु न्या मार्या में द खलाबाचलवाका**राहानाश्वरा**रमामास्यान्यस्य स्थान्यस्य । पा**इ वराया अटा केंद्राया न्यार हिंदा या न्यार है** वा पार है का वा ब्राया है का या विवार है का या ५८। श्रेर्यापरेष्ट्रायरापदुनास्। वेनायाकेष्ट्रानीस्रासर्स्से र्श्नर्भित्रयाद्भवसावे स्वर्षे स्वरास्त्रयात्रम् हुन्। नून्यस्य नायहेन्सः בין אבאי ਗੁאישחי בוים '' טַ יבן ימאי פקאי בוין טַ יבן ימאי פקאי בוין בין मनेगरायसम्बुदि'खुकार्'हें सुद्गयदि'र्देद'र्'मसुद्यःयदि'कुरायदिसुस् कें खुल'नु कें न्ना के परि नें व नु महार वा सिर मर मा है हैं नि न हो है खुल'रु'द्वे'र्वट'र्य'षट'रव'ग्रै'र्व'रु'न्युर्व रावते'त्वन्यायन्कुर'र्हेट''' मा अवालिकामधीनी वृवारमाविता वितमकीर हैरामा धवायान ह्या हें हे नहराम हैं है जुर ना हैं है जुर ने साम ने सरप हैं हो। विने ञ्च पञ्चर हो। ञ्च रवसय ४८८ कु मर पति १८ कुर ५८ पाईया मालव प्या **८३व.तर्था** ४वर्षयाताती.सैंच.क्रीयाशस्ट्रीतपुर्येत्यानुराष्ट्रीया इवसर्तर्भ ने देववर्णे कालना न्ता वर्षेत्र मं सूराय संग्राय पर्मा **दे, ⊈ अथ.** की अ. प. र ट.। व के थे ता के अ. से . ख. ख. ख. च. ता . था स्थान मॅंदिः सन्दर्भे देशे त्रे साम्प्राप्ता वर्षे के स्वाप्ता वर्षे के स्वाप्ता वर्षे के स्वाप्ता वर्षे के स्वाप्ता **पद्मन् पर्दे मार्न् प्राप्ता हे** है के लाम अस्य प्राप्त चुलयायहे । **प्रेव** की रमातृ रस्केत स्वेरमकुत्। दे क्ष्यसः की कर सार्वि सामा **द्धनयः भूरः नशु**या [[२र्नुसःचःन्दः।]] वर्नुः इति र ते विषया कुः छेरः र वी सः मा रटाम्यायकाक्ष्माराञ्चनकामाकायमानुःसन्दा सुसामग्रीमा है। मान्ता विभाषा हिन्द्रान्ता स्वाद्याद्वा 디옻쇠,열,요仁,외仁,진,디륍스,夫

विसारितासान्त्रीरिटामक्यामा हिनाकु.कटा बीवर्याना होवालयः भारानकुत्र**अवारनात्रा विराहरान्यः निर्वाहरान्यः ।** विरुवायानकुराव्याः र्वायर विवासी अर्जनर वदर कुंगल महन वा के ईर् प्राच्या हिम्हिम्मे हेट्द्रवाम्बुट्यराष्ट्रवा क्रिम्हे न्गर'ठन' प्रति व सः व्वेषाय **व्वेषाय व प्रति ।** प्रति व के कि कि प्रति । [रराम्याहदायाया वर्षाया<mark>रराम्याकावसासपुत्रसाहरा</mark>वारवाहुर चुटःचःलःसुलःचन। सं**रङ्गःचःगुदःग्रैःदलःदनःचँदःत्वटनः**त्र्वटनारुः मसंबद्धाः स्वाप्ति स ৫৯। বিষ্ণা ক্রিনার্ট্রির ক্রিনার ক্র पर्या पश्चर पत्रिव से प्रमुद्द मा (शिक्स स्वा) विष्ट हों व गुव प्रमुद्द प्रमुद्द स्वा कनःश्चनःचलेखासरःलुखेखा**नश्चन्यःश्च। शुन्यःन्नःध**काहेवेःन्सःर्थनः खरा रमर्नु चुरामहे **मन्दर्नु महिमा रमर्नु चु**रा**अप्रम**ास बनका श्चैॱहरालेबा प्रार्टरा**श्चिमास्त्रैग्स्याग्चैदाराम्बन्यादालटा**स्व**मार्**टासहरा म्र्रिलार्टा चेवरालटा हैन्स्यामा वर् की अटला ह्वार ल्या देवरा लाचनिर्ञ्जलावया द्वानटार्बेटाडार्टा अक्टरहेवाचे पावदेटयार्था **ब**८ःऄॣ॔ॺ॓॔क़ॖऀय़ॱऄॣऀ८ॱख़ॖ**ॴॱॸॊॱॸॖॆॺॱख़ॴॱॺॴॱॷॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॣॸॱख़ॖॴॱऄॱॶॱॹॱॸऻ**ॸॆॺऻॱख़ॴॺॎ**ॸॱॱॱॱ** 

देन्द्रभः भ्रु-भः पर्ष्ट्रपा प्रमण्ड्र मा द्रवा क्रमा क्रमा भागा विष्णु द्रवा मा **बसः रअन्। हैं** पर्दे पर्मुत्। र्ह्ने व र्घा के व र्घा ब्राम् विष्मु बुरास्य विष्मु व য়ৢঀ৾য়ৼ৴ড়৾৻ড়৾৻ড়৻য়৾ঀয়৽য়৽৻ৼয়ড়ঀ৻ড়ৢঀ৾৻ঢ়য়য়ড়ঢ়৻ড়৸৻ঀ৾৽৽৽৽ न्सन्दर्भाते। कुरि कुर में प्रसम्बद्ध निष्मा कु प्रसम्बद्ध करा करा करा लालचाव्या क्षेत्रा (महेया) स्वाराहे मु उरावे प्यरापठ पायर देवा हु पर्नेथा अट. ऐ. मे. अपर। ज्या. केटी अ. ३ मे. ची. ९ ७. १ ज. श्रम्थाया अपरः सुबा-दुः संग्मिनुदा दवामिनुद्रा सुद्दा अदार्था महास्ता हा है। स्ता कर दिना है स्ता भेरहमा त्यार (स्ता ) र नार सु स्रा है र है र है **कुलः सं रह्मा क्रिया क्रिया** ॻॖऀॵढ़ॎ॒॔ॴॻढ़ॱॖॕॴढ़ॎऺऀॸॱॸॱॴ<u>ॎक़</u>॔ॻऻॶऀॴ॒ॷॸऺॴय़ऒऄॱ४ॴॱॹॗॱ॔ऄॗॱ॓ॱ **चैतः दें।** दे त्रदेशस्य त्रामा कुलः संस्थान कुलः संस्थान कुलः संस्थान **द्याक्षा**यदुन्य **प्रति न्वावन्य गुष्ट व्याप्त । देवका क्षा**क्षार्थन्य व्याप्त स्वावन्य गीः श्चर'5'यर'पठर'द्धर'पठर'पुरारे'द्वेषारा'वन'युर'पद्याया चु'र्वार्'रे'र्घे है' धर दुंब ' तुंब। विषारित हैट ' तुं रें र ' र र र दें हो ब की विषय है ' विषय है **६५.८८४.८६४.८१५.५८.मु.५.८७५४.५५** केषा अधा हि सेची मुथा

पर्नेर'पर'वा चेवार्या केट'। वाबर'णट'वार्यायया वावरे देया गार्वा वार्यायया विट.र्ट.भकूर.हेब.भट.त्र्याचार.वर.वाच्चवायाचा हेथु.वाच्चवयाच्याच्य <u> मॅंग्र्र्स्मियावित्राधिरेञ्चावराची ध्रेरेग्र्यायावियावयार्भरार्मे। देग्त्रा</u> Đੂਨੇ'ਨਾ ਸਵਾਰਵਾ। ਗੁਵਾਲਵਾਰਵਾ। ਖ਼ਵਾਲਾਬਾ[(ਕਵਾ]]ਬੱਾਰਵਾ। ਬੱਚਾਹੈ' न्वे प्रति प्रमेश मा हे द द वसार त्या द्या वित्र द वस कुरा पर प्रति प्राप्त में बहर्ष्या प्रत्वाबराम्बुबसासहर्ष्या कुरीम्पानुपास्तर्र्ये हेर् चुिले'**मार्चन'लम्'।**यद'**नाठेना'८⊏'। ই**द'नीु'नार्चन'लम्'।यद'नाठेना' ५८']] निष्ठेश प्रेष्ट स्थान्य स्था मा विष्य प्रतास्था विषय स्थानित स देग्यर दुरश्याय रहत र्या द्वेद ख्दा म्वयाय है हाय शहर में प्यर ही प्राय ⟨ती८अर⟩ व यायाचिटायाक्षे व्रतिगानुगया प्रयादारि रेवेटा वा सक्षेत्र की रहेंगा ने'सद'कर'नु'र्द्रपुणु'न्**सव्यक्षे**'रहेद'मर्दे'सदर'मुस'र्स। ने'मु'र्द्रन' माहिकागी अञ्चलका अव विवासी न्मन्यराष्ट्राम् १व स्याम् १व स्याम् <u>न्द्रवे बिटाह्रे किराबराचिकामध्यक्रिकार्याक्ष्या विष्युक्षा व्यविक्या</u> हे भेर के प्रविश्वास्तर । र स्रोहे खु मिट प्रवास में ह मु खारु (के रु ) न्युवः र्यर दे रेट ता वेवा व व व व र र र । न व व व व व र व र न र । भिष्णुलाचेवा सुलामुःवा ५८० वहाबुहा। १५ सुला **ल्याम् ना में भूचे प्रमाश्याय सार्य अस्तर स्वाम्य में भूमें भूमे** <u>ब्रे'प्पना'रुद'प्पद'कर्'श्लेर्र्मा'नासुस्र'म्रिस'स्रह्मा'रु'प्दर्स्य। स'रुर्स्या</u> **ᠮ᠍᠍᠍ᠯᢂ᠄ᢐ**ᡪᡃᢆᡚᡃ**᠗ᡩᢅᡣ᠋ᢩᠫᠬᢩᠬ᠙ᢋ᠋᠌ᠩ**ᡃᢏᢆᡑᢂᡃᢌᠲ᠂ᢩᢅᡯᠲ᠓ᢩᡃᡖᢩ᠒᠂ᡸᡃᢂᠵ᠙ᡃ᠋ᠮᡪᡆᢩᡃᡯ᠙ᡃᡃ

प्रवासीयाः स्वाप्त स्व स्वाप्त स्वाप्त

देन्वस्यर्वरम्प्रदेशः अरुद्वरस्क्रायः स्यापुः मुद्रायाः साख्या वसः कम'श्रेर'कॅस'र्म'स्युवा र्मम्'र्ने'रर्नुव'य'मसूर'र्ने'स्य'मस्य विषया सामा केर क्रिया मेव रहारे ना यर सुदायवा हिले क्रव रहा बदा हित [84] - Hand - Hand - La. M. (20.) 2. - Bard 4. - 2004. ८मे.४२४.५४५५६म.५६म.७४। ह्र-१४४४.मूब्र.३५८.वे.५३.५.६ म्रेन्द्रिं प्रत्यावक्षायात्रकेषात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या चुट्-प्रत्यात्र्जेश्वत्वेद्गातृ**ःधुन्यःवह्न**्याःकेत्यन्यःवेत्रःयायःश्वन्यःयःबुत्रःःः महात्र त्र प्रवास्त्र क्षेत्र त्र प्रवास्त्र क्षेत्र विष्ट क्षेत्र विष् परे'अष्ठर'पहेंद्। क्षेत्र'मुद्देर्'य'क्ष्यत्र'या'व्यापर'प्रवाहित्'केव्'र्ये' मद्रा बर्वा द्रवाराया द्रमार्टा द्रुट हेर्पान्य त्रुर हेर्पा वर ५८। विष्यार्थाञ्च क्रिन्य ठवायार्थन्य रेन्या मे विष्य विषया ८८। अन्यक्तायास्यावायास्याचेत्राचीत्राच्यावायास्याचेत्राच्याः व्यथः १८८ में विष्या पर विषयः पर विषयः वर विष्या पर विषयः १८८ विषयः वर विषयः वर विषयः वर्षः णिट.पोश्च.पथु.रेअ.रुर.प्यू.धु.से.क्ष.पखे.योष.त्रूर.पचंटा ट्रे.प्र.पपटश.येवा ऍ'२१'८म्बर'म् इत्रकः कुँका देन १८९ ४ कर्नु क्विंत्र मर्दे **न** पार्ने ४ वर्षा १ देव श्चेर'यभेर'युक्ष'यम्। र्ह्वेद'र्द्यं द्वान्न विक्रिंग्ये विक्रिंग्य विक्रिंग्य विक्रिंग्य विक्रिंग्य विक्रिंग्य परव में कम श्रेत प्रमाद्य वा स्वर्थ प्रमाद स्वर्थ का स्वर्थ के स्वर्थ का स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स

ह्रव'र्घ'वन'र्घ'क् समाण्डिकेट'र्**ग**वसाचे रूपराया पराचे हिर्मा र्वेटबः चेरा चुँदायः केटा**तुः पहरापशरो**षापणारः पर्णेवः ववः छेराकुषा पत्रा नेप्यामेयायदावेराद्या रमानुमायात्राम्या प्तरे र पर हु प्रमुद्धाया यह पर कें प्रमुद्धाया कर के र है। ( लेर ) चे द व र यह प विषयः । अर्थेव व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति । विषयः विषय **ॸॗॱ**ॻॗॖॖॖॣॸॱय़ॱॺॎख़ॖय़ॱख़॔ॹॹॱॿ॓ॸॱॸॖॆॱॵॸॱय़ॖ॓ॸॱॿॹॎॿ॔य़ॱक़ॕॸॕॗॱढ़ॗॺऻॱॿॴ पण्टाकुराकुरा अटाने इससा श्चित्या देणायाया नी गुवा मे साम बेरा है। **য়ॡॱफ़ॕॱॻॖऀॸॱय़ॹॱ**ॸऄॱॸय़ॱॸॖॱॼॗॸॱय़ॱॺॱॺ**ढ़ॱफ़ॕॱॻॖऀॸॱय़ॱ**ॴॗढ़ॱॺख़ॖॱ ऄ॒ऀॻऻॺॱऄऀ**ॴ**ॱॱ न्युष्टराद्यायळु मेन्या दे प्यविद सेन् ार्यिन् रानेशायह मुकामया सेन् क्रमाधः मारु प्रामृह्यायाया प्रामृह्यायाया क्रमायो प्रमृह्या हु रहिलाया য়৾ঀয়৾৽ঀৢ৾য়৾৽৾য়৾৾৽য়৾ঀ৾৽য়য়৽য়ৼ৾৾৾ঀ৾৽য়৾৽ৼ৾ঢ়ৼ৽ড়ৼ৾৾৾য়৽**৾ঀঢ়৽ৼ৾৾৾৽ঢ়৾৽য়৾৽ঢ়৽ৼ৾য়**৽ व्रक्ष्याम्बर्धाः विवा वेर व्या विरहेना वर्रे। हेर्स्यामा ठवाया ख्रा सेर् गुन्महुन्द्रिक्षान्य राज्य क्षाया न्याता क्षेत्र तहेन हे क्षाया विस्तर क्षे'ब्रिन्'वेर। हर्षाणु विष्यवुद्धित्यं विषय् विषय्वया विषयः । हिन् षदः तद 'केद'र्स 'मृद्गाप' द्रम् शची 'स्व 'मृद्गा केद 'मृद्गा केद 'मृद्गा केद 'मृद्गा केद 'मृद्गा केद 'मृद्गा केद प्याष्ट्रयाच्चित्रयाके विवा चेर। देखा है 'या द्वेष 'यु प्य विवा चेरा द्वा प्राय है विवा चेरा देखा है 'या देखा है चव्या प्रतामि कुर्ल्द न्वर्न्ता पद्वर्क्ष न्याय कुरान्ता स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वर्य स्वय स्वर्य स्वय स्वय स्वय स्वयं स्वयं स्वर्य स्वयं पन्यमः मा विका विका विका प्राप्ता का का कि का

वटः नुः बुक्षः याकाको यादेवः मासुहका वकाका मावहः । व्याप्य विष्याय गाने ब्रीन्'न्युत्या वित्निष्ठिय'ग्री'ब्राकासम्ब्रियानमुबादयान् वित्रास्या ড়৾<sup>ঢ়</sup>৾য়ৢ৾ঀ৾য়৽৴ঢ়৽ড়৾৾৴৽ড়য়৽ড়ৢয়৽৸য়৷ ৼ৻ঀ৾৻ড়য়য়৽ড়ৄ৾৴৻য়৾ঀৢঢ়য়৽৸৽৸৽ঢ়**৾৽** ळेद'र्य'स्द'ण'र्म्यय'चुं'लॅद'र्ह्द'चुैर्याञ्चन्त्र'गुं'श्चन्त्र'रम्बु्न्ययम्ययाम् तालास्यावर्षात्राचिषात्री एतव्याप्यायायायाया चव्या प्राथा कुर्मव क्षत्र प्रवास्त्र प्राया चित्र कुर्या प्राया मित्र किष्य किष्य मित्र किष्य किष्य किष्य मित्र किष्य कि ড়য়৾৽৴ঀ৻ঀ৾ঀৢ৽८८৽**ড়য়৾৽ঽ৾৾৽৴য়৾**৾৻ৢয়৽ঢ়ৼ৾৽ৡ৽ঀ৾ঀ৾৽৻ঀয়৾৽য়ড়ৢ৻ৼয়৽ঢ়৾৽ঀ৾য়৽ৠ৾ दे.ज.वच.**के.बक्.च.व.**द**्ष.८०.६**.वैट.वया्ह्ट.८.कूचे.त्.८००थाहे.ब्र... म्. भ्रदालितारी श्री प्राम्य विषया विषय गुद मुं मुं सं मुं मार्स पञ्चर है। राय कुल हैं रे र् र र र र र से मार्स स्थाय सुर ਫ਼ੵਜ਼੶ਖ਼ਜ਼੶ਫ਼ਫ਼**੶ਖ਼੶ਜ਼**ৡয়৸ৢয়৽ড়ঽ৽ਜ਼ৼঢ়ৼ৻ড়ৼ৻ঽৼ৽৳ৼ৻৴ড়৻৸ৼঢ়৽ঢ়ঀ৽ৠ৽ঢ়ৠ৻ঢ় परि पुत्र हु। पर्द में कुरि रे मुस्र कद निर्माण पान ता हुन हुन साम दिन स 디자'라'> 현 '디자 | 국자'에 4' '도'까지' '등 '전 '전 ' '디 성 4' '도' ' 됐 다' ' 전 ' ' 전 ' ' 전 ' ' 전 ' ' 전 ' ' 전 ' ' 전 ' ' 전 ' ' 전 ' ' 전 ' ' 전 ' ' 전 ' 전 ' ' 전 ' 전 ' ' 전 ष्ट्रे.पूर्.मुअर्हे.बर्धरप्तर्थं.रज्ञात्वर्र्यत्ये.कं.र् र द्वानुते स्थापा हुना पाना हुना द्वा द्वा प्राप्त पानी न वयानुग्नगुर्मा कुलाया हिर्ब्राट हेर्पडवर हर्षे हरा कुला का सहित् हेर्रथायाक्षरञ्जून्यास्त्राचुरथात्नुटातुरम्भेनसातिरमरातुरस्यामकुरवसायाः र्सटा देवे पर स्ट्रिक्ष मुल्या विस्तर द्रा केंग विस्तर मुहेस मार्टर प्रसः त्रें क्षेर्'पद्रान्द्रार्यश्री

ने'द्रायहद्ग्याद्रायाद्रायह्मात्र्याद्रायह्मात्र्याद्रायह्मात्र्यायह्मात्र्यायह्मात्र्यायहम्

र्वश्चुलाह्रेर्दर[[व्रेर्टर]] ह्येलासम् क्रमालासे प्वारापे ब्र ह्य . ट्रिन्स्या द्रावय कुल का वि तत्य हे वि व्यापान हे हित द्राव है । विव मान्य चीका ह्या विवया प्राप्त विवया प्राप्त विवया कु'द्व'र्घ्य'र्घर्गेर्द्रम्'यावस्त्रस्य उद्'स्वाप्याया क्रयागेर्द्रमाय <u> १८ मुल महि पर्वत व्यवस्य युपादया विमारीमा रुमापारी प्रवयस उर् प्रमाय</u> हुॱब्न्'यङ्गेराययख्ययङ्गेर्'री व्राप्तुं'कुल'व्राप्तरा त्त्रवास्याम्युकालाक्षेर्यम् प्रमाप्तः श्चित्रायम् ग्वीकान्यः ग्वायः हे। तिमार्वे राप्तः । <u>२च-भ्र</u>ुक्षःग्रुःष्ठ्वःसुःग्रुकःग्रुकःग्रुकःर्रः।ः विदःग्रुकःग्रुःधुगःरुःरेःरेः प्रविष्या मिन्द्र मिन् **गनुमः कुनक्ष्यक्ष। देरः शुनमः शुन**देव निर्माणकारी। कुला विस्तरा पटा केंगा विवस्तक्तिका विद्याले विवस्तिका विद्याले विवस्तिका विद्याले विवस्तिका विवस्त **ই'অদ্ধ'ন্ন্ৰ'**ম্প'না'্ডৰ'নীআছু ৰ'ন্দ'অধ্থ'ন্তৰ্ম'নী'্ছ্ৰ' क्षेत्रायाः स्वीत्रामाय द्वेत्रायायाः विष्याः द्वेताः द्वेत्रायुः वास्याम्या वास्या । वास्या 전체·포제·협회제·철자·교육지리 로마 등 및 - 프리카 및 - 프레스 및 제 - 플레스 트 - 프리카 रुदः (यः खुषा क्षेत्र स्ति । पर्वः प्राप्तः स्वातः पुत्रः विषयः क्षेत्रः स्ति। र्ह्या विस्या प्राची सर्पा पार्विषा हु हि बिया पहण्या प्राप्ति केषा हु स्थार पत्रा परद परि न भेगामे खुट पर रहा। देर सि महेना हे स दि स्वाद्व पःर्थान्तरः। ट्रेष्यास्तान्यक्ष्यात्तेष्यः विशेष्ट्रात्तेष्यः विशेष्ट्रात्तेष्यः विशेष्ट्रात्तेष्यः विशेष्ट्रात्य सर् हे क्रिक्षिणी क्षित्रा विष्यात्र विषयात्र विषयात्र स्थित्र स्थितः विषया हैं ८.त.रेटा। स्टथा बे बे बाता हे बे बाता कुराता कुराता है वाया कुराता है वाया ता कुराता के बाता वाया वाया वाया

र्यं केरे श्चर् मिन्यं कर्। सर्रे हें चरस हें ना पर्ने दृः पार्टा ए स्था द्वाहराह्ते भ्रापटाहेते युन्यान्यान्या परिवाहा नियान्या ह्यराष्ट्रा विष ञ्चनः क्षेत्रः व्याप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत गुद-५८-ध्व-विकाने क्रानिक्षान्य कृत-विकानम् ५ विकानिकाने । चुन क्षा रुष प्रकृति माल स्टि है प्रकृत प्रकान केर छे है पर है प्रकृत प्रकार प्रबेटका के'उ'व'प्रबु**णका गसुट'ने'हेव'गकेर'ने'**ॐबेुर'र्ट'सुक'हेंट'ध'ॐ त्यार'क्षे**ग**'पक्षेत्रमा त्यस्यास्य द्याव<mark>्यामा युगमा</mark>णी'हेद'५६०'मी'पुसमा यातिविद्रान्त्रे विद्राप्ता स्वाधाना हेर् अस्ति निष्या है । विद्राप्ता है । विद्राप्ता है । विद्राप्ता है । विद्रापति है । समा ८९८.मी.विश्वातात्रिष्यायमात्रे सम्बन्धात्र प्राचित्रात्री रचित्रात्री । अक्टर्रायाचु प्यरा चानाया प्राया चुनाया चुना चेराया चेराया ५६। [यरतर्दर] ]सुन्नेर्दरा केर्दर्दरा धुन्नावदर मुद्दर्यका देखा ठमानिस्राधानिस्राधा तस्रामेस्राम् दस्रामेस्रामेस्राम् **बुैद संखिना निका नार्देन** बुैद खुँ खुँ सुणु खु दे चेर परि प्राण्य के देन परि वसास्तान्य ने वसासाम्बन् ने दिन्य वसासाम्बन् वसासाम्बन् वसासाम्बन् वसासाम्बन् वसासाम्बन् वसासाम्बन् वसासाम्बन् देवस्यानाः इराहित्यावसः वु प्रान्याराधाः वस्य व ए सुत्राचर गुरा दे व या की व वा मार्गर प्रत्याव या की व वा मार्ग व यथ य व र विष्या मार्ग व या मार्ग व या मार्ग व या मार्ग व या

ॅंद्र-'खुश'र्-'ऍरक'द्रव'रॅंद्र-'खुश'सुर-'यर'चुब'यहै:ब्वाहे:ब्वाहे:ब्रिंस्काहिंस्काहिंस्काहिंस्काहिंस्काहिंस्काहिं <u>८६८, जानकाताल वेस्त्रका स्वीयः सूर्यः स्वीयः स्</u> ८५'माला झल'केनाकाके मुग्रामकेनाला अकॅन हेन के मुग्रामकेना नेका के पदरम्बन हैं वर्षा है वर्षा मार्थि वर्षा हिट्रे के कि विकास का मेरेटे का अववा है अ अववा के मेर अहर हैं मेरे त्रु'म'सेब्। **यद'न्सर'मॅ'र्रे'स्वा'सं**'तृद्र'त्रह्स'म'स्र्'त्र'दे स् **፠न्दर**ॱसहैॱ<u>%</u>षुर'य'न्द्रा दे'क्यचन्त्रव'कु'दन्दन्द्राद्रु'टा'लेदा षदःषरःसुदशःषरःब्रुहैःग्रॅदःस। दैःह्मुशःग्रुःहृदःसःह्यःस्त्। देः क्रे**८.त.त.क्र्र**ती अत्तव्हर्**षेत्रप्ति क्रि.क्रे.क्र्र**क्रम् **हुन्'र्टःबेट्'ने'र यम'**म'र**्ट'म'र्थर। हुन्'वेट'न**हेव'ग्रै'अहुन्'व'रङ्केथ' नात्र ना ने ना के ना निरानु के दे प्रकेश अर्के ना हे दा की साम विद्या ने प्रकार विद्या पठवार्यातस्त्रायान्ता क्वार्यातेषात्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास् <mark>हॅंदामार्दरा मॅर्नासाबीर्नमराम</mark>ाकुवाबीरतकरामराहेदामाधेवा <u>५८</u>१र्बॅ्डा श्वेदः सं रे र न मा कु 'व ना क्षें मा पुव र ना है का की राम र व र में र में र सम र में र कु न र स मा **ড়৾৾৾৾৾৻৸য়৾৾।** ড়ৢ৾৾৾য়৾৽ঢ়ৼয়ৼঢ়ৼ৾৾৽ড়ৢ৾৽ঢ়ৢ৾৽ঢ়য়য়য়৾৽ঽ৾৾৾ঢ়য়৾ঢ়ঢ়৾৾৽ঢ়ঢ় मःभेव। देग्याञ्चयान्द्रियमः ग्रुग्यमः अनुयायय। दाक्षायमः कृताये तरक्ता मःभेदःद्री वृद्धार्थात्रव्यव्यवः वर्षः स्वाः निर्वेदः निष्वा स्वितः वर्षाः ळ्याचेर्-प्रेच्चराव्या वेयारेणाय्ययारुप्रसम्याप्यर्पव्याप्तर्णेण्यायाः ক্রু রৈ অ' ঐনে 'থা আছি নি 'থা আছি भट. त्राचिकाताचा भ्रास्टाकह्या हिरावया स्तिकायराच्याचिकाता. 

भाग्नः भुँ भूनः सः राधेरः ति राधे प्राची भूँ प्राचित्र भी क्ष्रा स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वा

अतार्यंद्रायर् स्वरा धुः द्वणु सुः देवा वृद्धा धुः प्रवा धुः प्रव

षरःक्षुत्। स्रापर दिद्याया सराक्षेत्राचर पुत्रायम्। व्रेत्रापर प्राप्त गुरु वरे। पडव पॅरि युग्य सु ग्वर् व ग्वर्स पर देश से से स्टर्म पडव अस्याप्तरा चलास्याचनराविष्यहुवार्टा क्रि.पाचराम्याहराम्याहरा विःब्रॅटः हे प्यर्वः त्युवाबद्यापान्या। विवाधान्याम्यवाष्ट्रयान्या म्बर्द्रमा अ.चीट्रश्रेषा वि.पंचं लप्तिस्तेष्यं अ.पंपुर्म्यं प्राप्तिः द्रमा.पंदिष् सद दी मुँदा है र ल पार्टा पव के व प्याप्त पार्टी स्थाप र्मण्यायाञ्चरायारम्यायारक्षात्रात् पुट्टाण्या। ञ्चरायायमायरिष्ट्वण्याया प्रातः म्बार्यः क्षेत्रः के स्वातः या युवा प्रते प्रवतः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः ८६८ त्राप्त अर्पत्रवा त्राप्ति । स्मिनिक अर्पत्र विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विष्य विश्व विष्य परे क्वेर रे पा विव हे बेर से बेट खेर व पेतर है ए केर के न व का कि का **न**हें हा दे**ॱव**त्रः विद्रात्तात्वः प्रदर्गावः कुत्रः कुरायरः सरः श्रुवः सेरत्देव**ः परिः श**्रासः ह्यं म् के ह्रम्पूर् से से लायर अव या बेया देव रे प्रायम हेर्दे'ल्याव्यान्तुं पार्ट्यायाया स्वापार्वे विष्याचे स्वापार्वे विषया स्वाप्यान्या स्वाप्यान्या स्वाप्यान्या स पहेंद्रवर्षा प्रवापन प्रत्वापन प्रत्वेष प्रवापन प्रवापन प्रताम प्रवापन प्रतापन प्रवापन दे<sup>ॱ</sup>दबाहे ताबुबाहे। हॅंदालटाबटायाबटानीकासुन्दे देवस्यासुन्सन्। **५**८५ चलेद'रु'मेु'बेसब'सु'लुषास'[[समः]]लुस'मसा रे'र्स्चम'म्रीक'म<mark>सुटस'दस'मेु'</mark> अप्र. र्यु अस. से. तरे वे. त्यू वे. त्यू वे. त्यू वे. वि. वे सा वि. ये. वि. वे सा वि. वे सा वि. वे सा वि. वे स ठेश'पञ्चे'पर्य'र्त्वेद'र्प'द्रस्या'र्प्य'प्वरा हे'र्प्य'वृण्य'र्वे विसा ă. बहर्षेटानु केंद्र सम्मन्न सम्बद्ध वृत्त न्यीय विदर् में हेट वा वहव में से

न्ने'परि'विस्तारकर'पर्यार्थस'त्रा है'वेर'है'हैस'वेर'र्रा है'विणु'सु वेहेर्ह्माक् कुलर्धेवर्श्वास्य एवरेर्जुमारुवरवव्यव्यक्ति । वसायाध्वाचरारहेवायाचा राम्नेदाम्हरानुष्यामुनसायाचनाच्या पन्ना देरभेनना देरहरानुनाचर। व्यणुरस्देशमञ्जनमानाने सन पण्टा भ्लापार्वाचा कुलार्घान्वाता स्वापार्वाचाताता स्वापार्वाचाताता स्वापार्वाचाता स्वापार्वाचाता स्वापार्वाचा पदे.चंबेवायातास्वायास्वायाताचियाचवव नेशयापुरसी श्रीरामयाज्ञा न्मिन्या के न्युत्यान्वित्यायि प्रत्यात्वयायह व स्वाप्त्या निवास ह ना निवास हुन्'डेन्'प्रवास्त्रह्मा अप्यतः म्याप्तान्त्रम्यः हेर्न्यः वन् १ अ.वुच.त.रहा सुं.वुर्.टे.अ.चरेच.ध्यट.मी.अकूर.च**र्ये**र. ঀৢয়**৾৸য়৾**৾য়ৢঢ়ৼ৾ঀয়৾ঀয়য়৽য়ড়য়ৼয়ড়য়ড়য়ঢ়য়৸ড়ৢ৾৽ঢ়ৢঢ়ৼঢ় ॾॕॖज़ॱॺॱॻॿॖऀॺॱॸॖॱॻॿॖऀॻऻॺऻ ऒॕॸॱॸॕॖॱॻॕॸॱॺऺॺ**ॱॺॗॱ**ॻॸॻॱय़ॺऻ ॻ**४**ॺॱ**ॻॕॱॿॱ** रे। ने 'हे 'प्रेव' बेरा क्षे 'हर पश्चिर'य' फ्रेव' चुर्या ने 'स्वि' हु 'प्रेयाय' बेरा ब्द्यायर हिंद्रियात्वात कयायादा द्वादी हिरासी ना किया हिरासी विद्या म्बरम्बर्मा मिट्रक्र, पुरस्कर विदेश मार्थित विदेश मिर् ४.स्थानी, च्या अथानियाता प्रति द्वा, भवानीय हें प्राचीया च्या हुए। ट्रियासुरपहरते पुराया सुपयायत्यास्य स्वयाये वियापित्र में स्रिः श्विषाधिषाः वुष्यार्भिष्यः क्षात्रेष्यः स्रित्रात्यः क्षात्रेष्यः विश्वास्य स्रित्यः स्रित्या स्रित्या स् अ:अ:र्म्द्राम्यम् कुल:रुप्त्रेद्राच्या स्ट्राह्र्यःस्यात्राह्म्यस्यःहेरम्यम्याः मिट र् अहला पह दे र नवट पते र पट दुन ल विवस र् न विवस व सर्दर

मुर्दः अः শ্রুम् বাং নৰা অনা এবা শূণন শ্বং নৃটা ব্দং। বনা ইবা শূণ দুবৰ माइवयान्ता इनाष्ट्रमायाइवयान्ता हेगुग्द्रामन्यवामा इस्यान्यूस्य द्यान्तिष्य द्या १८ १ वि द्वर १४ वि देव । वि व **देरै:रुक्ष:सुर्द्रह्मदम्याद्य:इक्ष्रः**श्चेक। म्बाह्य-स्वर्धःविकःद्वरम्यबुम्बःसुः अम्बेरावरे पुत्रास्त अटा हेटा दे रहे व पचटा में खूराया वया यावरे क्षेटा में। व्यात्रा हुं व गा तार तार्या वा तार्या दूर पा के व र पे र व व व र हे। पा तर पर्ये व है। दे व ब ऋब घब ब ब द न न हे र र दु खेब पर र हु ब है। कु द र दु र हि न ब र प है प नेप्तःस्निसःयःइससःकुनसःर्हुग्दःतःम<u>५</u>५८८। कुदःएटःयुनसःकु८८<u>५</u>५८। क्षेप्चो'क्षेप्रष्टिश्रक्षत्तरःचिष्ठ्रचेष्वरचिष्ठःचिष्वरचिष्ठाः स्थान्यकृषाःशः ५८:५दाशः सर्नेदृः सुसः श्रीटः सुटः सरः पावन युनायः निहेरः नुः स्था याः है रहस्याः सः इट ब्रॅट ख्रेंब में में वाया दाया हु में में वादा की दुरम में दि या बात में पकु र पकु प्रस्ता वि र प्राप्त पकु र पकु प्रस्ता केंग्र हिंदा श्री पि केंग्र हिंदा श्री पि केंग्र हिंदा श्री प चार्थना । विरुद्धाः विष्या । विरुद्धाः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्या **हे.**लर.[[अ.श्र.]] ह्रेचा २.तहुषु.अधर.पर्णाची.र्चिताचे थाई अथ.यी.बोहुरा सदः है 'नु र र च कु र स्वा चु अ र र र र द र में र के है र प बु न कर न द कर र सहर ≨শ্ৰনাধুন। ८६व मी यामा प्रति हिंगवा केव क्षया ५५ ५ ५ ५ १ कि मी राकट ५ ५ १ मी रेर के खर'सुबा बुनाब'गु'ब'र'ल'पह'ट्रे'5'ध्वब'ठ८'ग्रु'पनाल'पपब'य'केद'हे। देशः र्श्वियः अर्द्यायः केषः द्वारायः वाद्यायः विष्यायः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः द्य

दे व सः सुः सुसः म् ४८ : अः सुः म् मा '२ विं र विं दः दुवा विं न र सः वस्यः [पट रहेट पा प्राची व्यवस्था प्राचक्ष विश्वस्था व्यवस्था क्षेत्र की स्थाप हिस्सा ॻॖऀॱऄज़ॱ**ॼ॔**ॸॱॸ॔ॸॱ**ॼ॔ढ़ॱक़॓ॱॻॱज़ॱड़ऀज़ॱॿॖॖॖॣॺऻ**ॱॱॱॾॣऺज़ॱॼ॔ॸॱॸ॔ॸॱऄॸॱज़॓ॱॷज़ॱॸॗॱज़ॸ॓ॸ दे द राष्ट्र श्रम् न द द राजाया श्रुद र दे दे र जे द र यम श्रुपाय श्रुपाय श्रेष विस्तर यम स १९८८ में एक हो। शुरायदाय**े भूका पुरायह ना व का मना** वा भूका भ्राप्त्रिर इवयान वेनवारा देश वृता द्वा वया व्याविह क्रेट में व्याव्य व्याविह क्रिट में व्याव्य व्याविह क्रिट म इट हिट टे तहे वृष्तु पुरायतु प्रायतु मि विष्ठू प्राया विवाद विवाध विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास नैप्तरायाञ्चाना यायास्याज्यात्रा नेवरहेकायान्याहर्तेवर ॻॻॕ॔ॸॺऻॎ क़ॱॸऀढ़ॱक़ॆढ़ॱक़ॾॕॴॗॱय़ॖॸॱक़॓ॸॱॸॖॱॻहॖॺॱढ़ॺॱॶॱॶॴॱॸॖॱॿॖॱॻॱॸ॔ॻॗॱ . भेवा र्श्विवः तर्येदः शः खु**नः कुः नः हेदः** यः शः **कुर**ः च ५ नवः हे। र्श्वेरः दुः हुः हि मुरेन्'रु'पर्गेत्य। त्र'लम्कुल'प'महेन्'र्घुत्य'ल'पर्गेत्य'पर'पर्यस्य ผานฟู้ รานสาสาสาราชา สิราร์ไ รรารี เปกเลืา เปลาสานาระา ผู้นสา यत्यामुरादेवार्याके प्रता वर्षा तर्षावा (म्रावा) ह्या विवया प्रता व्यापरा केष्रप्ताता के प्रवास द्वापा विकास विष्यु । वास्ता विक्षा विषया

वुष्यः नेयः न्या मुन्यः न्यायः वुष्यः नेयन्या व्यवस्र हे मन्न ८ इष्य त्रा श्वा राप्ताया की का नेया रा श्वा कर अहर केर की प्ताया है **ঘৰ,**৺বাজ,ড়ৢ৾৾,৸ড়ৄৰ,৺৽৻৵৸৶৽ঢ়৻ড়৻ঽ৾৾৻ঢ়৾৾৻ঢ়৾ঢ়৾য়৸ঢ়৻য়৾৽৸ৼ৾ঢ়৾৽৸ৼ ्रेन्, ब्रीतः ताड्याः ताडुः केष्ट्रा विष्टः प्रकृतः **ताडुः ताडुः ताड्याः वाड्याः वाड्याः** श्रितः र्पेष केष प्राप्त है सार रटा। श्रीय र्पेष पर असम हिरे छैव किया बुन स मबाक्षु के देरान दरा थि दर बुराम दिन दुरास दिवा है । अ बुरा पर्ह्नेना है। संस्र-हिटाटे १८६द थापबुन्यार्सा न्वद हुन्याम मास्र पद्य.य.२.तभेरकाष्ट्राप्ता है.भाष्ट्राता.क्याभारता.वीराक्षेत्रा बैन्पर्हेट्या गुवामस्य देश देखेयाचा विराद्य हैं देखें कुं प्रकर १८ व. र र मुंबा ४ में प्राप्त विषय विषय १८ विषय १ पद्मव पापञ्चपत्र हे 'केट' लट' केट् 'पर' पुत्र हैं।

म्ब्रलाचना मृलास्याक्षां लिटान्यालामुः हं हो प्रावृत्ताका प्रावृत्ताका स्वाप्ता स्व

चर्चेदःदरः हें अःसहै 'न नेदः तुं'अःचरुचःसः ददः। द्वः लुदः दसलः चुेर्ँ 'हे 'च**४ द** स्वार्थराम् सुवार् मुहेश विद्यापाम् वार्थः केर्यामा विद्यापामा वि खार्ड त्याङ्ग्रसाङ्गे। देग्याश्चायाप्ताः हेवात्मेया वहेत्या वहार्मेट स्टाणी तिर्मेरा बाक्यान्यर मुन्य मेपा हेबान म्या अपार मुन्य मार्थ हैंदा म्रापाबियामा स्पिथयाम् । वया श्रम्भा हे. हिरामुयास्य ख्यसं ठ८ खुर पुंच प्याप्त र प्याप्त सं विषय क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त स्था विषय स्था विषय स्था विषय स्था विषय स् मैबःहर्नारःयंग्वरुष्यः स्वार्धे वृत्रार्थः प्रुप्तवार्थः । वेरःवृत्राद्यः रूप्तरःयः ला है दना में ना हैना हैना समका अन्तर न हम सम्बद्ध न किन्तर मा हिन सम्बद्ध न किन सम्बद्ध न किन सम्बद्ध न किन सम सर्टर्न्यर में भार्यक्षाया दम् में पुन्य स्थान हमा हिरा हा सर हैदा सारे रुख ह्या पद्यं म्यं दा टाम्बस्य पृष्ठम् गुटास्य पदी सद् के रायस प्रति णुटः त्वा क्रेटः मृहेन् गुटः क्षेर्पातः बेरः बेटः। रः बारे हें रेटः नी के ने मृच्यान्त्र प्रत्याता दे.पिट्रन्त प्रमुच्यान्त्र हे.कु.चे.क्या. २८.४५२. तथा दे.ब.र् ह.स्युश्चेत्रत्वे.च्या र ट.प्युबर्स्सालः विचारनेट्र माभेदाने। हे नामाद्याया न्याया हे हैं मेमा में ना विना मेवारिया न्या प्रवास्थाले तिरार्पाता में हेर् हेर् हेर् हेर् हेर् कर्में द र्मा द्वा महुन । वहा नहीं निर्माणिया निर्माणिया । बर्ळेर हेव त्या मु बहे साव साम बुगसा २ तुगा मिरे बर्व रहा हे सुट र्माया **कै** 'हैं रहे स'हे 'प्यास' देस। प्रार्थ 'स'पहेंद' दस मुबु 'पहुं पर स' प्रार्थ। पर्वद' 

हेन ख्रमामा के सामा हो ता तर्ष स्वाद्य स्वाद स्वाद स्

देग्लाक्षावाक्ष्मादादे। स्रकार्यमादादा महुमादाया ल.रेम्ट्य.प.क्यं.चुरा वि.श्रुवी.ये.री क्र.ये.क्यं.श्रुपकी क्रीयाये. ୢୖଌ୶**ୢ**ୠୄ୕୵ୣ୵ୢୖୠ୶ୢୖୠୣ୶୳ୄ୵ୢୠ୳୷ଊୣ୶୕୕ଌ୕୵୲ ୷୕୷ୄ୶୶ୄୖୡୣ୴ୢ୕ୠ୷ୢୠ୶ୣ୶ୄ୶ దౖ८,๒**ਖ਼ਖ਼**.ᡚ.ਖ਼੮ਖ਼.ঀ৾৸ৣঀ৻ঀ৾ঀ৻ঢ়৻ঽ৸৸৻য়ৢ८,ঢ়ৼ৻ঀ৸৻য়ৢ৾৾৾৸৻৻ पर्व प्रांपर्मे तथा पर प्रवस्त करा करार राजनित की पाय के मार है से खूब प्रवस्त स्थार 몆'축제'줬드'Ðৢ「'a'N조'Ðৢ드'| N'N'ॲ'Ḥ드'드N조'Ŭ'축'a'N조'ਦৣ드'본'| हरें र्राया <mark>चें प्रमुखास सन्तम् वेर धें</mark> र र्ह्म मृश्चिम सम्बुर खेटा। टाझें मावसः शेर्माराधाः मुग्नाधावा वेरावसः स्टार्मा देनायसः विवादारी ८**६**ॱधादे, द्वात्रात्तात्र स्त्रात्त्र स्त्रात्त्र स्त्रात्त्र स्त्रात्त्र स्त्रात्त्र स्त्रात्त्र स्त्रात्त्र स्त कुषा,ब,द,बुषा,पञ्च अ.बु,दी,दी,श,ञ्च अ.धे,ष,षञ्च ८.पट,पूर,बुर। वि.कुषी, वररे ख्व से हे रेट व सामार्थे साव सामिर बेरारी हे बेद पाया सामर्थित बेर में। मुख्य दिन्द्राय १८६ र्माय मुं में हिंदे हुया या के दार में या तरी **ॻ**ॹ॔॔॔ॱढ़ॖ<mark>ॕॱॿ॓॔॔ॱढ़ॺॱॾॢढ़ॺॱॸ</mark>ॻॗॱॸॖऀॺ**ॱॻ**ॹ॔॔॔ॸ॔ॖॱॿॖऀढ़ॱय़ॺॱऄॱग़ॗढ़ॱढ़ॱॸ॓ऻऻॕॸ॔ॱॾ॒॔ॸॱ 

८५५ वर्षा वर्षा वर्षा के देश हैं वर्षा वर्षा कर्षा कर्षा है वर्ष वर्षा कर्षा कर्षा য়৺৻য়য়ঀ৴ৢয়ৢ৾৾৾ঀ৾য়৺য়৺৸৺ৼ৾য়৺৻ৠ৾৸৺৴ৼ৺ৼ৸ঢ়ৼয়ৼঢ়ৼঢ়ৼঢ়ৼঢ়ৼড়য়৾ঀৄ৾৽য়ৼৼৼৼ वित्रिः १८ विष्या वित्रिः विष्या वित्रिः विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विषया व ⟨र्सिनाः⟩ २८.वि.मूर्याचेतान्त्राच्या र्याराष्ट्राकरावान्त्रान्त्रा माणवामुः सुर्वाशेष्ट्रकादकार् ८५७ । देवकाकी गुवादारी मुलामाँ केंसा मार्थ ्वोत्राम्याक्षारहेत्राम्याँ द्यायाध्यायाध्याचे । प्राथाधी में हेता सहया मा ८५ ता अर्देशी हर्न्धा अन्तर्भाका मा ८५ ता व अपिया व बर'व्याचेव'द्रा कुल'व्याक्याकृष'तृषाया नामाउ'ह्रि'नाव'विराधर' नै'न्सर'स्यु'खु'वे। हुँ'दर्भन्भि'गर्रिन्ने'महे'रह्युं न्नवस्य ८६५'हिस' <u>฿ู้เพชะเรมเพลเพระเรติเล็กเพลูสเรมผง</u>ชูเฉเราผ<u>าลัสเพร</u>ิรสาก <mark>लन्-रवे.कुचानान्मा के.</mark>जिस्त्रलेश्यान्नान्यःचित्रकात्राचीत्याचरीयः ঀয়য়য়য়ৼয়৽য়য়৽ঀৢৼ৽য়য়৽ঢ়য়৽য়য়৽ৼ৽ৢঢ়য়য়৽য়৽য়ঢ়য়৽য়য়ঢ়ৢঢ়য়৸৽৸ড়৽ঢ়য় ८वृतः वैषा अर्षेतामया**देग्या अ**त्र स्वाप्त विषायया **ॐठे.** बुर.हेथ.पथ.ष्ट्रात.पढेथ.टे.श्चिश.पथा ॐ ỗ 미윈드자'디지 ह्यानायात्रा श्रुपार्ययायात्रीयायश्चरानायायात्राम्याया कुल.प्रय.क्ष्याचर्चेतयाचडु.ज्रु.क्षेयाद्वेचाये.चथर तथा धेव' बेर'व्या ऍॱवॱदेॱतदेरॱवंबर्दर बेर'ववा देःयाल**'न**5बरदेव**'य**वा हिर'ल'नगर कर् अर्थिन् या अपिर हे के बेर। हेर् ग्रैश हिर् दूर र्दे दश या केवा र हिर् रदः यदः दिवार्षे वाचेर। पर्वं दः याना बुकार्यवार्षे वारे प्रवार देशा द वा बुद

<u> छ्याखु बुम्याप्याम्याम्या</u> क्रमारुपुरामा देव्हे प्रायामा विमासम्याप्या वदरादेवाद्वित्ववायवाद्वृत्। कुलाविवराक्षाम्वेनायराकाववायस्वा मान्द्रान्दानु विवादिका विष्णु प्राप्ताना केता केता विवादिता वुनःबाधिताः । भीष्मभेदानेदारमाधिष्ठानुष्याम् विवासाक्षराभूगुपनिवासमा तु मार्गा दे नियमान हिन्दा मार्गा हैता मार्गा हैता है है । छ्,छ्र, < ष्ट्राः छ्राः > थ्यापकानिया भाषात्र, ह्राह्रान्। राषाकराचेशानी अप 5 में दावा विकास्तर है ना प्यार मिंदा एका छिदा यह है निया कुरियका विटाल्ली, वर्षा पचि । साम वर्षा सम्बाद्धा सम्बाद्धा सम्बाद्धा । बुन्यायया नेप्यायिक्षामुवायाचे। खायाया गुलायाक्षेणाठवा मुँ विस्तराण्येया अधिन अदेशका प्राप्त विद्यालया विद्यालया विद्यालया विद्यालया वमवासुर्धेवाछेवामवारकामालेन्याम सुराहेग्मधुमवामाला निगमन्नेवा बान्धिमान्यमान्द्रमान्त्रमा छाल्यान्। बार्कार्वेस् केन्यति बुगा माधिकामका झाकान्दाणाविक्षित्राक्षेत्रचेता व्यामिकेमणावामकाम्बर्गीः भेवा देशे हुनवाणु स्पर्वे भेदा वेरा साथा दारी माना के अरुन क्षे.व्यातिका, मुद्रा बेटा कि अवाह भाषा भाष्ट्र त्याता ४ वर वर्ते वि भारा तथा ५८. बरा लि. हि. मे. र. वर १८८ बरा वह रेने रियर वि. य. रेपूर अंडन मुख्यायाकी कुन्यति न्नामा वर्षेनामा वर्षेना वर्षे हरकार्ता श्रुप्तकेवनके प्यति चुकामान् विनारातके प्यकावर्षेता वृक्षा

ष्टि<u>, प्रे.व.कु.लह</u>्य ह्या ह्या सका हराचा प्रविद्या हुन है त्या **विद्या विद्या** श्री নৰা হ'ব'ট্ব' বাজি বিজ্ঞান ই নাৰ্থা ই বাজা বাজা বাজা বিজ্ঞা বিল্লা हॅर्न्स्सरम्ब्यावन्यस्यावस्तरम्यम् बार्यं वार्या वा पर्ट. व या चूर प्रकारी हैं हिर प्रविधानिया विकास व पर्टिया प्रकार क्या व या भी प्रविधानिया व विकास क्या व या भी मरामन्द्रामन। मिल्द्रामा हुन्नान द्वारुपादमा हुन्द्राह्याहुरानाइन है। हिंदारदायरे बैप्पडिया के स्वाचित्र प्राप्त प्राप्त है । दें दान माराबारिकार्यसम्बाराहेग्याचे विद्यालयाहितार्वा विद्यालयाहितार्वा विद्यालयाहितार्वा विद्यालयाहितार्वा विद्यालया वसा म्र स्ट क से पुरुष महा हे गुवाय कि महिंद के प्रकार में है मुडेना प्रवादिन दि र दान र स्ट क से द ने र दिन दिन र पञ्चम्यापन्याचेन्यम् राहेन्द्रो प्राप्यापहुन्याचेन्यम् **ब्र** ब्रमा क्रमारित्वमाधुनामाविवादिनातुमानुस्। तरीम्स्यार्थमा क्यायम्बर्ग्यन्त्राप्तरम् भुवारमापुरम् वृत्राप्तरम् वर्षाः चुटायाक्षराचेत्रवररात्नाराचेरायवा देरान्धारानेग्वचुटामीवावायारा निया महरारमामस्याकृताह्याह्याः । स्वाप्तान्त्रात्वाः ह्याः वयारमा हिल् कुः व्यापासमा मन् क्षेराधरा विवासिया विवाहित विवासिया द्वा केंबा ८नुवायायायायाचा मान्यावा विष्याच्याका नामा हिमा अस्वायर विमाया अस्त मन् मनेब्रम् स्रापर हिरामना भ्रामा क्रिया है । मानिका मानि

ने व व विष्या का का का से प्राप्त का कि त्रे 'हे'व'महेव' हें नव चेत्'प्रें व' व्याप्या हर्मिश्लिहिंद्यर वु' व्यवत्रत्व्यः हु 'शु 'द्वेष्य है। बेरा देग्याषुयान्तुयाशुप्ति। श्लिरावरु। त्रने न मासुसायस्य न स्वाप्त का स एक्षान् । प्रमानितान् । विष्यान् । न्मलाकुर्द्रहरलयाकुर्वास्त्रम् द्यायम् नयाकरम् पुं क्षिता मार्च मार्च व दे नियम नियम मार्च मार्च नियम मार्च विरावकार्वेदायका कु'वमा'वकारु पदाद्यो हिंदामे दिवदा छ । जीव यम् मु प्रते र्नो श्वर परिन र परिन र परिन स्वर मु द परिन र परि <u>रचे•्ररुवःचै॰्रावःक्ष</u>रःबह्दावया व्दार्थःदगेःश्वरःचारुवःद्वः। देरासः प्यम्भागाम्यावयान्वयान्वर्षाः <u>र्नोक्द्रायहरा रने श्र</u>्यार्या हे प्रवास ने प्रवास न म्बिबर्वराष्ट्रम् वायवरामः विद्यालेकारमः विद्यानि विद्यामा चु-कु-की देन नम् कुटान के वुवा हिवायत्य कुरान हें सार विवाय के साम कि विभावना मार्टा के हुँव पारे स्थापार या मी पान नामा व मारे समा कर पार्म प्राप्त पड्नापादे अपी रमानु पुरादकारे अपन्तुरकारादे दे हे अपी व बुस्राम्माराङ्गराम्बु⊏राम्बा अङ्कार्मानाम्बरादारी व्यापार्यम् इ**म** ब्रुट्टान्टाक्ष्यानुहाद्वेयाद्वया नावादन्त्रीत्रम् व्यापायराष्ट्रित 'लब'अ'र्षेद्रा के'द्रद' देव'म्बा अवद'र्घ'मुद्रेद'यर'वदर'यास्त्रे हिंद नुकार्व कार्यापठु र्याव प्रांच कार्यर प्रांच प्रांच कार्य वा वा ज्राष्ट्र विष्

मानवार्यान्याना हेवाया या हैवाय विवास विवास विवास हैवाय हैवा किन्नु देन्द्र व्यवन् श्रिमाया दे अया विष् हे। दे मिन् नु स्तायाव विष्य विष षार्पायास्वामाञ्चे त्यामाञ्चरका देराण्यामा वरावका वेका मानिन्कुं विश्वत्वा सुदासेन्वा यस विवाद वावदामा विवा विदारेदाम के'ले' नेबाकुलालकवारु पाठमावा देवापववरायावा दुम्परपारु पुटापालेव वैं। बैदावैश्वामेंदाकाविषानुष्यानुदार्द्रात्यम्। देवाकेवान्यवरान्विषा पदुवायारे पु्टा धेवालाववा याँ प्रापटा मुका हि प्ये प्रेवा वेटा में प्राप्त क्षेरनेकारमामुमाक्यान् हैका वै ज्ञानका महुव स्वामक्षेत्र दे माहिका गुर्का बे**'ब'रेब'**केब'र्नरा म्हरूर्वे'महै'सेब'र्म'म्हेब'रम'तु'मुरूर्दा दे मृद्रैकाण्चैकाकामकामाः र्वता रूपि देवाकामा विकास वात् प्रमुता है का सम्बद्ध पदी कुलारयम्बर्गरम तु पुटाहा ने व बारला महें हे र्नम पुनारम बुवन्यम् निटाहाके वार्यामा है नामा है बहरी बैंचबरलया. मेट. देष्ठ. कैंट. त. जावबर कैंट. वरा वीबर मेट. एत बदः नुःरिवेलास्। बकेन्दां मार्रेवारहे नवा व्यास्त्रवा हैना नुःर्हेवा गुःनानर पर्चे पा अहर पुरासद पहिना र दी । तिसे (तिसे प्राप्त पुरास पुरा किट इनि (लन्) दव मुं बल देश र निवेश सर पर प्रमी हा स्थल मिट रु पक्के.बबिटशा ब्रैंचश.लब्प.कुट.पे.दे.दो रेचल.कु.रेचट.वैंबी.केट.बुटी त्रैरः**स्वयः न**हेन् दुःचच्चैयः न्युटयः यय। व्रिंतः स्निन्दः तसुः तुः न्युर्थायरः न्याया ट.श्.िन. (श.चन.) नर्श्वट. एष्टा नियाया हैनयाया हैन्याया हैन्याया

क्ष्मात्मार्थन्य व्याप्त क्ष्मार्थन्य व्याप्त क्ष्मार्थन्य व्याप्त क्ष्माय्य क्ष्माय क्ष्माय्य क्ष्माय क्ष्म

चित्र वित्र वित्

याषुकायह्वाषेदाहै। ५ हिप्यायाचीप्यवाष्यवाष्यवाष्यदार्थेद्रायाक्ववाष्यवा र्वे। धटःकुतःवःष्पटः,सँठःरे। देःम्हैबःम्छेवःसंग्नटःमै**स्**चेठःसरःबः २८४४ व संस्थात । १८५८ व स्थात । १८५ व स्थात स्रा हेन्द्रक्षार्याचात्रक्षात्र्वाह्रात्मान्यस्य स्राप्तक्षात्रक सर'यहँव। देशेरेट'ल'वावल'रुबायबट'र्घ'क्सकालेव । से क्सका गुर पत्रवारा इवका वुराने। हे ता विस्वार्थना परि तिवार पा चुरा हे। ५८ म्। विश्वतासुर वृत्ता दे विश्वति (देदा) तयर सक्षेत्रसासुर वृत्ता हो। दर हे। <u>ব্রমণ ক্রী, নাল ব্রমণ রিখা । ব্রমণ % বর রো % নাল রো নালম । নালম । বর্মণ করিব </u> डा डालमा पिटा निश्च स्थान स्थान है प्रकार स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान विद्यार्थम् वीयावर्गे द्या विष्या देशे-तृबरशुरञ्ज्यवरवरवरक्षकाः क्षेत्रकार्मे वर्षे वर्षे स्वरूप स्वरूप वर्षे प्रतास्त्रकार कार्या स्वरूप वर्षे **झेर**'कुं'अट'अट्रा अट्टास्ट्रिंट, देये द्राट्या चेलब, चेब, च्या चेब, चेट्ट, बहला हू, मृ. ब्रुबाब प्राचित विवासका क्षेत्रक लिला इंटर विवास हिष्यामुब्द्याम्या अनुम्यायाच्याम्यायाच्याम्यायाच्याम्या नैयः त्रापारीना निर्वाणि व्यवस्थितः स्वेषः प्रियः विषयः हैना प्राप्ती प्राप पर बु चुर्य पत्रा उटा मर हिन्य एया छित म बु द राव देवा देवा वेदा स याचुकाक्वार्वा भेकान्यर धुनान्य। हिर्श्यर भेकान्यर मुर्ग

निमात र मित र में द र के द र स्थान या निमा सु र से निमा या ते में द र मा निमा से र में द र मा निमा से र में र मा निमा से र मा निमा शुन्याकुर्ञ्चयाविष्टेष्ट्रायाकेरन्युकर्ण्यान्यान्यसुरास्त्रवसायुष्वयान्। दे क्षयायान्व्ययायार्थार्थराह्म्ययायरान्व्यार्था देवेर्त्यायुर्वे प्रवा ব্ৰথাট্ডাৰ্ট্ৰাৰ্ড্ডাইনাট্ৰালাখৰা কাইটোট্ৰান্নন্ত্ৰাখাইল্কা मयाकुर्मायहर्। वृत्यावि निवाली माराकु वारावि मानेन्।वायुवान्ना अवाम्मा अवास्मा अवास्मा अवास्मा नेवा कु'नर'रु'निवेनवर्ष। हे'सब'हिंग्संबर्पाट्यट'धुना'ल'कु'नर'डवर्'र्'नर' हैसाम निवाहे मानिनार हेमा कु उव त्या र्वाम्यामा वटा है पार्श्वर रा मिष्ठैकान् करास्त्रन् स्युरानु । निष्कामिष्ठना मुन ※त्युरागुटाक्ष्मवाॐपञ्चुरायाञ्चेताँद्र। त्वाष्ट्रियान्ववाण्यदा क्रेन्ने बाबुन्। नुबाने उपादा वाल्य म्द्रस्य म्यापत कर्षि वस्य स्वा वहुन त्रम्य वस्य स्वा वस्य स्वा वस्य स्वा वस्य स्वा वस्य स्वा वस्य स्वा वस्य स रेरे केट मवस पहुंच प्राप्त संपर प्रमुलास प्राप्त हो बाहि सहस्य **ढेद-सं-कुल-प-५८-विट-अञ्चलमें कुट-प-मिहेब-प्रेश** मिन सेव-स्वाके में परे **नवें पर** न्त्रे व्यवस्था निवास विवास प्रतास निवास स्वास स् वसः विषव द्यात्रेर प्राणी विषय त्यार दि विषय तर तर्मा वर्ष हिया है वर बान्यायायायायायायायायायायायायायायायाया र्दरानी रहें अपने हे रे में प्राप्तिन अपने किया परिष्ठ प्राप्त प्राप्त के विकास किया है वर

चुैरम्बेक्यस्य गुवर् चुैरस्कृत्य थिना कृद्य स्थित हैर छि होत्र हिर थिना स्वर्था इत्य मन्दर त्वा द्वा स्वर्था दुक्य देर खर्दे र ख्वा दिर थिना स्वर्था अरक्ष स्वर्था स्वर्था दुक्य देर खर्दे र ख्वा स्वर्था

दे'लामस्व परि से रे ब्रुद् व कामस्य कारा है। दर स्वरामस्व पर मञ्जूमकावकाक्षेत्रमकालम्बावकात्रम् है। देग्यमायुकामह्दाविगमह्दार्मिते <u>ब्रुबः विष्टुरशर्मेदः स्वा</u> हेर्दे ब्रुबार्यमाया अस्व प्राट है स्प्राप्य विष्य **मुप्ताम्बेर्द्रम् रेम्पायागर्यदामु**र्म्नाम् विद्या देवे स्वराहर्या दे শের্ষান্র্রাঞ্চী জাহাম। অনুধান্ন্রানহ্বী অনুধান্ত্রী हर्नित्राक्ष्मव मी स्वा वर्षि हिंदि हिंदी हिंदी हिंदी हिंदी है है स्वा कर लाव कि विश्व मित व्यक्ष व दें। दें तार्दि म्यंदि म्यंदा निवास व व निवास व नग्तरम्बन्धसः सः चुरमः ऋष्मः प्रवासः विष्यः प्रवासः विष्यः स्वासः स्वासः विष्यः प्रवासः विषयः विषयः विषयः विषय **⋻ॱ**बे**रॱढ़ॺॱ**ॸ्⋻॒रॱ**ॿॱॻॷक़ॱॻॷक़**ॱॷॗढ़ॱय़ॎऻॱॱॸ॓ॗॱऄढ़ॱऄॱॷढ़ॱय़ॱॻॱॸऀॹॸॱॸॿॎऄॺॱ **ॻऀॱॸॖज़ॺॱढ़ख़ढ़ढ़ढ़ॱय़ॱॺॺॱऄॸॱय़**ॱॺॱॸॣ॓ढ़ऀॱॸॖॺॱख़ॖऻॱ॔ॻढ़ढ़ॱय़ॕॱॸॖ॓ॱॸॗऀॸॱॻॗऀॺॱॸॿॖॺॱ या ब्रिट्याया व र्पेट्र इन्यावर् यया न्यारी हे न्या स्यापहेवाया पहेवाया **बल-नबर-मुठ-नम्भ-मुख्य-बर-नुक-स-सब-अकेन्-य-बर्-मुवस्-ध्र-व----**

त्तुमा है । मानवृत्ति वि व्यक्तिया वैद्याप्त व्यक्ता विकास विवास समिता विकास समिता विकास समिता विकास समिता विकास **देर**'वॅद'न्द्र'यक्ष'रम् (ध्रेष्'व्रेषा प्रीप्यक्रेष्'रेर्डस'मुब दब्ध'म्रेष ब्रम्यामार्थाक्ष्याक्ष्याः वृत्याक्ष्याः वृत्याक्ष्याम् । क्ष्यातुः महिषामान्यासम् िम**न्द्रिम**्द्रम्बुबर्द्दस्य ह्वरहेद्रम्मिद्दः यास्त्रस्यिक्ष्यस्य बहरा विषाकानुबाकुलाबळवाचुकार्स्चनार्मवासहरा मुंख्यू पूकानाहर **हे'बहरादबा रहकान'करांही'तु**'बेबानेबारया**ढ**लाहोबबा बुबाया**के** नेयाक्ष्रांच्या दर्मेरामेर्ययायव ५वा नाचि छ्लाविस्याद्मुरान्वसा क्र'पद'देद'म्'के। सुर्द्धाविष्याधिष्याधिष्याधिष्या विष्ट्रदेद्दिद्वद्ध्य विद पर्दुव वेवरस्य वेराची ाप्यजुराधुवाचिक्रेवा खुरसानुग्यासान्यः रूटाॐसाॐ दै 'मुद्र-'पार्ट। लब' मूर्' चूर्र- । जुर्ग्यका सुरक्षरमा क्षेत्र क्ष्यामा **घ्ता.येथा** ए.ए.ब्रेच. प्रत्याचा.च्याच्याची.ब्रुटान्येया स्ट्राची. **वृष्यामकार्ज्ञ**्चरमा क्रियाचा क्षेत्राच्या क्षेत्रकार्ण्या मुक्यामा स्त्राचा [भिर] महिन मन्त्र। अर मुँद निरालामद मंत्राश्वरायहे हेव पुरद प्यावर महेन्द्र : केंद्र मृद्य खुयायया विकार हानी प्रमुखाय में विवार केंद्र स्टिर बुर्देव:न्रः मु:पद्धि:यर्षे:पन्पः याचे वेष:प्रवरः। ने सु:येव:पुकाःप्रवा मसार्क्षामुक्षामाहिनादारी साक्षार हुमा बेरामसा सुप्रियाणीपम्ह्र बादिसा मन्यामा है महि नहुन तमा मिर गुवाव भित्र है। है स्थापन हैं वासि ব্ৰান্ত্ৰানৰ মিটাৰেল নাম্প্ৰান্ত্ৰান্ত্ৰানা মু'ইন আনৰা নাম্বৰানাৰ ব **द्रानुषा** ८वेट श्रुट अवियायाया मृद्याप्त विया ম্ ধূৰ প্ৰয় ছ ন ক तर्वेद.त.ब्रैट्या कूट.अट.चे.ध्र. र्द्र.चय.र्हेद.त.क्रीय.प.क्र्य.४्टी विकाक.

लाबितानमञ्जूषानाचि सम्बुद्याव व्यापनाचित्रस्यावाया

बेर्धर हेन्या शुक्रा सुक्षा न्ह्यरम म्ह्यां हा हैं। याम्बेरियान्य महिल्यान्य निष्यान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्या |मञ्जादकाहेकाकुः द्वेसकाया**५**८। ५६६१म|समायकावेकारमानुग्वुस बैटा। अवतार्वियाचीपानेहेबायराहेवातायराचुन वी **नेप्यटायरा**चुंबा 다리 여째 등 점 ' 두 다 대 8 째 ' 두 다 리 토 때 ' 하 기 이 전 ' 이 제 ' 도 다 등 ' 및 도 ' 본 기 ल'निहिं। भूति विकास विकास विकास विकास के क्षा के का स्वापित के स्व रे'ड'व'मडव'मॅ'ह्ये'मु'म'माठेम'मड्मया रे'ल'ङ्गपहॅर'मर'मुस'वसा प्राचित्राचित्रः विकासकात्रः स्थायुव्यक्षाया देरायववार्यः विकार्षितः র্ষষাট্রাস্ক্রাস্কর ট্রিটির প্রাক্রাস্ক্রাম্কর বিশালনা षे**व**'चुक'मका ५चु'ङेहे'ध्रेक्षण्ड' (मठका) हिराकणामाण्डणाडु । ल्विर'अहे'ञ्चे छे तया वटालडे केर'न्टा श्चिप्याया **गुराया**रा देते प्रस्थापति कुर देशस्य समार हर्ग (विदा) सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध समार सम्बद्ध समार समार समार समार समार समार षेट'म्ह्र'म्हेर'हर्म्'महे'म्बे' <u>खे</u>टाबम्'कर्। म्बद्गम्बरम् ब्रेट**.च**र्षा ४ क्रि.ब्र.चर.स.वी स.क्रट.चश्च.र्यूर.क्रूर.क्रुब.**च**ट.४**र्च.** यान्वेन्या प्राकेरे हेराव्हेर छन प्राप्त कुर्यवस ठ८ा[यामु करा पठका न्तुःकुदाशककः ठनः <u>∏चुःलुनः</u>कुकः दुलः तनुन श्वां केवाणुकान्तिरः बह्र-मित्रम्या भूरवस्य २८ व्युत्य सित्र स्वाय परि तसुराय प्राप्त । पन्तायमा ख्रेरा [ह्मा] बिला मुना वना है। क्रेना श्रमण उत्। पर्वाधा **ग5**र। ट'लम्ब'र्यर'पश्चेत्र'यत्र। श्राप्त्र'र्य'त्रवर्यः द्रेगर'त्र'त्रपात्राम्यः यत्र।

८.७८८.था.४६<u>४.पासिप्या</u> विश्वसामियाः चटसामिटाश्चिरासिसा**पयः** गीटाश पर्वेशःश्रा पुःकशः**पश्रः।**मञ्जीराहर**ृ** यःप्रिशःसस्यायुराक्षः। ज़ज़ॖॺॱॿॖॱ**२॓ॱॺॕॱॺॕॱढ़ॱऴॕॸॱज़**ख़ॖॸॺॱढ़ॺॱॺॕॱॡॗ॔ॱक़ॱज़ढ़ऀॺॱज़ढ़ॸॱढ़ॱख़ॸॱय़ॿॖॸॱॸॕऻ रमानियानमानुबन्धा मुब्नामुन्द्रस्य मिन्नामुन्द्रा देवसायुन्द्रस्य णाळु'सुल'पन्या ५द्य'उ'न्वॉबंद'उठि'लब'पठ्ठेन्व'चु'न्बुह्ब'द्या यू'बेब' ॻॖऀॺॱॸ्य़ॖॱॾॆॱॴॺॕॱॻढ़ॆॱक़ॺॱक़ॗॆढ़ॱॸॗॱऻॗॸय़ॱय़ॸॱय़ॕॱॻॾॗॺॺॱढ़ॺऻॎॸॖय़ॖॱॾॆॱ१४ॺॺॱय़ॱ इयसः मुर्थेस। हे केमा इसस हा (८८) रमा भे महिसाम १८५१। रमा पत्रुटः। दे'व्याक्ट्रव्याक्षेपात्येयानेग्देयाम्याम्बुट्यापादे। अकेस्या **ॳॱऄॕॖॸॱ**য়ॸॱॸॸॱॎॸॿॡॱॼ॓ॱॿज़ॱढ़ज़ॗॱॸॱॸॸॱॎऻॗॿढ़ॱज़॓ॱॳॱॿॿढ़ॱॸॸॱऻ ऍॱॕॕॕऱॱ९ळ५ॱॺॕॖॸॱॸ॒ॱ। ॺॗॕॖॸॱॷॱॿॖॖॖॖ⊏ॱॶॱॕॴॹॱॻॱॶॖॗॖॖॸॱय़ॱॐॖॖॗॗॺॖॗॗॖॗॗॺॱॐ 5ु-कुःबःचरःष्ठिषःष्ठ्र। युःबेबः५८ःखुवःचवःण्कःचतुः। য়য়য়৽ৢঽ৴৻য়ৣৼ৽য়ৡ৴৻৸ঀ৵৻য়ৢয়৽৸ৼ৽৸ৼ৽৸ৼ৽য়য়৽ৠ৻৽৽য়৾৻য়ৢয়৸৽৻ঢ়ৢয়৽ৢ ८5ुल'च'र्स**'म**ठेन<u>'घबकाठ</u>5'ल'म्बुट्य। दे'दकारम्'वैय'सद'य'ट्टील'सु पविदा स्वापितः (बहेर) <mark>हानि</mark>दाविदा युरक्षार्टा सुवायवार्षुयाची ८६४४४४१८४४ वेर पर्दे बहर्। दे व व सुबेव कुरी कर किराया स्टायहर वसः चलुनासा समवः र्यः खुवः रेटः नुः सहनः वसः होः मङ्गुटसा समवः [[सः]] थट.रे.वैंट.लट.सूटय.से.चेचथ.चधु.से.लुब.धे। ह्या.वेट.केच.एवेट.चेवथ. <u>श्चित्रमञ्जूर घटा या में क्षाकी जाबुदी गुर्वा द्वादार पार्तरा विराय हुवा</u> ळे. चेब. चेब. रच. ं%पो१ेब ४६८। वेब. चंब. चे. वेबर. [[५८.]]

सहरा गुन्नस्य विराधन मुन्नस्य विदास्य स्वर्धन स्वर्यन

देवसःह्नां वृक्षः व्यवद्रां अहर्रे ही। है क्ष्यं प्रत्रं प्रवृत्षः वृत्रः व्यवद्रां अहर्रे । हे क्षयः वृत्रः वृत्यः वृत्रः वृतः वृत्रः वृतः वृत्रः वृत्रः वृत्रः वृत्रः वृत्रः वृत्रः वृत्रः वृत्रः वृत्रः वृतः वृत्रः वृत्रः वृतः व्तः वृत्रः वृतः वृत्रः वृतः वतः वत्रः व

पर्ष्ठभामः सम्प्रकृतः विकानिकः के स्टः प्रदेशः स्वान्यः के स्टः स्वान्यः स

5ुणुश्यम् वर्षे सम्बद्धाः देवान्यविष्यम् वर्षे याम् । देवाक्षेत्रम् वर्षे माला सम्बाह्यसंग्रीयालुमानहृदामाधिदाने।हेराञ्चराला नेहरानुसासु ব্লামটলামানুৰামলুটাৰুব্ৰাভূবালকাম<mark>্ভ্ৰাৰনা বিৰাৰ্শামাশা</mark> देशभ्वार्भात्वा देवायेश्वार्थात्वार्था देवायेग्वार्था देवायेग्वार्थात्वाया मा न्यायर्वे वायाने म्यायीयाय हुवायरे मुण्यायहरा नेवाया केर्ने ८5ुव् प्रवर्षा देव श्रिय प्रविष्ठिम मुहेव त्या देव श्रिय प्रवर्षेत्र न्वार्वेनामा देशानुसुर्वेनामा देशान्द्रेनामेशाम्द्रान्वासा दे**वा** वार्वे पार्वे सामित्र विष्यु निष्ठि प्राप्त निष्या मित्र कुष्मार हुन्न भिष्मप्तर । विकि दिल् निः इन्दरम् कृष्ट के के कि कि कि कि कि वर्गा विन्'कुर्निविन'त्रस्थानाक्षाक्षाक्षेत्रस्यान् विन्द्रम्यान्तरम् देगाकिए देव केश वसायायी र हम हिंगा देश प्वरास्त्र कुण कुरे। देश मार्थ न्नामहेल्स्युत्वा न्हत्याच्या नेप्नामिकाम्या मुखलाला देशा ब्रिंग वर्द्धा ब्रेग्ला देखा सुवाको नेवा सुवाको नेवा सुवाको नेवा सुवाको नेवा सुवाको नेवा सुवाको नेवा ५६सम्बद्धाः मेकार्याकारामधुस्यस्य सुरवेत्रा देवासुरवेराला देवानुंग्यान्याक्षेत्रवासा देवाम्हर्वाक्षेत्राह्याक्षेत्राह्याक्षा देवा वाइबरहेंन हैं न ि संप्रे हो। नस उहे का त्यान रेखा हिमल प्राप्त का न्य देश देश देश दिवा विद्या विद्या न्य विद्या न्य विद्या देश विद्या देश विद्या चव्यायाची प्रदेशकाता विकारमार्थिया स्वाकामा स्वाका विकारमा र्ने। १६अन्यते श्वेतायायत्र रेगाया कुलावरे नेनारवार्ता मिष्टिन याक्षे वेका मान्या १८ अळ अयारे दाकेदा मान्या स्वास्त्र हा स्वास्त्र ञ्चालायवर। देवाकुरित्यायारहेवायाचे वेवाकेटावेगा देवाववरा

चक्षे त्रिया स्वर्धा स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर

पहन्याप्य प्राप्त वी यात्र कुषा कुषा कुषा कि । यात्र कि बर्ग्युर्मा दे। द्वाधिवयाणी पश्चामा विवादी देवे के विवादी विवादी श्चनः धेव। देवैः पक्तुनः यावैः यस्यः कुषः पाउँ याः स्वायन् विनायने साम्याने साम्याने साम्याने साम्याने साम्यान षर'पठर'(रिजे।) व्यापरे'पणर'वे'यात्य'ज्ञव'पर्वेब'ध्व'रित्व। व्य ण्डवातहेबाचनारी श्वापार्यवान्यानेकवायावाना देपाहेका युः बुन कुराया देव इंडि जिलक हैन निक्र हैन में देवर नव 5 र ही हा माला हा हे व के हा के व ने ला इका माला यानुष्याया भुष्यायाया देषायाया सार्ह्रायाया देरन्त्रामेकायया मिते पहारे रे प्राप्त सम्बर्भ विष्त विष्त विष्य कि स्थान पारह्याता रेयावश्याह्रकेषायक्याता रह्ययाता हेरीन्या चकु'स'र्टा मुझान'र्घ'र्टा हर्'स्व'स'र्यायामया मुब्ब'णट' 

लासःश्चित्रस्याः ब्रान्याः क्रियाः स्टेष्ट्रात्रे व्याप्त्याः व्याप्त्याः स्टिष्ट्रात् स्टिष्ट्र्ये स्टिष्ट्

ने भुदा या कुरा द्वा को सं त्या सार ना । कुरा द्वा त्या या मा हुवा त्या का स्वा त्या या मा हुवा त्या का स्वा त्या का स्व त्या त्या का स्व त्या का स्व

निःश्वरःह्याहे शुरःपञ्चरः व निःश्वरः श्वरः श्वर

ने त्या अवा मार्रे व्या विष्या स्वया स्वय

पशुः रु: चहरामः विस्वत्या मुद्दान्य। हिरला**षु ना** प्रकार के अर्थे अर्थे अर्थे स्थापार्या हे हिराउर्ना नश्चर यामाया अदामा है । विस्या हिरामा विस्या विस्या विस्या विस्या विस्या विस्या विस्या विस्या विस् नर्भूरामाल्डा[मा]]वाक्षाकृष्याम्या]लड्गमाक्षिषास्त्रक्षावेर। मुग्नेराधुवा ताबारी [िंदाताशाहेरान्यारानीमिनातालदानानाललालयानभूरानाहीना लाबु लिमा एट. तामर्था बरा (बरा) लिलारी हिबास रहा लिलासूर **स्त्रा**क्षा क्षेत्र विष्या विष्या क्षेत्र विष्या क्षेत्र विष्या क्षेत्र विषय क्षेत ८५.त.चेश्च.चेरा चू.लट.चेब्टला रट.र.ह.बूब.क्षका घर रेपूब. बळेन्'ल'बळेंद्'च'६चुल। न्यास्त्रान्त्रान्त्राच्यात्राह्माः न्यास्त्राच्यात्राह्माः रुप्प्राच्या वृक्षात्र्वा विवयायरुवा प्रवास पुराया प्रवास प्रवास प्रवास विवयाय विवया प्रवास विवया प्रवास विवया नुभाषामकुमा बदयार्वमानुमबुन देखबाबराख्यानुमुँबा विस्तरात्रका हैकायाविरामा क्षाकाका हैकाया ह्या स्वापका वर्षा में हेर<sup>,</sup>हेर्.धटर,र्याच्यूर,चेथ्थ,क्षिथ,क्षित्रय,चेश,की,चेश,कीर,पटर,पय,.... मुलर्धाः सहित्। देष्वयः बहरः भ्वतः मृष्यः गुष्यः सुर्धाः मृष्वयः मा म.क्य.ब.ष.क्.मू.अ.वैंटा। वू.ब.रू.बटब्रावाञाल.बॅब्रावेबेंचा। कु. ଦ'ମ୍ୟଦ'ଶ୍ରି'ଖର୍ମ୍ୟ'(ଶ୍ରି')ଶୂମ'ଶା ଜ୍ୟ'ଓଟ'ମ୍ଟ'ଶ୍ରି'(ସଟ')ଓମ୍ୟ'ଶ୍ରି'(ଅଣ' मुः) पर्दर्भात्रवारा भेषात्रा पराया नेषावर्षि मुंगुनुराया द्वारा दे। ब्र-ब्र-वि:ब्र-वि:ब्र-वि:ब्र-वि:ब्र-वि:ब्र-वि:ब्र-वि:ब्र-वि:ब्र-वि:ब्र-वि:ब्र-वि:ब्र-वि:ब्र-वि:ब्र-वि:ब्र-वि:ब क्षेत्र बेर रहे। अत्र खुल द रहे रहे प्रस्ता स्पर्द रहें। कुट पा हे र [ पहुना ] बर्मेंब् कुन्दी हिंबा सुराम देटा रेग्या अब खुलाव केरे मनवाम अन्

<u>६. चुर. (त.) क्षत्रशाताच्या त्या. धृष्शः शचूषः ग्री. चंबा, प्राप्तः द्रारा ह. ग्रूषा</u> **मिं** रेते सु केते हिंदायावर्ष्य संग्वेष कुषा केता मुहार हो हो साम्यका देगारा (६) ] ५८ । व.च.र.(६) विवासित्या अंक्षे. अर्थः अर्थः अर्थः अर्थः वर्षः वर्षः मुन [[ळूट,]]बुटा ट्रेन [कुर निकायमार्थे वाका ] बुब ता जूना है। एहा हेब ला श्चीया भुवा प्रायदे क्रियाया प्रायम श्चिया वया श्चिया क्रिया प्रायम स्थाप स् यते क्रिया न्याप्त विकास व्याप्त विकास वित क्ट्रिट्मीय्रक्ट्रिट्रिट्रिट्रिट्रिव्या पश्चित्रित्रीवृत्वाख्टर . रम: दर: दर्भेद : कर्ष्ट्र : वार्षा विकार : वार्ष : वेदार दें दें दें दें वार्ष । **ऍ८स'मनस'्रें**सम्'र्देन'र्देन'(दस'प्रंत्') च्रेत ৡঀ<u>৾</u>৽য়ৄৢৢ৾৾৾ बन्दर्भुराबदम् विद्यासुर्भियादार्भिष्ठित्रह्मेबस् वेर। देदेर्नुसासुर व्याक्षेत्रव्यक्षात्रेत्रविष्याच्याच्याच्याच्याक्ष्यवा व्याच्याच्याच्याच्या क्षेत्रयर सष्टित् पर प्रयास्य म्हान्य त्य्य पुरि श्रेष्याय त्य स्य कुरस्त त्रेत् । ५८। लब.मु.र्बेट.क्य.भ्र.चरीय.तर्या.चया चर्चार.लब्स.ल.ह्य. क्ष्यां बेचा वेया हिंदी त्या श्वापा माना वा साम हिंदी है से स्वापा विमा अष्टिव,ता.चेश्चरा,पाञ्चया,पाञ्चिर,क्र्या,श्वरा, विश्वया,श्वरा,श्वरा, हार्,हिर्या, मित्रे मिटः चन् प्वचटः में 'बेन् 'मुंदः देश दे । भागम् १ प्य प्य प्य हे । खु मशु द्याया द्याया व्याया या स्थाया विष्या विष 

अविकाराम्बिकार्श्वर दिर्याद्वार्येरायम् विर्मुग्वासारु हेर्ये स्वा नारा **बुँबे.पडु.जबार्ये.रेपलाब्रट्रे.हबो.पथा**बुरे.बेबासेबेरे.वेबासे लाद्रवाद्याकु द्वीत्याचा मुख्याका है। दे व या मुचाया द्वाया र वेया व या प्रमान तर बियानयाया निवा हे वया विषय से मुँदा स्थार पान बियाया ८नि८' नवा व वर्षे दिन सेन् चिराव वर्षे सारा रिचुर रुन् केवा न बुरान्रा व्ययं दित्। विद्ययः दवा देवः में के खु दयः या शः व्यव या सत्या वा व्यव या वा ऑर्ज्न्टिके ने बारित हो। के त्या करित वा करित हो। विकास के ति सर्वेद कर्न दर्भ स्त्र मृत्य कर्षा ने देव कर्षे प्रेर ब्राम्य हुव प्रमा न्यायर हुँ द नेयारमा नाया प्राप्ता या क्यारी हिंदा या दरा वर्षावर बह्रिं विरायास्विकारावि वाक्षेत्रे देविकासुर्दर री विवरणदारहत्र रम्भाकु'रम्भाराकुर्यारम्मा निर्मान्य निरमान्य निर्मान्य निर्मान्य निर्मान्य निरमान्य निर्मान्य निर्मान्य निरमान्य निरम्य निरमान्य नि **लग्'८्टा इ**ल'रिव्चेरानु कुर्'रिनेश्रियः हिराया र्षाया वार्या स्टारिन्य ्वात्रायदेरदेटायात्त्रीरहेर्च्वायटाम्ब्राचात्रेन्यात्राद्धायत्राद्धात्रायत्राद्धात्रायत्राद्धात्रायत्राद्धात्रायत् विवाया त्व्राच्या साइवाया श्

평·됨·점·축·출국·대전·중·축국·한·교·취지·대전적·대조·오토제·무디대·종·· 평국·대전·영도·대황주·대전 명도·중미전·미드제·국유·필국·조국·등 국미제·축·

कुलाल्बा विवासिक्षे का नेवार्दे र हेबासा तर्हा विवासमा वर्दे ८५व। टाखुरहदायबादाबायहार्यमानुगमुनाखुरावी हाराकावेबा ऍ८ॱढ़॓ॺॱय़ॖॱॻॱढ़य़ॗॖॖॖॖॻॱऄॣ॓ऻॎॱऻॕॗॱऄॳॱॻॺॣॿॱॻॱॹॗॺॱय़ॸॱऄॗॸ॔ॱॸॕऻॱ<u>ॿ</u>ऀॺॱॶॸॱ ন্ধুব'ট্। ই'হা'লথাধূন্ৰ'ন্ই'ন্ব'ন্ন্ন'ট্। প্ৰ'ন্ট্ৰ'ড্ৰ'ন্ত্' <u>चुः स्थि विद्याने सक्तान व वा वेराया वे वा चुराया वा विद्याना वा विद्याना व</u> क्षेप्यम् वाही देवावरायां उदायवरायाः । द्वास्यवरायायाः पर्चेटल'मस'र्डेट'९र्देर'म्स्ट्रिस'हे। [सन्तः]लल'र्5'म्बेर'ह'सून'ठम न्द्रित्रतिलालन्याण्येयाचेरावया र्ट्रास्त्राची न्येरायाचाराया ष्ठनायारे व कानकेराने। विषानीकामहादुः पुः वकान्तुः (रहा )ुं विष्ठरः । · · · 551 \$AVIBAT515151 ATTEMT518TAT51 58184151 न्येट प्रा मुम्बेर व्यामित वी वार्ष नायन विद्यामित विद्यार्थ। न् इन 'लन 'मिट 'देवे 'ञ्चनक' रे 'न हमा मे 'विट क' व 'न है र 'यह नक' यदि 'ञ्जे '''' मिट दुषा छ 'ह 'मेंबे 'पेंद 'दें।

निष्वायञ्चन यात्रविताविता। विष्ठी व्याप्त वितास्य वित

मबाबाम्बान्दानुमाद्या देवा देवा देवा मिन्दानुमान्द्र नसुरावया कुलायारासुनाहेराना क्रेंबाफेखुरहेदाक्रैबाला कुमारा तैप्तृष्ठ्वास्याम्यम् । स्थित्यस्यार्थकेष्ठेष्ट्रीकार्यम्यायायाय्यस्यायायः कुमानम् वातानु लुलारा चुन् हूरकायवा तृषा उत्रारमारामञ्जूबाने महरवागा ममा चहुरन्तु छन् ममानी बट बुट नी हु पर्वे देव केव पवट में ५८। ह्यु'(४८) वि'र्ले क्रिंग्ले प्रति नेवा ४ मा मा हेवा क्रिंग्ला म्बदःर्वेन्यवर्षेन्यवर्षायुद्यः। वरकेदाविष्ट्यान्वेन्यव्याप्याप्यायुद्रःहे। ल'नवर'म'तिव्यास्त्रावाचानिका बुका तहिन'हेव'नसुकाङ्गर'मी'न्गुल' र्द्र'म'न्द्रेन'न् वित्र'म् वित्र'म् वित्र'म् वित्र'ने वि **६ॅ.९**.५वीं र.च.रची य.च चूं का त्रपुर चीवे खेंबा रुनु का **देन क्या प्रवेशका** ८ष्ट्रस्याया दे.चेहेंार्ह्रेटारेल्टेबाताताः □□□विश यू.बा.पिया **শ্**চৰ্'ূলি'দেইনৰ'টু','টুমা ইৰ'ল'লম'ন্ট্'লম'ন্ট্নৰ'ৰ্ব্'ন্প্'

पर्वेश्वाची द्राष्ट्रीय्याची द्राष्ट्रीय्याची विद्राय्याची विद्राययाची विद्राय

८८। ६८.प.६.प६.पद्भारा.८८। हुवा िरमुलान्नि सम् महमारम् मुद्राम् पहिलामा महिलामा स्वाप्त स्व स्वाप्त स्वाप्त स लान्यलाम्ह्रण द्वाप्त विष्या प्रमान विषया । विषया । विषया । विषया । ्ष्यान्त्रवामा हेपानुदाधरानुग्वर्यास्याद्वाद्वराक्षात्राम्वर्याम्वर्याम्वर्याम्वर्याम्वर्याम्वर्याम्वर्याम्वर् मैसप्पालिल हैं 'रु'रेहे महुन लग मिट [[बसर]] हैं द वेर बसा हैं द लगेला **६.९ ता विश्यामधिक. क्षाचिला महिता. र्यो छ. महिता.** ल्दिराक्षान् वस्य कुर्मित्र वस्य सम्बन्धान्य याता सम्बन्धान्य सम्बन्धान्य ज्यस'ल्याक'णु'न्यट'पस्तर'न्ट'ळॅब'इसस'जु'बेर'यब'न्चेस'ने। ने'स' वनामक्याक्ष व्याप्तरास्त्रा विष्टाष्यकुष्त्राद्या स्थानि ५५८। १ व्याच्याके ५५८। गामाल मुग्नाता मायताल वता ५ न्दा गुःबाराबीर्ना विवासीर्वा कावाराहाकानाना वा बराखुलाबुबाबर्देशकेंबात्वराश्वरा प्राप्ति १ वहात्वरामा नि हुडे.त.फ.रटा ये.अ.प.येंच.२.यश्य.रट.शहज.वत.वेत.वे.प.लेजी क्रू. वदःस्याच्युरा देवे पुर्वासुग्वर्षा रिता है हे त्युद्धायायायाया ५कुँ भारत्वर हें ना कुराया श्रमा करा कर निक्कराया कर कर निक्कराया कर कर निक्कराया कर निक्कराया कर कर निक्कराय कर निक्कराया कर निक्कराय कर निक्कराया कर निक्कराय कर निक्क बरामहैकालाकिषानिकानिया। हिन्यरानुःक्षेणाः हाराही हिन्यमा कमावानियाना म्बर्धिक्षात्वाहिन्। द्वाप्त्राह्म क्ष्या विक्रा विक्रा विक्रा ्रवाक्षेत्रकार्यः व्याप्ता विराह्मवर्षाः विष्याक्षेत्रकाळे वाप्ता विराह्में प्राप्ता विराह्में प्राप्ता विराह्में प्राप्ता विराह्में प्राप्ता विराह्में प्राप्ता विराह्में प्राप्ता विराह्में विषयि विराह्में विषयि विराह्में विषयि विराह्में विषयि विराह्में मङ्गागाराधकान्या विषयमात्रवास्युवाद्वया रदानीःश्चितावासंयु

मासार्ने पारे हिं हो स्वाप्त क्ष्य प्रस्त क्ष्य प्रस्त क्ष्य प्रस्त क्ष्य प्रस्त क्ष्य प्रस्त क्ष्य प्रस्त क्षय प्रस्त क्षय प्रस्त क्षय क्ष्य क

पतिःभैग्नोग्पन्पाद्या युनायान्त्रायुद्दापदितिः स्थात्युँ सम्भैग्नायकतापन्दः विष्यात्र्यस्य स्थात्युँ सम्भिन्दः स्थात्य स्थात

भ्रात्ता व्यक्त स्वार्थ स्वार

है है या स्थान स्था प्राप्त है पर देन है पर देन म्बुबाधेवा पुराकुवार्देराग्चैायुवाबार्वित्राता हेंबार्ट्राहेंबार्ट्राहें त्योल'ह्या रद्मी'विष'र्य'ग्रीकाम्बलाव्या श्र्यान्यव्यक्षान्यंवाचेर' बिटामुब्टायाह्मयाम्परामुता ३०सामदादे नेदानु बदायहे दुवा क्र्यातिमञ्जद्र विवासिक्षा क्षाप्त क्ष ७वा श्वि रहासान प्रवास्त्र के प्रतास्त्र वा प्रवासकार स्वास्त्र विषया मुलामालार्भम्याराके। सामानिकास्य म्यानिकास्य म्यानिकास्य मिनिकास्य मिरामान्यविष्याम् रावकार्विष्ठराम् प्रतानिता है। १८ मुन्द्रमाकलामा हिमसः िलेल, नि.सू. ं न्यो । शै.वहूब एस्बें अहर ब्री कि.सूच न्यी के.सूच, वि.सूच, न्याष्ट्रीन्याव क्रियाचे प्रवाद क्षियाचे क्षियाचे प्रवाद की क्षियाचे क्षियाचे क्षियाचे क्षियाचे क्षियाचे क्षियाच व्यामाञ्चार्दे हो मानवादा विद्यामा वात्याचे ने वात्यादा ने नियादा होता (इति ) मुद्रम् तम् प्याप्ता निष्या विषयः भ्राप्ता विषयः स्थापा প্রাথ্যান্ केन्'सॅर'चुर'म। वेन्'म'न्छल'ग्री'मह्ल'बुन्य'ल'लेन्य'मर'नद्या म्नुपायास्व सुकार्छन्यायायायाव्य १५व अह्न पाय्यवया उत्रविद पार्वेतान्वेताः बुबारु र न है साम बुमाया मही दार व या समय मिया मिरा मुनाम या मान व र मारे त्या वृद्धाः विष्युद्धाः स्वार्थे सम्बद्धाः स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स मन् दस्यम्भायाय्वेषाःष्ठाष्ट्राव्याय्या द्राणेराकुःस्वावदावीःस्वावतः मुद्राषु या ने गा द्वी पाई व मिठेना ला पहें व है पिंद्र गी ने नन उदाल प्रव रागा

ऍन्यायान्द्रिन् ऍट'यर'वर्न्य देश'स्ट'यम्द्रा **ऍन्'र्नु** क्रियार' द्वारान्य स्वा पर्वसः वया प्रायाचित्र हो कि देश विवास मान वा साम हे वा साम हो कि साम हिन साम क्रांभिद्र पुर्वेद दला है दिन सुरावया वी सुरह्म सम्माय सहित मा सहित है। देर ठन्याया। क्षुपुटाक्यारॅन्'ग्रैकालु'हेब्'नु'ग्वेर'ख्टा<u>'त</u>्व'यकु'स्था**वका** सन्बन्धा हेन्। हर्षे प्रहन्यायासन्बन्धा द्वीप्रदर्भे वित्रस्ने प्रहन्यरान्दा लन्मा निग्तिर्ने हैं 'हे 'हेन्ने निम्ते के 'निम्ते निम्ते के 'निम्ते के ' २८.षु.२८.वियामयो ४भ.ग्रीयालयाम्बरयायया प्रवास्यापयाञ्चेवा बहरा क्षुवयार्थार्या हायावणरावन्नयाणु खुनाकु पदि सेर धवा न्यात्राच्या विष्यात्राच्या विषय के कित्याचर श्चित्राच्या ह्या विषया म्बुटकार्व। हुं 'द्रायटार्घामहेवामवकालाम्मिन। यटार्घराञ्चनामित मन्बन्धान्यव्याव्याव्याव्याक्षात्रमञ्ज्ञात्रमञ्ज्ञात्रमञ्ज्यात्रमञ्ज्या 우리·명리·디크仁·전리·레·전·디卢·卢·卢·철·를·리·회리·드드·레·리리리·다·메리리리· [PC:4] 원역자·형·독회아·유茂조·형·결작·共교육·전·전도·다·두도기 축·[[라드리·]] द'पर्डेंब'स्दार्द्व'श्रेम्बॅंप्परे'में वार्त्व वार्त्व वार्त्व वार्त्व वार्त्व वार्त्व वार्त्व वार्त्व वार्त्व ॻऀॱॱॱॱॱ<sup>ॹ</sup>ॕज़ॱज़ढ़॔ज़ॱज़ढ़ॴॱॹढ़ॴॱॶढ़ॴढ़ढ़ॣज़ॹॿॿढ़ॶढ़ॴढ़ढ़ॴढ़ॶढ़ॴढ़ मैं मिंग्ण में अहर विकास विवास है। दें हैं वर्ष वर्षे वर्ष वर्ष वर्ष वर्षे वर् लास्याकारुद्रम्कूबार लेला टार्च्य के.परावास्त्रास्तान्तेरानुरावा हर म् न्यं क्रिं क्रिं हिं त्ये हुया प्रयोग र है अधिया ता छ्ये म् तिर प्रयोग र मूर्य

वया तस्तापान्दः पङ्गेवः पणुरः केवः मं अहत्। देवे हेवः व वः सुणः हैं र र्श्वेद'सहित्। र्हें स्वाब्द्वाया स्वाब्द्वाया स्वाबिद चक्चित्रक्षेट्राता. क्राप्टचीलाला क्र्यां अटः स्नाच्येत्रा द्वां अत्या क्राप्टचीला कटा ब्रियामाष्ट्रितु कटान्मे जु त्यवाय वर्षटामा ब्रुवा कु त्या प्राप्ता प्राप्ता प्राप्ता **क्रयाञ्चितः अपूर्यात्रेयाञ्चरात्या वृत्याञ्चरा वृत्याञ्चरा** म्बद्राप्यताम्बद्रास्याकाणुँग्यन् प्रता स्वर्यापान्ता वर्षे स्वर्धान्ता न्म्त्यायाः अत्यापरः ञ्चितः हे यासुरत्या क्षेत्रापान्या क्षेत्रापान्या हिस्सा ल. श्रमंथाता. याया. कुं. द्वांपाता प्रमाया क्षेत्र कुंटे. चे हुचे. ती. प्रमीट. [[८६५]]गुत्रायदयामु वेरापाद्दा क्रिकी सुद्दारायेनाया केवाया विवा <u> রুবান্বর্ণ প্রাধ্যর দেও রূজালার দি বিদ্রুলার সক্ষার্থ রূজালা </u> बेन्'यर'न्यर न्नूर'न्ब'केष् र्षेप'वेर'य'न्र्। कन्न स्ट्रिंप्र स्था ळ्च्यायाञ्चीर, श्रुटा, ञ्चीयायाञ्चारस्याञ्चर, त्याची, स्वाची, स्वाची, स्वाची, स्वाची, स्वाची, स्वाची, स्वाची, र्टःरेन्याययाळरापउर्। द्वाचर्वायानुटाख्यार्वेरार्टा द्वाह्वायहेर व्यायान्त्रे त्या हे न्यायान्य अहरान्।

दे.वंब.च्टे.कु.कूंद्र.त.कट.च्.व्रेवा ४च्च.कुबा.वंड्र.वेब.रवंब.

स्वां स्वां

Ĕ੶ਜ਼੶ੑਜ਼ੑਜ਼੶ਜ਼ੑ੶ਜ਼ਫ਼ੑੑਜ਼ੑਸ਼੶**ਸ਼ਫ਼੶ੑਸ਼੶ਜ਼ੑ੶ਸ਼ਜ਼ਲ਼੶ਸ਼ਸ਼**ਫ਼੶ਸ਼ੑ੶ਫ਼ੑੑ੶ਜ਼੶ੵਜ਼੶੶੶੶ ८९४, पवट हा में चिर्चर कि. कुर ए विट ब्रामा राप रे ब्रिट था पा लिए अर ण्डूरःअपियायरः मन्यायायात् ने नि र देव क्रिक्र ता केव में श्रुव प्रत्या । वया हैनाने देना पाळ दा अहै प्रमुद्द पाई या द्वें नया हार ने या अहं दाया न्दर लक्षान्ध्रकामा देते। देते। देते। देते। विकास क्षान्ति क्षानि क्षान महे है महुक महुक रें। निम्मिक अवतर निम्ल ईस थ अन्य या है सकर गुरु नेयारम कुषायर यह ५ में। देशे ५ व कु मुर्म मार विकेश है व के ५ लत्। स्रवात्वात्वादे हे हे बर हुव द्वा वया हुट सं जुन सर्वे प ७व्भाक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्षयाच्या विषयाच्याच्याक्षयाक्षयाक्षयाक्षयाक्षया मर्रे प्रा हिना थेना या दि स्वारं स्वार में प्रा हिना है। स्वार से या प्रा में प्रा हिना से सार प्रा में स्वार बदर'यन्त्राके 'हेरे' दुद' नु' क्षेत्र त्रायह है 'है 'तु कु कु कु कु कु कु नि.ष्ट्र-४ ज्ञानर बि.बेश.पशा अटए.पटेनी.बे.बेश.वंश.पंट.पु.पे.क्.चे.न पारिदे, में अथाता क्ष्या हे बे नो बेट या ना वा क्ष्या में निष्टे पार के सामित के सामित के सामित के सामित के सा बाश्रवा नाकेर पहरका है पहरा विकेर पहें ला उन्ना कुला में प्रार् खुलाक्षेरणुकाकाको सहाने निमानाकासाम् गुकार्यन खुलानु हिना है प्रेन् चेर देश पहारे प्रावदा केन्न सेन्न स्थापन स्थित सेन्न द्धराच्या अलालेबाचीलात्राच्याच्चराच्याच्या प्रयाणिटामा**क्या**  की प्रत्ने, भ्राप्ष, श्राप्ष, श्राप्त अप्राची असाचार, क्र्या का प्राची स्थाप ५८। मुससामा र्मासामिता ५मेनामहेना ५८० महिना म् श्रुवायायवा क्वायेवाया विवादिक विवा मंबिष्यात्म, सूर्य, देश, देश, देश, देश, सुक्ष, स्वार्यात के बिह्न, स्वार्यात के बिह्न, स्वार्यात के बिह्न, स्वीर छ्याः ले ने नः या स्वानायाः सहातुः रहे ता स्वानायाः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः वि हारम्बर्गात्यावरमा व्यवस्त्रात्। यहर्ते पहरिष्यात्यात्रे सावस्यात्रे प्रमान न्सरायान्या। त्रेष्मपुरायातार्थम्यायमुदा। नेतेरनुयासुरहेनानी त्वुराम्बुन्याराजात्राम् स्वराम्ब्रहाम् स्वराम्बर्याम् स्वराम्बरम् स्वराम् मम् २ वै क त्। स्राक्त का स्थि विराय पुराय है प्राय पुराय विराय है प्राय पुराय प्राय र्वम्यायार्ष्यद्राणुद्रा द्रवाचुीद्राविष्याकुर्वास्याविष्याम्या क्षेत्रयाम्यान्याम्यान्यात्रे स्वारं के स्वारं स प्टा देवे'विष्या, इंबल, रेटा कील, स्था, क्या की अप्टा की मःचन्यानः प्रतेष्पंति । रपः पृ क्षाः प्रतेषाः विष्णाम्यानः रपः । 🛴 हुँ ५ र र्से र जान्यानः ५८ः। पद्भवः पर्वतः स्वास्यामञ्जूरः रा पाळपाणुः श्लेपाया पर्मा र्वे। देवः गुवः हु 'दरः मरः मुकः वे। दे 'दवः दे 'ह ववः गुः मरः स्मायवः

वित्रु वित्र वर्षायाव श्वित प्रतायहाता . विश्वतः पहित्रम्य वाह्न अन्यादाने वर्षेन्याकाषायायाक्षेत्रार्यम्याया द्वाराया द्वाराया मेर केट मुग्नर र्रीन अवस्था नेवाय है भिन्न मुन्य व वर्षेन के मिला प्रे **इं** इं अर्द्रदः प्रकार्तरः प्रकार्भेराया चुका म्राह्मितार त्रातर देवा प्रवृता व का साहुरा मामञ्चर नेता मुग्न द्वापा प्राप्त मामञ्जूषा । विकास मान द्वापा । विकास मान द्वापा । **गुै निद्रास्त्रा** निवासित्रा चुै है के दार्मा स्विता हुना के ले सान हुन हुै । ख्रु से कि प्राप्त कर हो। ४ स्तापाल विद्या है। १ स्तापाल विद्या है ८व्ना के प्रत्रवस्य क्रिया प्रता प्रता मान्य मान्य प्रता मान्य प्य न्म र मेरे कुर है पुर र पदि र म कुर हुन र प्रमार पर र म म्हामाहेनापुनामञ्चरम्यापारा न्। म्हासारम्यामार्राप्तारम् न्यस्याद्याषु पार्त्यापानु प्रस्या सारे त्याप्रस्य स्तर्मा भूर ह्रियश पर पवटा नेशर खेल पर अहे अही के मर दें ने ने ने

न्त्राखर्रार्ग्यस्याः मृत्राच्याः स्वर्ष्याः स्वर्ष्याः स्वर्ष्याः स्वरं स्वर

নিদ্দেশ্র বিশ্ব বিশ্র বিশ্ব ব

देर हेश द श अर पा हैं प्राप्त प्राप्त हिं प्राप्त हैं प्राप्त प्र

स्वाराम्यत्वे प्राप्तान्त्र स्वार्थित स्वाराम्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स

कृत्नुवाववन्यत्रम्या न्वेस्याहें हे न्दारह्यान्ययाची वहन्यत् न्नायर पहिन्यान्ता न्याय प्रत्याय न्या हिका है के दे विवा नम्भर्यते हें स्मार्थित प्रति स्मार्थित प्रति स्मार्थित स्मार्थित स्मार्थित सम्मार्थित समार्थित समार्य समार्थित देध-बन्नाम्बर्स्हा महन्द्रमायात्विता महन्द्रमायान्त्रा महन् न्नियाना निष्याच निष्या गु.वीर.वे.पर.चेबकाश्चा की.बार.रे.का.वे.जा.घ.के.वे.विबेबकाश्चा तथ. नि-५ मि हे सम्बाद मिन्द्र मा मिन् ५८ अधुव महै कॅबान्यु निविष्टा प्रकृषाव्यव प्रवासिक मिन्ने विष्टे प वनाम्भूरान्युकान्ता क्रवार्श्वितात्वार्याः व्याप्तार्थाः व्याप्ताः वर्षाः पश्चर, द्रा चिश्वर छट, ज्राद्धर प्रत्याचाता क्षेत्राची तार द्रे हिला घटर नि-न-हे-स-स-मान्त्रात्मा पहेन दिन प्रमुपयामान्त्रा नि-न **बुदारनार्टः** हेवाला[[क्रेनवा]याबेदायरावावबायराचुरावबा यहाते। ५ सराम्यान्वेवा ब्रिट्यायाक्रेरासह्या प्रातृत्राचायाय्या **न्या**न्तात्र्याचा के नेयाबन्या के विषया के प्रत्या के विषया के प्रत्या के विषय के प्रत्या के प्रत्य के प्रत्या के प्रत्य के प्रत्या के प्रत्या के प्रत्या के प्रत्या के प्रत्या के प्रत्य कृतायार्सम्बर्धान्ता म्बद्धायारम्बर्धावरार्धान्ता हे पर्द्वा र्बेल'म'न्ना छ्या कुँर'मी बुन'यनम'न्ना खुन'न'र्ने दे'ॐछे'सु'ॐ न्तर्नार्भाक्षर्वःश्चित्रिः । इत्रार्धिः विष्यावरायाः विश्व ×ι

देश-दुक्ष-स्वर्धा प्रतानिक्ष्य-प्रतानिक्षय-प्रतानिक्य-प्रतानिक्य-प्रतानिक्य-प्रतानिक्य-प्रतानिक्य-प्रतानिक्य-प्रतानिक्य-प्रतानिक्य-प्रता

स्थितः स्वीतः स्वीतः स्वीतः स्वाप्तः स्वापतः स्वाप्तः स्वापतः स्व

तृता मुबद्दान्त्र व्यक्त व्यक

देशाया है। यतुवा वळवायहॅन वेशास्या है। देव स्थाणी मानस्य मा अर्गेष् मं न्यंष्याम्बुखायाने क्षराय हुराई। तेरासं रूपा ৻৻য়ৢ৾৾৾৾৻৸ৣ৾৻৸৾৻ঀ৵৻৴৸৾ঀ৸৴ঢ়ৣ৾য়৻৸৾ঢ়৽ড়৻য়৻য়য়ৣ৾ঀ৻য়ৢ৾ঀ৴ঽ৸৸ঀ৸৻ঀৄ৾য়৴৻ रमेलायाके कुराष्ट्रवाया प्रायव याया मुद्रा दे व यात्रह्या प्राया वा द्वाताब्रम्यायायायटा**र्**गच्युराद्वा श्रुप्यार्द्वाचार्द्वराविद्वानीयाग्रहार् हे प्रदेशक चेर ग्रे चुर हा है। र्ग्येल क्रिर [[चैर]]कॅ म स्वायक करा न्यात्राक्षाम्यान्यात्राम्यात्र्यस्यात्र्यस्यात्र्यस्यात्र्यस्यात्रात्र्यस्यात्र न्ता ल्राष्ट्राचा नेवा हुव चिटा छ्वा तवरान्ता ल्राष्ट्राचा का छेट वा ल्वा ५.२.ची.चर.तेचे.यपु.लेघकाल.चेरीचल.यक्षा व्याक्ष.जा रहूर.जू.कूंच. मामञ्जान्युवामते प्रमुखान्य नियानु विषय हो। दे हे द्वार मुंदा विषय विषय बहरा क्रेट्स्न्स्रामर्ग्न्र्स्रामुख्यान्दा शुनार्स्रान्द्रा अ. दे. तपु. क्ष्याकटा तथि विश्व रटा। ट्राहालमा अपूर शिमा यमया प्रमे स्था स्वायाता प्रतिवाद्या । देवया है वार द्विषाया वर्षा वर्षाया वर् इन्डिक्निस्ति विक्राम्या विक्राम्या विक्राम्या विक्राम्या चेच्याककूच्राच्यारचार्या। विष्यायम्बर्धारमा विष्यायार्ष्या धना कु के द में दे रह पा दु या चु या नि र्वे म कु पा हे द र पा द या पा सु द स इ.ब्रय.छ.च्याई.ईया.विट.एवीर.एच४.वेयाच्या प्रार्थे.वा.प्राया श्चि वेब रामा महिनाब रामा के विवास है नवा गुवा गुमा हिन हवा नाया गुप्त वर्षामा

निया विषयात्राक्ष्यात्राकुन्गीयात्युराव्युरार्थ। विष्युष्यात्रीय्येष्यात्रात्रां । मान्दा संदूरमात्यम्बास्राह्मप्मित्राष्ट्रीयम् · 회사·스틱드·디본자·미정자·힐·필디·모디자·오미오·디필·조·조· 저어·힐·닭·ቯ자· चन्त्राचार्ता खे.कुरापूर्ंतार्टान्याचाञ्चलाबाधुराष्ट्रयाञ्चराचञ्चरार्द्र। दे प्र.र्थं, प. र्र. ड्र. त्वायमा क्रिया रेट्र. र्र. ड्र. ८ हे तथा या वि ट्र. ८ हा वि ८वृट:५८:। देहे.कालना अल्बिराहा अस्वारत एवृटाला खनाया या श्वार । अप्रा र्द्र पा पर्सर वस्तर द्वा विस्तर माना न मोना मिना के निर्देश वे राय के में हैं राय कि में में में में में में बयार्च्यामारवृत्यति ष्याक्षेत्रमार्यम्यामारे कुना व्यवसा तश्र्रा व्याया मुला वळव मुन्या मुला विष्या विष्या विष्या विषया विष्या विषया विष्या विषया व मुद्रमा श्रुव दिन्य द्या रिह्मेट अळ अया ग्री सिंदी ना बट क्या राम श्री साम हिम र्भ। जरास्तरमाणुग्वार्थाः द्वारान्ने पान्ने वा देशहराना स्पर्मा द्वारा र्मात्रुवाकुवा न्याप्तात्र्याकुवाच्यात्र्वा न्याव्याक्षरे नाजुना स्त्राचनायञ्चर। देरहेरायाञ्चासार्थार्ज्यायाज्ञादनारार्द्रेरहेरावायाख्यार्तायद न्युल, वृद्धाद्याप्त प्रवाद प पार्थः द्वाप्त्रायना बंदिः श्रुपा श्रम्यापश्चितः द्वा व्याप्त्राप्त्रापान्या पर्वे सान्ता 

्राप्त विकास स्थापन स्थापन

型山村である。近いでは、東京では、東京では、一日、日本のでは、日本

नित्राक्षात्राम् व्यापाक्षेत्राम् व्यापाक्षेत्राम व्यापाक्षेत्र व्यापाक्षेत्राम व्यापाक्षेत्राम व्यापाक्षेत्राम व्यापाक्षेत्र व्यापाक्षेत्य

ल्ब. २ वं ८४. ई. ८ तथ. मु. चे न्याया १ व. दू. ८ तथ. मु. ८ वट. हैं व. १ ४४. र्मा अव.स्.र्ध.लट.लच.चेट.क्च.र्र.ड्.रटा बैनब.वथ.अष्ट्र.द्री ब्रैनयन्यत्मा क्यार्वर मा केरा बिटा हैं विते सेस्य हैं पर्वे पार्वे । पर्टे. कु.पञ्चातम्पर.क.जच्चार्टर.पश्चाताला मैंट्र.चंबर.पा.ज.वंबर.पूर्व रब्रेभ'रा'प**हन्**रस्रेश। **अट'पम'र्य'**पक्रि'रा। बद'रम'र्झेद'मस्रा लक्षेत्रणटाम्याः हिटाम्याः । सुराहेत्राम्याः हे प्याप्ताहित्र हेरे सूरा वस्त क्षे वर् चेटा प्रकार प्रकार हिंद्या रहेटा पासु क्रिंग्तिया या **इ.स.१ १. में य. ४ य. पर्ये**ट. पपु. ८ यूट य. त. ४ ट्याता पा. य्याया प्रायाया अत्राया या **गुब-छेद-म-स-दा-तु-ङ्गर। वेश**य-द्वेष्णय-इश्वयःश्वर-त-श्रवयःयः [[घठुः ८६**५,४४। ४.७.५,०.१**८,०.१८,४४.०५८.१.१। श्रुथराई.पर्.पक्री. 면'〈판'〉 요면도 '실도'〉 다른지' 역자 미생드지 역자 제다운 '황도' 전자 बद्दान्य कुषान्य कुषान्य भिषान्य रामान्य बुषायान्य। वसाक्षेत्राम्य देब-वुद-स्रे-वेब-पर्श्वनव-ल-प्वकृता (देब-क्वन्य) न्यल-पर्श्वनव-ला देय.क्रमे.ह्रापत.क्री.रचट.वैम.ला ट्रेय.बीवर.स्.रचल.क्री.अकूर.चेरथ. ेमात्। देवासंकानियाद्यार धुनाता देवास्वयास्त्राम् देवास्वयाद्यार मान्द्रमाम्हरा देवास्यवाम्वारा देवास्यवा [क्रिंगिया] देवाराहात्यरा ट्रे.हेर.कैट.त.क्ष्रक.ट्र्य.बैत.घ.कट.त.है। तट.स्थ्रय.स्.लेब. निर्मा केंद्रियावत्याचिया (जान्या) मुखानी ने हार्यार वर्णाता श्र्याया

ह्नाः ह्नाः व्याप्ताः विष्णा विष्णा विष्णा विष्णा विष्णा विषणा वि

न्वत् प्यत् कुन्यत् प्यतः व्यत् व्यात् व्यात्य व्यात् व्यात् व्यात् व्यात् व्यात् व्यात् व्यात् व्यात् व्यात्य व्यात् व्यात् व्यात् व्यात् व्यात् व्यात् व्यात् व्यात् व्यात्य व्यात् व्यात् व्यात् व्यात् व्यात्य व्यात् व्यात्य व्यात् व्यात्यात् व्यात् व्यात् व्यात् व्यात्य व्यात् व्यात् व्यात् व्यात् व

तहस्य न्याय सुति सुच प्याय प्यायुन्य वी क्ष्म सुप्त हस्य न्याय के ये या स्थाय सुप्त स्थाय स्थाय

লাইনি: ব্রীবা ব্রাঝানি: ব্রীনের বির্মান করি। বর্ষানার বির্মান করে। বর্ষানার বির্মান করি। বর্ষানার বির্মান করি। বর্ষানার বির্মান করে। বর্মান করে। বর্ষানার বির্মান করে। বর্মান করে। বর্ষানার বির্মান বির্মান বর্মান বির্মান বির্মান বির্মান বির্মান বির্মান বির্মান বির্মান বির্মান বির্মান

न्यायः हे हे खरामा है। हे निया अध्यक्षियः वृणु सामाया पचुँ ५.प्या सर.त.षष्ठ्रथय.तियाय.स्यायायाया झ.यथ.ह्र.ड्र.प2ँ २. ८ह्रथय.प.पर्कें रे.पथ.कें,यश.पीचा श्व.चेंचीचा व्याचर.कुर.पच ४.प.पर्केंट. नाताह्रश्राप्तेनाशः श्राचीवा ह्राश्चातापटापनानिटाक्याह्रह्यावियानशः अन्यासुरम्या अन्य केवापायी प्राप्त कुरास्य । कुरास्य स्थि ब्राम्पार्थं रात्रा अर्थं राया विष्या विषया चकुर्यास्तरायां गुरस्या वार्षा बातान्विकान्त्रीरस्यायान्द्रेयसावसा नुतर्याहिःस्टरहेतुःयस्वासा नवट, तथा सर, ता क्षानिश्वाकील, त्रा भूट, टी. सेवाची हा. अ.पना हैं वे.ज. ব্দেব্ ক্রিব্ ब्रम्या मुक्राप्ता मित्र वालवा मुक्रापता व्यापता विष्या मित्र वालवा मुक्तापता विष्या विषया मास्रुवा ल दोना नैटामे हु संदित्सह्या स्वापन में लेहा **इं'ई। ब'७'राद। धुरे'कुल'र्य'रे'प'राद। श्रेप'र्पव'क्'व'यब'र्ड'** 5। हे.तर.भ.रट.चु.इ.६.४४.वर्षी चित्रस्थेट.स्प.प्राचेर्थस्य. 

महिकालान्त्रकासुन्वाचावस्यास्याकान्वहेत्रसुर्म्यान्याः नेरमहिकाग्रीःह्रानायाः त्रहे व न्या विष्टे हे प्रता हे र स्वामुला प्रते खेव प्रवा विष्टे के प्रवा कि लिन्यामा न्याया के त्रिन्या मार्थे में मार्थे मार्थे में मार्थे में मार्थे में मार्थे में मार्थे में मार्थे में য়ঀ৾৽য়ৢ৾ঀ৽ড়৽ঀ৾য়৽য়ৢ৾৽য়ৢ৾য়৾। **য়৾ঀ৽**য়৽৾ঀ৸৽ঢ়ৢ৽ৢঀঢ়ঢ়৽য়ৢৢঀ৾ ঢ়ঌঢ়য়৽ৢঢ়ঢ়৽ঀ৾য়৽ रय'रेव'केव'यव'कर्'रय'रु'युद्रय'येव। दे'वव'स्वाव'य'येव'हे। र्व' हूर. ५ विट. येर य. विट. कृषा क्र. हूर हुर या क्र. हूर पार का या साम का र्स्रायन् यायेन्यात् स्याप्तियात्वाम् स्याप्तियात्वाम् स्याप्तियात्वाम् क्रेब्र-रन-र्नु-पुद्र-प्राचुन-प्राप्तहेश्वर्या-पुद्र-र्द्रा ९४०४ हृद्र-भी श्वरायान्त्रवा र्हेर.वेट.क्टा.क्य.क्य.रा.प.स्वाय.प.इय.तर.पार्केट.ट्रा वायट.पा.क्रे.परीप. য়৾৾**ৼ৾ঀৼ৴য়য়য়৽ঢ়ৣ৾ঀ৸৽**ৼয়য়৽য়ৼয়৽ড়ৢয়৽ড়৽ঀয়৽ঢ়ৢয়৽ **ฏ** นๆครุ่ยา व्यन्य स्वापावे ता र्रापर वहर्ति विषय भी कुर्णावहर्मा सुरावस्य मुं पमुं र पार्वी ह्या सुर पुर पुर प्राचन मा मुल पर र प्रावण सुप क्रव-प्राट्या क्रिय-इत्याया प्राप्ति मुरापलेट्या क्रिया स्याप्राप्ता स्याप्ता स्याप्ता लामुख्या देवे वर्षा देव सुर्वा स्था स्वाप्त के स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स् - **८८.म**खुब्रायाम्या देवास्यास्य हुँ सादेग्दी रुले श्रूटायागुवादम्यास्य स्रम् कुराम्यताम् स्रम् कुराविष्याया हे तिम्याम् विषा है स्रम् मेया युः सुना देय हैं नविताना देय हैं हैं महरा में माया नव हैं न्वा गांबाय के त्या मन बार हुट नव बार नट हाया मन की मार कुं मकुं र यहा

व्यट्-द्राक्षान्त्रम्याक्षेत्रम्याक्षेत्रम्याक्षेत्रम्याक्षेत्रम्या

पङ्कुरःवना देनःग्रुगःरुःरेवःकेदःम्बिवःवु। देनःब्रःकुतःपदिः**धवः** 5व.रटा रराष्ट्रियाताकु.सम्बर्धाता बटामुझाल्ये हैं.पूर्ये प्राप्त सम्बर्धाता देश.बट.चेट.केच.४ चैथ.च.इ.च.क.च.च.क.ची.४४ चिथ.४४ बुंचया हा केव चिरा केटा। स्ता श्रेणया हारा ह्वा ख्या स्या चिरा पर्या। हुवाक्षराक्षरकात्राच्चात्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्र चन्या देया बराया के प्रमापत मुदारी प्रमाया विवास कर निट.केच.मेलाशक्रवी श्लूर.बेट.चेब्रारमाजा.चेब्रा राबिटाला.चेब्रास विभवा ४८. पुरारपायष्ट्रत जा. पुरारचिटाया बरासाष्ट्रपा रमूटया नारियानाना विष्याम् अर्डा सहरामकृति वा दी यात्रा कुरा मुनामित्रा <u> बुब। बुब,स्,ध्,स्बा,घपथ,हिव। है.क्ष्यात,ध्राम्बा,ट्टे.बुल। पी.</u> बर्तर'बर्द्राः र्वे स्वा यह सः क्षुत्र' देन्या म्युअ' कुष्तर' व सः नासर । पर्ना मुला ट्यां प्रधेव त्राचा द्यापा चीपा स्वापा चीपा साली त्या साम स्वापा स्वापा स्वापा स्वापा स्वापा स्वापा स्वापा लान्त्वता मुलामा स्याध्या स्याध्या स्वाप्ता निश्रेषाया नेषाने रायाने विष्या नेषाना नेषाना माया मुैं त्यान्ता हावा के रहान्ता चरे चरामा माया महाना माया मु ष्यतः सृगुः दे पाः द्वा अगुः दे पाः दितः । स्वेना पारे दे हे दितः म् सुका स्वा क्र्याच्चें प्रत्रे प्रत्रा अविदायाक्ष्याचीलाक्चें राप्ता क्र्याची प्रतर् **१**८। इंबर्स्के ५,२८ पढ़ी जात्त्वर हे के बार की पक्षित प्राप्त

**य़ॕॸॱॸॖॱ**ॺॕॱॡॖ॔ॱय़ॱक़ॆॱय़ढ़ढ़ॱक़ॗॖऀॺॱॻॖऀॺॱक़ॱॸॕॱॺॎॺॺॱॺॺॎॺॱय़ॱय़ढ़ॏॱॎॺॱॿॄॸॖॖॖॗॸॱॱ

हुवं वंबा विष्यं प्राप्त में बंबे के के विषयं में के के विषयं में विषयं में विषयं में विषयं में विषयं में विषयं चु 'ठॅ' ता चुर रहुद 'वेब 'र ता स्वाब 'ता था युवाब ख्राय पात पात पात दे दी। बर्ट्रियम्रायम् निय्तिर्वम् क्रियम् ४ वयः एदः मुः प्तापरः प्राप्ता रायः मुंदः पुरः श्रुः श्रृंदः भवा प्ययः। श्रुः रायः मुः लाक्षियापति प्रमात्र प्रमाश्वापाश्चरियाची मान्तर त्राहेत पकु ५ दे। पक्के ५ हे नस्य म् सुका ८ मा हे सर्थ । स्वाप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप हूर्राचनाया पटयाचयाया इवायापवारेवा देखरानुः हुर्रेदाळ्या र्यटा रवियामायम्या चया है हो। या है राधिरामा प्राहे बा हा नामा हुन् हे न हे र व पुट कुत न्याय मि यदे मिने न कु र पि त है न जाबहराना ठ्यूबाने.का अने.क्ट्रांनहांसूटा श्रीलाङ्गेवाळ्व 5व.बील.च्। ४च.र.बीच.ची.वा.चील.ची दे इंग्यं कर स्वाप्त के विषय स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्य लाञ्चित्रवाद्वा के प्रति देव प्रति देव प्रति । पकुर'ल'र्स न्यायाकु'र्मव खेर'माहूँर'स्ना'र्घव व्वा प्रात्रे हुर'र्छ' बेलाम्मन्तरहे। भूरारे त्यान् नुनलाई न्या ग्री प्रेन प्रेन हैंदा है लाचकु। **८ॱबॅन्यात्राणु प्वार्टे हिंदाल प्वाक्तर विवार्ट प्वाया हार्युर कुराने अर्ट्राया विवाया हार्युर कुराने अर्ट्राया विवाय विवाय हार्युर कुराने अर्ट्राया विवाय विवाय** <u> तश्चरत्र वत्रा</u> अर्द्र श्चिरा श्वेषत्र श्वेषत्र श्वेषत्र श्वेषत्र श्वेषत्र श्वेषत्र श्वेषत्र श्वेषत्र श्वेषत्र

च्याया के व्याप्त के व च्याया के व्याप्त के व इ.एचर.चंडु.चेबेल.कथावट.रे.सं.भुषे.क्षे.भूष्याचक्री हेबाइ.सं. लालमा भ्रास्वाकुलामाहाला देवाकुरमामाधुलामु। वेराराभ्रामा ला देवालाकुन कुरियन मार्थिया प्रदेवाला वामान सुर्भात्वा है। स्वा ला नेबर्नस्कुर्मेबर्धम्रु। हिंदुग्बर्दिः ख्टायाला नेबर्न्दि सिंद् पञ्चलामः छलः नु। यनः सार सुरामान्यात्मना से से से उत्तर में श्चिम्, तेष्ट्रे, विषय मुन्द्रमा स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत विता अम्रिराश्चिरा श्री श्री श्री मा मुद्दा भी दान देवसान मित्री षदा शतः मुद्रेमा श्रा विष्कुः मा भिष्कुः मा प्राप्ता विष्कुः सामा मुका चे खे मा त्या मन् निष्म है है है निष्य महि निष्य मिन सुना लाम नि मळन्यागुरस्य ५५८। व्याद्वायात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रात्रवातात्वुत्यम् दे। मुद्रे कुर बेर म कुर खन्। नस्ट भै कुर ब (मन्टा 🏻 सुगय कै कुर म्बद्धानाम्बद्धान्या ११६१५४ मुद्द्यान्या स्वर्थिन म्बा मन्यम् कुर्येर्या चर्यो कुर्। . व्या महिर्यो सम्ब कु.कैंट्रइ.डामर रज्ञा अ.क्ट.च.च.भूट.च.न.विट.की.पच.क.चच.च.च.ई. हु·हॅद्रायाम्बरायाम्हिराण्चेम्कुरार्मारम्ग्। देवेरकालम्राण्येसाहिम्राहिका कुर्पराञ्चरपराया ट्यारस्पाकारेटान्यराधाया ह्यानुसामस्या

ह्रवायाया छवाया वापायाच्या नेया वाया ह्यायाचुरा छ्रा वाया

ला देशन्तराक्षाकेशवचुनानवसाला देखान्यम् वेलानुग्रामाखना

नु का के वे वा निया हुन अहै। ने व का रे अ सर मा निवुन दें।

सम्बद्धाः मृत्राम्बद्धाः निम्द्राम्बद्धाः निम्द्राम्बद्धाः निम्द्राम्बद्धाः निम्द्रम् याची स्वाम्याप्या देवाला देवाला स्वाम्याम्या क्रियायरा रमः बूटः खुरि दमरः खुव शुः अर्ह्मानी को सेवा १८० सेवा रमः तिवारम् म्बन्ध हर् हे हेर्या हर्रे मिन्यक्रिया विष्या केर्ये वा **८८८-१४-८५। नहर स्वया नेमा** श्रुवेश्वर हैंग मर्बंबाचा वर्हित्रप्रेत्या वर्व्यविक्रम्ब्र्या व्यवश्चीयार्थ्या **बहुः व्राप्ता अर् व्राप्ता व्याप्यापार हरा** निपानी व्रीहार प्रवाप वर्षे विविद्याल में के ने बार पुरानित वर्षा गुरानित वरा भी मा म्बर्भा म्बर्भा केरियेटाला सम्बन्धान मुख्य हो। बर्बामा अहिन **दिरा बिर्म्बानी पन्त्राम्बर्धा लानी प्रमानिक व्या** गूरा रयामळा देशतर्भा ८७.मु.वेट.केव.ट्र.ड्री स.स्वात्स्र्र.ब्रेटा नि.रच.रूच.कटा च.रट.कूच.क्या अ.त.हच.१८.श्रा ट्या.रथात.स्या. कुलायाच्चूरार्

विक्रा विक्र विक्रा विक्र विक्रा विक्र विक्रा विक्रा विक्रा विक्रा विक्रा विक्र विक्रा विक्र विक्रा विक्रा विक्र वि

स्वाक्षेत्र खुन्नका है। यह है रहा साथा प्राप्त अहा है दार रहे हैं र स्वाक्ष स्वाकष्ठ स्वाकष्ठ स्वाक्ष स्वाकष्ठ स्वाक्ष स्वाक्ष स्वाकष्ठ स्वाक

ইন্মান্টব্'শ্ল'ষ্ঠা শ্লাম্কা শ্লাম্কা শ্লাম্কা শ্লাম্কা শ্লাম্কা শ্লাম্কা শ্লাম্কা শ্লাম্কা শ্লাম্কা শল্পাম্কা শল্পাম্কাম্কা শল্পাম্কা শল্পাম্কা শল্পাম্কা শল্পাম্কা শল্পাম্কা শল্পাম্কাম

दे दश्य श्रुप्य प्रश्ने श्रुष्य यह प्रश्ने प्

ब्रुंद के। ब्रुप पाप पाप दुव दे। रवाया कर वा ब्रुव ब्रुप वा रवाया स्वाया स्वया स्वाया रखाता हे हि तियता ये भुवे ह्ये अपरयाता इत छिट रखाता स्वर **७**८'रस'या गुन्दार्सेस'रस'य'र्राट प्रनुवार्दे। धुनास'तेवारुना'दे। रुनास' माले.हा जुटासूर.क.श पूर्यह्रेट.टम्.४२वा क्रु.हूब.४मा.ना टका याकुण्यास्यापा त्वेष्यदायण्येषा श्वेषायास्याकुणः चुरा। मुनःश्रॅमःमःनगुःचुरा। हेःमदुदःकेदःस्तेःश्रुगवःश्रवःग्रैःरमःमः हे द्वायार रव राष्ट्रके ला र्सिया सम्बन्धियास स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त च्टा ८५६, म्.५५५, म्.५५५, म्.५५५, ज्यापा विटान श्रीया ना **१ प्राप्त क्रायम में अप क्षाया अप में अप क्षाया क्षायम क्षायम क्षायम क्षायम क्षायम क्षायम क्षायम क्षायम क्षायम** (क्री ) बीत.क्ष्त.रिसे.क्षांत्रथा <a>क्ष्यूट.<a>क्ष्यांत्रीवधाता.विषयाता वाट्य.रेपार.</a> ढ़ऄॕ॒॔॔॔ॱढ़ॖॱॻॱय़ॱॺॕॺऻॺॱय़ॎॱॺढ़ॖ॔॔ॸॱऄॣॕॸॱॿॆॸऻॎॱ॔॔॔ॣॸ॓ऀऄॱॣऀॸॺॱॻऻॱ॔॔॔ॺढ़ॺॱॻॗऀॱ **इंग'र्रम'**त्रा रमें श्रिटायायमायार्टा र्ययामाळ्याम्युटा रेवे য়ৄঢ়৻য়৻য়ৢ৾ৼ৻য়ৢয়৻৻ঀ৾য়৾৻য়৻৸ৼয়য়৻য়য়৸য়য়৻য়ৢয়৸৾৾৽ঢ়৻য়য়ৼ৻ঢ়৸৾ঢ়য়ৼ৻ <u> भूभाभाशहूराभाग। उ.त्याना इ.टेबायामुधास्यासम्मात्राचीताता</u> ला ह्रांचाकासहर हुना चिहा नेसार या गुरिसहर हुना हर खुना है निस परि'यदर'त्रुन्'स्र'स्'प। द्धारियय'ग्री'स्वर'त्रुन्'स्न्न'स्ट'प। पर्स्र्' वस्यागुःस्वरःषुन्रद्विगुटःयह। न्ववरण्यःसुन्यःयःद्वरःह्नायःयःस्वरः बट.रे.वैंट.ह्रा ह्रेचय.र्वय.श्रुचा.श्रूचा चेंच.श्रूच.श्रूचा नालर,पवटाना श्रेजालव कार्यकार्यका हि.वे.पाक्रीजालव रहेब.कुब. गुव'स्वा न्र ट'य'रल'ख्टा न्र ट'य'हें ख्रम हें न्य स्व न्य ट्राय हुं 러지! Bc. 요리, 성회성, 스디너, 빛노, 뷫회, 네, 선리석, 디, 업다, 및 스스, 고구, 업본신, 보니

**पुराम्हिम्यसाही न्यतः**बैह्यस्याम्यस्य स्वार्थस्यस्य विषामुकाम्बुवायामळवाहिताचेवा पहुःवाक्षायामहिकाचेवाहे। तिवा हेव.रच.लब्रु.४८४मा.रटा अ.४८४ब.के४.च्रा.४४४मा.चे१४। ४५४मा. <u> श्रृपः मार्थः स्वापः मार्थः प्रमान्यः प्रमान्यः प्रमान्यः प्रमान्यः स्वापः स्व</u> क्या इत्राम्या हार हिरारह्मा हेराय क्या केरा हिरा वार न्या क्या महैका बैं। अप्रेव परिकुल प्राप्त है । वर्ष के प्रवास कर विद्या केर्नम्बर्चुयायाण्याकर्न्। न्यर्चेन्य्यस्यउन्कुलर्घाणेन्। सेदेर कुलर्ग्र,प्रप्राची ८६वा ग्रीटा ८ट्ठे कुलार्ग्र, स्रामा के रेन्न राजुरा हराम् खुमानु रहेन। यन्नायान् नायि कुलाया हा ने वसारिवरायस बुर्-कुल-चढ़ी ने प्लव कर्-ला निर्म् कुर-बेरा सर्-र व स्ट म्या स्वामानुर पादमा हरात्रहाराह्मराह्मा स्वाम स्वामा स्वाम है। मु न्व व तहिव छै नि ह क द व मा के द महे से कु व क द मर मि दा □য়्रचारि कुल संर्थे प्रे विष्या कुष्यर क्रिया कुष्यर क्रिया कुष्य कुष्या **पद्भाष्याक्र**णःस्राचिता द्भा द्भाष्ट्रम् विष्ठा विष्ट्रम् सर-दमनाने कुल रॉर पढ़ी दे पढ़िते केट दि प्रमें स्थालन स्टा हैं व 

भ्रास्त्र द्वार्ष्य प्रमाल प्रमान मुक्ताय मुल्या मु गुै'कुल'र्सर'पश्चरता पुराह्मण्यायुग्रामा माराधित व्राप्ताय दे स्वरा ब्रु'ल'द्वट'वभुर'दे'ल'वभू। कु'वन'न्ड्न'लन्कुल'व्रर'वभू'व'दे। वेष. मुं अया तर् वया वेष्टर देषा पश्ची मे यर द्या में मुं वर प्रस्ता पर्से पार वै। व्यम्बरम्बरः प्रमणः केदः मब्देः स्वयः सप्तः स्वरः स्वयः स्व नुस्यान्त्रेषाः सुस्यान्त्रेषाः स्याप्तिष्यः विष्याः प्रमाप्तिष्यः प्रमाप्तिः विष्याः प्रमाप्तिष्यः प्रमाप्ति পথ.৬র্. ৽থা প্রথ.য়ৢথ.য়ৢ৽য়ৣ৽য়ৣ৾৻ৣ৾৻৴ৢ৾৻৴ৢ৽৴৻৸য়৻ঀ। য়ৢ৸৻৸৻ঀৄ**য়ৢৢৢৢঢ়** यसः कृषः याः सहि। चु 'नग' गड्ना' नाड्ना' न्यु न' तम्' न्यु न' त्यु अष्टिब्र र तायन्त्र प्रथम्बर्ग स्टब्र न्यतः मुख्य न्य है खुब्र यम् नुम् इते क्रून या सहन। में अर,रधना मुंग्केल,त्र्य,४८टेल,में चन्य,४४०। त्यन्त्रायः क्रिंग्लेष्यः म्यायहर्ग चुग्नरः क्रिंग्युः कृतायं वात्रायः वा हिमा अव दा सेला कु वना महिमा लग कुल द्या लेग स हेका से पहिंदी हिमा **न्वन द्र नुःकुल** च्या प्रत्य यस्त्रेहेरेर्न्यर्न्स्ट्रस्या ह्यास्त्राच्या हिन्द्रात्त्रेष्ट्रस्य हिन्द्रात्त्रेष्ट्रस्य हिन्द्रस्य हिन्द्रस्य कुल, विश्वयाची र्यट, मुर्र, रूब, र्रुच, र्यायु, वर्ष, गुर्था वर्ष, सेवर, परु'माहैस'गुँस। श्रेस'पहें'पहुं'ह'माहैस'८८'। कुंस'ख़द'डुमा'रु'ह' चलें सम्बा न्वे चायरान्य वित्युराण्या चलतान्त्र उत् भी कुलाचा केन्। वि प्तर्भुर'कुल'पर्दर'र्घ'केदा अर्दर'प्युर्व'णुट'र्व' ⟨द्वर्व' ⟩ दुर्ट'च्चर'प्य्युद्धा त्ते 'श्र श्रुच्य क्षायाम् श्रुम्य वित्र स्ति क्षे में 'हे 'नि 'ठवा मवस' वस्यायम्ब ब्रिंग्स स्वीत्रायात्र । स्वीत्र हे १ हे १ ज्युट सः या स्वीत्र स्वी कु 496

मर कुल ख्र कुर पर लर्दि। देख्य होट पर विषे हिट मासुना मेट <कु⊏ॱ>यःम्वेम्'कुप्ॐपःभवा देश्यः व्यावुमाक्तरस्ययाख्याः षेवायाया विदायासूर्वेषायाख्वातु प्राम्या देखामुहारायाया हे कि जो जो के प्राचित्र के निष्य के नि देते स्वर्गा संभित्त क्षा देते स्वर्गा है जिल्ला स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वरं विष्यर मुग्य विष्य हिराय के मुग्राम्य अस्तर है। स्वाप्त के स्वीप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त वि'यतुष'भेषा वी'मुब'यहष'यहि'ख्याम्युब'या के'८म्'म३८' 〈ঀ৾৴৾ঀৢ৾৾৻ৠ৾৾৾৻৾৻য়ৼ৴য়ৣ৾ঀয়৻ ৠ৻৻য়ঀ৻য়য়য়৻ঽ৴৻ঀ৾৻ঀয়৻ঀৢয়৻ ಹ್ರ್ ५ना १ वि १८ व्या १८ क्षेत्र वि लचेट'र्घ'8'<चि'}वि'शु'र्वर'र्धुमा वि'ठेम'लर्नेरा'र्वेर'पहट'<हेट'>चेर् 비수다. 이, 〈오, 너희,〉 휫석, 괴석, 스, 트립스, 근 드네 트립, 등, 네스, 크, 디스, 네네 <u> शुं चुल' परद'राँ र'देर चुन्या नित्रे चुल' खुल' देर देरले गरा र्टा</u> लेम्बर-८-. त्र. जुन्न प्रचिट्य प्रमास स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स भेन्य के भें रोम्या देरह्म अयः रेअ मिष्ट्वेद के माक्टुर के दा देराया से म्या स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स दे.हैर.वेरा क्ष.भ्र.जम्बर.की.केषाःस्थाना चवर.वथ.व्य.व्य.क्ष.वि.व. য়য়৽ঀ৽৻য়ৢ৻৽য়৽৻ঢ়৽য়য়৽ঀ৽য়ৢ৻৽য়য়৽ঢ়৽য়ৢ৻৽য়য়৽ঀ৽য়য়৽ঀ৽য়য়৽ঢ়৽ दें.रमःस्रेग्यक्षे कुर्याः वेरा रमु स्रेमा ठक्ष विष्मकुर वेरा स्रेग्यकुर परि য়য়'वे। १४२'ल्टायहवामा वेषा देवायसम्मायहवास्या देते स्था विष्य क्षाप्त स्थान स्थान स्था देते स्था है स्था पर व स्था  म् अवं वि कुला स्वादी तर्वाव का त्राप्त व व देते हैं स्वा त्र्य न मि अवं हैं (उपाय के वा देशे ख़बा हुना गुम्म हदाम चेना वा देशे ख़बा मदबारी सिंदायहर सिदा देशिश्वरार्श्वरायहर स्वार्या मेदा देशे श्वरामुदार्श्वरामुदा मर्जन्यम्। देशे समायाम् अ**मार्थमाय वर्षम्। दे**शे समारत् वर्षम् अमा म्, ह्रा पुरुष्य विष्ठान्य वे प्राप्त विष्यू महिन्य वे प्रविष्य ना लेवी पेट्र শ্ৰহ্ম ক্র'ন্ন ব্র'ন্ন ব্র'শিক্ষা প্রমানীকান প্রমান্ত্র বার্ম প্রমানীকান প্রমান্ত্র বিশ্বর বিশ্বর বিশ্বর বিশ্বর त्त्रीत्रभः खुरोत्रज्या **या व्यापन्यत्रम्य व्यापन्य व्या** न्मार-न्यायद्वायाः भवा प्या**क्षेपा**कवावश्वश्यवायविरायप्ता श्रादेग मर्का भिरामुका मा के दिना स्थाया उदा की निर्माद का करा करा करा करा का महाराजाक्ष्य प्राधीमा प्रमुदार्मा महाराज्य स्थान हे काला स्थापहेंद ढ़ॕॸॱॿॖऀॱॱॹॖॕॺॱय़ॱॸऻ॔§ॺऻॎख़ॺॱॻॸॖॿॱक़ॗॸॱय़ॱॸ**ॖॿॱ**ऽॸॱ**ऴॸऻ**ॎढ़ॕ**ॸॱॷ**ॸॱॺॱ**ढ़ऀॱ** न्यत्रकादि नद्या देग्याङ्काम् क्षेत्रत्वहरूयायाया के विवासी देशका वर्गेता वि.[[४८.]]हूर.री.मेन्यवाताल्या वरपत्तरमाङ्गानित्यास्त्रम्या भेवा हर न्यायम् विषय हे यय स्यापा देवे ख्यायम् विषय देवे विषय यास्यावा देशास्त्रम्भियो देशास्त्रम्भियास्य स्

चुट्रह्मायात्र स्राच्या स्थाप्य प्रतास्य प्रतास

बेरान्नाया स्राथित्र प्रतापरिक्षित्र विश्व स्वता स त्राक्षेत्रायाः वर्षेत्राविष्याः वर्षायान्येत्रान्ताः वेदायाववान्ताः हा लाउटा नेबाबी लातिहर समा बुरा वर्षना मुण्यु स्वराहि हु पारी संक्रुयात्री संवाहितात्री स्वाहितात्री स्वाहितात्री स्वाहितात्री स्वाहितात्री स्वाहितात्री स्वाहितात्री स्वाहिता केद अही युगल हे है अप रमें पा गुद ता हैं आ लि कुर देव केद अवस्या गुव के कुवा पकुर हिव के बार वास्तर वास करा वास निवास पन्ता सन्यानुसार्वेशायरे हार्चेतातानुसायहेसा रेग्यास्या स्त्रास्या महैं के ने कर के बर के बर के हिंदी विद्यार है के ने कर कर के हैं ने **भेवा भे**व 'हेव' कु 'अर्डें है 'से 'कु ब' बे 'हें न' धर 'र्डें ब' स्व 'र्डें वा स्व 'रें वा स्व 'रें वा स्व 'रें मय,रबे.पड़,श्रीतामा कूचा,र्वा कूचा,र्वा कुचा,र्वा कुचा,रवा कुचा,रव ५न इमायर रेदा केदा रखेरा चारे मा विवादा कुला ख्रार रुवा चरे किया कुला ख्रार रुवा चरे किया कुला ख्रार रुवा केदा **८मरः भूब**ाला इसामहोदः कुलायते रुद्दारु रहें नायरा स्ना ।

दे पहुंद क ने न व प्राप्त प्र प्राप्त न्युकाकन्द्र-८: पुरुकाकन्द्र-१ स्वाम्य । विवयः न्यतः व्यवः व्रतः वृतः हेते द्वारत्युवः वृतः कुषाः वृतः विवयः न्यव क्यायदीरभार्मम्बर्देशयम्बर्देव। त्रवर्द्राः स्ट्रिंग्यादेश्या · सम्सम्बुक्षरणुद्रच्चि द्वारायर प्रवस्त्राक्षराक्षित्। चुन्नक्ष्यर वेस्तर द्वारी विष् प्यथात्रमा १व.र्य्यान्टा केषा. व वर्षा विष्या वर्षा विषया वर्षा रेगे. पर्वे अंकृत्रतुं **बुन्**राणुं हुं रह्युलर्न्यन् प्यतःश्री देन्यादहेव या ह्वसाणुं र स्यु द्वित्र र्पन् रू से राज्य मार वर्ष प्रति राज्य मार वर्ष प्रति राज्य त्तुलाने ला निराहें वा विषया के वा में ते चुना पर के वा में ते प्राहे का पर ही ला विषय हुन्'खुव्'सेल'दर्में'प'दहेव्'यहर्'प। वर्षेव्'पॅ'ह्युव्'रश'म्बेन्यराय'सुन् प्रकार्या द्वे.रेचर.चम्.वेद.क्र.स.च.कुर.त्र.रेटा रेचर.सैंबे.कुर. **र्मसंगु**द्द्वे प्रस्ति व्याप्ति व्यापति व्याप्ति व्यापति व्याप कुला विष्ट्राकुता सेससा न्यारी द्वारायर प्री सर्वे र न विषय प्राप्त दे र द सम निरंग्रेश हैं निनं निराय की निवं रार ने हवा सिर्टी गुव'ल'पर्डे'परि'युन्य हे'ठव। ८५५ है विन्य में विकासि रह्म लेवा द्रा य'न्दा तहेन'हेन'अनेन'यें'रेन'यें'हे। कुल'पते'स्य'यं'अस्'रं'हस्य क्रांक्रेबा ब्याप्याप्यमुलामान्नायिः हरापुकाव्या प्राप्ताने रामान मॅ'हे'क्रें ५'येम्ब'म्बेम्ब'द्या १८'यद'१ अमर्दिन बेर'यस्यायाद्रस्य **ロ4.** 百4. セニロヺ、エ、與之、〈エ4.山矣と、〉 野とか、ら、ぬ、山と、ロット

्रीप्याम्कार्याम्याम् १ के अत्रामी भी मी १९ दी प्यापा अर्थे प्राप्ता दिया यान्या केनायरायम्ला (नमला) यहाने। हेन्द्रायम्ला (नमला) वा वृद्धाः प्रमान्य विषयः प्रमान्य विषयः विषय भ्रमानान्यव प्रवास्त्र के विष्णु विष् <u>२मलख्ब जर्हे न्यसरासालद्वाख्य वी मुस्यस</u>्व सङ्ग्री माजुल में इसस मुकामहर्मित्रामार है का हिदासार मार्ग महुदासा मुकाम मी का महिरामारी <u> ५२.२५४२.४५४५८५८५ विश्वास अवार्ष्य अस्ट्राय</u>हे. वसन्ता मायासद्वानिसाठवानीसानह्यान्ता वाह्यवानशनाहिका युवार्ष्ववाद्वर्षम्युवार्षुकार्षुक्वराहेरकेष् विदेशावराष्ट्रावदाहरसम्बर्गाचीरहेनायका पर्नेव'म'न्दा. १८'रल'म'ठव'विश्वयास्यवाषयान्दा विश्वमुन् न्ता अमिलवेत्राष्ट्रायदाव्यायहेवायते वाहेरावेवार्ता त्वाष्ट्रीरूरः चुै'सॅ'कु्**य'क्वस्'र्**टः। वॅर्'र्ट'स्मिर्यःर्ट'वळव्'हेर्'चु'स'गुव'स'अपियः म'**६ वर्षा के प्रतार वर्षा वर** मिल.र पथ. पथट. प. प्रथा सिपाय. र टा। सिपाय. प्राप्त सिपाय। मिट. पा। िचे,ता झेचबर (झेबर) त.चेब्रेश चेपर प्रेंच,चेटाता लेबरू, चेबर, न्नसः नृत्या विष्यः संस्थाः स्वायः कवा दे तस्यसः ग्रीः देवः प्रतः क्षेत्रः यदिः मिश्चर्रस्य त्या चिर्त्रस्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विषय विष्य म्रु. त्योर कुष्या स्रास्त्र स्रुप्ति त्यहे त्यह त्या स्रुप्त स्वया प्रति तार् ८ **इ**ब ८ ई बर्ड का बेरायायबा चुटाया रहा। दे द्वबंब की बहा ब बर ह्या है। 리자·독 4· 메5 4· 대' 보다 | 왕도' 좌' 도 생 미 출' 최' 교 5 미 최 ' 교 ' 교 ' 최' 교 5 디

याकन्। व्याप्त व्यापत व्य

त्नायात्रयुताकेनायते देखाकायां विष्या हिनाया विष्या हिनाया **कै.८८.धा** प्रताहितात्वतात्र्यात्र्यात्र्यात्रा क्षेत्रया (८ मा) हेलामा वर्षेत्राची क्षेत्राची हैन स्वासम्बास सम्मार्टा **दी ले** 'नेन शुरु' ह्व 'कॅननामामा मार्चेन' सरामा स्था स्थान **पन्याम्यान्वेन्यार्थायह्रा** श्रम्यामान्यार्थयास्या **रू.र.च या व्यापा स्थाय गुरादे प्रमान्य हिल्ला अध्याय स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्थाय** ब्रिन्द्रिंग्यहेर्यामा क्रूबाग्नी,क्रिक्ताम्, ह्यान्यहेर मुलार्चा सहित्रा सिंद्र सामु ज्ञाना सा से नुवा वहुत परि मुला नक द के दे परि था व्यव प्रवासन्य पहिंदासर सावुकाणुना रेगका सुर प्रवि अकारेस माबैनामरामान्। गुवान्मायुवार्वेनाकासम्बाहिकासुगाहित्। मानिवावा **रैवः घ**रः के नः **मॅन्** 'ग्री' खुन्या अरः मदाम् नामा नीमः होत्। येन **ळॅस**'८९े'८्र'वृंग्नुवृंशास्त्रवृं**सस**्हे। देटाकार'तुबान्।चन्तः नहसः हेटासर' **ৡ। ন**৸৬.৴৴.য়৴ৣ৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾ मुर्देरः रुवापदे क्यायाञ्चा हिम्राह्म हुनारा वीपदे रूपराह्म गुःबा त्वायात्रम् वर्षात्राहर्षात्रम् देव'म्बीमा वेमा'केव'कॅस'स'देस'सेस'स्वेस'यास'दा सेसस'ठव'दे**द**'तु'सदे' चुकापञ्च (क्षकाणुका गुवाणुकार वोषाप्य वेषाक्षा क्षेत्र ।

स्यार हुँदानी स्याम्बामा स्थान क्षेत्र स्थान स्

वि के किया के दाक्या का किया

ॳज़ॺॱय़ॸॱॻॿॖॸॱॺॱऄ**ज़ॺॱय़ॸॱॸॗऀॺऻॎ** ऄ**ज़ॺॱय़ॸॱऄॗ॔**ॻॺ**ॱ**ॺऻ**ॺॺ** तर अह्र। श्रृश्च के प्रत्याच्या प्रत्या स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप बार्चिम्बायाप्तेवातुः पूर्वा अवायमाणुवायार्थेप्तवायाम्बायायुः वैवार्चेपा षे ने न् ब्र<sup>ा</sup>श संस्थान चुराया में न्। से सार्व सार्चे न् प्याप्त सार्वे प्राप्त सार्वे प्राप्त सार्वे प्राप्त स चण्राकुषाया द्यारा विषया মেলেছ রাজ্বি। ই অহম কিলে বাইবার হু ই বর্ষ গুরুষ আইব। চর্ব महेव द्या ता हे दूर अद र विका क्या द क्या केव ति है न परि हैं में भा ष्ट्रा न्याळेन्यायेन्यायुन्याद्वानान्याराम्याया ह्राम्या १००० वर्षे बेर'९६, सेर.बी अटबाक्यांचेबातकेवाराह्य साम्बर्धा विकी संकी स्विता स्विता स्विता स्विता स्विता स्विता स्विता स् रयः इस्या मुयः केदास्याया गुदः ग्रीकादी ग्रीमराष्ट्रास्याया सर लहर। देवयम्बर्भरेदेव्हिर्दर्भरा रेणयाम्बर्धयामुलामुलार्मर वै। वेस-८५६, देश-पंत्रभाता १५६६, विश्वा से ८. प्रेश-इति संस्था ग्रीया पञ्चरा पर में प्राचित्र पर पर सम्मान के से साम प्राचित्र प्राचित ने'व्य'हॅन'ञ्चन'म्केय'व्य'न्रा चुन'सेसय'स्व'यस'म्बय'चुस'णुन्। देट'सट'स्टम्ब्रिंटर्पर्पतेर्या नमार्क्ष्यार्वे केवाबुयायापना देर्हेन् मुबल'चर'वुद'रहेंद्र'चबा ्चद्व'नेब'क्रेब'स्ववाचन्यारवदा मिनेरामानुहासे केमा हेरा दे ब का यदमा मीका स्वराया यह वा स्वरास्त · चेठुचे.८८.४त्रे८.४र्चेर.चेबेटशो क्र्य.पीचेश.भ.बूर.चवेट.तर.वी प्रचयः यर मृंग्र त्या व्यापया या विष्ठा विष्ठेत प्रमा स्थित स्था विष्ठा स्था विष्ठा स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्य स्मिन्ति । स्मिन्ति स्मिन

শন্ধ শৈল্প শুলু । বন্ধ। 038406 Accession No..... Shanta akshita Library Tibetan Institute, Sarnath